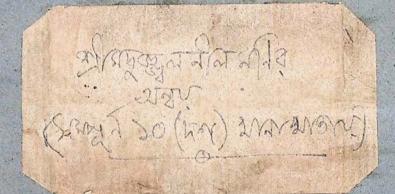
(2/18/17)

No. 8

NETAJI EXERCISEBOOK



in John John de

Sept 2 191

128 PAGES

torre 15

रात्रा अस्य अस्ति स्ति व्या त्राहु wine- Car- madyn 1 िमामाक्षेत्रकः (मामा माममात्वन काक्षः माह-मूमा १ आ निज: वमफ: उउ दय जा वा वा विक विभित्न (यन मः) नीलन (म्या विष्या मा (निक्रामन) नम् (जीनमनाभान श्वामिण्यः) डेप्तीमयम् (डेकी अ डावर क्वर्मन) निलक्षालाव्य बदायी (मिनकालने श्वामिकार्यने मर्विड अव डेव्मवामी) अनाजनात्रा (अमाजन: निष्ण धार्मा स्वीनिस्टा यभा मः) अलः (मपा अल्यमभी स्थापं जभा धर्माणः (सराखात भ्रेन्यवः) अमिति (श्रीतमे सर्सायमः धारिक्र विश्व । क्षी क क लाक - मार्था : क्षी क्रकारि माममहारम जार की कभी कुण वमका निया यभा मः। जभा भीत्मम मुख्यार्वम मदामण् सकार काममर दिल्या काम । काम थियः अपमावः मः सकः समासा लाइ विकारवित्रवर्गा । कम अमालता माद्य अपना विक्रास यभा भः , श्रीमपु-समावम ट्याञ्चणसमामिक्षे:। अहं: बनेक्रीक्)॥१॥

म्यावसम् (लाउ-क्रीजि- खाट्मा- वर्मला व्यत्न माममू मैं प्री में देखरी) मः क्या र असर कार्य समर्वासिका रे वार्डिक्ट्रमुखाद (अविस्मानमुखाद) लूका (वूर्क्क क्रिक्साम्ह-मिट्यो) यर कालम (यर क्रिस क्रमा) देलिकः (देकः) मः भर्तः (भर्वनभाः) छक्तिम-वारे (छक्षिमानाः डाला) लच (लाभुय प्रति) (द्विस्तिन (द्विस्टिक्त) दिस्टि (यम्रिट)॥ २॥ मर्तेचा यि : (मर्वेषयामा मिन) खात :) कमो माप्त : (वर्गाया (वर्गायामाल:) विकासि: (काहिल: विভावानुडाय-आञ्चिमकाविछि: काव्न-कार्यी-मर-कार्खिः) सामीकार (लासाय-त्यायोकार) सुवा (स्थाप्त प्रभी) ब्रमी थि छि: (छाङ्ग्रेम ७ ख्रु फिर्मि द्वा हि:) अर्थ वा आ : (जनाभकः) डाक्रिन: (आकः (कार्यकः)॥७॥ णा भीनं (भर्नु तर्म) कृष्णः जमा (श्रीकृकमा) वल्ला छाः ह (त्यमंत्राण्ड) व्यालधुनाः (व्यालधुनविखायाः) त्याळाः (कार्या: । उन आकृष्णा वियमसमः , उत्रा यस्षास नाजना असे मा इंक्टील ;) 11811 अप मा कि विनिर्क्त ७ - भाव भवा कि काला कि । (अप रेगा कम्मानि पुछा काउड़ा वर विनिर्भण निवाक्षा भाष्यवाकाती अवाकि अव्याकाताः धानीतातिष्ठार्थः स्वानाः कम्पर्वानाः

माल कलाका : अने का प्रकृष्ट के का का प्रा भा) द्राक्र न-कला-मरी-अदिमा : (मृल्ला: त्रवारंग: अकाल बार कार मुक्तामा: मा: म्भारवाभएमानिन): कला: का वब मही: न छ का : जाआर भी देश छ : क्षा हा कूर्या पि छि :) अतारा निनी (अख्यमीमा म्माधारिनी) कुन्नवधमाक् छ : चिल (अकालधान-मवधन-नामधन:) लव्य पिवा नी नामिशः (अव्यक्तियात्रामण् अत्योकिकामण् नीतामण् निर्विष्ठक्तः) ब अत्यारीयकार्छ-डाना मिकि: (ब अत्यारां हे द्विभिन्मको -(पार्कत मा में बहत: बामार हा धीसे । साथ : मार्थ : मार् म्यं ज्यक्ष द्रेश्यः) वर (ज्यास्मामः) सर् (ज्यादः) भक्षांग्रे (क्ष्मिकार । क्षांचाकार काल (व्या महाराग्ये काष्या क्ष्मा ;)॥७॥ त्रमं (अकिकः) संस्ताः (संस्तिः) शर्वः (कितः) मर्वमन्भनेभविष् (मर्खः मन्भरेनः छल्लकरेनः व्यक्तिः मकः) वलीयान (अमुख्यनः) नवलक्तुः निकली (वयः जाक्ने ः त्योवसः यभ) मः) वावप्कः (वान्त्री) विग्रम: (विग्रामनेकीयः) स्थी: (ब्राक्रमत्) प्रकारकः (अल्डाबिड:) भेव: (माडिड:) विपक्त: (म्यामिक:) हल्यः (मिल्रानः) म्री (म्रास्तकः) कृषकः (जिल्लाकः प्रकार प्रकार भारतीलार्थः) पाक्रमः (धान कुन्य प्रवादः)

त्यमनणाः (त्यमाभीतः) मही न्याद्यारे : (धमार्मनासीर्णः) वरीगत (अवर्गतम्भः) क्रीलियत (अवर्राला भीगामत-कीर्छ:) ना नी स्मार्न: (युक्ट सामार्थे) निक् मुक्त: (प्रमुखन-मार्किन- हरायकारी) अल्ला किले अस्तिन-Смуня Сма व न न्या प्रामा केट: (क्यां मेर Смунирия ? कि: किया अर्थ कि का कि : सर्व क्षेत्र : भी क्षेत्र (क्षा भी -वस्त्र) नाम के क्ट्रम इह्याएं (व्यक्षाका : र्रेड्सिकारः) 34: \$1801: (Carea:)#2-1 my and (34,205) दिमाक्षा : (दिमाय समे) क ल्यर अव (अक्टरमाम् -मिक्सि) महार्ख्या ॥ १ - १॥ र्र (यय भर्ष व्या काम ममा) भ्रवित की दा-मालापि-हज्दिममा (भूचिए छाक न माम्काभिका डेकमा डेका: श्रीर्गपाणाप्म: श्रीर्गपाछ-श्रीव्यालिष-श्रीव-यारे- मुद्राष्ट्रका इष्ट्र हडादा (ल्या मत्रो ल्यो) जमा (अक्कमा) व अछि: ह देलअछि: ह देखि (स्बे) अरकत्न विक्लि (विग्रालि । व्य मि: व्यविवामार डेनलिक बनविज्ञाता विक्र्यः)॥२०॥

तः क्योगः (जर्षांगः) व्यापुत्राहकः (यत्राध्रयप्रकः देविषक विश्वासन भागिः भू द्वाजीनुष्यः) बद्द , म : भानिः , विस्मी (लम्बिक्सः) जै अवीक्षणं । (क्रीक्कः) म् ह (मिल) के कि पुर (व साम्पर हो मिक- में यह) पि खिलो (लक्षालक) कार्मिनी (श्रिक्षक्षान् क्षेत्र) भावकार देल-असमी (लामीम) देवस द्वाळ पुर आपं सक्य: (डेर्म तम डेष्ट्रानिड् अमर्डी लोग्म अन् मानविक ममूर् (सम म: कम मम) करवं (आपम) लक्ष्यही (र्यहाव-वात्। जार् डार्थााखिम श्रीकृष्यानिकार्थः)॥ > 2 ॥ रावं: (अक्कः) क व्याले (मायकायार क्यारिय) विमर्ध-भूक्षा (क्राक्षिने। प्रत्र) किन वयुगन खाय: (कनिव: भृशेव: युन्तस्वातः त्यम म ज्या) सम्बन्ति (यक्तात्र) क्ष-पी अ: (कुछा मूत्रीका पिका एम म:) पाक्रिमार्थान (पाक्रमंद्रभाने विमानि) प्राम : (काश्रिमापि एन विज्य ् ज्या) कृषिए (क्यिषिक) भूनेएक (भीत्रविवर्णाक-जैम्क-यामचि) म नेता (मने हामर्ग) यावतार कि (ट्यक्ट्रं) मीम्झानः (मान्यम समल्यानः) लयर (विक्रावर तका भारता) लयमानः (साम्रीय व्यवस्त असमानि कांगिन मा ज्या मन्) हेरके: (कार्क्यार) Azaro (2000) 112011

(द) महामारंग ; (द) सहास्तामिष्ट । (द) लक्षुव्यदि । (क) कालाम्म । (क) त्मात्र । (वर) प्रमणालम्बर् (क्यीक्कर) (म (सम) अपिर कुक । ए (व्यार) नमः ॥ १८॥ थाः (माक्त-क्याविकाः (माल-कन)काः) रेडि (भूक्तिक-समर) अक्षेप (इकार) लात्कः (म्मः) अस (पाक्य-कू भाविकाम) वंब किं जीता (कामाकि १) जू इर्स (की कृत्क) मिल्याय: (मिल्य-यूमि:) प्रपृष् (माणः)॥ छ : वर हि (जमाएव एएए:) म्लक्षरीय भाषा रेट। (लग्नक्सत्ह) काक्य्यिहाइए (कार्क्य्याः आर्चम्गार) भू वर्ष ् जाभाव (ज्या डाव वडी तर लाकून क्राविका र्माट्) व्यक्तिएगष्मवः विकार्ष्यवः (अविष्णिन विवाद ?) अपंति (त्याकलवस्तवमा व्यवस्ति। म के बरे साम्य द्या के चाहर का को (इंग्ले खार ;)।।। ।।। अवकीगावमार्थित (अवकीगा अवमा वर लहाः आग्लमः क्षा) वालने (अल्लिक्नि) वर्मे (लाम्बिवि) द महाराम (द्रिकस्म प्राष्ट्र प्रम्कतम् प्रवासम्) विर्यान ट्यम्बमाणः (जिम्मा भवकीगावनामम् क्रिनः ट्यमः वसि: कि वासकार विसर देश्य: । अर्ग अतः) वर्षः (मामिकः) दुमलाहः स्टः (देक मेठार्यः)॥ २१॥

(Cetrisigni)

A प्रदेश कि का किया पि- निमप (प्रदेश कि के : अ) वा भार व्यक्तियां मिष्ट् प्राञ्कलमे अकामिणः भः काकितापि-निमपः (का किसापि- निमप्र क्ला वव: ७०) कुक्छ ; (कूर्वा नेत्र उला) हा रहा त्माहन - त्नाल - अड्य - वलंग - क्वारें (वारवास्माहत अयुक्त मार्याम्मारेनकाट्य रे (मामा: हक्षमा: त अड्य यमंग: (क्षां क्रिन् अंक्रमत्यक्रम् (रहक्ष्णायः) म्यः (वावसावः) स्विः (लाकपत्तकः कमा) इन्ह का कृतः का कृत (नकः) ज्ञामक- खब्बु- याको प (ज्ञाम बाना से मबागा अवंगी अहिलाया वाकान वाका व्या (क्षण्यः) द्वा श्रामः (पूतः क्रा वादि छ: आजा हि उर् यमा अमा) कर्मिः (अक्कमा) वाराआमंत- त्वात- त्वान-विद्याल-त्याएं (अक्षांत: ठाळान् काल म: त्याल- विदुक्ती वस्ती वरं जमा क्लाए था अव काल मिक्स मण:) नाकवी (वामि:) भवा (कार्ड (अर्ड जाका) ॥ २०॥ थय (अक्टकन मर उलमूक्त नेनार केप्न जीनाविलाक) এৰ প্লাৰ্স্ (এপুৰ্বসম্য) প্রভোত্কর : (মর্কোডमञ्) माश्मिकः (मालकार मान :)॥>)॥ यूनि: (दवं :) जभा ह (भूर्याङ भ्रमभूग्वी हार्थ : । र् ड्वड-बाक्सिवादायविष्ठे) यडः (व्राडः भकानाष्ट्र) वयः वार्भा (मिश्रार वर निवार्भाए , लाक ए रिर्माण कि निर्माण के निर्माण के रिर्माण के निर्माण के रिर्माण के निर्माण के निर्माण

का स्कप्र ६ (मिन्नम) अक्ष माजा काम्का ६ व ६ (७) मा १ (राष्ट्र) भिष्णमूर्वका (भन्नम् वर् मूर्वकाम् मे) मा मनाभमा (मनाभ-मधालेगी) गृष्टिः व्यवमा (४० म्यो यवा (क्या क कर्म क्या :) ॥ २०॥ क्य (अवस्ति) मरे अमेरें काच (दुर्वाद्र) मरे अमेरें (श्रिष्ठ) डेकर् (मूर्जाहारेफी: क्रिकर्) उर व आकृष-मार्क (अर्ककार लायव-मार्क अस्वकृति प्रव:) वंश-निर्भात्र-श्वापार्थं (व्य-निर्मामः व्य-नावः धर्वव्यविल्येः कम् आदार्थ धनु कवार्य) धवलावीन (धवलव्यीताः क्कांडि) क्टक (वर्षायम नियन हुडामनि रत की एक) त (न अस्वजीकार्यः)॥२०॥ आकः (आहीत-धरानूलावाः वीतीता क्याः शकाः) ज्या ह (अस्मिक्ट असम्मिक्टिक्ट म् । वर्ष प्रमास्त्र कार्य । वर्ष प्रमासिक्ट । व्यक्ति प्रमासिक्ट । वर्ष अस्ति न कार्य अस्ति । वर्ष प्रमासिक्ट । वर्ष अस्ति । वर्ष प्रमासिक्ट । नवाकावर् (अंशेक्षः श्रीकृषा नकाकार्ग एम ७०) क्लिकी विक विद्वार (क्लिकी विक्षार विद्वार प्रमा कर (भाषाय- तीय खिला मः) के वया क्षां (के वया या के लाका तं भाष्ट-संस्कः वर मार्डकिक) लास्ति (लाइ अंगुर प्रधाम)

अविकाभ हेम अहिं का मा ह

लग्न (लप्येष्टं) हिताः (वळ्लवाल्याः) जाकं रेग्रा (एक्ना) लम्बन-पिक्रन-अग: (लम्बन्यक पिक्रम्भ अप्रमे) र्दे हुं ह देखि लाभी (गत्न) महातः (क्याः (खलामाः) दुमेटि (वर्गास)॥२७॥ अन् (मर्मे देवलढ़ अवं (क्वमं) न्याने - मास्ते (आले दार्क हिल् (वले हे त्वे हार्य) महिल्ला (माठी नाट्स प्राम्ति) व (अप्रक्त) के एक विष्टान्त्री (भाविष्मा हेन लाविष्मा) मस्या९ (मिकारेणः) मर्मण् (अनुकूतकारि)न अयुक्ट् (अनुकूतकारिक कुकेंग्रामव (म:) यात्रीय (नक्सी, वंसप्ति) (मान्य) भवाते: कंस्वर (कार मुक्) मञ्जात मृत्येत:)॥ 58॥ जुङ्गाने सम्मा म्ह्यः (जुङ्गा ध्रम्भ सम्मान ध्रमेना वीश्व भाषाः) विकास एम म क्या बन्नी जिल्ला) , मः ध्रमे ध्रमेन । (धनक्ताभाः) अकी हेड: (cars:) 11 2011 कार्यापा किक मेरे चित्र ला में क्रिया (में क्रो मंभमावा । यवः) विस्तार्थ (वर्भाः मुवासार्ग वर्भाष्टि मलत प्रिक) कमाल (कामियान काल) धानाप्रशं: (धन) समामणं:) धमा (नी कृष्णमा) म्राजिः (मावन अपवीः) न बुल्ल (न ब्राट्यांडि)॥ २७॥

रेक्ट्रीर्मिक्ट्रिट. (जा वन्तवस्त्रम्मारवंति।(रर) ↑ क्रिक्स (क्रिक्स मिर्ट) वार्य ! आमा (आमीम अप्रिति) वल्य-लिएः (लाल राज्या जीमलमा) (लाके। हत् (लाके लिए) रियमक्ती-मिक्दम्- मृश्वि-चिमः (रियमक्तीमाण्यमिक्षामाण् निक्राम्न प्रमूटिन हृष्टिण मः म् की भीः वृद्धिमाण् वाम्राणाः (अनेक्य) प्राद्याला नाः (त्मेक्य) प्रात्न हे दक्षित हे ब्लामाः (आर विकार वाका) कि (कि निकार मार्था का मिना : (व्यम):)न भीका हि (म मीका विस्नाहि, अप्रम्भा वर भिकाकी कार्या भिया हाती : हुडा कारी के कर्म) यूरी निक्र आ कार (क्या कि कार क वार् बिमा (जव विवर् मिछ) भग भववि (ला: (न्नीकक्रम)) कृतिः व्य (कामन वृत्तावत) मवामे (क्राम कामनीय) (अक्र ही (अक्टे ज्या हलडी) न पृथे (नाय लिक्जि) 112911 (अक्षिम) भी द्वापालान कृत प्रमुपात्र यानि) व म (क्षण्याः (जीवाधीया अलिमान्सार्शन मानाक्ष्यान प्रत्कुलम्बानी कृषा व्याक्ष मही है) क्रवल य - मृभा : (कहाल (लाहमा : व्यम्भा : र बमगेः) रेगकण त्मुमाप्तः (रेगकणाताः प्रत्य वास्ताः किल्तिः उन्नीविलिमः) अमन्निन-कला-नाधी-अमुनिका (मनित्र कलानाः का अकतानाः था नाटी नाटे अवकनिला छः जम्ता: अम पाडिनच १ कार्य: १ क्या : असायमार अर्कालाकिर् मूक्ताबि वायर) अबि ज्यु छार् (मर्काल विश्वायम् मु

ज्याल) अध्वविद्यः (जी कृक्या) वादावंश- अप्रलं- विश्वापेख-व्यविमात्रिक (वाक्षायाध्य त्या वक्षः विमेश-कम्पर्कमानाध्यम्भी उत्यव अक्षेष्मणं मृत्र न्त्र निर्मातिनियात्मर् धामाकि विधाण् ः भीलए यत्रा उभा जावः उठा सेव अष् निम्भवनः उत्रा विनामिए धन्कानविधाः) रेमाभेनामा (।नाभेन डावमा) हरें। काल (त्ला शिल) म धरेर किस (म प्रस्व की जार्थ:) 112 511 (म्बेक्स) श्रव-प्राचिक्ष के के तर कार) अरमार (क्याटार) लयं वायतः (वियासकार (प्रता:) (महिल्याः (अन्यामारकारः) अभरीण-यायश्रक् का छातः (wordo: नियानिक: या यश्रन-क्कानार् (ला-भाष्यमापि-ग्रवश्यं कार्ग्राप्त (हाद: यमा सः) म कार्यः (क्या किकः) कार्यना अर वित्रवर् (क्याने) मक्या-कूत-बरानि (धम्माकूल। म्हलनि यसनि) अलक्ष्म (@ ANLEN) 11 59 11 (क्राक्कार हार-आधार के अ क्षेत्र में मार्क । (१२ मू (लाहत। वार्ष!) उव अमेरिकालू (मेरे (क्षा अवार्म) अमे (अमेरे दिल) * व (क्रांभारे विस्थे (वर्षमा मूर्भ) हे भामना बहा भार्म) अप-एडम) (बाक्षतेम) त्वम भाव (कारक)कार्यानेत्मो (अर्क्ट्रिक) क्यार (एकन अकारमन) मार्क (अप्टिंडि) छने: लान (माक्राप्त) अक्ष्या (म्याउगर्डार व्यव क्याह) मन्ते (लिकापक्षक कं) न क्से (मुकक्ष्म) देखि:

(थाड : देमभी ?) वित्वर्ण-स्मेनात्वर्ण (वित्वक्य) स्मेनात्वर्णी रमण्मेनान्त्री), मृष्टि: अर्घापनादिनी (प्रतिकृषाञ्चकान्त्री) वाक (वाती) कर-वित्रमा (वित्रम्थान्यका) भूगक्ष: ह भी (ग्राच्यामा (नाहजान-अमीक्षा उत्ति) ॥००॥ लोहि! (अक्क्र) भीरवाका जा मुकूल ब्रम् पार्या रे। त्र) लिए! (मम्) प्रकार (नवर प्रकाराकोर मर) (मर्म) स्मापन-पाउर (सम्म ४०० विकामिन्यः) प्रमः (हिंडर) जावकम्मीर (उस मभी की मार्था) वार्त्य (वार्त्य का) अर प्र व्यव-धनामित अध्यानति (कामिनीनात) अने १ थानि न मक्कला व्यामक (मामक एउन बीक्रम: ने। जभावे में) मायू-(मळ्प्यक्रप्रक्षक) म: (यंगक:) लम् हितः ल्या (लप्यार्थ वस्तुर्व हिछ । मभ प्र कर्मा है कि । भी भी में कि एक विस् वसम् ।) Сш्यव (क्षिक्ष व व क्षिर) कर् त्या (क्ष्र) त्याक कु ं (कार्य रें आक) म केकिट (म शेमिट) काअ (प्रमंद :) मर् 1 120 (200 (200;) 11 0211

(१८०० के फिल (मार्किन समात्रवाति। हे १ त्राची । (प्रः) जगुर् (स्कास्त्र) अ कमाप्त (विम मरेक्ट वर सकात्मित्र); 150;) (अम असा थ्या) (प्लामा अस् ला रें १ द्र राभ लम) लमी सर्वे छिए: (अक्कम्) विमें (अर विस्पा) मिल जाने गे भीकः (कालान) बहाइवः) न ट्यक्नोति (कामारिष् प्रकाति) उर्(क्सार) विकास सम्रार् (अय-हिडामर्) मधीनर् विकाल (सिम्मीट्र) स्मूर (भवस्मव क्रायर) अस्त्र (ज्यक्ती बिंग) स्विमत्ते (विमत्नेति) व्य (कास्य म्याक) विसित्या (विश्वस्म) विश्वामान ६ छ : शिवि:) कई व में कि: (म अलंड:)॥ ७७॥ (प्रकार्य प्रमाय के पार्व कार्य) लाम कार्य लाल मार्गिकार्य (तः) ब्ल : (मक्षिडा डायर मः) पाक्रमः (के) देखाड ॥ 08 ॥ (ज्यार कार्य है। की किया दिन विश्व काहित काहित करिन समग्री अछ लार । (र साम ! के चीर्कसमीय गता) के मिल्य व में (क्ट्रल-रावप्रिका) माण (याप्रत्य क्रमाता में में विकास धार्म) विश्ववि । (क्क्ट्र) अंग बास-म्बन्न: (क्ला बाब म हामें !!) बावं (निगम् भाषं १ वर् नम् दिनं भामिति के कि कसयना (वसामोग लागूना ह) इन्हें शानु: मीत (सीव-कीडाया) लिए (प्रमार्थ वाका) एवी (मार्थनी) ह न्यमानी (बना अधारामुक (Mul)) अप (कर) कामें: अंड्-

र्भारी: (वार् प्रकृति कारामी:) मार (वर्भाष्ठ) मिलार क्षाती (बसारानुक (तामा हथ्छ। (य क्षित्रक्रमवं ।) ला : पंड-में भारी: (ला : में क्या : वासा रसपा :) मान (ला स्वार क्क) प्रभार के (यद) विकालित (मिर्विष्ठ अस्ति) विकास (अर्थित (अर्थित) कार्यित (अर्थित अस्ति) (अ अखिमां हे : कर्ष मात्रा मार्थात अभाभार्या व व्या म महत् सका अप कर किया किया (अकि किया) हिया (कि या किया वा शेल हिया: छा:) माडिका:(थरिका गाणा) (क्लाबारवनायक क्ष्या ।।। का। कामी (क्यामी) कार्य (क्यामी कार्य) मृग्डिलि वर्ने (प्रत्मार्गम्या: डिलिव्ले डिलिम् विलाम्) कल्या (करवार्षि) कद्मना (जनाधी) आक्षं डलं (अलंडलंग लक्ष माद्य भर) र्के सिक (र्के सिक सकाला गाठ) हा वा (व्यास्त्र) (ए। स्यर (अक मेप्र) लयें (ममा क्या) समात् (अमिकां) मक्सी (क्सामी) क्रक्लू (क्रक्स्य) क्रक्ष टेलबड़ा (अपादी) नीबड़ार् (कारियक्ता)कन् (१४९) विभिष्ड (अनुभगार्ड) देखि (वन्र) स्मामीिः (अपार्डः) भूमण्य (मग्रम्य) भूमण्य (मग्रम्य) भूमण्य (अम्रम्य) भूमण्य (अम्रम्य) भूमण्य (अम्रम्य) धाकाविष:) अर्थः अर्थन: (अरिकः) व्यामिश्वद्याताः (वहान क्रियाम अस्मिन प्रमे हें हिम्से हैं। जारह आपक्ष काह्य: साम्रेक्स:) क्रें (क ह्याविश्व :) जारह (वहान द्राव) जम्मा (जाय (क्रिक्ट) मान

(लाप- प्रका निष्ठ । त :) व्यवः (यानिकाता लायवः) सिन्द (रापावन) यक (यम्) अयं) लयाय (अर्याक) है अर (म्याक) सिमियर (अमि सिक्सर) ककार (जाहराठ) मिलह (अस. (205 26) marigo 2 (Die) 12:) and (wie;) 4 (4: भके: (१०) भ्रायः ॥ ०१॥ (ज्यारवर्ष) रमकालमा (अविरक्षम) यादा (मियार) माण कृति (अस्त आयीशासी : (अरोगी लाकने प्रकार उस्मार)मानीक् (विश्वियर) देवर (देवार्विय) हें उद (हेक्सिन्ड) भामि दें (भामा: महम्म के कर) # रो भी कं (लाखरां) म कु लाक्न्र (अहा) आस (जमानी (मायूना ट्यांभी) विवर्ग विवर्ग विवास-अनिवार बक् र् रूर्यामाः जमा मेरे) विनिः अमा (अमः प्रमास्टकः निः भ्यात्रः जिङ्गा) मर्म विभाद्यः (यमनु-यमनीः) प्रयूषामाः (अत्रत्राधमुका ् स्मीर्धाम) रेक मिर्मिष् (थालिखकी)॥ (९ साउत्पाद्धं अम्भुग्छ । मुक्कं मह अम्प्रायम्य (मावर १८) कका लाम के से के के दिया (के से प्रात्ते) वामित्य (ज्लीकुलन) जननीयःकाडिना (भनकाडिना भीजवानी तकार्थः) वात्रत्रा (वसकत (जब वमत्वन अन्तर्मिक नाम अनु मार्प-व्यक्षिकत - सामकाली में कि प्रकेश में वि (प्रकेश में) वर निर्मानका (कलि कार-गार्वि) था क्षेत्री (अक्रालाकका:।

लड: कर) यात लहुत्र- लाड्न कर (या सर् आप मह मह मानार गर अद्भी गाम: वर कारा म व्यक्तिका प्रविभाशकार: ००) मेळ (अर्थिटोअ)।। वर्ग।। (लाम रिक् माक्ष्म मार्ड) ला दुराका में भी रहर मान्या क (काल्नान के मक्सान्यान मामामा के मुनार किरा प्रमान म एका मिक्सि याभी मार्म म: के जिला है का कि लिए! (७००) सिम्पाय हम- एक: १ (या करान- ट्या करार ही मा करात सिक्षेत्र एक) कार (म:) अस हेमु: (दृष्ट) के क्रोट 118011 (उद्देश ने ने क्षित क्ष त्या (धमा + म्ला घूम् दिशा क्ट्रम- (वशा दवि), (माक्रास्त्रालाक्ष्विमिन लाका न त्याक वनक) देव नितः (अस्ट्रिंग) (अस्ति (क्यामक का ट्रिक में में में) पट (लाया । वं) संस्थात (केंद्रीस) म्यून कर्री प्रकृता (लारीय-मिममिछि) सिय९ (बुद्धिः) विद्या (कर्नामें शेषि) हिन्दू (anser) () । क्रका: ए में हु: (क्रम- यम स्थाप दस मृबि:) किस्व (क्य) विभवीण- गिर्हि (विभवीण मिल्यक्राक्त्रकर्षाक्त्रक ममा: भा उम्मूल, इक्रवनमा अनिम्मित्र भारियामेरी) व्यष्ट्र (व्याष्ट्र) 118>11 अन्याना हिमाराकः (शिलामाउ-श्रीकामाउ-श्रीकामाउ-श्रीक-आर सामा हे हिंदिए (हिंदि दिए : १ के प्रिंट्स एवं मुख (अस: 1 में में हर्ट्याच् स: मः) जी मह मार्ग हिः (प्रेम् छम- में में छर-हर्वार्क अन्तार्ग (हर्वार्क अनिकार्य दराने)।। (अनमह हर्वार्क आहे-कण)मः भे अने क्लारिए : (अमक्ल- प्रिक्न-अरो- वृक्षेकारें) : हर्षि दिन्न अन् आक्लान) वर् बार्टिश (बन् वार्ट-Mara:) Glao: (33:) 2000 (0100) 1# 1100 (कर्ण) अक्षा कार्यकः (असमाजवार) मुर्जादिकः (कार्यकार अस्तात्म दे दे हा मिस्ता : मानि हमः) है # भूतः (द्यंत्म) अमान् क्यंतः (अमयान्यापिरम्य) म देक: (म र्मार्स :) 118011

लम तक्ये (यामक्से) अहाताः (चाल्ड्रिस्त साह्मारे क्यानुमः) (छरेक: विषे: विष्यक: भीठेशम: ज्या विस्तर्भम्म: (रेक्ट) लक्षा (लक्षिति कि कि विकाः) माः (७ वमः)॥>॥ नम् अटमाल (अविराम- वहन-अन्ति) तिल्मी (प्रका) प्रथा (प्रि)) आ दो में का खुला (मांग (क स्था दो में या में कि हा) (मना-काल का जा (मना कालका किरामी यहारिय-कर्ष य)-समापरामिलार्:) माकार (अडाय छ ; सर्वना वशा एमें तेम्रिः) क्षे लानी अमापन (बीक्षण अले क्षोना (मार्जाना (मज्ञानमः) रेक्यामा । मर्गः मर्गः म्हां : (अठाः)॥या (व्य रहिमक्ष्ममार) किंद्रः प्रकात-हळें : (प्रकात मार्क-नायेक त्या तिलान-त्रमादतं हणूनः निभूनेः, धार्या त्रकातं मक्टिमाम्भार म्यूनः) मूछ-कथी (मूछ् उ अ० कथी ग्रम) म:) अमनको अभन्न-भीः (अमल अल्डा-नन भिन्दिः ममा भें किए। (१ माछ)। लच त्याकाप व दर्भं - हमांबा-एकः (क्लंबम र्भावन क्यापिक: क सामा) मः (८६६:) ट्याङ: (कार्यक:)।।०॥ (जममात्रमनेमा) त्वि! (त्य नीवारि!) रेम् व व्यव्यक् (लाम्मित्रें समं) केंच लान (काभ्य मान) म में यह प्रेर् (मावलाकिएम) यर अविष (अवरकारल) थावार (महीकाः)

इति संस्थ्य (व्यक्ता माक्का) प्राक्षिका (वस्तिमका). ल लेट (स्ताका में क) उथमत-मैत्रकाश (स्पृक्का) इंछ (इस्मिक कल्पन) गागडः (ग्राह्म हलन मण) जान रेकलाए कथारी (कथा न्या ना रास) के से या गुर् (इक्षावालिए) लिखा कित (इपर्य प्राणिका)॥ 8॥ (अम तिरेमक्रमेन्त्रम) त्वल्यामकाक्रम्मः (विविधे-त्वन्र-इहमा-मिळ्न ?) वृष्टः (वळ्ळः हजू रेक् रें) टमाकी विकायमः (जिंत्रहथकार्तास एकः) शासकये-क्या- प्रमी (कामण्डाक-श्रीद्भारन-मनापि-श्रामण्डः) विषे: रेके व्यक्तिमित (कक्षाद) # 1 कलाय : (asien aux;) esag. वक्षः (वसामा अष्यः) रवामः (उत्त) विदः भविवः (30:) 11011 (वर्टायम्माध) न्यात । इत (उधर्षं) आवंश्यम्-विकालिं (माम्लाक्षीनार श्रीने लगह मान मिला ही नार विकिविद्धिः सहितः) अम् लक्ष्ण व हम १ (अमूल्यु गानि war जिल्लामि भागनी भागनी जार्थ: ्वहमानि या अ अ:) विष्य (अर (विव विशेष: श्रीकृष्णम) अभा (वाक्षव:) णहर् हिंदिः (क्रिक्ट- (विन्यक्टि: वहति:) भूणः (क्रवभावः) उस् काल्यार (व्यक्त्यार में रत का) यात । केस

कलकी करवर्भी मार्निण- नगडी- ट्योयक-रेजिः (कलर् कम अगळ अरे बर् ये आ आ उमा की उद्या नम्हार बर्ल्णा (बर्न म म् निया नियानिया जनवी-एमेरक्स) मर्व्यक्तप्रवार्ष्ट् यदान्त्रमा दृष्टः दिर्गु (एम म जणानिनः) यति : (श्रीकृषेः) विसा अर्ड्ड हैं (किंड) य मक् म (म सम्ब :)॥७॥ (७० विद्वक-तक्षनेत्रकः) रमसामार्थः (वमसापि-नादकः) CARCH CUM: (CURALES:) क्यर स्वतः (क्यर: । अत्य रम मः) विकृषणं - यस्पवले : (मिक्षानि क्यांगर वहार में विसाम किं) रामाकारी (मर्दे भर राभ) जनकः) विम्यकः (टक्कि) # । एथा विम्याभवित (क्यामा-माद्राक) श्रम्भामाः (क्यारा (क्यारा (क्यारा) व्यानी-क्रियकः) भागाः (कार्यकः) ॥ १॥ (र्द्र) भामित ! (स्व ! (जीयार !) कू जू की (को क्यार) लाक्नाभडनः (लाक्नम) भूभियी-प्रख्मा वाभडनः रेखः वालाक्ष्यः। भाष्य वालामा वाला । नाक (माकूलमा) उव रेजिएत्रम्यत्र धार्थावतः रेखः यस्त्रीक्टिन अविभात्रक र्थेत्: "स्टिकः) स्पर् (स्ट्रम्स्टि) लिंद्यान्तः) विधान (दिन व्यार) आकृतः (आजिनः। मार्अः विभानर विलिये-जातवह "अन जात रेकि-जातार्थक-सन्भाषा के कि अपन रेकि त्रिकः, विलियो अपन ज्यान थमा जिन्छा !। लक्षं मढ लास्ट: लासुम कस्त्र अध्यारास्त्र सम्मान:। धार्या विष्ट्रमक्षित विभवः भाषा विल्वः धातः भारः

मामवास्त्र अभिमात्मार्ने न मस्टिपिन्थीः।

X

मम) अम्ला व्यवता भार वामा । विभाग निभावा भानः जव ला हिसा है मार मा अपडाम लिया के नाम मा हमा हमा हमा हिसा हर ल्यासर: मास्ट ें हा, असम मा- मारक्षाड । लाक:) बेट्ट्रम खेंग लहुमा सर्गः। अक मसर्विः (अक-मक्मान्द्रायाक्ष्यक्रमान्द्र र्शिः यस्तुः) में हो हार (क्रिंग होता । या ले वे का संदर प्कार्तिः ज्या स्ताति अवसत्यादा-भीकार्यन भगनेन्ध्रिति ह । श्रीकारिकृतिः सम् विकि (यकि दायः)। देवार (१ वर्) अताम्लाम (लाड्नास्त्र भाष) बङ्गार (क्रियाकार) लाहरेक्रोस्त्रः (अर्थोशात:) अल जामे ए (०व) अर्थतः (७क्) \$ 20 न अथका (अपडीकेपाल न यप्न कट्यांडि) नामिय (यप्तात्वेष) जर म अमुक् (माम्म्य) म् । यज्सु प्राव्यतिक क्रांभ सार्मिक कार्मिकी कार्मिक कार्य:) 11 5 11 (हिस्त्य ने स्वरं अम्मिन । (क) आमित ! (क्षी वर्ष !) उयम्बीके एवं: (उवजा धाकका एवं!) कम्मवन् : (भूफी:) अर्थ दुवक कार्य (काराम) यस (सम्मा के प्र्य) यस किस्स (मार् मार) प्रद हु क्लाय क्राय (लाग) हु अर वार (९ अर्थास्वर लायगढ़) समा व क्रावा (लर्बामार: वें कम्मन (आमीण माम देप ए अलिय : वार्जिया के माजा माजा) नियक्ता (क्रामास्त्र) हे (क्रामा) विस (क्रिय) मिनमार (मिक्किण्ड) जन केलार नर्भा मनानम् उर् जाने

(७ व अ की के प्रत व वर् मा मामानन क्रामिश्व) प्र क्रडः (क्रमाकारणः) धम्बहः (धम बाकाः धव-व्याचित्र) म धानवानि (मासियाम । अथवा + जमान प्रव्या व अपन्यांत्र प्रव कुड़ कुन बड़ल)।। ग।। (लाम खुक्रिय-प्रमाध्य) तः ३(प: मानक्ष्यः (क्यातप क्ष्यः) (सम्मा (भागक मुद्या) लय बेहिलार (सम्म्रिय अहा-में हैं। मं वीव हामः (ड्रम्क) कार्याः (ट्याकः) मारा करः अपितरहार (जन्नाम कार्य के वर्ष : (अप क कम) वरिक मा:) 2)16 (CLAS) 112011 (जप्रारचनम् । समीमाताले पावाताक्य) श्रीकृष्ण वत्रण्या जपर् अस्म अकि क्रमण्यामाभीकि विविध-विक्षावादिन ह आवन्ताः भिवसम् लावक्रमम् १ थाउ श्रीदाधवाका म्।ए) ट्यावक्रमञ्ज ! कार्निकीयुनित (यस्ता-क्रक्टि) विश्वम) (मिभिन-लगडः) विमाणमण् (विमायलगरः) भूक्रमधिकः (अक्षिम) नीला) प्राधे निमिल (अर्थ) (मार्थ) (ब्लामनः) वव (ज्य) भक्ति। वका ह्यावती ध्य त (म अठ्या) । क्से (ख्राक्से) अप्रदेशः (अवस्तिमः) ज्या (TO ATE) MAGE (O (DA) ON 208 (E O DADO) ENDO (महार) ह र यम: (यहार: \$ 128) (आयह्म प्राक्तारिय) (ट्याम स्थाप मार्थित (में मार्थ) से म्योग (म माया क्या क्या (ट्याम स्थाप मार्थित स्थापन स्यापन स्थापन स्य

क्या ट्याइट प दुर्वलाएं । मक: यह वर कर्ट द कर्माल न मन्या , किर्मन: क्या शत्र प्राचित करा जभा भर्गा ज म कुछ: सम जब वर्गादिका प्रति करान करें ॥ ८५॥ ११८ हारहास म (दिया इं मार् के प्रथम् ति । यह वर्ष व वर्ष दिवसं का मिर के का प कमाः अधिकार क्रिक्ट हित्राह । क्षांस म वे वर वर्षे य असि हित्या हि लाल । अन्त या क्यानी महिंगा दिसी अभाग अली क्री सम्भागामि सम्मत् किर्ये के मा मा दिस्मक्तिका अन्दात्रक्ति विकार कर्मा की किया विकार कर्म कार्य की नामा कार्या या काक्स थार । तर) की मामन । वर रेगर (अंख्याक. क्रमा) डामार्जः (यहमध्) देत्र (आभीत्) भण् विश्वस् मंदि (यस विश्वासं धपराह) कतामा: (त्रेस्पा:) क्रमा: (तर्य-कर:) हलमास (लस्कार महीस) किस्र (कर्र) प्रश्रं (श्रिशं अह कार्ग । म्या क्र सकार में स्टेक्स कार्य । मस्यान मारि। यस मृद्य ह क्षेत्राचिम स्थम वृद्धि र्यक्षाल । मार देस्टिकार प्रमा एति मम वर्षे : स्कुकि म्हारं कि म्बार्। के अवस) मेग्सिय-मेर्यन् साप्राहिक कवार (मेगाक्ष्मार् यर मैंसेप्र के के मर सामा क वात्मार लाहिया में त्या काम ममाहर,) बस माडी (मकाडीर) बर्ट (हत्यावनीर) है भी मन- बन: (मुम्सां में कुण) आदि (लामकी कर्राम्) ॥ ४०॥ (में क्ष्य:) कप्रके (र्मा क्रिक्स हम ब्रायुक्त लाम र) ज्ञामक

(का अन्यम्य भयक प्रमात) माठा दुक्षं देशक : (कार्य अंग-उद्यमिद) यम् - जियम माम्बद : (म्री कृष्ण कर्दासारका : (समातका सके अभीत्यक ल्याम्बः) याक्तिः सम्माहोः (सम्मुख्यकः) वरः (ट्यकः) लाम (मः) मिनसम्मणः (९०:)। ट्याकेट्य व सेवय: य: (माकक्रम) ख्रियम्यम्य मः) यरेर (कम सानायकार) लक्ष्यामंत: (ज्यत्यम्यम क REST.) 112011 (उम्पारस्तमा) म्रावतः) की का कि निष्टि (की कृष्टिन भट क्री हाराई श्रेष्ट : क्रिकार क्रिकार क्री के छ । वासी पक्ति,) असम्भे (क त्यंत्रमुं) असारी (असमेखार कार्यत)) स्कारक रामिक (कार्मावर नेकार मार्टि कराहर । (The sent) sound of the sent (sent of control) 2000 कत्यात (उद्यात) जिल्लाह (त्यांमा रक्षात्य) अर्ध-अक्षाणं (काझमम न कि एक अ विश्वासने अ विश्व स्थित प्रवर्षः जिम्मिष्ठ भाषानि व्यापिति प्रभाष्ट्) वितर् (धर्मा-गकः) लमें (स्मिकः) कुक् : (लके हि, स्मिकार (मन्त्र स राजमकात्मका (राजन-रागम (मराज। वर) श्रीभाग भूयम: कु (कामिन ग्राम) (स्वारिशि (प्रवा-विश्वा) क्षित्राख्य (क्रमिक्ट)म सिन्म कि (म न्या दिया) ॥ १४॥।

(कुण इंड एड बढ़ कार्यात । ये अर पर कार के कार के साह-लास्त्राक्षियं । १०० । (अवस !) माहि: माहि-पृशक्षाम (माहिता तकी श्राक्ष म मुगकात्म न गम अपहान) ह क्रिन् (हक्रमः ग्रम मोरक्ष) करमातः (ज्यक्षः) कर्णाम् रोटि (यसमे न्भाव देवार) वास्त्रिम (बाल हराम) केला प्रामी एक प्रामी (क्राक्राम्मलीड) देवार (क्रामे क्रिक्ट (क्राम्) अध्येक (क्षाम्क) क्ष्यंक (क्ष्यंक क्षा) नक्स (मार्क्स) (क्ष्यमार्ड: (क्ष्य-राप्ता) मामार् (अरम्पर्मन अर) थाक्रमार्ट (भीयं क ह जाह:) थाहि: (अरमें :) ट्रामीडि: किस्क उत्र रेट्स (उमर्भ) गेन्धान (धना शतंत्र कि के का मि के का प्राप्त । कर (व्रम्यमकाभ किए)॥ >०॥ थ्य (मक्रम् मश्राप्त धर्क) हर्जुर्विका : (विहे-विद्वक-वीर्वक-सिन्यस्यम् अव : म के वं : प्रकार :) स अर : (अ किक म) यात-भेला टिकर् : भवसे) एट : थ्रिक वं : (हेक :) अमृत् (क्राक)। (गांक्स) स्पर्या काष्ट्रक किं पक्टि)॥ इस् क्रियं कर्ष्ट्रम् गः व रिक्काः (रेक्):) यमादि (यप ग्रेमित) वेस विष्टुः (अम्द्र) काः (मेट्या) काम (अग्रेमकि) त्या राज्याता ; (rouge) (2000):) 113911

(म्जी किरिश कर् द्वी वास्तु हो । उस बीक्क्म) मुखेडमी-उठमी १ अंतर्वेश । वस विविद्या स्थार अर्दिश्व कार्र दुर्गा वंस्स । क) यात्र ; (गुकार्य ;) कामार (यम) कवंत्रि सत्तु : स्तारा) स्पर्वर्ग में को : (स्पर्वस रेक्ट्रेकोर रेक्ट्रेक संग्रे एक्कार:) विश्विर (काम्येश)मेक) कक्ष्मिक (देन्द्रमें:) org. 1 (52:) gaza-22 (gazin zmugas) 2 in sala लाभ हैं तर्त (में श्रम् कर रेंग रेंग्रे) के हैं। (कर्राया वं-भसमम् वाविका प्रकी) हिनिका रेच (हिम्सिविक्टिन निम्हला) थार्स (डर्किसे) ॥ ४६॥ (क्ष्यांस्याता: क्षर्वे क्षर देशक व्यक्ष्य) सुर्वेषा (अक्ष्य समक्ष) ग्र द्वित (पळ्ळा) कार्या (कार्या) ग्रह्म र्राह्र : क्यार (वयद मार्) कक्ष्र (त्यराह-) व्वर्क्ष काक्सी (देवसब्भकान-संबंधा: काक्सी-संका) सिमेक्सिका (अभिक्षकाम् कार्य) देवा बराव (दुर्धकार्य १ १६०)॥ ३९॥ (काउरेश्राह) युवा-रेल्याट : ठाल (युवा ह रेला ह वसार्यः) केंक्रण लाखरेग्री (दृष्ण) कुग्लुका (कार्मका 102) योग न्यान्तरम (स्ट्राइट-ग्राइ निर्माणक मना) रेखा राहेर्क्र जिला (हाईरक्षेत्र राह्यासर् ट्लाला ANTI- COLO) 11 20 11

(शहरवहत्रम्पारकाते। (द) म्हा ! भारतीय! (स्प्रमणानीय!) धम्मिनि (धम मिनि यहत) विम्भी (क्षाण्या) भा उव (म डर), हिल्म (लाखाकान देखान्डिम) लिन्ने मेर (कार्यक्रतम अवर्षित) क्ष्यक (क्ष्य के न्यू क्ष्य क्य- मिन निष्य के निष्य के ख्याल देक्ष (मप दर्) प्रमेट-यनप्र (भव-यनमार) रास्त्र (क्षेत्रक) म्यान (व्यन्तरासन)वाद्या (१००) 11 5 311 (र्मा वश्यमित्र गाउ । ८०) श्यमके अ- मके शुक्यमंत्र । (१ कास्त्र १ कास्प्र सर्केटप्य- मस्प्रद्य, मर्के ग्रीड्य, क्यान भक्ताम इव मन्ति म्याः कर्मा व्यवस्थान श्रा C प्रत्यात !) प्रत्याव ! (क्यांकार्य !) काम्प (इंग्रं) वका वक्तर (अकि अनेगर वा) विपर्ती (क्रिकी भर्ग) है। रे प्र प्रिकृ (खिल्स प्रक्) वस (वास्त्र) क्रिय ९७६० (९७ वंद्रक्ष)) मेर्रिंग (त्रक्ष्यारं) एव व्यक्षित्रा (कार्यक्ष्य) इतं खेंब्या (च-स्वा याव्या) का (का माम ट्राक्ट) काल्रिं भिष्य: (काल्रिंगर्भ: क ध्यमिस्वस्माणि प्रमक्षर नीक्षः) व्याप- यमाहिय-(रामा से टेब्यार हित्य) हैंग्ये : (श्राष्ट्रव : सप्) यर समाद (म्बराक समाद) का उत् स्वार 1 2 40 CO 11, 5511

8 (8) c = 2

4 4 4

(क्या किक्ट- ट्रेट्स मं त्या :) अप्य वंपा : (मैंक) : क्रें ;)॥०॥
त्या : (मैंक) :) अश्राद्ध (व्या तेक्ष क्रिक्ष) व्य : व्य हत्य ;
त्या : (मेंक) : व्या च्या हुन) - एवक्या स्था अपुरी एक - एक्ष :)
व्या : (म्या अपुरी क्या :)

म्बार्य खाल- अस्य प्रां।

(क्ष रावे- य लेखा- तक्ष्म भार) र (व : (क्षीक्षा मा) आवावन अते: (में माक्त- मक् मये म प्राप्तिः क प्राः) दलका ः (मंद्राः) ने में एक में वि हिंदी सकत एकम मामार (रे मीम राहापु प्रवेशक-अन्यात ट्रामण्य क कतार) सम्मूलिस्टिस्टि (संस्तित्यामर अव्यक्तमार्च ना : सक्षय : स्राचा : वासार वास्त्र स्थात्रेत् . EM- MERLE) & on gramin: (garnanse di) and (म्राड्दः) दसकाः (त्यम्का विदर्भः)॥३॥ (वर्षाठवप्ताठ) माः दुलस्त-त्प्रम-अताः (दुलस्ताठ सरीजसम्ब्रिकार ट्राप्त्र-इस्पर अट्या: विक्रानकार) संब्रिक्ष-(क) रायर (कप्य न्यादा - द्रमुर्ग) किसी वी (क्या क्रम) ड द्रमु (अर्डक वाक) क्षाठवं (विकासार के ववने) के वर्ष-मेम्प्रायाद अर्ची : व्रामुक्ट्रिक्ट क्रियाद लिट्यस्पु है है हो- वर्जे अप्यात : मिन्द्री मिट्यस्पु है (केंद्र : ब्राक्टिक क्रियादि : साम्प्रातुक : अवयन्त्री भाषास्या व व्यक्षा इत्येत्।) अवतन्त्र मुंबुद् व : (दुक्रा-रार्जियेरे न्या भुम:) बाः (स्था अध्वास हाः ताइर) समस्यात् ॥ र॥ काः (न्याह्य-वल्लाः) अकीगः अवकीगः ह (केळ) हिशा (डि.हि.) अडिकीड्यः (टलाक्षाः)॥०॥ (बन सकुर्य पक्ष भूमार) कर कर विष्ठु व (क्य रिवित वा गार गः करं सरः आत्माक्तिम्हासम् वाम् सरम् वर्षितः) साकाः

(प्रस्ता :) अले : (म्यास्य : न्यार्व :) लात्म - वर्वा : (लाका-अध्य- खंबाः) आहच्चार (अहच्या-र्सार) कार्यक्याः (कर्षेवाः वंसम्ः) इड (वंस्रवादः)श्रक्षांगः (इक्ष) (वर्षाठ चंप्र सम्ब्राक । असमीर मान त्याना काक्ष्यिं तर । (द मान) कार्य- कर्याह: (कार्व द्वाह: दम्मुम्ह:) कार्याहत (कर् म्मिक्तर्न (म् लाडन किल्न निर्मान अवर्षन राक्ष्माकार कामीकि: कर्मन देन्ने जिन । असूटम) हमी मिली (हमिलार्स) एक् वर्भ में (छक्-वनम् रम)। मिनि (बार्क) ह आरिषः (सथ्वः) मेटा (काळा) प्रथलकाः (काळा-मेकाः सकः) माः अभवन्तः (अक्कमलंग-वित्वाविक्रमान्यकीमाः मणः) कार्टितर् म्टर (य-य-डबत) थिए० (ल्लोबि०) प्रवाह (स्यक्षाप द्यार) प्लाट्य: (माउक्रा) ्य : हार्य्या: (माक्रिक्री-कर्म अहेवगं) वय द्रमार (यड्नु) में तं (क्युर) विपर्व (कूर्ककु)।। व। (द्रयाद्र भाष्ट्र सं । त्याका क्षेत्रीर काल्-न्याक क्षर्य मं (द्र) राम्मान । (कार्) प्राय (भम माल्यम , ममर करियम) क्रियात-मंद्रमे- व्यक्ति वा) व्यक्तिकी (विक्रम्भी)

स्मानुस (लाक टक्सन्छ।) मार्ड्ना (लाका) ने मार्गा राज्य (किंग) त्रामुवाठका (प्रथ- क्रांसी क्षंत्रिक्ष प्रमहारं) माक्षामं (जर लिक्डरित निभार्तेक्षित समामकाम,) नृणाम (सम्माम,) व्यवस्त्रीया (व्यतामुक) व्यामाण्यत विकाट्यकार्) हेन्यक्त मक्षमा (देनक्ष विद्धालक-दिलानेक कर मन्ति व्याक । ने दा प्रकी त्याहरा प्रदेशमें-विश्वामें ने क्राप यम् जम्म) (म (महरास क्की बिडार्कः। शर्म भव्ममीय रेक्चाः) वट्या- वदः (क्रुवार्टा-रप्रः) हिल: (अ१४५:) अम्मिलंड (ट्यास्टः)॥७॥ हांबर्का (शंकर-मेत्यार्) लामा स्थानमेत्रीयंभ (स्थारक्तमा) क लाक्षेत्र इं - य बाजापु (लाद्या इं य कार्य न्याम) Сकाल य न्या ज्ञापु वा: (त्रकीरंग:) में विक्रका: (में विक्राका दिवाशह)॥व॥ लामार् (अक्षांग्रार,) चाह्यक : सहस्य: (लाम्लार) यम: E यामाः म र्यः (वटनाः)। (माः व्यादः) वैक्रां अत्रानाः (इस-छ भर छ १९ व्या १ अ १ (ब्रिय में : , माः) कि कि सूत्राः (बाक्): क्य-एनम्कारं विकिथीयाः वाः) व स्मार्थकाः (मास्मा ECAH:)11611 व च (लाक्ष्म व्यक्त कार्य क भर्या) काम कार्ने में मका (मका काम काम का में कार्य में (स्प्रमा कामनीनामी) देनका डमा द्या क्षामा कामी ह इक् काक्ष्र प्रमाख्या: (मक्षांम पर् में क्षा दिका.) 11911

o म (अंदोन्स) काले कार्योगे- माला (कार्यागे ह माला कार्या ह) उद्यारम् (सक् क्रिक्) नक्या देख (क्रिक)। वन (वित्र) कार्नी भी - मुन्यक्रार (८९०१:) सकार (६) त्युक्तान : (त्युक्तान (क्या:) बड़ा (क्या हराह) ॥ २०॥ (लम सम्म्यिमक्राइन्बर्ध-यह मर्ने सम्म्रेक्ट) द्विकारीका (डीकर-मास्त्री) मा कार्री पु (सा) केट्सिस (अध्वावसर) येन्यनी (धार्मकानी) धामी (वसूत)। महीतर देसा (धारे) सकारास स्थापि (सीव सर्य) देवसा (सहरम देश) ट्याद्माण ह m gra (as is) ne &d (so =) 11 >> 11 (क लय अमर्बापार कार्किवाक में या इवंछ। (स) सिर्ता ! पार्व ! में काहिए। मिला मंत्री (मूम नी) श्रुक्तः (श्राम (१९४) (म (सम) ख्रियक्स (लार्डक-स्मिक्सिट्ट) म (म क्रम्क) । हि (एक: 20) CAIRM-FIL XI FILENCE (NEW) FREY ARM ON 2 (भक्रम कुला हवात्रे)॥ १२॥ क्ष्यांत: (केश्या- मक हिम्मांत:) मक्ष्य किम: (क्रक्य-समी-रास्निक दिवसाः) प्रकलः (रत्यक्षेत्रविकार्काः) मभ): पार्भेट (वर्ष्टि) निभिन्न वर (म्पार पार्मेट भवर्ष लयं केट्या (म. हार : (क्य) हार्यका : (म्य केटक्षमाश्लीक वा : । चत्र)श्रामा बाबुमे हार्यम् (श्रामा प्रकार वा वा वि : सकार : व्या हिवः भीकरकाम करेटा लाभ वा: स्थान चटमळे.)॥ २०॥ ट्यार्केय-क्योम (चान-क्योयप) मा: १ ड (क्) (मार्कि) भावि डाय-इंडा: (भाविडात्यमा स्म :) डा मार् (त्याक्र म्मामर) कर्म्डिनिकेकार (जिस्मेन् भाजिकारव भाम्बिः धारम्भे उदेव मिथे। श्रिकिश्मार् कामार् कावः क्ष कप्त्राजिमिथेषः कमार् (कारा) भीगावे लयाक्षेट् (कारामा) न (म त्यार । कार्य धमाश्रां के वादा वर्ष दे , कं वयर का का , के का ति - धमा न- पकी-वानं कारका द्वाहरका निर्वचन न प्रकार के काणान वामार (वर्माठं वन्मा) (कर्त (माम) दुमा बेक कथ् (दुमा बेक्से अविश-धनाक्ष्या क्ष्य क्ष्य-म्लल) लिक्षावक्त्री (लाम्लक -विद्यमं:) आहे: (अक्षिः) थाय (कृषावतः) न दी मारि (म विद्यं वि विषा) आक्री (भामनीया) (भारक मानी (जीयल्याचा-एवी) धार्म (क्षण् काल) स्यः (ग्रिवहर्वः) व्यक्त-वर्मना (अखिटम्रम्भवायमा) (७९ (थाम ड्यू) ७७: (अमार) किम (धम किमान न फलावि छ र्यः)। जियम्मी-र्यू (जिंग-अश्वयः) काल्न): (लाज) क्रम्मास्मर्ट (MONGIN: 169) TOU (NEW) POCETAR, म किसाजी अर्थः)। कुला कमर् (६९ (थापे) त्रेकू के रहे बी मख्री किनाम (क्रिकेमकारा लाहबीसङ्ग्रा वनम्यर्ग विनाम

अवा ७व-कावि ७(४९) एक किस् (अभ न किस्मी ECES) 11251 (भामार (भाक्त-कत्र कामार) भाक्तवर्वीका (भाक्तवर्व-विवाद-प्रमास्य) भीकावार (न्त्री कि का आक्षाका का वार (करता:) प अव : (मस्तात:) इह (पाक्य-क्याकार्र) मागा के (वहर इक् (आय: 1 अंग्रे) द्वारमे लयक्षात (लयक्षण्य क्षार) अल्य-कामका (वळत्र: पेट: काम: रेकापेडाम: गामक वा: उद्दाव:) मुच्चे (मधाम ह्वके) ॥३७॥ (ला अवकाम- अभ्यात)गाः व त्याकन माण्याक्रमा (देर त्माक- अवालाक- मिव प्लाक्ष) वारान (आमका) वर काल्वामा : (मार्क काल्व: कार्ज हिड्ड मार्ड मा : हिड्ड रिट्मिन (विशामित्राक्रिक-विवाद-विविता) आश्रीम्छ: (अम्मीज ह्याडे) ज: अवकीया: (ट्रियप्रविष्ठ (लाव:)॥३१॥ (अम्मीयन मेर् अम्मीयां । (अम्मीयन मेर् अम्मीयां अवकीयां: (ट्रियप्रविष्ठ (लाव:)॥३१॥ अलि (अर्मामा वहनामिम्) वात्मामाम-बिना कि जार्क-मप्ती-विधारुमः (वामभ हे बीकृष्णप्रका देवास्म छे९-करिंग बिलाक् जा थार्डिका का अपर्ने अपना : सक्त ने अभिमारित्र विकारि: अरु: तीमा वर्षे माड: ज्यापुता:) वर्षे कार डेक्न न- अकार ने प्रिक्र का ही या प्राप्त (डेक्न वंग द्रिकट्रां ज्यामा क्योर क्यांक्री हर तर क्षांक्रां

भारत द श्वा का मार कर किल) लानमा : (वय-व्याता:) लाक् रार्में अन्याय-गाम् ह- प्रमाम्नाः (लर्में मुफ्द अन्तित्य त्यां का के का के कि के का प्रकार कार्य कार्य कार्य थी: मर्कमान क गांच हा: , कार्य) द्वालाकी- विलक्षिताः (समन्ति लभारपमाः) तः (येज्यम्बाः) केक्मी सकाः (उग्मवा: किंग्या:) य: (रिकाक्ट) में रह रे रे वे । १०॥ अवकीमाः कर्णकाः ह (क्षमहिर क्षत्राहाः विमा) अर्याहाः (लिट्य: केटा:) ह (केले) हिंचा (हिनिया:) अडा: (यम-आर्थ-अभावा द्याक) 1 ना हा (अंत्रकीया :) कार्या (का क्टक्रेस) उला - ब्रामिनाः (नमाउल-निवामिना देखें) विव्य जाः (द्रिणावा:)। लच (वंकाग्रम मा) महा संकामका (मिंदामाक: र्रे प्रा) हि (भाक्त (क्षेत्र) (क्षेत्रक्ष) (प्रोम्प्रा (मूम्बदा उत्वर्)।। भा (अय क्ष-समािल प्रभाव) खीनार (कामिनीनार) था कामला (माम का लक्षामान उठक त्र में भार ' क्या) मैं में व के द (में मालकिक क्या) प्रवासमा १ (केक मार्स-किक्ट निवाय नेक) छ । व (भी भू व्यक्ति । भवर्षा व) भ क्रवा ने भ (Dudy)) dare ounge (Unixe - 18 3 als oungerand -सिक्ट) राम (खिक्कामि)।। 2011

(का रिके के कर्राइका प्रमाण) मार्म (मार्ग के मार्ग निर्मात विषय: (आज्यारिक प्रमुक्किक पुरस्त : अभाकुमानीम । उता) रिमाम्या मर्द १८ (१त) मेरेस्टिकंट (१२०) वस १५ (र्याक्ष्मार) गामवापूर (याक्ष्मार) क्रम्य प्रवृद्ध (मान्द TAL MARIN) ELLOWERUS (OLAR & CESA) 115211 (लय च्युक क्याको माण समाप्तिय सम्भातिक क्या : (on द्राष्ट्र यहिस्यी आयं बाक काष्ट्र (क्षा ;) का थे (का भी पं विस्ता का बर्ड) किं वा (किं माध वक्त वा सिकार्यः) गवः (गम्मा किंकाः) समामिः क कक: अंग्रं वियोर (अवक्रागाम अवक्रां - विवार विकास क्रियार क्रिक्षण क्रमा क्रियार) लाक्ष्र क्रियार (लच्य-मिकेक वन-अधाकिताए) मर्षिणणार् ह रेपर वन (रेपर नक्षामाने) कल्मे (हेल्क: नि: अड्डाटन हेक हान) 112211 (मार्क:) क्याम काल (अवदिम्बर्ग्यामी काल करा) ल्याक्षां : (ल्याक्षेत्र अंतिषय यहाति भागे कि कि विश्वारं अभानं अभ अरमका यः म जम्म हाराहान) यात्र : (यात्र :) (आम-(माम्बर (पालामार (पाम्बर: अहे) लासम्) लाउपमर (मक) जायहर् (ज्यममर्भाकर्) कृषा (धारिक्षिया) जाडिः (भर) भीयना (उट है वला) प्रधास (एमीक) 115011

(मन् यम् ममाठवान (अके: जलातकात्म क्रम: क्रम थुकि: ब्रार्कक्र कार्यापामाम मेमवेषा प्रकार में स म्याहरवय सममीय देखेत लाह) मर (संस्थर) द्रकाह: (बाक्ट्राहु:) इ इन्दर (ब्रिक्ट्र) ब्रह्मक्त्रीम (ल्याक्ट्रक्र)म) व (क्य) रक्षेत्र (क्षिय) म (माम्बेक्स) रेक निक् हाकु आस्प्रेम् वार्षम्याः श्रिक्षणास्य वार्षम् मुक्षांत्र के तक ने में) 11 58 11 ब्रास्पाप्त-वर (ब्रास्पाप्तिविव) बाद्धक्वीस (लाश्वेपुर्णेस) क्रुंडिश (क्रूम हिमाने) बायमादिवश् म (बायमादिविव माछ्ये. बरोस्) रेस्ट चन: धेरक-म्मालिबाप्त (मेरिट्य रक्ष्य ल्यात्म ट्राकार ८० माष्ट्र- स्ट्राप्टर: वदवडाम्पर क्षा ब्राह्मार सर्दिका का निरं (माखः) अन्ति (कका वि विकार द्याक्षेत्रा वं न्त्र का कार्य के कार्य के कार्य के कार्य कार्य के कार्य भीको कि य व बारामुबद शहुक्बोस्टि क्रिक्सेस)॥ र ६॥ (अधिमुणवण्यान अय अम्मार्गे) अमील्यवः (क्रेल्यव-छित्र: आकृष-कीय:) ति लाकु (कमाहिपार्थ) हातभा काभी (हिल्माल)-१०० (अभादेशक क्षेत्रक हार्च) न मार-हटन् (म हिस्टिंग्य, किः अम टिल्सिक छातः) आक्रिक (अभेत्र अठ०) सित्र (अवर) लक्ष : (क्राह्म : थर) तका (इय है स्मुक्किका, जामामुश्युक् कार्य में कार्के वयम:)

वित्रका कि (क दिया ग्राक । अवर काः (कार्म को क्षेत्र का दिव की कार्म)।।एए।। (वसीमास्त्राप्त दक्षामार् वर्षकंष्ट्र बार्ष्ट में व वर दिर दावमा 30 I JANYALE) TL: (Egal :) That (ONRY) THE !) COSA : (इधरत्ये विका दिवर विकास) दिस्ता विकास विकास विकास विकास के (क्या क्य महाइड) स्थम (एड क्या खाद : (क्या क्या में) बार्स्यः (बमा बेंबा:) क्यातः (भाषा प्रणाम) द्यात (226 price) 11 5 4 11 इति: (क्योककः) अग्रम (नव) त्यो मराम (निध-सरमम) व लायार (अवशामार वशवह यर) माराजी (क्लिकेस) क्स कार (भुक्षियास्य) ॥ ५० ॥ (च्याञ्चा: काक ज्युकिक स्प्राक्षित) माः तेक्य व- पिड-निक्यमाः (मेक्यमा मेक्तिमा मा आइनिकामाः अतिमान- (अड-क्रमाने सक्ष रामि) प्रवृष्त (प्रम् हिन्ता) भा (भार) थएकन (टमिक्वण): , निव्यप) मन्यूषार (मिव्यपा मिलाया पर्मक अर्टियाटमा मामार खामार) य: (मेंसाक सिसिका) धार् विव्यास्या विव्यानार एकामार धामुषा कीविष्कालम कार मूरीर्भ कालावार्थः) कार्ण अमार्ने कृष्ण (स्व अकारतिव यार् दे असर मर के कोर वर अस्ताराम्बर) अवस्त प सार्थात (म अखनामि) उप (जमाप) म: (म्मार्कः) अर्थमा (अर्थेख-1153 11 2d) ano ruo (as a se cac) 115311

प्रमेडागवाण्डमः (प्रक्य-डक्रवृद्धानातामी:) हेप्नवः व्याच (ज्यमां मार् क्या) में के (त्या व्यव तथा भारत्या) खान (ale min) 11 00 11 (जम्बनम्यात्रकार) भाः (बललनाः) मुस्तुन् (पूर्विविश्वः) * अवनर (अलामिकर) कार्या अर (मही मार्गर्) ह हिंद्वा (लाक्छ्य)) क्राकुछिः (लाप्तिका) विद्यागिर (लाग्यार्थ लाखनार में वे अर्थास्त्रिक्तः) में के से - निर्मा नीक्कम) अवसी भार्यः) र छम् : (आहाः) अरा अरू (देश्वरः) कृषायान आमाए (जामाए वक्र ममनामाए) हन्ने-(यम् क्यार (भाष-अम-अवाग- हालार) असा-पालीक स्थार (त्या: क शक्या: अत्वरंभान प्रापट उत्तर्गः तथ-आकार्मि अभागि ह जामा धरी) किर्माणे (यत् कि किर् योग ((विकासिक कार्यम्बर्धि)।। ()।। मामा-कामक-वार्क्सी-भीयाम (मामसीमार ज्योक कामका समर्त सारंग त्यासारंग का खेला में 🏲 द असी जुला में जामुकी क्र जामुक जनमायामु भी भू जीलातन विशासने) लममीतृतिः (लमारा हो।: ग्रिमे वस्टि देवाल्मानन सिक्मा क्षीकृत्क अमूर्या अयुक्तिहि:) अविवि: मद ब्राप्तिनी मर (стणकानाः) हार् (क्याहियाने) प्रक्रमः (कन्मनीजापि-अ०्मर्भः) न (त बालूक)॥७२॥

(लक्ष न्त्रा मानव र र मानी त्रा कार) (मानकार)) स्था मान (मारेण: वालोकम: (वन वामन:) भान भान (भकी पान) याचान (अ):) अलाल्य स्थान (अत्याप्ता निस्लाल्य मिलाल्य) यग्रमामाः (धामकः) क्कानं म लाम्मेनमं (ज्यक्किं कार् कर्ममास्य महत्र)॥७०॥ (७ च कर) का- यक प्राह्म) अर्थाः (अधाक-व्याप्त्राः) अपल्याः (पकारका:) निर्वाप्तिः (जियाद-चाम्बा:) अभी क्रियुर्न (मभीडि: शिकार वटनार विकाहि: ममिल क् के अवर्षक-मीलम्) विस्ताः (क्ष-विभामाः) आगः (आहित्तान) मुका-3-न-बिहा: (में स्थापर आहेकार दिन स्प: कि में स्था:) क्यो का: टक्साइस: (कामूखा:)॥ ७८॥ oa (बार्स क्षेत्रक्रम साक्) मैक्ष्मक्रकाः (क्रिकोजन) क्ष्य-अखारमा:) द्रमायर: (द्रमामहिक्तः) क्या: अव्पा (की श्राक्त) भू निका ही की । (भूनिक व्यक्ति व्यक्तिमा : गामार्वा: कमाद्वा वहूरे:) (वम (८० मा) वा: (स्थाता: क्या:) ००० (माउदा:) वसता: (त्यांभा:) यहा: (स्मानः)। (त्यात्रीत्वम समाकः)॥ ००॥ (क्राक्ट रक्क क्राक्ट (जममात्रवेश । क्राकिम द्वा क्रमार मार सक् क कारि-मंभाग (व) के कार्वागम वहन मिन्स्।(३) यात्र । हील किए व (हील की कार्ये) विसेश (कार्यका) भरेगम्बीण- राक्षः मृता (भरित समात्र अमबीण अमब् ०० सकः-में यह मारा हिल्ली हैं। वाया (प्रमाव-वर्ग: मुखा) नाम (डवार्स) रे वि (- १ वर्ष ब्या)) जब नि व व्याव : (((पाप :) बासावन् (वर नम्)म म्माल (मानुमका) व (भन्ड) रूषायत कुल ही ((धानाक सर्व वर प्रथा भारत्या निनमही ?) निया निया दिया मार्गी (नियान निया दिया अविकास) मन्ती विष्यामिकारः) व्यक्ती (अव्या) व्यक्तिर (अम्रिक स्वप्रसत्त ग्वाम् :) चामीब्लाम् पान क (सारित सममितिय विव्यविश्ताः सम्बर्भामात्तः लाही चार लाउना मान भारता) (अवकान (हेरकामन अवस-काम्बन ह मह) था भूनिम (अमामे) ॥ ७७॥ (लाम अरवाटा-मक्ष नमार) स्मार्भ: केटा: (केव-अपनुत्रहा:) व्याल समा (मिलामन) रिषं: (क्षेत्रिक्त्र)) मस्मिल-यानमाः (मरहाल नाममा-यूका:) अध्यम् किकाः (महामयमग्राहेणः) ब्रमार्थः (लाक्त-तनमः) उम् (श्रः) भरवादाः बल्लाः (कथारङ)॥७१॥ (वर्षाळचे १० सम्मान । जी कला वसी: बार अमाना विष्याधिकां। (इ) यात्रं। (विं) काल्याने वसेस-कासमन् (काळात्रा: अंखान् व्यक्ष-१ग्रापक गा)क्षेकार

करम् रह केंद्र अञ्चलकाः विस्थान) क्रिस् (क्रार) (क्रिक्र आदे) का मान - क्रिक्र के द्रेष्ट (कार्या स्थाने मे) MAI MIN (MOSA)) POS STATION (SENTING) मन्स् (मननाज्) कत्माकु (कत्मेकिक वालो उर पण्: श्रमा (जर भाषिता जामी निम्मा रेकार्थ:) सम्भा (वय क्ष-म्यात) मण्डार (मयकावर) विविक्षि के प्रकार (केन्द्र कि क्ष्य के क बाडिता यह) द्यामात (अन्यान्)॥ १०॥ नवाः (अरबाहा वल्लाः) (आस-माम्येम) त्रिल्पः (लाज औ: माम्ले ने १ मान्ति ने यु ् देखन ् मम्म क रे:) प्रकालिकानिताः (प्रत्याल्याः, किक) व्यापि छः (नक्षी-कर्ष- (करमुट):) लाम द्रास्त स्मान्तिक क्षिताः (देक मर्व राव त्यार स्त्री असि स्त्री क्षेत्र के प्रमाण के वहीं देन क्षात्रम द्वाम्बा: मा:)॥ ७०॥ (अम्मार्वनेष्वताक्षववाकीः अम्म्यां)वारमाप्मत्व (गम-सीलाकाल छ ९ मत्व) अमा (अक्रमा) इक-मड-न्श्रीक - करे नद्गालियार (जूल प्रवास्त्रात् विमान - जूना कार म्योक: आमिश्वः कर्णः भामार् जाः अवयव नक्षा कामा: क कड़ाड़ का निक का निका का आहं) अगम् करीना (अगममनामा ममु (क) यः अमार्

(अक्कमार्म्भः) हेम्सार् (हेम्स का वहून) अमे (नक)। हे (धरा)! निषातु-वरणः (निवनुवर् डमवन्वक्रिमिनमनुगः अवस- वेक्सिक्सः) । इतः (अक्षी काल) लाज (अपः) लाजं (अरेक समात: 4 बारित। यात्र अरे वार द्यापर में कपाली न लख्ड रेडियी:)। मलित-मक्षक्षाए (मलिसम) लाममा त्या अयः के बादुक् वह व अय-क हा मामार अयर) स्तामकार (मम-वस्तीमर सम्हारान प्रमादन न बाना । क्यार) लचा : (लवका मार्यः) के दः (का आर सम् का का क्र - अमाप्त्र) महारवमां अभा डामार काम देंबर यन अवामा देखि हातः)॥१०॥ मार्चन लवा : (दवा: क्या निकासिगाः (रेक (कर्म) जा: (भटबाछा:) निया (निविधा उटवर्:)॥ उत्त (निविधामू ल द्यां हो से शद्य) ल्याप्तरमः (स्थामः अस्य मनदाः) व (४४:) टमो किकी: अल्पो किकी: रेजि हिशा (विविधा:) में (हिरा !) ।।११। (का टार्गामकी गर्भ- तक भाषात्र) क्य (अर्थन महासू अर्थ) भनेना: (अमि: प्रत्र) ममुग्र (धिलिक्षा) मार्थत (अस्क-ज्यान अपक्ष ह अपमन्त्रा) बंदा: (ब्दे अंदा:) (म्पे मुक्त: (इस्ट्र क्या छ)। खाः (त्या म्य)ः) व (लाल) में यतः वित डेजानियम: (रेफ्ड) हिनिया: मडा: (मिनीडा:)॥ १७॥

(म्तीत वनम्यात) मूर्यः (भूवा पडकायत) (भाषात्मावा मका: (अरिकालाममळदेवडा: वेच के करा) लहा का का कुट्ट-मिल्रा: (असापा असङ्गा अली क्या किया हिंस असी मिलि: In: Ca omeson: James) six Engunz young (to swing-भक्त्र) न्यु बारामे एप्निक म्यास्त्र) हिबाठ (स्मिक्क्राट कंडर) देश संवत्तः (कथाली जिय ज्या वास्त्र) ज्ये के सार्वितार उम्मित्त हे हुका व्याविह्टा वर्षः वीक्कान्याला त्यका ए ज्या मनः) भूनणः निकाकी के त्रिक्कि मक्यां पत (निकार की केम) त्रिकः भाषाप्त्र मन्त्राद्त) ने छाः (निन्छाः) तत्र छात्राः (ममा ४- अ विक त्यमाने मंद्रः) देश (त्यक्त) त्यानाः सावा: द्राक धाराम (अमलेबाप) अधिकम (क्रीविक)।। ब्रम् बाझत ह (ब्रम् बाझम भू बालिश्ले) शेलिनि अपारिः (नरक्षकार भागितका) अमा वाल क्रम (वारि) किन। आमार (धर्म) काउँ हिए वब (काल्डन २व) वामान्द्र शिष्टि (क्रियंत त्यरवना मार्क्स प्रकार त्यामा कार) मिलाएट (आहा:) सम्बद्ध अकरोर्या नुत्राचिते: ("धनुत्रमण: कार्य्ह १" रेक्निय वहन मा अकरे अध्या अवीक शर्म व अनुमर् १ भीत (भक्ष (ज क्या हुन।:) कहिए (अना:) रेक (वनर) अकायाड (यमाड)॥ स्वा १७॥

(पण हेमानियम: अम्मर्गाठ) समग्रित (अर्था :) मुक्सम्मिन : (भन्म-मंक्रा के से ए। भूगः) लाम्याः (मक्राः) दुन्यातः सर्याक्षिमः (स्यान्त्रः दे लात्रिमः अम्बर्गः) त्यालीमार् अमस्मिक् (मर्काख्यः) (मोडामा वीका (इक्षे) भू विभिषा: (अवस्थिमार्ट बाडा बहर)॥ १ व॥ (कि श यह्मायामुक्तः) काल्यं। (लयं ग्रिष्) क्यांश्र (क्राक्तक्ताः) के द्वा बाल (प्पाकात्र) त्वमाधाः (म्याकक्त-(अमवजा:) र भवा: (cumoran:) आकि (म (क्याजा:) रेकि (आश्री (अंशप्राप्त) क्या क्यास्वत् (द्वाप्तत-वार्ने हे) स्था (आमिहिन हि) ॥ 84॥ 8४॥ (लात्रेम की- प्रका । मार) (म स्मा: क्रायबक्ष वामा: (क्रांद लामी खाद का: निर्म (कान क्ष: बाम: आमाकि थिसि कम्म मरे:) मानूप (वर खाकी वार्मित व वस्ताल) प्रा: (बर्जा राज्तः) (व (भाषका स्याः) क्रक्षायभाषतः (डिएक केर्नुकार) उपर्यामा (त्यानी हात-आहि ट्यामा?) लम्बात्मा में (बामम्माग-दलस्मार कहों) माना (महा) काल काल (इक्टि क्टि समत्र) नकमः (लकाक्कमा) लक्षा हिया: (हि- त्र- यर भक्क कता) बद्ध (ट्याकुल) जा: (अत्योभिका:) अख्यत (उपाँड)।

माहीयाः ह (अम्मू व्यूव्य कल्लाक क्यावकार्य वास्त्रामिक्य के) नवाः ह (यवदेक से अव के का ब कार्य न व भिष्टिं का ब्राक्ष रे देख) हि का (屋台打:)沙:(医(五式:)118# 89-6011 आधीता: (धरभोभेका:) हिंबुः (मूबीर्भकालन) निजार्थिणाहि: (मिळाखिमाश्य-भरवाहाछि:) प्रात्माकृष् (ममत्मकष्ठ्) шणवा: (मिछ) क्रियानीए (लाक्ट वास्ता देकार:)। मदा: (वारामायक:) वू मलामकार्म-ट्यानिकः (मानव-अन्यापि त्यानिक् थाला) चेटा (ट्याकेट्स) खावा: (लाम्हिय: । कार्य सर्म)-मन् - क्क-मलार डासन द्राम नाय केन्यः)॥ कना (थम दिवी-नमनेपद्गार)(दिस्यम् (मर्था) विवि (मूक्ट्याक)) ल्लान (सम्स्वावाव(यन) व्यावम् (याविष्वम्) क्रम्म) लेक्ट्रि (मोर्केट्र) है क पुक्र मिंग पृष्ठ कार्जा: (कर्जा-अक्सा:)गा: एउटमानम: हाला: (एवटमाने देवला:) ाः कें व्य अर्व एक रामायान्ति (एममा) भी कृष्णमा ध्यावन्ति प्रक्ति) (पालका)का: लानिष्ठा (पालिका कलन लानिर्द्य) यात्रार् अर्विता अर्भहुत भा क्रां अर्थिता वहार्थः) आम्मभी: (माम्बैन) मिना: मक्ती:) लिखन (थारा:)॥ (लाम प्रका मिना लाम) के का वा अका प्रमान - प्रमानि -त्र प्रकार : (क्रिकेट प्रकार प्रकार रामिन हैं प्रकार में भिक्षेत क्यामीयार क अपाया श्वास्तान:) अस्य-क्यायण भेगाः (यास्य-एका न्यान न हें करं :) च्या प्रकान्ताः (इत्रु) टकाअ: (कार्यकः)। 6811 (क्षित्र क्षामक क्षेत्रक्ष) य: (प्याचित्र:) आम्यल हिना गंद्रम (क्षित्र क्षामक क्षेत्रक्ष) य: (प्याचित्र:) आम्यल हिना गंद्रम-अविद्यारिकाडिः (अममिनिसरेगः अम्मक्टिः वर्भः (अम-इसि: श्राविषाडि: डायपुक्रीकृषाडि:) निवक्षणण (मिन-क्रम हुणाडिविन्थः) जानिः (भाष्टिः) -१व (मर) कलांडे: (ज्यंगत्माय पानितीडि: हर् भी कलांडि: मिन्हें निर्दे) (भार्तिक कर निवमित , धार् लाम असम् कर ट्यामिस डकामि (प्रत्य)॥ ce।। ब्य (निक विशास भएक) व बादी क्या क्या वसी विभाग ह मित्रा भागा जाभा रिमका उपने विचित्र त्माना हामका (क्या) नामुकारनः (न्यानुका-चर्ठाः) आम्माम्बाः (आपस्ति विमोद्यः सार्षे)। (का (भर्म स्मासाहा-सर्मभा लग्ने लाम लाम मार्स संगद्ध वर भारत क्षा (द्या) नामिल हू (वर) धर्म वर्षिक

(उमार) (त्र (त्रक्रा) अतः (orranor-अन्तरः व्या) मूबक्त म देग्देश: (त्मका:) 11 व 9 11 मिन्न मार्थ सरम्बन मां भारत विस्ता भीता क्रिका भारती-यमावता व्यक्ति हत्वामी मञ्जूनी क्रुमाप्तः (इक्षान्यह्नामा राम् क्याहि) देनामीनार (नायक्षात्रक्ष-माम्रार् (त्नाटक क्लिक वामिष्ठ विभाग्ठ नाम यामार Q1 M6) 30 में सम्बद (30 में में गुम् 6) व अवता: (अव - अ० - अ०भी भाषा) राज्या (क्यूर कहार वे कारा) मिल मिल (काल्मेंगर) व प्रकामका।: क काल्या: (まから:)あかは:1136-6の11 क्षिणाक्षर नामुक्र नामक व्यवप्राट ह त्यार) (क्राक्र) यादाता: केंक्टिमादिय: (केंद्रेशाखा: लागा:) नवा: अवस्र : (चर्का है अरह है अरह है कि है अरह है। \$ 1801: (CATBY:) 11 5011 किने अन्यात : लाक्ष (यान्य क न्यानम् । कुम्पार्थ भागत्य मोत्रात नेत्र क्रामा बना १ नवा :) (प्राव्याप्तिकाः (CHAMMELEMINACIN CCAN;) Myentin; (ज्यान्त्र विकारम अमा व्यापा ह नवा:) म्याद्यात्र (न्यानिकार्याति) हे हिल) है (ह्याना कर) देशामा डायम सम्मेंग) (प्राह्म (ट्राह्म:) अश्यक्ति (म्ब्रामार (स्यमंग्रे):) व्याप- त्यम् मासामि हास्मे (त्यक्तामार व्यापीमार 2520 7 2 OUR WAS) 25 (\$020);) 11 9911

उस (अकी मू मूट्यम बीयू) जाले बादा ह अपवनी देन के (ए म्लाकाराम्) अस्त्रमा (अस्ति क्षकारवं) कार्क (भारत क्षकः)। मदमाः (अ.श.- व लाजानाः) व में मताः (वश्तिम् द्यो) टकारित्रक्थाः म्मीमृनः (मून्यर्भः) मार्ड (मानाउ)॥।।। निश्चीत थान्ति (यस्ता-वर्षे) अम्रा-अव-क्लिंडिः (अमरागार् मूल्योत्रार् ना कारिडि:) आक्रानिड: (हेन्निकिडः) राम: (गमनीना) अष्ट्र (यष्ट्र) रेग्डे आगिनी (आगम-(बाझा) अभा (अभिक्ति न सि) 11211 क्टंस दुरुट्मा: ब्रिमा: (अम्माक्त्याव प्या:) भ्यम् व्यक् छट्न: काश्व चुमंत्री (अवस्माद्या) भग्र नाव मक्ता (भग्र स्वः (अम बक: (अठ अप्राण केंड : माउ काम : वर्म काम) ईगर् मार्थका अवर्ग (अवर्षा डारवम) कार्रका (व्यक्तेर हमारे)॥०॥ यव (यमाव मा) लामात्मा अव जाम मार् (दे भनियपि) ना अर्था कुछ विक्रका (विभाता लगमा विक्राकु कारा) अक्षांतु-। कोट (जमान) - आएक) ह कारी भारतिय मत्र वाची देखे द-एका (द्राष्ट्र) कर: (कामाट्याका:) जाटम (जम ठेंग्यप) सरास् पा (म्या अस्प) वस्ता मायाका है (कमा : न्या नाका ना MELENE) 9-15-00 (COLOUR)11811 (वर् वहरू वद्मान्ति) वेसा प्रिका: (क्रीक्क्म) यथा (महर) मुन्म (कथा) कथा: (यहांगः) के उस (कथा)

उभा (उद्देश विकाः) विषः (उनार)। अर्थ (भाजीय (सत्या) नका सा (ग्रस्) वर विस्था: (क्याक्स्मा) जा गुन-मन्डा (काले क्षिण ड काले)।। व।। अर्द्याक व बी गेमी (सक्ताम देश दक्ष कि में बबी गेमी दिला) र्भाषियी (मास) मा सकामाङ: (मियायक) इनंद (न्या काका) क्रिक्ष्म) द्राक (च रह) व्यक्ष (क्ष्म्मारम्) माव क्षिक्ष । क्रिक्ष (क्ष्मा (क्स्मा (क्स्मा स्वाभिक्षः भाव होत्रः भाव होत्रः भ (मिनीका) ॥ ७॥ रेग्र है गर्व लामबी (म्थलामूना क्रेनी श्रीवर्षा) मर्कदा (तिकासब) मके काम मस्ता (में मारे वामें वामें माना वामें माना विकास मारे सा कमा) रेक साद न की आंचा (ई कर: त्यारेन की आंचा (बल-बिजास-बिलामा क्या भग जग)वामला द्वंभानित (मामलाविधानका व्यक्त ह द्वार्व)॥१॥ (ज्य प्रक्रेकास्य इमाण मुदार्गाण । श्रीकृष्ण माका (माधर । (म) गिरिष ! उन कहा: (क्ला:) मूक्राक्रिणः (अभक् कृतिनाः) ये गर काक्षीन मुश्चिम्य पर (काम्य द्वास दीट्य कामाक मेन्स्न मन्ति मात्र बर क्या एकाए) क्या: (क्याः म्हल्) कत्वाव-कृत डाक (कार्य-अन प्राय नामित द्यार), अमी क्रा (किंट-बाम:) काल्य-आसि (क्रमा प्रकं हमाडे) पार्स्ट (गर्मादकार्मायर) । लुग्ने १ (दुर्स् लाप म्स्रामाय द्वार्)

मा (कारा महाविकार्:)। कानी (इरक्षे) कन्छ-नम् नरामी (कर्मा मभा-१व ब्लामि कि: ब्लो म्लाइएमे द्वा : 1 जव) नव: स्टिल्य : जिल्ला (जिल्ला) विस्तारे (लेल्ला) -भक्त हाम ने की की है।। (लग हेब स्तारम-लंभानंबा में पात्राव । म यार उत्पान लामक दें जी के के के हिंगीन में कर बाद्य के सम्मी से माना बाकी मां , आबा, मेंगाम अली खंगा । (य सरमां) माल (क्व शामा) मात्रा अ-आ अम्मीन: (मात्रा आ अ विवाब स्मन: धाने र्या: अा) । धारिक-लहा (मीलवस्ता) म्यिनी (मीची-वक्षमुका) यक्षावती (यक्षा यती यथा भा वितवक्षमबर्खी) (साइन्सा (क्ष्र्बन्रेक्न) शिक्षकार्य (शिक्ष्याप्त केवे स-म्प्रमापि। डिर्मिक्सि व्यंत्रिम थ्या: भा) क्रूनिक हिन्द्रा (क्स्मिन: क्रमूम-(भाष्टिन: हिळ्ना: क्रमा ४४) भा) आखिरी (रेडमाना) अमरसा (रिक मीमानम प्रामा) बाब्यामा (बाब्रसर काम म्राय यमा: आ) देक विन् मुवकिड-हिक्या (डेक्निम् डि: कमुबीवम-निम् डि: सुवक्षि छक्षीक्षा: हिक्या: क्या गम्मा: मा) कल्लामामी (अक्षेत्रवाक्षेत्रमा) महिचा (म ट्लाइम् हिम् अवमाल सक्त्री नमाने मार भा) अमरका व्यामा दि : (अमक-माउठ- हर्मा) विमारिती-(मनारि डिनक ट्लान्डिंग) रेप्ट शरी के ने कि काला कार्य मी (ट्याड्ल-विस-ट्रिंग व्हानापुका प्रडी) या नार्छ (स्वयानाट)।। रेगा

(लाम हार पालक्ष्मा कियार कार करण नेपक) प्रयो (कर्ण्यामा :) हैं लेश मुन्ह : (हैं हो स्पु-बं :) " अंबद्- विवृष्ट्य : (भैवप्यात्म्यः) क्षलक्ष-काका - निक्षा: (क्षतक्ष् कर्म् क्रम्भूमम् काका [सराया प्रति: अटक: जिं) व्या-याका-राम- वयर् नाम: (हक्षार्मिक व्याकारमाक क्षित्रक काम क्षार्म व व व व व व व म्या: मम्मा:) कले हिमा (कला हवन्स्) हि लिका: ह (अर्थे मीत्रकाप्त १) वारामें कायाः (मक्त्र सर्थाः) राजाः ्र करिए के किए। (व्यानिक्षितः) ह न-करिक ज्ञा-स्मिदेगः (क्र करिए के क्षार्ति क्षारिका क्षार क्षारिका क्षारिका क्षारिका क्षारिका क्षारिका क्षारिका क्षारिका क्रिंग (किन्ता) भाषानं तीय श्वितः (भाषानं की गामक श्विः काहि:) के (१वर्) विविद्धः (विवि-मण्भारेकः विषणि विश्रार्थः) क्यों : (धमकार्य:) वाका डावि (क्षेमाल) ॥ २०॥ लाक (लयत्वरं) र्यावस्थ्यम्। (अव्यक्तमः) अवन्तः (दुराम:) अभाः भीका (क्या)। रेप् (व्यावतम्मर्व) धर्वना मययगाः हलाणांश (हळ्ल-नग्म वाहा) देवव्यत-मिन (९००मण् । अव्यक्षमम् आत्य राज्याः मा) हाक- त्युत्याया द्वमाती। (टम्बाम) श्रुटक- सत्मक - हिक्स प्रका) महमानामिक सम्बन (अटम १ नार्यक: लाके मुर्के : साम्ब: गंग आ) मार्गक-अमरा डिका (भणीषभा अमाम विष्ठा र अडिका) रक्ष पार्क (भामाक- यहना) नर्भ-पाछिषा (केन्स्यम- निज्ना)

वित्रीका कक्रमेश्वर्भा विकक्षा (त्र्वाचका) वादिवादिका (महेवाम अस) पकारमी या संस्कृति (हे अस अर्था कार्या मेरी) किन्यामीन्य भागा में विभागा सहाहाय- अंतरमादकर्य-व्यम् । (स्थान्यम्) व्यक्तिर्वन म्यानातः व्यव्यक्त) (भाक्त (अधवमार्षः (((एक्त्र मन्त्र नाता मार् स्थाप भावति वादम न अगिरिसरी) लगाल्यमी-सम्म-थामाः (लगाल्यु मेन् मार्विस् ब गर्म स्मार्ड सकामा सामान रमार्थि रामा: मा) मिस्पिट-क्षेट्रका (क्षेत्रकः क्षेत्रकः क्षेत्रकः स्थापं टिमारा राम्योकं मा) स्कृत्यम्यक्षत्रमा (स्क्रीयर व्यम्यकामाः क्रायाः क्रम लक्ष्मा) केक किंग वथा-मेंगा (केक्रमे किंग्य शुर त्यांभु-र्दित तेमार सरवा,) अमेलाक्ष रक्षाता (सरेव: लाक्षत: नात्वावहः कियायः मभाः भा है वम्बत्वा १ त्यात्) वस्ता (हेकि बास्तात) विर (यलमिन्धः)। र (वं : रेव ज्या: (म्मान्यम्यः) ३ मः म्हम्यानुकः (क्यम्य द्याद्)॥>> -> ०॥ इ. (नवर) इत (जीवश्रक्ति वर (में) रे स्वायायक्य हो : (जी संस्थां) व्यालाक-सनःमाः (वालेगाः होक्रिमाः सनःग्राम्ह) उत्रा क्य-सर्वाता: (अवसर्वित्र महाक के द्राष्ट्र) हट्टाम्स: (० (विक्-म्हा । अतः (कार्यः (कार्यः । क्य वय सक्त वर्ग मा वर्ग वर्ग मा : रमार्के अस्ति क्रियाः मेर अवस्त्र मार्थाः व्यक्ति क्रियाः मेर्सा मेरसा म 3中: 型:)117411

इस्क्रिक्सिक (बच लू वि स्कारा १ (कमाकि पर्यात्रात्र) भार्त्र छ। काम डा पक् दर : क्यानांब-त्रहात (कुलाव्या सहायना) क्याना-दं भा जामापि । में जा: हत्यकताम्यः (जामानिये । में लान हअकलादिकिकाति) धर्माम आई धार्माए (सन्मार्नाए) पहलन् (धार्मकाड:) केन कर्मः (काक्कात:) हेक्सा नकारी लक्षा धारिकाछ-नी मारिने : (धारिकाक) दकी मीरा नीतः मुक्रकाय: कपादी रिकृषि: क दाय) त्रिके पृ:म-अविका (बार) के के कि (वर्) वर्ष : (का कि :) होरिकम (द्रकर्ष)। लियाकार (लाला क्रिकार क्रायक) क्रकार (स्रव्हेकार) पाकि व्यार (मास्य सामान्त्र) ह भक्ष्य ६ म केवर्ग ॥ ३४ - ३०॥ (भर्वाम्मारवाछ। त्योभमात्री-वहमामिष्ण।) वार्वाणः अत्याः . (मन्तर्मः) नक्षीः (क्षीः) नग्र् (मनजाक्) क्रवत्रपट् (मीता १-अलड्) स्याप (अल्लाबाद) क्वस्मान (अप्रात्त), स्ट्राम्माम: (मूभमा हिल्लाम: में अव्यानाः) ह यूल् (विकामिकः) कमत-वसः (अम-वनः) हे लुक् यावि(व्यक्तिमानि) आविक-कृतिः (कान काषुः) काद्या बार (अवप्र) काष्र- काद्रार (स्थापकार) मेमार् (मंबाह्य संग्रह) मंग्रु (मानावा । बाह्यांगः) कुल मिल्मिर् (बक्रिकर) किमाल (व्यास्तिमिर) समर विममार्ड (विवाशक)॥२०॥

(लाग नय-वंग सुमार वाल । जी साक्षर काल मुखीवाका (मण्ड्। १३) किल्पाम् ; (क्ष्यम् ं म्यांत् ;) वि क्यापु : (क्ष्रिंग्य :) मान (कारा) क्रकार (क्रवाक्टर क्रियाक्टर क्रियामा क्रवाह) सः माल-ाख्यं (माम) वर्षः । ज्या दिवाहा गाव) द्रेत अक्रम संग्रं (यनप्र-मेग्रं) जाक्रमते (भी नेगास्त्रम अत्म. मुन्) काम: (कलर्) (क (क्लिं)) रोमनामण् (काम-मार् ख्यानाग्र (अमाताक्रिक) सराम (सत्ता) क्रिकेशामुम् (आलामर विकेष्ठ धरामीयर समेशि मः वर कि कि कारियामणायमः हिल्याः) कर्ममार (सवार) मिल् (मामकर में मिल्यांमें कार् र्वे वर (कस्मित्र) वात् निष्ठ सामाल लावः (असाला भ खांबर देखर) भेहार (ज्यानामास) 11 5211 (लाज म्लामाआअमिराठवातु । म्यावाक्तर मार्क काव मार्क कावम्मर्। ए) विश्व माभा ((क्या वमान ! () गार्थ ! जिले (विरोठ) कि (व (वर) में मखार (भंभ-चाकार) मार्कर प्रकृत्या हमसार) अमारी ((भाक्रिक्डि) , वा (असा) किए जब लारं रेमड: (मन्म-माड:) वाह्व: (बहुद-सकामाद काष्ट्रिमकार क्रम् (लक्षालककः) कर्टि (बहुव कृष्ण) क्रेयर (प्राक्तिक)

(धर (धर मृगाष्ट्रम) कालमानिमा (कालर्यमानिमा) वन् (मक्षार) सम (न्योक्कम) प्रमः व्यान । जिला (विविष्यः)।। १३॥ (जम दुक्काय-। अप्रवास राज्यात । न्या व्यक्ष काक् विकार मानाकार । (र) आरे ! उन नमन बिसी (मूसकाल कार्य) मिछ-मुक्स (भिक्त समग्राम: वर्षकारा में मेर्ना लस्टिंग) विस्तृत- म्यार (विसि छ क्राम्बर सम् कम् कला ग्रा : वर) वर्ष-(प्रामुक्ट (क्ष्य- (य भढ़) दिन्तुक) (याम देवी) अमे: (१ लय:) लगाद्व का का का का हिल्ला के के व मार् क्री: म्ट्रियंगाम का मिलियां क्यू कर्में म्ट्रियंगि: हरकारं प्रायक-वाक्र वं :) समय-सातास्य के क्षि: (समय-स्था छोड क्षि वामन मड्डाडाए देक् वा देक्व वाकि र त्यांडि डमा मन्) 9-1801 50 (BUNG) 11 5011 (अम मकत्मो डामा- त्वभाषाण म्यार मेळ । जीर्य मम्म वाकार । छ) लाय दं । (स्थाकिका) मान्य (अधवापाक्त) में एमाप्ता- वस्ते-कूम्म-यती-कुछताकाव डाल्डि: (हलातमा ह वनम्म कूम्मक यती नाजा ह कूछल् कर्म् इसनीयामण उउपायान विलिक्षेणि !) ट्योडामा स्थानि : (ट्योडमा मूहक दं भा त्या कि:) थम्बिका: (भूका:) अनाद्भाः (अनिक्नाने) अय (क्कूमर्ण) नित्तीना (नित्तीमाम्बद् (थाणान मर्गाणा धयार्वेकर) ग्रेशर मके (समेक)कालम्बा (में मत्रीक्रिम: । क्रमार हैं,) वाहर डम (मह्य कप्प्रमान मिनाला न ख्याकारी:) 11 2811

(अम मामामिक मार्वक महार के । कुंग विभाव का मिदम्। (१) मुलायम- इक्रमोदि ! (क्षिम्लाय (मण्याने ! (क्षा मिटिंग क्यानात्। लक्ष साम्बायाता । वं) क्षः (क्यान स्थात) बन्नीमञ्च-लल्लानि : (यली अधनाता ए नका प्रम्यान लल्लानि : अ अस्य अर्थ (इ.) लाकाय: (क्रमाहरें) अव्यात्रमारं (लाकाय्यारं) मुद्रा (र्जा) रखें (कार्या) रूप केंगा: (रा केंका । राव: (य) यामार्डे हैं। केस : (म्रेडक बस्त : जाक केस वम :) त्रा का किस का किस का मार काम कामार कार्र अ: (मार्क देकार्य: वास हैंग क्यार :) अवित्यारितः (ब्रिश्म त्या नामहिके कता विष्या है के क्या है:) तात्रहि: (इं अड़: अप्रवादिः) देनापतिः (देनाउकाकानकिः) विवासिः (तोविः) शृहिता (था मा बर्ड कि मेरि क्वमूक्रा) वार रेवम क्चर (न्तर) बामालि (शवाममाल व्यक्त वामालि)॥२०॥ (ज्य मंग्रेशिहक्रवाम् मात्रका । ज्योत्रायहमम्। (म) मार् कैक्साइ दें अक्षम-यदि (किक्स) अवं दिग्रे वसे दं लाल दंग-कार् अक्षय: तरामा: अंग: मेमा: '(प्र क्राप्त्रितः वर्म केंग्र-सायागा-सग्मा वर्ष व्यक्तिन: (वर्ण-त्राप्तः वर्षः) वर्षः (क्ष्माः वर्षः) वर्षः (क्षाः वर्षः) वर्षः (कषः) वर्षः (क्षाः वर्षः) (क्षाः वर्षः) (कषः) वर्षः (कषः) (कष मारा) व्या (व्याभीन म्हात) इतिमा (श्रीकृ एकन , नार्क इतिसेन) व्यत्-मार्टकार (लाम पढार) न्यर म टिस्कि (म लामाडि वायर) मीठ-कृष्कामि (अक्षेठ-स्किष्ट्रतानि) मूळ (ज्ञा)॥ २३॥

(ला नेमा नाक् असे साह ने हि। मिक्क रामार । (ह) में ने ते । (भेरोम्।) यात्र । ब्राह्मा । एक देव (व्यक्षम्) वस्त (स्ट्रा) देन्द्र का (लाके क्या) लाभ व या ही ही (लाभ वा मूर्ट व मुखार लाहे ही दुक्का व मुम्में कर है) max make (assume) min owamigue (as doin) अभी त्माकि : विकलकार (विश्वलकार) लड्ड (आर्शानि . क्या) प्रमा (अमृष्क्) अभि मुर्गार्था (क्षित्र कर्णा कर AG(5)112911 (मैरी ब्रिंग कार्श: म्यर मन्मा: ब्रिंग्यर निर्मण मिलामी: MEG)11 2911 (का नम् यातिकोसराइ ने विक् विक वाक व्यवस्था अकार)। मर्माः (वर्नाः वय १) के ध- नैवलि- मुस्टबपार (कै मनवश्यर अखाशां ता हम: माड्यक, क्र ध्रंपठ हैंचुकर प्र)क्रमतं (कार्ड) कक्ष म (माड़ कटमिर्मा) लम (क्रमम बाह- क्रम-इत्ते) व व वर्भा : (यवनाः) हेलाना पं : (। अभाषा द्विम) अस्ति हं या (अस्ति) प्रभी वय देवा शारी (क्लेक्सिन्ती कविशेषियम) 11251 (डिमाइम्नेपनुनं भार । (व) मास्तीमन सम विवा किम निका लूड! (अपर्वीभनेत्र) सुनक जाना (भर्वास अर्थितन मिन् अवित्र !) अभी की रहा (अभी की खिलाले में !) रेस वहार ! (किस विसे कि!) एता! अभीत (अरु अरु अभाभा उन), उन निर्माण्य

(भ्यानम् लक्ष्यान्तिमार्) द्वा (कत्माम् । लग्ड) यात्-नेमयान (म्मू प्रिकास्) साका (के क्षाया) व्यास (क्यास वाक:) इड़ ! (गार्था) सस लागंड (गर्माठ) मं भीम म भीम (अठसस क्षण-मार्था कर मा कर । जिले का छ - डक्षाना ए पवणा इव डक्षमा लियो म रेके केल जाय:। अस म व्यवक्रिकामिन विलाध-सक्रमेग क्रमाणील्याम क्रियोश । मिला- र्ययक्तर हे र्यक्ति ! वर्ष एमार केल केलू: । एवं केल (अभारामवाकाम्। वित्या के नाक नेवा क्रें व्यापक क्रीड़: क्रिक्ट:) 11 5011 (का नियम में माइबंडि। क्रीकिक का नामी में गा प्रमर) बाह्य (माकूल अमिका (आधातात अलिकिका) व्याले (ज्या) अविकरि: अ जामिडिः (अडभीडिः) निकिका (मिनाविका) आर्थि व्यापिय) असिकाए (अपट) असे (अप) (इरिक्य) भीके (जासमर) मामार (क्यक) स्मार्थ (जासम्ब्रामा)।।००।। (दुस्त्रेक्ष्यक कार्याति । अस्त्री कार् क्ष्या में खिलाता ; ञ्जीना म्रिया बर्ममां । (इ) अम्रत्माम् । (कित्याम् नं) कारं वामा कलि चिलामिले: (कलश-बिलाट्यः) हूंगः हुगः (वास्क्षायः) मामवाना (लामवान्त्रेक्त) लाल माटलाम (ममल्मार्द्रम) निर्म (क्या कि कि कि का कि का कि का कि कि) का कि (क्रिक) गर क्य स्थाया व: (म्याक्र) महात्माना (स्व: anam: नाम ना का कार कर) मान् कर ना (मर् किस्मिन कर कर

33 विकाला मंग्र) निया (विमा) अमन् (अम्पर) कि कावन् (क्रिमान म अंदेस में मारे अंदेश- कंद (भय क्य कि विकार) 110211 (लाम ककपार्तिश्वास्मार बाखा (त्याप्तासार काळ बेपा बहमर्ग) व प्यर (त्र्य- यदसर) वा प्रमित्रिया (कार्य क्रियानी (हैं प्र ड्रेंगड़ बापा के के का जा शिष्ट- शियांग से ही त्या (काया -क्पार्याप्कारः) विश्वकः (अव-मन्तं) लयप्पक (म्मा) लडाश-राइम (लचाका जावा पाद्या भीटा गर्म वन्त विकार) या आगा (अक्ट में के गा) बाहु मा क्षा (अक्ट के कि सम MA) (स्य-वर्मम) अट् लिलाक (स्रायक क्रिग्रंट) 110511 (अम विम्या मार्ग के । मार्थि मार्थ के सम्या कर पर) मार्थित (टेमरिकामिडि र्स्ट्रिड: हिम्बह्म) थाडाकी (लिक्सिमेर्बी) अहम-विव्हता- हाक्वी - हाक् हिंडा (अहत-विव्हताया: भाय - कलूनाया: हार्के मार (प्रमें) हाक देव डे हुं हिड़े वेशि विकार मा। मा) गान्यात (ग्रम्पात (ग्रम्पात का अपनि विश्वयक-(विमालने) स्था कर्ष (माल अमल) अविक (मिन्ने) आसी- अकार भारे (विविध- वाक): जिल्ला अमात) अहे : (मुम्का) मैकिस् में (रेक्सुने)काथुक (याक्सा) मान थिकः

(अन्ताम र्वामीकार मंगान विल्यानिती क्राम्याम रहिन्या: म)

(अग्रम गानं माम्परम्पत्रम् सकार्म सिल्माक्ष्म कुल्लाम मे हिन्दार्भः त्रा विकतानातिने (काण-कलाहिः विविध्यक-कलाविभाषिः आयकि (पा करक उप अप) मुंग्डं प्रका क्रिकाक (दुर कर सूत्र प्रवृत्त)।। (थर नार्वाति कला मुमारका । अर्मेमम्प्रेम कार कार कार्य -(यस्य क्रिट या छः) सन्। (प्र यन्त्रों ववः) लाउं र द्यान (वर्षानि) त्यो कि कानि (मूका: क्री हुत्यो रेज्युक विकिशा इका :) प्रिष्टिमां के (सर्भेश्वीना में) इति किल्लिम (हिंदिन) बादा कर्दा: (अद्यारंप:) वैव: (लमक:) कर्ष (वव) प्रदेश (Mai 20) My (the size o due) or yind (or is sime) में अह कार्यु (मिं अ दि त्या : या अ वा कि दिया है कि कार के कर विनामः) मुलानी (विमुख्यडी) इड (पर्या! व्यामध्ये विष-मिन्यः)।। ७८॥ (लक्ष पळाष्माणवास्तरवात । ज्यात्राका: अभव-वर्षमां (क) बनानि! नाल्य! थर् ब्रा-नव्या न्यून: (बाव अन्या अक्ष:) पूर्व डाताका: (मूर्ल ड मार्स ड के (मूर्ल ड मारावि थमा) त्रामि (मिक्कान-मात् शमिन,) यू नि (अकामाल वर्षा रेकार्रः) अव: (मर्मक्ष:) लान: धार्च वर्षा (बल्लीन-क्षार्याः) जाशांकि (क्राहा डवहारि। उठ: व्रु) विवस (विधिकारमाने

निव्डा डर भाग व्यव् विष्ट्र (मूर्ट्र) कि केर देनाही

(बकायक नेमर केता) इस (काभूप विषयं का के का किया कर का किया है) सिमियर (श्विमकामद्राम्यर) मनाम (अथर) and angulary ? (यन्य का ह) 1 का जात्र (कार्य भार के कट्टाक प जारी मुखेश;) 110 al (ला सम्मात्रमात्र नात्र । असमार केल की नाक्ष यह नहीं (दि) याम् । या मा-दात्की (अश्चिम रूग्ट दात्की) लक्ष्यायाम (लक्क- विश्वम प्रम) ज्यामाम कोमाक (म्रम्) वंब (क्यां) र्कार के (अंग्रे) के काम सर्वे कार किया से अपन के किंक न्या कि के के कि कि विकार में कार ग्रिकार) मर्वार (लक्ष-सेमाव: भाभ केक्स्प्रायात्मम मकार कर्मकर अपार कर्मुत्वेशः) क्रमं (लग्ने इकि (बीमिकर) न डावर (मानारित)॥ ००॥ (द्रसाद्यमा के वर भ्राष्ट्र । रेन्सार कार् भ्रामी प्रमा । (र) My ; (and) you monou (aprilounin) and siene (क्षात्रामा) अमि (ड्यामि अठ:) अर्थमा (रेपानीः) (म (सम) लाहि अर्ब: (क्यों के का प्रत्र ने न में हा (य स्राह्म उटाइ)। दि (भमाप) जम्मीम (धी वटनवर्णापि- जूमाम) उसक्षामार (अक्द्रमाप्त) लाकाम (लास्याम)लाबत्या (कार्यमार (लमामवं:) । व्यवान (माल्यान) म वपक (म ७२०) क्याः)॥ ०१॥

CLASS ROUTINE

Days	1st Period	Ind Pariod	3rd Period	4th Period	5th Period	6th Period	7th Period
Mon							
Tues		6					
Wed							
Thurs							
Fri							200
Sat		22405					

Manufactured by :- M. R. CHOUDHURY & SONS.

NETAJI EXERCISEBOOK



School of College

Class

213 8 151- 10 ST 2173

194

128 PAGES

Price -15/-

क्षा असम्बद्ध मुल्ला के का मार्थ के मार्थ के का मार्थ के कियारवं पाछवं विक्रम्याति। ज्योकक त्वाविका वृक्षा पृत्वी ज्योगका-मैं आतुम्मी स्य: सामिक का क्रिक सामार) मा (इसे मी प्रमा शिष्ट:) द्वा (वाद्या) क्षत्र व्या (क्षत्र व क्षा व क्षा) कामा (कियारिंग) विकीसन (पका , किया मन पाल आयार्थ निर्मितिकार्थः), लास (म इंग्रं) में मान्ती: (में मा अक्तर कामी: कारामा ममार कर विमार्क) मित्रुसा (म्यायप) मित्रसा विमार्क कर । (क) यह सा (स्य पाद्यां) क्याद (म्यूस्प्रां) धके थं (स्यु के कः) काम्य-मर्बावि सार प्रकर् (थार्थन - धर्म विमार निश्निन नार्यु की मेर हर-(सकर देक्रामर) वर्ष (चिस्रावन्य) हैर (न्यामास) ने बार्क (काममंद्र)। त्व (व्य) प्रिका (प्राक्तिकान) अर्थ (ज्युमाइकर नवर अस्) दुएमार (ल्या वर्षेत्रमं। लव: वरं) स्तामं (पत्र) व्यक्तिसंप (क्य किस्माड्याक्) हिन्द व्यक्तिस (स्टिनी के देन) यना (हैं का) इति (नर्) मैका (अन्तरमायम) दुक्त नाम मीताप-सम-संब (क्रिक्रमेवसता अविद्युत) ए मार्स यव नाडि टिमार (काल mars (क्रिकेट मेरी) 11 9P11 (जिल दिन्या सिका से मेर दे हि। मान्ये मेरा के व्यक्त व्यक्ति सामी-यह प्रता) हे में किया (ह्या हिक्या) असमा (काळ अस्मामाय - क्या-बली मागा) हि मधी : (हिमा विकिशा भी की म:) छी दा: (अद्मित:) र्यात्र : (अभी लाह्ममें :) क्ल्यूक (अद्मितं क्रामात)

डर्ड्: (mमिम:) अमा (कार्नेनी क्रार्टनामामी) की लाम (गर्मर्यने इन्दर डाउंति (लामार्यमेष) क्या लिया (लायामा: लिया) वक्री (हानी) क्षकाभाक् मूचार (क्रूक्म) कामानि काममा-प्पाणानि कूम्मानि प्रभा: अर्) सन्ति (भान्नकानकर्) नुमाछि (अया-अम्बामित्कार्भन मिलीयर करवात्)। अल्पी (अवल्पकरं) ज्यान कर्मभवताकि (wie भारतिकारामानिती) असी नामा र की (एमर राजा भारता) विक्री । १०० ॥ (ला गाद्वी मे लाप्युष्टि मार्चित । अस गढि काल- ची कं वा मके की-बर नर्ग (क) आग । सुका किए कि का (प्रत्या अप) वाहिका लाग क्याराय्यिकालात (क्यम्यविकामानाः मात्रामाः अस लक्ष्यामार) । मृति र मा मान (वक्षामान) विक्षि । भाग- तक्षेत (गर् : हे पुर्वा विकामकानि सम्मान्त्र नक्षमानि भाग : अ भा म क कलका सुविका- तक्षित क्षेत्र ०००१) णालुका-मिर्ग (पालुकामा: जिम्मणा: मुन्म मुक्ता) व्याल मुम्करा (पूर्ण्य-स्कला) व्यक्त (MIST)11 8011

(अय स्वित्रमा स्वार्वि। भी वार्वामः प्रश्री थान अभवम्भी-वर यत) किएक कि दिस्त का का हा (किएक बक् र नाम ना अवना । काछा अहि अ हथा ह में कथाता: मने मारे वास्ता: के हि: (आडा भमा: मा) नात्रालम म्या (नात्मन म्छान हे नुम्ली क हे नाम-लानितो क्रमा क्रमा क्रमा थ्रमा:मा) कुना छ । मिछ । जिल्ला म्या सूभी (कुना छाता कुन प्रभावर छ आर्थ सिलागः मकशमानाः छ किकाछः अकारेपः छ व्याप में में निया : या) या का का पर के दिया (यह तार : का का पर तार : देश्सकी विसम् की कुडाल कुडासमूग्र थमा:मा)कल्लामम-त्रिक मक्तरता (कल्ली मध्य का समास्य) त्य भिका: अक्रा: क्ष्यम् : मसाः (क: अरमार काद्यार)। धर् (याक्र) क्षा (क्षाम म्याम (क्षाम) हान्यी (श्रामक्षा) वाची अमा विमारमार्सिड: (विमात्र-जवेश:) २(व: (अकिक्स) क्रम्त थ्राच (एक लामस्वक्) 118311 (लग धरातात- अति लिक्स- विश्वी मिसार बाव । कपडाडिमिकामाः न्यां मार्गः स्था निक्कार । (य) (यर व्य । (यर अप्ता । क्रीक्क !) जामा वाका लाक्समूर् (यनमध्यामर) लाक्ष्रिक्षिः (काल्यम्(भ :) क्रिकाश्य- सिक्ष्यं (राम्यार सिक्ष्यं कार् सि सम्मारी (द्रिकाम्य वस्त्रमेष्ठी केम) किया ही-मास-विर्वेलय-बार्ट (प्यरात्याः कार्यात्यात्यारं क्यगाः यान्याः

खनमा कर-मूकानार विर्व जनानार हत्य करत्य में नार विक्रिक करार कार्का द्रवेश , लामुबंद-जित्त सिस्ता रेश्मिका :) यत : (एड०) विञ्चली (प्रधामा) भूमत्कः (ट्वाब्मकः) कप्रमात्राविः (कप्रमु-के में स- सार्वेक्योर) पश्चा (काला) श्रे द्वर (सरातं सरातं) स्यात-कम्म-लिया विक्रम्याम् (स्वय-गर्न-स्वश्मित क्रामी रेख अवसक्ताविक ह मनी) वर्षा 118211 (ट्याक्न व्यय-वयिष्ड म्यार्थित । स्यम्भी व्यक् नी व्यवनारी-वहनम् । (र मार्थ!) भा (इथ डामू मार्जिमी) मृलाए (मध्मारमण्) अयर (स्पार) द्वा (माका सकी) लाश्रम प्याक्र आभूमार (मिन्य- क्रक्रियर) म: (क्रमाक्ट) सम्प्रिय क्रियर क्रिय ((अरमें क्यान करवार् मा) रेवलमें प्रामुण (व्यावाद्य) (बस्मा (ब्रम्म) (अय-म्याहाह: (त्यमम्प्रेट:) 2 व मिसिटा मू (मिसिटा किस्?) 118011 (एक बगाल्य नी समय- थमाई मार । (जो न धार्मी बहरा । (स) उद्याले! (किताकां) क्यार्वा (कर) तथा: (कार्मेम्) (कुष्ट्र क्यारमा) लाईना (रेमानीर) विविक्त-अधीक्ति (प्रविक्ता रेकाम अधी माठी पारी जाा: अलि कार्न कर्मा । में कः) देश्यात ? (९० मामा देव निकार में देव देवप्राय देवर वाद्यात्) डेप्यू सं (विकामिकः) कुर्वा (कूर्यामा) किल

के यह (के या भार कर म में में) सि भिष्म भाष्म (म-स्वाकार में वं क्रवाडी) विवि कि मूर्यी- द्वास्त्रिय वी- शर्वनी (विवि म्यिनाः चिमान्मः (वालाम्ब्हाः जिल्लाम् अम्बर्भार्थः क्रिनेशी उम्मान्म (बाह्यकार्य वास्त्रक्षीकार्ड क्षा) क्र प्रकलम मैस्टिक-बत्य-अक्षर (काम्रक्रम् क्ष्र हिस्मुक्र रह म्यूरिक वर् अक्रित ६ ज्यका ह स्मिन अ ७ ९००) वि पावा (विश्वाव) व्यवस्थ व्य-आयम् क र क्षा) लक्षीः (तिक्ले ज्यवीय) थान हिलाए (garase) para (2000) 118811 (m) share son sound sound (लाज अक्पूल्ट- 3क (श्र द्रा की तार काट । न्या का काट ज्याताक्षणा विषय । (इ बदिता हैं) कुल्यात, में (अर्थ) म कार्य (म ज्यार्थ), किन् ध्या १ वर्ष) उस्क टक्केट (मक्ट) ल्यामणात (क्रमणाह्म । मक: व्यक्ट) क्रिक्र वेच (जन) मूक्त नीक) (हुन्ती) क्रानित (सीमामि) शेषि (अड: इट अस अमिष) मिट (क्रिंग) JOIN (MEDIN)118011 (लाम अभी अनेगा धीना क्रम कार मेलि। ई मार मिल कम शासिनेगा: चीवाद्यामा वह मामिक्र । (इ) मार्थ । क्ट्य ! (इ०) बन्न (वक्रम) (टमालकालम कीनक्या) मूनू १ (१ न १ वीक्कारिकार)

देलावेल (बर) लग्द (म बन्दिसमूनः) रेम (कामन) मशीमा कार्यमार (वाम्त-क्यार) सर कुर (कार) रेखाड़ (दें अंति)। यात्रिती मार् (अमार्यः) मार्खकार (प्रार म:) मलाकु (मङ्गर) लामवे (लाममक के। यः) प्राध्यकार्यः त्या दी म्यादीर (त्याद्रीक्, श्रिक्याविकां : (०५ साद्री ह स्यामाक्ष्य ।) त क्लभा है किए (त का मा हि । किए) ॥ 8 ।।। (ला केका जिल व भी- में मी में में में ने ने के के पर भर है कि मम्द्रिकातं (क्य-विलाग्टा विश्वाति । देव क्रिका) नामाप्ताका में से ! (से पर्यः) असे (मार्था विक्र में । पत्र) केंद्र ला है के (विमा) के छ : (कमार टिका कमा कमा मका मार) अन् नर् कार्स (मूर्य) माए (डावर , क्टाराम म डाविपिकार्य:)। म वाबापार (यम्यापार) प्रकंतिय (सर्दिय) ब्रिंग (अर्ख्य कर्म) (सामा कर्म (स्माम कर्म में का लग्न मुक्रा) । मेर् (मलें ए) भाने भाकाता व्यवान्तार (व्यम) रूक क्रमन्त्रक्त वृथवालः क्रिक लिकारः, क्र पः दातः अर्थः a collar, (Culas,) sile (Lan) solar (acom;) न निन्द्रा प्रांत (त बागिक । लाका का बामुत करामा । ज्यान का निन्द्र 10 de la sella cett de princollar galle) 118 de

मार्क द्रान् । रेकताम्बार रेकताम्यका का मिने के का विमा 66 अक्टबा म निकारिक हेवार्यः)॥ ४१॥ (त्यारेव:) लाम् लाम (भ्रामिकाम) क्रम्भ माम्प्राम (अन्थ-वालीन) व्याहिताद (किल्यान (लूकामालिक प्रत् कृष्वाम । en) mns ((a 2 26) 2 x (a 200) 1 mn 2 20 (4 of a -जेकार) ज्यान (ज्याप्टियार । क्या) लाक्याक् (लाक्ष्य दुक्तायं धर्मन्त्रमण्डा) अम् ्मन अमून ब्रा (मनीन-अमून अमून अमून अमून । E (ल्याहिएमर । लग्ड वयः) लागेट (ल्लवंड) कि कर्बाट (20) ourender (ouren) 118 11, mars (200;) गम्भः (भाषाकानाः) याक्तात्राम मृश्य प्रक्रमण्डिनाः (मरेक: मएडाने: द्विडा:) ममसा (मन्कः) भारेवा का मे विश्वाः (भार्यवाक्षित: की कुकाक्ष्रते कावित: विस्म विलाम अमार वा: वमार्का:) में मार : (में भागे:) मारि (विवासा कि)। हने। ब्नावतम्मर्थाः (भीवाभागः) हाः मभाः ह न्त्र अक्षित्रमः (अक्ष्यकां :) महाः (मिगुवा: । वय) काल्हत अगाः ह (काल्हत) तिषाभणः ह (काल्हत) क्रार्तमभाः ह (काल्य) सिममण: ६ (काल्य) अवसरसक्त्रमण: ६ (द्राष्ट्र) 12 m ol: (12 20121:) 11 840 11 6011

क्रमार्थका - विकान धानिका । (क्रमार्थक ह विका ह धानिका ह कराताः) समाः (कमा) कर्षेत्री-सप्रमार्थकारनः (क्षेत्री र स्तिम् विका ह उपापा:) तिलामगाः कुलाली मुगी-वामकी बाभिकान् : (नान्यू भी ह नाम ही ह ना प्रिका ह जनानाः) व्यानेम्बाः भकीहिंगः॥ क्रमा ७३॥ लालेम्भी-रामडी-लाभिकाप्यः (लालेम्भी ह रामडी ह मार्जिका ६ जपानाः) भारतम्याः (अकीर्डणः) देशाः(वजः) कारत्न रेसा वाप अत्या: (ज्या कारतः) मस वक्ष (कर सम्भय-Enaicher (Mar;) 11 cs1, केंद्रअपकी सेंसकी सत्यासमा कसमा शर्म ही राक्षिकी. कलर् मलनी भर्मनी भामनी कामता (छम) भाम कताम्यः (आम्यम सहिक्ता;) किंग्राभ ; (ख्यादु)॥ ७० ।। अविलाभिका (विलाभिक्यां अह) लालिका अहिला (हिल्यं अह) हस्यक-ला कुले विशा रेल्या स्था र ने प्राची ह सक्समा सिमा: (अक्समिया:) द्रेश्व (ववा:) व्यादी व अवध- एक में भागे : (द्याह)॥ व ४॥ काम्य (प्राध्यामीयर लाक्ष्या अभागत) हिरा : नव (मिक्कsiglin: genium gandalin:) (an: (a)ai:) aser-कार्या (अवासार्कार्य राज्या) मार् (कर्णाहर) महिर (जीकाक) बार्ट (कराहर) डीहर (म्यु सम्प्रांग्ड) वसाह के (क्या क्रिकें न्याक्षकारं) इस (मेडे) अमारिक (प्रमादिक वर) ये में (भागीय GATE)11 @@ 11

इह (अंदिश्य का सुन) र्दा का का का अवा के के अमा : (प्याप- यमा वर्षात)। तिसे १ (जवायवंगान्ये सान्त्र) काम्हर भन् र्रिव-१० वंगहः (जिम् छ रें। हरम् छर्ना प्रभी छ द्वा)। अम : (थमम : कार्ने द्वारे) नक्षमाहः (जकादिश वर्षेतिश समाहित्या)। कता (कापा गरे:) महाकालि:(महाहिका अक्राहिका अमी हिर्दिश)। इक्राम्राः (जनसायनः लक्ष्यम् दिक्तः)॥ ।॥ मारि (मारे नारम) मार्क वस (म्यांत-वस्म) जातन भागां (अवकीमा मालिका) म भिमानि (म कक्षा के इंकि) रह वर के (लापुरास्पर लक्षर श्रेष्ठ क्ष्रिक प्रमार) कार्कक्र ह-यानिकारोपेभावतः (हार्काः केताः यान्का पक्षेर्वात) मार (ड्राइ)।। २॥ (क्य समाधाने शक्त अमान्ति) अति हि : (बाहीते : लाइ दि :) काम्य वस (मेला ज्याव-ब्राम) अरवाटा (अक्ष्रेंग भाग्या) म मृद्धा (म श्रीकिवा मृत्) गर (लाश्रीस्वपूर्) वर (के) प्राप्तर-धक्य- (क्षश्रांत्र) (द्रामुक्के पार्आर्यालाम्य) कर्म्या क्षिक्य व्यक्तिः (वम-विल्यमा) अण्ण्या (ध्यक्षक्रा) ध्य-वारिवामार (श्रमकुमारिश्यक्षा भारमय नर्वा एकिमारि-कारिकारार) त्माकूलामुक प्रमार (लाकूलनकारार करान-(माम्नामार) कूलर (क्लम्) अस्तिन (वितिष्ठि 2100) W) 11011

भागार (लट्डाहामार् लाक्स-मून्डीमार्) इक्षक्रमम्बन (मक-मसम्बर)रेजिन (सम्बर) मिकार (नकामकर)द्रानम : (आहमा) हारमा (अन्य त्यमः)मा (धानेकांछा) मूना (हिस्साल) मम्कि: (डेडामे: डक्काते:) थाल प्रमा (इएक्या डरमर विम्वासामिक छार:)॥॥॥ क्रियाम्यां वहपास्त्रस् । क्षित्रः ।) खिके हिः (विवास सामः) (वर्षे प्रमान विकास मिल्या क्षित्र काल विकास मार्थः) म्प्रात: विक: (बादाह: देवामाम्बर) वाम् कमाहें (बिह्न-त्यादासन्। मान) (कुक्र्यु 6 वर्ष ((प्रके क प्रमासंख्रा) नाम-लप्परिक्षि (क्षामान सक) शामा (सकत्ते) मामार चात्मायत: (द्राक्षमा दुत्रमः) के काक (क्राक्रा द्राक्ष.) इड (धर्या । जात्रार्) तमानीतर् विक्रावासनमाम् : (अल्डालानम् न व्योगन्तनम् मान्या क्री कृष्ट भ कूर् कोरहः अवमा (जिस:) आम्मार (अस्मान्त्र) विखादः (कात्रमकः) कः क्की (का मम नाइकि व्यः) अम्मक (आरकाति म तकार भी को मः)।। ह।। इति: (अक्षः) के लान (क्याहर) प्रम्पा (अविकास-भीयार) है बाह के कुर्त (ग्राय ह के कुर्त) प्रमाप (मक ह ग्रेप) का न बेपा-वस्त्र विद्या (क्यावत्र व्याप्त व्याप्त हो। क्या विद्या क्या कर्ड्ड एवं

(क्या त्मेन्नात्रीक्षार) वात्रावस्विधि (वात्रमा वात्वस्विधि) क दिन मिनोमं (ल्यालानमं के वा) यमका (मि कि के अवस्ता) सर्मा (अक्टिक ममुज्याधमा (अञ्जल वृक्ति।) श्रेमे (क्यु-डिटकप) मंगाक्षी-गीत: (प्यालम महीए:) मेंकृ (प्रका के कर लाकापर) (प्राचारिये (ए यक के र) मा (हर्ज क्रामें मुके (माम)मलानिका (यक्नानिका लाभीय) उत्ता (कार्य) यासारंग: अमृत्रेश (अस:) डड़ । (अधा । असे क) स्पष्टस (महत्रें द्याक) राम्म (यासाराहम:) क्रिया (क्यारामाराद्य) कार कर्म । जार (का कार कार प्रतित मार्मिन) अ विश्वा अर्थ अवर् अव्यानितानि कित) आ हर्षाएका (१ वे है अस गुड़ में खुड़) चाक्र के (भा अप्रांग प्यार चुक्ट्र) म लका कारीर (म ट्याना बख्य) 11911 (अश्र आमामार्था रेक्यामे-यहत्वन टेमानेश्वामाने वरमाम् (वार्षः) स्थिनाक) स्थायान्तः (सम्बाक्यों साधावन्ता आनेकांतः) व्याज्य अन्न १ (ज्या ज्यम व्याप्क निशेषान व्या-बाममा बमन्तरहारा:) जासे कि विक्री (कुर्रा) अरेक लाज (सामायोसिंगी) लाज- खाउत्तामार ह (अकि कारायो तामार यहाबार काराय के वाबाका अही भवंकी गा वय (इव) समावा (मित्रीका)॥ ।।

(अन्दर्भ (यायामाना वंसालामत्यम् व्याधीमवाक) क्रमाप्रांक) अ द्रमार (वर्ष नामाक्रका: प्रायुक्षा अविकास) आसामा। (अन्थाव्ती) वातिका (मानी छ वर्षे)। सा (रवल्या) लंबर (अंदेशन्द) यं बार (त्र) ड्रेक्स-(य व कामुसाज क्यार हार त्याला रहित । क्वन्ह्रे छ ने श्रीत ह (अपने क्या: (विकार मार्ड क्या) काम नि (अनेबारे कात) काम. अनुवान: (मारि। क्यल्या क्रानुव्कित्वकार्)। अवाम (मामानाम) भूकंतवा छात्रः वर (वक्ष) कपाहन (कपाले) नुकार्यः न (न वडिक)॥ ग। मा: (मार्नेका:) अक्षुनंगः १ वर्षा है। १ विक्र (विविद्धार) लाकुकु तुक: (क्साका:) क: माळीक मेळा सक्या क्या क्या रेकि विका (विविधित) प्रणः (मिलिणः) ॥ २०॥ का अन्त (श्रिक विकास :) श्रीरारा : क्ट (श्रिका ग्रांग भाग्कारा : अस्टिं) नव देर्ट (व्रक्तिक व मक्सादिक्ष) टिम यर वर्गिक्स । ज्यानि अएकवियाक (अएकवी गए Tild) Ligard (ora ejinin one consideration (ud) 20 (Date of the Jaile) or all ad (अध्याम उर दुक्त (क्यानाम " प @ अस्त्री माना दृष्ट सक्स) लया रेक्स (रूस लय अंडिक्स) 11 2211

(ला काश्रम समाक्षिक) (काहत (काल्यः) अवकामार्ग वह (मध्नेन्य गर्भ के का मा का) दिला का का किया (मिश्र का त्या हिमार्यमे (छम्द) वर्ष (विक्वायमा छ)। प्रक्रम (मास्य) भवक्षेत्रः व (भवक्षास्त्र) चण्यम् (ल्लाम्स्य) अ: क्षियां (प्राप्तकाः अक्षाताः अवक्षाताल) रे क्षेरिक (M25)(8)11>211 (लाम संख्या-प्रक्रम् मार) पव वतः कास्त (पर्व वतः पर: क्ष्य ग्रेस ग्रेस : काम कर मामी मा) विक् (गृत्व विष्ण) बासा (अवाक की) अक्रीयला (अक्रीमास्त्रीमा) वं अस्तिम (अ.क्षित्रम क- (स्क्राम) अडी छ - हाक - में ह करा वे हार ह (मडीडः सलका हाकः आतार्यः मुख्य प्राप्तः हवाड का अ कार का मार मा का कार है। किस् (क्य में मान्य मान्य (मिर्ग) के अववाद् (क्षः अभवार्धः (पन जभाक्ष मारे) वाक्षक्ताव ताकता (यास-का-लेख:) खिलाखाला (जिलाखन कर्ण) १ अम्डिस (अम्मक्रम) मपा (अर्थिय) भारत (अर्ड-सम्मक्रमण) विमेश १ (अवाक्षेत्र) १ आतंत्रा)सेस्य (क्यान) ॥३०-१८॥ (व्य वयम्मू मूमाप्रविष्ठ) विभागामाः विभव-। भी निष् (ट्रमणवक्ति। भी अवंत्रसर्ग) विवस्ति (विक्तिः मळाळ मार्ड, जभा) ट्रियम-असी (धोचन साल बमार) भाविलाडि

(क्याचे क्यांके आके) त्याहत-क्रमत् (त्याहतक्षण् क्राल्) भीगानि (अकामाण) वमन-मूचीएछ: (वमन्म : छन्दः) विभव्याकि (मम्बन्धाता डवाके)॥ २०॥ (क्रमारवं भाषे वेसां अटम । वायो-व्याम । (वायो-ये ल क्षामे लक्ष्यं ।) वास- चर्ते ही अव: (क्या वासाना: वर्त: (तड: वर्षात दीनार) व्या (विध्य) समार् (हिं मृती छव) यव (भमाव) भूतः (धंक्त्यार प्राप्त काट्य १) शक्य भ-तिराप्: (अक्पे क क्यूक्र प्रवास्त्र करं क्षेत्रा में मार्तः में में भे भे) लहाः विश्वादिकः (प्रधांत मारामार म्याक अवात्त्रक के ब्रिक क्या वस्तावहः CE क्या) र्धिति (स्थानक । बाह्य दे प्रव्यापक) अन्यो (डिं लिडियाक्त राठ) लागे के का द्यास कि कार ए के का खात ह त्यामि लाकात्म) काट: (आड़: लाड्ड आतकार क्रामात रहा) वादा-तिका (वादा मक्ष्यान प्रमादताः क्ष्मानुका ट व्यर्भिक) उम्मीएको)मरवाङ्बला (मर्बने जासम देख्वना काक्नकः कमा मंत्र अस्त देवन्यवा राक्ष्यक) देवः वस्तात्म (देयव-भक्षात्म देशकाल देशका कर्ष है। का लाम (लामकारा) में चारा भाव: (में समां : कार्य- व्याप्ता द्रमात : द्रक स्: क्या अस्ता नाक सम्मान द्या है से हिं है हिंदा है हिंदा है वक्षान्ति (म्यक्ल कमत्ते) त्रिष्ठ-कमा (विकाल-तिन:, लाकः । अवि विस्ताम : जमा विसाम विलयक वर्डा ।। १ ४॥

(मवकासाक्ष्मपाय्वाक) माम्मीसूकी धमाभाव । (प्र) बाला! (द बहात ।) त्या हा नि वर्षे तह (क्याम-प्रात्ति : (क्यो द्वाडि: (मालीडि:) हमा(इमर् कृष्टा) कर्भाडिप: (क्रीक्क्म) मा(वार महरें किम न नी ना यात) असू यं मात (क्र-असार्व आत्रार्भ (अ)) प्राचित्र के न र अर्थ मात्रि (क्रिन अर्थ के न र किलामि, जमा) क्या रेमवारमः (कारमन हालम मर) वन आनिका-विवृह्त (वन-सामाग : यमत्य) लाम दुष्माम (रक्) लामस्मा (मकाअन्ति के (प्राप्त) काम ! एवं मारे (सम्म) लिए कं (Con माम) मवीम: (मूडम;) वलं: (बिमाम:) अवाष्व १ (अवडीर्न Jug) 44 (20 m. 1) 11 > 411 (व्या वामाकामार्यायका । जीकृक्ष्य अकि विमायक नम्। य) भिष्य- अक्षितामा । (भिष्यामा: अकि के Gunta Econo मा) उर्माधिनम् । (य कृष्णं) नव वामिका (अप्रद्ववीना स बाया) नाम (क्याह्र मिट कें) अर्थक प्रम (वार्क्त्रक) म कें । अस्युर (सस अम्पर) विसंक (अविकें)। अभी (लयायक्त राठ) अद्यः (मिथ्रिमः) पक स्यः (प्रकृ मैंद्रवें : (र्श्विक्योर्ग मियां दृश्यः) इमार् वद्याः (उद्गामिकार साम) विष्वाह (त्याह)॥ अ ॥

(क्राज्यम्येकर्ता मन्यरं का न्याक क्राज्य व्यक्त । वि यातां) धम्ना- वासित (धम्मामा: जीत्म) (प्रा (अप) विल्लक्नाप (पर्मनाप) हास्वार (अन्यानिकार) सिवंसकी में क्राय कार (सक्षा सम्प्रमासम ₩ र्बद्रकार वयसमार्विय अक्ष्यमहिर '@व: कर्ण लयानित रोक मन्गा रास र्षा मिनानिकामिकारी:। जनक मगीए अति) लातुं (साम् ;) सस कवं सेक (इ.३० का) इ.८० अकीर- वर्षां (यम् अस्ता क्रिक्समास्त्रका हु:) राष्ट्र प्रमान स्ताहरू (राष्ट्र म न विकास यनं यह अवस्ति काउड़) संबाहर 11 2 %।। (अग स्मीरमा मार्या । वीक् कर काल- भाजा रहतम्। (र) उत्रम्भक्षायं ((त्यर्) क्ट्रीम (क कार्डा) कार् * (श्रुय-पात्रायनंत्र) हात् (हिर् स्कु) लग्न व सेकस्प्रां ; (मूट्यममान्नीर व्योचर्थार) म व्यर्भाम (म प्रवास । थड:) कः कुछी (विष्णतेः) वनः कला अम्पर्व (कला डाज्यम) कित्वामा क्रांच जिलाए) न त्वापाए (नव-विकाभए) मालनीः (व्यक्तिरिष्) कत्वाि (धर्वाति म क्यानीकार्यः)॥ (क्यात्रं प्रश्वेष । त्या दे अभी अपि स्थारं प्रथम । त्य) भार्त । सना इर (लाभुष) त्यानी ऋक (कॅसक्सेत-सामा) म श्रीक्षा (म अभीक्षा) आहे। (अष: प्रू भार्काव) किर् (कभर) दीर्घ त्वाम विकरें। (दीर्लिंग दीर्थ वामम्मानेमा त्वार्थ न (कारिन विकटेए डम्ड्नी?) मक्टी? (म डमी?) जिलावि

(मिक्सनमाम)। क्षेत्रना (क्ल्यम सर्वय प्राव्न ० लाभनामा सर् प्रांतिक क्रिक्) वे स्ता (१८ (मार्) लच (लभीर) क्ष मत्य- व्याद्वारा (लयक्षेत्रायां के वारा व्याद्वारा । इन्ट (क्युम्स अर्थ) । क्रम्बर (भ्राक्षका वता) लयं किं क खिला (किं क (काम) 11 5) 11 (मरीए-वज-अम्बाक्स्पारवाज । मुवन् माठे भी कृष्मवहनम्। (म प्रत्य!) विमारमामू शी (विलास म्रम् भर विश्वर देम् शी भा अर्यो) अ का क्या के में वस्ति : (तिक्य बनमा) वार्य (हावर कार्ड) हिनाने (एवं बर बीने वर) अमार्न नड़ा (amos) मन् : (जदक्कर्राम्य) कार्य-जवक्रं प्रकं नाजिका (कार्यान जवकारी) व्यक्षामधामा लक्ष्मिक मभा: भा वक्षाह्व विक सती: (बर्कान न व) हिला (पल्ला) किया प्रविद्धा (लंबा बाहुत येश) येश (अंध :) । स्था स्था भी बार (भिकामार धमुक्समार मधीमर ।भिकार करकामर)भाविमाते: (टमोन कि: मिनम्यादि-मद् छरेन निक्रा: के आक्सी मही) <u> व्याद्यः (क्योर्ग्या कर्ते) क्यार्मित्र (क्याक्रा) अर्ध्य अर्थे श</u> (यका (राभडन-डानुस्रिम्स्य) क्यासमा सम साइं (मन:) अप्रय (अन्वरी) रहे (धामक्य) विदासिन्थी:) 112211 ((वायके कवात्र (म) मान में मार बाल । मी के कर चाल वाल काम हिनामा: अभीवक्तम्। हर) कपस्य-वती- ज्वालं! (कपस्यमियाले-काम् र । अ क्या ।) अपाक्षिन (पाक्षाक्षेत्रकर कार्व क्यामिक्यः) मिमालवार्ट (मिन: असार्तम अभिक: अलगहाः जलव-मानी-प्रयं क्ष : ममे वर कमर्किर्) लान कार क्षामम : (अक्षिति) तम सभी (भना) कथ् (क्य अक्षायन) विकास रेव (अमारीमा रेव) बका (व (कारोव नामियारि, त्र : व ८) रूम्पर (सस अगुर) म चिल्येत (अणुनावाहिमा (सम्बर्स) इर्ड (सम सन् द्रायुर) बकें (सम) लिया (or sol) or thus, (or there,) & trace (still 1 क्रमा (मायल विभूष्मा कार्यी: या : क्रमा नमारि (या प्रमासिव लिश्चित्रकील दाय:)112611 (धारत विम्रोडाक्य) अर धारत विम्रो (धारा-अवाद्यानी आरोका) मुखी जभा आअभा ह रेकि विका (विविधा) हिन्दी 112811 (अन मृती स्पार्शिक । इन देनाए धान विभिन्न वर्ण : मभा : मम्बर्ग । मुक्रारंग: उथ्य ं किष्ट मिट म नक्ट: 1 क्या का मानु. रुणांग दुर्ह नित्त । (इ) मन्त्रः । ब्रार्डिक अस्पारी स (गार्का लडार्केश अर्ककं में में के के मामण जममण क्रमेटि क्रमेटि सिंग्स्म) लाज महत्माः (अर-मेयस्मे)

म्बर्गा (क्या सम्हिन वर् करियाम) व व्यर् (रेशवद्यर क्या) ज्यो अर्थ वा अस्मिता (क्या श्रीकृष्ट्या श्रेश्वर पर्णात वा अनिवा आत्राक्षेत्राण) (म (मम) हक्ष्मा जार्ज आएए: (क्रडंगः) बामार्व (जपानीए विम्ह : , जमा) पक्षवमना (अधना रेप्ट सम खिर्या क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रांका हार्टकानि (क्सा विकाने लाय नेगम) करवारि । साय-अयत्त (सार्याकारियामुकार्य नवर रेखा) शत अवगावाद्यः (मक्शक्त) लद-त्य- व्यवादिमनेत्र) एडद: याजविक्रावि: लक्द्र । वतः लाउं) किं करं व्यन् (किं केत्यार)॥ रदा (लाभक्तास्मारश्रेष है। काहि महिका निया सक्त: मासेनी: ल्याक्ष्मी र) मा: त्रिमा व (क्षेत्र के क्षेत्रका) अभ्यूम लेख कासार) मान्य का के हा में आहे (कार्य में प्रायुक्त) मारामुक्त (कार्य में प्रायुक्त) मारामुक्त (कार्य में का प्रायुक्त का में प्रायुक्त का प्रायु (अरभा वर्डा रेकि भारभिक: ठम डाय: भारभिक्षि विकार्थ.। तकः) सार्याक (साम द्राष्ट्र) व्यन्ने नाप (वस्वाम) साम क्ष्राम् (क्ष्र (मा माउ) व्याति (मा क्षे) क्ष्रां व्यक्ष (अम हिन्द्रं) (यलम् (कम्मः) यम् (क्रमां)।।2011 (अम सक्तासकार मार) सहरत-तळ्या- अवता (अमरतो क ट्लो-लका धमन: कामल रामा:मा) (यापा अक्रेम मानिती (अक्षे देमाय देमना प्रवाकने महायोवन एक नामाल

(माटिक मा आ) किकि मान बहना (कि। के १ अमा तुर्व वहनः नत्रीत: या) टमाराय- र्वाक कारा (टमार लाय-ए र्वाक्स काराकेन्स म-क्ता थरि यम जमार् क्रम विषय क्रम व्यामम् र्रामस्य का आका के का कार का का का का (क हिंद) राधान (भाम- अम्मित) क्ष्ममा (७३१) क्या कर्ण (भाम) कर्क्षणा (काक्राया केम्मेन्या भाग्नेका) रह्मा अग्रेड (टाइड) 115011 (अम समात-सकार समाम मात्र दार । कार्यी (अमे निमारी कार) मर्क (सामवाता) के एक (बाह्य काल) प्रमलमं विकिवार (विक्रिनार मार) अहः स्मवः (अहः अहम्बर (अप बढ़ ब कररात्मा राम लाहक) वस यह ला वे छो (काल्या रे) मसराक (महर् कर्यात । करूर) लाभुम (मिक्स) लागाव: (अम्य क्रिमार्स) म्लर् (मृबिर्) निवर्षि (निक्रमाडि मार्क या) लार्ष (भार्षका) (काक ति (धन्मे कि) वर (कार) कार्य सर्वामिक्सामी (म स्तारमा) कमा (मी क्रमा) (माद (इस्ट) के बाधी (सिम्रायंगामाम)।। रमा (त्याती अक् मेमालियी में तार बाल । मार्थिक : मार्थिकार । (इ) वार्ष ! (७ (७ व) क्राया : (क्रिया त्रा) विशिष : (विभाम :) भी मध्यम रेतू :- (कल प- ठा भारत) क वल भी प्रमार्थ, अल्प्रेसल्पेन अवात्वकुक्तः)। द्रक्तेमाय (अल्प्रेसल्पेन) इस्राख्नेत (ब्रह्मांगः क्येनुक्ताः जिन्द व्यक्ता) दुवस्माद । केट हर्ट (क्षित्रीमण्ड) चे अहर्त्वमृतिया: (टक्स क सिमे प्रसी) बिम सिवर (बिमांसर) इति (क्षमंगेल । ला : हिं) प्रांतासम् (अँम ब्री मर्द राक्त) क्कान-राम-है ताराम: (वक्षान राम् ग्राम में में में बर्जाशास्त्र हे हास्पु: जित्रास्पुन्यस्त्र) लाम (ह्याम) 115 % 11 (कि।केरसमम् एकाकि भूमाय कि। कमाहि नी कृष्ण: वरिमाग्र-मध्याल वर राक्ष्म र संस्था दे राहत में का न्या का नामा का वर्षेत -ल्यामार् देवा दिलाम्बराम । विरा व कं व्यमत्त्री की नासा क्रामी बसव्यक्तिमा क्रामें पृत्वः माहुक्त्रम् मृह्योव।(य) मम्बङ्गासिकर-वाविम्यासा । (भभ वक्ष्मू अ वम् क्षा लिस क्रम कमलम् अविधालम त्यावाद्य हमा । (म) कृष-नेशव । (के के सप- ने लव । के लाज के अध्यक्त- कार्य । ते .) अर्थ: (सस अपराप (अप्रअ) (अयारे व क्ष (ध्यारीक)क्षेत्र-स्न- मित्र मियाकि) किथेबार (कार आर) लखेबारें (14 में) केंस् एस (प्र) कमकत । (क्यं लागकमत्रेनं केंडे क्षिति: यभा कमा माला वित्रमः), व ्यपि क्या डि: ग्राहिड: (गाकून-झना: धार्म) जदा धार्म (धार्मा अने क्ले: (मिरिष्:) भूषि: भा कुळावे (ववन-कार्ड :) भूत्राम-इसे (वसामामा- वस- प्रकेस) माह (मक्र) ॥ ००॥

(अ (भाराक-मून्ड अम्मा मू पार नार । कि ् भागमी म्यान लूर्ड: क्रीकृष्ठ: डंसार! एर म्राथ! थर्ड) मिल (विगड-ग्राची) चाल्यां प्र (चाल्यामार । अह्यार क्या) जाम थ्या प्रामुखार (अम्बात्म मिविंग्रं भावे गायार) निश्मीलिंग्यी र (मितिंक-मम्मार) अपादिक्षार क्लिकि क्लिक (विभमप्-(क्रमवक्रमार्) अमरीन-वाल्यलीर् (अवल-द्व-तालकर्) मापिक-समप्र (इसे हिंडार) अस्वा अस्वार (अस्वा: अहिन लाम लाया: मराक्रा: मारा तर कर क्या है का खिळी हा;) के कुर सार्ककर सम्बामि (हिस्माम)॥ ७०॥ (कार तका माना मना कार वाकि । मानिकार वाकि की कार्या बहुता । (र) कलामें! (त) आर्थ! व ् अपने : 2व (धडा आरे क्लिव दिवाम । उड:) द्वारी कि सिव (किं मार) (भावनी पं (म किकियाल (केंच सम्माल सम (मान्यकी कार्य: । लक्ष (काम्सम्म (काम्सम्मर भी के के अतु) स्प्रमार (स्प्रः कुर् भक्त (मनर्भा) न कार्म (न क्वार्म) । अहि (वृ amon) लायां) में में में में मायहने कि (यम (मामहि में सा हत्य-कि (अध्वार) अध्वार कि - प्रमिष्ट हार (अध्वार मार मार कार क्टेनिक्टिंग विक्वार्ट देन्यकार अपि) अपाव (NO24) 11 0211

(स्पात कर्रे मार्स मार्स गुल । हिमामा भी संसुर मार । (र) थाव्य । (काला के - हिला है के) मैत्रा (के का) मार्या अवका (सामन्ते कुमाकार द्रम्या चार) कि (कार) लागाम (अन्य म्यामाय में अर्थ) में अमेथ (मापुर मालनाम) जिनमार्च व माही म्य- विस्तृ (जिंगम्द वर क्ष कीक राजमागढ अधिय प्रमा कामा जिंगम क्यी क्रिक्स वार्षिक्सां एक क्या विकाल) किए स (क्या का) कें क ((क्याक्र) हार (का क्या) (व (वर) के क्या आ गर्भ र-भाव: (मुक्ट्रहरून-अट्ट: जीर्क:) भूम:(पाम) जामारि-(मिल्याह) रेड (कामान क्रीक्रक) अन् (क्रमकामाल) क् नामक्रीवड (क्ना-मन्माडि प्रन) र्गड (त्याड) (not a pour our offer of the state of control मस्मिन का (त्रुवामक्तरमार) भवा (स्वस्था) ह सामर (सार्वाकुर) जिले (अमक्ट) रिसास्ता (क्य-मालाम) (प्राप् अपन (हिल्कार्सने हेपक्ष क्यान तिव न्याभीत विषंत्रिक लाप त्यति हर न्या : (मार्सेक्-इस्स : वर्म में के निक्ष निर्मा के निक्ष विस्ति ।।। वर्षा (वर्तात्वप्र । अववा म्यास क म्योकिस्सर । (४) हरूमाह्यका (स्वाक्त्री वा एक्ष्र) चिक्रा (यिक्या) स्थाद (स्वर)॥०८॥ (त्याप्त) (स्वाप्त)समर्वेद्ध: (समर्वेद्धे साम्ये) भूवा न्यूयो आन्तर । लर्ज्यार जाता । (द अरक्षा । अद्य त्याल ।) सक्त : (मर्कणात्वयू) प्रकारितः (प्रविधः) अमून-नवामक प्रविः (अक्रुनः क क्षानः नवर अनक्ष कृष्मितः अन्वतिः) द्र -रीन त्यादिक-ज्याः (द्रां भीता भीलवर्ग त्यादिका दकः -वस्त ह करें अधीयं (त्र वस्त) वर विस्तारमितः (व्यक्षाम्य न्सं विक समाम् का जवन मानुकार सम-हिर्दाय दल दंगातिय र्वाहिक्स । इस्ते) मर (वर) द्रेरें भक्ष (मने एसर दिवारे) किन एमशा कि क (एमम) अस-लार्य) करम वार (ला में कर) या मुकर (क्सामुर अरम म्लान्यु ं) यत्रमं (स्यम्मं) लाम (सस । अत्र ह्या नाः स्थील) यह न कामा : लाम (ह्याम) दर्दा (कामा ! लाउठ वर) च कर्स (यड) ल में ए तर (वड ल महर) कर का र (या हत्या (य प्रमण्य)।। ००।। (लाम काम्यासार) काम्या (काम्य-कामा) यद्वहरं (किंग्ड सामग्रिक मामक विकास:) क्या (कार्यम) अकर्त: (कई (म:) वादेन्ड: निवस्तुष् (निवान्त्यप्र)॥ ७१॥ (बर्याध्यम्म । (द) मिम्याक्रमाम् वी-सद्भा (बामिश्वं । (मिआक्या मियाडासनेत्सव यर्थनी यनेत जमा क्राइ सम्बर्धाम् सिक्यासका-सम्मित्र मुख्यः देसाम् । सिक्या मिल्म!) क्ष्मिविला! (स क्षी कृष्ट!) श्रूका डीवर्य र्न- अडाविड-

पाड: (श्रुकारे: wr ही व व रेडि: प्रकारिका कार्ड : मिल पेना उन्न) Co (क्य) क कि (सम्प्राल) क्या (सम्प्रापान:) दे वृत्रे सन-म्हारी ४३ हनः (४ अह-कृष्य हम अन- भः मणी) अथः अनः मना विता भिष्ट (अमाि : सह भागांगः वात्वी यत वियाम्हः स्थात्र: वर) थ: अठ अगर (मक्षास्त्र) अठ अर्थ- (अट गर्ष्ट । अमार डें) ख्रा (मडीइंट लाग्रेस) ब्राय्स (यळ । लास) क्रामुद्धः (क्रायक) म मेला (म अंग्रेस हबार) ॥००॥ (लम भी बाश्च वेसक्रीसाइ) भी बाभी में वे । खुने के (काष्ठ) न क्याक्य (बक्स द्रामे क्या ह क्या अवाक्ष (ग्राम्भ एमहत्तन प्र) यम् जि ॥ ७०॥ (वर्षाठ अप । (अ) प्रायम नयम । (साई) र ट्यायर (4 turn) mus mus (us uss) 1 (a (02) 21 (यथा अर विश्व : क्ड: आ) हम्माहित्वी (क्रम्मह-क्रामी)क्षर (अमायक्रात कार्व) विकामावि (कार्विभाषि)। श्रामो लिमाला क्रक्था वर्ष भक्ष (जव धोरिक । नित्रं हु भी ने कालीन कर विन्तु गारक लक्ष वासक -अर्थ रामी के) लम्मा: (के क्ष्मां कुटामी ;) अम् रेंग्ड (१ मे प्रेयमर) मा में दें (लाव) मासम (त्या मुरायना) यिक्स (लाय हैक वैत्र क्षासित सप्तिकातः)॥१०॥

(दिमाद्यमा देवता । त्रीकृष्ण का का का वा वा वा वा दा पर । (य) पारधापव ! (हरं) नम्याः सदास्यारं (मदाये वसारं) कानी नहुंगा (रेमाती) आसामाम (जारममम क वानि) जाम वन काम-बन्मार (शासवं-जातानुमीर) (त्यार वालवारे (वाला) मदा (अर्थदा) (सवक (छल)। जव लिव: (मस्क १ जमा:) भारतामक छिड् (भारता अमा अमा का मामा नामा छिड् ब्राह्म) में मर अर्थेय- कि काळ्यर (वासेय-किस्म इस्तव निष्टे- अम्लाम डेक्यम वाक्रिमिकारी:) व्यार करे:6 डे त्वाल- कृष्मान - श्रश्नीसीना - भ्रामाडिक: (देवाल - क्यामां केट-क्षित्रकट्ताः से अरेटा स्टब्लिन भिक्तामास्योत कार्केटः ड्रांबेट्डाइ ७वर)॥ ४२॥ त्र (मध्ये) क्षत्रीर (श्रव्यामार) (मुख्ये - ज्यानी दंग : (र्से अ.व. जयमें हिता:) मृति: (ध्रिम्पर्) ग्रेस्प (स्तक्रा) बक्त (००:) भन्नींनाम नव अस्तः चव वत्मार्क्सः (उमम् भर्ष न नमम् हेर क्यः (सक्या) मम् (भंकति)॥१८ (लाम सम्मास्य) में म बाक्का (में मर बाक्का (प्रवार मभा: मा) समाका (मम-मडा) देकं विवार मेका (देकं (ज्री मार् बहुजा मर् डा मार देवता अकरीत काडेका) व्यात (वालन) अभागु-वन्ना (वन्नाल् वलीकर् प्रमुखा)

METER STA

काल क्या त्याक - (क्या (काल कारा काक: क्या ह कारा: मा) त्याप १ लक्ष के के वा (लक्ष्याव्या) लाम (न्यांका) and (2(46) 118011 (वर जीवाक भार्यराज्यात । ज्योकक: मनावत्रीमार । (इ) E न्या राख ! (वव) अपन मार् (केंद्र ने मार) वा नमें - ला दि : (क्रायक्सर) केंद्रभी-वित्रस् (केंद्र त्रिस्मित्र) विलामः) स्कारि (अवस्वारि)। विकारः (स्विम् ७०) रेप् निल्य-मछन ए निल्य-अन्प्रवण्ट) यार्थः। श्रेश् (अभिय- (आहार) में काल (बसारमार्क्स) प्रमाल)। (साहमाण: व्यक् (मनम-मयमक) ह (याय-यात्वी-विक्रिक (Силий: १०० प्रता: वाकत्या: (याकी-यवसी मेंया सत्ता) विका क्लिंड भारिषर) मार्काड (अवाड विक्र मिकाडे। me:) वे बाक्फार्य क-अस्तर। (वाक्फार्य स्था टिशेयन मुक्षाया : ममापा छे व्यक्ति) व्यक्ति व्यक्ति (यथा भारतका)कमालेग (विस्थीन व्यप्ति)॥ ४४॥ (लाज समाया में मात्र वाल । हत्तावत्ती व साम्पर । (४) व्याखी लिकात (म्रमापि-लिकान-वार्ल) विकिन्द्रमुक: (बार्ड-के के सक्षार) भुक्ता द (लानाक शक्) सर नागर लगामना (मामना) लगित (मुर्क) एवं (क्या)

खिंद्र अमा (वंस् मिक्रा) साम (स्फे अप्ट) भी न्यू (alinate) र्के (रेक्टि) किलाल (सम्प्रकारक यात-) सरी: क्यारीरक-.सरमाम अर्वी -विमार्गिका शाक्षिणः (मणः वर्भना अव (आमुका बार् देवका देवा प्रका बाला नर्मा सका राम्पा: आ क्राकिश) लाइ क्य लाइ: मंदे क्रिय कि के के (कार्य) कार्टेड (कार्याय) य दियाये के य (7 507 57 5) 11 8 811 (डेक् न एए १ मूका मूका एवं ४० । मलं ता आते मधी १ व्यामे थार । (४) मार्थ ! मन सन : उपक्रम (वेयान्ताः (उपक्र अंग्रामव डेम्लक्ष की न मिश्रमार् (यूग्डि: म्र्ति: मश्रमदि: मश्राविक: आकी नं मास्त्र में अनु गास्त्र हिंगू में भार प्रमार छार) साम देश-क में तिरायम अस्थियम वहा कले : शर्व में कर हाता (बिला) मस्कट्सन मिलार्थः , प्रभारः कारः क्ष्मान स्क्रास्त्रीमनेभवः (मसन भी ज्ञासनः असनः अकः क्ष्मान स्क्रास्त्रीमनेभवः क्रकी - लान मही लामा स्थार वह) रमत्रिकी के क कराई (वसमात्मा दिक्ष के त्या कि वा कर्या रास्त्र मार्गार कर) स्मिन - यस मिरार (समिएन स्रवकाली म- अने कान विलाह में यस्ती गढ राप्त्रका) वार पर कर (मक्षात्री) वायम् केलि (कर्ण न (कार्युर) दुक्क : (मध्येष्ट) र्घ प्रमादि (म्येमीट)॥ ६०॥ (इविडायाम्समानि का मुमाप्रवानि । प्रभी वक्रू मामा न्याप्रमाना - व्याप्तमाना । (मामाना विकास । प्रमानि ! (मामाना विकास । प्रमानि ! (मामाना । प्रमानि !) प्राहित्य -मिलाकं- के किया किया (अपि बक्द ताम अप्रेस का किएमर त्यामर क्रमानः : (प्रमामान नि म्हासानिका नामक अलिका अ ्यमा: भा) विकारिक-सामका (बिकारिक समक माण पणा: भा) मामूकामिक-कृष्मा (मामूक् माजियार प्रमा कृषिमकार्यात थर्र अल्पान्ड रेंग्ड ने अके का अविकार ने निक्त के लेंग ने के समान इस्मोर किम ला इंडर से मेर रामा , मा क्याराक्ष का वाराक्ष का (द्रियात- आमाका) कंलसंडिलकी अवा कंशको : यत्रा : क्रिकोर: श्रीप्रांग इव अविंग गमोर: अर) वैं हिवार (सुन-Des sus) 2 Le Muy (2 22: Ore In Ind 12 जामीत) कु त्यू (कामीत निक्त्य) विवास मि (वड्रा भागः वि) कक्ष विनि (कक्ष यव विने: उर ने निक्र के क्षाप्ति) यार् (यक्तानय कार्मी कर्ट के कार्यन कार माम कार्यक वाकाक्ष्मि (येव्याम वेष्ठ) व्याद्ध (व्यव्याम)॥ ४१॥ (ब्याकार व में लामें मार बाहा । संभूष्य क्षाकितार । (र) मर्ज-राज्य । (क्या के कि । के के) लंबान हास्थान (राध्यक्यान) के से तार्ष्य (स्त्रा) (स्त्रा) से हैंसे।) त्रवाहरी (त्राइव) मेंस: এ डि: (हाकाडि: क्यूरिय:) देक्का नामने अछ नामने (इस्तेमीने)

चित्रक (केंक) चित्रः (दुळ्यापः सक्तानः) सत्यः (सत्य आत्य) क्षाक्ष ((प्रमार) कथित (ध्राधारत) तेयाक्ष (त्रव्य) मर मद्ये) सत्त व्यक्ष्मित्वा (व्यक्ष्मिन द्रिक दे दे हुः) डीसर (उत्के विकार) त्री व (अमक)॥४४॥ (अविट्यो द्यांक म्पार्या । नाममा यग्रका नामेव -कर्मस्य मिल् केला का का का का के का के मिल दे का के की के कि के निका है। (४) ग्रत्मन करीम प्रमुखां ! (य्रत्मन । क्रिय करीम प्रसुत अकटारासर के किंच में लाप काम्याच ताम के अ (सिर्ह्यण । (मिन्दूर्भार) कार्य (म्यान कार्य मिन्द्र) कार्य (डीरिए के के स्थान । विकास) करवार्थ । ज्याप्ट (इक: (असम्ब) (का) ((वि) की में उद्योग असमा कि की क लामाने मा-मन विद्रम्म छाड्नी (बीर्नाण: द्रमा: त्रिकाण द्रमान कार्ट ही कारण (आकार प्रमा अपन अपन कार्या) विद्यात कम्मित हार्ड्या तिथूने क्य (क्रिय वर्षा)॥१०॥ (अिंडि अिंटिक्श मितार्वि । हजावनाः मिलागनस्वर अर्थः मधामाना जार मुक्षा हलायती व महलाम वार । [र) मार्भ! (अएम!) अर्थुना (रेमानी :) आने मार्टिशय (क्रम्ल-अमन्साल हरमात) छत्र मभा: (हल्लान-गरः) मिर्यालां में क्रियालक (संक्रामात्य अवः) भयाद्

(40,0 esta 1 serena a Elacion;) 12001; (2000 unasin;) मभ्यः (धर्मानेः) हतः (६क्रतः मन्) हेब्ल्ल्ड (इसमान के के का) ति (सम) भीवह (मिंद्र महामहा त्योम्ड (इयभः। मेड ए विमडमीन)स्य: (११: ११:) 1100 11 (DERECTOR) ILCON (माल अकाउ-कर्नुनामुमार के । वक्तमामा नामताधार । (र) वैसाम हिक (क्य) मानुका (क्रिमा) सामानी (क्या आएका) याम-मुखा (मानानि मानिन न वा छानि मुकानि यमा : मा उभा मरी) (मिनिगार (इस्मे) मेठारे (भावेबड्र , जना) भपामा :(भीक्रा: षात् विकेन विक्रमा: (विक्रिकिड: अम्)। भेपाए (अममन्डवि) व ् ६ क्रेस्ट्रा (विजवनिद्या ज्या) वयमा: (मभीमाना) (बामने (कल ने ही यह) मिला के अमर्ग (रायमामा छछ:) एक (ज्य) भारत कः नयधर्मिया (नयण भार्य प्रामित्राहे, कर्ठ) वर् (मक्त्रीवित्तान्) व म लाएमह गाहि म ब्रामाह ।। का अमत्। जाले मामब्दाः (भामकृष्डिः भाग) भिनापि (७५७: (अव-मामा लच्चा न न मामा भ्राम्य मामा द्राष्ट्र (दरवः) विका (विविधा इविष्)॥ ७ २॥ (बन भीवश्रमहामात्र । मा) मुब्छ (बलि-कर्मान) हेमास (हिमात्रीमा वर्षा मा) भीता (भी व वसहा डल्प वर्ग था) कार्यक्रम मामना मायहिला क (आमत्त्रेन आकार् (तामप्ति) द्वार भा क सीमा के भी व अमाना द्वार)।। द ७।।

(उम्मारवर्मम्। उपाणः काहिर् मेशी अम्भी कर्णा क्सांग सामर्केड अम्ताल । (४) र (४ म्हिस ।) सम्म पान (रेमानीमान) एस्वी (रेकेटमरी) म कार्यन (म मुखिन) इक्ट (दिला:) वास्त्र न लामानिकर (म लामावस) मेरी (तम प्रमात: (माम:) (क (क्व) । मुर् ं (का मान् व द्या का कर (यानाभीताः समा भीक्षामा वर वरमा) मान् हिन (काझा) क लगा (कार्य- महत्या क्योंक) केल (व्या: ब्रग्न पडा:) अस: (स्था:) न लक्ष्रेक्य: (सत्य म द्वा: विस्थायहर) ब्लामुक : (अभ्यत्मकाकाश्य)) र्याद (र्वड्न के) लार्षा व्यामी (व्याक्तान शास्त वास्त) रेग्ड (अनम्बून) विकेश (के बढ़) डेब क्या (यक आ) हत्या क्या (म्यक्रम) 12: (मिर्भाव वहतः) न अन्यानि (न न्यान्य) रेश्व (वनमुक्ताः) विनर्भः (अर छग्र) शातः अभाग क्ष : (अकाम् के रेकार्गः)॥७४॥ (देरार्वभा उन्म् । भाना: काहिए नभी अमभी अभि भाना भाम-बंद्र वस्तान । (इ क्रक !) अत्र देवहरा (वैद्या कत्या वे-उति इवा रक्ताम सर्मता द्रेशम् : नर्)दि (वय क्रमें शा-सिकार्) उस्तार क्रमार अवार (सामार) कार्य प करवाहि (य शक्ताम । कमा) कार पं: (कार्य के दि:) हिटल : (अर्बाह्कामाडिः क्वार्यः) क्रोमरं (€ भः अस्वाः)माहिका (मामुका लार) में के (स्रोक्) बकें (बेता प्र सिरित्र में

कर्त्रक) न हि (तेय) अद्भा जामी (ममर्था दरामि)। अना (कृत-हिला) द्रमें ब्यक्स: एवं (म्प्त) व्यक्तिं (क्याम्पाता) म कारकत्मेर (सम्मान्य म केम्पर करा) का (बंसप्) कि कि CALON? (शके.) PCAS (त्याम यात्रें) व्याप्तकता. मृज्य (नवस्त्रकारिय) वियत्वः (वियतिय सर) र्ट्या (म्रीकित्य) मकः (कार्यः) अडीवीक्डः (मडीवक्तिकः)॥ वद ॥ (क्रियडं क्षेट्रक्र, । जीक्क: हजावभीकार । (र) हकावाल । (संग क्या:) के सामाहि (केंद्राः अयत्मः न्यामहि स्राम् के कि अकाकोत् :) क्या (विन्य) सत्त वर्णानु : (इ.स.) म हु-विभारेड: (अभन्नाविष: , ज्या) मर: (अवश्वावर) हम्भावसि (द्वार्वस्त) काम सक्त (वर वनमर) मारी केवर (बिंगा बस्म के के) म लहि (म खाला के का समा कर) अमुन्ति (umminta कित) द्रात (वर) करें (अहीय) कार्या द (माद्भाह ् भाय) ह न (मार्ट्रा वतः) अमात्माकेव हरी (कर्मिक्न किस्त) कुर्ड (अस्मा) साममा । मुक् : (समाता) 1 (27) MIL (2 in out) 11 a 7 11 (क्याक्तम मीराध्य) क्या (क्या क्या) (क्या क्या) (क्या क्या) (Contact) 13 no to (Wings) Magas (elonas non allan) अस्त (डर्मार्मि) गढरमेर ॥ वन ॥

(वर्तारवंत्रम् । ज्यक्षिक (भाषा कात्र । (त) कर्त्राकु (ला । मेंक्या: इतं द क्षितं (स्ता अपन कात्र कात्र कड्का त्यर यत सम्बद्ध) इस्मिष् (विद्याव) य सामीयार (य अयमक्राम: विष:) मन्त (अप्रसम्भा) शक्किम् ; (क्रम्यामुकार त्यास्ताप हक्तम् छि:) व ् डेक्टलम् देकते : (डेक्टलनु : प्रम्णालापास सर्कता सम्बर्ध (मर्च (:) सम्मामाल : (सम्माक मिमकाप्ती :) कत्मे (मनामाला) प्रव्यम् (वाक्ना)क्रियर् वाता (क्यावक्रम-हें कु: कुडवापु:) अधिकते (अखिक कार्ड) का मके द (मिन्दुन्) जाजाम (लोजाल) भीजिमम-कारियण (मीला : भ: मम: अविवास उत्र (काविका ना उत्राह्) किंग्या; कार् न्यायां अपराष्ट्र (यक अप्राक्षः)॥ कार् (श्री मेर्य व न मा का मार । मा) ही वा क्ष्य मेरिय का (2) such say : 125 will we aware pro siche 131 CLAC M) Starge as (conn ands) on is 110011 (० तमा र मन्या । या मा व्यी क कामर । (व) विषय ! (वी क् मे!) मम हिट लाडू (क्याहियांचे) ट्यार्थ मकः (ट्यार्थ तमः) वार्त म अव्यक्त (म अकामार) विक उट अम (मभीष्ट्रक) Сита (ситанама) भरता (जीया) मनीमा (MG:) कर्टि (धारा 1 हैं) मर्ज (कर्ड) मार्ड (कल अड़) भास: (अय रूलम) धार्ष (तिवृत्य हवर् । कालमानिक्यः),

प्रव (यमाप्) - वा: मण: (ध्य मर्हर्ण:) कमय-वमनण (मस्त्रमान्य-य क्या) डा. का (यहा विष्य क्रिय क्रिय क्रियातिका) रेक्टारे ॥ ७०॥ (दिराइवस्य केस । त्रांचारंगः काष्ट्रि अभी अभभीमार । (४) अभी । केवाराम (के बातकारम्) इत्ये (क्या के कि) में ब : (क्या काराय) में बाह (ला का कुछ मारा मारा है से कुढ़ के कुछ है। साहिता समर सम्बा (स्था अन् एको समा धना: भा लगा) देश्वा (देशका ह स्त्र) कर (शर्वर) विकालमेर्स : (कालिक-मिन्ट:) क्रानिकार (कर्म क्रानित) हर्जन विकृत्य (धाक्र्य) क्रानिकार क्रानिकार (क्राक्रियाम) (म अपिकत्रकी मार्ड) अप (कर्माक) मार्ड गार्ड (मह-भाष्य) रेग्ड अवडी (अवाना मडी) अवर (क्वमर्) अवाक्षमात्री (अकाक्नी) अवाने (अपूर्)।।७३॥ Tourse (a sent so com) sound किट्या के का मार (कक्षा प्रात) लाक का मार (मानेका मार (क्षा) कारामकेर लाके (का कारा) कर कि: (महारा) निम् कामस्मित देव (कामस्यित हावारित) कासाब देवीक्रिक (कमाल । य व बन्दत : कांग मीं विक्रिय मार्ग मुक् हि न व जम् अमुकापिकारः)॥७२॥

मा मुक्रा कमा कार्य ह आंक्काम् कार्क (आंक कार्य कार् मभीक्षेत्र) (काका ह कामिका ह काल-(क्रेन) हिंसा वार्निहिनाह (देश विकास विकास । सामक कर्ष कर माने कार की न्यून कर वार्ष म्राधन (काकी-कामित्क मालाम । जनम ह लाकेमला कामिक-प्रकीर, कार्यक्षर क्रिके क्रमात्र के एक:)॥५७॥ (मक्राना ब्योक्ट - काम क्राटि दुराइकाइ । रेक्टा पाक्षीमें गुराहर । (र साम) के कि: बच (के के बच्छा) में ड : (लग्र :) में अक् में दि (मा में कि) जिनकात (जिनकात ने अप के अभार (क्याम:) (क्या) (र्कीत) भुयामा: मनमाया ((क्यामारह) मिन्न कर द्वा: (क्रमानका अर्था । क्रियम) किन PCT (Sally " Mail) Taying (Camigald) ga मीडम - जाम-वृत् - कुम (माशाएमम (मीडमंभ) अम वृत्रम) बरेशमा बेट्ट्यामात्म् मकायम (काम्पम) कांबाता ; मिकालिग्रिक्समा (मिकारा : वार्वम् क्रिय क्रम हिलार) मम्ति (कर्बाडु के कु) का अदः (अवतः) वन्ती ।। त्रा (ज्यास्ता लीक्षेत्र- अपिकृति द्र तार्याक । बेला लीप्रास्तार । ्र पार्थ!) धृर्ड नगरी-माहु जिल् (दूर्ड नगरी नाम विधा दूर्डा: उम्रा:

लाक: (मार्क:) तार्माक (आहा नामाम एए क्रियम्माम द्वा खोडाक्षेत्रहड़: (बोडड बोडिश कार्ल मुक्क चर संद : प्रायम वरमा टार्ड कु:) मार्क: (मानाकु:) ब्रह्मार (क्रिंसकार) मीकारको (क्रीकरको) समीका (मङ्गा) भूगिका (अनुवाग-में हिक्ता) के बा आख़ीर सामें जातायर (सामें में मार अवस्वाल प्रथे में ट्याहिक के कि विलयभा अर्था अर कालम विलय (विश्वेष) देमानिमा (विकामा) वृत् : (मीय) अमा : (मोर्मा :) स्तर् द्व द्वाल्यम् (स्मान्यमं व्याति) विकास्य विषय (मिकार्ग: वर्विद्या ब्याममा बत्यम व्यम्मका वस्त्र क्राव्का) न्याहर नव खिलार (क्यानुन्) हकान (क्याह)।। तहा काष्ट्रि (मानुका)काक्टिर (यह भारतकार) मालका (काक्रा मार् (डरवर , थलवार काकियलका सिव पून; करिका भार) र्भे (दिल: ७) केंड - कार्य है संस्ता) हिमा (दिम:) लारमाक्ष्य (क्षाक)। ति : इसे (क्षाक्र कार्यक्र सके) (छमन्द्र मर्गाक्टिय (मामिका एकम भ्रमास्क्र) म कुछ् (रमानिभाषामण्यः)॥ ७७॥ (अक्तिकार त्यामीत्वतार अक्षत्यातिय स्म्रांत्र) या कम्मा मुका (मूकाखिन अकविका) अव (डबाले)। किन श्रीण ताएं (आगा काल्यात १) दुक्त मं आत्रक्राम् त्वत्य (संसा सही।

(आहा कृत त्वत्त) अवं त्वत (यह त्वत रता: वि कमार्ट ति) क कितः अधिकाष्ट्र (त्याक) ।। नन HELLCAJCE (HALL E CAJEL E GLE ANNO Spire acarceres मितिका 'अलार मिका मिका मिला हित्य : (भ्रम कामी का ' श्रीना की (एक (एक प्राक्त)त) दिश्व एएक (हारणालय -मिलिह) ट्या कि (का मिल देवतः)। ये आ १ क्या भी नंग अरदाहा कुछ चित्रका लका (सिमुका) कार मारका) का द्राह (नवस्थारवर्ग) द्र (वसलाटम) लाग्रसा: (अखाः) ा: ((कामा :) अकिसेश- (क्सा: (अकिसेश किसे मामक मः कम्यूवाः)कीर्यकः ((क्राक्ष्यः)॥ ५०॥ ला (लाक्ष्य) अक्ट्यालकार लक्ष्यक कर (लक्ष्यका क्रकर) पुरस्ति (क्रमिक)। क्रम (क्रमिक्) क्रिक्ट-अगरिका यात्र-त्रकार ज्ञार हेव्कि छेला ह शहका विश्व-लक्षा E क्यारामिका काल E ट्यामिक (कामिक-डर्का है यह उस नमधीन-डर्क्य ह (रेक्ट- थाडे मा CACH GCAS)1100-0011 (अन्यानिकासार) या कास (श्रियं) अन्यान स्थर् (ज्यलाक्षानद्रंगिष्ठ) अग्रं वा काल आड्रिमंग्रे (कासमाछ-मकाक) (बारिसी- जासभी-माम तिसा

(ज्यार आर ज्यार अपना शाम नाम का नियं क शास्त्री आक्ष थात गमत त्याना : डे हिंछ : त्यन भविष्पापि : अके अ कि कार के कार के कार के कार के कार में के कार के मा) लाड्याहैका (ब्खर) ॥१०॥ (मा) लक्यां आक्रांतीमा (आक्रिस अभाग्यंत्यम् व नीमा उका)रेच (जमा) निः लचा। भित्र मडमा (विः लकानि वाभित्रानी मक्रान मडमानि लप्तक्षेत्रं : मभा : भा के अर्थे वर्षे किक इंगवंशका (व्यव अमेनवडी ज्या)।मेरिक सम्मीमुका (भिक्षांग नमंदक्ता नकता समा निकार स्था किंदि (शहर) द्वावर (Max (a 3) 11 d 5 11 (व्या विया वेयी मूपा रश्व । जी गर्य विभाभाभा । (य) मार्ग ! डामु: (मुर्डका:) जाका (राम काकारिय) सारा द्रमार समः कार्यान-क्षु (प्रमप्त: कन्दर्भ-भी छा) म नामी (व (मायलकारे , किक) मन्त्र (त्र मन्त्रत्य) है। ते (है। है मान) मान्यार (मरमलामा सहीद्यान् जाहका) केश तरं (इतु:) माग्र सर लाह-अवाक (आमका ह), आमस्य : (कला जीवा वक्षक छ ।। (अक्षाम क्षेत्रक) मायत प हमान (मायत प द्रायश्वाका : कार्य) माम क्षाम्मात्री) हत्त्र प्रकार (हत्त्र मास्य इवक:) माह्य मेर्य कर् (डाकुर) लासामी (साला) क्या (सस्वर्ट) सिन्दर्ट अमार्थने (प्रियोग) ॥ ने ॥ (टम्रायम समर्थे बार्यन्) कमा (शहक) छाउन्हर् (प्रायम्)

(an wald the sing surjourne and show I gone a standard 1 (क) ज्ञूमाने ! ज्ञान्तेल- मक्तः (ज्ञानिनः भवत प्रक्रमः था। मः) कृति: (१.स.) केन्यावत अक्रार (समारा) मात्रक (क्यात्रार) सकार (एकमा) : क्राया है। हिल्ला है से हिल्ला है। (अ) क्ष :) क्षत्रीा के (ज्यामाय समा) देम्बीकार (gasgin oums \$ 1 20:) 20 emiles extra (Etay कर्तन वाक्र म मर्भक र धर हमार एक) आहेग (बिलिखा, ज्ञा) (क्षोरमन (मृश्मानमी कर प्रस्तावन कर्मा) धनकुला ह (मणी) नर्जान (लयनभार्य) अनेनिय हाक हमने इन्हर् (कर्षायम्बर हाक श्रामकं हे हे व्यम है का कर्म मार्क) कि (कथर) म प्राक्तिप्राभि (अक्ताकु अध्यामिक न रेक्सि)॥१०॥ (व्ययमार अत्याक क्राम्य क्राम्य मार्थिक क्राम्य मार्थिक क्राम्य । (र) मार्ग । भूनेप्राचानः काड्रिकार्यः विकास जिमिन-प्रामितिः (जिमिन काभ-प्रामितिः) मचीकार्थाः (मचीकारि म ्ब्लाने अल्ली भाभार् छा: ज्या हुन : भना:) कद म्या वादा (कप्रमाननभाष्ट्र) वक विश्वः (अ) क्षाः) अविति (भव्यांते रे। (य) यसिमी ! (य-लामकृष्ण!) उन जू लानेज: (अमरा९) नवाः विर्मेष्याः (विर्मेष्टि भी वर्षाः) वर्षे मेळ् मेर्टिः (वर्म मेंद्रत: वा क्षेत्र काम त अहत: उस में अस के आद प्रमुक्त हो :) (शाया कर्ड (भाषा का वर्णने) विकास (विद्यावणांके) इति दर्शे

(लम वामक सक्यामार) मा आदि (जिएं) मदामक्रमारे (यम) काडिशाय वामक-वन्नाव धवमववन्नाव , अथवा अव् मार्थेकर कृत्य वात्रमाके केले खवामक: - मामकामाकाका : उप्यमाप) अरमक्राक (कामानकाक मार्क) मिळ द प्रमः (काम्यद क्या) (गर् (गर्) व सक्ती कर्याति (सक्ताति) भ असक-भाव्यका (4 (39) 119611 मानकी शप्तक्षत्र (कल्लिल्लिलिक स्वास :) वर्षा वीकाने (कास भार्म निरीक ने) मकी बित्यम-वार्डि (मकी हि: अर विताम-गार्था हिडाबेतापन कथापावणवर्भ () मूप: (अनः अतः) र्विश्व म्याम : (हे बुढ काट रे क्रिकाअम म : इ (क) बढ सका)? orni: (simenesini.) (e.g. (@ (ad) 11 dd 11 (वलेसाइस्मा । माझलसक्ष्या क्रममामार) भाका अन्यादा-के के (राष्ट्रमाना में के कि के कि के का मार्गियार) के कि के क्यम के 12 र किने महारास अरामीरिय अन्ते के के किया कार है. Coules an es entern ' (20) 400 (20) 20: (अयुक्त) माल आयहेग्रं (अयहेशकरे) थिएक) (वें क्री) । अवस्त्री (। सुक् क्षा स्त्रा मार्ग स्त्रा मार्ग हमा क्रा क्रिय मरी कमा) मूत्र:(भूतः भूतः) हार्ने भा (अशिएकन मर मस्त्रमान)क्यानि (धनिकाछः) अलंग- विधिः (अलंग-

जियाद) कुरार कुरार (प्रवाकुका केराए (क्रियाक कराए ((त्रम्हिः गर् डी मर्थ) यदम-अभागानिः (अपन-अडिस्टा) व्यह्त (साम)॥१४॥ (नारमह्या कुरायार) मा लया आसे (युवलवास) । ज्ञानका हिन्द्रां (लासार क्रिक काराबियत क्रिक्ट यात) देवस्का (ग्रा उत्ये) आ डाय व्यक्तिः (हायके: काउतिः) विविद्यात का केवा (११०) समी विका (८४१३३४)॥११३॥ इ अता: (छ अद्येग :) (यवार : (कार :) (इ व व क्र न ं (क्रिंक्समा क्रमास्य महिर्गित्रम्यार (रहमार कर्म र विधायन्) अया : (यक) हाय: प्रधामण (क्रामः) बाक्षाभाकः (धाक्रविमर्कानः) ह व्यवक्रा-क्थनाम्यः (अम् अवम् ना विन्द्रामिष्याना १ क्यना प्रथम इत्काय स्वा) व लम्मः (द्वेषक्वामः) तिक् (DESS) 116011 (जम्मार तम्म । हत्वायमी अमामार । ८२) विश्व मूमि ! (ह अयम ल!) याम । लडड (लाहा कद्रावर) मत (ममार) यद चाकुमार (क्या मेमार अम्) विसी (हत्य) क्षा ही मूर्म (अर्था पि द्वार) उपित भारत उत्वाचन नमम: (श्रीक्रक:) भार्न मन्मान (मर सेका नात पामक: 'कसार) नरं (स्मिकः)

वाशकिष्णकरें। (वाशामा करेक करेंग : करेंग करेंग : विकार :) यहा: mad (लावत्या जाक:) । कुर्म हे लाका दृष्ट्य: (दम् :) भेंबा खेड़: (लर्म द्वा मार्ग (मार्थ) माउस विभा । ॥ १ ।। (दुर्द का कु का क्रियों स स मंस्राय) बास-सक्ता-त्या (पार्त्त, (यासक-सक्ता एकामां का समाप कमा) हारमा विवाद् (12 sich) one our hou: (wire-sugacin;) disocal (अर्थामुम्क अर्थ) लयंग्रास्त (अग्रास्ताय) दुर्क का न्त्राप्त (डस्ट्र) 116211 (लाम भावेकासाई) मम्या: (मानुकानाः) टकामार (कार्रः) मयार (अक्षितिस्कार (सम्म- कालकार) द सद्या (कालकार) लिया अप्राम् (लाज मान् दिनाममनः भार कार) खाण: (इननीधान्यम) टिंगमन्था द्वितः (प्रस्थां हिन्द-गक: मन मही पर) annion > महि अ कि (दिवर) महत्त्व क्स (अङ्ग) कू स्मितः व्याम वृथ्वीम्हा वादि डाक् (दासक्ष नि:नामः इकी मुग्य: (भोतः क्यापि डमाउ था अर क्या हेवा) द्वार ॥ १०॥ (बर्पारम् नेम् । न्यामान्य: मश्री वक्तमाना काकित मश्रीः भगामा वक्षा । न्यामान्य: मश्री वक्तमाना काकित मश्रीः

(यहम्मा) । हार : (मक्रकं) मार्य: (लयकान :) र्रेमामुकं (डेक (प्राक्रिक्स किया) के प्रवृहिं (अवस्थां) वादक-मनाडिश् (क्रियहरू में आर 'टमा) दें : (बम: म्यं) मर्या क- सुन के कु त्या व्या मर् (भर्या उन मर्ग्रेन सुन-के दिस्य दुक्त्यार विमा) समार अविद्या लेखार (सम्मी किकार क्रमा) प्रत्म (मग्रा) समा के मामल (स्मण कुड्रालिए मुक्तिए विमीति आप रेक्टी:) दृष्ट्री ECR (NY) +2346 (CALRO) HER & HYJUNG 300 (contra) (cecar (and) 11 2 8 11 (थम विश्वस्तामार) जीविक-वसू (विभव्या) माडुक् क्री (लास) एर्बार लामाहि (लमामि सार) योगमामा-देवा (महक्रहिया नमलेका) मनीकाहः (नाउदः) विश्वनहा त्याका (कार्यन के 1 मा ह) नित्वन-हिडा-त्यकाल मुक्त मिः वात्रिकामें बाक् (मिल्मिन: देनामा हिंडा Сअत: व्यक्त वक्त तार्म मंद्र में विश्व मिल्य मिल्य मिल्य मिल्य में कमादि डाव (दिल)॥ ७ व ॥ (वर्टारवेप्र । स्रीमास्य विभाग्यास्य । (४) साम । दृग्तै : (१ स :) पियर् (आकामर्) विन्दि (आत्मार्कि मा, उत्र हेर्दि रेक्टी: क्याल) बर्ड राक्वा- मार्क्स (मक्सी लाख्य श्रीक (क्या व्याक्त बाक्रिज: (रेपानीप्रकाण नात्मी प्रभागव रेजार्थ: । थव:)रेप

(आश्रीम वर्ष) किए क्सि (कववास छर) मार (अववर) माप्तवर (प्रस्कार) नारि (दे नारिन वामिन (नार:), केल (TATEL) SCHEN 41 (HONDEN WING) ING (BUIGE) ONLY (Just) 11 2 12 11 (लाम क्यमामे खिवासार) मा अभीमाई सेंबः (लाम) ला दलाकुर (लाखान्य का खालपान है जाय (का : ना कुकर) में बड़ (शाइ 6) के बा (टमार्चम) निवमा (ह्यीक्ना) भगवाद जलावि (अम्बद्धा उरकि)मा हि कमरासुविका (ड(वर)। अमाल-मसुन-नानि-नि: वानेकाम् : (अमावक महावल ग्रानिक नि:ला-अब्द श्रम् ति : भारत दे क्याता :) क्या : (क्य इाड खिल्प्सा : CERT EXIB) 116911 (बर्टेटाइच्न्स क्षित्रक्ष क्षित्रक्ष) (क्षान् क्रिक्स (क्षित्रक्ष) अंतर दुवळ्वा: (दुवडावकां तहा:) अवा: (१८०५ :) संग्र है र्टेट्र क्रिका: (पुरस्ता:) क्रिए (कामुख्या:) स्रिगः (माताव्या:) गेंह: (बाकाति) व्यक्तिवावेमवाटि (कर्मवादि) काम न क्षा: (न गरीता: ,न क्षा रेकार्र: , किका) (मेरी-विम्रिकामिश् (क्यो नार हिंदारे विम्रिकेस मिला किया हुड़ा मञ उम्राट्ड) नमन (मप्लाद्या: लडन) अ: (कामिनिय:) न दिलाक (समार न देखें;) (कम (राजमा) (स (समा) क्रेम व सम : अरो भाका विड्रेर व (भूटेमाकभड्ड प्रमामित्र) भूटे विदीर्था (विदीर्था (विदार्था (विदार्य

(का त्याक्वहर्यकार) अपडि (अनंत्रात) रेंड त्यक अत्व (यान थानुका) (च्यामुक्डक्का दिवत । जिनसही द्यर (जिनमा रेका मुमार समक कित्र) द्रिमार (सुमका) वामव-भाषां (बायबर अध्ययं) रे अवा बायवः लायुता १ (ब्र) स्था अ लमनक्षेत्र (लाक्ष्या) बाडो-हिब्रासंगः (बर्ह्स-हिन्द्रा-The said (Campace Erena) ferge any) HP 44 मण: (हन्दी (विन ममाण:)॥ ४०॥ (वर्ताप्रक्षित । ज्याकाका आध्याकार) विष्याम (विष्याम अकंगि) र मार्के : (मार्के का का मार्क मार्क हिंदि राम स्मारमा) बमारि (विक्रोरि, अब्दे) बमह : (व्यामा अष्ट :) धनुनम् (भार भार) ममजाव (भवर्क:) मकायव (भार सनः भीडाः) समने (विस्वानं में)। लहर (लहा) दिख्यी (लक्टें वा) रेग्ट्र प्रामा (म मखन्याना भिमानीन पृथीमा) मदलीहा-प्रम-विसी (प्रम थडीकेमा डेइक्रमादिना आमेलाशक्षणम) णडी।अउडमा देमाम-विसी अपन्नविश्वास)अशूर् (विभूर) विश्व (कत्यारि)। इस (कार्य)! देर (कार्यम्) किए अवर् (an man;) elser (elselle) 11 soll (ला असून - टर्सा मार) अर्ग कास स- ए तिवा (स्मर्म : सक्ता-केंड: लामस: समीलमवन तानुक: जिर्म गमा: मा वक्षा) साल्या-व्का-विक्रीण-क्ष्म्यावहणायिक्ष् पार्मेष्य मार मानाम अवार्क ह कूर्याम) अभीत-उर्द्रम उत्वर् ॥ २ ॥ (वर्षात्रं क्यां । रेका त्यां साथ्या का का त्यां का का विकास : (कारकः) मेता (इस्प कार्यक्रांगः) भाषक हता. (व्हिमस्य-म्मास) व्यवसर (वर्ष्यमार) नवाक वर (पवा नमामितिर) कर्मम् (विव्हानम् विभा) अभिकादि (क्रिम्मात) भाषाक्रव्यर्भणः (पाक्षम व्यवस्था नामक कार्यक महेन महेन समा वर्ष) इन्स्ववंत्य (श्रास्वार्वाम ने सम् के क्ष्य क्षा) हामा (आमार्व (क्लानकारमावाने) ह कामन (नवलाड) कमन (वपन) सरमा (एममा क्रिक्स सर के क्ष्म) प्रधाना मार (मिकिन्ना) वादा १ हिन् (मिकिना १) वस्मार (आमन्योह) ॥ कथा (द्रियास्त्र भावेबर्श) मांस् युर्ग मार केटामा: (यहा प्रमर्गेक) अयर (एमाम्बिक्ट) प्रतं (क्रें) अवायताः (य क्रें मान) हिन्द क्र मेरे व सम्प्रत (मिन्द्र क्रिक्स) मार्थि (रंभनार) AGI (COLOLA) SAGU (ENUNY) * A SY FEE (COMOUND) on (curen) आप्त (इक्टरीयान) वयर- (क्ट्रा) (क्ट्रीन-मर्बेहर) कथर (मार्बुमालक) जात (लयनेप्रि) में जिस्मे कें सिरितायम) इंत्रु (वड) समायि : (भी अस्ते (माक:) भीवासे इ: (मुक्कः) लाज. माड: (ममं) कमा लक्षर्वाद (बबर क्रबोर सल्लाएं मार्था)।। ५०॥

(कर (मात) दर्भ (मास्तु महत्त्वा) असम स्वत्र कार कार कार (अर्थ- (यम्बुमबार) क्यांम (अटड्म) अन्तर कान (कार्य-अभिष्य) डाक (किक) कार् में : कार (कार्य सामा ब्रायद) असा (आ) स्पत्रकी कृष्ट्र स्थायाक (क्रमाक) ॥ १८॥ मारीन क्रिक - वालका - मामक मकारा डिमार्क का ! (अरथीन -वाक्त रामक्तरकात वाक्रणाक्त क देख दिया भाग्यः) समा: (इस्पानुका: किम) साहका: १ (कामहै काम दिवार:) अवा: (अअवा: विक्रम्बा भाउल टेन्स्केल (कार्यक्रिक क अका के प्रिया (शब्द) अका (आनुका:)।भूमा: (टमत्रेका:) मंद्रवाक्तिः (अमङ्गवरीमः ज्ञा) मधमलाञ्चिकवाः (बाह्य सह क्षात्रकः क्षं : इति म्लानः अस बास इत्र वन-विमाश्च-वाधकालाता हेलार्थः , जमो हितामस्डिश्ममः (हिस्मीडिंगहिसम् इस्माः)॥ करा। अय (भ्रत्मकानार् नामिकार्) द्वा क्षने कात (क्षेक्किनियार) (समकाउठाराम (किस : अविकास प्रक्रम) वा:(भारेख:) ह (धार्म) डेएरा इक्षेम किम्छा ह के विमा (विविधाः) काड्न: (ट्याका:)॥१४। देश सामी मार् (मार्मिका स्ट्रि) मन्ताः । जित्त इत्ये (क्षेत्रिक-प्रियात) मावाम (मिट्ट प्रियम;) द्याय: (त्याम) भगते (स्वक) क्रमा (इरमः) थाने क्रमार (क्रथाने) जात्राम (क्र्यानिक्रमान बार:) भगा (बदार) देश्वे अर्थिय अनाए (अर्थार)॥ २१॥

(ब्लाइमार्थतारवाक । मामकः , भंतार मामा । (य सामा । बाह्या) (स (सस) अपिक (अपकासकार्य) काल कार्य (अर) कर्ड़ (असमाम्बर) कावाक् (अन्तर) अध्ये (अस्तर मान्य के के कड्यार) देन्सान (जनारि, ज्या) मंत्ररअमा (मड: (अम: र मार: मा कमा केंग) नाम हिल्लारमां (१९३ माद्र) कर्मां (अस्तार) प टबाक (प खार्खेमक) पर (स्ता) रेस (14 मार्टिकर्म) काल क्यान्यास्त्र (क्यान्यास्त्र क्यान्य : ली हो के का क्या प्रचं (पल्याल) क्या म (क्या:) ला है: (छिड्) विद्या (विदी में इवार) याचा प्राप्तिन नाभुम से रेकार (भारत में मार्गुक्र) से कथ्य (क्रियासका) बालाक (अव्हामाने विवाबाक द्वामः)॥ १०।। (मक्रमार्था के के क्राया थे। मित्र में कार् अभी अप मार्ग (KI) उन्मंदार्भनार्थ ! (जन्मारि तमार्चन जनमंत्र कम्मामाना कार्य कामन कामन रामा : वर अस्मिर नमा) मार्थ । यह । यह कार्वक्रक्रमेगातुः (त्यावा कायावा केक्रम) सम्मातुः सनः-बीझ मया उभार्षा) व्याच- सम्म प्रमान् (द्रकेश्मानः) अब समम्प (हिटिन) वद्यान गडी (an मिग्रम मडी) कि (कार) कारात्र (कार्या मकास्र) हिरा (कियं करार) क्षेत्रम स्टर्स (द्रिय क्षेत्रम) त्राम (द्रिय) कर्म क्षेत्रम स्टर्स (अम्बामिक्) न द्याले ॥ भेगे।

(शमका म मात्रकाक । आकर्त लाडु ग्रां (कामां भी द त्या अकार काक र्भाम : वर्षात्र स्मे वर्षा है भव के के कि (र्ये वाहर ; स्यार कार ने में किए। (प्रता: व र) के के (मा) दे कार (माना) रेश्टर के के करका : (काकार,) त्याम (कामान काकार अपने किस (र) के के कि था। (क्ये के क्या प्राप्त ।) म्यामुक (क्येमा) स्मामुद्र (र (लामान्या अमुरीक्षठ अदि (मत्त इवाम्:) र्केस्टि (या क्यूकि अष्ट.) १ व (काइत) अस्टि मार्क्टिक (केंक्रेसरा) कर्र (क्य किया) सम्बं (1र्ह्स) काम (EANING) DENOV (22) 11 200 11 अंक्ट्र (इड: ठाक) मा: (आतुरका:) अक्षात्मात्रे (जाक्य: वास व्यक्ति: किस व्यक्तिहः (वाडिमार्वकाश्रमक्रिके:) लक्ष्यानः वामार भाग्र क्या विक्सानः मार (विरंग्ये केंद्र अक्षा (काम हिंदि) 1150 > 11 ब्रम: ह डेडमामिडि: वहि: विविधि: मालित: अव (न्यान्यात) सक्ता मक्ता विकाश समीखाड : अक्टर कुरा (मकुराकुक-अवस्तात्वार्गाव्यार दियाः त्याला माम्याक (केट्य) राज्य भित्रामा; (अवद्राः) तर् मार्क्यः 之 11 20211 2 mi : M: (Elsin :) 2 m 21-grins (org.) var. गामुक्त कार्यः व्याप्ताः (कारायकार) भवाः (अभवाः)

ज ब्रामार् रीममें भोगार् (रिकासबीमार्) बिक्स : बाप् व : (सक्त मकः) आल मूलपाती (मूलउरेम् - विनक्ष मनाक्ष्म नामार) मोदकात-योकात (मेर्याव खकामान्द) लाए (प्रिलाय:) मेर: मारा (कार्य) ना ।। (गाकून-मूख्य: (अलमून्फे:)रेश (कामीन) ट्रोजानात: (याकामाठ यानक क्ष्माष्ट्रमाष्ट्रमान के कक्ष्म वे आप्र न्याद क्षा भार क्रमादः) निकार (कार्यार) कार्य (कार्य) माधारः (अल्लामात: अमद्वाद) असा (३१७, कमा (भेक्समार:) अस्वार (अस्वार) अर्थः (रेष्ट) विदा (विद्याः) देखाः ॥२॥ (गः) भूनः अलकः अभवा भका मृत्री ह रेलि विदा (जिसिश: गू:)॥७॥ अमन्ताका (अमस्यहमा) दूर्वश्रीका (दूर्वश्री ल मं बाक्समार्गार डासक क्षित्र नामा ; मा) समका (क्षेत्र) भाग (अभिका) व्यून (एन आत्मार्क ने हेन ए विकास याक) में ही दिल्यत । कर आशोर (कत्याः सामान साम बर्गः मारा समस्य) लागडा (महा) स्क्री (ड(वर) ॥ ६ ॥ व्यक्ति (भाव) थाणाडेकी उमा वद व्यामामिकी ह रेकी विश (इस्त्र)॥ व॥

(उन व्याकारिकारिकारार)या मर्क्या (अलागा-वर्षकायद्वापि-मक् सका (बन) नव लम (मारी पारि समा देखी ह नमा : भा क्या हैं का रिवर) या लाका मुका मार्थ (श्वर) या का अस मा (वाकारिका डवार), मा वू धना (वव मनाइ-(अग्र व अग्राकु अग्रम् के का मिक्र के ग्रम् (अग्रम्) अपूर्वी (क्यूना) इत्म अमा (माने क)म (माने। अवः वतास-वसाश्यंत्रमें वर्षा के में अत् ;)।। त।। (बर्टार्बन्स । ब्याअमा: काल न्याममा आप) इड (कार्य) भाव (भावत कात) याचा रेल बन्द : कर्न न निविभाए दि (कर्त म क्राक्रियाडे भावर श्रामाम म म्राताडीडार्यः) जावर (जावहर् काम सिय) कता हर्षेत्र (हलस्था भारत्य) उमार (इसमाएं), जानी क्रमाना (व्यम्मान) ना (आरमार्क) वियमा भामीमप्र (धर्मेकार) जुनाके (सक्रेंट स्त्रामिशास कार्यात्रीहात:) " स्थिता कर है (sue (लक्ट्रावं म्यामाताक) क्यामान : व्यक्ष द्रमामं (भितः) क्ष्यमा (क्ष्यक केंग्र) (मार्क (प्रकार्ग) म्याड (जमारि)॥११॥ (जारनाक्रिकासिकासार) देर (व्याभीत) मुमाबिताभागाः (म्याम) मा (क्ष्मा मार (टायर)मा व्यात्माम्या (म्याम्यामार) हात्मा नक्ष्मार (म्याम्या) व्याप्ता नक्ष्मार (म्याम्या) टबाका ॥६॥

(क्याहरू अअवाम्पार्वाले। का कि भूष्णवावी अभीवार। (र) माख्याका निका । (माखन व प्रकृतियां के कार्य मामने मा डेम्बिंड दीत! (१) मामिति! वन्तु (धवानम्, य९) संक: (लाक:) तथान्तु ग्रंड (अवश्वतद्गार) विधालाम्।: (यल लववं लक्ष शामक (जानुः) केकः (किक्यम्: निक् TOMALLE) LEO: (OLANDER (T) Gloud (OLING) 1 शः डोक्छः (हमजीताहिः) व्यानाहः (अक्ट म्मीहः) मम (पर) रेड: (अमाप मामप) हुने (नी भु) भारि (कार्यमं)। क्यान्येत्रम्भिक्षे वाध्या (अश्राप्यम्नाम्न-विसेत्री 'अक्ष ट्याम्या वं बसद्वतक्ष्णातः लक्ष्याम्या) लाइ इन्ति है (क्यांवमः) अधामि (मिर्ड्यः विष्णामि) कामित्र (वलीकात्मेश्वर्थामकस्ति लाक कामक- गाहक-(कक्राइत्यम ह) नवां (क्रिक्रकार) भाव: (क्राम्क:) क्रामा-(क्राका के अभामाना;) म: (लामाकर)। कि क्रमिकाह (क्रियान-कर्ष्ट्र म माइमिन्ट्री :)।। गा। (लम लाइकमन्। मैमार काल । का। हम में त्याक व बनेस्था सार । रह) देखि । अप्त्माम : अत्यक्त (वेमनीम् (म) (सम) omme : (म्रभीटि:) वः विदिन (काला) थात्र (धर म्रभ): श्रानिमा-अरमार्य मलावेशमार अक्षिमाडिमवरी १ वार पललामिनारी:)।

भारेखन (देन श्रानंत्र) लाम् (म के द्राम के) के के (क्ष्म (क्ष्म) (क्षासन (क्यात्म) क्षार (काम्यं हाकुर) मानम (क्षाया (कामान । मायर ज्यक्ता अवन केवन्त्रात महत्व (मानमाम । लाइ कराहर) मह्मानुवामाई (लाखुं वाम अध्युक्षरं) केर्ड देखा सर्वेश्वर (सस र्रमाद्) धुक् स्थोर (धुक्तार क्रियार) कि (क्य) प्रम-(कार्या) (कामसन नाम् सिक्का कर कर) कार्य कार्य (मार्क कः) खायवं (आमुष्टामम्) भिष्मक (लिस्से के)।। २०॥ (लम लाकुक्त ब्री मैस्यर वाकु। (अ) क्रिंग्यामुं (अ) मवः (त्रसार) धम (समानी (क्षीजिंदामनीहुका) व्याप्त (द्याम, क्षः) भार व्यात्नाका (मुद्देग) वार्नेकति: भर नाक्षमाका (व्यवक्रममुका अभी) रेंडेड: (रेंडं) ला कमाथा : (य पक्र) । वेम धिरव (छिवक्यातां) तमेश-त्रमार (म्यक का) खिला (अधारित) ग (मामा) क्रीके वा (क्रिया) लाकु ' व वर टम्पुल्पु (हू काराहर) यदका त्कोला ना दिस क्या त्कोल (नम निर्मान-हारू टर्मा आहार अस्का आं) साला (सम्) भारे हिला (काषा छमाछ)।।))।। o ज्याहकरना: (माहकारमा) क्या पर्मित्रमा) (प्रमेशन) ! मामार (मद्या) उत्तर ॥ >२।।

(का समस्मान्यम् (क) क्षिणां हा का नार्क (कर (भम्)का लान सभी (भम्हती) म क्यान (मार्से विमा) शार्षे (भा एवड् । व र) हारि (हिट्ड) कमार भावे प्रव (जाना), इ डि: (क्रारेक:)(क (क्य) हिं पुराका (क्रिं क्रांडेगाड़)। अद्र अविष्युराष्टिः आभी अदेगिः (अभी कृत्यः) (वाकिका (अधिरेश सन्) कि (बन) रेडा: (कार्म) हें से गारि स्वारी) का द्वा (अवस्थारिया अवस्था महा नती) का भी (क्यामि । जिला भाषाजिकमा श्रीकृष्ण द्वार वाकामिक १ 11のくり(うなんのしらんなりかかとり (ला समयश्राम्नार्याल। मर्डकाडकार्मः मामाः देश-में के का के मार (ह) (पाल !(हलाल!) तर (त्रमार) वर नामक-अद (लयाद्यात) शर्ड : (द्यावेक्ष्यामः) न्यायकाति (देन्याक निका कि के कि हिन्या कार) देखां नवती. (मन् वाक. देशमं कामक केम वसन्त्रीक वास्ता) है कार् (क्य कता (वन) स्था। नाम (क्रम् ट्यामा डवार्स क्रम्यान म क्रम्या रेग्रा), थड : (ध्रमाद (प्राचा: इं) रें बार (चंत्र) खेंबा) (म (बेंब्स क्याम । समाप रें चंदार । (इ) त्याति (द राष्ट्रा कि । अस्ति। हिस्मिकि । हैं) अर्थ (सिक्स) प्राप्त (ला कें हैं) । कुर (लाक)

के उन के उक त्या (के प्रकार मार्गायुक्ताया) जा मार्गायुम : मुक्तियो (सक्त जिलका) न्यान (ह्यान)। (यह क्या) कारी (लक्षा) (०१) स.ग. (संबद्धा:) मान विक्के का: (Day went of the Cale of the water बर्मा: सका:) कामना: (महात वाका अधिमवितास-बल्मी एटा :) मलाडे (मल रेबाहन है अस विन्त्र) (किंद्र अहम प्राप्त में अलग में अव के में अव (अथ ममम्बीम्पारवाडि। जावा (खामी श्रीनावडी भाग ।(४) कल्लान । (मार्च । जीमाबाद । द हि (रेंगर) सत्त कामा: (वाम-क्रा) भात्र (डबार्स देखि काइए) क्रमाय देखि: नार् (श्यामान्त) मार्गित ने निया के किया है कर) वा माहित: (श्रामासक;) जारे (मिट्रक्सल;) में अल्लाम: (क (24) मुमंद (याकों) केता (एक मार्थित) मह्याना (अस्त्र केंग्र) क्रमाम वर शक्त ताम माना है साम है म माना है के माना है के माना है है। क्षिय कर के के अर (क्ष्म पर) इसे क्ष्म (माम्मार्य) राठ) राज्य (त्य सकार्यम्) सः (वस वस्तः स्राक्षः) अवतन लाम (अप्विति अकृषित नत) हमः (क्लेकिनः) न कृ कीर (महर्ष) श्रीय वल (भाने नाउ) के (2) I to (201) willy (12 west) 11 > 0 11

(क्यारंक्षाक केमार (लाम भन्ने मंधार सामोत्मी मार्डिश । कुंड : उक्समार न विकास मतः मार् मकेलान वम् नक्सी कार्या । ब्रेग निजद अर्बेलन्द (अन्त्रामिक) अर्वे अ (अवानेका) सर्वास्त (सत्त त्यास्त अक्षः) प्रकास (माजवार) देव वर्षा वर्ष (विन्याम्। जन) विजी मेयग एम्स् (विकी मिका भोगाडि:) किस (कि लिकाम । (४) में मा आहेता । (गुजार मार्सर-में कि । कार) कारम समार (मुन्यासी) । मुत्रा (रिम्प) (आकुर्ड (किक्शन्ट) अस्त्रेश्व (के बचात्रा आध्य) अवसमा (असा) अस० (अर) वृद्धिमा-०६० (त्रत्मेश्वादिक) बक्साम (मक्साम)।। ३७॥ (जम मम जिक्दं बकंद जमरा ब्राह्मसार) मम : लापाक की ह व्याणांकिकी ह रेकि हिंदी (हिरिटी) केंद्रिका (हेका) 112911 (क्य कालिक्षिकी, प्रमेश्वर) इंद (काम्मुप) में क्याहियामार (म्याम्) मान् प्रकार (मान्त्र) कार्या विकार (असवा)या गुना (मिक्टी) आर (ट्रायर) आ जालाक्रिकी-मर्: त्याका (क्रायका)॥१४॥ (कता विविधार अम्माम्द्रेशास्त्रे मास्त्र अभवाभूमाद्रवृति ।काहिष् बर्गानिनी अम्भी हे नेनान जिल्ला (ए) (पार्च ! आर्थ ! पु ् । ब्रेग्ण-

34 मीर्टान (विकार क्वाना १६ वेपना भेरतन अन्मालान) हिंदी (हलान) ब्यादेवी कहात् (ब्यावन विश्वावी ने क्याव नी कृष्ण रेक्ष :) सर गाद (रिट) नियमी (कामक्ष क्षा) के विका (स्था) कर्र्य (इल्प्युर्ट) किर्ट (क्रिक्ट) क्रिक्टाना (द्वायाया-मवलम्ला)। इस (कारा!) यम (म्लाटेमीकाम्बन) रिकी-र्वनाने (क्या बनम दिर्धामस्य :) रूप (क्या छ) अक्तात (वमारकार्यन) क- विकर् (अक्ता-अम्मिक) व्याक्ते (लाममुग) लगे (सदेशकात:) में: भी लम: पाक्रक: (ज्ञानुक:) लाक (स्मः) रज्या (यक्षाक्ष्र) रक्षाक (महार्ष) ।। का।। (जन प्रमेनद्री मैं एड बाह । मश्री ह जाब भी मार । (छ) आनु ह हत्रा-वाने! वनीकार्याधिका (वनीकान्त्रा श्रीकृष्णयणीकव्रेन) भव लेसक अपाडिका) समी मृष जामूला (श्रीनाका) भावप (श्रुकाल राव) भव-नव- राथकामा (नव-नवा: निक्कम् नृजना: (श्रका: श्रियमा: त्रा क्याह्क्याण्य) (आक्रास्मार्क्स) (यान्यसमा) " हिल्मा: (नमनट्म:) अस्मन् (भाग्) मत्मे (यात्रा) बार्ड (बरेक्स सार) हात (हरड काक) व्यान कामे (unpreper भ्जमा) वलव (अवन १) माळिने ० (आमक्न) १) के अ० १ (सुवमस्) तत मुळादि (प्रणादि। ततः) रेक्स्यां (त्में अप्तान) दूनात्मनार् (अहल हिलानार्)न: (अआनर्) का क्या (का वार्त । अमान् व नुष्यामार्ति । भी का विक GTT:) 11 2011

(क्रमामिश्वीसरायंत्र । त्र) संबद्धः । सर कानु (म्यान बर्तर) हिताई (विह्नाई) डांब्र हिका वह (डांब्र : क्ये केंक पत श्रक्त : वह) कार्याद्यामा: (कान कल्याम: "अमात्र)आक्षेत्र (कार्या) 4: (लासाक्रं) द्रा: (लामार क्रायात) क्रायां पर (र्वामायं) आक्टेड अपर (क्रिड इसिर । तह;) क्षांत (अभीत) वर्धार्मावदी है: (वर्धारेश: कर्मा अवर्ष: लमडेको: (पार्वोद्यक्तिः ममा: मा) दृग्ढं र ल्यावस् उदे ड्रिय (प्रम्यामा : जीत्र हु-डाला) नत्र ल्या छा टमेडि (लमगृष्टि)॥ १२॥ (लाम लाका देख्य के प्रमार) तकः (ममा अधावार गार् लातिक्याका मः)कामा (कार्य काष्ट्रमान) माम (महत्ता) म काड़ आ काकाड़की लगे. में (हाबर) भारता। बामाः द्याविका त्रमुख कार्व-(अमनाष्ठ-भक्षाक्र-मृष्ठ-(अपन विविधिष-महाविश्व) भूपूषा अव डेविंड (xingr) 3 (22 H 22 H (उद्याप्रवाडि। माहित् तारिकारी थमा : (मारिकारी: मन्तर । (४) (माम्स्य): (वनस्य: !) असे समा निवानिश्रेतमशीनार (अम अवर्गिमार् अश्रीनार) व्याप्रदिन (एक्सा) भः अध्यति (श्री क्ष्यः) कथ्यान (कमान-क्षात्वन) बाक्र (भ्यारे : ४ अर कमा) व्याका मेड : व्यार्ट

(सक्त सिमार्भववाभितं कारी । भिक्र भाममा दिया भः (काजिकाराम सर्वेश्वर अमेर कामि कामि कामिया दिसमा अमेर पुत्रा खुक द्वाल: \$ 1 ma: मंग्र) (m (nn) मना (् क्या है) सर्वा के (क्यामात्रक) देक कर माड: (भर्कीछः क्याहः) अने (अनेकासर्) प्रद्रमाम्छ-लक्षी ? (सहर देव अविमा शह्म लक्षी ? (आहर) वर्ष्यर (विक्रावंत्र)॥२०॥ लासी (लाकोशुकाहका) । ससा न (क्यांत करंगान बिणात प दिवर किया) म अमें १ (क्या के आक्रमालक) न लक्षेत्र कल्ल विषय) व्यक्ति (व्यक्तिक लक्षः) क्रिका (शाकियान क्रानिक) कार्यका) म दिन्द्र। लम्माः मः (भक्षेत्रः) व्यक्तिः ह समाः ह लच्च : ह (क्रेक) खिरा (खिर्माः) यः (ख्यमः)॥ २८॥ Car (टिक्रा प्रमें काम का कुक आ जा का का का का क्षा किय) थान्या किकार विना मक्ताम् न धून डरव९ (मह्राय९, ज्या) थानाउनी लाभू विना सर्वाम् वन व्यक्तिण ह मार् (ब्लर)॥ आमा (थाना किना विका) वका (वन विका) वव (डेपिन , उभा) लाडिया (लाडाडिकी मण्डः) किया (म क्या वासे कार्डका रेक लभू: उथा उर्प्रमृतींडि: मंभा किलि दिनिश्च रेपिया ,ज्या) सकार्तः (अनाः भन्नाक्तः) मन्द्रा (अधिकम्ही, मममृही, लग्नमृही । एकि नमनिया ?) अपिका : (ई आ:) रेकि (वर्) मूल माला मेर् (मूल-अनी भार) अली दिया (क्यः) हायमर्ग (हायमिर्ग) डेकिंग (डेका)॥

कार (लय करं) का स्त्र - सर्वा में मार्थ (का स्त्र हा : सका पे अस्तर में स्रका: यरांगा: माह: बागड) जवागड (मेंद्रमाड्री पड़) व्यक्तामात्मे (व्यक्षामाणकर्मात) त्राम् कः (त्युक्त-सत्माः) मिलि आदि (अस बिलासिन सिआदि)। वास (कामीन) अमं " (गामेकेन) ज्या थाछा (विकामणाती) ह (रेक) हिंदा (हिनिया) मैंश पांत्रिका किया (क्रिका) 11511 (क्य मन्द्रम्भार) मा अल्जी १ मू का के दे बी छा (अल्जी १ मू (का म ना भक- मल्टा अळू क्लोग करेडी म्यानही बीडा लक्स पणा: लाशु साहित सह।) १ समेल एव कानुमें हैं कि (अल्ड आमें अल् भा कमार्किय ' किक्षण) यामाशु स्माहिता (याम ल में कार्या सका म ने कि) कहः (क्सार दिला: 'कत में श्राह्म का) ना अंग्रह्मी स्वा (तिभीमा)॥ सम ।।। श्वानित्यामाः (अकक्ष-छायश्रमामाः) वाहिका श्रेष-हाश्रमाः (वाहिक: वाक्षमान): थार्शक: अम्राहकी मन्नामा : मिर् हार्भः नम्न ७ भूगादित्र मागपुण्ड रेकि) विशे त्याङा : (विचित्री: किथिनाः)॥॥॥ (क्य गाहिकधार) अय (आभीत,) गुर्भाः (न्यामा गुरम् नामुरहे-गमा :) यव वाहिक : (डाय९) म : (वाहिक :) न्यार्थ छव : (मक्डन: अर्थंडन रेखि) दिनी (दिनिका उनकि)। देखी खो, महार्थको) ह क्ष-प्रमः मनिकारों कि विकास का का किया

के अलग में (वा बालु कर्मा मुक्त का विकास के) हि कर (इक्टम कर में अं में अर्था म्युक्सिकार क्ये विस्तिमितिताः क्ये ज्या हूलो मासी) दिवा (दिविशि ख्वलम्)।।॥॥ (बच केकपुरतारा) राज्येया (स्विद्यातार) केकपुरता: यः (ग्रञ्छ:) अभ्याद-ग्रामान्त्राह (माळाद म्ह्रत्येतक: ग्रमदम: ब्राल्गाके: जान्त्) हिया आप (।दीर्द्य उत्तर्)॥ ७॥ (वन भाकात बाक्षामार) नर्मात्म नया क्वामिन : (नर्म क पाटक नक था क्रिन ह जमामिडि:) अम्ब्रम् (आक्रमम् बुआं:) र श्विरं: ड्वर् ॥१॥ (क्य अरक्षन अरक्षानार् गुअं प्रमार्गित । की गृश्च मी कृ क्ष्मार । एर) रास्व । (अर्) प्राश्चीमार (भाव विकास भावी मार) र्षेष् (मस्कामार्डे) हान्ये। (मर्बर त्याया वक्रा) मान्या-मल्य (मानिषामा: मट्यंम भाभें मानिषात्था त्या जाववित्यय: छभी धान्यांन धानका क्रिया निवा निवित्र व्यविष्यक्रमा अर्थिप्रकृतिन व्यात्राक्षेत्र व्यात्रका) मर्बिष ह व्यात्री (द्यापि। वणः) दिष् (वर क्यमं:) क्रायमास (दिनात्मासि मर) करी वाम (तस मयम सामि) दे खळाळाडं (पास्ति होडं) मा प्रम (म केक । आअ. मा सर लेल वर राय वर्ष वर्ष याम्बार वर्ष भारत वा सार वर्ग कक् मार् लाग्नाक्ष्या के के इवास:)।। १।।

(अस मरकेन व्यक्ति सर् अमंत्र मार के ि नाम की मुक्त भार । (र) क्यान-नामभाष्यं! (क्यात्मवर नाम भागने कार्याने यात्रानि वर्मा प्रार्थनम्। (र ज्ये रेक ; हैं। किं) खं (कर्म) द्रक: (मार् चाश्राम) maing ! ह्यार (क्ट्राक्र प्लाकार) । कुलास (विसावनास) लग्ड मन् गार कंप के क (भास्ती अर्थ- ल्युक्त) अवस्त्र विक्रमान विक्रमान विक्रमाना) न्ताम (ब असी त्याविका द्वासी)। क्रमभि (क्रमिर अकार्यमाले) यभाः (धम) धमाक् वार्यमविधि (अधमामधन-ब्राला (श्रमावंदक (याह) नमा विश्वासा (श्रम्) गर्नः) काल असहर (इमे९) क्रालेखा (सरी) थाइड: (वर्शिकर) मर्खकः) राष्ट्र (विमालमान्।) मिला मेलीमामासीलायम भम प्रत्याराले न प्रकी कि स्वास्त्रका किमी वाकार् भा र थायकामे ७ भा कूड़ रेक उन दे ।)॥ २॥ (अय आक्रालन लाक्सकार मुक्तां मुक्तार वि । काहित समस मुक्तां मे म्बिक्स सार । (द) के दिय । किर्देश । (व. सस) का सार (ध्यम साम् ६) म र्ने (निक्रक्ति कंक) वास (इत्यार नमन । नत्स त्र वस्ति ! अर्थवान् रिवानः लाका ध्यात इति उत्ता अर्थवान विः नका प्रिकारी मा सार कार में के पृथि)। लंब: (लास) लास्वादि (लाकाम-सार्वे भाक बस्तार) ह् मर् (गृहि) निकिया मर्थिय (न आर्थिय (अन्द्र श कार्बा इन्सिमार्गः हत्त्रक प्रान्धः म्याः प्राप्ता राम् कार् अल मक्षा यद्यान अला हार) इस्तर्देक्न (मार्ट्यामान्द्र

CLASS ROUTINE

Days	1st Period	2nd Period	3vd Period	4th Period	5th Period	6th Perlad	7th Period
Mon			•				
Tues							
Wed							
Thurs							
Fri							
Sat							

Manufactured by :- M. R. CHOUDHURY & SONS.

NEFAJI EXERCISEBOOK



128 PAGES

Price -/5/-

लक्षा । यद्या (यद्या) द्यालाम् (द्याक्षत्रा) दृष्ट्या कर्षः (त्रक्रा) काल्या । यद्या (यद्या) द्याकृतं (काल्युन्य स्वालकाराक्ष्ण) काल्या । यद्या (यद्यान्य स्वालक्ष्या स्वालकाराक्ष्ण) क्ष्या । यद्या (यद्यान्य स्वालक्ष्या स्वालकाराक्ष्य) क्ष्या । यद्या (यद्यान्य स्वालक्ष्या स्वालक्ष्य स्वालक्ष्या स्वालक्ष्य स्वालक्य स्वालक्ष्य स्वालक्ष्य स्वालक्ष्य स्वालक्ष्य स्वालक्ष्य स्वालक्य स्वालक्ष्य स्वाल (सा) रायर द्वन्यें (विकार्य) य व्यावास्ति (म आर समान कायर ु कल्या इन्से जिता साचित्र त्रिका मही मार्थ प्रमा स्म म देखें हुई: अनुमंद सि म मेर्य है विस्कार्थ : 1 मार्थ मही महि (ता या कर्क मुक्ता ाक्षीरीज हुक्का प्रकी धावर वेवर्मा भाष्ट्रिक छात्र विलाय? म लामिने दि बार्ड राजाकि दं म (मिन्न) ।। > ।।। (ज्य कारक्ष्यन कर्माक ब्रिल्य कार्मिय मार में हि। (द)क्रम मानी-किंव ! (कपस्कानम-विकादि-रिक्ष ! वर् मार्के) मह मपुरमांतर (भन्न काडपाल) विकहर (अभू दिखर) नवर (मूछनर) वन-वर्षियार (दिवस प्राचित्र के निवाद कर (साम्या के मेरा-कार्या मर) द में कार्य (इवाय विश्व) प्रिक्री (ट्रियाना)-स्वार्थः)। भर्भमार्) (मार्थः (बलपूर्वः) विपृत् (आछिष्ट्र बर्षट्) रेग्ट् अरेबी (वनर्) ह लम खिनारेडा (ब्रम्मा उरावि, जकः) थापि (वि) सि (मम) क्रिक्षक् (क्रा कासा रक्षां विश्व श्वार्योग्ने) राष्ट् (क्का खन्ने) इरामि (मूकामि जमा) थाय (परिकार)

2/16/01 (कार ग्राम्पास) कार्त (काभीम) भाग्रा अवास्ता (१) केर् हिंदी अहिकी खिल (९३५)॥ > 5॥ (अस मान मार्किंग अपरायार बीक्षी समार द्वात । स्रोचास स्रोक्क यार । (इ) केकां जैस्रायम् यात्रावाद्याया (जैक्रास्यम् वैस्था-(यस्न् वर्षिमं त्यम सत्मावं त्यम वाकिंग देशका अव् तर् व्य भेद: (लमलापा) अ लग्ग स्विध्यम (विश्वेतिकार) सकी-भक्रा (सामार्जना पक्ता) दाक्रका (स्थालका) लाभी (लव:) धार् विकार्यम्मनमर् (विकारां कि लाखकारी श्रूमनार् प्रि र्जार मन्या : वर वमात्रकार काल-विवाल मनमे क्यामिकेनी केंद्र (अस्तर्क का बाहुर्य इका सामात्त्रेय: 1 लाक मेन-सास्तुः केक्षवापः कामः वर्षक्रिकेष्ट्य सत्यवंत्रिम दुस्ता लड्ड मैंड: लगलास यात्कायमा सत्तक क्रमंग्री वड लयम मन्ध्रम् त्रम्म त्रम् वाक्रवा लवक्ष्म लक्षा लवः मार् विकादि भागमार भारत्मासामिक मी: , टमाल मेर भारत मन्तर वार वमा है वर्ष के के)॥ २०॥ (र) मुलि मैं क- म्थात । (मिलेंग भी मित द्रेषे : प्रतिष्टः म्ब्रिकाल: कामित्रमात्मा त्मन स वर सामित्रमा। देवर) रेमा-वंभूड (बनावरड) लक्षादः (मिनंद्रवं) लेखान-प्रक्रामादे

(ब्लाम-निकट्टिन अल अम्रिन लाक काम्कर्राक आकार गां अर् ब्यक) 'लामार (प्रद्या: 'लाइ) साव हा: (सम्पेटक रे सन्) काळात्र (काळात्री- प्रमार्थः) कम म- अद्योः (अका नाम) म धार नाम (म हिलामि)। एम (एक्सा अदर) असेता नकाटि (मुळ्य अदाराम) केर अवसा (अवप्तिय वासा) काम । (इं) स्त्रीय (मर्मा अमरम द्य । वन:) विभएतः (कि प्रल किय- निवायकः) नेक् मम् पिन (परि। ।इयर बामकी (भय कम स्मालन महा। म द्राक त्याकराह)।1>811 (द्रमारवनाक्ष्यं क्रमारंग्छ। (र) महस्य ! (र्मे बर्भावस्थित । शक्या !) (वर् अमसर् वनर् (मिमिन-त्नाकर्) था छ ने किए (भामाधिकरमव) अस्क्षा रीक्ष भाम (अन्क्षानि: धमनिक्षानि: रीकृष्टि: तकाष्टि: धान मिचिए धार्मन्) यत ह्यामि (धार्म्भ) किय) देस की खिराकार (भाषा की खिलामिनार कना नर) दे वि (लयहः) मुक्ति (अन्त्रिमीत्र । लहः) म्याति (क्रमाप्त कार समात्मा द्व) कक्षण कुक । यविद् (अववर) व्यक्ष-क्रमें (अयम्बर्) मिलिय (हे अमिया) विम्या क्षा (अम्बन्दा) पर्यात: प्रांत कार्त (मार्कार । व्यापन नमा नामकि के किने में वंश्यमा असकि मैं विषये के कि मणका-रेव: वर्षा मैक्समा वैग द यह निवै समको इन्छ- अर प्यार कारवी अवक्रमा दुकार्डाव (क्वनंस)॥ > ७॥

(अवाक्त माक्क में अदियाक बाक्ते में में में बाक । क्रांकि में भी खायात्राम् क्षेत्रक वाम्ति । (४) करमा व । समामी (मध मकी क्यों वाका) कर्त हल देक: (कर्त मकु वि:) व ्नी भवान- म बझ था ० (वर्नी स्वित क्षार् नवी मार् म्यार म्या एका मार्पि मेर् सक्ष (गर्मकः) भीषा विष्यासा (विल्केन मासिम्ङा) समार् (मारमकर)कत्राल (मिट्लक्षिममक) विसमर गर्ट (द्वाकर) लामारी (जाल)) खुन्नु । (क्यान्य के कास्त (याच- प्रबंध के बाह्य) लाधिय-निकर्वा डा निष्धा भिष्ठ : (लाधिय-निकर्न नी हलन प्रमूर्य देशामेला व्यक्तीकृषा भारित्रमाः ज्या ह भनि)रेष् (वाम ट्यामालम्यान) लयर (क्यम) द्वार (वय) स्व उर्वि ? (हिन्दिरस्यवन्) मिल्हिन्दे (मिल्यानिक दे । मार्थः मधा बर्भीश्वामुक्तमार में कर लर्कि मर्केट क्ष्र है में द्वा भी है। मपाती-विश्वासन सम्स्मिनी विश्विष्ट क्रमान विश्वस्था मण्डि । वड : क्रमान वार्षमान क्षिमान क्ष्मान क्षिमान क्षिमान क्षमान लाइ अमर क्र वर केर देश देश होते व काम मुख्यामा दे अपर क्रियम्बर् निक्ष्वकी)॥ ३७॥ (अवास्ताक्षेत्र अव्यात क्षेत्र के क्षेत्र का का वाक्षांका हिंद से की क्रिक्र आर. । (स्र) सर्मात्र । (सर्वे खिला । क्ये कि रहः ।) कार्ड कार्य म्याली (स्क्रान् न क्यार म स करें करें-मार्बमुग्रेयः) लाल जिनमंद्रक्षिलानः (मिनमंद्रक्ताः

नी ना बी गा : (अप्राह : अभरेग :) मृजुर् (मूजीक मि) विदयेजी (क्रियो भा प्रेडी) उर धड़ार (प्रश्नीभर) नस्र (धामकाभी) इव-दिक्ष : (मैंबाली दिक्ष का भाग) भाग (या) आमारिता (धन्तर्था) बक्तावारे सार (यस यम्य- धन्तर) स्राप्त (नियम) थायर मार् म क्रांक (म नीए गार्व , जायर) कार (अकेवर) क्रमा: (जिन मप्रक्ताः) (अप (विस विस निकार) सम्रह) भिन्नसर् (न्ये में उत्त । तत्र वर्षे म्यल्ये का वर्ष (क्र के अस्मासार) बना मूर्त हर अस्ति वाक कताप्रिक क्या बाल् हिर्मे व्यवस्त्रा वर्षित्र क्रिक सार्व मुक्क व्यादियाला व्यवस्थित वय महित्त त्याला कि त्याविकस्। वव: नन्मि दे अभा: (अड ट्यान्यामि काए) स्वास्ट कर बक्र भर काळाते विद्वामिक्स्व दे नी वा हाकार 116 c 11 (wings guante to my 11 > 611 (ध्या म्लाम्माया) क्रम थार्थ मालम (श्लम) बल्ल: (डासने) अस बालामा (रेपे) क्या । । । ।। (बालादालन न्याया वा का मार्गि । (मार्मा अम! मम-मड!) आधिन ! (कलियन ! प्रः) भूम : (अप्रवाजिनी ?) क्रवलगा विकार (क्रवलिंग: डेप्यलविलिय: व्यक्तिर उ०कृष्टा १) मर्ब मेरा ११ प्रमान १ (मर्ब : मलार्य : मछ-इर्मानार्थनः निमादा भभार् छार्) धनक्त्र लिए। (धनक्य:

बसर् कमा जिया त्याक्या हेक्यमार हे ज्ञामिनी (हे लामयुकार) मुज्ञ किमी (प्रवम्पी अलार) गुम्म (भानित्र व्य) थरर (थारा!) कि प्रिय (क्यर) मली मन-भट्या वनाए (मलिन-प्रलिल-क्षान् ती ?) आने रेमार् मार्क्षितार् (कल्पाल् नार्) कर्मा तालार (मनर्यान मही ज्यादिनी वार्षि न मीए) उसम् (डेलमण्न) यात्र (द्यात्र । अट्ये १ मान १ मान गार्विन थक । कर्व गार्क्डवा-निर्म-विसृष् ! भार्मन्! तीना अभार्या विन् ! वीकृष्ट ! पुर के-अभाषिकार कें: क्षाम्त्री वर्षायरि व्यास्य क्षिमेस्सरि श्यवंशः न्त्रावः विमा विमा सम्मत द्याप्रितीः सून्व-विश्वीः म् व् विनीनायण् वक्रंभीनार् मर्च्य-मछ-१९ ममनाः (मलप्रत्मवमर्गामनीर प्रवः ध्यार्वनीर भए जालन बलीसम- लायाचे बार् ईसलिय-स्ती १ लाह्न लाल मी १ कर्म-माला क्यीं विषक्षाक्यां में माला (माला यमार् जा रेमार समी अम्बर् अनवार् मार्थिए किमिन म्यर डकान, व्याप्ता व्यव केलि (यह)॥ ३० म २०॥ (वड्नातामान क्रिकार क्रिकार कार्मितायकार)। (य) मदकन ! (मापन धक्रमा कम वैभवं ।) क्याकुम । (ब्रं) मर्जुद्ध : (त्रम्द्र : 'अक्ष भर्यः वमनुः ७१ भारि भातम्डीकि भर्यभाः पाक्रमानिताः (केवांकि)

ज्ञुनार् मार्थकर् भाषानि डाव:) विम्हा (जङ्ग)कथाधव (क्र एडमा) इकायान लानेड: (प्रक्टि:) द्वाधाप्र (चिर्विमे । ocor भाकनामा भूनी सिव व मा ए उक्का अवर्ष मा अविष्ठा (कार्षे 11 05 HERE 11 (: ETE लाम इर्यः (स्त्र केस्ट्रसे)लक्षात्र (इर्ट्य त्य क्रिंग्रेट काक्षर् (हक्षर) (लज लॅंगः संचित्र गेंश्रोस्य) क्षितः (स्वप् केष्य्र प्यो) इन्छर्ठ) मक्र (हिरास)) थ्य लायकः । मृत्व (ज्युकार्यातं ब भू (या रहिनी थान्रिम का निम्नि) हा की (हा दु व्यक्त) मा आप (हमार य:) अतः (डायमे (डायर म:) भ्वः मिन्यः: (क्सारका कार्का:) मण: (मिर्मिक:) 112511 (कम आखरा में की भी में मार बाह में । (य) सायाह । हे मा अल क्षात्रकात (अय-क्षेत्रक्षार क्षात) काष्या (त्राव्यम्) स्या : (आर्म :) कक्ष ((क्य प्रदेश लंडे) लार्ड नेताया (आममुद्रामन) आमें। (४७: ७१०) मूस्ताहि:(भू त्याः, मार्क महिर् : वारे:) वा अवन् (सारिकः) वामान्य रें (लाइ आप्र क्र सं कार् नीक माहित्य ;) में या गर (वरा का रेक लीक में सार कार कार कार कार विस्त्र) कासर्प (आर्यास)॥ ३२॥

(उस कार्या वर में भी महार बार । त्य) त्या में में । वस मक्सी (सरमञ्च-क्रमूध-आलिमी) रेप्ट् ललामी (लला ट्यमी) अमनिष्ठ-हरी (भूने १ कमानि न अविछि , उस तकाता क्रम्म हमन मूर्वर्म (कमाले क् डामिडार्थ:), मिश्रिम विक्रां : (भावर्ष भाकिनः) ह व्या (वाभिन् वृभि) निक्रिकलाक्षाः (ज्ञाङ्गाः मरहा निवमडी १७ (एम:)। (७म (१ हूना थम्) द्वारी विविष्ठ (प्रामिक) भारत (रेक्सामि । उठमह वात्र) एथन (देलारमंत्र) मिर्हेल (असी सिक्सिपावका मही) गामि (अक्टाम) वर्षु मार्ट (अध्यर) सकट्रा (यस्माय के क)॥ र ता। (द्रेराडबंग्राधितं अम्भूराष्ट्राट भाग् ;) लग्रं बराजाः (क्यीनन्प्र)) त्रुवः (भूयः व्यीकृष्णः) प्राधनी गाए (प्रवी गाए ग्रम भी गए) व्षक्त-वितादः (व्यव्यः आविव्याव्याभकः वितादः एकी यभा म जमादूर रेकि) भामिकः (मिलाक भारः) मुदूला (कासमा) द्वर वाहा (गिष्मायन) आं निर्वाम्न र (ढ् निया वार्येख्) न जान् जामि (न असर्था दमामे)। अस्ता कुक (मार्नाहुक्त वर काल (क्याल) में दा (में या) काउं गर (मामार) मार्चन- यका आका का एड (मार्चनाक (मार्चम मा मर्भा-ता जानिगास)रेप (अभिम्) भप्रत (निविष्यंगरि) न्या हा (अर्विन्यास्त यह)) लभा (इस्मान्येक्या) प्रवेदः (अत्य) बिह्नामि (नि: अड्क र क्रामि, वर) वर्षा दिक (मर्विमक्)॥२४॥ (अभ आष्ट्रिकान अवित्यामान थार) मुक्कमा अस (ममात्म) वाक्रानि- (यमिन (वाक्रेनीन एकाहेन (धारुग्तन नद्मकानन) गुना मन् मान् रे पर्वृति: (गालित म्लन थ : मन्मः लक्तादि-(२० कः प्रद्वाहः एवन अन्तिन् प्रवृतिः आक्षादनः) भदा (हर्तम) ह्रामभमर (इस्मे अक्रमर्) कर्न कष्ट्रा (कर्न-कर्ममर) जिलक किया (जिलक-बहता) टबल-किया (ट्यल-क्रवनर्)क्ट्याः (क्रमुललक) रेखिः (क्रम्म प्रश्नासन-चिन्नी:) मभार आल्यन ना का त (मभा कार्निकान लाइनक) अर्द्ध प्र) दर्भ: (पर्भामक) श्रामाप-उम् (श्रावाधीमार अथमर)मलम- विन्यू नर (म्यू मलमार्थम-क्षाकारी विकास क्षान (पार्मिया निकट्रेन (मार्म्मा-पीनार अकामनर) कृक्वनीया डिलिश्र र क्वनामार (अभर) व्यम (इटक) अवागा: (मधारो : (मध्ताराम-मर्भः) व्याक्षिकाः (व्याक्षिकाण्टियामाः) भाः (डिस्मः)॥२९-२१॥ (ज्याभोती-त्यारेन मूमार याजि। श्रीकृष्णः भ्रवत्यार । (र माथा!) अजीमार् अवना (मास्ती त्यका) वनाकी (मूलाहमा) रेपर् (खिलामा समा) क्रम र (क्षम द लात्ममम) पत्रा . (कालार हरक) इन्ह (चर हिडमा) लाग् के साहि (काड़ि-भूक प्रि) विभाभाग मन्वाप्रत्न (मभ विष्णुर)भार्ष (भक्र) मकमार्थ-आश्रायमी (अक्रमार्थ: वानि: उत्र) आश्रायमी वर्णनी-

भर्कि:) व्यास्थित हो विका । व्यक्ति निका क्या महास्थि-मिटिं जामामु भाषा समम् देममा राष्ट्रक नाममयय-नीजामिकार्थः)॥२५॥ (अम्माणमस्मापाणं मर्राज्यात्रवि । अन्यः म्बनमार्। (म सरमा) बेशव्यानुपाक्षी (कुरेंड ब्रम-में स्थार्थ) करितमार) यर- कंड शार (समात्म) चिडिकर (लार्डेकर) लाज द्रेड: (बाला-कायर वैष:) अहरिक (कार्यपाट किक) मठ (मसार) रेक्ट (असमानेक्) व्याच अपमा (रामण्) मूपः (प्रमान) वरिन (वस्मिन) प्याकृतील उ९ (जमा९) रेग्ट मतामम् (कम्प्या) व्यव-व्यविद्य- धूर्मा प्याविद्या क्रिक्या मनम असे (लाइन वार्न्स मः अविख्यः ज्याचावर्ष्ट्रकः एवन मा सूर्य द्याम : उमा आमाव हिला मम्बास्टरमंग) आसि (वहर्व रेश्व कर्ड मिली (लक्षायं मासि)॥ 5911 (अभ मदा ब्लभनम्दा वि । वि मद्भ!) मार्थ (भीकृत्क (ट्याक्रिंश) कामन केरम्) हन मार्म द्वार करें (यामन नर यथा भारता) किछि (क्सिक) यर विस्मर्थ (याई वर्ष) टिन (मिश्रातनं कर्या) प्रमानम् (मध हिड्ण) अन्यं निष्म-अहे अमरी ? (अमम्म) । कमल्या विकालम यः अहेः त्या-

्रामिका ७००) भएती क्रका १) आप्राप्त (अम्म अवायक्रित (क्रमाल हारा) उरक्र लिन मक्टि उरी मालो (अमा वन क्रामाः एप सके दे विद्या सकी प्रकार के पर विता : यह मकी मकी भुग्य विमाल बमार ।क्रिकी (यावका) की खिंड (ग्याकी के कर्र) ॥ ००॥ (लम क्ष्ये क्षिमार काल । आक्ष: मेवसतार । त्य यात्र । लाइ जम उध्यस्या में थाः (उद्य- सर्पाष्ट्रप्राज्यः क्री अस्पराः) क्री में भी निभय- धरेन (तालापाने- निक्राम कक् ने क् क मान- व्यान कि (बङ्गांसी अक्रोबनवामश्हाण्यो ज्ञा: । र्याभवपार तन कर्म अविभिष्मा अखांत्रमा ठालतम तालानि धानि मानि म्लानि विद्यान-कड़ नानि मदायं प्राया वन्याः छः कें वा सार्वेत्ये क सम्दित्याः अही ति त्य वर नीताकन वकन क - कुलम (नीन पा देकन की मकन की क्षक के दिला स्त वर) क्राक हैं नयर संगाह (१९६ माण्ड)।100711 (अम । छिनक- क्रिंग में मार्बा । के सम्मी की क्षार । (इ) । ले मह-Counti ((क्र सर्गच में क कि मिक कि । क्षेत्र कि का) अने ए पर में या अपने में या (अविष्युवर प्रकृष्य प्रभा: कर्याक्त्म मा) मा अस्टिका (नीवार्वा) वार् मक्र (अकवाव (मव) आलाक) (पृक्षी) कर्तास्मर्क्सरक द्या (कर्ताः देस्तिनी सक्तिनी क्रमा भा om मणी) व क्रकपुर्णिमा (व क्रूक प्रया मक्ष्य (मेन) मान्ने (भामना) मिन्तून विम्ब्यातः (भिन्त्वाविण्ना वेळ्याः) विनवः

सामम् (मा भाउमा) कूर्मी (बह्म ही मडी) एकि (हिला) अर् (व्यक्तातावनात) मामा (वार्याममे) व्यामक नेपं (ग्राम्भ अम् ग्राम्भ) कपान् अक्षुत्) रेष (वर निमक्) गरिः (भाषवारे कार्य राजि) गुङ् गुजानी ९ (अकालेज प्रकासी १)॥७२॥ (लग प्रमाम्नाममा इवाल) माम्यक (मया (लग-मममा (स्प्रम) य कथुक प्रचा न्युक्षण में माला वार्ग में वेर्य प्रमाया) भाष् (काहिर मूलामवी ला निका) इत्ने (क्षेक्टक) भू व: (म (प्रम् अरक् प्रांड) कव्यम्यायम (यम् वयर प्राव्यायम भागिमा) मितम दूर्ण (अमा क्राक्र क्रिक्) लवाने - स्वकः (तराने-क्रम्म छछ्) अलीन १ हे लामा (भीत्रा हे क्र (छ)छारी:) निष-कर्याची (श्रीमं-क्र्यवामा: क्रमकाभठ) प्रियार (अरक्तास्त्र विच त्राक्षासास्त्रकोत् ;)॥००॥ (जा के दें शिमार कार । के मा विका आतार । (र) विकामित् । (वं) कार्य सम्पत्त हत्त क्र क्र क्र कार्य निस्म ह) मिता: मुल् (क्रम्माल) विर्मुन्ति (मकालम्डी मेर्डी) ।किर् (क्रम्) श्रिकाम (सम्प्रा डवमीणि) क्यमं (वम) ए (जव) म्य-मालकाछिन्छात्रा (म्यहत्र्य) काछिकणा मुख्या र्बिश्यरं) महीत्रेल-प्रामुक्र कं (महीत्रेल: म्युक्त - वन भक्ष मिक्रवं: मदम्छ: कविववं: उर्) ववेक (वक्षर्हमान्)॥७४॥

(मन्त्रात्य न मार कार । कं लम्जी की व्यक्त मकी व्यक्ति । कि याम । रें नं : (लय सार्य) कार्य (लयापका राव) ष्ट्रियं (त्या कांग लाला) न सन-जी बिनका कि त्यो (न सन वीत्य: न सन प्रार्मिन) मकीत वालियों) वायमणत (न्त्रेक्टि) व्यवानं (म्यम-वानु () अभागे (क्रिकान वर् निर्वाका गर्यः , अन्छा १) हल १-कनक-ककुन कुनिव छांभे जामक्या (मना कमक-कक्ष भागः सूर्वम्याताः क्रिमिलित विनित्त वृक्षिणः वार्षिणः धानकः कास: काम्य अकिक भी नां का का कि मा माला) मक्सीकेट-क लिए व त्था कर १ (म जरीक एक) कला की को विका वक्षाक्षी सम्मेगण तत्र वार्म राजा भाउमा) सर ह्या (मण्) हिं बर् (मिर्जनानः काला) भाविसमाल (amminion) 110 011 (यम समी छाउन सलाइ बाल । स्रवन : न्याक कार १ (इ) सूत्र-इयं। य९ (भन्ना९) खबर्भाष मत्या अक्या मित छा छि छल-टे अस्म (हे बढ़: लट सर्वासर्गः ! १ वं १ क सर्यांगः ! कश्चारंगः आहुआर भिलम अश्मश्रीख्यम् अङ्कल: विपूष्यककला: र्भाय: तायाअ ताय: ताया: क्या) कामरा विकासना केंद्रिः यकी (मिश्य महिन्) में द: (ठ्य: लेय:) के दें (यक व राज्य माराज्या) क्रवाद (वाद्वा वर वमा) हाम (क्रेर क्रान्) समः हिनदावीक्वर (दुनदावना सम्मिल । कमार दे) निर्मान (अक्ट) मनीक्य ने का नंगासियन् (यभी क्या भागामामानः) विम्न (outo a) 110011

क्या (मळाळ प्रात) क्या हेग्र कामी (मणी) भवनपताम्मिना विक्रम्य (मण्डिम प्रमेश (ब्या क्षेत्र क् (मनन-मामन काधकानिज-मञ्ज्या हे मामिला अपूर्व भाग प्राची) इड (लाय) स्मि (बिकासारिंग कर सावीकार्:) के लिया देन (इ ९ मक्षरमम्बात्मन भर हैं व सामीत लक्षित्रमा क्रमा इ छ । मुलाम , लडं ति वर्षाटुरुप साम्मामा त्यावने) यमम्हत्ते (लक्ष्रमान) लया क्षेत्र (मक्ष्र का) मात्र का का (इक्ष क्ष्रा)॥ अका । सेवय । त्रा स्वरेश । क्या कि का : सेवयह जेक्य । (य) (भना का मका) भन्न सम ए लिस्मिन: (हिंड करना स्पृत:) भार्ने सम्बोसाय (अम्भास्त) त्योकिक स (में अस्त्रम्यम्मर् <u> वर्षः (स्क्रमत्व-मामक्त्रापः व्यामः १ वर्षम</u>् (कें.) मध्यसंक्षांका (कर्णे मक्तम (पारमा) इनं (सा) का मैंब: (समामलाधा) के के का (समात) 110 11 (अश्र मस्मालीक्ष्मपाद्वि । अर्वक्षः मूबनभाद । (र माथ!) न्या मिन्दा (कि म्या) भार मिलाक (र्या) सकीन्रिश्ममा (अवस्मवं सद्याद्रीसामा) साम् कक्ष प्रावस्त (सामुक्तं-उसमेला है:) में के: (बाव साबंद) सर्वे हि- त से बंद (म के । बे महादे) विज्ञाली (अकामां में प्राची) धामेल - वालामामन (कर्म में वालाम)

ल्यान) न्यीरिक (का मा भीरिक) आरंड (क्राइक्टराम) ।। कर्ग। (रमार्न अकट्रमम्मार राष्ट्र । त्रीकृष्क वार । (य)कनामि ! क्लास ! र्मावनाड: (र्मावनम्माक्ष्रत्) पियावमा: (भारावमा:)भाः मा : भार्ष: (म्लालक) मृत्या ड (विनाकत छ) इस (थारा ! जा: मणः) पात्य (प्रयामात्य) भर्म गः प्रमागा जिल् (प्रमुश् यर्षि (शक्यांडे व्यक्त) जय वलायेनी (अस्मीएक जमान् एट बाटमाडि जम विक्रेमचंडावा वाक कड़ रेमुका)रेपर (मार्जुल (बायूनजा विकिया खबार) प्रथा भना (कार्नुलाम) क्रम हेन्नामिल (हेन्नाम) पार्लाल) में यमा: (पार्स्वापा:) म्ति (मृत्र छात्म) नार्ने एक कि तिले ने (नार्ने क् ल्यमाल्य: क्याम् : भाग क्याम व क्याम (यम पर) ववीतः (९७ म०) म्थ्य (प्रवाताः न्यमवस्त्रमं भाम. कृष्ट्र मण्) व्यावित्र हुए (व्याविक हुए)॥ ४०॥ (ज्य क्यानाहित्यसम्भः। नीक्षः वृद्धासम् । त्र)वृद्धः रे (म्यार (वं) जा (त्र मान्त्र) मर (त्रमार) इ लेंगी (क्लायर मा) कुर्त । खर्मम्भाः अख्याक (कल्पाल द्य) (ति) माना (त्रमाठ) द्रांट द्रमाना (क्ष्ममान (क्ष्ममान) लियमकार: (स्वा विश्व १४० मिता के क्या (का का का म्मिन्न (क्रुलाम) (म (मम) ग्राम विभिम्नि

(कार्डे माड कमार इंगड)(म (माड) क्रिका (लातम कार्यात कार्याता । कार) कार क्या: (मार मान कामा क्षेत्राधारमार्था) वर में के (म्बिकार) विकेष (मित्रम्य । न एक आरंगा मिलार्थः)।। (व एं अवारंत त्मायमार वाक् । त्यीक कः लक्ष्मासाम् । व्याप्रमण (याससार 1 (र शक्ष !) कार्य । कार्य नायत (ताभीमं काएप) ब्रम् अक्षाक्षाः (ब्रम् साहमामाः) किमान (विहिन्) सम् अर्था (अठ्या) निस्ता (पृथ्न) थार्ड : (ज्याम -कामन्य देवकका नादिं :) अङ्व (साव :) वावर (वर्भाते नव)मा जमान-विदेश (जमानवार्ग) कलार्थाज्याः (स्वन् में क्षा प्रामा :) महमारं (यर त्रायरं) विकामं (क्षा) कार का क्रांचर (म्हिन्ये द्वार क्रांचर कार कार्याय (क्रांन ग्राम्य) ॥ 8 र ॥ (अम हाम्भान अहिणामान आर) त्यामेला क्रमूप्त (रनवामिष्ट्रामण्र्रमण्रामण्रामणः विकासम्बद्धः विभीत्रमकः) (ननाउनम-क्क्रात (तनाउट्ट प्रभाक्षेत्र म्मा म्मान क कर कर वाक करक) यादीका (वक देखि:) वास देक क्रिका (ग्रामक्रकेता पुत्रीक्रम्) किराक्षाती: १ म्राक्रेत्राः (महिताला ECAN:)118011

(बच (अजाअवसेतार बाह । न्याम क्या वा वा मार । (र) हे ए । क्रियान प्राम् । (कलवमा (क्रिक्ममा) मेंबव: (ताता)कलद्य (ह्याम) वाडिलार्ड: (कल्लिया) विस्मार् (विनायण कामारकी-मिकार:) में समेश्रे (ध्वायंग्यीर) हार लावता (स्वाता) अन्य (आश्रीम) हाजा (अलायम) हेंद्रात (हलात) उन मिय (यन प्रमाय) प्रदेश प्रवः (प्रदेशका भोरतका डामर ***** ** **) 11 8 8 11 (ध्य त्याक्रम्प्राध्या व्या । क्या वी क्रिका अर्थिः) क्रियाः (क्रिकाः) क्रियाः (क्रिकाः) नैक्षा (इत्व: ज्यक्तिम वके में माराव में के वह नामें लाकाकाक वासुन) प्राच (यमनम्मयं) जैसाव कि (मृत्री- ए स्मार्स) कमारे (वर्मारे 100:) व्यापाः (म्याहक्ताताः)मिरि (मम्राण) जव व्यक्षम्यू (नग्न-कम्रत्)क्यः वा (क्न वा एक्ना) अर्क मिनीनिकः न डिविटा (न डिवियारि। अवनु यर अर्थनिमीर्निटर् माउर् टर् अक्र एसर। अन हत्यन अर्थ तिशीलिक मूर्याने ह अर्थ ? त्रकालिहासाड (संग्रं)॥ १४॥ (अम (प्रमाधनसमित्रकार् । केल्य क्ष्रीस्पराह । (इ)क्षारा । भूकुल्पन (भीकृत्कन) वामे (बार आहे) पृष्टि । क्रेस्ना (निक्रिण)

इत (लाभुष्) अवं (क्यपं) क्रायामुक् (क्यायव लाश्विक) नहिंदि (अराज्य भवन) इति। (याना र दि) व्याम (क्याम) (म के का केमा) प्राप्त (यस गुर्त) मान संस्मार (यम्भागार) - कीडा- अपात्र (कीडा अडाया ?) भी: (धार !) व दे वाहिडा (म सिस्टिमा। यद: इं) क्यान किं (क्यं) क्यामं र (३० व्यक (नवकाम ०) महेगाम (मर्गम)॥ ४०॥ (अ त्याउ क्रमप्राय वार्ष । मामीभूकी (लोर्नशमीप्राय । एर एवि!) कानिकला-कूल-पूर्वपदं (कालिकलाकूत्र) पद्मार्ग पूरकाष र्टि क्रक्टिक) रेट्या: (यंत्रद्धा: ठाम्पर योष्ट्यां) धार्मान (भार्ल) अभ्यास्त्रमी मजार (मतीम-लाभेकजार) अवार्ष (जार सक) दिसकता (विभागामुक्त) क्यासमत्त उसाक्ष्यं (पक्षानेकं जिस १) १ क्ष्यं (१ लयं) में सक्ष्यं (मम्म-प्राउकाम:) किकि (तमा माउमा) लके मिल्लाही-(अय माहीकाम्मायवि । वीकृषः मुवन अर । (य मर्थ!) करो वर्गिकाम्प्रिस (मम्मा-वर्ष) म्माकी (म्मन्मा की कारी) निर्मा विवादिण-महेन्सन- विखाल (। निर्म वकी खर्म उत्मानि विविधितः बाधितः उत्मानि महेम् म्छम् परम्या खिलायः विशुद्धि कारमा मच वर् ममा मार्वक्या)

रे द्याम् क (१४० मर जार प्याकर्मारास) वर (त्यामन) क्रमान-क्रम-भक्राकु-भागा यव (क्रापि क्रम्टम भाग्र भारिकी इसक रि सक्चाक्षेत्र कल्या व्याम व्याम व्याम व्याम व्या आर मम: (उए अप्ते वन) निक्वार (ध्राष्ट्रार्थः) विसमीकत्वारि (विश्वनी कट्याि) 118611 (लाम काम में के जिल्लामार । प्रामुका मीका मिकारामार । (र) वादि । डेमना: (हेवका केविहा) व ् अर्थापा उत्तान (अर्था वन केलवतः देमना विकार (कन) भूने रे मुडाय (हमानिनः आक. येम हन्त में 300) ज्यास (के का प्र प् के का प्र प्ता के का प्र प्ता के का प्र प्ता के का प्र प्रात) वंसामार (असामार् अराज में आंग्रापि - वंसाबिश्वामार) मिनि (जालनः) अत्यान (यातम) (नयान्ध्रानिमा (नणतकालन धन्य मिता) लिक्ही (भने) कृतु हवा भे of (कृतु हय: मम्म (मामक: मामक: अम्म) नाधा आव: जम्ब (जान्त्र-थका) व्याम (द्याम) ॥ १ थे॥ (ज्य क्रिक्टार) वावकामाः (त्य-क्रमीनिकामः)भण-भवि-बिक्यादि- वेहिन्तर्न (भव १ तक्ष्रभणित १ भमन थामार्थः उड व्यामसम् विश्वारि: गजमालार्सक वव व्यवस्थान नका मराकृष्टिः जामण् विहित्यन हम्रकारियम) ४० विवर्षत् (धाव्या थडामः) कता दिखाः (कता अभ्य-भाउनाः एवं क्षाक व अक्करक (वदान्ति)॥ ००॥

(अक्टा में की का (का अप्राम में मार में की के में से दे विकास का का कार । (र) त्या वि । या का व्य । (मा गर्दा) स्क (कर) बार्यकरी (धूननकरी लाभ अवर्षभार हिंड अगाउकरी) (उ (उर) रेप दक-जामा प्रती (इक् जाना न्यनक नी निका भवाभाषिक (भ्राम्य प्रमा के कार्म के कार्म कार्म के कार्य के कार्म के कार्म के कार्म के कार्म के कार्म के कार्म के कार्य (धानकर्षे ्थया भाउया) विवर्षक (विन यार्व)। यथाः (रक्षा राज्य मार्गा:) कार्य हि: (बर्गाल व्यक्ति हो। काक्री-इन्मा : (कार्ये मुका देव बाल्य साह त्रा वस) रह-मेरम्भो (महत्रा वाक निक्सा) प्रमी (त्राज्य :) त्राज् निज्यार (पाछार्थः) निम्हिः (विमावरेर) थाड्र (बाउमः, थड: उत्रा भवे सुरत्या) भा (यामेश्वा) लक्षानि वार्था-(अमान: अम क्यान: वमाग्याना अप्र अमान: अमारा: सभी हत्यात्रमी क्रिय प्राप्त क्रियं या व है। व 12 (00) मं)110011 इन्ड (नवद्मासन) लक्षर आयार निक्कार (मानुतामार) रेग् दिक अव अमार्ला (दिश्यंभिकारिय कि। कि दिव अमार्भ गिर्मा के भागति व्यक्ति विश्व कामे कार् (माखिताता:) राज्याहर (राज्यामंदर) तकार. (210011:)110511

क्टर (ग्रे) कर्म (ब्राब्स का कारा:) माहिलक्षा: (कान-क्ला ह बार्ड , जमा) अमानिकार: रेग्ल (अमान : (क्रिका:) अहारमा: (अमेरियाहिमेका: अरे:) है (८) लामेरेस: (केल) मनीर्जिंगः ॥ ए।।। (कल का करिन्द्रसह) मा का पानि रिमेर्स (याप्तिमान अगट्ड हैं) थान विक्रमु आ (विकासमा) उने (विमाल) य के स्पार (य करवाति)। सुन्या ह (स्वर्मेश्च ह) ब्रामुच्य (अख्येक दंग्यामुर्वेष्र) १ लिए (भा) त्या असे स्वारं (म्मेरक त्यम्मायां (यालस्येषवीम्) देश स्था (त्यर) मा (मूली) आमिलार्था निम्द्रीया नवश्री थेल विशा (जिसिका उत्वद) 11 6811 (क्य नामुकाम्यार) मा सत्ताः (यानक्ष्यानुकाताः) अक वर्त्र (व्याधिक यभा क्या हिएक मा) या के विन कार् (इपाडिशायः) कात्रा डेमार्यः (अक्टोः) छो-(ख्रे ट्रायटनं (ट्यायटनं) कुर्ड लामु व्यम् (व्यामा सैंबी) G(1911 0011 (लाम लाम्काम्मिसारवाड । लाम्बाम् माहिर रें भु माक्कामा। (र) दकां दक ! (दका अवस्था भन । जीकृष्ण !) (ए (उर) कराक-न्यंसिका (कटाक्र संत्वन बात्य नीहिका) मान मा (म्यायम)

थी ५: (मक्सार) जा- क्रवहर (जा प्राथा दिए से तर क्रवहर यस) ब्या (अवर्षः) यह ही (अवग्रही यह।) नव भूभ-ह अ विभारि हि: (मूथ-६ अम्बीकी है: अवन) पुनार (मंगानार) अप्टम (खिलाटमा) ग्राम : (क्ट्रा :) क्य क्षेत्रक (क्यूरमार विष्येकता) म किय (म महार:) अपुन: (कामान:) स्थ न रमाद (ब्रमधीयमानक (अन्गामाम। मुभ हत्या कानिकमान वर् बह्म सरक्ष व्या लमक् व्या ह क्ष्म : स्थितीक्षे वं मक्षित क्रियम स्था (चनाक्रार् जमा विस्र भीडाखानिक व्यामालेगे ्लायक), बरासिव विक्सिमील बाक्षिव्याः)॥ ७०॥ (लाम प्रमेक्नाम्सार) मा (रेंड्र) यांगाः (साक्र) जकवावंप (थन क्मिहिएक्म) विमास कार्या जा (विमास: मिछि: काम्यात: तमार मा एमार्ट्य करी) रेक्स (gowing) द्रात्ते (त्ये) मित्रतंह (मियरन) न का सिर्मिकामा (केंक्ट) मिममादि (कामादि)॥ ७१॥ (निम्खार्थाम् माय्याके। काहिए निम्खार्था पूर्व भीश्काया। (य) लगम्मन । ख्यानाः (स्यान्या) लग्नुक्या (लग्नुः लिसेयो व्यात रामा: मा) अन्यव वामा : (अन्यवामार चमाल : अस्प्रक्य) म (क्रांग्रम) नका (त्याह्म) बिलमान (मिनामान । अवसे) विक (धार विगमा) यर (धमार) कार्य हार : (कार कार्य क राम्मर्ग्या म कमस्य । में मा कर मक व दे के म ;) व स सं : (अस्म) वार न कर (विभा मिन्द्रम का मक मिल्टू भी छार वस्तिक) दिल्ला कामी (क्षेत्रका द्याह्म)।। एक।। (लाम अन्य डायुक्ता) मा मार्थाः (मानस-मानका से वास्रो र्य- त्रायम) सत्याकामा (याष्ट्रकतामा) गरंगड (क्ये कालरिं) आ अमडामुक्स (ड्रेस्ट- (बाइस)॥ ए छ।। (लाज अन्वार्ष्ट्र केटा व्यक्ति। काष्ट्र अन्यात्र मुक्कार । (द) यक्ष । कर उवासैवारे या (उवसे पारमा) कार (भाषांगा) धारे निरु (क्रमार) था मालावाक (वाहिकी वार्षा) मुल्क (राका मारक्रा) मान्स (कार मार्ट सांट मान्स) जार (मालाबाहर इर) अभे जारित (क मेर्यु निमा मुक् । (य बक्क । वे) सम् भाम नि अपन वाक क्रमा । क्र अवसमार्गा) मायुक्त मर करक्राम (१५६ म्स्राम्) नवर वर रेक रंग किए। (किस्म वर मम्बर 370)110011 लिल्लाको देव का लिलिनी (बक्रामिकार्नेकार्य- तिया) भावे कार्वका बाट्यां (कार्या) वनस्वी 6 अभी 6 देलाएं वाल हाः (धाष्ट्रपूछ: गू:)॥७३॥

(अम । ने म्लारीम्पार राष्ट्र । काहिर । ले मुकारी दूरी बीर कार कार किया हिया थाः क्यर व म्यान । (य मीक्या !) वार लगवा: वर्ष: (मिन्यक मीत:) समाम् छ (सीक भार) हिन् भार जन् (ध्रिंड) अग्य: (अर्क नमारे) जर (जमार) व्य (काम्मन) द्वान (के भड़े)यह त्यात्म खरू (त्यादम -सक्तिः (न्यके)क्रम रदि मि (नामार्म , जिस्म) व्न ९ (मध्य) निय (हिनि छ क् का । हिम्मा) रेशके (के के निकार (अग्र का) स्था का का का का कि कि पुत्राक्तात्व) ए खिळ (लाहेक) के (माकक) (अक्र) (हेर्डेंग) आ एका (व्यासी वेदक्तिंसी) एकामार (विकिश् ममार अभवा हिना कि वर से देखार) भवा (मा)) अमा कियों अवहवी तास्य (अभीना में केंसे) हिन्दी गढि (क्षामहर्मा क्षार क्षार क्षार क्षार क्षार क्षार । (थम दिन का मुमार वाछ । (१) मुमिना कुछ । (नवलमर्न. न्यासम्बर्ध । न्युक्क ।) अद्र भन्या (क्यामिन न्यास-समाव्य वायात) लामी (लाभूम पित) कल दंगारुनी रक्षामान-काश: (क.क्रा (बंगार्य)। व सारक्ष्यमात्रावालात्रम् में क्या टमा स्वल-सामः व्यवामः ज्वामः । वर नवार (द्रास्त) मेंसमधाय (मेंसम्मार लाम्त क्षाक mus) लायका (स्था) लच (लास्तर माप

उस समीर रेक्ने:) व्यामका । उप (क्साप्ट कें) पार (ब्रेसेश्रमेष्ट्रिपाटितायो क्षेत्रक समेर सर लामक) नवत-हिन्द्रापल दाक (अन्महिन अनुहुछ कार् अन्म्भन वार्या कर्मामेक क्रम्मम एक डवाक या मा विद्य-क-म्मन नामिनीकारं , ज्या) ध्रमानि म्मा ना (ध्रमा ल्म । विर्मा अप ह समा अप व लाम व वर्षा में वर मार मा। मा क्रम्भीकार्) विस् (क्रम् क्रम् वास्वा क्रम्भी ख्यादा) के बर्शा (CRIMACR 21 में) दृष्त्र प्रविश्व (हमम् । विमा मर मुका उरव रेक में:)॥ ७०॥ (अय लिलिनी झार) टलो न धामी वर् (टलो न धामी देव) जामनी- विवा (जामप्र) : जलावित्रा त्वव देव त्वरिया यभा: मा) निलंती (रेक्ट) के दिला (क्रिक्ट) 110811 (ध्या सिक्ति ती म्हार वार्त । (भी निश्ति भी वी वाद्यासार । (स) भवं (वेजा । (वर्ष । क्षे बाद् !) मत (ममार) लच (क्ली-कर्(न) हिंदून (विव्रक्त त्रिक्त त्रिक प्रका (त्रिक : अवना) कन अप (वन व्यात्रिक: मदः यम्पा: मा) नवली (वृक्षा धर्मा वामापावका जमा का लिरिय काममंग्रीण राक्षक भागणा) अ बालिला (मन्त्रात्रिमी , लार्ष्या माले विविधारि गृरक्लाने वार्यकानि म् विछि धनुकाल धनकामानार्थित क्रमभामा)

बर् उर पूर्व थामी (उराधि, उमार) उत्व अमून: (भी क्रा.) [(वर) रमा : (रमी हिंद :) डामें जा (डामिमाडि , अड : वर) हिसार् न विसित्रि (न क्रम्) ॥७०॥ (अर अविद्यार्थार) अवन समू वी - छात्रधाना : (सबलं मन्त्र वी व जात्राणी व रेकारणाः) अविवानिकाः (型:)110011 (भावेषाविकाम्पारविष । तवलं मन् वी न्वीवाशामार। (र) अवात । (त त्यात । व्यावाद । समा) लगंद सर्वावे से : (व्याक्कः) प्रद्वमवियव: (प्रद्वामार्या मवियर आकी उठ:) अकर (महन्द) आबाद (मृत्व) विक्ये: (प्राकृते:, जभा) जब अने सान सामार (अने क्लामेर क्ली मार धामा माय) र लाम्य अनुसम्बद्धः म् (सायिकः किक) कारका: (मममत्मः) काक्कका (भामकी) क्रानुक: ह (भीक्क) आ रेप्ट मिक्क वी (भावकाविका) भूत : व्याने किं करमाळ (विमर्थ । कें केगार 'वर) हम् (क्स) 110011 (शायगी समात्र बाह । भी बाबामा : काहि शायगी भी क्र कारा। (म्या : प्रका । लायह का कुकार : भारता (क्रा : मेर्च) आमी (हवामि) होते (प्रत्मिशील) किमाल प्रहुड (कान्ट्य) खरें) रकें द्र (लच) लासवा। ला (लाम्पर प्रमाम)

हिंदेम् प्पाची (ब के काक प्राप्ता) इंगरं (न्या का) के के के हि: (कंका न्यामा केष्टि: का है: मारी : मा तका देवा मार के कि कांग्रे क्षि: व्यक्तिया: प्रभा: भा ज्याक्षा) निश्वम (क्षा) प्रदा: (एएकर वर) मुकाक्र कला रेवला क्या के विकास मार्थ (मुकाक क्रमा 6 क्रमा अका कता देव क्रीना उथा स्वला भाव-वर्तन ह वार्थाव व्यवनीकावनाक कात्म वस कृता विस्ता ह) धामीय (धाउन)।। ७७॥ (अभ वनत्तवीमूमाय्वाल । कारिम् कार्ति भी मार्थाभार मामक्राक् रेक्ने त्वांचेका काहिए बद्धान में की प्रवासमा क्रिक्टी का बाजूर क्रीयं कर करत मारे ताह देरा है सि है क्या करंडी मार) अर् जाना वन एवन कामे क्य जामे (समर्प) ए (जय) एक्सण: (व्यामा (२००१:) छानीमी (अमन मन्द्रमी देश केंद्र (कार्यामान अधिद्वासमास १) के लास (कंचात्र) अमालन मी (अम्रामा भाष्ट्र लननी अम्राठ : मूअमामामी बूषा विवस्नादिलामि), कृषि९ (क्यामि) थिम्रमे (नामिन हुवा भाम । निक्रमामि) क्य पाल डर्ड : (कारिम :) कमा (डामीनी कृतिमा द्वा अनुकामि। प्रत जमा जमा आर असमणः म का वर्षाने , अर्मना त्रेयार्लन पूक्काल मर्म अमाना बसास । जल्या) स्थार द्रमता (सर्मा द्रमा र केंद्र भर् भर्के हरी मुक्षे हरी त्वां भाविति रेगि कार: 1 अवक)

सर्लोक् रवर) अभीत (अमका एव , यदि लक्षां न कराम करा) मार्वाभे वार (क्रायानहासमार)भे भिरंदर (हामक्रमणर) नहां (कुरु , रामा) र लेव-क्नु इ: (यलव: आल: क्रीक्रिक नव क् मूड : रही) जब (क्र्मू फा: एक) अल्भाम - क्रास (समक्रा क्सित्र) असिमार्ड (अक्सिम असिमार्थ स्थिमास्ति ग्रायर) क्यीर्षा ।। एक।। (लाम अभीसार) जात्याचा (अवस्ववं) लाखाय (कार् - नार्कः) आक्षानः (अभा काक्षानमालका)काल कारिकः त्यम (चीरिट) क्र क्या भा विकासिमी (किल्यामयुका) बट्या-विद्यापिडि: ब्रूजा (अपूर्णी) अभी अव्य (मिर्जीका)॥१०॥ (लाम स्मा मिरास बात । बिलामा क्षेत्रिक मार । (स) महिला । टि (खर) कार्रे मुं डि: (बार्ड विकारें) मृग् डिंगी कृति: (न्यम्डमी-कर्तः भार्नः) इका (सन्) तह (मन) किंत्रमी कुनें (क्या का) लाम करार (कार्य प्रमाय) आहर (में क्या -मिक्रेजुः) माम्भाक (माक्रमाक ' क्या) क्रमां (क्यं प्रमांत). (म (भा) (अपक: प (माम्ह) अवं (क्रिये) कमोत : (आकारामा) (तक्षार (प्रमुड) विया मत (ब्राट) क्रिक्स मंत्र (विक्य में क्र द मिना (जिस्मानि), अस्य (आया) अद्रेश (उद्) देवर क्र भर (मर्काः विक्रमः स्थाय क्र मामिकारः) देखः (व्यक्त्रभणः) ट्यामाम (उन्यसिव सम स्मक द्वार्थः)॥ १०॥

डेटरमा: (नामक्र-मामिकरमार्वियमरमा:)काल क्ष उपर्छ। (बमा: मना मूज्) माठ्य नामं ् (क) क्रेक लिया (दि विर्व उत्वर)119211 (वय के का मिर्मा द्वा , वर्ष के मेर्म द्वा । वे मुख्या न्यु का का का का ELE ICE) 21 3 ; (36) OLE The ma (ELE LE MI ON E MICH कें के किया) करवं (अप्रावर केंचे किया) वक्ष (क्ष्मार कें के काम) । अप्रेस (मारे का अप के के (काम कामारे म्हामारे) बार्ड के वे किया के किया कार्य हम (मस) माछ: (हिंड) काद: (कामार ने बदारा प्रमान्ति रेम रेम प्रमान) कामारा दे व बिन्द् प्रुष्ठि (बिन्छा डार्न कार्क) ७९ (उमार) ७२० दरन: (मुक्क्स) ९-अम्मू (खिंश्यम्) तामन्यात) जागास (नक्साम व्यार) अठार (प्रमार्थिय) उत्व (वेवी में यर) था अर (प्रवाधा:) नवार (मिन्न म्डमर) अलंग्डर (अलंबर) म अम्बायर (म अम्बरमद्भाष्ट्र) भा म न्यामेकू (म कीयनू मित्रहाहिक्त्रः)॥१०॥ (जार के का जिनाना दिरिक्रें क वर्ष की मिरा द वा का एडि मभी श्रीक्रिक्षर। ए) प्रामि! वर्रेर (या) कामेल-केका अकार स्थारे का कामुक के त्या का दार है। त्या विक मार आ वमक्षा । अस्य कतात्रवः स्पर्यवः केस्वः ताम मा क्या लग्निं : (अं हे मभी भा क्या है का १) विश्व

stora, (महाविका) थार्स (डराम । थर) डरपि प्राचार्थ-सिर्दर्भ (बरका काल्यक्स) क बाद्या कार्या प्रस्तः खिक ट्रिंस सिक्स आर्य) ट्रिमार सार्य के (ट्रिमाटस क्रिक) आक सम्बद्ध वर्ष्यमुबर) अस्त्रमास (म्प्रमास)॥१८॥ (द्रमाङ्ब्ना देवं क्रिक्ना । काहित स्त्री ची अक्रमार । (इ) यात्य । के । क्षाप्रव (कर्ड) ठिक्र मं दुष्ट : (जाकार्ड) गाक्ना (अवियासा) अभी (उरामि) रिष्ट् (कन्जान-बाकार) जी ((प्रकि लासमा (हिन्य- मिर्ड :) हे अर्व) (बिलयप्रस्वाम: (बिलयन अमन: बाम: वाक्रिश धम) भः) हिर्दः (१ लाः) १ दिस्य वित त्रात्री अरु (वर त्रात्री अरु) क ट्लार्क । (अठ: ट्र) ह ट्लार्ब ! उम (उर्मिमील) अविस्थाए (न्यानिक) न्यानिक (यस्यर) विद्वार (केंक) ॥ क्या वहा। (अम क्रिक गान काल काल मार काल । क्या किमा क्रिक सार । (र) केकां प्रकुः (प्रिमम्हा) लेखिलेक्यर (व्रक्त म ह्ला विकाल- म्राकेन अयम- (मेन प्रेम्मानी प्रिक्र) मार ब्रम्म (मिसिस्पन:) त्रा (ब्राज्यमः) व्या विमाणकका (ख्यानं स्पक्कारं) लामभी (लामन) वि (प्रकारं (जिल्यात) ट्राम्मिर्गा आत्वाक्यम् ता (त्री न्यम्) मा मार्वन g-6 secrety goodwin ylain on) ein ex war (पर्) अर्थक (ट्याविक) काम 119 11

(an see signe) see (see one) adjaining. (@x) 1 givin;) dis: (als) wall (alswas so sue) हिशा (हिसिर्दर्) ग्रेम् ड्रियर् । हिसिर्दर् ७९ (ग्रें०९) ह का कार) हिं श (अक क् अम: हिनि कर) के पिकर (BBN) 119011 (त्र) भारत । (सम्वा (स्थित) क्याम्या (हिस्मव्य) देग्रे क्याम् भ्रम्बिक्स्याः । (व्य क्याम्प्रामः । प्रवः कृष्क साम्याम् राज्ये समारवाक । बाका सार्वतु (राम समुग्ना) न कार्गान (अक्ष- टम सम मैं बार्चा का बार्चा है के प्राचित स्था स्थापन मामि (कें कें) कार्य वर (किं कें) मामि (असरमा दव) अम् निक्कानिम (अर एसन) नमार् (कल्यालनी) व्न (मखन) म्याने (बीक्क)॥११। क्षा द्रमार द्रमा हे कार । विकार का क्षेत्र कार । (इ) अक्का) व्यवितामान्क्ताः (वर वित्यम् की कागाः लर्य क्या (त्रामा:) मीका: (न्युम्पेटी:) यहा महत्ताः (ज्यानमार) आहे (महाह। यहः) या (यानाहमी) ब्राम्या (राष्ट्रमण्यकी वाक कर्म ब्राम्या १) राम (इन्हे) मरम्बी (मनी) विम म मिन्नेमां (म क्यामीमा)

पना (जरायाकन नि) अर्वास्त्री (कालमा) दर्द व्यक्ष कर (रेक्ट्र श्राचिक्षान ;) है कि कि कि (मरीए) मुख्य मालमा (अमा काल कामा अमाय) ख्यार (मर्बड) कट्राक्राय ट्यार (कट्राक्ष कंट्रान कर्य-11 (Siring (Careing) 11 d D 11 (लग वर्त्यांगाः वंदः मेलात्मा अंग्रेष्ट्रां मार्चान। क्रिका निक्क कार । त्य) दासालित । (द वसरिवाह्यतं। मिकिक। अभि कि क्षेत्र कि क्षेत्र कार्रेश (यभीकेक-खकार्डा भटक वामही) भारी माला ज्ञामिका (भारी माला oa (भ्राय हमामपुष्टम , जर्म) व्यह्न (रमा भाषा हेर्कानका वामका (हरकानका हेर्कान नाम देरकारी कामका क्रा रायका मैका १ मधी) वैंड: (लाम) कत्याक (कत्याक कर्ण विष्य कर्ण) हर (भाव । आम रेक्ट लिकड़) द्रालामा (त्रामेश) किय द्वडें (कार) ज्यामक (लामान कड़) द्रीलात मम (वर A 27 0 2000 200) 11 0011 (जार केस्ट सि तेरांप: अवस्ति केटता अवस्ति के के में में में में में में में में में श्यकात्रमाः सम्मान्त्रकामान्। (र) र्रेकेतः । कंद्र -म्बर्धान-अखः (मून्छः पीनाणः म्बर्धानः किन्न्छमा अस कारिया तः) नमा (भर्ममा) अखिमा लोग र :

(आडेमण् रेचे ् (अतंब छ प्रवित्रभू एक भया म:) मापेबल्पि : (मापिक्या) जनक्वामाव छिवे: कार्ने र्थाभा मः) Wer दराम थाल मुक्सनी करें स्मिक्ट भागि जर ((आक्रायक वस्त्रीय क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र सकिए प्रकार कार्या कार्या (अकल्म में कार्य प्रवाहन हेम्सा पा भा अर) नवणाडी क्यू (नवीम विभू ९-कारिः) कर हम्मका वालि आए (विमा) म नामाए PAT ((CAT (MICE) 116 >11 (क्रम केंक्क खिलारा: अवस्त केंद्रिक के अरिटिलम केंग्रेसेस-इस्ट । काहि दूली की क्राध्या (वि) भर्यम्म। (व त्यस्य । अभि (र स्मी किस्त ।) वैज्ञान्त्राः (९ सकर्माः) ट्रेमन: (अपट (मार्यम् म सर्वाड:) विवाला (लाड्ड) ठभ (लेसभ) हे छर्ड (हे छ दे हारा) विसु छ ० (बिम्मिस ए) सवं: (वाक्रक्टि विवामात्) ज्लीतं (जभ ली दन) हे माछ वमा (वियावात) जम्मत् (जम) वनमा भने हाल) ठायी (भट्याठ्यः) अक्रमक्षः (अक्रपंद्र स्थायत on) (निश्मक अमा) द्वारि (श्रवात्मा) मडीव (भोवक-क्ट्यं: (अत्राचं: अष्टमारं: अवल्लावं:) हिमाः (एक क्यान) लाइनाम मही- (यड्न मही) क्या (कार्याहिक से मार्थ में मार्थ स्था) सामारी (मार्थावाला :

भरक कमाद्वी काहिए) win ((वन) अमनी र (भमनmy () comme (outros) 11 + 511 (20 + my) याम्स्य केकार (केक न्वार) म्या (त्रम मकर्षित्र) म यम्भारमः (अन्यः) मित्ययः (मित्यमः) क्रिमेक उम् (मिर्यायमम्) अयह अक्षतः (अममी) विभिन्न एड बर सिरित्राय : किंग्य अक् (किंग्य वाक द्वा कर्माहर मकाइकार हिर्मात अक्ष (सिक्षाण) याहक द (बाहा मिक्सामें) ह देश हिं का (सिविस् दिवर) 110011 (वर किया में से माइबंक । मान्त्री में भी मार्थी मार । ८० टिनार्ड!) जड़ी (क्रामार्जा) अरमो (व्योवन का) दिनि (क्षाकाल) नवा मुद्द (नवी नवस्व वर) वीका (मृथ्या) क्या (एव स्थार्वन) अर्चित्रहार्गे सर (अर्चित्रहार म) ल्यास्थां ममा दिया मा वित्या वा मा वा मा कर ने कर ने मिछा रं) कार्या (मका अवर्ष) तथा (त्यम मकार्षम्) बाहा (बाएम) रेर (लेख) किकि अम्मीर्ज (mist) over anger (meter) sinds (समी) वार्यमा (त्यारे वर्ग)॥ १ 8 11 (दुमाइन प्रमेचलाइ) में सा (प्रयंगः न्युंगम्) में दः (लें. लेंग्रः) (बर्नु (संब्या वंबर) लाक्स) (मत्ता)

M3: (अपर) खिनेंबा (अक्षा) लण्डा अपर इड (कास्पर) सार्यात (क्युक्क के क क) य मागार (समा) म भेरेडेड (बाहा म सिरेक बड़ी) लाल व (कि?) क्रमा: (म्यक्रक्रः) वर् (व्यावः) लयं (यम्ह्र) विकमडी (अकामाधामा) (अममानिमी (असम्प्रा) लक्षा (दाज्यमाका) क्रेक्ट्यामः (असक्यामः) प्र 120126 (5101 NASAL DAS (300) 11 P 811 (कार अपिक्सार) साहित्र वेत्रमुक्त पात्र वोग्रों द्राष्ट् B& (121886) (20120 (2020) 112011 (उस बाह्य सम्प्रवार् । जी का का विकारभाष्ट्र । (क) मार्थ! वः वरिः (एरवरिकाल) हत्तः (विद्वतः) प्रमावः (सम अभि) वास (द्यास) वास स्ट्री (दुक्रम) अद्भ (म्यूर्) गामाल (म्ल्य माला:) ह (कार्र) राजा (ट्यम सकार्वन) (म (सम) अम : (मम :) व्यक् लाक्स (अम्बर) म xxx (म वट्यर, वर्) an-मार्न (१८० वर्षः) १८ मुन् (नी किकः) ए अर (वित मकार्ष्य) 当時(のままの、まま)11 と 911 (कार काम्प्रिक कार) का का का का मार्थित कार (अया समावार एक व्यक्तिका कि विकिट एक 1100 11

(क्य सन्धार केम्प्रेम ताइका । भी बाह्य र प्राथ (द) समाक ! (टर मिलारा । दि) यात्र ! देलक है म न कथा में (हरमक महासिकाम) क्लेलमर (त्रे प्रके) क्ला) अने PIET: (25/ 2/ 2/ 2/ 016) P [WING & 1 5 (द्युव) क्रासार (क्रब्रास क्या) अनुस्कि सु (अरुन : मिट्यी भात । ल्या अट ं) य (य बाराटा में छिडे) में में अं (मेल्यु मूर्) क वर (मामुक्ष) त्रिम के अधिकार विकास (त्यी बहसा अना सी बिलाय , नाक म्यार वरा बिलाय ? टिक्स वर क्यो के ति) नद असला सिंह ((अनुभी मार्थ हर) (2027) 116 NII (32154 plane 1 (2) Comos i Car (NA) Sinso अम्प्राम्यारे बढें म बारता (म द्रव्यात) किये समा (अवस्ता) डाबाउद् क्टूं (डाब्स) क्षेत्राम मालात् ,) दीवववं (व्यवक क्रिके लाक प्रा मक्या लारी व व व द लाडीव (कार्क व कीक कार्य (प्रव) वाक्रिक (रेक्सक) 110001 (क्षा क्ष्मिस्य क्षार) मनकार्तः (म्म निक्कितः) ल्याक्रियन (स्थित) स्थानुसार : (जीक क्रार :) लेक मर् (अर्थकार्यन) एम्लाए विलिक्तिन ह क्रम्मून (ब्रिक्त) धानक देश (धानक विर्देश में खिरा)।। 2711

(बच मध्यातः लगाम्याम वर्षमण् क्रिमें मध्यम् । मैक्ष्यामत्त्री क्रीयात्त यिम्परम्पर । (ह) साम । एव: (सम हिट्ट) मिसार्ट : (सिस् :) त्याने के कार (कारा) (मार्क कर्ति (त्याक क्षिय मार्क कर्ति : अक्षावा ताम विभा) भए (भाष : क्रार्ट) कृष्टि (((प्रार्ट नाम :) म हि वक्रार्ट-(म शरांत , अन्ते) रेम र रखन्त्र : (इक्ट्र मिल्ड-खिंश्, यूर, अनुबं) केस (शासा) सुकार-(सिल्मां) रेम ् यमी विवादिन (यम्म विवयम) लाउँथः (प्रायितः) क्रम्भे देवे (स्माह्बक्रं माअवड यड) ९ सं (लिंडे बंड) खिसमें (१ ममा अ भाउमा) महत्वल (सार लाक्ताक) देश (विभाव) किः (कथर) । व्याक्रार म क्रम एक एक विश्व विश्व में 4411x) 11 2 211 (ट्याविन्तारमः अअल्भाग व्यक्तिम् वर्षे भागे मेराउ कार । नी कार्य विकारमास्य । (इ) आर्थ । व्यव मेस स्व-मुक्कम (अय मुक्कम) क्रिक्क क्रिक्क क्रिक्क अभिक्षानाम:) क्र भी भेट (अरम) में रे खेर (करा) व माडिमायल) ज्याल प्रथ प्रथ मार्था: (प्रकार: 1201:) ant (क्वारिक) जमार उस मिल समार , पर

अर्थ उर नार के Mile (जा के कि) खिरापत अर्थ विस्त (signs) ans (1800) 200 (sign #:) EGI कान काग्र (हैंग्रेसाल) कर्मा ; (कर्म कार्ष ;) र्टियाः (यनप्रत्यः) सम्दर (त्रेयपर) सर्ताप्त (सर् कार्डा (सरम्डीकारः)।। ग्रा (द्रयायन मुख्याय है। (४) द्रव्याम । आग्र! (४९) द्रवा-कसि हर्ग (द्वीकसीन निज्म) का वारि (हरारे, (क्क) उर्यादः (ज्यामात्र)) मः (त्राम्तः) भ्यातः (व्याः ना क्षाः) माममः (व्याक) मार्क्स ना (राज्य प्रकारकार्ति)- के वर्गात कार्य प्रका रेक्ट्री:) लिल्डिका (लेस्ट्रिक्ट) ह सार बराई (क्ट्रिक्ट क्षा ७१३० नवत्त्रेयाः आए४०१र्थः)७७: (क्सार) मस्मित्र (काम्य विस्ता स्म मात्रकर क्रात्र क्षाम क्षात्र क्षात्र हैं।) राप के आ : (सा के के)11 0/8 11 (अय स्थापतः मार्का राम अर्थना कार्यात कार्यात कार्यात कार्यात विकास व्यक्ति मन्त्रीय । (इ) अद्राप्त । उन्नी-मक्षि (वज्निकार ना लक्ष्मा १८ म अक्षर अद्भीर्य)

3-213 (2 2013 (2 2012) 48 25) 48 25 July) 48 25 (मिलकाल) नियल जाय (बाद्या जार्षा) न्नास्ट (न्नायर) वर होरास्ट वार्स (न्यास्त्रास्त) 58 (CHR) 2120 (2016)) 0/20 52 130 32 you (32 4 4000) Hown 30 (Hamms). कार्यात । वैं काम्नीविन्यानुभवार (काम्नी-व्हम् यप्तावम् अव्ययम् अन्द्रिकः) अस्तर (गुर्कर) ७११२ विशेष: (अका माकिन)।। (द्वाड व प्रमे बत्तार । न्या बाह्य निकार मास्तर । टि) मार्थ । नाम (मा) अटम मेर मी समाद्यी (वटम मेराम. श्मारा: प्रामिताहेंबी अववसामी) धर्मा (मणडर) 13 321 (Blood) and and explass (evens or लाका इक्ष्यः) इन्द्र व्यः (राम प्रद्रम्ह) अवगमा (मभा) वयम (नवायोकत्मन) ह विद्विष्टि (७९) रेड (कामीन भगए) कि अहर (ठाहिंड वाड , जड़) 9000 (2000)110011

यशी रवस मीनाव अवामार् (त्यम नामक-मामकरणः लामार का छ : भीता मिलिक ट्रिंग भारेक मार्नेक ट्रिंग : वियास-विधाव: विभा विशव: विभा: अखिरामावीक: [क्सार्) मधक (मर्थे) विम्नाविका (मध्यमकाविती क्या) विश्वसूत्र प्रिके ह (बिल्याम डाअमक ड्यू) उड: (उन्मार मा) मुखे (महाक) विविद्या (विविद्या) ॥ > ॥ - वक्षान्वकानाः (अकामि सव भूष निवक्षानाः) मधीनाः भक्ष : (भर्म) अव थारिकारा: (थारिका अकृष्ट: , जमा) सम्बाद्धः (सम्बासहितः) १ मैक्ष्र हिला (दिरः) मश्री त्यम-तमे हामा-मामने मामने विकाद (त्यम ह टमो डामा क माम्नी र मम्यनेमानिष्य क्यादीमा भा के कार त्रिवा:) लाइका दिल्ल (वमा) वरमाभकः (विमान त्यभासीमार मामार) मधा ज्या जम्म वस्य (टिकार ट्यसमीमार ममेबार (इका:) ममे: किया (खेळ्या) ॥०॥ (लग लगवास्यमन्त्र) व्यवद्याद्वा (मक्टा व्यान्त-में का) समावा (सामा) में देशी बाकी समया (में देश । थाक , तम्मा: मा समका विवर) वर्ष (व मित्रम क्षेत्र लस्ति माल) मेखी- ब्राड (क्या) व्हमामा ई (उदारम सम्बर्) जामन (याषा) भर्म (टाइर्)॥ ४॥

अय (म्रोमर्क) प्र: थाकारिकारिक्यापिता: व्यक्ति (स्टाक्कः) लच्च मैलमामा (मैलमार्थ) नव अमैला लाका दिका मुमर (टिवर) के लान (केंचाहर) में तम या (क्याना) क्राचा के लाज (क्याहित) सक्ता के हिंद (इचिहिर) मुम्: (व्यार)॥वा। (वस लाका दिला स्था मारा) वर मुक्ट (समा मही। में में मे इति का के भारता रहत्यां) मार् अक्या (अक्षा के (मक्साह: अम्भामभीहि: लिलक) व नंतास्वनीमं) क्या म अनिय धानायमार् (आर्मने धानासीमर्म द वलेकार्यः) अप्रावकाल गिक्टर (जमा विकमा ग्रमानमा नाउररं प्रकामार्यः) में म: ९०० (क्रमाट)॥ ए॥ (वय था) द्वाविक अभागम्या यात । (१) कील ! (प्र) मील मिटाल (मीलवर्ग मिटाल भाजा व नर्ग-विलास) धार्मा (कार्य रे। (य) मास्मी (पममक क्रम्म भावा) अवर (भाभार) पाहि। (द) मार्थ ! रत्या व वाला अकर्णाय: (क्षा अक परिकः) यम जन् (अवीचर्) निष्माच (निष्ठार् क्रुके। (र) दंभगाकि! क्रवः (इक्षमः) क्य (कार्यम् वर्षा छ ए ७९) ग्रमात्र (कार्याकर) कामी (कार्याकर राठ) सर्यात्मास (कत्माक्त्र) भुनाममा प्रेमाण क्रायुक्त्य) क्राया

(प्रमाटा) लामाख्य प्रत्य (लाम क्ष्य प्रमान:) प्राप्त के में पट-उसमार (इत्ये का के का सहमा ;) सह वित्रात (सस्याई करकार) 11 वं।। क्यासा- लां मान्या: (क्यासा- संस मासरेश:) त्यासक वामवा: । ना (: १३०१) : १०० विका (ज्य जान्याहिकस्क्रीम्मारमान्। जीनास स्थीमार। (र अभी: 1) यः (मैं माक्) समः (१०००) लाम अंत्रात करिल्य वर् (कन्तवानाधारकम करके नी खूछ र मप) (६९ (थिप) कारे (विभी की एक) करा अपन कम भीन: (अस मा मानि व्यक्ति क्रिया क्रिक्स क (लया निर्मात्त्र) अतं इकः (लक्षार स्मार) अकल (मुर्डेक्ट माट)। ह्यार्मी सम्म्लाम स्थः (त्यारे भाग सम्मायाः (त्याः ला क्यः (ताताः) विष्टिक: (अनिमार्ष:) भ: (अविष्ठः) किल प्रभार न्यास (मन्यस्ता) मेम (त्रामासका) ट्यास व्यर (स्यमभेष्ट (प्राप्ति इम्हिनरेसक) मार्टि (बमां हार में हुए)।। रे।। म्मा अप्रकार : व का इक एका : ह्या । ।।।

(अभ अन्ता दक्षेत्रीसमाइविन । कमत्रास्तिन हन्यानी ममामार । (४) यात । (वर) वन्तर (यक्) वर: (यक्) न् र् (काकमम मर्) सस साममार (स्प्रम) मार वाक्सलि) का कार्छ: (रामि: म क्यांहियां न कार्य मि कार्य मि मुन्ती मारा (वन्नी कितो) कावि (अकामभात माउ) क्रावरा क्ष्रिक (क्ष्रिक क्ष्रिक क्ष्र क: अम: (भविक्यम:) दा (म त्माराल अम रेक्य)। किन्तु प्रभा इता (क (क्राम्यामान) काविकित्रिका- प्रसीपर (अडिकोठनानि अडिकाठनानि रेक्टिन कुल पूर्वापन् मिनावादः) मिन्दा (अवा) असूर (श्राक्षिक् क्षारः) म्याम्बर (क लयाम्बर्धि) वार्षात्र (क्याकिरक प्राक्षिर (अक्ष पृथ्धः) । क्षेष्ठ (अवि उ विवि विवि वि क्षात्रीकि छारः)॥११॥ कत्त्राचनी- कतायतं : (कत्त्राचनी क कता क वताता:) अधिकाः प्रवः प्रणः (मिन्नाः)॥>2॥ (अय आत्माक्षका विकासर) रेप्र (अभान) मार्यकाणः (म्लाम्बीमालका) नम् विनाम्) त्याचिकी म्रीम्-(भार्य) यत चका (काक्ष्र) व्यावका व्या मा व्यक्ष (दिस्मा दिवर) मा लालाक्ष्या हुका कार (दिवर)।।

(वस लाहक सम्बालमा कराति। की वादामा समाद में मार्ग जीक्रकम हाहे हि वेभी कृषा भू मुम्माना भी विममशी माल्या सामानम्भार । (त मीलाबीमाल!) मन्द्र । दे व सम्बर (सत्रकार्ग :) दुलासाप : (अवंप्रेंदि :) व्याने के प्रा : (व्याने के स्था कि रे स्था विषा: त्याना म्या न्नीक्कम) व्या हिः (१७:) बन्न पर्वे हिः (बन्न कार्यः मर्काछ: मर्कट्रे: हाहे बाला विक्र में) ध्रिक्ट (यथा भारत्या) म्मूल छ (काम्मलं) भ भामी: (म ध्यमम्म) खन्न निर्व-र्लेखडीरेक (मिल्यार द्वर भूमेर क्रिलामा ना वसन-वदा में दिन कर असे में राम कार्यन) कल देश (के दूरी) अधारा: केस (के प्राप्ट) त्याम. विश्वमान (विश्व विश्व) विश्व (विश्व) ॥> 8॥ (डेमारवर्गासुवर अमल्या । नामिका # हिनास्पर। (र) सूटक ! प्रार्थ ! द्वर व्यकी (ट्योनावनार्श्वनी) डव। थए (यमार वर) अम लावक्र नामे अविन: (लावक्र मणविक्र)) क ट्यू बादार बागारं । (काम्या बह्मामार) मृथ्ये अल टिस (सस) कुला हा देवात (हा देवह य कार गाला) दे पृष्ट : (क्रिक्र) अर्डा (१८) हा) ज्या (द्याम 'क्रमा हैं हैं) ् भरेकता महाता भाषाता (भरेगा १ वृद्याम थर कतामकनः वमा व्याभावत्वन रेटम्पे (जन (मीकृत्कन) प्रत्ने

(मक अटमालन) (क्रिकेट (मनः)) यन्त्रे क्छ (जनी मीक्छ) रेड (धम अमादत) अमानिकी (मनिकर अमाद्रिपि 12 मार्थका) 112511 कार आस्यानात (आस्थाना: म्या वाकाना: मेरा) ड यायवामा: लगवाहिका: (लिक्स:)॥>०॥ (ध्य धारेक्स्काम्पार्वाछ । विभावा ह्वाक्स नामी मश्रीयार । (र) मार्थ । हल्बिएक ! हुमा वब मामाम (व (न्युकित्क) जित्रमु कार्यक (जित्रमणा कार्यक कार्यकर) सास (लामा) कार्या वार (मधानकाम) यम कार (कास्त्र म्हात्म) के से में क विष्ट के कि हत्य ह कार्य कार्य)। र्ठ (मस्तर) गव: (सालामव:) रेक्ट्रार (रेक्ट्रियम्प्यकर) सार वर्ष कुट्ट (गम्म म्यात्रम) कर्यम्यात (खिट स मार् जमार व्या) बमार (काल) धार्य म मुहमी भा (क विभाग थन वहाड रेक उठमारील नाम # क्याक्साल अकालामीया) 11>9H (दिमायवं भी देवर अम्मित्या । विभाग्य हम्मक लाहाराय । (य) भाग । (लयर) ८० (०४) हिल : (डिक्मार्वेगी:) महीनार्मः (मसीव: ७४: पामा० ज:)। निवः (वहनानि) कथानिव म अपनाम (क्रम्म)(सत्र अपनाम रेक्ट्र,) हिन

प्राद्धः (म्योक्स्म) मिर्यः (वस्त्रीकाः) व्यव्ययः (रेक्ट्रेयडाव:) सढं कामग्रह (थाटाएड) समा दुमामार (लाजयात) वट्म (संवातिता) मा अक (लापा) दुलकता (हमरावं अमार्जिं) इड (यारा) मार्चिटिं। (अल्डा इंग्री मार्ड जार्डा आ (अक) वर्षम (देशकीर) के का अपने कि का मार्च (के का मारा : क्या की मिराज्य मार क्यात्रका: यक्षा वा त्रहिमानाव क्यावत्)॥अ॥ क्षेत्र (म्युवासारा रें अराष्ट्र) प्रमामार्थाः लाइकः स्क्रीय: द्यान ॥ ११ मा (अय अविक्मिन्न प्रवि। (र मार्थ। किर्न! भी वार्षान धान क्यां भी दे पूरे पंच पंचा जाता मन प्रभाद की का के के वर था हा भा छ र कर्या छ जिस पर् जव हार्वे छ प्रवर् भार्म हा भ LE PLANTE BY DANTHE SUBLE DANG Sylange व्याप्त्रकार हिया अध्यम्भार । त्य हात्। (क्यावाय।) यात्र । यम १० में १० हिंदि (यमंड में कर हे स्पत् ना इंदिस) म्या (अवर) थाल मृक (मृद्धिः) म थाली (माक्का) वशीम (इ शार व्यक्त अभना दर) यह (कारा) भारी रूभा-(तका मोडिका) में द्वा लाम खार (स्प्रिक मिर्ट कि रे आ: (सर के के) य: लांड (म्यक्ष :) मार मुनाकं-धम्बड: (म्मीभड वर) महमाक्त-

कराय० (यह भी मानी सकता के के किए या वार कर रक्षा भारत्या) भीमामार्कः अल्ला-विहत्तनः)जानि (कट्याक क्या) देय (काभ्रम विकास) समा किं म् निर्मित (किं मार्क के के मार्ट) 11 5011 लच (लाभुष मेटम) हिचा-सम्बुक्तममं : १ (हिचा १ समुख्य १ जनामाः) थार्यम अप्तरः (उरान्ति)॥ २>॥ (अय प्रमानिकप्रात्र) प्रमानिकः भादिकस् निर्देषस्य वश्र (त्यो कामात्रा) मुना कि दिका का या १ भार : अविनिविष : (भा विद्यहः मक्रिंदिन : अकार्षः थः (अमा रखन वक्ष: भवस्मवाका द्वासक र्य ७० विशाद्वक ड(वर)॥ ११॥ (बच सम अस्वाम्पार वाल । आवाद्यं के विवेशिताः स्थान मल्हा: ७९ की उन्द्राद्वाद्व देव अंडिमव्द्रा: मधर्पार्थर्द्य अभवा आर। (र) मार्थ! वव: रावं: (श्रीकृष:) तो (आयार) (अ) (मृक्षी) इसे एडा: (इसे हिड : मन्) अविवादि (अद्यामकारि) प्रश्निति (उर्भने वर) वरी (व्या) अम्याप (नक्जाकः) भा अयात्रीः (म्रामाउनः र पक) लायां कक्षां : (कक्षत्म) लाख्वातां (बिग्रिशहोड) नमहेल मार्यमात्राई (क्यारत देव नमेलोड म् माछा । इन अविभाषा भावेष वूक्त पीर्य द आहार) यानिक (इसिक माला) अने इसि (भग्रतानी बहु नाम-) भू अर

(पण माउगा) अर्जितात: (विद्यात:)॥ २०॥ (अम समयक्ष्यार्थात्। जिमस्काः अत्याक्ष्याद्याः मामार्ययाका । जमा त्र) लानि । (नामाकर्कः लोकाः मित्रिक्यमाचम । क्य न्यामा लाह) डावु: के (केंच) मुकाल (की पि । टामेरी व बस्माका रविलक्ष्म मिर्द्रवाहकञ्चर मायमधी स्रेक्ट व मामामाक के में मेरी माय। (र) भाम । त्या गुल्ह: (ध्यावश्य व्यवस्य) कत्ता (ह्या ने म इबि: भीना छ। जन लद्यार भाका । प्रश्यमा दिन भवानु (वर्ग अविष्यम्) आहमा आह) अक्षामा-नभा : (भक्षामाना प्रिष्मा नभा :) उन नक्षाक कृ हि (वक्षाम काए कुर्स कविक्स म्हाल) याचिक मर् (मुभवाक मर् मरावस् लड़) किं लक् : (क्षिक है : किस है भाग लमी भीराद: का जार मी क्षामा मार्किन रहा हिला: भक्ष नमा: उब किंद्रिमपूष्म रामस्त अविकार थर्दे किंग् १ (लोबी श्राप्त) मागध्यम : (श्रिष्टिम : भाक्ष कालियमाग-प्राम:) म: (प्रिल्म: जाक ज्यो कृष्ण:) स्वर (मळ्मर जाक प्रवती स्वातिः) कृषा प्रश्न व धाडिणः (मर्थाणा धारमा) लाकमी (लाक् की कट्यांडि । न्यामा बाद । (द) मिया-माध्यु नि ! (मिलिय मामा वन ए नि ! मर्डाक ! पर

डाक्ष्मी वर संगीत वेरक विनाताके विकादकार: । किसे) णिश्रम म्क्नीवान (com दिन केलीवान प्रिट्ट) प्र - नव नमाम (यण ज्याम , व्यवसुर्मिश्त्री उनमीक्रार्थः। भाष्य प्र मक्की थाण मानाविक पार जामेम बत्य भ्यानिवाय प्राय रमात्र रेक्टर:)॥ २८॥ (ज्य समस्बीस्तारबाढ् । काहिर सान्सम्। समसासिक्सम्मर्भ आर। (र) मार्भ! रेल्पमार्थ! क्राक्सन हु छा भाममा वन आममः (अन्मामि शानाः) पडः (मधान्याः) ८म (मयामी) व्यर्भार का मक्र (कामर का मस्ट्रक्ष) । वं (हर (मह कारी समीरे (यामके) क्षम् (यस सामसर) कान न मिश्माम (दाकु (नक्षाम द्वा) भा दा: (भा दारि, किन) रामा विम्य (भावेराम ए जातिकारी । दे ड मका ले विस्व भेषाति कार: । लड्ड) वर वाल्य्व: (वाल्य्र) मिला अभ (स्रामाहनः भक्तामीकार्ः)।। २०11 (लाम मण्डिकसार) अम्मिक्ट जिममेरी (मीरमाट्कमार्थ-(जिनमा।: अवः लामकातः त्रम्याम मेगम हेरकसार्यास्य एए कि छ कार्मकार्यभावा राम २०० ext 200 acad) 11 5011 यक्ति (यक्ताके) मण् थाला नानिके (विस्त्र विके)

माप्त (व्यवर) क्यांने व्याम (क्यांने) सम्बद्ध वर् (मक्ष) व मना मारामा (रक्षार (भक्षेन मारामा ममाप्रक-BL6) 4 m ta (& Ams (@ (acad) 115 311 मर्: व्यालाक्षेत्री ह व्याका देवी ह केवे हिंमा (हिरिया) made (334) 113 PI (वर कार्याक्रकसम्मार) क्य माम्बादका ह कार्याक्ष्यम में: श्रेखा 1150 11 (क्न प्रमास्त्र वास्त्र । क्या कार्य पारं में बाप क कक्ष्रेन्दी याम्बा क्रीकेस्यात सामालासका क्रीकंश्र-भार । एर) जब्दी ! (ह अमाहिता !) व्याप्रमा बन्ममन्त (नी कृत्क) त्यम (क्रीर्टि?) निर्मित्म छ : (निर्मा छ १ कर्ड ? रेष्ट्ड:) (मानम (ष्रमण) वाक्षमणी (नम्मक्समणी) भावा (अवाद:) विविद्धि (विवाधि) म थाडि (म आएशाडि 14) मर्बित मु: अवाद्धिमां। भावा अवडिंड रेलार्थ:) रेडि (धामारिकाः) त्माखार मनः (हिछर) नम्म नम्म न वहरू (यन्त्रमात वट् व्यामक) राम के आ; (रा कक) क्या (यद मुक्तारवर) द्वि (अस्मकला:) निकाबिका (अया-निकिका) जाल इं भारी हु ज का कि का (भारी कु कर नकी केंड् में मुंग्रं स्माम्म के मार आ एक हिंद्र अही) राप बाहि (सक्त यहत) (भायवं (क्या व्यामयं) म हि व्यक्तिः (म क्डबरी, ७४७:) वका कि (क्य कि) म ट्यापिकामि (तापनः कवियामि, अवक ज्लाप ट्याप्तर अम्बिल्य (मक्मा)। ७०।।

या मल मार्ग यामा लग पाल मा (कृति) रहका (हिनियी) ECAG 11 10211 (जय वाझाझार) भाम खार (भामावल भाम) भामा (अवहरा) केम महा (कार्षका) विश्वाभिता (वमा भागमा स्माभाता क्रिमिक) रकालमा (मृका) क पालका (मामक क्रियामा) , मानंद (मानंदर मार) मानं : (बादापाम) में दी (कारेमा) वाक्षा रेक कीका (क्रमाड) ॥ ०२॥ (जन मान अरह मातापूर्काम पार्वि। का कि पार्कि नो मुल्याम की : जदमेश नाधा आह । (य माम !) प्रवक्त-हर्द (मान्ते-मिन्न) मनामुद्ध (मोन्स्म) कक्ष्म (करान) सामर कालकार (डिंब म्र) डि (ममार) वर्वला (वर्ष: वल्डा: त्यम्भः भभा जाभेन) में देव (वर्ष में के में के में के किया के के किया में ता : डाव:) मः भ० (वय) दे चराहि (पर्वाहि)।। ००।। (मान लायेता का लनामूमारवि। नाजीमूकी लोन प्राप्ती-मार। एर पावे!) नवा विम ट्या करक (मरव मवीत व्यवनाय कर्द लाजानुसम्हर) भवलम् (भर्वम र भारता) लाड्काङ् (क्षाम्पर) मार्क (मार्क मार्क) मंद्री (मम-बडावा) खडा अव्यक्ति (क्षित्र) हरे आहिशहः

(हार् ते म्रोके:) वमाम्र (अमम्बर्) मीण (धालिकाले) अमन्त-मनी हिल्ली गानी भावे बद्र कि का (अमन्ताना कृतिमारीया व श्रीया वितारी करने अन मालारे में मलार् मानिको ज्याः भार्यश्यम विवर्धान क्रिक हाम्या विकार) हैंग: (र्भविष) विषेशिकमेश (अवासे शु सब्) ड्वार क्येंट्री : (क्येंग्रेट) गर्य (क्यांत) 11 0811 (लग भात्रका दिमोभी मेर प्रकार । भाष्य न्या क्या क्रिकार । (इ) म्यास्य ं (टर स्टल्स і) वय लार्ड साद्र में दर (स्त्रमें र-अकामात) अर्दिशा (तेम् ने) कासर (श्राव्य) मृत्य. यस्य (अन्त्र के के) मामा (माम के) विवह में (के के अवस्त) सम बाक्षेत्र (म्यम्भाकं मध्ये) भ वयात्री : (म मका) इड! (आरा! (र) अक्की मिश्रिम अक्षीमा अव! (सक्षाणीयम् गायव ;) इति तस अवश्री (स्रावादा) अग्राक्ती (यव) क्रांस (यवी) देव्यास (यम प्रां) (गांतक के वासे सार शह । प्राथका मिककार । (र मुक्कः) हर्वनी डिन्न भार्यका: अमः (नवा:) त्रम् ताक्षा भाः (उम्मेलार् :) माद्रमर (मंद्रम न एक का इन्ट्-) समामा (स्ट्रार्धेया) दृष्ट वय सबम्ता (बन्त्रिय) लम्पा (सर्व-अम्मात्म) यह की उंदर (त्या कर) रेप थान (अवन्त्र

लाम खिनमण (क्षामका) सहसम् इ.छ. >90 असार १९६०) इति (इवान) विकार (विकार) म्य : (द केष्ट्रं) बयान (बज्यान) अध्यम (अध्यम् : = हैं) कर्ड (क्ष ककारवन) गमार (खिनमार) खिनमां (. अरीज्मिक् !!) भामे (दमार्मे)॥ ७०॥ कत्र नित्र (म्याक्राम रैममिक) भाष्रवात्रा: असक्रमंत: क्रीडिका: (८७४:)॥७१॥ मामक अले मामकाः (अम पाक्रिनाम)मामनिक्टि (प्राममार) अमन्ना (लक्ष्म) मानद् (या नक्ष मात्र) मेक्सास्य (नैक (जाम) द मार्ट के आ समा इंग्रेड कमा है का) (कम (मार्क्स) मामादः (आर वट्नः) (तिमा (स्परः क्रामान्द्रं अका) ह माक्रम (क्रिक) भाने की हिन (टकाअ) ॥ ७७ ॥ (उत्य मान निर्मा अपा प्रमा प्रमा । कुंग निमा कनपा सुनिकः न्या ना सारा । कि सारा । वि) गर (गवः) । भेटा (कासम -बलाद) वास्त्र । विरंग (मिक्टिं) अस्त्रा (किवारा) व्याप्त (क्वामें एम) गर (तक:) स्म मान (समायर के क्यू ए थिया ' मिट्न) ब्रिया (लकोक्सामा) नाम (क्या) मह (ति.) गामान (लयंगामकि असुय । ख्रात) टिनम्हा (प्रित्न-महा) लाम (क्ष) यह (गवः) दुमाल (अम्कान वास्त्र क्रिं) विम्मलं (माठिक्त्र) भाग (भग) थार्स (त्र विभवीकमाविति! (त्र विक्का हवने वना पत्न!) जिल्

(क्सार) जय (सम्राक्ष) भी अ उ हर्छा (हलना न त्या न ?) विकर (तर विसद्ध क्षार्थ) अधिकार : (१ व :) क्षार : (मूक्षेत्र महालक्षः अनेग्र) विमः (लिलिस्क) 2 वरहः (कार्यर देक्ष अकी गर्क क्या) की डाम्पः (मिडाया भूम: हर्म वव) गालमा: (द्र: यद्गारिक्स व मारिकार के के वर महिल्ला हार हार हार मारिकार (माग्रक में के यासियोमें तार वाह । भारत क्री के एकन लाईका अर् मिल्लि की याहार मिक्का का हित वर्मणी क्षीकृ का मिने माद् लयमाद् क दश्य । (य) र्याक्ष्म निवा । (य) क्या किनक! छवात थान अलामाए त्रामाए रा छाट (को कार्याः) मिलिस जिला (करा) क: (क्यः) क्रंड कर करें (कार्कार) क से (जिल्) या मिल (न कमाणि किलि एक अस माराक्ष्याह) व (किन) (मा) मृत्र (कृषितः) क्र यर रहि (यन) स्माह (हिस ते) यह कता (स्माम्पा) क्ति क्रम्म (वन माछ)र्य)काद्वार (मूर्यमान्त) आख्रा जाने न मानेख: (आख्रायमाने विधारमा न 更多:)118011 (अय नामक (छप्। मुपार्वाछ। जूने विष्णा कन शास विष्ण् ज्याकारात । (इ) केट्यालां । (हं) यशुप्रार्व (विमाआ-

मार्सिका मीतार् भारती के अस यह लीति (डेलापमानीर) मान्त्र (विक्तार्) म कुक् स्व (अयमार्मिय भामम्मीन्त्रः) इति न्याद्व (क्स चामाश्रद) क्रका (अर्जाव्य अत्राह्म क्रिक् केश (अरुक:) लाभ धर्मात्रें (मुकेक:) सक अरिं (अठ) रू) क्या ना नित्र (क्या क्या व्या । कवः व) प्रम्यम्म (सम स्था) मुक्ता अमीम (अममा उन) भनः (अपम) कान्यर (एमाइर) नमर (त्य्रिम्) क्यामाड: (अट्यट:) मृत्या: (त्यापा:) डमीड: बान (प्रवादे:) बानी क्रक (# 21 21 & (al a) 2 2;) 11 8 > 11 न्य (क्यां शामा मिल) ठेमां दिया १ या म्या न माना EZ49118211 (लाम नम्मक्री मराज्यात । हस्मक्रावा महादेकाय्वीह्रकमात्र। हर) बनारिषाक्त स्त ! (मन-मनम ! भी कृष्ण!) भाव नार्य-(मार्ल) क्या (मर) विष्ठ-मङ्गा (विष्ठा कृषा मङ्गा समारा गरा १६ वमार्वा) समाम् (रेर्ह्री) सम्मी यस मारी (अवार्षा) विस्तर्भी: (विस्तर्वित मार्थ) के क क्राक्र (क्रिक क क्रम में वर्ष के राउ) त्याक क्रमें (क स्थाक पढ़। बेगा कार्क कार दिस क्षा के कार दिस अर्थ राह सार कार ताक्रिके क्षिकाह । ताक:) हैं ध्यादी (मम्बद्ध मडाह (डा दर । थर्) मन्

(९ अताम डाक्ट) केटब (क्रानास्त्र) काम (क्या नासामा ; अमापान) लालिकात्राय (लालिकाल धात्राय) विमा कार द्यत्तक्षः (०४०: १ वक्षः न्याकारा : कार्यास्मार्थः हिर्मः) डेका (मुद्धामा दिवह)।। ४०॥ (कर प्रसेष्टियार बाहु। हिला स्थानुभी की बार्यास्थर । (स) याश्वामा सर्वा (अप्रमेशक्त) यहः (वाच्हावर) वर भाषकरः (अपसम्बर्भः) व्याले कृष्ठः (ध्याकिषः) जमान-(कमाल) ह हैं ड द्यों (अर्किक) बम्म म बार्किश (कमार धानुअर अकित भवाकुरी) लाजा अमि। डक्ष (अवम् छ। यर अयम्) यम् माजीर वामा: (अक्षम) वर्णााः) भक्ता (भक्तपात्म) यातः) हे मक्कि (जानिकिवि अवि) इः विहालिक र् वि: (बिहालिक। र्वि: ट्रेफी: यमा): सर लगा) ट्या मामी (हल सम् विक मठी) अधा व्यक् रामिकाम (डेल्यामिकामि)॥१८॥ (ज्य का का दिक् म में मार) ट्य (स्त्री में मार्टिंग) के में सिक-मिका आकारिक मार्थ: (माका (का भवा) थर (यथार) र्यः (जाक्षिक्तभः) निषा द्वारी येथे (जार-नभः ecac क्सार रेपे) सर्वेश (अर्वेटिक कार्ये) श्रू : AZ (CCAR) 118 @ 11

(ला का का कु कु में में में में में में में में में कि । के भी में कि आध्या आध्या निका मार । (अ) मेमार्ड । (कार) श्राम (जपमाम) । खनमणी (स्मान्यर) मान्या (वं काक्याना) काम (क्रिमम्) काम रिम् के (जन्) टमावकमा (हे वक्षेया मत्र वर्डमाता) लास (या) विकित्ने ता (वय अनेता वित्य) समास्त्री (मार्निनी) रेय ट्यम्प्रिन (मूर्र) स्पि (विकीट) दूर्र (१ में छ :) लार अप : (व्या के के :) विसाय (व्य से में अ, अति (धावन्तातिः सम त्याति) अकः (धाक्र-मिलाय:) (क्षोन् (मेन्यकार) । व्यक्ष (व (व्यक्तामार्क) ह अकी (मग्र :) लामा : (न्छ :) न रेका के (इ कर्ड़ म ८६ स्टि) सरमा : (सप्टिंग्) के लास (लयं कर मिं) रेलि (अरह) यह (धारकारमान) म निर्दे : (न जानार्छ। ७४० भन्मार्थ विसमात्रिक्यः)॥ ८ ।।। (लाम बाद्याई टक्स सेरड) मेटमच्या (लाके विका किका) अभवासिन अम्बा (अभा वा भन्ना वा स्पूर्वा ख्वर। उम्राट् मा) नका वन की छिल (त्याका) प्रकेश्ना: (प्रात्मक्रका किया: यहा : प्रात्मक्रिक स्वय त्रका विश्वः भूतः अभवा- ध्रिश- मृषु (उत्तर्ग मिछितिनः अक्रात्म) मयमा (मय अकारा:) वव (दिया:) अका (धाना दिनी लकः) मधा लम् : (६) देश्व विश (व्यव)॥ ११॥

थलः (अमार विलाः) न ते काम्मन यूष हादमधा (क्राम-मकारा) हिसा (त्वर:) त्यव । त्या (त्यास्त्र) में भाग (म् ने कमिर्यः) - अतः वहात्रार् विलाधः (कोन्धिः) 3000 (2000) 118411 म्बाद (मृब्बाहिता:) भूता: (मानक-मानेकत्मः) थर व्याचित्राम् ने (व्यक्तिमान-सम्भाषन) ७० व (१ व) व्या (काश्य) दें हों (टाय)। उस (टाय क्राम) म्याम (गाक विसा किया की मार्क (लाम्य) विक मार्क्स न्द (लभूषाङाखन मन्)षा मह्दाए निक् नामिलेय) की रिका (टकाइम) ।। वतः (वय) मही हिनः वितः (ज्यालाक्ष्मा देका समा ज्यालाक्षक सम्मूलक । जिल्ला) मार्सका: १ मण: १ मी: (ब्रिय:)॥ ८०॥ उस (वास सद्य) जासी (काटलाक्ष्माहरू) सार्त्य-कामा (बारम् पाहित्व ल्य)। ००: (०व) विभूता (सक्त) हिससा (मानिकात्र - सण्डित निविद्य सिरा 'लाम्रिम मार्मका १ समी १ द्रात्र) 'के ब्रुमा (मालाक्ष्की मर्मः) ड समामाम (मार्म प्रमाय ड त्वर , जभा) अक्ट्री (क्राठ) है की अभू में) निक्रम्भी (AG) (AN)) 24 (C(AQ) 11 @011

कामानां (लाका द्विता द्वितां) सिम्मा : (मक्या :) म्या: मृष्टा: नव (डावयः) नार्यका: न (मडावयः। क्या) मकामार (काका दुक्स अप्तरं) म्यर्ग आ: (प्रक्षा:) मार्था: वर (ब्रिय:) प्रिका: व म (म ब्द्रमः)॥ ७१॥ (वस मिछ ना मिकासार) धास या मेरबाहरी ज्यास या प्रिक्र नामका दिवर । लगाः (म्लाक्स्पाः) अदीव लासकार्वा (कार्यामचना मका विकास मृक् (वृत्रीकृक्) म विकाल (मार्स । लाभेकमा क् यक्ष भावकारः)॥ द्रशा ह् अत्योगिका-मनीक्रकी (अयून-मधाक-मनीमनेक्रकी) या (मभी)यम (यमार्) अछीव मामने (अमयका) सा माम्मिन (मामिक्य)) कर्णि (क्या मेर्क) मुके (मणक) मियुका नव कार्ड । जमान कु वान (क् महिर) कमाहिर क्षम्मर (मीक्डिटा) टमाने (मिरामान्य कास क्षमण देखें) अत्राह (2m)(0))11 a & 11 रत में के द में द ना का मार की अपक (विषय सिक्सी ह.) वास वर (म्छर) त्मेन् (रेडि मक्स्)। राव: (अवक्रम) HAME (HUMAS) P. OLELMO, (OLEMANS) P. 510 July 6

उप (मण्य) वियो (विविधे दिवर) ।। दश्म दल।। (क्य राव: सम्प्रिः दें स्मार्थः । (उस ममक्षेत्र दिनासार) समकः (दिनामण) . मा (क्षेत्रिक (माड्य क कहर) साहिक (बार क् छ र) ह (३७) हिनियं भठमा ॥ ६०म ७७॥ (जय मारक्षिक करार) जय (मारक्षिक नाहिकर्गा-र्धा) ममस्पत्ते : (कित्रभाविः) क्या (अर्) (स्मिन्नी कार्य त्या तिहा) अप्तिक्षिः (ग्राम्यार) व्यामुः (मार्ष्टिश्वकः)मार (वर्ष्ट्र)॥ व व्या (बरेसाइ अप्रिक्ट क्रिक्स का निष्ठ मार्ग न्या के का के देव के अभासाम बाभ्यमं लाममानी- मर्गत्मवानी मेलाम क्रामा कार। (इ) क्रिंमिन। Ca (34) असे प्राप्तक (अंग. कावर्स) यह के कि लकेर (यमप्रकारेर) लक्ष्यमर (मुक्किं) क्रमानित्र (अवंतक् (सर् कार्- अयंति मार्) के कार)। क्र वर (यहवं oo:) अस्ति वा (विसादिवा) अमि (दर्शमे)। अस्त ! (पर्या!) उन (जामन् म्लान) त्वर (याप) कर्व किना: (करेक-तिका:) पदा: म छ थी: (म दिना: 'क्या) वर्षकार (जम् क्वार क्षिण का भाष्टः (अवरे) अविमार (जार)न क्वार्म (वामि (अयवा वर्षवार वम्र इस्ट्राक्रमेर मम का भारे: प्रमा अखिसिक्त हां न व्याप्त)॥ १४-॥

(लाम वाष्ट्रिकसार) सिमः अवः (चीक्रिक्स मामितानान म दिवा:) का अवहार (क्रमाहर मा के का माला कर महर म भाग व्यानाहत) या अकन (शहरक या मागार या पत) काकी (७९) वाकिक (व्यव) 11 वर्ग 11 (वस । हातः में इ: स्रोक दाहिक मेरारवाह । स्रोधमा क्रीक् सार 10) दिला ! (क्री के के !) मंगा विति (वन समील) क्रिंग्ड ला अभवनं (सिम्रोरियम्ड) क्षिमात क्रिक्स किल्लिक विकास मिया न यहारी छ थीं।) श्रा था मधी धानिक् (नियं के वर्) (क (जय) क्रम्म मञ्जूनी: (दियामार्श्वामि क्म्यान्यावकारि) मुक्कि (हिमडि) प्रा × रेस् वनंत्री (कोर्य रेमायेसे वनेत्वी मधी- बा सणी) कर्ड विर्वेद्ध (इहा) वर करदं (इट्स समा) एका (लाल्का । द्रतामी व कं) राजा द्वार क्या के क स्ति (सराप) दृष्ट: (कास्मार सामार) र्ड ड यारोट ॥ २०॥ (चिक्क्य) नक्सर मन्मार वाष्ट्रिक्षेत्र वह । ज्यानिक एक्यान । ८०) मूमार्थ । व शक्तात्वार्यः (बीक् र्याः नवामः आत्वार्यः वाद्मारिता:) संवक्कार (सम क्कुत्ममार) द्र (दिवास) अक्षानि (बिक्रिकानि) ट्यो कि कानि (धाना दिन-मूकाममूप्र) बिहिनू (अ०्पूराने) अथ: दार्नि: (भीकृष:) किल

मामा बहता-क्षेत्र में हिंड: (अम्बर्ड आमा वहनां थार निविक -मना:) थार्ड (वर्डाक)। न: (धामाक्क्) पिकीप (बालन) CARE (RULES) GUILES (TIRE) RE ON (SCA:) (वर्: (बल्ली) होतः (भगतितः सर हे। त्रास देश्याः) इंडि (लड़: लड़) नगर (त्वर्) भिरंते (त्यायक्षेत्र अवहत्त्र) प्रकार ((प्रामान्ट :)क्यार (हमार क्यार क्यार क्यार क्यार) मत्राम् (दित्यमी अर्थ सक्याम)॥ ५ २॥ (मक्षा: अल्हार कृत्य गाहिकम्पाय वृद्धि। इ बीतारी बीक्कः सार । (ह) लाग्यं । (जी के का) मार्का मार् स्था आ (हिमा) प्रत्यकां डि: (प्रम देल दार्व वहते:) विविक्ति (धानिकार) धावरिष्ट् (अश्यमीष्ट्) अका (वकाकिनी वन) क्यमान (कामक गान कमाक्र) विषयाम के (मम्पावद में कम्म-काम मण्) भाषा थारे । मम त्मरार (क्यमार) भार । (भण्ड हर) केर के ब्रोक्ट्र (लड साम्तास मेर) है मेर से स्था (भवेषा) र्यंद (एसा) मैं अंशिक्षियों (म भीड़ भीगा)॥ ७०॥ (यम राव: अरवाकः मकिनार)यप मजीवाया मजा: ल्य्नु (व्यान सका: सहाय्नु) या (लक्ष्या) काल्यम-मिना (क्लामिना) छए नार्ल्य (क्रानः मझीरन) (असनामिकः (समा: कि सिवमारिक) वर उर्द : (किसामा) अरवामक (दुन् ७००)॥ ७७॥

(वस अगुराधा सम्मा: समन्त्रं स्वरं अर्वाकः दे विसेता-इंबार । कलावली वंशराबी वार । तर भूक ! (तर मृत्याव !) कार्वात्रकारं (लाक्षय: वर अया विक्षानारं विकानमेर्दुरं) आध्यमार (म्य क्या (थम) अद्या: । भवा (क्या का) क्का (श्टर निरकार्)। विकि (कामीरि। अठः अश्टाम) द्रमामा (द्रमान केंक्स) केंद्र भंगाति (लाह्यावनात्र) वार्षका एक (जव) अध्यानि (अध्यक्षिमान्ति ध्रम्नाविचारि हेन्थीं) मदा (मर्वादा) जाना है (भावकामा विक् । अय जन न्येक्साह अवर्ष स्थाता लाल संसाहित स्थाताः) कुंगः (क्रम्भः) क्रमंदमीय छ- छर्पः (जभा श्रीकृष्टमा कां स्मित का कि मर्म:) व्यक्तिमा माः (का हम समामीम-मामा: मह:)कमार (कस्मः) (छ (छव) भक्तानर (काल्याक्षाक्ष) कामाति (क्षाकामाद्वि। काक:) में : (करम) के के सायाल (मक्ति सायमार्गः) डेवार (बायडार) क्य ॥ ५८॥ (अम के अस्टिल कार) डट्ये (मी के ट्या) (म टिमा आ मनामा भूम सिर्म (ट्रिंग: वमक दुमाममं दुलकामक क्रामीमार कर्मन-किया अमर्पने ज्या) निम्यायमाम् किम्मिनादिः ह (निम अटमान मा अम्मिन क्रिक क्रापिक:) क्रम 12 MRM: (BLAS) 11 0 8 11

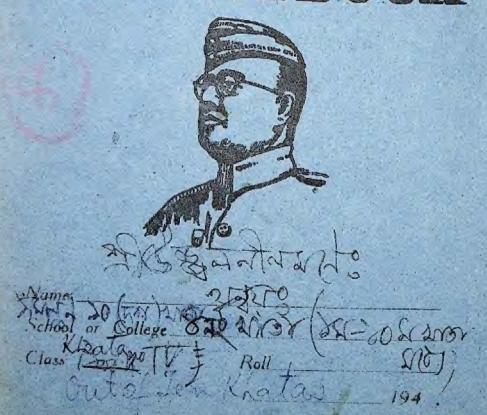
(खय लिया क) गर्म लिया की श्रह मधी । भ मणाः (अवन-के वर इत्दः अविकार दें के में राज दे वि । क्या का का का का का की म् जी कि कि कार वमान-मन्त्रे वी १ की कि का: नार । (र) डेका ! (द अम्स!) प्र मृजीभक्षा व (मृजा: मक्षा वि साभ (मिंग्यामिक) मार्च (क्य) कि (क्य) मारि (AZI & TAN MIBELL) CARLES (THE OLUMIN 10) HENRY! (क्र के इस में प ;) अर्थ (ब्रेस) लाक वर (लामुक्र) क्रिये यक्षा (अक्ष (वर जिनमन्धाः क्षा का क्षा (प्रक् अक) वें : (मप्रास्य) बाह्म (अव) मिकून्य डबान (कून्युग्रेर) त्मिवं छ रक्षा ब्ला (मराह-माम- मिया छ।) म्बी-गाम् : (काममिका : रिष्ट्रमम्द्रम्) (कामार्य-कार्यः क्षेत्रक (सम) कीर लाज्यमंति (लासमान) ॥ १०॥ (ध्य क्रियाम क्र पर (रक्षाक भर) विमक (वार्विक)व । पर्र) मिर्मक नर् (रमवण-मीवानम् जमर्भिकारः) ज्ञास (मक्साम) B- व्या (अवस्ति) अभा क्रेश्व (क्रामात) करें। केलि) भागा (व्यवस्थाकर मार्क) समावी: (मनमारि: ध्यर) वत देशवर (बसी मर्मितिक पर) उरे विम् नी

CLASS ROUTINE

Days	1st Period	2nd Parles	3rd Period	4th Period	5th Period	6th Period	7th Period
Mon						5112	
Tucs							
Wed						5	
Thurs						•	
Fn 7	alex Ex						
Sat							

Manufactured by :- M. R. CHOUDHURY & SONS.

NETAJI EXERCISEBOOK.



128 PAGES

Price 15%

8 JONOR SERIFICATION SERVE (राकान (अन्य का) का आवा अवस्था (क्रिने अवस्था अवस्था । अवस्था सिया याक्षित) नागः (तापार) दुनाप्रयं (व द्योसी तहायं-222 and 200 100:) Co (04) 24464 (CANSIDE टमार्ट्स मार्ड । अस्पायम् अव द्यां वाप्पूष्ट्र मेलार्थाः)॥ ५१॥ (मिन्य (गान मन) भरिताम जित्र मार्चिक गामिका गामिका गामिका गामिका दार । र) नानकत्त ! मार्थ ! ह्लानि ! रूपा (भी मर्थण) मिल (स्थावसाया) मार्थका (क्रिया) मुकावली (मुका-भागा क्षेत्राही कृतिव कुर्द क्षेत्राहा : क्षेत्र-क्नूभा इशिवक्यत्व विवास ख्याराष्ट्र विस्तृषा (भानेकाका) काहि। (व १) छ। (म्रामनी १) व्याप्तन (लायर) द्राष्ट्र रें व लाय करण (स्म अक्स) सिर्का (कर्ट क्लिट्टामी । ८४) अनुस्ति। (४९) अर (इस-नामार) (भाषा) (भाषा १) किए (क्रर्) मंद्र कामका व्यक्त (का का नि)।। एक ।। (कर (इंट्यिन्डा थामी: । थडः व्य) नामकत्य! अर (मुक्रायमीर (अध्यामकात्री)। ७७॥ (अम्मिक मार्भन्य) अद्भारत कर्मार कार्क। माना कार्कित सन्त्राक्षर । (इ) मार्स । (अमे सवसीर के) व्यक्तिमामः (लाम: समर् इत न्याम: न्यामार) हिन: (सर्मा: नाम:

म्मकः) नाक (माम) नानी (मनीय अल्य कमाना-मर्मामभावसभा प्रवित्र) क्रे मार्वि (क्रे म्मीप) मेरियान-अपूर्ण (में ने समें इंड जाक का में दर) में दिया आहे (यस्ता नाने) हमान (नानितः नाम प्रमुन पूछ हम्पकान) निर् (भन्भम्) अकल म्लूभिन (सर्वाटम विकासनीभी-यमीन वाक म निक्षः कमन्त्रान धर्नाक हमूलन-लासाय) उपरे (राज्य र प्राय भग्रहमा) यसाह (द्राम्मसाह) इंडि (अक्ट अका बंग) महिला (सम वाटकाम) क्या कि ख्र लामक्यू (वार कड़) म्रेड (सं) श्रम् वा (महा) आरी । (उठ:) कृषिन (कृष्ण) रेन किमिन (क्रिं) व्या मिलानि (अठावहर्म)॥७०॥ (जा मानुका मान्य मिकार) दिस्ति (कार्य मही में ही-स्माम्) लाताकृष्ण दकार स्मार् मार्स है यह (राजार) कमाहिए नव क्रां हुन् हुन् क्रिक (आर्थक दिए) क्रां (कमार) थः (मेल्या आः । क्रियः) मार्गकः आर्गकः (ALEUS) = WAR ECAM:)110011 (क्यांक्र क्रमाया में होते रेटाइयेह । प्राप्त मिला परें स्यी कार । (र) असीस । (र र्षि । व कि । व कि (मिल्यालन) (म (यम) भारमे (इस्ड) भारता भन

(यहा हिलास छ । । एड: वर) लक्षा के पर (कार्ट करवार गण कारक) कार्डे (विमन्तिहमकाताक) हार के का: (म कुक) ७३९ मना (मिय दुवर) की मारिमा मं: (प्राय निक्लादि : अडिमरें :) (७ (७४) निक्र में (या भीम वर्ष्ट्रम (अपनम अविष्ठः) क्वयान (क्विश्वमा) इं मिला (जारापिन) व्या निक्क भीयनि (इन्युकार्ड) समारी (भाजिल अली) किंत्र (क्यर) उद्धार (स्क्रीदराष्ट्र) नाम्यः (नामत्तरः अटम भीकृष्णकाः) म : मिर्दी पांड : (स्तायः, पाला प्रिट्री प्रम्भीनार् भाडिः) विदेशकाः (विव केष्ट्रा-कार्त्रकेशकाः आक्र. रू ह कलम-भागः) सुद्धाः (भूका मुश्रामि, भाभ भागान्धाः में आ:) अभाव (दें के छे इ कराक विक्र में) 116711 (अम्मिक्सकार्क मिराइसिक । विभामा माल मधी १ काकि स्मार मा के के सम्मान कारा मार । (य) द्रिकट ! (व्यवनीतः) मा भीते! (शक्षीते! ट्यासने ए कमानीते! छ०) महा (भिन् के बंद) मर क्षिक नाम हम्मा (माक (बाह्ना) नामः (क्यानः) लचे । मुक्ता (भिका तिस्त साम (कार्ने छोत्रः) स्पर के अंग्रेस (भी के ग्रेस) यह किए) यह की स्था के स्था स्था (असमा महका अर्था वर्ष वर्षात्रम) विम्मा (सम

लक्ष माना में मारिका) भार हमयात्र (बकायात्र) ह न मा काल दिन् (विकासनी) यः कार के कः (के केवम्: भीक् कर पाक) अभी (रही) राजी का (धरीनी कृष्) वारे देललाहिड: (भानिड: मन् वर्त्ता) विद्या (बिनामर्) विवनुकार् (विश्वाव्यक्) ॥१२॥ (लमाहिक्षे श्री है को मार । हिना कारित सन्। मार । त मार्थ।) थर् क्रमा अमू पितर (अविधितर) क्रूमिड-विकन्।-वीवरगारक्षीय (क्यामिकाराः व्यक्तिरामः विवक्तावीवः रगामा: धर्मावह म् रमामा: क्रीय क्रियारहरू) लाहिमावं कार्या (क्षावंदा) लाम् । लकंदला के (विव्हित्रमानकामका) रेग्ड वह यर (यम) वार अव्र (नक्यावामव) भूवः (अभवार्शने) क्रम्यकार्य) दुलमार्स (काममाध्र) ००३ (०४५८) (० (०४) था मिश्राह: (अर्थ कर :) अर्थ (भावर)॥ व०॥ (अग्र हिममा-विक्रभार) ममानार (मम कर्जनार) अन्या-त्रा- भे ही गढं व अंसा कं (अएग्रेस) है के हैं आर्म के ह मधः (कुलाः भगर) उठः (उभार (१ए०१:) छ्यः मिमा (हितातंत्र में के क- भारक के त्रिः असर: क के कि) 11881

(वन मम-मध्यम द्वाम दार विवि । भू (भव्यम्म : अयम्भवत्मा : सटका: पका कालवास्त्र । (४) साम । लाक (द्रव: अवर्द) ट्या (लाबटमा:) नवासेवं (नकास्यासेवंस विश्वास नक् उक्र वं ते छ द ला सक्त की नक्षा पर नाम वर ला मर) त्या की -मुळा (अवस्था मुडीकार्स) निर्मिट (भूर्या मेर्गावंड) अकु हि (अखबाद) छम (छम्मनेत) छम अम् सानः (कारेय मृज्यायमार: अपूर) व्यक्त (ब्यक) क्या भी- व्या (थर्र) (वि अमुक्ष) पुष्ट् करिर (कविष्णामि । थर्ड: व्) कलां (क्टा: को हिना) भूक (क) व) उन १ (एर) मार्स (मार्स के) मर (ममार) (० (०४) व्याप सका (राधा) देक (र नंतर) का नंती (स्मन्तन-नंता यनी) (क्या) राष्ट्र (व्यास्ताह के का के क्या के क्या के (मार्कालंत (त्मक्रेम खालंत) सम्बद् (क्यो कृष्ट्) म्भट्य (कार्यभामि)॥१७।। (अश मसमकी दूछ) माराश्वाह । वर्ष एका : मला: कसना-ब्याम्बम त्मा: १९११ में की की # संसम्में ही यह समी ही द अरम्गित । वय कमला मार । (र) माभाकत्म । व । म्ब्रिश: (अव्यक्त) भारते (राष्ठ) गुष्ठा (कार्यन) व्यम (ताह:) रामा समाह (काम्नुमाह । अधिमक्या साइ । (इ) क्रापां इन ! (आर्रा!) अदर वर विने पूजी (डनामें। अठः) कि

(क्यर् वर) मना (मिला) ल स्मि (मनामे , जह : क्रर्) । रेक् (अस्) । देखातामानिक भे समाम्बादार् में प्रमा (रे वि अवस्य कारने में कारणा गर्भन् । विस्कारनेन विदिल्पने मम्मिश-मार्गित्र मानिस्तितिसा के से से से से अं सर् रादे: (क्षेक्क:) क्षाना (रायना) (क (कमना-क्रामकात) यमन (वकामिन वन कात) क्रम्एं (ककामे) निकार (क्ट्रा) देमाम: (देणा : माला भारता माला म द्या हुट: अम्) (अमाडि (विश्वकी डि) अभा ॥ १७॥ (हमारबमाद्यनं अपम्याता । विलाकामाः सटको सम्बनः भागाणी अवस्थर- मुड कार्याने अहि थी कुक : शार (क) साम्नाव । सामाठकमा सम (स्क्र) , न्यान्य व द के (केंस) हतात्र (मळ्ति। १) झामाडि! प्रथ्यान सार्धिकया (स (भक्त) व्यालका (मर्टी) के (क्य) त्या (गाम्ह (गामहर) गाम (बवाम) यवा (देवादामक्रम:) व्याद कृष्ट्रमं: (क्क्रवार्भ मातः , पार क त्रीकृ का शास्त्र द्वांग नकारे:) अमस्य-मर्शान्ति (अमस्यः मर मयकातः हे अमः किकारमा गर्माः (ड मन्यक्ष वसन-व्यक्तिकाम्पि) रेलार्थः) भूबाः (धार्मबी-भागाणो)रेम (अम) नशाम (मिक्स) ममंत्र (वियम) काकि (व्यक्त) व्याममा (7xc) 120 (4001K) 119911

अधायकुरां : प्राक्षार (अप्तः) त्रावारात्मार्वं इं (कारकार अक्स ताकता काश्र कर्षेत्र वाटमार्व : कारकी किंक ट्रिक्स विलामिकः विक्) विवसः (त्या क प्रकाट-इ ज्यार) विक्र विलामिकः (त्या कि प्रकाट-कार् (वर लम्बार्व) अस्ति। (लग समस्तुरिकासार । मार्किकः धन्मा बाक्षा न्याम मार्थासान-समासार । (४) मेरेयां ना सर निर्देश किया है साहः क्रीतः (मिक्न कर्म कर्मन) देलमीयं (outhin) मिक्ट (मि: बादा र मारा मारा मार) यवाहि (मामाडवर भक्षा वि वार) सन्यायाको ० क्रक्ट (भी अर) व्यास्था (लम्माकाम वढ) सुबक्त (म्यामा । (य सन्मान्। क्र !) थाइट रेसि (वन केंद्रेश (बने) जर मशी वात्काम (अभी: ayer grave; alcor) Est Los Los (oron ousare) ousals (ज्यमन्त्राह्म। यन नकदित नकाभित्र गर्राडाउटन मानत्व त्य मान्ति कत्य देख के क्या कार विराव रेक क भार) हि (यठ:) विदे : (६०व:) समजा वट्या : (समत्मः अवकत्मः) मार्वा भूतः (भवववरे) विकन म्बंहि (कर्माहि । दियारी चक्रमीरिष कामीरिंग मैं द ता स्त्री-वात्रि का का किंद पा दास्त मा अमिन GT4:)119211

(लाम सन्। वाना चिकतार) प्रमार कामका-त्यान विभक्ष मामनः (कार्यक्ष) मना (भव्यमा) हैं के दिया । (क्य ((क्या) कुमा; (तवा:) सथीकारंग: (क्यम्भम् मभाः) मक्रीलिंगः (ट्यास्तः) ॥४०॥ (क्य प्रतिभाग में को से मार्वा । के मुन्ती स्थार । कि मुमारे!) पर (अक्षे) हिन् (पी प्रिमार) हिएम (सममा) वेर् रहम (द्वायनम लाटिस) हाड (डिका:) कम त्रिम ज्यान्ड: (जारमन की छेड:) हम् (व्यार्ग्ड) आहे: ६ (मन्) म्यामबार विद्यार्वर (क्षांगः मदार्वः मर्नयाण रक वार्षः (विस्कृता : अर्थन) अन् १ १ १० (०० (० अ४९ ४०) क्र (लाम्प्र) अन्त (क्रिन्क्रम) लाम (क्रिक्क्रम) व्यक्त (CHIZEMS) ONY & SA (OWERD) (MICH) - TOWA - MAN)-नवकीए (काळाम: क्रेंडिंग क्षा : पा मधीयव: मकाडि-त्ममः (जम कीए) पास श्व डेम स्मिविड भपा स्थित (ठेलामिक आदारिक अमारहात आम आपा त्यत विमिन् कार्या भी कृत्य) अम्माः (नकामित्र प्रकः प्रक्रितः) कुछ: (कम्पार देवि । न क्यमिल मस्पा: कार्प हेक्ये:)।।।।।। (जान सल्मान है के में मार्ड । विल्या का कार्यासका । (क) छाड़। (टर क्मलरम । त्र) जिनमार्थ । यह जारी क्रियह (क्रयह)

कार्षालकः (कार्षालि कार्यन वक्षेकिक क्ष्म त्रा कमार्केवा) रेखा (आया है। यह समा) आश्मार (समगंद) मण: (रेपामीसिव)क्रमिरिट्टा: (म्थ हममार्गः) रेर (यसमाविभव्त) लाका (क्यमिका) मार्थ (द्याम) इड! (यादा!) अरेक्ट्र (श्रम्माक्ट्र केट्स) मात : (महिलाता) सिमीन (कार्यात्मालय के की) अये (वक्षापक) चेशमंत्र विश्व-में ये (मन्यत्वर क्ये के किंदि कर के वा (क्य के का दिन का कानामि (धन क्रियान्यान प्रयोग्न पूर्विकारिकारें)।।५२॥ (लम पर्वे मेह्य रें को मेराड का हा न्या हता व या गरा । वि या गरा हैं) के में राग्यर (के में करमर) लयमारा (मार्क्स) लय (कार्यम) मुद्धः (मिस्टिंडः) भार्यकः (चीरुषः) मिरायम (बसाकार्यम) रीक्य (७९ अछ बाग्र मक्षण्यम क्रक)। अइ इन्ह् किन्ताः (हलकरं:) भू ल (अक्षारिकः) क्रम् कुरिकारक-अकरे (क्सीन-कार्यका-सम्बर) वार्यामि (माक्रामि) ॥ ४०॥ आत्रार (आत्मकिका किकादी मार छित्रु मेर) आकि कार्टिय नामिकार्य एवा अश् (अध्या अशाविषां) दिवर । काहिए (६) अभिन (मार्यभाष) धर्मा प्रा (धायर्थीना अन) अका त्माना हिया हिना (सका १ वक द यह प्रमेश ? मूर्य जमानियी वर्य)।। ७८॥

(बच लाग्रामेतारवाक । लाखवास मण्डा बंसर क्या बंदी क्री अब्रा नाम्कणाः नाव्यम् । वार । (४) नाम् कत्य । वर् भीनक्ष-कें उंडात (क्षत्र के के अडिक्स मार) सन्त में शायां (क्य बाक्रकायार) हत्त्रकायार (यम्ब-ल्क्यायर) त्यापर (ट्यापर) लाइबं (कायमं) ग्रेकि मर्। भेवा (सस वात्काय) (अवं (अस्मित्रवस्ता सडी) मार् (वर) अस्टम् (भावार द्य) व्यक्ष (मनाम । इस्मी) मसीख्यार (मम्कार)वर (ठ प्रक- (ल २०००) हेम् छ) (वारिकाय) किए (क्रायण) (छ लाम (यस्ते) वार्डः (कालाम्डः) क्यार नव (कार्यत्र) हत्त्र स्था अड (हत्ता अपर अड) यह की (क्षेत्र) किः (क्रम्) नम् (लकावित्रा मडी) ग्रें लक्षा (क्षाना) कार्य। (यम कल्लानात्मक प्रमा क्षाय दे-मका विभा क ट्रामाण मामीवर विमान किर्माण क क्षि त्र भी कि विष्य । किय व का क्ष्यां में हिंते मि भा रे का रे व भारत का तित कर प्रमाण किय [25xx)110011 किम विकास मार्चित । मार्म किम में के समर स्थम काहित बाधार 1 (द) येथे। भार (हैं) में स्थापूर लक्ट नाम मार (क्लेमक्टमार) सहं र्यल्यः (रावस्थरं) रेप्यावं ए स्प मर्भी: (न त्यन् गाथरः) लगः (क्रमः) उत्मा भडीका (लालामक् (न जनका मु:अर मामिड खार्मिक) केर (मनामान) अभावे (मक्रामि)। महा (क (७४) मार्भिकारमे काउ: (अभा-(रक्षानम्बारक)) विधानिकारीत: (अरिक्रिम) (कार्यकार काल्यामित्वारः (क्रीकामणाणाद्याद्वार ने) क्रामणक (क्विन:)म (म छ वर रेग्छ) प्रछ । प्रण (भार्यापन 20 mile) 11 8 0 11 (अय मिं अर्थामाम) मट्यम (मनी ल्याम) अर महा भीवा (मन्त्री) मार्चनाकामत्याक्रमी (मार्चनाक्ष्य अल्लक्ष न रेक्कि था भा) निक्रमी ज्या (निक्रमी) कू किहा (दावह । क्य) नका लाका क्रेकी लग्न : लगा काहिए ह कारवाम्यक्षत्रम् मार्थ (ज्योष कारवाम्यक्षत्रमे रेष्टि) न्ति। (भीउन) 116-911 (कम काछाडिकी १ समूर मिक अभी मुसार यहि। मार्गम भी माडि-मान्ट्यां भी बार्चमा निष्ठा काहिए मभी जाबा छेता नाये छ बारा मरारेको क्रीयासार वर्षेत्र वाड । दिस्थास ।) विमा मुन्तिपणम (में (मूनानिक: भी कृष्णम) अर्था प्रभाम) थए मूमर द्वत्यात (लय देग्र) वर नव (वर से मेर) मर अमानिक: (अर्थ वर्भ समाबादान) मत् (अहिकः) वामकी (मग्रामा) जक्षी: (विज्ञिकिछा) भानम्यूनी व्यक्ति टार्वेचुक्त्रमं (क स्वय- टार्टिन् कार्यम्म) भन्म, के अविलाल्या थिन इवर् विताहर आताहर प्रणा: भा क्या हुलान प्रभी करा वातु (अश्यान अश्य) व्याहम्भव्यक् रार् (व्याहम्भवं म्यार बान्धार) म इका का 116611 (पा पालाक की लम्हाने प्रश्री मुदार वि । श्रीकृष्कन अमंगर्रः अला किं काहिए मश्री खी बारवाहिड वाम हार् के क्षा ग्याम् इं क्यापा वर स्थापासवर म्होतंत्री सार । (स) (स्थाय ! धर् वाची-वं ने नम द्वा प्रकार कता प्रकार ने वाके मा ठाव कि। (मार्टें रेंगे: प्रवण्यामा-वं कृषि: ७ म ना किएमा द भा ना गर अ वन केळ्यम कपागर मुलान विपाल प्रकान ने आक्रमा प्रकारन-मार्गाणकवा मका ब: वस तह घार्य , प्रें प्रें , दिस दुर्ब प्रथान । प्रयापि । प्रयाप बलाइक वतापुर प्रामनाम् अवावावी (कालकर्ष्यमाना जिमित त्ययमी नार देहिं दे श्रामि त्य मात्र अवाक मताव्य-विश्वातः हम्मानि अयदि अद्यमिश्राम) ह्वदलं मलंभवाम (द्वा : जव अने भागा प्रत थ : क्या : भू म : जिसे) अभि-11 P-911 (OLTISS) & OLHELO (+ OLDING)11 P-911 (कलेकोसराज्यात । काहिट सन्। न्यास्त्रमाड्मकंत्रा मार्किक क्षेत्र । (इ) रेन्यावुद्य हत्त्र । (र्न्या व्य हत्त्र । मार्किक ।)

साया (मानाया) अतः (क्यू अर्थ) म साविमानि । क्यू -टमरमीलीमा (इन्ना क्ष्यामण टमरमा द्वारावरान भीता क्षाका (यामा अली) (म (अशः) क्र का वि (क्षाके अल्यान) उप (उम्राप प्र:) उन्ने विक क्रवं (उन्ने विक क्रिकी क्र के प्रमु कारा (अर) इसार (समीक स्मिन) का प्रमु (असमित। MUNT) 11 90 11 महानि आकर्ष साम्य ह व्यक्ति व्यक्तिक कर विभिन्नम रेंद्र) दिन्दे कमान सिमें बहताह (मर्घाठमोदित्त्र) अर (कार्सन्) कर विश्मव: (कट्या: मार्था) कार्या वर्था: विलिक्षे) न अविकः (साऊः)।। २०।। कार का मानुसाय न सहाय : (का मानुस्क असक) माना-मार् (मारात्मा):) भारतः (दुः)। त्माका मार्थ-ति लि कि (दाना की नह ते जिस्के मिर्ड) अमा (भामकी मे-* @12 H) ON OF 18MPST: ((QUE)) > DNG (@(28) 113511 (छा अम्मर्ग्या विमर्ग्यम् मात्रवि । तिला अभिती श्रीवाकि ्यार १८१) मार्थ ! प्राप्ते रावे: (वाक्षः) क्वारिः (प्रकर्रायः) गाए कमार (मिनिडार) छ भीर (नानिर छभा) भावामारी? (अवस्थाना महार) र् किट १ (ज्या) हड़ (अहड़?) व्यामा क्षेत्र (गावका भर्) ह व्यान्त्र (व्यक्षान्त्र)

as ala (कि. (कामक:) । डा ! (काडा) टिम्म , 14 के थ (अअ) समीर (कर सक समया त्य) सिंद (वर) व्यमा (त्वाम)कार्ण म्यान (जदक्षानियंतर क्रक)मानिजा किर : (नामिना- नामक:) थार वम: मुक्री (मस्टिन) जन भर नमा (अप्रा) गाव्य (कृत्व वास्माव)।। अव।। (मार्क्स्यम् विवर्णम्ममात्रवाछ । विका क्षीकावाधार । (र) माथा! कृतिन-भी: (क्र्य-बृहि:) असी (अभा) अनेस्वत-कृदेड: (वर अपाया र सेरम्स) समारमां : के दृतः ह्यार) कार करेगाक्रेडवडी (कराक्षावियो क् उवडी) ७९ थान (उथान पुः) क्र (त्यन एक्ना) अअप् (विनम्) न दे क्या मि (न ज्यामि) केस (बार सानु क्या के के के कि (जार से के केस) करवामि (जमा) अम मृद्वा (मृद्वाम) अरमे (मक्षक्ता) हिया थाले अत्भाववि (अभावि व्यक्ति वाक्र-अमारा: हत्रावना: अन्या देवाने) विक्राक्त (क्लान्न-मध्रः) रेव उत्पाहिनी (जिल्लामा अहिनी : अहिन उत्मार्भात -क्र अडि यन मिछार) विकामाछ (कविषा) ॥ १८॥ मकी मका: पूछा कुर्वछी-मनी वरामि (निक्त भी कुष्ण) मळेल (बाला मडी) कृत्यान (अमनेगर्यः) आर्यामान (मिल्यामा) अभ कमा अभ (अय) सम्राज (श्रीका बेरेका) 4 2016 (4 BLAG) 11 DE11

(कर्माद्रकात । काएल स्मान्यमा रेज्य स्मार्क का का का वार । (य) रेखा-हित्री-हत्यं! (मुलाबस-हत्रं! जी कृष्ठं! धर्म्) धर्मा मुक्कानम (नी वादामा देलाय:) मुख्य (पूजी कक्षी) मणि (निकात) (क (क्र) प्रामुद्ध (सन्नाय) मास्य का आ (जा पर 106 20) किं (कार ता माड) के ते व हमें क्र के बंद (के पा प्रा) में बहुर कार्ष क्षात्र) असु र मानी र) ए (पूछ र) व वर् सामार (अस की बन्द) कार्या कार्य (सम्मान कार्य) रू (किन) अम्मानिक विभम्मी कृष्णान् वकार (न म्रामनिक: बियमकी हुछ मा विषमका : कर्डनामा धानुवक : मुहना वि त्रमं वा र) प्रवं वर्ष (अर्वावं) प (पाल्याम्य) ॥ गता । म्यः त्यम अ (मारक्शायः (मानक-भाग्रक दमाः अवस्मवं मात अवस्था दसस : अन्यो दुरक (म्न कुर्यू) किता: (मायक-मार्किएं। अवस्त्वाभीत्) आत्राक कार्विका (लम्बाग-व्यक्ता) मिला: यव (वटण:) व्यक्तिकः (अवस्तरः अवि लिडि अरु सम्प्रियः) के कि सम्प्रः प्रमान् मर्भ (अविद्याम:) आश्यामन-(नेप्र): (अश्यामन: प्रमण्डि क्रम्मान प्रका) (हिन्म मृति: (पाक्ष मम् वर्रः) लकारः (माम्बर्खिस्क्रम)) वास्त्रक्रमा (अवास्तः) (क्रिक्सिस्मारिया मान्कांगः (लक्ष्यः) काट्य (राम्यम्बर्) प्रकासन् (प्राप्तानमार्यनः) क्रामिष्टः (उत्पः) (मयनः वाक्षास्त्रक वालपुर) मानुकावापूर्वका करवाता. (इसपटि ए अस-ए मार्गः सिर्धियमार भागुन्छामः : मानुम्धं बक्षांगं, मार्जास्यः) सन्माकृत्यः (सम्पाः क्लानि डिट्य :) 1129 - 2211 (वच के कि समा किलाद की विसे मार्डा । विभाग मिकिक भागाय) सेवंग्व । (मी क्या !) केवज्ञासाम्भाः (क्रेंग्रे-आवस) हार्यु मिलायाः काक्रमी क्रेंच काक्रम्) राम्याः क्रमे : क्या हा का का का क्षा (अप मार्क के कि मर्ग)क्यामिय (क्य प्रकार्वन) बाछ): (की के ती एक दिख्रा यात्री समे बके काकी (क दे की का ;) सा (म्याहा) किया न्य-माल्का (मैं: मसामा न मिसा) लाल. (इ (वर) ट्यमह कर (क्या हिंदा कं) न का कि व निय विक) ॥ २००॥ (सक्तार मा किक कितार की कि में मार कार । कारिक की का का क अप्र । (प्र) आर्य । मवाद्यः (अविकार) मनाव (अस्य वेश-भड़त) किमी कलामू (विजिला (मध्) कु आला: (मिजूना:)

कि वा धारीय-मीनक पूर्णः (अधाताहनाः लाभाः) न मारे (म रहि । बद्दा अन लालम्लाहमः प्रतील्याः। विक् Ein REC (go sogs) en: (e amente) orsolie (disso क्ट) भर (भमार भमा उलम: कलापिन्थ:) १७: सारियमं : (मुर्केक:) अवं (क्यमं) वाम (बैर मार्थिक) मरमार्चामः (अवतः कर्षाम काम्युम्म) स एमर्टिश するで)11 20 >11 (कर्म क्षेत्रक समा अपनि की विस्तार के । नामिक मीर के नारा (य) अर्थाक्ता! (निकृष्ण!) शेक्तेंग (नक्षीताल) ग्रमा: । खरे ((स्पाहार) कार्यका (ये में) 1406 (मर) म् र (निन्द्) निनिष् (निनिष्ठवर्) ज्या) धारता ह (आर्मकान रामाः) अने हार् ही (छने ते स्मे) विहारी-(प्रिष्टि)) प्रकार पटा (माझा) क्रा (भम मण्या मांभ्रम्म) विमा बमाडि (साक्राटी) का (अमा का यसमी) (ड (उन) धन् समा (टमाणा) धारे (न काहिमण) से क्यें!) लक् (क्रिक) लबसर में हा (म (सम) समा आ (भावाका) क्ष्य वित व (क्षण विता क्षित अक विति क्ष अम का दक्की। त्कर भूग का बवल । वार्षा व्यक् रामा-मा काडियामा द्वारी अस्टर उनार भारा मनी क्या नक्यान मही वशतीं (पार्)॥ २०९॥ भाषा द्रात्मा (पार्)॥ २०९॥ भाषा द्रात्मा (पार्)॥ ४०९॥ भाषा द्रात्मा (पार्)॥ ४०८॥

(सकार स्रेड के के कार्या हमी दिसे माठ बाहु। पालुका म्या कर आर। (र) आर्थ! माल्यकार्यकारी मान विकास कार प्रकृति: (यरक्तान्यक्या: रेक्सीलकान्याला: यम् नर्वर विष्मुंगि अविद्यां या जाम्मी एक कार्ड थी। म:) इलि अक्स ह समा: (असम् क्स- हकः) कः काले नगः यवा (मक त्योवना थिछः) भू गाउँ (विवाक एक) भिवक नाभना-निकत्नी वि-वकार्यल-छिमाकव्रे को क्रिका भए भाडि-इ (क) विक्र नामा कूमा ले मामा कूमा वी मेर निक्रमा अमूर्य) रीवि-वार्शानिय किविकारक्ष्य अर्थिय की नहरी हिमाक्स्प (हमनकसीन लिंड्डी आसमामिड:) था। वर्मिकातः (इत्ती- निमादः) वर्मि (हेन्द्रार्थन वंद्या)।। 2001 (इ एक सभा नामाक कार्यकास मार्याद । भासवा-प्रमार्भ स्थित्र कार्यः । (त) ग्रेट्यं ; (त में मार्थः) कासर (अक्टाइट राम मालमा) निजीवसर्वम (निजीव द सर्वे सक्यमः अस्यास्टक (यम एवस) सर्वे म्प्तम (कार्य न की किरक्स ह) मम (के (मारा कारक क्रिएं) विद्यम-छवः (बिनामाजिभागः) न । क्रेंग्ड , त्रोव्हामि-मानि पिक-पिन हुना (भान एका भिडि: भान छ अवारि: सिकार गा कर प्रमाय वर तता - गर एका देखा) कास अर मक्र भक्ती (हम्बकः) नक्ष)ः (नियान प्राय) हमनः : (क्रमा) विडिडि (अयथि)॥ २०४॥

(मकार श्री कृष्णमा मा के कार्न वा मुदायत् । मिलार का मुक्करात । (४) केक समन । (केक सेल सनन हम। मा का कार्यक !) कुर् याम वद्याचियाना वद्वावि एकार्मवापार (रर्म देखाम वानिमालन प्रवाहिमा अप्रकः क्रिकः विल्यमासिय देवसयः भारत्य गर्गा क्यार) नक्यार क्या हका- या श्रेका कर (का कुका का वा कर भी श्रेका महा महा न इस्ति (न विश्वामि) ७७: (७५१) नय छक् निसाद्याप्रिनः (मदान उद्गिम् (भेक्रामन देशमा भः उमा) (ड (02) द्र (काम्यांड) रेगा क्यांड (र्मायाम्) सिमंदम किया छा ब्नीडि: (विश्व - क्यिकी आ ले!) क : वा थार्थ: (स्मान्त्र) भगड (ख्राच्ड) ॥ २०६॥ (क्सामाडिमान् ने मुद्दा वर्षे । सममञ्जूनी नामक प्रकार भ्यान्त्र वार । (र) मार्म । मामेला (रापार वा) रेपट वान् हे (वक्षाकान: भाक्ष मालडाकानेनी- रेप्ट वार्हे) कारका - मेबार के प्रवार (कारका कार्क मेर्ड कार हलामा विकरं विमाला त्यम असं निक कारक कर कि विवक्षर मुकार्ला: हतार) विंद्यर लाडामस्पर अमू अवास्ता (अत ७१) मर्वा प्राप्त (कल१) वित्र प्र छ १ (खिल्लास्त्र न में में ह बस्सिमं अक्षा मार्गा न कर मिक्सिल (पाकमाडिया, सक्या हिया सक् प्रक । का नर)

के के मार् (के का पुर मार तामा वाक मी के का में मार (सामा) यम्य (यव्यम् भृशेषा)र्य (व्य) सम्मन ॥ >० ।।। (म्या कार्यमान ने मुदायनांक । मुदानी श्रीनार्वा थार 102) मटक ! वर्तन (रेमानी १) किमा १ ७ : (मूर्ण :) प्रमामान (उर राम्मा (मन) असर (भर) असमार (मम् मर था अम्डम) अहर भड़ः (अम्राहम आहः)। (मारिक्म म (मी मुक्कम) सामावासम (सामार हिमासमें) अपट (भर) ७ म: (लग्नकं) १ सालका (त्र्याहक) मालका । (क्रिक) (काकामा (हक राक्तार) कक्ते व्यातमं (कक्ते रिविनिमा) सम्भी (व्या) सपडार्यना (धरा व्यार्थना ह क्रामा:) मी क्रिक) 69 (क्रमाय का क्रमाद) बिलायुम ? (गमाक्षाः) विकल् (मियुहल् द्वान) आरो (कत्तात्र) उध्यः (रेसप्राज्ञः) व्यह्यस्य अन् ः (ONE MAIN ELU:) 1120 211 (केटक ममी: मतल्य विराज्यात । जिल्लाका क्रीकिकार 100) मंबरव । (म्यक्षा) तथाः (रिक्रमेयासी मे क्या (वृत्तका मन्तः) मम्बन् (ममा अवन् अवन् क्यम्) दे आमिष् (मानिष् उत्र वाम् लक्का चिक्र्यः) कद्यम (पानि (क्रुक्रार) अं खुः (यवारे मा) कर्मिया (कार्स्प) काल मम्मं (राम्प्राक्षं) क्रिसिविद् (अविदिविद्) छलः (छलगाः) हिस (इ उरात्र)

नय अर्था मार्ने ही- अमन (मह्त (नवा निक्र मी विक्री वा वन्त्रशाई दी बना मः वयर लाउनः (बन प्रमें देन । मुख्य मा प्रें स्थी (ब्याना) ला राम खबत: (व्य)कर्त (र्द्ध) दुमरायुर्के । (१ नगवित्र समाल्या)॥ २०१॥ (मर्म डेमाइवाल । मानिका श्रीवाचीस्थर । (व) त्थेषूर्म एक मार्क ! (क्येंट्रायन रें के किए किए लाक्ष्म) मन्ति मन्तिकितासिक्ष्यं इवना तुना मिन्न विद्या विताभाष्त्र (इव मातुना विद्या-भट्या विषया: पूर्वा : भाः हाया: कास्यः वामल विनामम् चुकामा लाक्षमें सामुदर) (व (वद) सिवर (अद्युवर)पादिका-बाल (मकामाएं ब्यात बकात) वादमां मा क्या: (कार्यकें 不要事)1四次有以我可要而本信:(四次有交流可以在我们 यत्मार्या अहि: कालित्रा: केक्ट्रिय (म्ब्रिय:)के प्रियेश (क्यूवियमवेंगे काहिए) एक्वा माडे हिः (लगा हारिः) लाहिकार (में अर) मकार (क्षेपुर) भायार (खिनकार) केर (कार्मात) वत (वनभाटी) निः अड्ड (२०२० भारत २०१) anosto (anger) IVTO) 11 >0 2) 11 (धाकामनम् पांच्या । नामिला भीया ग्रीया । (क) प्रार्थ। रेमलार असि । (वर) में दः (अवस्परः) के मर (कारिः) सा था: (य सक्त) लार्चे (रिक्ट्) श्वमाद्य दर्क तापाठ कर (१ वसा १ थ - १ के मा प का अप का अप प हिंद हिंदी कर)

, अधीरि (बानीपि) वन: निर्दे: (हनाः) दे ज्ञ र देन देल-क्षाहर (क्षा (अवन मिर्निन क्षित्र का कर) विर्देश (खंक) प्रायु (ट्याकर पर में खि) वर्ष प्रत्य (क्यां प्र) सदा (मिक्टि नव) डोक्वितील (हेम अटि) 1122011 (द्रमभाष्ट्रमाद्र निवासामा कुर्यनी वालिका प्रभावेशपः आर । (र मार्थ !) मण ए (जव) जात (ननाएं) मृगमाजिम (क्सु दिक्या) यं: धाओ वन क्यं: (बिनक्?) विवधायन : (स्निम्मा):) ठाड्र । अ: (अस्टक्ः;) स्मार्धे शिक्ष: (मूर्ण-अमन निजन अधुना अमिलान निष्ठ: निकः, ज्या) विन्द्रायन अवर (अमन मन्) शर : (अ क्थाम) वक् (यमः)लयहेर्याड (र्मत्व। मान्य प्रम्यानः समिताय-出れる山(名) 1122211 (इन्ट्रेंग क्रारे भारे व स्वार कि । भूवर्षाल निम्हि विकादः मभीक्षान नकारेग्य धक्याना १ की शरीए गामेल म्कर ही-आर । (र) कि समावि। मार्थ ! (इ९) भक्क ना उर् क्रम क्रम क्रम रेट्या: (यत्रमत्ताः) हेन्हं (त्रेंगयरं) मिश्रायत्त्री (वेस्त्रि मडी)न रि महुठ (महुडिछ्न क्रेड़। किनु जुन्मिरिएड)व) लामे द्र (लाम) के कि विकार (महों समः भी लाका क्षाम् की हैं।) यत (सकायर) लाभुत्र (पार्काप्त का (यस दत्त्र)) विरवाद्ये (डिडिने) नकाए (अन्यका द्वाकी । न वाजीकार्यः)

मार्थिक है से के था कृत्द (अर्थात्वे क्षेत्रक्षेत्र) भाष : (अस्तृः) पश्चिता (जनाक्त्रात) किंगा जन म क्रेस्त (म ध्रम्लाक म्युक्तिक क्रिक्ट्रिक) (हरान्वभाष्ट्रवर कर्णान्ति । मामला ना का द्वार वाक । (व) ही-लक्ष । (हिंग प्रकाम सक्य । सक् (क्ष । (ए) अमृ । (क (क्ष) प्रम ; (रेप्ट्नियारे) अक्षिक्षेत्र : (क्ष्मिक) मात्राकाः विवन्त (विश्वावम् छ) स्मेलर् विद्यान्या (महत्रकार् (विद्वत-। देवाना क्रमाना पूजा १ मेथमाना वात्महनकवा ट्टि: अन्ड व्यापादकार) जियो कि (मक् वि। वर ट्रोक्फर) मुकी मिलाक-अष्कतानार् नमनातार् वृ ए ख व रहा न क वर्ग छ र । । किक) भविष्ठ : (रू हा:) भविष्ठा (उड़ा वर) पारित (पामिष्ट) काले छे हिन् (ट्यामान्टर) म नश्रि (म प्रार्थित । १९०५) इते कु स्म (ब्रह्मा श्रीम ने प्रार्थि) पका द्व (पन) बिल्ला किंडा (गकिडा) अमि (दिनामे) II > 5011 (हिस्से बे कि से में बे कि । भी यो मारा : आहे मार : भी के का का भी छ समम् अर्मि हिन्ने १ क्या ह प्रिके मही १ कि तर अवाबमंदी विभाग अपर 1(र) एमर्ग ! मर्का उवसक्ताहिः (अवकात डेल्माय डेड वल्ड हलतः इत्र मार्थ नाडः) भवानि दिः (वन किला की दिः) भूता (इत्ये) । भेरकः (मिकिल्ड:) शरिमा- प्रवमार्थः (प्रवीद् छ-शरिमार्थकः)

यगः हर्दः (अय यसाहः) व्यक्ति भी की के कर (विकार भी क-क्रम्बार कालिक) में के यह (क्रम्) त्यार्थ (कार्क -र्षायान किए इकार्) वान्ति हारा (श्रवत्रि) किंग-मश्री वारीए (पार्व वर) मश्र (क्य (व्या) कार्रिक -इमड् (क्रिंन-करोक्षः)क्रमात्र (क्रिकार्य) 1155811 (भार्ष: मान्व क्रमा हु पा इ वि । न निषा वि अ- रवल्म मा भाउर श्रीकृष्णम अमान जी अकानू माजिय हु गालन उठ : अभमान्य ही मार । () व्या द्वार ! ((प्रामा !) अएम (करात) असी द प्रकर्ठ (में पें) ताक्शम्बें (गामाम्बें :) अधाराष्ट्रं (केक-वर्भः)क्यानि महे: (क्रिया-निष्म तः) भर्ति (श्वः) क्रिकाः अब: बर्गड वर्ष: (विस्वासक:) सता समान (प्राह्र) मालिक: (कामीठः) एवम (रक्म) इ० थक्मा० (मर्मालेख थक्रमेनमण् कार) थिया कर (विक्रं यन मार) अवक्रं विपार (अवक्रम) मुर्गम बीजिवाबिती ?) नाए (बाजियाए टर्बन ?) पृष्ठा भ (almis 46 Ell) ari: (286) andri (andri) asó इ अदि: (अरें) भरकारें : (कम्मि:) अवः (धरमण्) क्ववानि (वहाधियामि)॥ >> ०॥ (जिल्ला मूमा र वाड । कारिए मश्री कारिए थाडि अर्थ) व्यक्तिकार्य अम्ममं छ । वाम् निना । (१) मार्थ ! इ वन-मत्त्र -व त्रीपत्न : (हेड म- अभ्र निका- अदी :) अभीवन (वा में)

अ्यंत (सकायत विता) धरे रेट (सरे से हैं) हरे न्यत-प्रशास्त्र (म्लेन अप्रायाः सम्रायम् वर्षात्रे) विश्वि (क्रम्। किक) कर्यात्र गुर (कर्य में क्राड) जायम्य ग) (ल्या में की-करं (य महामुखा व हिलाई) युनिकाई (बारीय-युक्तुई) खाल (म् केस मी यम (य) मिन्त (समल्त) इति (वदसी स्थर-(सवाविदात्त्र) नवाक्षेत्रा (वदीत्र अलेता वस्ती) इटड (अर्थेक्य) मिप्त्यीलये (सप्तिया: त्यन्या: अर द्यापर) रिकार्व (लक्ट) 1155611 (द्रमाद्रवप्रदेव वर्षात्वा । याभवा मान कर कर कारा क) महा (वंड) मरा (भवन वंड) (अममः (खिनकमभ) मुर्किक्स)) किन्रेक्ष्यं विस् (किन-प्रविद्या) अवसारवं (अवसर नास्यर) के क्यूमा: (के के) वस (तस म :) महमी-मर्बि खित्य (आअभीत के अधिव (प) श्राप्त (अत्याखेट) अक्षा (आयर (एक्टार) अलोक्क (अवलश्य । किक) उपममाल (छम) अमग्राष्ट्र अमिष्ट (अपण) निमाडी एके (अमगाडिमाबेट) व्याचि कृत्य (कर्मान) एडड: (हिड:) धा कृत्या: (न क्र.) এर (मार्ड) अमर्भन: (भण्न: (भण्न: भाषावी) थाले म: रानि: (क्रीकृकः) कृतः (मयनः) जम असीमानाः (यम् वार्) आक्रमाड (यामाड)। १२९१।

(ज्य काट्स अन्यम माम्याह । क्रम्य की मिल्य की मार । व या) नाने व (प्रत्यका नाने वामा मा मे के के के कर मक्रा (ठेडवा भविनेडा अकाम) वासवीय विवय स्व विकार् (वासवीय: मिबत्रीय: थः। विवयः ज्ञानिएय क्राप्तन क्रामुभ विकासकामा (माहरमाद्रमा वसम् क्रावानि (माहरम् वसट्गावेकार (बाहरारे बाडियरमें देवल एमें वर में कारी वयाता. कथाकी समयाममः विश्वास्त्यः त्राः शर् लाकः यत्तार्वात्वा : यल्डी व्यवायन : हैम्बेडियानाराम त्या: वार) आहिका- कैंसिसी (लीक हार के के सिमी) स्थिता (हत्या की हत्कत ह अर) मन्यू नाडि (अंग्रेयार)।157611 (अभ का नामिना (अया मुकार बढि) हा सबी कृष स का ह सबीका (श्रमंदीके वा श्रमंद्रमा कार्येश प्राथमंद्री प्राथमंद्री-ममा भा) पालवा केन्द्र द्वा में (मिकेन्द्रवाप) नाम राजा राजा राजा में (अर्कियभात्रे)टमकुषीः (भाष्ठिषः) मानिषाभीः (भोशोनिष भामा । श्रिका कृ छि (भक्तिवि शिक एक शर्) न ना ए (नवार) नाकार अवीवध्य वाष्म्रामात्म (मविख-407) 115×2 11 (कार विकासिक का असि अमर असि असि का मिसा-उदात । क्य क्रांगर भाव करांगर महो। सर्म मं में दे क्या के का नामिका डेनामङ्ख् । (र) भूजमार्कन ! (श्रेष्ट्र !)

स्मिनार्ड: (अना भिना ब्राइक्त मः) आरमार्क: (अन्द-मातीत: मर्थः) देव वर् कामाः (यमाः) मानार (वानू-यामन नाक या क्या पक) क्या (त्या मन) चित्रं (छ्ण्डव स्मा विकास्) हे असीय (आअया) अवादि ्डल्यान वन) जी द्वां (मिन् कार्य भावा विकासकार अमा कार हें के कार (कार) स्म (सम) अगुर कि (2) 21 (2) (CULD (CULD) (OUR) 11 25 011 (लग समा दुवासरी में तार बाद । लक्ष्मात सामुखार्ग अमार्ग भी बार्यना विद्याकि डि ५ छ० म कार समस्मारा नामेला कमार मणमा राव-छळ छम् नालि स्र अकारिक किही र क्रिया भर न्या सामा कर कर । दे कि निर्धा के के कि । (भुदा व्या के क्या कि अभित) तिला (वाक्रिय की कि व व प्र) व व द (विक्रिय) या अन्ति (लापक्ष) अपराप्त (अकामाताम्) प्रकल्पम (अक्टलम) न्त्री वाक्ष में क्षेत्र । कि मह हार्च । कि) मिला अ (महिलान बात) साक्ष्युं (लाये केंचाः) क्रम्मास (केंक्ट्र) क्रम्ड (क्रिक) मूक्टम (अव्या) किलक्ट्र (कीडाकिक्टर) लाउटक (माट्टा) व्या (स्याउ) ट्रायम् द्वर (कस्माट्-(मक्सा) कलाग्र (मुनाम । वर)मून (मूना) मन मना A मर्वा (कुमा) अव (अमात्म) महत्रकताए (दूसन- के किसी ?) कामरीत!) बंद केंद्र: (क्षरं) एम् एम्प्रेस (मेंसकता) सत्तरं भारत्य (Mariga) 1125211

(अस प्रतिम (असरेप्रमाय विकि। त्रामिका क्रियान प्रमुखारे अ मुर्क मानमार त्यमं निर्मा (य) (मामुख्यक । (वर क्रिकीक्सअप्त (माक्रीमं: भ कर !) केंगा किय (हि (ग्रेट) क्रिं (आकुं (द्वारात) श्रिमंदर (विमावं पं व्याजिक र ला) कित्मा भा वाडि: (मस:) लाल रात वि मुं (लीमिं) के वार म रेंडे कि किलता तित कता सम्म म में है। वि व वर्षात व्या (अमस्य) मनी (भी वार्षा) व्यावन-क्मूम भानी-अवि-मले: (ब्नावकार्यक न्यानियोव दे: त्रकृष्टि:) द्वा-(मका (मका वका मिल्ले कार) (आकाममह (त्माकम) बारमप् अविकामकु उ १ रेपर) अर र्म्पर (दिसमस् २२) क्यर (क्न अकार्यम) त्मथ) वि (या जार्य-थ) वि) 11>2211 (ज्य मार्थन-वान्यका-व्यक्तमार्थि। देकाव: व्योदाचा-रकार विकर मिक वार (य) मार वस । (मेर केरर !) मार्श (वमासी काहिए सकी) में क्रांबर से (क्षांबा सामा : में क्राता धाक्त हे लक्ष प्रिक्ष विकासमार्थः) क मुवा (मिकार) हेमर (अयमः) मिने (अअभर) कुर्मेटी (मने) प्रिंशी कुर्में) लागान ((कामका दें जी के का का का कि का का का विकार) क्र गिर्ट । (एम वरक्रा म्यान क्र (मयन गर्म मी) प्य: देश लामकी व्य: सक्तावास अह) and (क्यान) वर स्प्रमण्डं संख्रं (कड्डिक्ट) म्यानाइ।

राता (यमवाट) त्यामी (मर्ला) अक्ट (मगूमा (कट्या) क्रमार् (अन्यान्त्राप्य अपन विमान्त्री ह्वाम अपने प्रमान के ब्राय देखि केथा:) क्षा कि क्ष (क्षा टांग: (या दे कार्य करे के विश्व (कटारे विस् क्रिया) कल्यान (विश्वपत्तिम) ता भा : (ज्याना कार :) क्य व समात (स्वपाठ व्यक् प्रकार हो।। air (a42 26) dt: ansus (orallars) ares: 2: oral प्रकात: (व्यानक) ् एक इंग्यः) देश द । अवस्था : (यवस-महा: यका:) कि तक में अध्यक्षाक है है। (हिचिर्चः) (स्र व्यक्त): (क्षियाक): महा:) विचिर्दा: महा: (सिर्माला:)॥ ११ 8 11 (वन लमसटमें कार) उत्ते (में के) वित्रमा : व (Bray 2 (30)) (200 (300) (20): (20) (20) (कमार उद्भा द्वियालाभेरेकोन्:) क्यार (क्रिम्मकार व्यक्ति (सर् रहा): मनः) व्यस्य (सर् : कि विदी : (18 9 DVAY:) STOT: (FANTOY:)11 >2011 (जन द्रावी: (स्टाहिका: आण) ध्रद्राव: (बीक्कार्याव व्यक्तिक वार्विष्ठाता द्याप्ति) अगट (मनाप्ति)हेकि (वर्ष्) प्रा: (अक्रमार) व्यक्तिकः (व्यक्तिपः) महा: (क्राउतः) का के जाल लाभेन (धार्मिशन लाभेसे में मिला की के लामा मा (यामा द्या) (मामी (मामी कुर) मिलामी :

चिनः (आञ्चाः) छत्र (जञ्जनः) ध्रम्याय (त्रीकृष्णः) प्रमण् (महर) उर काहकः (गिर्णास्योधिकाम्यात्रिकः) (अर् (अवसमः) वक्का: (मधाना:) छात्रामित्रा: ६ (७२०) थार वर्भाव मृत्यापिष्ट्र नियंगः) रेमाः (भागः) प्रतो (अहिता) रम्यार्थमः (१०) खाः (निण्डलः)॥ १२०-१२१॥ (जम्मार नि । भानि नी १ की साबी १ विनि की बार । (र) मार्थ ! (म (मम) टि लिस (टिए) थरा९ (वहर् वर्षाल) वहामि (वार्ष) मं : (हिंद प्रमात्यक)) मारे (मार्क प्रहित दे हिं) म (-4 र म द्या । अ मृ के) ए (एव) मृ वी धान (मृ ल छन : अयम देश्यः) भानः मार्च कथमान (कनानि प्रकार्त) में य कार्ता (य विक्राकंता)। वेद्यः (में क्या) वार्यम (मसार्यम) देव क्षिन् (क्षिनक्षमं) देस्यावा (आर्मिड्यण वय) (अस (भारमम) असिक: (देर्भापिक:) वकारवं : (श्रीकृष्टम) वर्षु म् ण्याचिनावासिम (वर्षु एपा: सम म्या हाब: कार्ड: अवानिधा मानावर्भ छ १) भर् अवनि (माप्तः मान्यात मैं: अम्ब्रियः)॥ १८०॥ (द्रमायस्य भावतं सरम् राष्ट्र। काष्ट्र मार्भ कामचार मार ।(इ) वरात्रं!(र्यम्पवि! थर्) थाममर (मर्बर्) मुख्यान (एममनः) मूक्त (ममुक्त) अन्त (मका) अमूर्(रेयर) स्य पर (द्रिक्स) प्रमण कार्ति (क्यर कार्यामि) इ लाइन

तमा (त्मम अकार्यम्) महः (मिंबक्चर) व्यक्तिक-(मबना (व्या गडिलामा म्स्यित (सर्मित) भ्रम्भभू (अ कुकः) यार्षकार ह समामाम (क्षिमण्याम)॥ >2 भ॥ भेष्ट्राः सार्थः गृति दृष्टाः (श्राम्यः) वाः व (न्य) बट्ये (मिक्कि) स्थाविका: (डिल्मे:)॥>७०॥ (ध्य विषयका दिसा विका : शार) विरेश्वा किसानिका: (क्या: क्यांचा वा वायर अर् भारे कम रेका डियम मुका:) मक्ता था : मर्खदा मणार कथार (क्यमालका) अञ्चाहिक (शिक्षिपिक) (सर (अम्बाम) थामिन: (मर्थाम :) ज : जु (२व) प्रजी स्वारिका : (文章 5)でき)1120211 (उर्देश द्व) ॥ १ वर्षा गाड़ । स्रोधा स्थात स्थाहित स्थायम् । अविकाल्यावर मार्ट मार्ट मार्ट मार्ट (द) भ्रम्बार्ट । इटल । वर दे बेरिकिश हत्या (टिंट रह रावेश अंभं प्रम हर्मा अपहरं ने) विवस (विकेट) विनिस्का (मिर्डा हैका) त्यात्रे अर्रेड (अर्कः) सार् (बिकालपं, यह) विषय-विषक्षा (विषया: अश्रम: उसा) क्ला मर्मी (गार्च र्वड्र) रेप (अय मर्क्यीर) (क्ष्य स्थाद्वन) स्टाम (सम्माना विमाना) भाव के प्रिकार

क्य कामा व्यक्तिवर् मस्टिक । कि शिल्य निर्दर य काम्यानि-मन्यान: व्याममाहिभवनीर १७ छवः)॥ (द्रमाइम्मेम्द्रेय व्यक्ताति। वान्यम् मे कार्य म्यामार (अक्रमेडी कार 1 (x) हर्द्ध । सरहात् । यम व इस्ट लाम केंग (अम्मण्ड्यवर् माव्याम् वर्ड) । सम्मणमः (दुवास्तामः र) यक्ता (अड) न म अका के के न । नत्र (मी या क्र अता) इतिमार सिकार अकी: (इटन: मुक्क्स) सप्टरंत त: व्यामा : व्यानम : बल्ला : वर्ममार) महर (व्यामर) व्यक्ति (धाउद्गेष हराडे)॥२००॥ लुद्ध (वास) कार्यम्या: ह मिन्स्या: ह (रेडि) की डिक: (हेका:) थन जः वर मनीयाँडः (विषादिः) मनीरम्य-1850: (519) (20 N: (2000),)11 > 9811 (कम समाद्रा: बार) केटल असित्ममा ह कमा कर कार्य (काक्षर) व्यम्भारा हिन्द्र (ग्रम् क्या व्यक्तिम १ याउत) (अर (कार्य बार्य) न्नि, (नाम मोर स्मा) वर्डाः (पर्वासाः) क्रिकाः (रखाः) ममरम्याः (डिट्यूप: । छा:) ह द्विभ: (रिश्म: रहरड़)।। २०६।। (करे साउ चप्ड असे ल्डाहा । क्या का सार क्या का का अपराधा अवस् क्षीस्था अक्षा का (CE)

यार ! क्षः विना (श्रेक्कविवरिता) नाना अस सन : (१९३९) भसद्भार (अवर्षः) कामानि (भीक राष्ट्र मार्म) व्यक्ता! (कार्या!) मार्का विमा (मकार्या छ:) क्रिकः वर्षा भार विक्रयंति(मडालयि)। यत प्रमार् अतने) अभे० (अन-भाय 6) नाय लाम्मा: (यमप्रां:) मीयत्र (म्याप्य) अन्दर्भ (देरमव-सगत्तो) अत्रत्यः (अन्तर्भक्तारः) रक्रमान्त्री (मेंमिएक्स) में सके (उक्रमंड) म सिक्रीयर (म अटमी मेरिस्टीम:) CM (सस) M (अमेमी) बार्य: (ब्रम) er हिंद (सर क्रम्) 11 > 0011 £ (मा : क्यून (म्यान्य किस्टितः :) वैभी स्थाप कर् (वैभी-असिष्टि (अस (अम्बागर) नम्कः (पर्याः) काल- यम् वासामा: (वर वासिक्सा:) रेडि (वरः) कार्टिशमर हे कि : (अडार्सर) देना विचा : (आडा :) णः रेमाः अवसार्यक्रमभः ६ मिन मभः ६ ACT: (ANOT:) 11 > 5911

(अभ मर्कामास्म अगम्भवार् ट्रिया क्राकार) आमार्मिमार् (वर) देश से करार (वेशमें मही भर) माना में में है लेक : वहमें : अिलक्षक: (वेषि) हल्सिर्व: (छप: प्राप्त ॥ ।॥ मेर्टरमा के (मेर्टन का : कि में मेर) मामा क्रकता (क्रामानकमा) हार्याले (देट्य) मनम- खिनमाटमि ह (अभाग): विभागा : ह नत्ने (हिर एटटारे नव व्यवता (इमारिक्षांबरको खरवलाइर्)॥ २॥ ज्य (जमार्य) अभक्षमा विलाध: (त्राम्येन्) भूकार् निय वि (काराम) टकाक: (कार्यक: । हेमानी ?) मुक्ष -भक्षापि एक पाना पिक् वव (अश्क्षण । किकिमान प्रव प्रमाट किय (निर्मिनाट)॥७॥ (उन मूम्र्लिक ट्रियार) मूम्र्लिक: रेर्स मार्वक: धानिहे-यार्कः (के के किया) डिवर ॥ १॥ (क्र इक्रमात्क विमेश्य बाद । कैल ब भी कामा में में इंद पत्रा. कत्राः त्रकामश्रीमा जाद्यार । (य) त्राभी ! न्याधात ! थमा (वर) अन्दिः अविकतिः (अकतिः) मपर (भर) धमानिकर (यस प्रकोर) लपक्षन (क्रम्) हान बाह्याना : त्र्राप्तर (मूक्ष्णरः) ह्याकित्यू (मर्कलाक ८६७: मू) हिनी गाउ (डिडिस् निर्भेड् हिमामेर लाउए । उपनार) ४९(४मा१)

क्या (याक्ता) लामुला (अवस्ता) सत्तात (त्राकायत) कसी यवेट्य) आसः (आदः) धनाववः (यर्वनकः) लख्-बाम: (र्ब्रुध- म्या एक क्षृतिकारीना थ्याता) क्यमार्भा (अधिमम्म लर्द क्याम्क शृक्ष वय गास्म) द्यारा (लामगाद्यांति) किकाब (स्थायां मुर्के क्यांति (1211 (eller) (धानिकेयार्क्षम्पार्वि। भग्नामा हे ननामा र वर्ष्ट्रवि कू भारती विद्या डाडी गाडि मू अर भक्ष डी दिवादा भड़गा न्यायम् अवार् अत्याविता क्रिडी वार अवार 102) न्याय! (अदर) मू ए नम्मा (अक्ताकमा) भी डि: (बहते:) अहिल-मादः (माक्का पर्दं माद प्रतिमा साक्त्रामाः मा लग मन) मेर्स किं (कर्र) सेन्र (र्यात्र) श्रिक । मट्स (१९) वा भी वह बें असे वस त्या) मह्मार्स (यामानि देवच यामानीकार्य: । यठ:) उत्र देविट (देक्नी) धम यममणी (अयमा) अजीवि: (विन्दारमा वर्षा) त्याक्षेत्रमंत्री-तित्राप्रिक: (त्याक्षेत्रमर्था: व्याप्रकः निर्मित्र राम्या हिन्दिन निष्ट्र) कश्माविः (श्रीकृषः) वर्त प्रता कि दिन मित्रिया (वस्ता: भी या न्या हव (यव: क्रिया मम्म-कर्-भी वापि हाल मर् छा छा १ देशुमा पर्यमे

ज्यात्म (अर) विकास दारी प्रिक्ष (छाडी म विकास) निकास (बाल: इस : जप्र विद्यार)कीलां (विद्यार रेखि वर बम्पाद मना वर्ड दे स्वक्र)॥०॥ तः विलक्ष-में अदलकः (विलक्ष्या में इंदिलकः) यः इंद (वस-भासि) उद्भः (२७) देवाराज ॥१॥ (वर्षात्रवं १० वर्षां गढि। लमा नमायाम् वानस् म दश्का वात्र। क्ष्रे अवरतः (म्याभः (क्ष्राभः (क्ष्रावनाः) रामत (स्वाद) त्यम (वारे छा वर) म जतारि (म अकालप्रि) काड (धामा: मद्यापि ह) दे लायः (क्षीं :) न वर्म (म त्रामंत्र्य । क्रिक लागाः) त्यामाक (एगर) उपायर व्यात् अकरीक् एको (अकामात्म) मियल (अवि) म हि दिश्य (देन कट्याकीकार्य: । धन्या:) मान्य (प्राम्प न (विद्यमिन) बात्मन ह (अर्बात्मन ह किं) काक्रीक क्षातामान : (बिनाकिस धारिनालेडा मनमः भडिः किया प्रभाः मा ज्या हुल वर्षा । थड: वृश्) अय (अमार्) म्यावली (ह अपवती : अणि) प्रकल् (अवर्षा) म्र सिवृष्डिः (म्राम विष रेडि: जार्वपुर मक्षा: म टम रेंटा) रेमोरिस ॥१॥ (अभ विभक्षमात्र) रेसे रा (अडी के विभावक:) अति के-कारकः विचार्षियी (अवस्थवं अि विक्रियम्कः) विभाभ: मार (द्वर)॥॥॥

(क्य रेकेर्ड् मुमारवाडि। क्या व्यक्तिकार (य) मूर्य! लसे सा (क्ष्री भी क्षेत्र हैं। व्याम मार (क) गर्द । इह । (का)कृत्य (न्यू मार्च) वर अपनी निर्माण कृष्ण (जय अपनार व्यानमनदार्भ नियाला मडा देक रेकि त्रिम एक देक रादिः (भीकृष्ठः) नामणी (अयमण्डी मणी) कृतिमा (हुआ) अला उन (लामन कुल्डि) हलावनी १ हमान (इत्मन) मिनाम (निक्की) देखि (क्य न सर्गक) (अपक्रम) (क्रा) क्री (मशु) विका (एम मकारनम) मिला (परार्च्छा) यभा आछ: (अलाड) महिलया ज्यो (जमा: न्तीतं धक्रकात्य आडिमाल्पभागितीर्) नीम भरीर (क्यानमन) प्रमी जाली वा (वर्गमेका)॥ २०॥ (अभान्य गार्व म पार्वा । कार्या-अमाम के अवेड्री। बार्टमा आर । (र) अस्म ! प्रति ! (र कराम!) नाम! (इ०) के छ: (क्रमार क्रामा मामा मार । अमर बार । (द) अस ! ((अप : ! () कारिल ! (अप ?) । भार्क रें ब किरि (त्या के कामार : उदे दिलार थान जा भी। कारेना आर) कर्र: (ज्याना विंग किं) टेक्ट व (अम कार) टेक्ट (भग मा अवस्ताकिन । बाहिमा पुन्थि) कुन (कून पूरी । वार) रविति (क छत्र न) (मूर्य नियम) लंदाः (कारत्र रेक्टा। त्याव्या वात) नना (पहुः) हिन्दं

किस (मिर्जाकार अवर)क्यामिव (क्रम (प्रकृता) म ommo (मुक्त म अकारकार । लागा आप) अय (मूर्याक्रमणील) राहिंग (सीकृत्यान भा) विकाश (नियाविका भर्ता) उन mando (una mujo) estado (esta tos) orsa (oras i) क्या क्या (कार्य वस) श्रव (क्रब् भवाव)॥>>॥ माडिलभमार्थे इसा (अर्थ) हे। हिन्दिना डि: (हेक पन (छक्री: कार्नाषिकालायाल आहुः) हत्मक्री-हालमात्रूमा-क्षत्रवास्त्रम् पाख्य ०० (हम १ अस्। १ मान १ मान १ मान क सरमवल क्रमक्ष अधिकक नक्ष्य) द्रेर् (खावधा हरे) गार्डः (अकाम) मार्ड (आस्मारि)।। भा (क्ये हेनाइबेडि। कार्यस्टी साम् सम्बेड्डी इ कार । (र माम !) जना (काराधार मह) काम नामका (द्र नता) व्यस्मार्थे (ट्यायक्ष प्राध्ये क्षित्) की हक (बर्बार वर्षात श्रामेया उक्ष कारण में किए में किला में देवानु हैं) असी (काक पूर् कर (यम्स्याम् सका क्या) ल्यामर (क्यामर) व्यामर (रस्त) रे हेर १ (वर अ) केकर सका)ल स्थार । (कतन-अर्भाः) वनावः (भावः ७ व) भावः (इ. वः भातः कितः) भीका (कार्श्वमाड:) प्रव्याम क्यर (क्रा एक्रा) क्रिकर (क्राक्टर) श्रामि (इड र अक्षि । क्राइम । क्राइम । निक (कार) दाह (नवर) द्राष्ट्र: (म देना कर ने

(प्रक्रा) लर्डाकात्र म् (स्थाप्ति वार्गाला) Ash) 525 ales (ourse reg) sige a sily (भागमाता: क आक्रायत्) वेयह (य मकार) करबाछि॥ ३७॥ (अय मेर्जामपायवाडि। श्रीकृष्ड प्रपड-वनकामा अपर्यानव स्या हा आ। अधिक हे में भी ही हं अभा हं आसे वास वास । (र) ट्रावि! (१९) कृतिन १ कर अअ १ (एक सम्मूर) देन् प्रदेश (दिस्थारिकः कृष्ट्रा । किः (कः) बर्माना र प्रम्यामा । (८२) अमें! (अरे!) ममानित्य (मम कानित्य मुस्मिरि:-भारक) नील भार्य वर (नील वर्ग भारिका निषक लायमा व-। में छ १) वर्ग भारिका (वस प्राचन का बिर १ भी कु कार्) वन CHIST ((OLEND) OLEND) 11 3 8 11 (द्रमारक्षा अवह वरम्मा । वामा वार् रेक्टार शाक्ता रात) मुद्र ! मार्थ ! निक्षि अवर्नेन (आयरा जिलाय मवायर्नेन) कल्मिति ना (अक्टिन) आक (रेड: प्रवि) धर्मारी: (4220 actorus:) ord n: (213;) are wirenty (राय-प्रवेशनायक अभी) आवा ् (यह वर) त्यावः (अस्मिलामा मनका नक्षेत्र) (प्रमा) (र्या) न क्षेत्र : (ग्रीक:) व्यक्ष (व्यक्तर) मम्बि (देवानी १) म: नव व्यक्

BAH: (My 34) SIA: BIL & (DA) WY: (MA: 1 कर) इ. इ: (आर्कित:) लाल में कु: (लाज मास्त त्मानव नकः) भार कार को डेवमका जानित्य : (अल द की अंति अपू भ :) एकु: (अप्रिमित एम्बर्यक: लार) साक् (काद्मु हैंगा) भेगावाई (मार्डाड्रेमकार्स)॥ २ ६॥ (क्र मालम समादराह । माडिक कि की भारत माहिमार हन मीक्क म रेकी लारिक स्मार्क म ना के किय के दिन क्रायमार मञ्चर हर देवी अप व अविपास हि से में का किर भी राजा मारी वान एक व लाग अला ने मारिका कर सार्वेगमार 1 (क) माराया । (क) इस (लाम्य) मिकें के-प्रत्य अवायर (तथा भारता) है। वर्ष (तकायर) के क्वा (भरी) लात्यामर (अर) रेआ (अवस्तर) म केमर (हैं। मुक्ट भ कूकं। जब म्याव्याश्या मा व त्रिमाणी जिवः। यहः) अव (कार्या) मिन्द्र में जि (त्याविन-मिन्न-मिन-। मिन्न वा आव (कार्या) (किन्ध्व एए तमान अक्ष के क माल द्यात) दुत्राहा (दुन्न-मूला उद्यम्) आ (अभिका) विशेष (छाउँ) भव विमाम् व (विश्व) व्यक्ता (त्यामा । नाम (मामान-नामी बिके ने विश्व स्था त्रेय विगिर्म स्था GC 20)11 > 511

(जय अन्तामका वर्षात्री निमास्तर। (स) अपा ! जव अर हत् (सन्त) सर द्राचार अनुरंत (अन्त्रांक - यह में ध्रे मत वात्रक (रेकोर) शकामुठ (प्रशास्त्रक) वर (वास्तर) क्सा (बन्य) विमालनागं (विमानंद बनानंव दं)न बमवनि (गर्द)। मरे १०-भन्दा (मरे का महात्वम परे हा में संगु) म स्टर्म क्रि (इमाओं) प्रा (अमा) (हर (थर्द) ानीका (बंगा निकार मान्य) ह ल लाम्मी दिन: (क्या) अर्थः लाल बयर (अक्रा (क्रिके विक् ताप्त्र) लिया राम्यात (क्रिकार लक्ष्युकार हाड) यद्य (लठं नि। कितारी) 11 5911 (ला स्ट्रमवस्तारवाह। अमा वनावनीयार। (४) में त्यां र्दिय (यक्टल्य) ठार्ड्स (मार्डिक्य) देक्यातिन (क्रिम् सम्बा सम्प्रित्यिक) मः ग्राह्म) वासा- क्रमेन (शिक्षा : क्रमण क्रम) वाय व दिस (वाय के वस) ू (किन) क्य स्टार्मी अववंग (तिक्षेण अलात-र्में प्रेंग (में में) त्रिया (में मां) व्य वृत्तं क्यं क्यां न्यां (करव्या (कंगरक्षत्या) थी: लाए अस्मापिण) । उथावी वि समित्र (मामितित) द्वाडीखर (म्यू : आदे- वाद-मः अका माजीक्) व्यक्त (ति: मः मंग्रे) ह मनः पर्वी (मडी) विभिन्न-वितापार (अकृटक मण वन-विश्वाप) न विवस्मि (न निवर्धि में) ॥ १७॥

(अमर्समायमान । हलावनी अमनी (अमन क्रिमान कामान (१०) यात्र । कार सता क्ष्मिष्ट : ह (कार्य कार्त :) त्था बाद : (क्रम-काले काहि: ला) अल्याहि:(हेडाते:) उन्यू प्राते: १ रा (के स्थर) खबरते (सिस्ता) संबद्धार (मार्क करता) यक्यानुक् (क्यूक) विता लाच (काम्मम) मानुका-ज्याम (साहकामा: ज्याम किष्) वर के उसे भुक्ता (हेन्द्रा) यर यर (शुरंड) सयः दुए मण्ड (दुए मण्ड् अस्य: म् वै: भड राठ सक्राम्कामिकारः) वर यः (क्षायाकः) काल्यामचार (सामकामर्य) वद (अडूर । जमामीर क्रानिस्मार म्म. स्माद : अव अव वंश्वा वास्त्र : कई माहिल भागिति उत्रः)।। २०।। (ज्य मर्बिक्सार) ना : मर्च : जा देश : का दिसार : 6 दर्भ: डिकामेछ० जभा अप: अक्षण) (६) शें वि त्याता (मड्बा) मिमपाट (कीड)ए)।12011 (ज्यारक्षाव्यार) अवक अनेवर्मा (अवक्रम अनेकीर्यार) लेबार्स ल: (मब्से वाट्लम्से लास्तः विक्रमेवः) अर्द्धाः (हर्ष्ट)॥ २)॥ (उद्गार्य मेर्डिमार्गा । क्याहिए ह आवती मडार भग मिला आमाहितंत के का कार ला दि हार क्या कर अमार स्थार (र प्राम् । असा) मार द्रम्मी निलाह

(इस युग्रिक आबा तमा वास्त्र) लाक्ष्य (समाय वाक्र सीछ: (श्रावंभा अत्वक्ति व्यक्तिन मीछ: अ मिहः) न हि (तेर) अल्यानि (अकामा नड्ड । वाक व्यक्तीरि: बर्डिका सक्सामा मुाहित्याः म रेक कर्डा म्योबा हा मार्चि विकि) छा बर (जाब मु १ काल (यर) अकृतेनी: (अक्षेत क्षेत्रका मी: आहा ममा : मा) (माधाडा (हत्यम अधा वाक व सामी हत्यमती) काह्यान (क्टड : मी छ : अवर ट्लेम अप्यर वाक वाड नप्रवास ल मर्गेड (हर जा मण्येड) ॥ रहा। (अभ का हिलामार) हा है । (रामा का) निवास आपक्षी. व्याहिभात: (ब्रावर्)।। २७॥ (उत्र कृट्ड श्राक्षराभागाममू पार्व हि । ह श्रावनी : श्राव नालिन बार। (र ह साबात!) द्रेश् वर् भीयंथी: (र्रेव-मार्टिवार) यथ (मार) अ कार्न द्वाप (कार्लग द्वास) रावे सम्म-भागार (डिडं व्यक्तिम अवस्तिति मुर्था मार्थ के कार मिश्रमाः (राम भाउमा) भम गामिन (शिकारिन १) अर्था (देम) वा लाम्।। श्रम) सि (सस) वर्षा

(मल्य- र्या) (म (ला) असी (स्र असा) वस (खास्तर यक्षां) नामें शह करा। (प्यम्कार) करास द्वारत कान (श्रभाद कम मुद्रकार कामिग द्वार श्रीकृष्ण: वार्डड: ७२) कर में अ सार्माका वे(म) काल के ये वी (सेट्री) या : (स्प्रां) मिमसि (करामा उत्र भी कंगीक)।। रह।। (क्र म्माक के का जिला माम मेरा मेरा मान शाम का मान मक्रमा भाग मिलही ० लक्ष थार । (र मार्थ ! रेष :) क्रमा (सम्बद्धमाना) लाभ (हराभा । तहः) केक कंडा मैंद्र-ममरती-वन्तानिका (कृक्ष्वयकार्निया भीकृष्ण रस-विविष्ण मानवारा अमाडकार । जिसकाक मारिएसामारी कार् इस्म लाभुका अपाद र जात ; आ खर) राम सर्व राज्य -(यापन भावत्त्र सम्बान न्यान क्यान क्यान मा वभाड्छा अवी) विश्वस्य (विष्वाम । नन् भूममाले मार्शन का द्वारक्षेत्र काम छ। । कि सिर्वर के (अक) क लार) हा। west ! (अर) मक्र (हाला तेर क्र वारिश) थानी (त्रव:) पायवा-संक्रिल्य (पायवाना में मस्त प्रत्ते) कालिए (राष्ट्रे भव) अभिना निसू र्वा वं ! (भक्त -। मन्यान विभावत :) व्याले प्र: (अ) कृष्ण:) बाजः (सरे कार में बे ता में के जा, जा है (जा मा है। ता का का का कर लताएं के दृक्षाय वली वहनायां धवमव वव नार्डी अर्!)॥

(अम दलकार) विद्रास्ति कर्म मुहत्र (विचावना हे कर्म-(1218) MEN 5 2 ME 6 (1818) 115011 (जम्मायवाडि । कमाहिए यमडी महाया अभागमाम छगा माभी में का का का मामाना : जैरा प् कारामा : जान प ता याजा म मार्यिका : श्रीने वा क्षी रिक) र मही १ अभार मार्ने व या । (ड याम्) मन्त (र्या) रास्ये (सामात आम्टिशक काम् नाक्षिक्षिमिक्षाः (अव्दर्भनीत्रभ) वेद्याः हत्वम भाषाह: विवास: हक्या: हक्या:) अम् भा: (याधन:) कारा देश वर्ष (मिट्या प्रत्यत) मीयर (या कारह) केर (कार्य वंगमला जार) क्र नव मने बडी-।मिका-क्रीम १ (१ के बड़ी मार हुड़ामान) विमः (यन का मीमार । अवस्) मः (कामाम्हः) करं कः (कार्वः) क्रम् विद्वा (जाम्य कार्म कार्या के :) कथा है मा (अक्ष्य कार्यात । मकः) रेखात्त्र कलात् (रेखायक्माले देव) कः कान नग्रधः (क्षः) करी (इस्डी) क्रम्यापन (क्रम्म डेन्स दम- जन (यम) निकाभ यह (निकारा : अयह) कर्गान ॥ २१॥ (अय देशामिडमार) विभाभमा भाकार (अडाम :) जेलात्रामः डेकामिक् उत्वर ॥ २५॥

(कर्माद्वि । हवावनी १ माइलमा १ विद्या कीक्कारमा नामकार प्रवाद नामका-सिमिकर मी केकर देवार विप्याकी खिन्नु मुड्डी ड अम्म ड क्रिया मार । ट्र) मंदल । यात । (कर) उत्के: न निकामीहि (भाने जारायन कि दी मिनिकाम र न जान) अभी म (क्या उम) अवाधा (हेउसम) मूर्ता (ह यक्ति) मर (ला मर मामानामिकार:) मक (भे म) इड़ ; (याता) (७ ४) स्मान (भार्म) मे क्रे (हर्मा) र्काना साक्ष्ट (सस स्थान) दुस्मा ह (गार्केस इ डबार) भना (अवत्याक्य यर) अय (अभ्रत्) विद्यात (विलिश्वा डम्ट्र कृषित) निता-नाम्बाष्याङ्या (माखिलामा बारभव वाक्राध्य बाह्य भगवन्त्री क्या आक्षाद आकार) कथः (आकुकः सत्र) न्यासः (कृत्यः) इवभी भार्कः (श्रीमी:) ४० (काल्याम) अस म किस वानी (कालामाय विश्ववानिकारं)॥२०॥ (अम सम्भार) समामुद्रमे कुर हत्स्याम् कर्म (टमवा भी कृष्णवानिहर्भा जनामार्कर्या कुर्वः) भर्यः समः रेडि वाहिसीया (क्या)॥ ००॥ (जममायन्ने व्यदम्माछ। मूर्य मुल्यार्थः प्रसमवाहिसा मार् माने छाए मभा मार । (र नामर ! भाड़: (भूमाड़:) व्यवन्द् (भन्द्रा)

बहुक: (बिहित:) श्रूमाक्षाह: (Mवहम्क:) अही। हः (तिकः) जिल्हाः यातः (मिक्तः) दुक्तामाति (क्षामाति) वा:) र्रेत्रं ख्यान क्या: (- यम् स्था कत्वक)। यक (लाह्यां) याह्यात (काप्याक्ट लाणक नात समा: १ न्यानमा:) बनी-अन्ति (वनशास्त्रार्) ७२ (७१५क) मुझम (आत्राकः) ब्यान्ड (इटमंद्र) गम (त्त्र मकार्यन्) न: (लसाक) काला-मेर्न (काक्राममुळेबान्ड) यमं व्यक् (तक्षाल मनंड) म व्यामिकारक (म विकोस्)॥ ००॥ (लक दुश्वीराह) स्मृहं (अतुं म्हेड् तम भातमा)(मार-केंद्रका मार्थं (यम) द्रिक्ष क्रमक) वृष्ट्रके द्रित की छेन्ट (क्या)॥७२॥ (वर्षात्वात्। मान्य स्वास्य हत्रायमा अर के कर म्मिक् ए उपर सिंहि यमि न मानी मूनी मधीर अधारम कममंद्रीतं परास्तं लायाक्र क्रियान्। वर क्रमा वर्षेत्र माकी हुं अधिय प्रमण्बसुं भार । (र) भार । रह! (पर्या!) लगानी- का हुमान की विका (का निष्णाना कार्वट्यमवडी कीर्दियमा याम: मा) मामार्थिका (यम वानम अर्फाः (अर) म्हाकालाः (अन्तर्भातः वादान) उत्राचाताः म: (जान्क) क: (क्रत:) जावर वना (भामर्थः शाउ)।

के आता: (मटक प्राप्ति बांगा: लव:) के वस्पायी तीमक्षय-सर्वित) कास्त (म्याम्) न्यत्त्वसः (त्यर रंगगा स्मिन (६०: १९३६ मा। : वर्धाः) मार्थः (ज्या कामार्थाः) टमब्मा (टलब्द्य्य) हार्य: (म्यानकः) य: (म्यानकः) अर् १० (मि।किएकार्सः) मिटायकः (टाकारमाणा कर् (स्टाट्याना: (स्वार्यः नडा १०१२:) डवार्ड ॥ ७७॥ कृष्टि (क्र्मिटि) जायाए (काल्यक्रम्भीमार) निकामर्डन (विभन्न-निविष्य गर्छ पञ्जातं यक्ताः वाहूकी)। श्रीरक्ताकः (1 स्का (क्या के का द्वा हार) व द का का गांद (हुना) 110811 (उम्मायवर वेश अवल्या । ममि कमारिय मनी मार क्षा छन-ट्यम्परि-वित्वहन अभाकं हत्यावनाः मनीः हवानानिः हस्यक-मण बार । (१) डट्य ! त्याविकारिषय उता (व्याविका भी कृत्कत ज्यारेखर जार्जिंद सक्षर ज्यादा रहें। मा। स्यानाक त्यात्मिम वाहर वात्र यह यह ममा: मा) विश्वका का कि अमालाल मिछा (विश्वका मृ: थिका उभा ज्या छ : जा छ : जप अमा मानि जप महा यम गाने है। क्ये छा वृद्धि । निकालाक विर्ताः ची कृष्ण्या वंदर् प्रस्थाः उमा ह अवराष्ट्रः खार्छः उद्यालं नामे दे । क्येंड्र) प्रमा (मिल्र्ना) : लम्बार्का (वदक्तानका) वद्ग (नवीत्ने) मूर: (मिन्डन्र) कर्ण मन क हिए (यम् लियनम् धनार नि विद्यु कहि । कारि

ज्यु (विश्वार्थ)। भरक नियाला अमन्न कालो अवन-मिरात मका विका तें लामा नाम के हैं एन के से से के का हैं उद्यो) अर्थात् उद्यम् देवा का कृष्टि: (अर्थाटः अत्रक्ष क लिं असा भार्य असे असे कामार के क्षिया मार मामा : मा । युलामा मक्ष व्यक्त व्यवसार का आर्रेकामम आर्रेख: काममी कृष्टि: कम मार्ग: भ) अले ह्या: समी (भारामी क्या के में डाका द्रार (EMME-व्यक्ति । वास ताम् हा की ह्या) डियाहर (सरि छ) भ व्या व्याव (म पट्ट) ।। वटा (देमारक्री कुल्मार के अम्मी माडि। टिमकार अहि क्रमंदिकी अरर) प्रमञ्जन (नाहताप्रय विकास विकासिनी (ममन्त्रमण मर्कानाकम् (लाहमाना विताद थामणः उर् मिन्द्रास्त्रे कि कर्त्वाड मा आ, मा कि विस्तार विलासने (मारा मुंबीकवर् ए दिस्माद्रमें पर भा किया विस्मे भारतिकेंग-विहालिण के त्राव कि ि: (विलक्ष में विहिना था गाडिकिंग-म्कालियः ज्याने वारिमिका । नेका सक्रिका तमान्य ने । में ता कार्य के अवसे । में के ने वायमीय रामा: या नाम विमलतकता मानी जन्मा का नाम नाम

क्तानिका ने का हिला है। के लिस के मार्ग थमा: भा) ((वन) कर (वन) मर्थी (अन्यान वर्धी (क्याही) लाजान्तिः (लाजात्य प्रया देश्वादः का डिचान:) शर्वकाल १ (श्रेकाल मारक-भावतिलामाहुनः) क कि ए वर्षे (का हिन्द्रीर) मिन्त्र (मक्क्ण) वम-मालिक (दरमम मालिक न्यामाक विलास यम अवर थन (कृत्य) मीर्ड (मृंगार्ड । आक्ष श्रम् अतः एम भामिता सम्मादिभः छ: जान: जर्दु र: तम इनिया १ डी मिला बंगं : वर प्रबंग लाजा : एडम देखा है। बार प्रकारिं क्रमार अमाया दे हो द कार अमा अमार)।। तत। ताः व त्राप्रयामाः (त्राम्यमः) माः (व्यमः)वाः म्मासीन्रम्यामाए अप्नामार (म्या मासीन्रे का क्षित्रम भा मा कामा वारकात करकात कामार कामार्थित क्रम की मार् अमेगमा प्रमाप रहरा:) विल्ळां में (विल्ळ ९ अपि) माभाष (अक्ष) यह (मार्) न मेर्वा (न भेर्का) क्रमिडि) 110911 (जन्मारवि । वृत्ता लोने भाषीभार । (र पिवि!) भव्यंना (जनामी भूष्णणवी) विलक्ष वृश्मी म्रा (विलक्ष वृश्मी: क्षणाकि अविलक्ष कृषामा: क्ष्मूष्णण्यकी: वृश्मी: अत्री: स्र वी:)

मिलाने जा इस मकिए हों (मिलानेजा मुहिला डेक् मकिया) अवर्ष्यम् समा भर्षा प्रमा हि। मंग छार्वमा है कर विद्याका (म्थून) किन विवस राम्या का निव्दान प्रम: राम अव ८०न: (जम डेल्व्यम्) उर् (जमा कृष्ण्) विनय-निसंदर (विमय् प्रयाप्त्) अमाकूलर (आकूल जारीमर्भा माउया) ज्ञान (विस्पन्छिन जी) एमन (बिन म निर्मात्ने द्वन सटमानक कर्या) मा (मन्ता) सिल (मार्म) वर्षि (बल) भाक्ति (आयारिषा, अठ भव) नाकिषा (प्रवी) प्रभित (उर्क्र न पर) विकाल (अन्दाडालिस । मिना (७) ॥ ७४॥ अम्बर: नाम ममय: (यम):) विसम मैममामामा: (Bass Lample,) die a: (out) asego (stago राज्य भ्यातका) (मक्देर (अस्मानक व्याक सिका मु) का रंग्यः न वि (रेनव) ल ल्लान्ड (वपाने) ॥७०॥ (बर्पारवृष्टि। बागस्या जभा अकरेषाय निम्डी एम्सक-मा वार् अवि प्राप लका प्रवृत्त नार्वत कक्ष्मार । (र) भूष्म! यत (मधार) ला (स्था अही अह ना) त्रा कार्म : (मध्यामा :) oc र्यडाम्का (अर्वाका) विवयं (विवाव (क , कमार) पिकीर (काट्य कि) प्राचित्र (प्राचित्र प्राचित्र प्राचि (माकि मासाई। लड इस्ट) लक्ष्यं (मियामाक)) म

जानाम (म अल्यानाम का तत) द्यात्र । अन्तर (एत्र (अयम्बर) माल ट्रा (यम) आर्थ किन क्रिक क्रिक (डाक्सरंगमाळेक-मेवसुरामे) भिर्मवमाश्रामा (विर्देश: मिर्बिक: किटिकांग: ब्राह्मान्यमा देत्यतः विकाला म्मा: आ कम मडी) सकार्यत (सकाममूट्य) मळा व (mal of example 30) of:) 118011 इमिलियं जात (इरवं: सिम्बनर् अणि) (इयाप्ताः (इयअक्छ्यः) कारा: देहिन: (युका:) म (म कर्यम:) रेवि एम आर्बाड (दमाडि)। भेलि (भाभेगाः) (ए (मनाः) धालुकी-रामिकाः (लहिक-वास्थाः त्यास्त्र लः लकावः र्वास्त्र का ताकार ender: लंबिका रुकेत्:) (त्या: (त्याक्का:) ॥ 8)॥ (अय मादावनमाणि म्यंवरमम् अ अव्यना भामक्रामिम खितिय उद्यास्त्र मानम् क्रियून क्रीकृक्षनीतामभ्मा ज्याजार) कन्तर्वहुएएडा: (कन्पर्वन्तानि अविकास्त्रार्थः) प्राधारम्य (प्राया १ वरमणः) अधाविषिः (अधमाप्राप्त्र-निमृद्यमा (अपन अवंशासामानिक मार् सम्ब्रामिन वन्त्र) वालमा विविद् : अडक्त्रा , न कू तो किकक न्यानिष् (एथार् मा वर्षक स्माज्ये:) म्लायः (डेब्बनव्मः) मूर्डः (मूर्डिभात् मन्) नर्धा विचम्रा (ट्यम्मीनने विलाय स्वत नक्षापिवर न्यंतर्वार् नि विसममी-प्रभाष्ट्रम) अत्व वर्ष्ट्र (विकाम् क नर , उर्जन्ह) नर

(ल्लान:) मिट्या विनाजी म्म्यानः (। प्रिय: अयम् वर्षिक-याब्रिन का खाल हाना :) अमारा : (अम्म खाल वाल) (तार्ता (ट्यानमात्य थमाः कमा थान लाम्कामः मत्साममहा-रमामासहीयः)मार्किनेद्र (मार्किन्य स्त्रिक्त्री वैद्रां विद्योग्न अवस्यवधीक्षानुमार्भीकृष्णवाम (आयक-क्वामिकार्थः) अभाविका कात् (अया न्यंत्रामात अविवाद छात्) अकारीत (अकारीत ज्यात)। अल्लार (मकावयजीकार:)। लाक पत्र हि निस्मास (सक्षामार मुमान क्षामिन-मक्षाना) वासार (अवम्य वर्ष प्रथा भी म लाया माराज्य वरा MANIE) CHE: DELMER 1185-8011 (जम्मारवृद्धि। प्रभ्ना भए की कृष्म जम्बिवत्रन विमीमडी क्रीकारी आयक्त मानागृ अविविश्विष् अमृति ह का वनी खन भिक्षिक कार । (४) में सहि। हत्तावल । माद्यः (भाट्रः) क्ममः (वलवानान विदिक्षिणिणः) शक्षिविद्यां : (अक्रिका-मिलंति:) मर्वतः (७७०) (७ (७४) रेपर् अर्थः (मृडिं) कारी सिन्ही (बाल्येय (डार्टिया) लयना डा - वास्ता (मार्केस प्रविद्य प्रविधारंग श्रिक शंग) रे हुए। (वर.) क्ष्मि : (भीक्षमा) क्रिंग्छर्म-मूलाक्षेना (क्रिंग्डर्भाष्ट्र मम-मुमक्त कार्यिक) की तिम करे एंडिड: (प्रमक्रेस्मन भविव् (७) विरित्व (म्नानिक्त) निक क्षामायन

(य-ह्ल-य्मालर) मक् (वारिहि) ने मह (क्रार वार्टार) सम्भग (अपरात) 118811 लम (लप्डेंबर) में रामानाः सममाति त्वर दिवः (सममातु-(क्रानार् (रष्ट्:) डेहार (क्रमार्ड) अय डावमा (व्यमविलय-म्मा) यस्मा (सक्त सकारवंत) माबारको (समबाजीगं सि मिं) मलक्ष महार्। न उम्ह (अयम्) प्रमाक (अयम्) तिलाए (विकालीभूष प्राष्ट्र) मूक्त्भक्ष हो बेन्द्र कार्यक्ष क्रा भागाकोसे लयदि (भाव) वर्षे वा (मक्से में रें (क्या, (ज्या) मर्वाचा लेकात्व अनू आहि वक्रावा (विमक्षवा) मिलिका ॥१८७॥ डारमा मिय: विवाल (मर्क्या विभरी का छिष्ट घर्ष) जात: । श्रिय: (अद्रम्मवर्) म त्वाहत्य (म कि विषयी छविष)। लार्ट (कार्य दाय:) लास्किक कता यत लसंद (स्डबुट) mange (marke of the many) HULTER 118911 (उम्मारक्षि। नम् श्रीकृक्षमा मूर्यमानस्यव उत्वादमणार् उक्ष मू अर् ह अम बनी अस्मित भि की कृष्णा म छए जना प्र कश् अर् (छाक्ष, कन्न प्रा अखिनामानाई के ब्रम्मां क्योक्सां १ के भोग्याह र्षि। (अभिकाष्ठाकिकाम् कामिन क्षामाने ने पामाने नी वन पानका र ब्नावतम्बर्म जीवाधा उष्ट्र (वार्यम्कार । (र) मार्थ। या ह्यावती (हक्टियो हामभमात्रातासक हका रेलार्थः। मल् हकावत्रीताष्ट्री म्राम्यने) भरीक् लात्म अद्भू मकना (भन्नाक्रिन लात्म भानिना-प्रत्म हिट्टन मह्म जवा मर्कण भूका नका भक्ष भक्षम्म यर अपन् ब्रमामः दिन मुक्त) अनुका (भक्त । मुक्त कत्तु प्राप् आविनामा, मक्ष एका मार्निकवक्षाम् विम्नी किन्ता) अर्जा (अडात्वन) अला (अला मृः अमा निका आमत्वन अत्राः निकालीकानि क्किन्यिण) त्येमकी मालिनी मिसीलन अहे : (त्यमका विजनीण-नक्षन्म असमका। दिल्या मलिमा नित्रीलल मुज्दा वहें ? गटक रेनेक एका र मानेनी औक का प्रमाम मुक्रमा क्रा निभीतान त्नात्म भट्टे:) त्वायास्त्वाम् तत्री (त्वाया यात्रे: जपस्य जमार्क वर देनुमान भीमा वाटक त्यारेकः जादेकापिकालान अनु तं असमित हेन्समलीता) अने वाले श्रवः अस्मानाः (3-21 x) -) one win: (12 x, : 2 2 x) 3 3 : " och 5 (4: क्री के का आ जा जा हा । का हमा का) के अपूर् (क्रिकास का का क्रियायमाल) सनाम्यू १ सम मुख्य (अयर्थ) मार रेषि ट्याहमन (विहायमन्) म्य इहा क्रिको क: लनः (मार्ट् (ड० असु) के एके (अड कार्ड न स्मार जीकार्य:) 11861

(हक्तानमा लाव: ज्यानाद्यं प ब्याहत्व गृंव यान्वर्तं। लाम अग्रम्म कात्परांत कला बढ़िय प्रतिक कृति क्ष्मानिकार। का। कि र अर्थ : का कि ह ना बना वह मारि में । (अ) वाका आरंग ! (८. बद्दिः) वि (बाद्याः (त्वाद्यम्पानामः) दिताः (वात्रकाराः लर्जे काश्वाराः वे वार्ष विक्रायो ः म्रेडाक्रां:) अरम (लक्ष्मणील कुं मैं मक्षिप्त) माध्य धाल (माम अयर्ग आले कि ् भू नक्ष विक मी उन मि कि वात :) विम् क (ब्रास) भा (भागिता) क्या असाय छानमा (भक्रम छन-आश्यार) क्यां (व्याद्वादित्वन्याल) वेबाह्याष्ट्र (ब्रमक्रम् भावात) टमारकेम् मूर्क (क्रीकृरक)भाषात्ड (अस सार) आल्टि मान लाम (अकित्र) स्थित व्याम (म्बिकामहरूके) म यह मुक्छ (छा?) विक् (धामु, किक) क्रा : मार्कः (कार्मिः (कार्मिः क्रावनयम हत्ते:) आखान्यतः (अभारति उम्) मातः थान सनः मूला वि वार् अवि क्रिक्ट द्यात)॥ हन्।। (मिक्क विमान मास्त्र) यम (यमीग लाद) निव लाव मा भाग : (व्या विस्तुन) जूना-समान्त (चलियम अन्तामिक्स ह क्या मार्न : दे अरवा व कर्म : मर्भका) भोड (त्यर) मः नव लकः क्रायान (म्यदं समा-मानुक , वमा) प्रत्यमान (प्रत्यम अस्थामानुक) म् मणात (मळंळ्ट । जाय खार्गायर नाव यवकिकिमाव्यम् मं खमान्दिर्भि

में क दे का मूं) 11 द 0 11 में का का में का मा का कि क्षिया में में का दियाते ह

(ध्रम्तिनिक)॥ ७२॥ श्रम्भारमा (अप्रमा क्रम्यामाल (भव्यम् साम्यामा) १ व अस्ति क्रम्यमान अस्ति (स्वा :) अस् म (म न्या क्रम्यमान) अस्त्रमान (अस्ति क्रम्यमाल (सालकाना) वाक्राम (स्वस्ति । अस्त्रमान (अस्ति क्रम्यमाल (सालकाना) वाक्रम : (स्वस्ति ।

मधे बड़ाकात्:)॥ ७८॥ इ.12 मर) चर कार्यः (क्या हिल्का) में में क्ट्र (स्मान्य प्र माधाकोर (मार्टेस्टर,) क्रमा विक्रा अस्मा (स्थ्विक प्रिप्त) माधाकोर (मार्ट्स्टर,) क्रमा विक्रा (स्थिक प्रम्ये क्या (स्थ्विक प्रम्ये) मिना स्थान स्

इद्धः (क्युकिकार) वस्तुन-स्त्रिंग प्रदे ह अप- प्राप्त- श्वेब- मत्य-प्रमाणितः (अनगरिश्वस्था रेलायः विशा) जिल्लाः । (जावाः) देमीलमा: विकास: कार्यका; ॥>॥ (बच उभार) उभा: भारमा: वाहिका: व्या कार्मका: (इति) निश मा: (विविश डिएम्!) " र " (वस सामग्रामार) रेबलवा-कारि-क्निन व सामग्रा: विमा: (उत्यमः)॥७॥ (वस्पादवन्तं । स्मुबाक्रांकः काष्ट्ठ प्रभा लक्षांस्य 10 सम्।) ला भ्रम्म (मधिसामा) लाम (अवग वमार (क्रावका स्मयत अवि) मः मर्म (वीद्ध) आगाम (अवकार्ष) विदिष (क्ट) काल । खालामा (भाषाम वमन) लग्दः समाव (अवंभे दःमाप्ता साति) लाम कावनं (अर्थ कावनं वार 21 (m) (malle 2/36 (34 246) 9 By (malled) (21 (mm) मतः क्षार (ज्याक्राला०) जतावि (विद्यावराहि) ॥४॥ (अप्र वाहिकान अभागार) कर्नानफकलाम्य : (क्सेट्रांत : बानमक्ष श्रीविक्रमक्वा व्यादं) व वाहिका: 3.41: (2:)11011 (वर्षाठवंश्या । (इ) लाम् । (इमाम् ।) क्य्राव्याद्वित्र (क्प्रवातिष: क्प्रणं वास्त्वा व्पर लक्ष्यापु नथ्ये व्यर्

लक्ष्य हेर्नाहः (लक्ष्य क्षाहः लक्ष्य कार्य (व्यय साहि : क्ष्य कार्य का सम्बद्धाहर (ब्राक्क्या ग्रापुर) लाहरा. (लाकप्र लाइर) न (लाम कारिकाम क्याम्) वमं : केल-चार्या (केल जानमेटक) (या नार्ट का द स जाता (जा द स जार) कि सार्ट मू ह साम आगा: E कार्नेकाः क्ष्माः कानुकाः॥१॥ (इम लाम) लाच मर्नु (इ इस व वमः शक्षः वक्ष वन् (वमः) बरेक्ट (वंगः) , प्रह (वंगः) द्राष्ट्र कथा द ह विश्व वर्गः कार्यक्रम् ॥ ७॥ में क्रं टक्य र- यं क्यां (क्ये क्या क्रवा:) प्रांतिका: (वम: अन्याम:) १ भा: देखा:। एवन (राष्ट्रमा) अपन (काश्रम, Design) dina; (onglass) ed sandui. (an lewan) खिना: (खन्मी: कथर्यका:) (a (बटांग्सैमा अपा:) अवकार्ड (क्यामधारह)॥गा। (बच वमः प्राक्षित्रः) वाना एमेवन एमः प्राक्षः (प्रमन् वय: प्राक्ष: रेषि श्रेपीर् (क क्रांट)॥ ४०॥ (वन न्य क्रिक्स) वर्तः शक्षमेत्रारब्व। क्रमानि वद्यर्थे (व विक्रेडः चाककर मंदायकादेशानुहिलाक्षीर स्थानिक्षिण मेही में का साह। (द प्रार्थ!) कर्प्रविध: (अक् मप्त) (लाधावती (वाध-अड्डि:)

क्षिय-हाराइ (प्रिंत वर्ग वर्ग) विष्ठ (क्षेत्र) भाषपदार (क्क्य्य वड्) भारी (अवी) भार कारामाक: (कल्प्स्टीमाकः) आकातिविवन गड्डि भप्ती (आकातिवि: नाप्रम-तमः क्रमेर द्र वर्ग लक्षां कर अहां के अस्ती विवस्ति अस्ति । . व्यास्त्राहि (अटि)। उमा जम्) व्या क्रिन दि कि कि पर्वा में (अम्बक्षायरं) लाक्ष-आष्टं वे वे ह (ध्यक्षत-आष्टं भीसर्विश-मममळ) लाड्मचार (म्बमार) बाक् भे मीनक हार (बाक्स-क्लम नीवमा हिं। भागक (अध्य) नद्भा (भाग) डेक्सलेखु (आहर अमर्छ १) नाम् वि (रेक्वि)॥ >>॥ (लाम जीक काम) वनं माश्रमार्थिय में मार्वाल । कक् लांग ब्रमें सत् : मड़ा हरवम विछि क्रामंद्र क्षीकृक्ष मानीया डक्रो समास्यासम्बार्स (देशस्य । (देशस्य में) सामित्र (अर्बना) रेस (अमन) उन प्रवालं मुखावानि (द्या : अमार्थः मण्य आर डाल वर लालं श्रीयम- वर्मा अर् उप्वार) हम् (टक्र प्र) प्रमाशिक्ष यम में कर (प्रमाशिक्ष के : अक्रिया : कसर्भ भवा स्कुटिश कार्य: उर्) लाका का मा (मार्व विका सका)?) लक्कामेंग्रेर:) विभाउ (शिरिभाउ () अत्यक्ष) (मृथीर) मृलायता अपा अविकासिक (अर्थान मामान मामान मामान) क्रांग -मधमामनी (क्रमंमधमामा ब्राम् लाहमान वामनी, पाम

क्रक्तमार् श्रीमार् मयमावनी) मन-लानिष्ठ वि (पन् छर् किस अस् से ब क द हा वा भी से अ अस्टिश वा भी अ वा (Dr87) 11 5211 (लाम अधिक लिमाप्त बनं साम सहिक् में मारबंड । मंबात क्यांबार मुद्रेग क्षीकृष्ट: यूरमधार। (र मल्म!) नत्व (मृब्त) (भेवत (प्रम-मस्त) क्यान निक् (महायाप) भेका में विषेश के (लाबीय-प्रकार) वाकार काकार (मक्टर्क मार्क) छ नी (मद्यन्यामी) मिनमः (की गरीम निषम् हारा:) हे लहरे (कामम अनिएक भवानि भम समाछि कि विश्वाली विष्य) निक्षिति (कि क्षितिन मण्) यादा विषया (कोलासन यादंग्वी वर्ष: । परक अनी यम्बन-टाइक्याम् मिछ्युः हेलहरे ट्योम् काष्ट्रा कि।क्रिमिम् मान भाग्वि । ज्या) दूमव (द्वामर् भा भूवर) भक्ष पर (भक्षामा: रे र् आर्मन महानि) अभ अरमर् (अनह मर्) थरवड़ (छात्रा) मिहिः (काम : चलवा है है ज्याप :) त्याय (अक्षर) बाह्य (कारामति । अत्मि वसितः चिन्या ट्याय वास) वकः (यामाः) क्रमें यत्म हर्ए (सम्भूम क्रमा हिन् ए (अर्युत्राठीकारः)॥३७॥

(लाम वासार बरा अधारा हिम्मिता रखेलि। विकास की ग्रेसर वर्ष-इमडी मार। (र) मनाव । उन कहाक्रमर्थ : (क्राक्र सत्ता मधं :) में भिष्यु व (यं प्रमंद्राता मुणकर्षा) लखं (त्रा म्यावमा) माठ्ये लालाट्स (इक्टाट्ट 1 एम) एट बासकास्तरक: (हिडक्ला प्रभावकः) कि कि द्वी ए विप्राष्ट्र वर् (कि कि क्रीड: अक्षेत्रक्ष वर्षतः समाध्वः म्नामाध्वः ७०) इसम् (क (कार्य) वि । किक्क) वस्तारम्याक (मून्यकमल्य) मर्भामाणश्रम् व्यरे (मर्भामाणक् वामा भर्म : हिंदा)देवी गढि (oma ह्यान । व्यन्ध्) भाषा मार्मिक केवी (शास्त : वम् हु:, लाअ न्त्रीक्षः व में वेशव सम्मारात्त्री का कि दे स्थार धाकाति (गळ्त्रीषि) भरक (धार् प्रत) ॥ 28॥ (लग बासार पर्का कर दक्ष हिंदि। मार्था हिंस से पर (पर्व अपि अहिट्यो हेम्मली स्तो यत्र ७२) विकिस्ताक (विकि Бटल **Бक**टल आक्रमी नम्त अय ७९) अनु तं-।अर७० (अनु तं० मूर् । भेट धम छ) ब्रमाणाड - क्र्यमाय (धमक असर लाडि अर्थाकर काराय मानम आवा राय वर) प्रकार टारे वसक देशक (क्या क)॥ >०॥ (जमात्रवाड । रूपा श्रीवाकामात्र । (१) सूचपता ! (७व) देव: (यमः) त्यारकाळ्म (भेषप्रवर वाक्सा । जमा)

उहर (बाक) हे किए पर्वाकिस्तव (क्रियेन अभिकित विकित्या 1 का कार्य प्रका (प्रकार मा वर एक कि का का 1 कि का) है कि: (अंग्यड) सर्वासम्मा (अम्मन्त्रम् साम । क्या) बन्न-कुर् (सुबस दाम:) असम् मम बर्ट (क्रिकिट में य व बादम । एमा) र्धाराबानः समक् (अवर) ग्रेका (व्यक्ति थाता । क्रिक) दुन्य । काक्ष (असर) कालाहक (अभ्र धावम । वतः) वत वमः इत् : (श्रीकृष्ण) (माले हिछ) (प्रकारमाम) छार्) 12 MECO) 11 2011 (ज्यार्प) म्मार्वि। माहि त्योद्वर् : वाक प्रमाणक अ- ननालंबर वार्वरमही जल्लार विधिषम् ही भार। (र) वाल! थम (यर) र्वं : (अव्यामा) विकास-वप्तार विकासर्थं बहिलारे (बाह्यकररे) अवं अवं विष्ये (बराम । किका) उद्गम्मा जानि (अक्क गामा भोन्डमका प्रमेष (अवराव त्राव) देगा डा (देगा हिंग्डा) व्यम । (किक) मिकि की नाए (ठे उपा- त्रिनाए श्रीकृष्ठ वाम जानामिनार्थ:) वह नाए (माक्रमाम । पाला रह भाग) (ज (जन) भागमाम) विकित्ति (मिक्रिमाम । पाला रह भाग) (ज (जन) भागमाम) विकित्ति हमत) डामार्भः (श्री वृष्ठ डायक्ष थः अमलः) यूरे (मिक्टिं) र्रुट्मारेट: (र्रूड्म्ब्टं) कार्ड ॥ २ 911

CLASS ROUTINE

Days	let Period	2nd Perios	3rd Period	4th Period	5th Feriod	oth Period	7th Period
Mon							
Tues							
Wed.							
lburs					1.4		
Fri							
Sat							7

Manufactured by :- M. R. CHOUDHURY & SONS.

No. 8

NETAJI EXERCISE BOOK



Name .

Schoolder ealege

Class

Kath L

M-MM MON-M

194

& PAGES

Price Jai-

(Mer sie, sin gence) sice crysic in inde (mys fale sie) वर्षः अवाक - वाक्षाकार् (अवाको अभारत प्राची वाकारती मुत्तो माम वर) भक्ष ६ म्याम- ममं (देवस-वास्त्रम्भक्ष) वमा थक्तान डेक्ट्रमान (ड्रम्:)॥ ४०॥ (जम्मारमाछ । मानीमूकी आर । ८१) रेखावाची ! उत देखान-माद: (केष्ट में अत्याला) भवं द आळं-। युमें पढं (क्य अक्रेम्सम् अकट्रांड (अकामांति। केट्रियामं टक्रवाक्- खिलेपत्र अकामांति इक्रम्: 1 क्रिक) र्टाला: (रमनाता:) में यसर अम्बर्वाहर (टकाक्रीमिठ अभे रे खिंद लाहर्म ० विषय क्षान्य कामुक्री:) र्रमिक (अकाम्पराणि । अकिक) राज्यप् (विराज्यिक) उद्यं - ड्यापम्स (उद्यानि इसा विनायाः (उद्यासप्रदे धार्तिकारः) विटिंटि (१८३६। धवः) व ् वक्रियाचिया (त्युवमत्या) भवसी के हा (मिस् लभवमा सम्बाह है वारे की के किए। जिल्हा संस्था सर के प्रक्रिकर प्रदाबब्ध, हक्तकाम्भून-भक्ति वृद्धि - जब्ले ड में अकालान क्रमाम् मामान व हार सामानि (विष्य) में।) भारती (CMRCH) 112011 (क्सार्चित्रमेटाङ् । न्यासमा स्रावाहासक । ८४) इति (१३४८५ । (य मूलाहत!)धमा (रदं! प्रिंपमा, लाक नीकृष्णमा) होने गहि:

(दिक्राम्माह: माम देल्क विभवाह:) माम : क्रिका: (देवश्रादा विक्रिकाः) मुद्रवमान्या (क्रिक्कामम (प्रद्रवर् कावेश्वाम-कामाः किस के लगायना विद्युं का व्यक्ति विद्याल मेगा विद्य मिर्माम) कन्नमामणं) था नृष कि : (था नृष्ण थाक्षाविष कि : कारिता (तक्षे कि) लाही (तक) वन एसि स्माक्षि भमा: (त्यक्ष अधिक वाका द वदमति । द्राव मास्त्रिम अस्य । (माक्ष्यमा: काश्रमार समा निम्न-मामान देश मामान:) क्ट्रिये क्ट्रिये (अवक्रिय) आगर (यमप्रिक) क्रोरीध्माहे: (प्पुट्टीम् अवाक्तम: क्यो कार्य : यामवं : त्रामवाक्त इकार्) व्यामान स: र्डा. (१२०४: अक क्रार्कः) कें द्वार नकेंद-व्दि (दियान नर अर्थें के व्यदि वर्गाति) क्रियांसी असिलां क्या (लागंतिया मक्य) है मा प्राचन (सम्भाम- स्टानंत्कन लाक. १ के ता) कमर (एम मकारबंप) रख: लर्डे (क्युकेट:) 115011 (अम वृत्र वम देवाल) वृत्र त्योयत निष्यः विष्यः (विश्वः) सक्र (शहरत्या:) के आर् (क्षीन्म ' विमा) त्यां, प्रमाशि (दुक्त-(मालामकर) केट्य (अप) भाग (म्प्) देकमें मर (दे -हरें) वसात् (वसावक्त्ररेम देवत) ॥ ५ >॥ (जम्माद्यां । क्या थार । तर) मीमामा ! जब मृत्माः इन्द्र (अम्य-मेपार) अकार (केषुपार) आकारवासीय-प्रयु ((आम्बाका-

म्रामा देनाम-डकीर्) इनि (अलक्नि , अलम्पेनी अर्थ:) ब्लाओः (म्य-ल्लाहा) अयवः (मद्रायः) विर्वध्वविद्याने (ख्रिया: कल्लमा सर्व खिलानु लिस्कि) महामान (लाख्डिकान) के एते (सरमें) मूर: (मियुस्टर्) धार्यिकलार् (भाविष्ट्रभार भिकापिकार:) केस माह (क्षि-केस तम) क्ष्यात : (लाई मात : क्ष्यात म्बार: मे । वर) मर्म: माम रमार (त्याया) कार्यक (425) and (alow) 115511 (केरवेडि। की बादारा कामात विक्वीम ही ए हकावती प्रधा प्रयाश्वात्रिक । एक मार्थ ।) एक (वव) मूंभक्क के हा (सूत्रका द्वारा जम्मित्रतार्थः) का अविधूराणेः (अविभक्तरभाषी) वियसा (दिल्लिया) म (म लकेंड) वि अभ्यम्मम बेक्या (अधिक केंड ताड़-म: अर्थः (अस स यव सम: (सम: जिस्वर्धन जार्मानाकारी) का द्वामुंग् (कामुंग कालोमिकान्:) प त्यान (प देवन्ते) में। किक) मात (अम्मार्क) का (यूबार्ड :) कतायार (कंत्राविमा-खिलामार) के विस्ता मार्ड लर्टि (म स्थाता । (अप्राह !) रेडि (दिल:) दिः हरतः (श्री क्रम्म) निक्नुतारात्मी (निक्स माधाला) भड़ेमार्थी (वर्यम्ला) व्याम (द्यामे)॥२०॥ कामाकि रवस्य करार (वस्त्रम्यान्) वाक्रीय नवकि (भरे) मान (क्या के विक्तित्य (क्या द्या मा की वि अस्ति का उप्विलियमे) भूगेषा देन अकामा ।। 2811

(जम अधार) क्याहि दे स्मामिया काल्याम (धायावनेवा:) व्यक्षिकानि अस (काले) त्यन कृषिकवर (कृषिकानि रेन) लाह (आहर) वर समर् मृत कमाता। रहा। (वर्षाद्वि । रूपा आर । (र) मलिए । आमक्षावं विमा णाम वार्वार् वित्मक) (म्बी) अभा (म्यायमा: ममी) नामा (लकाए भम मश्री हक्षायली अवर लोन्दर्भ वडी न उनहीं विहार्य) भाष्यका त्रकुकेमः) वर (क्यार लगाः म्यान्ताः) राम्यतः मख्य-मख्य- ग्राम- व्याष्ट्रम (धार्मियामा धार्मा भाषा मार्थिक मल्यं सम्मः : क्रवंद्यांगाः स्तायम रतिम) लयं (अरमायम् ग्रिशियः)॥रता। (क्रियारवंपाक्षकं सर्यात्वा । अक्षिकः स्थाक्षाराक अवात्रासार । (र) मार् । (छ (७४) असर् हा (लाम (क :) क से विका- लामक ० (कल्पानर्गः कार्नुकः कम् विका-कार्नुकः अव्यव्यः) भूतक्कार् (भूनकं कियर मिन्र्यकेषु ?) मीछर (आजिछम्। ज्या) तन्याङ्गार कम्माल्कर (कम्मेयाप गमिर) केवयन ब्रेस्ट (युपलमारीयाप) ह विक्रतीकृष्म्। अपिकारि हिल्लि हिं (अप्रिक्स समामः जम) का के ब्रिनें हैं: (माडा- विचित्र) रात्रं ह निचेत्र्याश्रिकः (विसे क्याम भूतः ट्लायने प्रभा निस्कृत एका निस्कृतीय उम रेकार्यः है। उठ: इ०) कार्यः (वर) मिरु सर् (वकार्यः) त्याविद्या (стобы) व्याप्ता (क्याप कर) मछत्तन (द्वार्तन) कि (न क्रिएल- कार्यक्ष सम्मान्त्रेत:)॥ रव॥

(लाम पानम्स्) में काम पन (देव के सु में का समें दर्ज) हा गांग : (अटिं :) व्यमक् (व्यक्तांत्राप्ति) द्य लाक्ष्ते (धात्रायांत्यते) लामेश (माक्ष ना) में बाद्यात (स्थायत) इड (लाम) वर मानकेर देशक ॥२४॥ (जममारवाड । मीक्ष थार। (म) कार्य क्रवं ताता। (शबी-नग्त!) वार्ष! विवि: (विश्व अवे।) क्रमप्रमा के ही: (ब मर्म भा असता: निर्माता: कहन: ही छय आसत् जा नर अर्था:) विहिछा (उछमुण: अमाऋषा) # जव धर्मकानि (धर्मनान) वर्षिण (अकरवार शेष) मूनण् (मिक्किंग्) थानि (ज्याअपनि) क्रिन्नात्म (मी क्षेत्रम् दिम) भागमाम कूमर (मण्डाप्तम -कार्नुड् आम्म्सिम) विष्मुमार्ड (ज्यम्म-नायकाडावार जिन्क्कितीय) 11 2 रे 11 (अक्रिक्मण्यं भारती मुदार्बाछ। विलाभा भी वादास्य । (र) मार्भ! (७२९) अस (अभ्रेम) जब कर्ल मीटि: (अमुकि:) र स्याम (यर कमाराष्ट्र वर) कर्ना (वर) समारा वर हार बुआ (मिय्र्यकर) आवार (अश्विममभी १०) मूम ह पर विवर्भ ? (सास्तर) सा विविष्ट (म केंक)। सँ वाद्यः (अवक्रमा) संबद्धः मैकेशाल (इन्निप्राम्स्प्रमं मैकेवलिये) देन्ति (काम्) लागा (लालवा काहर) में भाष्ण (में से वी) भ (माहि किड) ला हि (क्ड) रेगंड हर नव विशिवा (माश्रवाशिवा) व्यास ॥००॥

(अभ त्योगार्ग्याय) अमं अकामं माना (अमंतर् अवामंतर्माक) मू। श्रेके मार्केवक: (मार्श्वके: यात्राहित् भाष्मत्वितिका मासः मक्षीतार् वरका अभीन अ: अपूक्) मा यरणाहिक (यम यम यर भए देविष्ट हवार्ष जममार्किमा । भ : माभीरयमा : (मर्म्हितः) भार (लावह) वर त्युक्त में के कुन्मेर (क्रमात)॥००॥ (जिन्नाश्वावि। जीकृक धार।(र)वार्ष। उच सूर्य धार्मा : (अप्टम्मर) व्याम, देवः (वभः) देक क हत्या विवर् (भीमस्य-मैथम-(प्याट्कर्स) वेद्या (यार्ड) कार्या (क्राक्र) मिस्मे (ग्राह्म) भर्गा (क्रिकामक) व्याद्वि : (भव्य पिंभू) कव-वावि सिक् (करत्रिय अत्रीकु नक्तामिकार्यः)। (क्यारी (मिवसः) मिन्द्रिश्वां (यविशे का) किन ग्रम क्य-प्रात्तिक (देमविक: क्ष कर्णा भम द्यात के । लात से व) र में : (क्यों पं) कि एन ल किस्टू क्षमुनं (रापाइनं)लहें (यावस)।।वडा। (लाम लाकुक्ताकासाइ) राठ लाक्ष्रिंग अप्तिक द्व : (लाक्ष्रींग-उभामार् असमार् देवकोष: डेडमारि :) मिकटे । मेंडर अमर वसे आक् को (क्रमार्ट को) नंति (का अंति) काएक : (विवाह :) ख्य आहम का डेका (कमार) 110011 (अक्क मा क्या हिंस अ) मूराय बाहि। अ क्रिक न वारा भागत व व्लील मैं बालकारी डिकाश मीं क्रिक्रम । (य) (मार्ख : (मांकर्दा)

लिया के के को बद्भी करता में क्षेत्र (मय-क्षित्र वाद्या) मसा (आसवा हक्क) न्यादिकी देव (म्विक सानकार्स एवव) में ब्रिश (सकाआसारा विमा) (लाप (बक्र वर्ष) कर्न-संग्रिश (इस-कमत्त) नमा (मर्मका ठ०००) भाषायानी देव (अमातास-समुकाश्रीति क्रांतिशे विमा) केवममं-करिन (भ्रम लम्म वर्-का हिम् कि) मट्यामार (कालान-कार क) के जमी नी देव (रेक्प मीय-कार्य उव) माजा (प्रक्र के प्रम् मेर) उठ मंग्रह में (क्या हरू - अम बा धिक मुणा के का पार के का पार वक्षामार किंग्ड विकार) मूल (पर्वमामार कर कृष्टि) (ब्रम् हिं देखि हिं) अभी 110811 (लग बाग्नामां लाड्सनोमेराउवाद । बार्कक लार । (र) भार्ष । पक: कित्र- काव्य: (त्याप्यमकानिका) Wa # सिन्न-केटस्त्रामास (अवस्ति संस्त्र) हेक्त्या तः केंद्र: क्या : उप्मास ज्यू ला) उव विकाल (सन महात) हम्मकारिक (दस्तक लक्षका दुः कमा) सिर्धे वं (सिर्धे वं एस) में सर्वे (कक्रवण भरायतं) कव्रवा काक्यम- । अंग्र (काक्यमम) मिल्याप्यमा । क्रिंश् का किं , क्या) शेला क्रिंन नक्र देव प (इ) त्याम्पत्य समन : जल प्रक्र स्थाय सम्प्रायम्) हिक् दिस् (कलप्रमूर्म) रेलीवना छार् (मित्नाद्वसका छर्) वत्रम् (भवमन्) प्राक (कारिति) भूयमारी विषयः (हस्यक-स्कर्म-

भीतार्भनानार् विश्वमर् नाहिर्) विचन्त (बन्नार पर्य भ-श्चित हमनः)।। ७०॥ (अस सार्व्यात्मार) आनेक्षाहर (आसान्त्रसात्मार कि निक्क्समक) ॥ १० १० व्यत्वर्भ (वर्मा देव । विकार की बाद्यारार । (४) ये ये हि । वकारं : (भीक्षमा) अब्द न्यामतर (जनमनीनर्) किश्रिल (विवन प्रधावर) मार् (का. ह:) हमनं करम (माभुण लारे के में अने अविकार) थररा आर्मिकी (अम-मम् किरी) का वाल मूजा (दर्भी) मृत्रार् (मारें) सिम्कार (वनामलप्रवार । किक) आर्र्बी भए कं वाली (अमिक्नाछ:)मवाविष्ठं: (मुडनः अविभाक्न-विल्म्यः)कूनकी-धर्माहर्यार् (भाक्षेत्रक कूलकी नेर्ए ट्या क्रेमी: भावित्रक्ष मण: क्से हत्येत जायमर) हिम्मि (हक्ष्मी कर्षात)॥०१॥ (जम मार्यक्षतार) ट्याममम आल (वस्ता:) प्रवस्तानामर्था. (यरमान् (माह कारमामाता) माम्य ((क्रिक) 1 26 (माम्य) डेडम ् मर्वाप्य किनि हे रेडि विका (विविधेर) त्याक्रम् ॥ ७४ ॥ (व त्या अतं सा एव में ता प्रवाल । सं समा वी वा क्य के बी मार) मा बाहिका मिलि (बाट्यो) लाड्यन-मवसाम्बर्धातं (लाड-मवाका मन् अन् अकृष्टिन भा मवधानिका कूमूमविणायः नम्भू क्षंत्रक) आमेमचंह (दिस्मामार्क) त्राष्ट्र (त्राष्ट्रके

नामा नामी । जिसे) क्मूमलिन (लूखवानि:) पवा (अमर) व्याल न स टम्मे (भामर वास म। वाल के) वर : (क्राम मानम्) वर जमम्ख्यार (क्रम्स-अहेन अर्भाजार) मन्तर (वार्वार मातिर men) on 2/3 (or 20) 1100 11 (अय प्रवीयर भार्म व प्रमाद मार्ख । अस लामिल आप । (प्र) भीतस्ति! मार्थ ! शमित्के ! एक (जव) श्रृष्टिः (लवीवर्) हीन माउ (हीन प्रान मुबम्) उत्याममः (धार्वमूक्षावमनमः) धाल मनंद्रिन (मर्म्पा) त्यात्रिक करता (वक्ष कर्मात्रम) निष्ठा केय ट्यारिका (ट्यारिक्यना, कथा) विपूना (विलासन पूना सम् का १) लामी (लाह्य हं वृत्) हिम् (लाम्किम) 118011 (लग क्रमिक् लिल्बम्पाइबं । लिलामा: स्रेश वस्त्रीसार। (र) 212;) ou CHILLE (ON Y W DIE) OU CHUNG (CHISES) कारम्हान् (काराह्याराम कार्यार) निनीन-भीनामक कक्ष्रीकर (मिलीमा: व्यवस्मान नमारे भार मर्भि हो: नीमाम मा : मी मर्न-हैं न के मिया किया है का की का मिया कि) अभिये में ता के (amin ansand,) saranin (any) sixon) ony-वरवः (म्प्रेंग) श्रिमा (किवलिन) अप्रतिस (अनकासम) बामु (बाम्यर्ग) थामी (कार्यर) ॥ १३ ॥

(लाम मामाक्षेत्रमा लाममामा में विष्या निकार । (४) अाम ; ट्या देशा ; भया (काब त्याक्त हिंद) वे वि के क्या : (तस्यामा :) डिंड्चि (अवद्रामे) क्रवंभी महात (रिवि मी प्रक्रमधारी) वंभी (विमाझकीयः) क्फेमावः (श्रविनिविक्यः) भूवि (विवाहार) मद्राक्त (अल्डाल भग्रहत) देलि (नर) उनमार शाम् (क्राक-सार देकास रिकाष्ट्रिय अर देवत : लाह न्र्य रेसा) भी मेरी क्ष में वर्ष: ((आहम आत्रु) मा (स्प्रांग्रा) लाख्य में प्रवित-स्तम (अडतः कमर्नः उकानिति स्तेनस्त्रे स्तिर्धनाद्रत स्पा क्राया लिखाः स्थाः मः म्प्रास्यः (वस स्प्र) य ह्य (माठा)॥ ४२॥ (लम शबुक्ताह)लयेद्याना: (लप्तिमंत्रामा दुरामंत्रामा वाहिकाभाष्ट) भीला ह रेलि बिद्या (बिदियं)हिंदिल हेछाल । (ज्य) अमृहायाः आस्य (ठेउर्भात्) रक्षाः (यभार्ड) अर्थना देग्र भीता क्यार ॥ १०॥ माकारिकी (प्रायन-कीडा) जाउन् (यर्नामन् लालाय: अक्टिक्शनं : (आवर्ष सार्डाननः) (मन् छि: (भवाद्यास्तानः) भद्मनामिका बीला भगर (व्यर)1188

(क्य शक् रिकीलामार) लय वासकर्त्य क्यालियारी (वामक कर्णेकरम्या १ वसाएकवा) मक्त्रीया भावता ॥ 8 ६ ॥ (जय राममूपाद्वि। माममा भीयाधा भाषा । (र) विनामवि! मूबाक्ताः (एवमनमाः) वात्रमञ्चल ममु छविशविधमः (अस्व: अयोक् देव: वियावानारं विचाला विचारमा त्मय वर)वर के विश्वक्षणमर (अ) केकः) (का) (मिसे) सरम-ममिला्स्रिकः (मद्दान कार्यन थ: अमुझ: अभाग् नार्ड : वर्षेमिडि: वर्षेट्र:) रममः (माउर रहतः)॥ ४८॥ (अम कलकमी जाम प्रवाह । वंपरिण: मह तमन १ न्यो कृष्ट नमादी क्रीतादा अमग्री क्रिकार) लक्ष्मकाहर (लक्ष्मप्र रिकं सम व कि वा मिला भी:) का कि वा आर (का कि वा असा आर) (अन्नीर (क्रमु क्राय (अन्निन (उपम्मन न क्रिक्न) देममा (क्रमुक्राय क्रम्य (अन्य में क्रम्य क्रम्य क्रम्य) विश्व मार्मी क्रम्य । र्वाने: (विक्रमन्ती किन्नमुक्त भागतमायु अविमामपुक्त भीर्था विने धमा मः) कल्का एका सन् गुरु विभूसन यन डभी विद्यः (क कम्कारमानतम म्काला: विभूत्रामर्गमर्ग डिंग्डा विस्र : टमाडाबिएएसा थमा म:) म्रक्षः (अक्षिः) न: (न्यमाम) (क्ष्रिके (क्ष्रिक मर्) विवस्ताव (बन्धार्व) 118911

(लग बाजवसरायवि) अध्य अध्याक - केंद्र : (अध्यर अद्भिक्ष्यर अहताक: भिन्छ् र कुछत्रभूगक थमा म:) धमुक्तमाछती-हर्षवी अवीठः (अमा मूक्सअमाप विक्रिंग भा हर्षती जानविष्ममः उपा अवीवः मार्चातः) लां इति : (अकिकः) लां अवम् जैया कि बाल (मह्माणिकाल क्लाकात्म) महेम (म् कर्कम,) भ्रम (बार्याणः) वर्षः (धानकः) (६९मवः) आउत्ताि (डिक्सनंग्रे)॥ १०॥ (ध्य त्वन्यापम्मारवि। त्विक श्रीवाधारार । (र) वदार्थः! मार्थ ! कर् कर देश के मिलंदा के ने जन्द (कड़ी मा बाम बड़ी मा मर अवसुरित अर्थाणालन आर मर्मकर् पाक्रनेवपर् यमा जर कि। किए विद्या निक् (कि। किए भेष विद्या रकी दूष विक् भक्ताला यम ७०) माहिस् सिककम्पर (आहि निर्मक सिहिता मुसु डार्य निय नियम कक्ष में भीया भमा ७०) छितः प्रकाति-तियाक्वल (छितः बक्ष भाग भागक्या भक्षाविती- तियाक्वल सम्बाह हाली यमा छ) कू प्रामिट (अयम् विकामिए) धर्मत् त्यालाभू भी- मण्डार् (ह असाभू मीअर्म नार) ब्लीर मधान (भागमा) निलंद का अधन (निलंदि) रेकारम संस्था हिमान रामा वर) में : (लाम्या राम) लक्षामल (ब्लिस्कार नाम कः) मिक्क (क्राक्षा नाम 四河東平)118かり

(लाम (आर्यार मेर्यार चाक्र । खिलामा न्या के कार्र मेला मेरी म्यासाय) (१) मार्थ ! अर्जूकी विमया केला जूनि (कर्जूकेम) वाकिसा १ सहय : (मा लाम: (वन माज्या: यहा निक्या: वर्षे पर्त: मयो य:) जास्त्र मानाई मीक क वृ : (मानारक्ति मीकका आखिल वृ : वृष्त्र (यम मः) लाम सालास्व: (अकिक:) हिल: (शल्यें जिल्ला) अत्रा-विमार्छः (मुकाविमार्छः) भूवः (धाक्) धालीमाक्रमः (धालीमः कर: अये काम का का का का का में त्या का क्ष्य) न्याका नुष्यं प्रवीधारिक भरी बङ्गा दुराल माला का वा विवान माता-रवं (मक् कि कि पिरिक्ष यम लाम हरे दिक्ष क्रियान क्याति। मास्का मिल्हनलमा मेमि मा मही क्या मर बक्राइ बायर सर्वाड्य तथा भारत्या) मारं अमं : (विकारं) त्यास्य (भारायमं क(वा की कोर्यः) 11 60 11 (लाम अवस्ति स्थान से सारवाड़। स्था ने मा खुना मासार । (र अस !) कम् किछ-सम्ब-स्माद्वादि (कम्किछ: कीलाक्षिव अव-नीतर्भव कलकीकृष: मन्त्र-स्माम्य: भन्त्यपूना : थार्जि: (आवस्थित (त्रम ७६) अयोर (यात) करं दे ती मा (दुमाला) लसकर (पाक्षिप् कर्ड) कार्ट लये (क्षाह) समाम (सामगम) (आयानन: (भेथकमिणवपन:) किन-मृणकातकवीक: (हाल

ह अध्य र यक्षा न प्रमात कार्य न क क क न दिन मार्थ मार् इति: (मार्केमा:) भम एकास्थर (एकसमे नार्ड) एड्या-(लक प्रमान्त्रिकेट र काल) । लेका है। भी करिया । क्षेत्रक काल । । किया । भी करिया । हका ने (हक प्रके कर किट) । किया त्यन्य-मेशि । अभिक्षान । विष्यं मेशि । रेंत्र । भवान । क्षेत्र । वर्भी मिएं ! देवि (वर्गामारम्भारम्भा) विम्नभवर् (धार्विन्नर् गढ़) समंबत्त रेयड (प्रधान्य रेयड) लास्त्रम (लासस्त्र) स्यः (यमः प्रमः) देवी न शिशीकार्नः (देवी मः देवातः शि श्री रेवि श्यानी: व्याच्या भन्ना मः) हार्यः (अक्षिकः) रह (व्यासम) 11 2 3 10 (Marin) 11 65 11 (असमसूका रवि । जीवारी नालिका सार । (र) अरवि । ध्यूलद-मक्मकार्यान-कार्यान-कार्याः (धनुवन अविवादक्षम प्रका मक्र भार भारका धार्मान्ता: धार्मान्त-नानिता: हार्मित्यः ब्बस्यरमः अम्मरमः न्त्रीः ल्या वर मभाद् मा) म्रवनव-उक-गक्न- शक्ति-गदीक काल: (म्बाममा नेवाबलमा अक्ष्याम् थः भक् : हर शिक्षेत्रेड र्यात्रेड या बार्या महीया द्याप : क्रोटा विभाटम नमार मा किया) एवं एक का के दिले का हिः (एवं अवर हकाओर: हपडों।: हाक्या राल्यरंगंगः ई होगाः से हि: प्याला-धमार् मा) धार्यमा (श्रीकृष्णमा) भाविम्यामार्चे ने (भग समी-मार्क्ने) सार सममात (लामक्यां)॥ ७७॥

(अम मंत्रमार) गामाह्या-मानान्त्वातेः (वामः वमः १ र्या तर्वे वे के हिंगाम : त्या र लम (व वमक (व :) हे त्या (हर्वास्ट्रे) मडम् (लावर) ॥ ७८॥ (त्य वस्तिरंग्ड । मार्गास भाष्ट्रास्य । (प) मेस । (वं) अञ्चीकमधममा (अक्षिम) क्रिन - मडल (काटे-डाएग) अमूव-मान खालाक्षर (अम्बर्धान: र्मामा कटाह: डेक्वन वाहिसक् हिका-मुक्ट) बाहिक-देशी असूवं (बाहिक: क्षा दिनी मा असूरना त्नाला (यन ७९) त्रमा (ब्रायन) अञ्चल (र्यू) म वि भन्तामि कि (क्ट्म जरलाकमंत्र)॥ ८०॥ (क्राइब्नामुक् अपन्ति। भी कृष्ट: भीन बाधार। (र) वार्ष! लयप-क्रमण-वाग-बागर (लमपः तः क्रमणवागः अमबागम्। o सार कारणा का किया भमा जि) छव अवर धामु छ (विकिन) म्कूलं (अर्वममं) क्रिकं (अठार्यं) क्रानि (देवकार्यन वहार्व)। थ९ (पृक्ति) अय (अभीम) अभ कारे (मनित्र) निका नामर् (प्रथम) वामर नाक्ताप र लापवामक) मन्त (लाम्ते) लाम् विखने व्यार् वडूव (विख्योन ब्रिक्सिम् भाष)॥ वडा। (अय ह्वाम्पात्रवि। औवाधा आसिलाप्तर । रत्र) विभन्नार्भ ! इसिमा (अकिएस) प्रमानुकर (प्रमानुकर) लाम्यामिक (ल्यामा कसल्या मेलसं) रें क्रम में में (वर मार) प्रवंत

(रामु त्यमंबर कर्यात ' कुने) पत्र । (लाक्ष) निर्मेश (अपुरा) न्यक्षेत्रवः (ज्याक्षेत्रप्रिय द्वः) कराप् भीयकम् लक्षः (समंबालकर)सम अपु (समाम) कर्य दिक् कि (समंब्) ॥ ६ ।॥ (दुराजवप्रकें करम्माछ। ज्युक्षः आह्य म्यद्वी ल्यापुक्ष वस्तेय मेरमत्र) इन्दं आमुका कान्यीक्षा (वादंग में अपमार् सर काथ : एक कारि देशिकीया (जन) शासन (किक)कालान-एक (किन्न) (मड्यमल आल्यासमिन निष्केत) कुडनएमः थूलम (कूडन-इर्मन किक) देखां डामा (देशक पूर्विमा) कनका शंसम (म्वर्यसाम्य) मामिला (शतात्रवा मनी) प्रार वितालि (लडे: भारताह) 116011 (अम मानामूललत देनाम्बार्ग । नी कृष्ण थाय) के भी मानामान टकटलर् (म्यामाना व साम्पातिक मेल के रे (मर्म) रामा मर: (स्मा कार्य) नात्मात्म : (वर्षात्र क्रमार्विः) क्रम्प मर्कारं: (ममर्व:) धन मीगढ़ (धनमासन कानंदि। किक) कटमायटमा: (भिटिमा:) का लाख (ब्रिक्स) कार्यः लक्ष्यकर (स्माहोसकः) शर्मेय समाव (समासमात । क्रिक) धम्मना १ वार्नेशितः (Con विकः) धात्मन क्राक्रेम (हन्त्रामान्नू-(स्वनक्रिंग) लये र्दे मं ८० (त्यांग्रं) में रे यः (प्राण्य प्रमांगः अधिकारा:) यतः कः व्याल- (व्यक्तिः) विमकाः (मेलवः) [स्म: हर्के द्या: (सिम (प्रचार्गाः) में मर में कि (स्प्रमेख्) ॥ वरु॥

(द्रमात्रव्यासक वस्त्रात् । में ही चीकिक मार 1 (र) सात्माव ! मर्): (कर्ममा) वर कलंगाम: (म्यन-क्ट्रियार) म्यान:) व्यन-नाग्यास (उत्तमुर्ज) लयम् दासान (लयम्बाम कामचायर ममानुकर) र्वेत कर (सन्त:) किस ह किन का नम्म (वटमहाम) एस काल (सामक) दुलासकायां (यर दिलाता चिवंशीला (म दाव: उपर्र) व्यापी १ (वद्व) 18N 3 11 0011 (थम अस्थानि थार) लगा: मान्नित्रेषा: ह रेजि दिशा (दिनिना:) प्रश्वान : मजा : (निनीका :)॥ ७ >॥ (जय नमान ममाक्रेन थार) वर्ली-ल्लीवारी (वर्ली ल्लांप वर्ता) भीडर त्योवडार (अर्थ- मुवाड:) द्यनेकृत: (ह्वनामर कृत: लाका छ - काम :) अराष्ट्रिता : (अराष्ट्रिक हिंग : 'क्या) विभक्ष्ण्यामे -निकान: (वीनाम-क्वित:) । जिल्ल-कोलात् (ह)रेष्णम् : ध्या व्रित: नगा: अम्राक्री: कार्यका:॥७२॥ (वस ब्लीवंबसे सारवात । रेसा क्षांका सर्वाचार । ८४ म्पर्गः !) वक्त्वा- ब्राक्ष्मि (वक्त्वामार् ब्राक्सिल भूश्वभन्नवारी-अकारम निमित्र) पात्रपर् (जमानम् किमिन विलयः) निक-डिक-कूर-माधाम-लाबामित (जिला: त्याकिया नव हिला: विकासिकार के ई दंव अक्षेत्राता विस्वाव : वश वार्वात्त्र अक्ष्या भावित्)

अभागः महल दवं : (मा पिक्य- वं वास्ताः आक्रकातीन : आक्रमार्कनाहि-मां: लम्पेट (वन्ने आक्रमक् निक्क् नक क्रूबिमा वार्षः) वा बी दं में ये शै- यंग्रमा भिलार त्यार (बार्श्वर्मेश्रीय द्याममें स्वीप्र सर्थे से के वर्षे । भिभागः हे प्राक देवी असी असी सामिन : (मनीत: भीमा प्रक: लामिन: बाम्यका भ:) वाका दिन्ने विवाधावाम प्रमात (वाकागा स्मिन्द्रमा द्वास्त्वामा अव्यव्यामा प्रामक मार्म) पर्तामः (र स असम :) (यत्म : (अ किक वर ना :) नक : कममा : ' (कल- निमाप:) देन्तीलिंड (प्रकामा) 11 ७० 11 (दुराउवपादिवर तर्सात्) माद्रम्य (माद्र तताद्रा सर्वे का समया तता वास्त्र)सक् सास्त्र : (मिक्क:) ब्रुमर्च-उक्ष (क्ष्मिस् सम्मेतिक) भर्ष करण्य वीय कर मा उत्त (क्षा क्षा मान-मीत-वाष्ट्रित (माबिकातार्भातक्षमा भीतमा वाष्ट्रिता बालिक विश्वी स्थालक (पक्षा) (वर्षा (क्ष्या) ज्यम्सक (कालाकार) अद (प्रमेश रामा मात्रमा) मर्थीय (आमे 日本日本)11 3811 मत्तिमार् हेणी जनानार्था के क्या मा क्या निक्षा र भिष्क-प्रकल-मिनीर)भूनती-निममाम्ठ० (क्लीनवाम्ठ०) सम्बद ((क्षकुर) अग्रात (श्रिक्ट) ॥००॥

(मेश्वेयम्साइबाल । व्यावा लाय । (य) मार्ड अर्वर अ- धमा (सक: दुसमार बर्जार दिएमा: आक्र क्याद खमा तमा: सा) वाक्राद्मा (यवणांतवरा अक्त लायम-अत्यवा) वाक शामनाय- विष्यु (वाक्ष्य-भव-खकामात्म (लोक्षम्का) भा (अभिका) म्वती उम्र (अभिक्रम्) कर्मारातः (अकेकम्) प्रक्रिसं (मैंगरकं) में दे (यकः मला स्रोडिका) । अवके (क्रामार पर कर्या देवान्। । कुने) वैं प्रमा (प्रोलाराम यक्त यामाबार्या) दम् वा (बस्न) आग्रेय-काली (अल्यावयर क्रक्तमन मठी) अभि पाम (अम् (अम्क-माम् र) लामायो (मुक्री) मह इस्ट ब्रिंड (क्ष्रिकः) क्ष्याम (क्ष्यांनि) उर व मंशाकर्वा वि (अमाक् मं भर वम प्रीक मं)॥ ५ ६॥ (लम भीवसराइ रेवि। रूपरामिति क्रीमंदा भाम कासर। (इ) माम । केक तम म: (न्युकेक बस ल: (मम:) तम (तम) मामुके (क्युक्र) सामायार (सामक्षासास्र) आमनम (आसान्द) भामाम् छ (भामका अप का का माने) वर्षा (मिका वि । प्र १) (अममा हव । किला) निकावि म्यारे (यम) विम्यार मूर्मण लाक ख्रियात्रत) लस (इकासकः) रें दं भर्त (द्रावा रेंडेंडे Talous) 119011

(लम तोवला म्यायमाल। आल्यामी भीनावा वसमाना नवाय। (स) मार्थ ! (मानिए!) कमा अलमे भावें प्रत्नाधीं: (लोन्ड-ज्यूं) यम वर्षावकार्त (एरपवार्गाई) (बामाञ्चा (बामाक-(पाटमा) देलेमाम (व्यॉय-काबकाम लाग्र व्यॉमकावक-र्यो (यासाक्रमधंडें) केस्बी (वहनेशी मही) । स्यावि (भ्यात । लाइम !) ख्रिमिक (समा आख्रकाक मेर) म: र्शेष हिन्त (स्थान-(स्रोबंति) वैष (विवाय) क्षाप्टर (स्थाप्रहर) थानीक (माडि मडिए म:) भार्य : (भान्य नव) रेर (भार्यन या गर्म) लास्य (सस लिया गृह्म माराल्म) कार्य वास्त्रीर (orthox 6) 11 99 11 (52 stud) (देगायवंगात्रवस् । क्षीकृष्ण व्याप्त) यर देम् विद्याल (व्यानक्षां) वरीम: (डेल्सर्) नव सोवडर व्यक्ता (व्यनवमत्व वक्रमा-एक्रे.) तम स्टें सर्गाड (इस्मेड) वर (क्सार निर्क्टिताबि थए)।क्रियं-विका (।क्रियानि वक्षपालिश्व-बीका कामि क्याने कामि देव विका महा यथा: भा) वाका-क्रमेस-सर्मात (ब्रिश- श्रमात) द्र (लाभ्रम) भ्रम् oct (अर्खा - करे अपाल) वित्यम (असिका)॥ एक। (लाम लियम- केप मेरा के बाद का का का कार) र्मा स्थान (इर्मरन् पूमकुन भाविशीला भी वार्या) रे (वास्त्र) इर्भ-

महिकः (येक्ष कर्मात मर्थमांग इक्ष्यः) क्य (क्षियं) क्षायात (बीच-धार्क) कल दूर्ममाप्ट् (कल दूर्भामार् वयर्) निलाया) (क्रा) वर प्रांच-स्वाप्तिंग (कर्ड का क्रिक्स) प्रेंबें स्थापः र्नि इक्ता) मार्ने समा (एकमा यन) । म्यं सः (अससमार) हाकार (हाधी भावकार) भाभ कममी म तम (म फाण्यकी) 11 9011 (द्रारंत्रपात करं। न्युंकाई प्रिकेंड म्योक क्या प्रवक्ताव) गा मर्बिय-नम्बी हि: (धार्य - अवादा:) धाम्र (कामामा) मान-प्रप- मन्मामा (क पर् - प्रप- नम- मा माना) भन्मामार (क्राम्म - वाक्ष्मा) क्रामि (असाम) स्तुमिह (डिक्क्राक्र) क्स (म (भम) ऋषि (ममाम) विक्रियाल खंबान (विकाव-मितः) अर्थितमां की (अर्थाक वाजां मी मा) देंगर वार्बा-किछ्नी-सङ्ग्रि : (क्रीवार्वामा: किछ्नी-मित्राम:) 34219 (ana Gais)119211 (लाज जराविमधुमं द्रताम्बाक । स्थान्या लाउ,) स्रा में स्थानिय-लक्षाद्भिणां : (अग-तकाकु म- भीम: थाकि जां :) भद- कि हि: (मद-हिर्द्धमीर्टः मार्कः हिर्द्धमीरहः) लयहे वा (क्या) डेक्स्मा (मिल्डिमडी । किक) नश्रव-म्विड-क्यामा (मश्रवानार् में छिए मार्ला एम् जमार्जान कूष्रानि मुक्षापि कार्यमान गमा: भ े लाक प्राच्ये पाठ्वं केलेयं स्मिम् किंच्यं के

धमाः मा)रेम् वनानी (वनान्त्री) भाक्ष वनका पानी मधी) CM (MM) लाइ रह (एकड) किलान (कार्यक्षा) । हिस्ताह (यमाष्ट्र) मुरामाट्ट (कासमाट्र) १ (आ. मार्क कार के अर सर्था । भ्रेशकी भार भेरा भारति । विभवी व - मासा भ- एका मा कक्रमें के ह क्रमित्र क्रायादग्रमामिति (हारः) 119211 (समकी-मिकानमारवाड । क्षीकिक: ल्यासमार एतिकवाड) इड (लच) सहुवा (लारेवा) न्यासमा-सड्या (न्यासमान प्रकी दीना) ऋव काली-नारे जानी (आव काली द्वेय नार्क र जमा मासी (लाक में में एक में अप बाव से बार) आय में मा जिंग (अम से बर धम ब्रक्ष त्यम: ७मा विगढ मन्नाउ) भूय: (मिन उनर) मूर्यी-(जन्मत्ये मन) रास सड्जा मरे (ड्यर) वड्ल (ध्यमेनुकार्)।। (लाम भिर्म- क्ल्राममार्गात्रवृति । अविकाम कत्राम्हर वरात्रवहाम इस्टिन (अधिकार अभाग विस्ताक) भी वाका विक कियां) वत-क्रम्म-निरवश-अकिशा-सिक्टिय (वनानार हेउआतार क्रम्यानार निरवश-व्यक्तिगां : यद्यालय-व्यक्ताः ट्यम्बात्य ट्याल्यमा) वकाद्व-उदि । सम्म (मकद्व: मका। सव: इरवं: अकिका । सर गंग मा) भड़ेश्वाक्यतानी: (अडेश्वन डेक्वना नीर्यभा: मा)क्ष-विनिश्चिकक्या (कृषि कृपरम् विनिश्चितः कृषः कारमासी भवनम् क्षा: तरंग भा) गता अक् (लाया) प्राम्निक-व्यं - वर्ग्य - वर्ण्य- वर्ण्य-महीतं (मिलिकः अस्मि: अस्म: असे उर मर मार्बर कमार्म महीक विभिनं

यार् कार्य: एमा अद्वार मार्डिर) सिमी विचिचीएक (कर्मार्ट)॥१८॥ (लाम माम्राह्माम सम्राज्य लाम) मिन्नामामाः (मिन्नामामहन्तः) वर-उस्मामिकाड्य: (वर: मस्वामकार उस्मा क्रम्यर अमिकार् ट्रेमानेकार्यः) दिमहिकीयार् (डेड्य-त्वर्यार्) ममूद्रः (ममूरः) मछड़ी- त्वर्-मार्श्वन : (मछड़ी लग-जाड़त-पार्षे: विन्: गर्भी मंग्री १) किट अकृतिषु: (विद्यक्षेत्रों क्ये कि कि कि कि कि कि मभारतः मन्त्र) तमर्मिः तृमाव्मे १ जमाञ्चाः (वृमावना-क्लि: महार्या:) (आवर्ष्ट्रम: वाविम्ला (यमूना) GM वाम-म्माम्मः (रामम्मी-अङ्ब्मः)माम्रीह्वाः (ब्दायाः महाकिता हराय:)॥१० + १७॥ (छ्य निर्माताप्तापता अक्ट देपार्वा । श्रीवाधा विलाभाषाय। रर) मार्थ ! (असा वंशीभाष: (श्रीकृष्णा)) अल्लिडी ने विलाभाषाय (अअंगर हेडीर्नर देमनकर विलाधनर हमनामा नामः) प्रवाकारी-क्रियंत (मैकश्रासाकत्त्र) सापु: (लाकत्क- मैक्स्ट- सपु-यक्ष अरु ड्रावर । किक थात्रा) नाम मूदः (मर्वा) वामीका निर्वि (जामार् बलीकवार्) मनः (उरमक्षर् डायर। किला) रेपर् मिर्मान अक (मिर्मान भागा) रेप (अय) भाउम (जाम हिंडम)) मस्मात्रम अस्त्रोधारे: (७१४काना डस्यर १७७%) कः धामार (अट्याडी निस्तिलन - नाय- नियान) अल्क्लार्यः) । डिस्ताः अवमाहिनाए (थण्डा अर्) अखावावनीः (अखाय-प्रमूरः) न

14 (4 saine) 11 da11 (द्रमात्रव्यम्भेष्ठं जाम्म्रांड्र । क्लावण्य ज्यामारं जीवाका । (त) म्यामा-माने ! (द केट्यामाने !) काद्यव-महाम (काद्यवं क भवन्त्र मर: कारिर्म्य जामेर्) थाभेर पृकृत्य (अदेवमार) विश्वाविष-में आ: (अमिर्डि शिक्राहि हिल्ली में मंग्र मंग्र मंग्र मंग्र मंग्र ने मंग्र मंग्र मंग्र मंग्र मंग्र मंग्र मंग्र (७४)रण: (मर्वीनः) हिर् (क्यर) यत्मः (ध्यातिः) तील-कूम्रामे: (कमम्प्रिक्ताः) जूलमार् (माम्कार्) वश्वि (विख , क्यर् (यामाक्क छ दवली को मां । किका) ममं मिताः (प्रमाणमा) लस्य (चळ) (कारं- अन्नका: (अय- यम्पत:) किं वा (कळं वा) करेडी हि: (म्यमही हि:) महर्षिक भी - मानाहि: देल भए (जूनमण्) महरह (आभूवारि) ॥१४॥ (त्य बर्छ द्वी द्वार बाल । में में वा म्या मा बाहा हि के त्या भ्रम्भी त्यात्राक) करम् (मार्था) काम (अंदर) । ज्या न - भड़ ं (nizado nad) Caso (2 gl) ove sid (25 254 74) godane (करमार कस्तर) लासमात (लामाति) उन्धामार (केर रूपमार) यि (प्रमान) मण् (कामान) भागः (कामान के नाम व (कामान कर्या म प्रम) भावित्यामार्ड (डेरिक: कमार) अग्र क: मबीन-यदः (अभिक्ष सर्मनिष्या । तम भाग न्त्र-सरः) धालुका-महन-क्रीडा-४म्परम्बिडार् (अमुङ-बिनाम-बिल्य-देन्त्रमेर्) बनमन् (हिल्लाम्येम्) बामाणः (ग्रंकाणः) हिङ्कि द्वानिष् विम (शविषे शेंड) ता कात्र (म बारामि)॥ १०॥

(अधिकाक्ष्मारकि। विकारिनी क्षीनाका लाकक्षमणः लोकिन् म्कार) आछीत्-त्यारिय-नमममा (याडी व त्यं त्यायममूत्रः जमा काहेल: जीममध्यमान: जमा मम्मम अक्षिमा) कल्मना की: (भाक्ष भभ) म:)।क्रिष्ठ क्रिक्र (क्रिष्ठ: विक्रूड: रेक्टामानम् वर्षाद्य-वक्तवर्मिनिलायम् ००%: किवरी [मम मः) लालाड्यः (लाम्पमः) लारं क्षाव्याः (प्रायुक्ता) विक्रमा)भम बागर (कल्लमक्षार) ज (माजि (विश्वाव्याव)।। ४०।। (दिनिकी-मम्प्रमार्वि। लक्षा क्राहि लात्म मण्याम् भीक्षः यतम् विषयंगे । (इ) नामा दान । सम्मात्मे (सम्मान त्याद प्रकारण) विलया (विवाश्यात प्रावि) (भाषे) अरकारके (भाषे) प्रा अकारके निकि अदम्मानिकास) भाषा: (मिनिका:) र्यान्ता-मूभविषम्भीः (इद्या-व्यम् धावरस्त वेम्भविषाने कानिषानि मुअभी भागाए गः) वृद्धिताः (ज्यम् विवृष्ट्याः) मिहिलीः (८७४- (वेम बेसर) ८४४) (रहेर) ला : (क्राएं) हिडार्मेश्व-यार्ड: (हिस्म स बूहि:) मन्त (भीता) हका वाले: प्रमा (रेमानी?) इन्द (केट्य) कर्म (किस सकार में) ज्ञान कर (अमन क्रम न) कार्या (रेक्ट) कारे ए (कडी प्रतिक विकार्यः) ॥ ४ >॥

(अक्षेत्रमार्थात । सर्में के कार्टि नीकिएक कार्टि (आस) यियात्र) डावु: (क्याककः) मर्क (माझुं) मेंबः (लाक्य) हे यु (हिल्म) विकुल्य (क्ष्मस्य)) क्षिममार्थित्व (मनत्व कार्युक्य) क्ष विम्न स- हा क्- हि बूर्कन (चिना सु १ सर्मा भारत है स्वार पर किस स्वार पर हिनेक रच (वय) कवं निर्म (इस-मेगलम) भिर्विछि पीनाम (चिममन्) म: (ध्यमामकर्) मूपर् (इ.४९) ध्यापकार (काक्ट्रांड) र हे । (कार्या) अर नामु : (प महा) किस्पर क्रमण् (व्यमार्वर् विखः)। जमीर् (भीकारे)॥ ७२॥ (अय रवन प्रपादवि । प्रभूवामु थी कृष्ण १ था लानेका रूपमामा सल्द भट् ट्यम गेछि।(र) यानव लाख! बर्मी (जब टबर्) व्रमर्थन-में दाक (वय लियं - में में देश देश मा मा) देशि (वयद में में में लम्भा: (भावादामा:) देववे (दैक्युक) वि प्रमान सर्भावपर (बिवर-ध्यव-विभ्रः) अप्रामेष्ट् (निवावार्येष्ट् भा वर्मी जमा:) इति (इत्यं) महा (कालि मही) भा (व्ली) हर्नं (मखन्) रेम् (बिल्लिस-क्षत्र-गत्रम्) अव छ ने विकित (बिस्तवंगामाम) अला: (मह:) तक (में माड) विवक: (अन्नमद्भा क्विं)रेर (अभीन क्रां)क: वा (अक्ममुकी (का या खन:) म रि अर्बा छ न दि अरब्बि (न भीड्यंबि)।।

(अम म्थिकाम्मारवि । बुनार भूमम्भूवार् नच डेह्रव : म्ब्रियापि-बाकार प्रकार श्रीकृष्णमार । (र) बना बवल ! (यलमा) बन एवमा आवरम अत्य भीत् का!) श्रामिति: भवत् (म श्रू मन् प्रामितामितार्थः) विताहनाट्य (नम्माट्य) वानिक् (गासुक्) वसवर जव रेन्ट् परमर (कार्य (मार्य क् न्यू र) अम (अर्मा) क्वमम-म्मा: (मीत्नार्दन्या: लगानिका:)कचलम्बि (अवावि , क्रम्बित्रिका: वा: भीटमक्रीक्रम्:)॥ १-८॥ (उर टाकेम् समायका । सममा की अमनी भार। (र) मार्थ। कामिका विकाश - क्रिए (विकाशण क्रिएं) प्रकृती: (भन्नक्की:) खिमही लाम (खिंदरमंडी लान) MCA (अट्यालाम) में वर्ष (क्रेक्स) विमायहरू म्यलमाभार)ध्यकत्म (म्यूर) भूमकरणी (द्रायाकिया अभी) सम्भाममण् (भी कृष्ण ?) मित्र (कार्क्क वडी) 116-011 (द्रमात्र मानु मं अम्माति। अमिलका भर्मालाम । (र मार्थ!) विभिन्न मूक्ता (वामूफ विकास मानी मार्म विवाद मूक्त का मानार) व्याच्टा (वर्ष द्रामकाम्बद्यका हिल्लीक- व्याविकात-मामिनी कर्मानी नि अएगानमानि एवा ए अप्रास् धनुकात) विलाधिक एक छत्रः (प्रधाय निक हित्या ध्रम) मा भ : वार्षा-प्रिंगममा: (क्यांचान्त्र प्रम्य :) । अभी (धमन :)

प्रश्निकाल्यः (हिटिकाम्या का वाद कि क्रिमानी क्षायः सन्) समाई (असर) में में कार्ड़ मातः लर्डि (से दिव लावः) मः अन नानिषा-माना मूर्धमणं प्रनी खरा (नामिषामाः भः मान: भार प्रशः (अस-पार्वणाकः भारक स्वापित्मः वर्भमालंग मती छत्र , ति विडी छत्र) भून: थाने वलाए (वल्म) रेट्य (दिम्प्रिः सर् सर् सहीयम्बुक्र्यः)॥१०॥ (लार्ने निम्पायन्ति। मधा म्याननीकार। (त) मूरका मार्थ। न्या। ना सर्मा (सर्मियमा का) नान- स्मामा (अलामा) वीनभेटि: (टअनीटि:) अथामाना (विव्हामाना) धारमे हरे क मही (जमाभा भाला) कथ्र (क्य एक्या देमानीभावा) ममारि न शिष् (न महाका उन्नि । मन्नि ह) मः अप् निविष्-धवना-धृति छकाम्बादः (निविष्: भाषः श्वनामाः र्षम् विल्ममानाः वृतिह्यः द्वि भूत्वाचिता वृत्तिकालीत्व लर्मे कार: (सतः) आभायंत्र-1001 हाय: (आभाषा पंत्र-क्रमात् भिमेत्ना धर्म्यात्) वित्रम् (थीनमत्) खामक्रमाः (काराम-अस्मा) समाह (गाड:) ॥ ४१॥ (अभ वृक्षाव्येष्रमारवान । माभूव विव्रवती भीवाका विमलान । ११) प्रार्थ ! काला (यहात्वर) हीकः (हम्मीमा) धरः नव-मटेव: wim- लाटेम: (आमाक्ते : वक्तमर्मते:) - थाने वक्त

(यार्यक्रम्)क्रक्की (अभी) भूम: काहि वामगान (प्रमानि) का मुखा (मायानुकाम् । कुळ लाग्रा कुला छ ला पू) दु दे से सा: (ल्स्यादि-ममाजा विकामिणः) 200 मृत्वायम-विद्वालनः (इमारतमा: ७ त्व:) जान (श्राम्क्नान) विमाभान (क्षी कि किए पर सह सह विद्यारा) स्मार्ने में हैं (सिंहिं माममंद्र: मदः) वचार (वचर केता) यस सम् (स्मर्ट) मिर्स्समाडि किल (छेव भारेगाडि)॥४४॥ (वराज्ञवायात्र) भगाः (जाक्ष्यः) देशः र्याः क्याः मला: जमा जूनमी कर्निवः ह कपश्चापा : ह ज्यानिवाः नीडिंगा। ५ मा। (छन भगान्यादन्छि। ट्लीन्यामी छानकामु श्रीकृक्षाम। (म) कर्मादा (व! (अस्क!) (म (भिम्मेन:) व्यक्त (वर्षता) काल देसीलढ़ (देम्मळड़) नील व्यास्तर (रमक) द्वार प्राप्ता (मिल्हेण) असम्पिलसल्यः (असम्ब्रिसः प्रहः) जाउवानि (न्छावितामान्) जवाए (विस्वाव्याहि) स्वरूपक्ष-भिक- विक्रावक्ताम (बराव व्याव व्याव विकार है विक्राव । भिकार हाकाहिका संर भिक्षवरुत्रः भूष्ट्रभग्नीत्यपृत्रन् ते : लात्) जात् । भोजितः (सम्बान) अलान कः यम क्या (वसकानः) न । भणाउ (म ट्रियम्टलन उन्हें)॥ २०॥

(ला केंग्राह । विवंदिशी की वादी लाह) के मार्थ (त (मिला :) अवामि (कर्म प्रति) विभक्षी-निक्रिण-भक्तम- प्रतास्वर् (विभक्ता बीभग प्रक्रीता पुन्ता मः नकमः अविद्यातः वसामाल सरम-इरें) नित्रपर् (उतर्) धारवंड: (थारवंडि माण्यी: वर्षता) ए वहेमारा: (इंग्रंग:) कृतिभागीम (भावः (ववामिनवद्रीयनेः) अड् (सिमम् अण्याडि) (के त्व (विसि) वित्वा विसे (अड) त्म विभक्षा: (विकाधित!) म (म दबाउ) 11 0 > 11 क्रियाक्ट (लास संभात्रं दुरा द्वा वि व्यवित्राव पार्मेव-विव्यासात्म अक्षिम (विश्वी वार) रविक्रिवं !(कारा! (व) र्विन: ! हवका : इर (र्मान्त) माउरावी (स्प्याक्त्री) हिन: (मुर्केस:) लवाञ्चाक्रायेश्यु (लवाञ्चाः प्रमयवाद्याः म्हे र्जालिकार वाहित्रम्। येषुर् ज्यमनी जम्बिलार्थः) वाकारी (केंद्र:) । कुस (लाम्स अप्राप्त वर लाक्ष्मीम । कुम ३) यम्मे-बानिक बर्भी- काक्नींक: (मक्का प्रक्र (एम अम्बानवामा कारिकामा म्भा : कार्याति: कार्या ने नार्यात्र) यः (म्पाकः) भूरमहः मामि-भीरा: (लाक्टा:) मैं मर्बिक्यमा: (मैंगसेला: बिन-आमा:)म्यारि (द्राप्ते भणारि)॥१८। (ला क्नीनियार कार हा भी के का देशवत्रावा नी वासार वादि अद्भान क्षित्रमेश्व । (इ) वास्ताक । (इ वासे व प्रकृत्व ।) अप्रे

वेक्यार (वय अपृत्तमार) भक्षालामः (साक्ष-वृत्यः) नवः मन्द-मूनः (भीकृषः) नमः (विनवः मन्) अमाग्डीः (मान वार् भाडीः) क्ष्यक) (हिंद) कि मान मानि (साम्मित । यह) (व (हिंगा) प्रमायक (प्रावस्थाविक) (काल्लास- क्रम - लस्यी- अक्रम)-(क्यामाध्यम (त्यमा अर्थम दिलाम: निवर्तम: य: अपद: अर्थ: ७२) अपना : अस्ति: अभ्यती माल्य कार्नी) >1 धार्वती-क्रमान (धार्वती-क्रमान:)क्रमान (क्रमान प्रकार्म) * FBS/ 119011 (लग अलातिमेराउराष्ट्र। चार्मातायक्ष्य) स्तर । (र.) वैयाम । दें विसमामि (विसाममुका बरोभे। (१) भार्स ! (भार्सक । प्रः) भू सा । (अभूता) ज्ञाण कार्र (त्र) म्मक्श्रामि! (ष्ट्) स्टिं: मंभेषाभी (भावना अरदा मडी) विखामि (नामाम । भूकाक-मूनाम- प्रभार मूनी एड थर मुक्काड व्य कम्मूरा: अक्षरकारं (प्राप्त) क्यांक (क्षक मत कल दे-कल: (कलदामा कल: मूनी हुए: लक्य-कलरे:) नलसूनु: (श्रीकृष्णः) कामिन कल्पतं (लाम-भन्नतं) वमाछ (मिनीम वड्डा हर)

लसाम (लसाम ताड) कि क (स्वंड) कराव

(440)112811

(अय कीर्ने अप्रमादक्षि। मत्र्वात्त अमरी विवरिती अील्या तिमलि। (१) प्रार्थ ! वा प्राप्त । विद्यारिक-वर्त्त : (वा प्रक्रमा १ अनुरिक-चिमर: यन) भिक् हिंतः (चीक्कः) ममा जैद्याः सम हिक्दं (कला) ह्छा ठकावं (बाहिष वानं)क लिल-प्रिण्: (धम्मणा:) कृत (अरि) वेषकमन: (काष-अर्माक्रम:) म: अर् तकर्मिन: (मबीत: कर्निकान एक: रेमानी १) प्रूथ: (भिन्तु तुन्) प्रेमेरी छि (कार्याक मडिल)। अह। (अश्र कपसुम्पारवृष्टि। भाष्य्रविवृद्धिनी क्लिक्तिय । (य) मार्थ! अक्सवाकिन (कसल-त्याहत्म क्षीकृष्क म) नेमकार्नि (नेक्स) वार पाला) विलय: (लळा प्रामिनिके:) य: (कपम छिमु:) (कार्लेक: (रेमार्सी) अ! थार् कम्स- जिम्स : (कम्स- निक्छ:) भूनः (अत्र-लूक्नापि-प्रक्षा छा मम् छः प्रम्) वन्नव-वर्षः ((प्याल-इन् सप्) व्याव (रोअम्)॥ ए०॥ (अभ लायक्रम्पार्वि। विव्यासारित श्रीकृक्षम विकारी भ्यम् अम्प्र अम्पु । (र) (यायक्ष्य । विं रूप (लग्गाई) (मार्केस. माभं ज्ला (रामकूम- महाक - ज्लाम । मृतः प्रम,) व्राप्तः (द-मद्ः) । आरंगा हः (लिशः) महः (व्यक्षक्षत अपरे) व्यक्तिको (धाक्रम) विखामि (विश्वास) एव (१ क्रूना) भावेण :(ममउ११) शबिण: (मिण:) अव (नाक) (इक्षी) अम्म (अर्थूमा) बल्लवकार्यः

(मार क:) केन (अल्य) अर (स्पाड (क्राक) इक जाक (क्यान :) वस (अमर)॥१४॥ (इ विम्लास्मार बंहि। श्रीवार्गाः काहिए मभी मान्निह। (१) मर्भेदा- पालक । (सर्भेषाणुर पार !) मैंदार्व : (अ सर्भेषाणुक्य) अोर्कम) हारि (हार फिल क्या) य सूरी-वह मर् (mod मामिए बर्यम) दुल्यानं (कुड्युन्स , यह) नमया-सल्य स्यः कालन का लिंग-अवना नम : (कालिंग ना भन्न विश्वाप्तिः) का माछि (DALMED) 11 UP 11 (लाम यासम्यासियादवात । टामक्रार मर्में के प्रमृत प्रमाया रासक्ष्मी विकर में के क कि मिकार मार । (म) मारदिस ; (माकार (म्मुक्तबंद) लाप लक्षाक साम- । ज्यान विकास (लक्षाक)-मारा रिक्यामा किमर्वाक्रीमं न्यी: लमानु सावे क्या रमी (क्य) (यय- विवंद रिस्ते कि) हिल्ह अव एड (एक: आया के अलिखा (आरिक्मिरिषा) मामिरान-डू: (ममनेषा तमने) कें अंभी में मार् (पाल- में (पार पायाई) द्राम् ने मार् इ वर्षिड़ (विन् क किये) क्रमा भारत) क्रमा (अर्थ) क्रमा का अर्थ) आरोत: वित्र गेड (भागमं गर्माक्स्डीक्र्यः)॥ गेग।।

क्षानु स (काल)॥२०>॥ (प्रकाभना विक् भावता)॥२०>॥ (प्रकाभना विक् भावता (क्षान् क्षिणी क्षान् क्षान्) में क्षेत्र में क्ष्यां (क्षान् क्षान् क्षान क्षान् क्षान क्षान् क्षान क्षान

(लम स्मिम्माणि व) प्रमा (मिक्क भाषा भाषा भाषा । किक । क्रमावि: (भाक्कः) क्रम (क्रमाकि । क्रमावि: (भाक्कः) क्रम (क्रमावि: (क्रमाव: (क्रमावि: (क्रमाव: (क्रमाव:

सा कामाड् (अयामंत्रर सा केंक् । लालुक) असी (यह) दुर्का ((काम्रक) देनमण्डिं (त्यावक्षमान्यमार्) अने कृष्टि अद्याने । अंव : (विम्हणाम-भविष्ठः) नमः मनः (त्रमः) नाम्मक (क्रमः) न्याक्षेत्र (म्यक्ष (म्यक्ष :) मक्ष (क्षायं) द्वार (ant 6 13) 11 20211 (अम विश्व म्मारवं वि । क्या मालिमू और मक्डमर क्डाइमार । कि हारि!) जास वर्षाम् अनेकक् प्रकामाए (विकृष्विक् वनाव मन्छाने (मालाअंना के शर्ववर प्रामिनिकं (प्रामिनिकंट रही-) भा विकृष् ह उद्या ला हार (जमा अंत्रालाहर) मीका (इस्र) द्वीता (माक्ना) देव द्रेन् (भी अ?) ब्रम् हें मादि (क्रमकाट विमीमा वर्ष) 1120 611 (अभ वमस्म पायन छ। काहिए विविधिमात्र। (१) आर्थ। यथ (थभाष) भामे बृष्ट् (ममन-मम्पः) वृषायम-कृष-मन्सा (उपाय-मामार कून अवस्ति। अमारम (कुनावमान्द्रित : क्रामा भीककानीन-भूका: यर सम्प्रतम)समाम्बर (इवायरर) अहर (क्यापर) था) (अर्मा) द्वात अरुक्टकः (अरुमाम रूटकः निर्वाचनः ** अने द्रेश्रः) व्याल्डीर्यः (व्यव्यास्कः) महत्य किरा (CREAS 12 H) 3 11 >0811

(जाम अवस्त्रमादवाक । कारिए विवेहिती अवस्व वर्गात । (इ) वाम । क्र-ग्यो : या भाक क्ष्यर्थायार देख्याता बास्ता ग्रेमार्था) स्कारिक-रंगावानाके मार्जुमा (मकारिक वका मिक रंगावपा) देक दुक्सर सार्वार्ट तांग सा) इटनं : (आ रिक्स में) में बी द्वा अवंदे CH (तत) हे कुर (दिस्) त्रावर हर (क्षापक) सिम्ब (218T) 11 20 @ 11 (लाम सम्बर्ध मेराडमाछ। य्याम कथरामेषुकर स्विक् यात । (र) वाकाम वारक्षां मान । (लेन हत्य वर्ता ।) वाकाम कर्छ: (लून हमः) अर्थेम अल रक्तिरी अव वंगान (रक्ता वस भी भागती) उद्यार्मि (जीक्स्नामाम) कि (देवीक है) लाख: (सम्मा:) म लक्दर (लव: यः) वय क्रक स वास्व- क्यान (क्रमेन स्वास्क-गरानि) हेन्छानि (अमा दानि) जानि (अम क्षाने जमार्मि) क्राइ बराद (क्रम अकार्य र वि भरता दवक)॥ २० ७॥ (थम मक्तरमूमार वाछ। वियमका श्रीकारी विस्विछ। (र) प्रतिख्यातका ! (अर्गाड्यम् कामम् आमक्षि ! 🕿) हक्तानित ! (मन्य-अवन ! प्रः) अभीम (भार अ वि अमत्या डव। (व) पार्कन ! (माक्रिन तिला में यां में वर्षा के साम क्षिण में भामकार (लताक्ष्मं) मक (मात्रक) मात्र । (म) ममद्रमान ! (मर) भने द

(अपुत्रायर) मान्यर (मार्का) मन वैद : (कात्र) खुकार (काप्युका अम्मार सस) साम्यं: (स्मन्यन) विश्वक्रीत्र (साम्य मानारिंदी) (लक्ष मार्थाह । मर्काका कादास्त्र १८४) मार्थ । यमार्थ ॥>००॥ (समामाध वर्षा केळ्य:) अल्लान-भूक्षां (लालव्यमीमः) सार्य मार्ग् (मद) संग्रम सामा (डिंम क्या) नियु (पदा । वस्ताम क्रममानभर मृद्धी भामिती मार्थान अठः इर्भान धामम-अवः भवा देश्रात्रः में। किक बामार)कमस-क्रि विशिध्मा (बिश्रामिक्टान) सम् (भर) हाउकावनी (हाउकालान कि) मधागठा (लालीना मिपानी एक प्रमूक्ष विश्र के निका माठा ज्या साक्ष्यार असरश्चाक छाउ:)॥ >०৮॥ व्यक्ति नादा (व्यक् जिस् मार् मार्कित गामित अर्थ ्पश्चात्र-ममामनः देवोच लम्बाद्याटलकार) म्योर आष्य्रित (अर्थित) प्रश्री स्टरः (अभीनश्र (प्रर:) व वं : (त्या के :) हिजीअतः (मणः)॥ २०२॥ (बर्माप्रवेष्यं। संबलके ही समग्रीसह) ग्राहक्य में के: (लास) र्था : (म्रेकिक ,) लाइक (है मीर) डिक्ट : (के राप ते :) हिंगा (छटान) भयः (स्रः स्रः) भूक्तन्वविष्या (भूक्तन भूक्त-स्वाम्बर् ल्यान: वित्रात्र मभाः भ एम) लर्ड (वंदे) न्तिकर्म सुभ त्या प्रदा (बार अह अया त्याह) विकालाह साह) हल में तक पढ़े (हक पढ़ मन माइ 6) लाहक (अकिक 6 110 ८८ 11 (: १५ किमा प्रमान मार्गिक। प्राथमान शाह

(अम अम्लासनार) मिन्हिः अमद्भानाः छमा वन द्रिम्मनाहिनाः (दुन्नित्रच- यद्वका:) याष्ट्रका: E इन्ह स्त्रिका (त्रकाके प्रदेन) लाह्य धमुखायाः जू मान्निविकाः (व्याकाः)॥॥॥ (वस लयहें ग्रेगर) वासार (मुक्क त्वनंभाग) त्याय काटन (त्यमि अक्ति) प्रक्ति। (प्रक्ति डात्म) अडिनियमड: (आमल्टिका:)मञ्चला:(बीक्क्रमम्।किटिकोणडाविकामामु हिन्दं अर्दे ् क्याक्साता:) लाहिता: पुरंगार्क: व लयत्रीया: (बाबाममं :) द्रमंति (ज्याविद्वादि)॥२॥ (अम प्रत्या अम्म्राष्ट्र) कन (लयक्षाद्वे) टार: ग्रय: ह CX मा ह (इ. ह.) चर्मः लक्ष्याः (लक्ष्यावाः लयक्षेत्वाः) (माझाः॥।।। टमाला कार्डि: ह मी छि: ह आर्चिन ह अमस्टा केतार्थ ; ्रम् १ वे चि च ए मह वब लामडे मा : (लाक्षावा :) में : (लिवतं :) 11811 भीता विताम: विक्टिडि: विसम: किन-किक्किक् टमारेगार्गकर कू दे । प्रेंड विस्ताक: नामिछ ज्या विक्ष ह दे वि मा जाअर (ज्य केक (ज्यां गुष्कं) महत्वरा : (लपड्डिंग्य :) पुरिक् गः ॥ ७॥ (दम कावभार) देक्यान (म्अंतर ब्रम) वृक्षात्म (ब्राह्माधाने) लाटव (म्हामिनी लाटव) आपूर्वावर् नेकि (आधूर्वाक मारे) अव नि किका नापाल (लोग छ नगर द्वा कम्म भीता) हिट (मा) अभस-विक्रिंग (वर्गः मामी धार्ष वेष् व मासा मः कल्न (आकार्य दव: यः) लाव: (मृक्टिशिक)॥ ।।

(क्य वाहीतिकक् नमने व्यन्नांकि) विकृत्तः (विकायमा) कान्ते (मून्द्र-ल्क्य-म्म्त-युक्तल) अवि (आमे) हिसमा धार्वकृषि: (यर सिक्यां वेद वेद) सर्वेद (येश्वसः स्मान्तियो । अस्ट सरी में शिक) वस (कार्सर प्रकि) बीलमा आदिविकान्वर (भा वर्षाव्येताती विकान-कारंप सकाल लात्राक्र में साम्या वास्कारिश्व विश्व दिस-दिस-स्मिन मा व्यापि दिकावं : द्या गा) व्यामा विक्रित (क्षेत्रक क्ष्मानाका ध्याक्षा हिमानसभगे विकृषि: त्र:) दाव: (८६० एक) ॥१॥ (अम्माप्रतेम् । काहि अभी काउण्यानि सम्मार्गियारेन नारे व वरी सम्यासवीतं मामजीय अव्यवि। (४) मार्थ ! विकु : (७व समक्मा) (पाद्य (त्या वावंत्र क्रांत) क्रीत (ब्रियास) के में शिष्ट (मैन्स त्याहा-सर्मात्य) भास्त्रवात व्यं (वेंक्,) सर्म्य (केंक्,) व्यक् र्केर ८० (वय) सन : सम्पर् (मक्ष्य) :) म लक्षार (म मान्यां इसामुः) रेसावेदा सर्वेद्य (मार्के) वं : (लमकाता) मेरा (इरम्) विक्वा (यात) किः (क्यार) प्रमः (यम्ममा) प्रात्मातात (आत्मानमार हाक्रमापिछ)र्थ:) क्रावि-कृत्रूष्ट् (क्रावी धवउर्मिक् (अकिवस्याक) इन्युवर्द (मुम्पिकवयस) कार्टिव (लय अभ्यतिकारवा नगनहाक्ष्मे हित्त-मक्ष्मेम)॥ ४॥ (अभ रावधार) भी वार्षिक मर्नेक: (भी वाना: वित्रेक कर्माविष्मत: ७९ अर्भू छः , किक) क्रांत्यापि विकास क् ९ क्रांत्यापी नार्विकास:

न्छा-धूर्मगरि- विज्ञाम : जलनक : , किक) छा वाए (नम्म छाक्र नामान-में छार दाबार सकालार) अमर सकाम : (विद्यार विम् विमाना विकास असए। इ.क. अकारमा मा सः 'अर्टक तः) सः धाव : इ.व. क्रको (व ॥ १॥ (वर्ममारविष्यं। न्योसा, मार्थिश्वमार । (क्र) साष्ट्रिसिक्का है। (माहि यभीकृष: मुक्ति: समुकार् मीठ: करिया थंगा वर्त्रामार्थनम्। (र) (भी वार्कि! ए (७व) स्वाति: (म्प्न-ब्राप्तः) भू भने न (र्स्यम द्यम) कल्या-वडी (सक्ताक्षाम , भाक सावद्भार) क्रम्य छ। कार विष्टि (क्रम्य मार्ग प्रामा कार मित्र त्राहु। क्रिक) क्त-बल्ले क्रि-तण) प्रमाक् (अस९) विकामिला (प्रणी) म्लाल (म्राडि। एक कार्यमार) लया छाट (मम्मानीरं) सममार (यायत्रामारं जाक में संभा भार) द्यायक: (य्थायक: " लाक उत्तर:) वम जिन वर्ष कम: (नमस्मव जिल्लामार कामार (वन खिम: क्वाकित: जर्म क्याम नाम वाम कार मामर वामर वर्षा वर्षः) स्त्रवः (गमनः क्ष्म न् केक्र के विदेवः (व्यात्म) भे दुर (यक्त राम भाउमा) यम के बार्य वर्ट द (कार्यिह्ट: वसात्मयः सम्पर्मामीकार्यः)॥ २०॥ (कार (प्रमासार) दाव: वव गढ: (अविकृषे: ज्या) मुभावम् दर्क: (त्रमे) ट्रमा ब्यर ॥ >>॥

(जाममारवि। बिमामा मानाधामार। (र) मार्थ। (वर्तने कल (मि) Ca (२३) दम: मेरिका जासावर (कसावर मायमवी माश्रिकारवर् प्र (का अवर कार) में खेल-के हर (के हता : कार्म में में का कार्यत ' किक) बममर् (मूमर्) छिट्याविकि आश्रर् (छितः बमर्भण भाराभा विकिट्स шाक्रमी भन वर , क्या) भूम कि काला मर् (भूमाकि का काला मारको मा वर टमा लात्रर विक) यममर स्मार्काक (काकी सम्मानमाइन) जिमान् सिक्षिहरे (जिसन अन्मिक् कावकर । महरे बमन ने कर क्षाक्वम) माने (जरूद्र । जरुष्ट) ब्राम्ट : क्षा कार्या : (जयव्यापर मा कें के) सद्ये (बामकार्य) अवंकवं यक्षयः व्यक्ति विमान । टिन माक्री अफर्ल लक्षमानाकिएम्ड ली भूमिनाडिमात्र्ड्र :)॥>2॥ (लग नामद्राम नमकारं मना : त्याना) में अ रवायाद्री : (क्माक त्लाम: विमानितः) गर लक्षानिक्ष्य (लक्षामण् विलासन क्मनः) मन्तर (हर्वर) मा लाखा (रेक्ट्रकाख)॥२७॥ (क्षमादवन्त । सार्काका स्मानामानी भार) बाव : (अलात) देम मी प्राक्षी (देम में ग्राया ह- मंग्रम) विभाग बका में नि- कि अमरिंग: (कक्ष वर्गण्याने-अन्तर्वः) मीललाभाव (कम्म-लाभावः) रूपा ब्लाह- द्वमा (प्राण्यार) प्रमामकी (म्रेम्ट्ली) भर्टमार्थ (क्षक ट्रास्टर) काम में अपर (ताम माण्या) ट्रिमी कर की (१ सड़ी) मम न्या (हिल) नमा (कारका करवर) मा दुर्भ (कार (द्रार्थिक))

काल- शहु: (कार्या राष्ट्रिक कर) माडि व्यक्तीरि (म निस्टिक्रेक्ट) ॥ 2811 (क्रम आद्रियार) भसमामाम्याना (समामा कम्म कम्म क्रम्भार्या र्का हेक्यम मही) (लास वन मार्ड : (रेडि) आमावा (मार्डेवा) 112011 (वर्षेत्रतंत्रं क्राम्लेश । मुक्कः भवत्रार । ८४ अला। क्रिकि महैन-सेश्वः (कर्छा सराज्य भर्ग मीत्र्यमा: आ) कत काम (गर्मे हैं से-मृद्धिराक) देमका के प्रिम कर प्रिका के प्रकार कार्य (देमका कार्य द्वार कार्य देवन : क्यानुमः अक्मेमो पदा त्याना, प्याह्म क्यो प्रमां दिमां मार्ड (अत्याहर) मामान्यान् कान्ती (सम्मा) के का लाल (करीत मणाले) अमा (अर्थुना) रत्न-प्रपन-विशिष् (देख्य-क्यर्भ विनार्थः) क्रियां (समझा) दुर्द ग्राहक्त (म (सत्त) अरतं के अशु (लार्वे ब्रे अञ्) यम्मेल (इस्मेल्)॥ अवम २०॥ (अम दी। हेडार) कारि: नव बर्ग-रहाम-एम-कात- ह नादिहि: (रमम्ह त्यातः सरहासम्ह तमम्ह कामम्ह भिम्ह वसामितिः) डेमीलिका एक (यह) काली सार् भाषा (द्वर क्या) मी है: क्षेत्रात (क्ष्मात) ॥ ३५॥ (वर्षाद्रवेष्म । संसम्बद्धेवी अस्त्रीस्तर । (र साम् ।) मिन्नीय (स्व-का: (नित्रीमाणा: निजावालान मूजार्गकाला: निजारंग: भी: (लाका थमा: मा) अहरून मिनाहमधना ने भीक (सपाया: (अहिट्लिन अहल्लिन अधिवादन सक् वा सन्ध्रमके कामना

प्रिमुल्ट थि: प्रमार मा मारामा भी कर विमे क्षेत्रिक जिसा है मर्गा भाग : भा)क देवसमदार्गाकाम कृता (को जा मा मजा धारतम रात्ने डेक्टाने करते थाएं भा) काने कियमे कियी विक-उत्हें (मानेत: हमा) किव्रांत्र किकीनविंड् हिलिख् छिट्थानु-ट्याम राम काम्य) विकट्स कि सामी (कि सान अत्मन इविद्याता हि से साम कार्य राग रा) किटायी रा बर्ग्य श्रिममार्भ (क्षेत्रक्षण) हिल्ड) अमंत्रिकः (कामः) विलिस (12 Blasiceuse) 11 2 pul (पान धार्षेक) आर्था वस्ताम रहते नाए (कव-मनापि-विकास-अर्दिश्यार भागावापूर) महत्वा (लागडापुर्वेड) लार्द्य न्या (डल९)॥१२०॥ (वर्मार वे न्या । बाहिसकी की मेंबाद सम्मार में म्या । (र आमा ।) अरमाडी में (राम निवाद देडी में मारा स्वाम मने (एडामी:) करमारा: (अर्थ कर) दूव की मारे (क्यात) धान मध्रेष्ठं: देपर का कि सूची (मीका कर) भूना कि में (भून के प्रकार असव) (माक्री) कवं (ज्या) निव (अप मार् (यम) निक्सातला) अक्ट (राष्ट्र कर क) रेखा (अरुआता) धर् व विश्वासिक अदा (कामं के प्रकं नक्षा मीतिया विके। हिल् खिमोटकी अली नांग अर क्ता) मम्बद्ध- दिवं : अर भियर (मम्बद्ध असर दिवं : अर अरु-मकी बन्नी के याः व्या केव) मिल्राम (। भ्रमः) पर्यामा (क नार्मेश १ थना) यँड: (मनेस्कं) ब छा (त्यान था) ॥ ५०॥

(लग अवस्वामाह) रेट्यु: (धुराहु:) अटांपरवार (यहें टांपरार) थि: अवे दें (अवेगवाह्कार) समाधित दुक्त ॥ रंगू॥ (वर्गाद्वक्र । रेमन लाह) कानु कस्पान (कलव्-सुलाना) अशीर्या (मक्षा) मडा (आहा, ज्वल) तम-नभाषातीक या (क्याना देशना के कामा क लिएन मुक्त मारिक कामाव- करीन क्रिके दृश्या) या कुछ। तर आवुके के इव (वार्यत) डिर्मिश्च (अयामादी mult) (वर डार्म : (म्हकः) mans & igo (such) suy (our) 115511 (लाम क्रियाम) वेत्रा: मन्याय मागठ वियम क्रिया आम: 11:00 (कर्मात्रंनुम् । स्मुक्तका सर्वतामक्तार । त्र अत्म ।) वन्ताः (हजाबना :) मनमाटड (समकाटड) का लाने भावना-निकी (मान्यामा मिकी ।मेलिः) मानिमाछ (निविद्धा , ७३४) यह मि (बाट्य) विन द्रम (अर) विकास त्रायकशी (ब्रप् म्हारिविसा) ह माबादमी (निवाम कृष्यणी, किका) धार्म (धम् विकारण) प्रमाणितं (रयन:) मध्या: (भोवयव्हि:) ध्वानि (काड:) ह। (क्यक्ट) के दिन्द (क्यक्यम माम्य दिनाक मामानाकोत्)॥ र ४॥ (मेराकार । त्याति हर्कम स्थात्र कार) द्वि: (म्येका:) कृतकः थानि व्यापाक्यममिनः (व्यापा देक्यमा अपीछा राडि : राष्ट्रित्मा भ :) पाल अवन विनमः (अगन : अन्तः

खिनमः अल्य मः) काल- लाहिलामा (काप्रमा) हं काम्पुः ((कार्ज :) लान के धा-या गेत्र ह : (एंगा - या अव :) लाज ला व :-अष्ट: (विश्व हिंड:) धारि यप लाक्ना हुन् (युन्यूनी?) म आवार्ति (म हिसुपानि, जर्) रेप व्याप्त अव समाहिन-पूर्विल-में के ने मारे के विकार के में कि के नाम सिन में के में में GX) 262 म 00 उपि) 11 21811 (ला दिन्दियार) मा हिंदा (लाजा सामी) मा ए दिवा यादः (हिंडम) हे व्कर्ष विस्तवः) जव कू ते की की की कि विकास (जन्मार्वाछ । श्री गर्वा वव बुलाआर । त) भार्थ ! तो बी (मान्यः) क्यामार्यायः (त्या क्षाः) अमासीय म् वा वर्षाय-क्रमा: (ज्यात्रामात्र) मा है: हवं हमा वाबीवं गाछं असर् राम क्या अर) रामु (रार सार) अड सर असा: (प्रम्म काका) कायह (राजाइ) कार्यु (प्रम्म में बैठ) लास्से (लामने) भुने (तत्र) (१३) (१३०) जित्ते हैं। जिस (अवसाम्रात) ०३- (लक्ष्म की सम्मेर्गाइ) समानि समानि (कार्यनार्वे कमानीकार्यः) क्रमेश (क्रमेकामकार्ये माडिएवार थान-(थाडिम्सामान) वर्गिषापात्र) (अस्मिन्या त्यमा यह मामाः अद्भित् हर) म शामाछ (म लाबियविया) ।। २ वा।

(लग महार एते ल महीरवर्ते भीमा संसम्म ने मंद्रार) विष्य: (प्रत्मार्टिं:) त्यका के भाषितिः (त्वकक कि भाष ह क्षातिहः) सिरायकवर्त (सिराम क्षियक कार्य-कम् न १ वर) भीता (रेखि क २०८०)।। २ १०। (कर्माठ चेष्य । अवायात्वा क्राय्यक काळाड है। (क) में क्र काणुक ! (इर) लग विशे लयंद केकः (त्याह्र) गुन् (दुक्रा) माना (कारा (आन्त्र) ह अन्तर का त्याहर (अप्रवास्त्रम् केका) के मान भा प्राचित (भाषा : भाषा मार्ज गा तक के लावकवर) लामर (मही करकी)। 2 गा (द्रमारवमाधिका । यदिमार्सीय सम्मामार) र्यसम्बद्धा (संभरत्य केंद्रियम केंद्र हक्षा भाजामें (यनमर् तर्गा या) भुव क्षिद्धितः श्रायाः (भुवे क्षिति म अयः मार्गाः मा) इ किंद लिसी लिक्ट किंदिन के विवाली शिलेश का की बी ना लामा (काष्ट्रि: मतार्द्य: लिका क्रिका : धर्म व में हि: ल्या शहर शिक्षा अवा : हिलान अप र र र र र र र कार्म (क्राक्ष) लर्क (रक्ष कारकार) निर्वाहरू (स्थामकर) बरंभड (इवर्न) दुन क्षाम् मिन (अयम्बर) क्ष्यवैतिम (विष: धर्विला: क्रीक्रिभ) (वाका and out) enough (enough) sign (Time) out (300)11 6011

(यम विमासमार) विभिन्नां कर (जिसना नाम कार्य कार्यमानः) लाकि-म्रानामना नीतार् (माकि: ममन् म्हानर् ।क्रिकि: आमनः छे भरतमान , जाती मार्) प्रश्रामानिक मिना (प्रश्रामानि-मह- क्रिनाम्) वार वाप्रकर (मिनेअल्पनेस का प्र चड सक्तामनिक्र में:) वालकी व विसाम : (क्रमाख)॥००॥ (बर्गाइ विष्य । लाहिमान्यामी कार च्यां कार च्यां कार वारा दे केक्स्मूर्ड शुक्र कार 1 (र) सर्वे व साह । लगरत् (कार्रेक) भूगण: (wa) भग्यां (was द्वां माड प्र) कम् (क्रम रिष्या) नात्रका-निभावात्रिक-एमेडिकान्नसन-किल्यन (गामकार्गः । कुमार्गा लाय हाय माम्बर्म स्पृष्टिक्यो डेन्नन-केल्यन डेन्ननक्त्र)।भेल् (अल्यामर्) क निर्मि (आव्दाना मि, किक) समाक् (असर) जाने देवाला (जारिक्ष) एवं महिम् छ (प्राचार कार्ड :) प्रकारित्र-टकोमंता-सार्वे थी: (मेराकियम्स एकामा क्लामा : क्लारिसामा: साम्बार साम्यक) लिएक (भीत) भिनामि (चिन्छ-वडी) 11 0211 (द्रणार्चिमा क्षेत्रमे । त्याद्रिमाय्यायाक स्माया के रे या सार । Cx) ज्वाके! (Cx कुलागें!) आचा (आक्रीन,) कमझ-निकार (कप्रमु- एक असील) की डा-क्रीय- म्बी (विश्व स्वय-- टक्क) व्यक्तिमान (व्यक्क विकासम्) व्यक्त

लाबु (क्स- कमावर (लाजवाम यन पर न्या कि कर) में : (लाक) ienis (cylosis) menenili: (nacusiali:) जब द्रामम्ब-म्यानर्गी-मायके निमान्ति : (द्रामम्बर्भ) यक सर्वी भेट मूलव-सर्वी भारिय लागे निया मार्गेष्ट न्मिर टाम् हे:) मक- वर्षाम् - हिं : (त्रमण - वितामाह-आर्त:) एक स्था (अम्बा) का सन्ती (तर्मेया) अम्पानि (NOVER 3-4(BY AS) TE 3 DE) 1100 M (यम निर्णिडिमार) धानुन (किकिए) थाने धारुन्न कनूना (यम-नहना) कारि-एग्स कुष (कारह: व्यक्तिमन्ती अली) बिह्येडि: (रेडि क्या)॥ ७८॥ (वर्षात्रंत्रा है। रेसा मास्येशास्त्र) में केस- एव:-अस्मियन (की कृक्षिक प्रथ मास्कर) भाव का की खिन (श्रम- मक्सलिय) कमाख्यमी काल्य (कर्माख्यम रिविष) प्रकार (रक्त प्रम्य) लाक लाज प (लाम लाज प) शक्र- में असि कर्ड (ज्या का स्था में अलगड़) द में या म 1001 (CMM2110WARS 4 4 4) 11001) ्रियार बना बेक । क्या समा में त्या बेक विकार की किक द वर्गणि) करे मूनावना द्विमा (करे मिल मून प्रश्न (भन) मक्षाक्षकाश्चिमा (ध्रुवाण-मक्षामिएन) आस्त्रम्

(कामनान कामनका वर मनाने एक विक्ति के Comera) वसीयति वार्याति पत (वर) नार्याति वर्षे वार्याति (the star of sas;) sad (cuangonis ous) 110011 (कवाकियाल विहित्य नेक नाउनकार) वियानि (जियकर्टि अववारि अवि) वन्त्रीतिः (डेडमान्नाविः क्वीरिंड:) अभी प्रवाद (अभा ध्राप) देव प्रवासार (क्षत्रका मार) सिक्राव ता (अक्राव ता हिर्देश प्रवास मा) हारे: (अवभे अम) विकिडि: (डतार) येव (कार्ड (कार्ड कार्ड)110911 (जिल्ला में ने ने का में दिला आप का र विकास निकार । (र मारे !) measis (रेट्वडार) मचार (क्यर) क्या (क्या) पिहित (त्यात) तथ्रित (अमर्ग-म्यक) मेथ्र केंग्री (इस समा (कार) किया के क (अ दिए :) मार्डें ग्रेसरे (प्रमुक्त) लाजुक्ड (प्रमेश) लाप (क्रुटिसप्र) इव: (लसार) कब्रेट चर्मर (एएएर । ८४) भेट्यां प्रमान्या (मेक्श्रुमार्ग्या) के क देवा में विक्रमा (केक द्वम्में केकमत्में जाक मुक्क स्तम कर्मकर् में कि (अप्तिम) में बिर् बे के मके बंद्र (वे के स्ताम के अवस्ति) CH (शक्त) सन : सनाक (क्षेत्र) (कार्य- क्ष्मां (anangano) प ब्रिक्सा (म सम्बंधि)।। व्या ००।।

(अग दिस्य साम) असे ब मा ह (व्यान मा है। (व्यान भागा कान) REVICEM SERVE (DIENTEM LE SINE ALE MEDICE) इंडिसामीसि-दे साम्याधिकार्तः (अंडस्प्रणीत्रीय) क्यामार लयहावामार मामग्रेकाः) विक्यः (क्यार्ड)।। विश्वा (बर्यार्वपूर्णा भाजा स्मायासास । (य यास ।) विमा-श्री स्माणवि (श्री न्नम) क्लाअटम्: देलावे) मीलव्युविछ: (क्रम्यामार्ग्नमः क्रोशनः (ब्रम्सः क्रिक) कर-के सिरा: (स्मर्मात) के यम र त्या कि : (जिल्मा -प्रमूद्र बाहिए:) मर्डक: (किल्लाहिल क्षाना ?) विना छ: (बिक्र) कार्य कर्ति हास्त्र (मिन्द्रम क्ष्म) दमचरमाः (मयम्भात) कर्म् विका विविधिष (विग्रम) कर्भाष: (मार्का) महम्मनमारित्याह (वाहमात त: मारित: वैंस एए ए अग्र हिंग) स्थर डिर्मिक्स (इ.) धारा (वारः निकितामि)॥ १९। (gusage an) mun: (main: sine & count.) लिया डा: (लामामू तालान कू वर्गाना: , कालहत) अप्यादा: (माम्बाक्तर् विद्याताः) कान्ड (कान्डेर्) (ताहत €. धान्त्र का : (नमनम्मान धान्य नात्र के स्थामः)

कान्देव गण्य वसादने में : (विष्णेयु-वस्त- द्यमें : सका:) रेकाादुक्तं (मुर्के क्रम्माक्तं) गर्नः (प्रवा:)॥ 89 ॥ (विस्मा महाद्वा अभिना) (यमीत्रा) (यमी द्वार) लाम बाड्या (ख्रिया) (अवागार (बाइ के कार्य (वस-रियममानिक आना मिकीतः) याता विकार (यातामा : कार्ट्सकार हत्यकार लामिक्या ट्याला: गर)लमाड-नमन् (धनादव: प्रः) विश्वधः भार शेष्ठिकण्डन (का मुटे उमातः) लामाति (कमाति) ॥ 85 ॥ (बर्मारवंत्रमा । त्रीयाका त्याका त्या का का लाक । (अ) (आर्या ; वर यमा कवती-वक्षार्थं (किलामाना-विव्हनार्थं) कि द अकार्या (वार्या) जारे (विन वार्या र्कार: १००:) वन ट्यालिस (कर्नी-नय समासन) लम् (विविश्व मु , ४०:) हिंदून- एडाम: (कम्मनाने:) धवक: (यक्त-विद्यः सन्) वव (य (यम) यून् (अविष्) त्या थ्र- (सम्मेश्रितः किक लग) रक्त्र (र्मात्र) व्यव-माळ्य में म केक (त्व:) मर्ने (माल्ड) मम्सि (त्यरवर्ने) (त्र (त्र) (बाहात (मृष्ट् श्वाक्रीके माः मिक) Nप्त्रका: (वर्गाम)-राक्ष्यान) य दुव्ध संग (भिर्या केस् पृक्ता प कार्य में मह:) शहा अर्थ: (संस्कृ) दियम (दिस्सिय) CME (भीकर) जाका हि (कामा) है। 18011

(अम किमाकिकिकार) इसीष (ट्राका:) मर्खालिमाय-क्रिक-असिमा- कर्म हार (अस्मार काल्यासक केत्रिक (सार्यक मिक् मन्य अस्य लार्सिक व लास के एक नात्या) सहिं।-यन्त् (स्यम् मानाप साम्द्रीस्त्रम्:) क्रिक्षिक् देकारक ॥ ८८॥ (वर्षारवृति । जीकिकः स्वयक्षार । (र सामः) समा अपितास्त्र (खाव दुस्तिस नत्त वर् तथा भावमा) स्ति-मरहवी- (अक्त-लाश (थिएत्रशीमार् पृष्टि एलहर्व) नाथा-केट से केंग्र दिना: (याक्रामा: क्षेत्र- क्षितंक्र नेत:) यमार (बण्ड रूपा) भगने कलत्न गरह (निहिट मिर्ड) देवक्क क-टिए (केपक्षम कार्यित क्राया: Color छंटी यम वर, किक) सर्वायक (अधकत्यक) लासमाहि (किस्सेकार स्तर्) यातिष्ट् (मिकिए अया मुख्)। श्रीष-इ पिष-कास-मु वि (भिष-क्षिणाड्या कासा वस्त्रीय मुक्रियेम) वर्) and: (मांग्रह्मांत:) में अर (लड्ड) लाय: (अर्थात) श्रवाति (हिस्टारी) ॥ १०॥ (दिसारवेना देवतं। कारील मिट्रिंस विश्वक अल्पान मानी वार्गाला भामका । (द बार्मका: !) भावति म वार्थ (अध्यस्मान्) कथानाः (ध्रिवाविकारः) केर्यानाः

M3: (आक्रमं (ल3: ल2) शर्व (मार्च रमाश्वाला मारेत: क्यो हाय: लामे: Caraca eru) दुव्याचा (क्राका पत्र) बनकर का की मा वाराष्ट्रका (बन की न मारी नामि मारकारी मक्राम् (पन त्यासक लड़े अतु संयाप तमा: या) किक्टि-आद्रामिकामा (माइडार्स भेयत आद्रम्म) राम्रकात्त्र -सिका (रामुकलमा देरीसका लाम्सिका) में वः (लामकामा) याम्या (सहित्र काला) भई ये चार्लेस- वार्याक का (रह्म कं तम मारका मारका मारका क्या कर अंग कर । श्रम हता उद्याग ट्यक्त) किस कि कि छ - स्वक्ती (किस कि कि कि एस व विवर्ष समाखाय-मैस्र ३०: व्यक्त श्वकः पादीम्यमंद्रात लक्ति कार्याक्ता : वस्ती) में हिं : (प्रावर) व : (म्माकर) मिम् (अस्तर्) किंगर (कताक) ॥ १ ।।। (जन त्माद्रेगमेलसार) का समान न नार्वारते (का सम समार वाकारने जन्वाकारि नारक ह)क्षि (हिल्ड) ज्हाब-छावकः (उद्दाव: क्रामी छाव: बंबि: जम) छावछ: हादगाठः) पहि-मसमा (कार-माहिबान्धामा: यर) मारहों। (मार्नेश्व: वर) सादेगमेकर (इन्ड) द्यानिक (कमाक) 1189 II (वर्षाप्रत्ना । रेसा की किकारा ! कि) सीवासेय । मार् आनि हि: (मनी हि:) अन् (प्रकास) मूकी (जिल्लामिन) लाम भासी (व्यामा (पालका) तथा केस-बुबर (क्ष्मकार्वन्) र साट (र कम्पांत) करां (बास्य बाट्न) ब्राह: (क्यानाड:) क्षार्टिश्म (हर्वेडक्स) समस्य: (क्या काटम) व्य क्या (क्यन्याम् यादा) जसला (लानंसर) प्रधान्त्री (बकानुन या जासी) कापुर (काप्यामार) वार (कापर) कर्षिकी श्रुमार्य-वनना एकावा (भेक्ट विकाशक-म्यक्रमा बड़ी) व्यक्: (त्यमाकि:) में मेरे (धकामुकार) कथन निर्में (कमम्मा ट्याकार) विक बिकवर्ष (धन् क्ववरी) ॥ १६॥ (भार क्रोमिक्सक (भार क्रुंसिकसार) समानेवामि-अरान (का ड कर्ल्य - समास्याद-कार्प मान) सर्कीरले (सम्मा) वर स्थाल सारामास्य) महासाद (cxca:) ग्रेश्ववदि (गामिकाया देव थः) महिः त्यावः (महिः त्याच्यामाः कर्) विद्वाः केरे। खेळ दिमाक भी ॥ १३ ॥ (व्याप्त्रेश्व । सहक्र समाहिका क्रीयांका व्यवाम सरिया-भामर मुर्किक सार । (४) लाज कं । इह । (लाइ । हैं) करने का छा (कन्मा के का छा कन्ती-मत्रल आयर विकार) में यां (ध्वावंत तवः) (स (सस) कववी (क्षावस्तरः) विभिटेख (जिल्लीडवाड, उथा) मुकूल (वस्तर्) ह नाक्रिक (मान किल्मी:) जब विश्वमिष् (श्राम):) धाराः

(सिन्मण् । १८) निक्ति ! वर् मक्ति (मडला दाला:) अयम्मार्ड (काकारिक वर्त) किंड कर्ट्ड (क्यूकारिक: नास) नाता (लाइड कर) नात जवास तम (मकेड) आहेर दे क्षेत्र व्यात (क्षेत्र (क्षेत्र)। ६०॥ (द्मारवेम् १ वेस । मुर्किक: कामाहर केंद्र: ता कार मुक्कि कर क परीयाद । (द) समात । (वं) क्या कं प काष्ट्रम कि क्यी म इक) इसु (क क्रानिशंतव प्रथम क्रम्म) म नव क्रिय (म मुद्र मृद्र निकिल) क्लेकिकमाव (क्लेकिक) भूमकिको पत्नी ने करे) दृष्ट बके (से के) १ म का श्री (का म लार्षे) लारान सर्मूमनः (सल्लात्र समनः) मर्द्र जन वर्षन-त्रक्र-खाटा (लक्ष्य-मकाल स्थाना मेरिका) सर्वान भीवा की गांड (THEO WE DIN) 11 0311 (ध्या विट्याक्याय) गर्व- प्रातालार् (गर्वन प्रात्तन ह टिक्ना) देर कार्जालंक- यम्नी कारह वा) थाने (य:) लमामवः (मः) विद्याकः म्याप (ज्यप) ॥ ७२ ॥ (ज्य मर्का एक दिलाक मुमार वि । भूक्ष प्रविद्वि क्षमानी ही केवमनंभाषार रेंबाम्यने मेंग्रेगर । (द यात i) कातु-बारा (कार्वयक्षकाया) न्यामा भिम्न स्मीनेना (क्षीर् स्क्रेन) विज्ञानिकी (विज्ञानिक ट्यानीनार महीरक) विट्याकि-मकान (लामरमा- हाद्यासन) म्रीकार्यकार (समह्यार्)

स्यतंत्रमा (वट्याक्ष्यं) लक्ष्य अव्य (क्ष्यां नेक्ष्यक्ष्यकं) एं अमार (अवव लामार्ग) ट्याम (लामण्डवप्) प्रवंश्य (lesse 320) dans 110011 (यम- मार्खाक । क्षेत्र । क्ष्रिया क्षीयांची सार । तर) क्षीता । (यम- मार्खाक । क्ष्रियां प्राप्ति । व्याप्ति । तर) क्षीता । मन्मा (व्यवन व्यवकामामा) वालीकार के का लाम (र्रायात्म) विक्र वय यं माम्स्यमं (वय यं मा एड-ए।इ: सर) का बार (बिकाबार । अबक) वर् रेर (आमेर) किला मिर्मिय के किला मार्थिक के (डेक्ट: अन्यवन्ति भरित्री क्रिक्ट्री महिना: मार्थिक मम्बा क्ष्य राज्य क्षा लामान नव राजा द्या प्रमण देशमां। मूल प्राप (तालान) इमर्डी रेव मक बनश्यमार्बह्मित्री (यमधाना- वहमाई कर्यमि)॥ ६४॥ (सामर्क्षक विकायम्माय्या । नमकामु विकार टमेरी? सभी नार । तर) भीने ! त्यावि ! (वः) दिने (क्षिय) क्रिक्स पुर (अर्जा अर्था) हार मान्यु (स्थान अर्थ) मर्गेकः (ल्याम) लायसम् (लमार्कः) लागे (इम्प्रीरं) मंतरं (वर) मानुकार (इतं इत्कार्यकार्त मेपुरिक्र) लानु कार्यकार (क्यामार नामुम्र) रेमा (प्रमेशकर) म लक्षाकर (टर मार्नेस । इटन क्क टमार्निस वि बर्ता में मिक्रम)॥ दिवा

(कर प्रमुक्तार) नच (नम्में जनस्मिनं) अधिमाम-व्याउन (स्टाइन-क विभायत्या) स्कामा (स्मामका) क्रम्मा विकास- छ। द्वा (मर्मिट-मार्चर्) ट्या हर मिकर द्वी खिक्क (अप्रकार)।। ६ १।। क्रिका रें चार कारायाक रम्मेट) क्रमा लयाहरीय-स्त्री: (क्यक्-अवस्थानिक सिमिक्षिक्षाने केद्रवासिका:) यहाः अच्यात् (र्माक्ष् वीक्षान प्रम्यं के वा द्वित्रः मार् अप बढ़ा हि में मासब सम खाड़िकी प्राट- मार्मित (कारिका में हि) (अपर-अभित्रेश्वर्ष) क्रिक्स मिन्स (मार्टी क्रिक्स) (अपर-अक्टिस) क्रिक्स) क्रिक्स (अपर-अक्टिस) क्रिक्स) प्रशक्ताकाः (क्या नव प्रत्य प्रत्यम् व्यक्ति व्यक्ति वर्षः एक (रमका कर वाम) मह असम (सम्मा) मिर्मा (म्ट्यमालक) करवंत मार्बेबेडी (लानु राय मेरी यही) के के कल व - वट्ट (के के रिसेट - उरासारि) रेगानय है। (इन्सर्ने भा नकी:) देव मन्दि (अपमन् विग्नास्) १०१। (ला विकित्यार) नत्र (मस्यारं लक्ष्येगारं) ही - सार्यमापितः (है।: मक्स स्परः लाहमायः मुक्त कर्मा व्यापाद (द्वांड:) अविवाकिए (अभी बका निर्देश वस्) म छेडा ए (वन्डे) एक्रमा (ल्ला ल्ल्मिस्सा) नव इस् (मानुवाक्ष्य) मेळाल

(क्रामाद) रेशः (रेमकाः) कर मिकक पुरे: (धायदि) ॥ ७०॥ (क्य ही-टिलंकसराप्रकृत । स्वयः मुक्कार । ए) मेळेल ; न्य रेस्से अ (नार्या) रामा मार्थ (राह्म ये मार्थ) ट्राय हिंद (द्वा : मार्यक विकास) प्रधान (क्रम) । भवा (अक्रम हर) म थाडिम ने प (मार्डिंग न हर्म मार्डिंग अक्रमण प्रथम) किन्दु कालाय-क्याड्या (यक्ताक मित्र) में पति (द्यापाक्य) न्य (वर कार्ट्र ने में । क्या दिला कार मार्ट के में में मार वस समाष्ट्रिकार्किक्षः)॥६०॥ (दुमारम्म् केन्यां । युक्ताला मामका कान मान्या एक्न Generalla 10x) saumi (Xmers ; Darg;) अव में कात्र (के विष्ठ) एव में कि काता: (टान्न कात:) स्थित: (मम्ड:)म (म डवाड । ४७:) पुर कूला (मद्वर्णकार) मासी (मान्या ह) आर्थ (द्यामे । यह:) अत्रीम (भार सममा द्व विक) दक्ष (स्मर) खिन्द (लंग वह्र) मार्थ रिवः (मिन्धक्य)) नव-रीक्षिते (मिक्किकिन मब-मन्ति) राम रेडि (अस्काक अस्मेन) सम्मेन (अर्थ-राम-कास हिट्ड (मार्ड) वाहिका सम्पर् (म्याविष्य on was in gan grindalogy; (grid angrad मान्ना दिया के राम भारता राहि व्यक्तिक (व्यक्तिक) भारता (लाम सामाट्य कर विकाल मार्थ कि । की के के दे था के सकार) माने क्रं १ सम्बद्ध (१ सम्बद्ध) विस्ति सम्बद्ध (सक्सांत: अभिनेत्र कार्य) व्यात्रक विचित्र विकित्त वार्क) भामिनी-भा सत्ता कर्षिका है- सम्देशका (यर्का क्या क्या क्या प्र मिल्यकास समिवमेका कणकार नेक्स) काल क्षिप्र व विवास (न वक्षाम) किन्त धार्म (मका) नामस्त-नेषु-मम्बर्ध मलन (नामासन कृष्णग्रित क्षेत्र महत्वराजार्थः वष्रमक्षु देमा बबाह्य - टबाहुकाम त्याच लाववमार काप) में गठ (म्याहरी व्यवप्ति) कि कि आव्ष (विवक्ष) विविधिवर (जम्बू कि को असम असम तिमा पुरु े) आर डे अवामी (अर प्- सर्वास्त्र) हिं (Gourais) सारंगित स 11 CAN 11 (ACMANIEMED) (अक्। टरकुकर विक् जम्मारविष्ठ । क्षीक्ष: मुक्तकार । ८र) जक्षि ! क्राई (लक्षकाई) (स (सस) संबुद्ध कुर्व (ख्रेक्स) लक् में बाद (त्रिमाश्चारं) इति (नवर) सम्में व धर्म-विरंकित (शक्त दिस्प दिस्प कि किया प्रदेशन अवारिकार) चार्षकार सामाए (वरकाप नव) लाइक म्कार डमंदर (म डमोर्यक यम भारतम) देनीकिं: (निर्वाक्षिण:)॥७२॥

(नर् भामाहित्रमा: (मार्म हिट ह जाता:) विश्माति: लचलेखाः युवास्काः (त्याकाः)। सम्माम्बहः (वृद्धः) क्षेट्र कान् क्ष्मा (नाक क्ष्मक्रामः) म्यामक कं (ममा-(@) (@) (@) 11 0 0 11 क्रान्टर (मानुद्धः) टकाक्यः लाम नाता (लमदा क्राप्टर) लभक्षेत्राः सापः (एउटा) लसमाव (सप (क्या व्यामिवस्त्र) का भार म द्रास्का: (ट्याउप:) किये 12 18 राष्ट्रियार्थिक विकास (कार्न म्या कुरियाम कं प्रति) (या का ह महत्व ह राष्ट्र 18256 (MYBASSIE) 3000 119811 (क्य तम् मास्य) क्रिंग (क्यं मास्य) क्राक्य नाम (प्रकार) किन्यत (क्षण्य प्रधार) जिल्ला (12 muse) (myas) & myas (gen) 11 264 (व्यम्पर्यं । ज्या अधिकार ज्या के कार राज । (द) ईक ; मायाई (प्रामाई) रूपई (समयमास्टर) में कार्याई सर्के म् में हैं (सस कक्षे में में या खुरा हैं वित्तर (MA:) al: Mal: # 21: (SI WA CALZ) \$ (क्य) वर (कः) आर्ड (वहरड) (कर (करमन) वर (कः) ट्यामियः किल ॥ ७७॥

CLASS ROUTINE

Daye	let Period	2nd Pariod	3rd Pariod	4th Period	5th Period	6th Perlod	7th Period
Mon							
Tues							
Wed			3				
Thurs							
Fri		Market A				17.4	
Sat		396 (Care)					

Manufactured by :- M. R. CHOUDHURY & SONS.

NETAJI EXERCISEBDOKA



128 PAGES

Price - Si-

मक्रकाम, 'भाम उक्तिमंगान काक्र) प्राप्त (क्याक्र)। मक्रकाम, 'भाम उक्तिमंगार) क्षिमंगार काम्यान क्ष्यां कार्यात कार्या कार्यात कार्यात कार्यात कार्यात कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार

र्ने (व्यक्तामार्क मिल्सान्यक) कुन: (क्या: स्मर्) कारमुके मंबार (मक्पार्टायामा पाक मीन्या कारा हा साराह) much (सामार) द्राष्ट्र (चर्ड) सामार्थ (सम्मार्थ Ed 135) gris (Crus Letter & De Harmen) Color) (हर्ने) वड सम्माप्त (अग्रतः श्चित्रियाः सप्तः सक्रम्यः लिक मक्तम-म्याने भागाः आ) देल मीचि (कारिनकाम्) यसकार (क्षण्यानीयार अरक भाषा विकास) साम (मृत्यान \$10) ONTE (MZE SICH) 119>11 (डेडवीम-अर्ममप्रवि । अक्ष: अपन्तिम अविकार्मण छेखनीय-अश्मनमयत्नाक जार भावित्र त्रावि। Ex) मा बिटि! वर छपि (छएएं) भम बामार (ब्राक्टिस : सकामार , प्राक्र क्याश्वर) कः लाल (लापुक्ट्यां :) मखिकाः (भयाग्यं) कायः (लर्में बात :) क्षंत्र (क्रकाल) हर (क्रमार) लक्षरेतो (इरवा उत्समी लड्ड) नव् (बायर) बाकर (प्यकर्ष कुं) कत्याम इन्ड (नक प्रमार) भय त्यात्रवातु (क्रम लायवन्द) राक्र (माराइवर)काकी मन वाम: (धाकी को की कर देख बीप वमर) Ca (21) Ethe (122 H;) CH (NH) HAB: (CARELLA) में के (स्थानक) देव (द्रेके किए) ॥ वर॥

(शमिना-अर्मन मूपाप्वि । ब्या अविविधार भनमी आह । (र) टम्मेर्ड । में बे को यार (में के हिलायार द्या का स्थार) लान- में कित (cun प्रत) मंत्रकृति (म्याक (म्याक) भेत्रक : (लप्रकारम) मंत्रकृत (स्वामक्षात अवि) ए (वव) मर्गियः (वनी क्छान्मंगः, नारमः वका:) कहा: (कमा:) यर व्यक्ति (प्रश्मान नम् वाक्षि व अप्रिक्ति) अम: (मार : 'वड) द्रां ला कि (लाक् में) 1 (म क्या) ॥ वन।। (भाजाधारम्पात्रवि । माभीम्भी वृष्पात्र) द्रमार्भात (उन्ना लग्न हकार) वसवलग्रमा (ज्यक्तमा) भवं ; (लमहाता) कृतं के बंग्रीयतमा (अप्पाटमा) सम्प्रमार्व (भीत्राम प्रम) कां कां (भानामिन) क्वर्षी कार्थ-जनमा (बालन) किल ध्यमं डमं (कन्न ध्यमं) म्बामीर (विद्वारकी)॥१८॥ (म्माम्पारवि । वीक्षः स्थावनीमार । तः) प्रारे ! हवा-वान ! समन : (कन्मल :) भूरेका : विकारिय : (भूका अरेम वेगरेन :) किस (मध्बी (लाडिक् जर) डक्डी रे प्रमार्गार (क्मी कर्ड्यामा) लायता (काक्षा) बेस प्रसें (बिस्र धेरक कं काम ; वक्समीलार) अभीका (अवमका) अमड् (व्या) क्या वर्ष (इवनीर) यभी हका (यभी क करार) रह (रामार) वाम) (यह) टा के मीमित (cm के अगड) धूप: (निण्डवः) क्या (ATTS DE SLIDE) 11 de11

(क्रमन-त्नाहमा देग्र) वाची क्षामिछ-भयम-त्नामानिमा (कामेष-अवतः मिकामानिस वव काला त्यह्मा जम प्राप्तालन-आराम) टामाक्किम (गमामद्भाव मिक्रण मेक्रण) वेष्टिक लिशक Curenité (र्वाट्ट : 1 अम्मन्त्र कामकामारी curenin mister x a ed) one to the (one to express) within: of his (न्याहरू) विस्टी (म्थाम प्रकी) मर्भनार (मर्भनमात्रार) वर अस समात्रे विमा विमा (निवाल थाहर)॥१७॥ निम् निक (भीव-अर्मनादं) त्यारेनाम्ब- विकासर्गः (टमार्गामेखना बिमामना ह) बिलामा: (टमा:) मू:(ड्लम्:) क्रमान- ट्याडा-विलाय-ट्यामेश्वार (आलामिलाम) म्वि-करतार) के अर्थ अर्थितः (दिमासक्यात्स्य के अर्थ दुस्तः) 118411 (ज्य वास्किम अमू जावानाम) ज्यामानः ह विमानः ह म्लामः ह समायक: अम्माय: अममाय: ह मत्म्य: ह अहित्यक: ग्रमान : अभी कादम मनीविष्टः वहतावृद्धाः (बाहिका WA GIVI:) \$1800: 1196# -9011 (ला लायालय अपसार) हाट् छिटांगाकु : (हाद्रेवात्म म खिमा सट्याइवा दुर्छ:) लायात: (इक्कारक) 11 वन्ता २०11

(बर्मारवंत्र । देश (त्र प्राचित्र): म्रीक्स में हैं) लक्ष । (त्र प्राचित्र !) ত (ज्य) कलमाम्ज वर्ने भीज-अस्मारिका (क्रामाने अगुक्रमर्म्माने नमान टार्च अपि उमा अम्बर्मानि ह माने त्यर्-भीकानि है: म स्मारिका मन क्या) के स्मारक स्मी क्या (किलाक मार्ग मन्) इसर इसर विश्वीक (म्यून) विस्तामार (विद्रात) का सी कार्य हार्यकार (माड्यक समाप मक्तर्मार) न हत्तर (न म्या (तर) मर (मस्पर) ट्या-डिश-सँगाई (याद: डिश: ठाळा न: स्था: र्षेमाल रे कार्रेमर (वर्ष्मीवर क्रेका वमा कार्रेमर (क संग्रेक (नेवीक्ष)) मूसकाने (ट्यामाकाम) व्यविष्म (र्यवह:) ॥ ४ ॥ (दुराप्रवंप्र देशार । ज्या कि के : ज्यां क्रमार । (र) भा हरक । (वर सर् मार् । कात्रांत त्व से ही (सीत-मात्या) म (त्व मर्व्य) हं (सप) यानाः व्यामे (द्यामे ,यहः) हत्यासभार बिमा (मिडीगा- ह समार्थ विमा किए समहस्म प्रिकार्थः) हरका कमा (जरहरू-थ्रान्यमा नाक्ष्यहर्षात्रमा) लया पछः (लायमः) म लाक्ष ॥ २० ॥। (ज्य चिमाल सक्ष म्हार) मु: यह (मु: यह काउ) यह: (यह मर्) BATA: (30000)116011 (व्यम्परयंत्रेश । देख्य मात्त त्याला क्रायः) द्यार्थी (क्रम्य) मिलंद्रा (जमामी कारिव) थान देनवानार (क्यां-तेष्कार्) हि (वर) लंड (लंड्स) (अप्रा (में माटा के सिक्रा) , नाम कर (अयप्त) छ९ (विश्वेतार वहत) जमन्वीतपर् (कार्य) म:

(क्षाक्) क्षणाज र किटिय) क्षणा प्रकाम (इंब्राक्टिमा रहाड रेक्ट कर्योग) 116-811 (ला मर्याममक्त्रमार) दु। ह- मका हिसर (हाता: दु। ह म के कि स्मा) राका स्माम : के की की का (कमात) ॥ म व ॥ (वर्षाठंत्रम् । यात्रस-ध्याति एतेका व्यक्ति विवास अक्रिकः ज्यां दाराक्ष । (य) क्यापु । (व) क्या का का के (सम्माव :) (स (RE) orised (HENOR) REGIS (CHERING) BIBITO (OWERSYS केंद्र । चीजाका व्यं, इक वंक-अरम सक्षाक्ष करमायें जायं इ स्मार्क जावह ने जा जा जा का वार) स्म वर्ष : (रेअभी) लार्यक्रीन सस का आकु: (लक्षीक (क्षान: । चाकक कार 10) म्ट्रा! (मप्बद्यामानिकः। लड्ड) आकार व्याने (त्रोकार) ल्यामारी (इसामि । क्षामाका वर्षि वस्मा मित्र करिक्के जयभ्ते कु वार) इस (त्य) अदव: (मिन्ये) क्यमाने (क्यानम) क्रा द्वाप) का वार्षः (अविः व कार्य-कार्यक्रीकार्यः में। मीकार्यः साम) त्य-समाणं (त्याका-मसिता) मेने बाझा (बक्क मेह लाम: । न्ही महा देन मेह सक्ताम् (कार्ताः सम्माक) दाद्वा में क्रमाल मात्र) वावताः स्माक्त मात्र) वावताः (य ल क्रिकी) इंग्ल (न बर्कारम्) क्रिकारम (क्रिका) थ्रिक- सिबंद (खिल स्मायक भी: अत्री तम वर) । खुक्र भी (अक्ट सार्म पर) कार्यक (क्याकारक) कार्याक (खार्य) ॥ १० १।।

(ला यमाल-मळप्लट) केमामाल: (प्रकेश्व वह:) समातः साम्य (कर्वर)॥४१॥. वरव!(यथीक्क (ल्लारन्त्र । यह ला (मामला की माना की के मार) मंब्री (उच रक्नी) वती वती (रेकि ग्राट्मी माली) ब्रह्मा क्रेमा मन् (बकार्यमार् क्रम्प्र डिमापमर्) अमर्थमर् (वे विवर्षिको भारतो) मामर (वयर) क (बाहि। ज्छः (कमाप) सिम्मा (कार्य) मालका (पानीविष्यः)। निका प्रिक दिवर्गको आरो) हरह वहार (अराष) वा क वा (रेडि मिन्द्रीकी ment)110011 (ला लाम्याल-प्रक्रिय) में क्षि : (वायसाव बहमर) WARTA: (ETT) 11 5 211 (जियु पार्य मेम । बक्ष क- म्रेस कसमा छ १० वि मिल् कमा न वराय- राताव सार्याक मी बाद्य पासकार सम्मारी सहस्त्री-में को जमसार । (र साम । मानत्व ।) लार के कः के कः (भीकृष्मा डवि। । १ प्रेनवार) न वि वि (श्रीकृष्मः न हर्नि, अर्मे कर्ड) erial : (e स्तर्ण हर्ने)। टबरें: टबरें: (प्रांट टबरें में टिंग हबि । निर्वाह कार) म वि महि (क्रिक्ट्यर म क्रमिक , किन्छ थर) द्रामप ट्रिंग्स (म्यम-य ट्या इक्टि) ए क्टूर अक्टर रेग्ट्र कीक्रिक्टिश्चार्क्टिंग एन्स्र मामा दवि । निकिन आर) ने हिने कि (उन्ह्यामाना

न करि के) वक्षाती (वक्षक-प्रक्र नाकि दर्गि) त्रत्य त्रस्य (२०९ वीक्करप्रभूम् ७ विकि। निकि। वाम) त वि प हि (त्रवर्ग्ण म डमा । किसे अण्ड) अम्म मण् (मम -कसल-मंगल हिन्छ)॥ १०॥ (लक्ष्मान-प्रमेशक) में विश्वक्षे (त्राक्षेट्राक्षेत्र) लयम ट्याथपट (हिमाय्ट्रिय मळ्सपट) व लालपातः E (35 11 0>11 (जम्मात्रवि । कल्या हिन क्रीना सी स्मिष्क , नर्मि विभाग्याकार । य साल !) का समारा (वस्ती) के स्माल्यायाः वस्त्रायाः (क्सी के स्वार्थाः के क्सी के स्वार्थाः के के स्मित्र (अक्षिर) म बासरात (म स है सिव्ये । विमास र्जिष्ट 1 (४) अरद्भ ; (३०) इ अरत् (अ) के क्यार) अर्थ उन्यु "क्रास्थ्य म- वमकामर्" रेक्ट्रमा क्रमा हिन्द्रमा ह रमपाना व तवालि प्र जिलि "धार्य वर्" रेकाभी ह व सन् विकि धर्मानुबर अपमार्शियार । (र अविकार) लाभिति!) में हि महि (अद्देवरां न क्षेत्रणिति किन्तु) 112011 (Marien son I sull) 119511

(अम सामाना मार) ट्यामिक सा (क सनासक मकता का मेरे क् मिल्का :) अवाक्ष- टम्म ५ (अया वाक्ष त्यां ने) व यद्भाः व्यत्। १०॥ (वर्षाठं ने पूर्ण । आमा न्योकक माणु मानु । (४) लाक । (सर्भेस- व्यामुक । वैं) सर्भेदा- माला (क्युकेतक वर्रस्या त्व इंडार्थ:) यस मत्यान-अवस्थिका० (प्रत्यम-नाम् विलास०) योग्य (अयम । बाह्यर) के डिलि: (क्याक्य-स्थानु हिं जारा-वस्त्राहिक) विकला (वेदल्यामुख्य कलाशीम ह) क्षा म् मान्त्री (ब्याक्षा (धाली व्यान्त्री व) के (केंच) परं (3 muster " series) 4000 (320- 02.) 11 98 11 (कार्कटम्म-निकारक) क्रम् क्रानि (भक्त केक्रानि किर्मिकानि क्रान्त्र) वर्षेक्षापु (वयम मात्रकारंग वर दुक्षापु वर्षि) इति (वदः सम्भातः) यर १६: (बाका) सः लाख्याः (E(49) 11 Da11 (वर्यार व्यक्त । स्थान्त्री व न्याना का का निक्ता है।

कि में लम (लास्य प्रमुखा- प्रत्य) में मा (प्रमुख्याम) की कि को प्रमा प्रव लागटना में की कि प्रमुख माम । (में कि ला - में मा) की कि की वासामां : शिक्षित्त प्रमुख माम । (में कि ला - में मा) कि में लाम । (में कि लाम - में माम । (में कि लाम - में मा) कि में लाम । (में कि लाम में माम का - में माम । (में कि लाम)

विकिथियरिकामि (मार्याम्) भा कुमा: (म कुक । थठ:) दी भा (खिलकी दार्गिक: एक्टिंग्रं) भीट्रं इस (ताम भी भा अस्ति : हिक्स है अप्राचित कार्या के कार्या है है है प्रामुका (कार्त) आसी सुकारा: (क्या क्रिया क्या) करिया (हिल्मका) भिन्द (बाह्त) के मुक्क (क्रिकी कर्म है। लह: लानि जाम रहते श्रीवर्षण्य वत बह्वामिति अवा व्या क्ष्ममह्यामिह हार:)॥ १८॥ (ज्य ज्यारा अस्ते) यव व ज्यार्थ-क्राम् (ज्यार्थन जित्र किसीएंग क्रमार अमुक्स वमुता भव मृहत्र) त्रः क्रायाः देखि क्षेत्रिकः (कार्यकः)॥ . ११।। (बरेतार वेपूर्ण । प्राम्पीयेश (लाप्त्राम्याम । एवं त्यात्रां) तवा पाडिमी (रेप्ट् मुक्ता पाडिम् नाविका) विक्र कट् (13मा लाक्ष्म अवड) में (म्य) दुख्य पड (६) म्य-इ से (रूपम्या के क्या) सर्मि । जाता (सर् जाय के वर्षा) RIGHT SIMES (ERBYS) SING (CINAYS) STAR-रिते १ द्वार (मार्से) न्यास्या द्वारा मुक्रिक -(अम्मी) अस्वनारमार्क (अस्वनमस्भेष्) रेनि (गर्क) छिम समीमिर्ड (सम्या बाह्र) लाउक्प) (क्रह्म) क्राम (अविविक- एक्स कार्य) अपर्यः में में (क्ष्रिक) स्थिति। स्थानिक क्ष्रिक क्ष्रिक

(र्याट्ड द अरामा सर् टासर अम्माक) के नमा (काळा-प्रायम)॥ भ १ ।। (टिलाइकार्यक्र तथार) २० इ विकार्य- वह मर (व्यक्तानिमिक् गळा) यः देनाम्यः देनात ॥ भगा। (वरमायंत्र । वैक्रान्या साम्य विविद्यस्य । (य)सेत्य । (इत्।) त्रोवन-लक्षीः (त्रोवन-लीः) विपूर्वियम त्या (दिक्य दिलासव १ एक ला विविक्ता विशेष्ट्री कार्यः किष्ण) क्रिलाकाषुडक्षः (विलाक-मूल्यः अयर) लगदिनः (अक्टकारान) अन्द्रमा (अन्द्रम्स दर्ग) उप (बसार) अमूह कुंग्रमाभ (क्राव-अम्म-म्भविष्ट) काम्मन) मुल्यायम कूट्यू श्रीमार्थम (श्रीकृटकम अह) सरमा (। कि मिका अभी) अध्यार (यद्यार) स्विमिन (Lax 1 do) 2 do 11 200 11 (लग पुरस्थमम् प्रमार) लग्दं यः (बमा लग्दं) लाउं इ ब्यापि डास्पर (क्रमपर) व मिस्मि : हित्र 1120911 कार्यात्वाल) इत्तं (स (सस) काश्री या श्री (क्षाव क्षा) (क्षाव क्षा । विभाग निक्षि की क्षा कि कार्य कार्य । विभाग निक्षि की क्षाव कार्य कार्य । इगर ह (स (सम) मर्थी लामिडा (खबार्ड , द्या) देगर वार्ड स्थिताम (द्यासि वेसा:) विस: (वमः) मुक्कार्यः (क्रम्स-£ मंत्राक्ष लच) लास्त्र । 1 30 5 11

(अभ अभारत्य-तक नेयार) अभावत (कमानि इलम) आञ्चाहितासाङिः (आञ्चतः शहितासम् हेकिः कस्तर्) रामा : रेडि अस्टि (क्षिट्ट) 1120011 (जन्मारवर्ग । भामका: प्रश्री अक्रिक विषक तमानी वृष्टि-मासम्मित्र कर्या इंश्रीत) काम्युवत (कराभाकामत्त लाक कामार्ट वतन) विलम त्रवक-सुवका (विलम म लाख्यान : पदकः पदाशकः सेवरका उळः विलक्ष मिन्नार्गक्री स्थल भय मा) भामा (माडिं, अल्म ड मामी लाजी ह) सिमाडि (दिशामा ए देवि) अला (ध्यासक्य, जलान इ०) क्यामिव (क्न एक्ना) वृश्वीः (धमाव्) हुम्मि , अभवा (वर्) ममनः (इगः , अल्य काम्यक्ष) वामे (टराप्त ' २०:)। १७० समः (हार मा कि प्रथ ए अमाम रेण्यः। निम्हल एमव कार् थान मुक्तियुक्त साल दायने प्रिनि GTA:) 11 208 11 सर्वा (लासापो काल) राम नं एवं (व्यक्तिका:) राहिका: ध्रम् वारा : द्वारे (प्रमुवारे , क्याले) मर्द्र नरम) कार्यक्षा राष्ट्र - ट्या त कार (कार्यक्ष कार्य के व्यक्ति (स्मिन्नाहकामा व्यक्तिहात) इर (सर्व-वम-सम्राप) 24 (20) अर्बिकी हिंग: (CAYST:) 11 20 811

(लग साहित्य वासमें उस्टिवें कं शिमें में एडबेल । मी केंद्रमा मर्म मक्तमात्र । एवं मरम !) भव्यमानिका (पक्ष व्यानमः मभाः मस्तः सा कलाके वाण मंगरं) या कुका अवनाम्या (अवप-भी (यम) (अल्या (असे अपिता) मिक्का) मिक्का (मिल्या करें।) वाराष्ट्रेश (यक्सामा व्या) कृष्टिल-त्याहमा (म्राडिल-यन्त्रा म सड्डी) क्यर (एस प्रदेश) अक्षानुका-निर्मा (अक्षामुकार्मः अवस्थिकार कुस् भिक्षा व सिक्रान् कर्मक (अम्ब्रम) ॥ ।।। अन्तिमी क्लोनियानी मार ति वि! (उन ८० वून असु म पारविष) वय- असी (निविष- क्षा) रेप्ट्रे विशक्ता (भीवादा) अन-सामिक-हास्मे (अधानि टिल्म सम्हार्यन) हिने वा (क्र यश्वा मडी) रावि वा वार्मिंग (का भीया) मिन्ह मार्थी (831) 4 54 11211 (लाक्त्राट्डेक् शिक्षे में निक्षि । वाह्यारे म्यूने महै मार्प : स्री के कि-यार । ८४) मैं के य ं वाचा ज्याम अम्बे के पार (ज्या कि का करें। य पकार्य म में कार्य ता वार्ष्या वैया दुवसा तत्रासिकार्देवारं) वर सर्विय-मक्षार (धार्यकान्यर) विस्का (पृथ्वेर) कार्त (हिट्ड) यत्र वक्ष प्रश्निया (वत्र वडी हमराक्रिया विभाषा भागाः मा ज्या मजी) निर्मिश्चिष (निध्यक्तानममा) ह निक्ता (स्द्वा) ह असलि (अगला शेष्टि) कर्मण (अला) ॥ ७॥

(विभाम-त्रष्कः असुम्मार्वि। हियाणाः अभी अम्मीयार। CX श्राम !) हिचा (क्राक्रा (माभी) अट्याक्र-ताहन मु (कस्त-मगमक क्षीकक्ष्म) विलस् (आभस्त कालाक्ष्म) दिताक (पृष्टें) प्रमादिल-विधन हा (प्रद्वाविल: शक्कि: विस्परस्य विवेष्य तता सा लगा स्तु) वच (श्रिम) मा ६७- लियम (मा६७-मानम) इन्युमा) पाइ (पडा कुर्व) तिलाइ (अळ्ळे) हिमार्थेल (हिम्र ६ मिम्हला) बहुब 11811 (लमन्डर्केकर असे मेसारवृत् । न्यामभागः सन्। क्रीयम्परार । र मार्थ!) न्यामन निमि (गास्मे) भाष्यम (श्रीकृष्टम) र् अस्तित्व - ध्याचार (अर्धित्विक न्यामा दुष्टानुक प्याचर मास (र भामि। देखाकावर भय जर)। भवर (बाहर)।मिलमध्य (क्टबा) अभ्यं (अभ्यायर काला) प्राम्यासी (सिम्म-न्य)-(मन्ता क्या) या गता (का स्था विश्व अभवत्ता मक् कता वासा-बायक्रमणा) विक्रिषा (बीता) ह (मन) (प्रविधारिष् (द्वाकांना) रेव ध्या भीर (धाडवर)॥ व।। (ला उत्तर के असे साम) उद् : (मिकिस) के व्य त्यान् क ट्याय - सर्ट्यात्वर (ट्यालाः क (काप्तां : यत्याः : सर्टिया सर्माक्र) लाहुलक) (माला) मै प्रकारण स-कामोर्ग (में का त्या से के का का का का ता ता है) (त्या में - संप्रा के ((अमाम्नाह: अर्धावाविह:) अराजाः (समाम्रम् , आला निविष्यः) मलि (आरको)।। छ।।

(देगात्र वंभाक्त वात्र । नाने वा व्योक्यक्तात्र । (क) शास्त्र ! वार्था विश्विम (विश्व मूला) देळ्या न हण्य का सु भणेता (देळा समा स्य कार साप्त मानी कंड पृष्टिका।) निश्चित व्यक्ति (३१७) क्रेच्ट (।राष्ट्रक्स्)। यद (यमाद) लावकामा हत्य (बादाक हेदायुत्त लायाहत्त से मधाल) कुमकेख (दुस्त सका के आहे आ) किए देशका मार (किस् क्या दिया कर लाम) चर्चा (एन्स्डार्) विडिडि (क्षर्मारे) ॥ १॥ (लगरत केक के से मेरा वंश्व । के एक अम् कार बिमामार दिवाद लाउस्मन ट्यालासम्म अवलम विक्रिशे अम्मम्म अक्षिः साप्र 10x) खुलाट्य ; (हिं) क्वंया (दित्य कळ्या) सार्टि : (म डर 1 थड:) जन जारे आहे: विष्यं (कार्या क्टि। किक मेर) महाकृषे (महाड्यमें) मिलिडा (धन-वनाव्छा अल्मानका रेड्यः)। त्यकाम विल्: (मस्यान् कप्त्रसंह: ०व)कालायांतः (अववारं) अग्र अभाष्ट्रम कृषाः (विष्ठणः) अकवीः (अयडणीः) विस्मानि (विलग्द नमाडि)॥ ४॥ (टकामित्यक् केट् व्यवस्थार कार्ट । मामीसू भी त्यो मिशामीसार । (क त्यत्र!) आती (क्यामा (आयी) (आयम्भायतम (माय-म्यात्मम अर्थार (य जिएं न्यामात ! केडि क्षीकृष्टक कर्ड के मास्पर्धतम) श्चिम (अड: महुका) काल हमड: (गालम) आसीम डावं

(योभी म्या) गुडारी (विशे अका निवयन)। जमान (अप्रा:) अदे (यत्रत्) कार्त्यो (कार्य के स्था) (अमास्त्रास्त्र करें। (अमारास्त्र केरे (करा:) क्रिये (QU में भेड़ (21 MG) (3 E THEN MADE !) 11 911 नीतार प्ष्डिश भागीर (योगमा भार) हम्क हम्मार (विने -यम्यायार) लक्षकारं (प्याल्यारं) सर्वः (ब्रयाप्) र्यावर (समकातः) हम्रहः सर्वाष्ट्रमः (अव्यकः) जाताक) (पृक्ष) ज्य (जप्यामनीया (अय मधी अठः) त्या भागंत (क्षामा क्षात्म) म्यान्यायती (दिव बडाय) मर्नः) र् दासाकिक (सकी) विमुक्ति थि: (विमाय-विकारिक [MENT 5 208) ONATED (# (328) 112011 (लग इक्टरवेक र पासाक्षेत्रार । खी अक: अव्याक्षित वार) काहिए (लाभी) ७० (भीकृष्ण्) त्यव (भून भियन किय वार्यन) क्रिके क्रिक्ष (क्रम्प्नीक्रा) निसीता (त्यानिसीत्रन् के का) १ द जा की (लाम्युक्र)) जैयाकार (लामाक करारा) व्यानक- मर्भू छा (व्यानक- विम्ना ह मही) (यानी (प्र्यामी) इंद (राजा मारक्या) लाटक (वर्ष मा) ॥ >> ॥ (द्राउब्पाधकरा काक्ष्राक्रमकक कर्षेतः स्थान वर्षेत्र- लादा: खिल्यानार) ज्या (स्तया अ वाक्षते स्थार व्योक्ष लासर मृत्र न्यम्प्यस्य) (कार्यक्रिका क्र मिड़ (कार्यक्रिका मुकू निष अभ्याधि: यभा : जभा :) जभा : (कृ । क्रिका :) बाम का बाद (काम-खेकाबाद) अवसान द्वास्थान का न । क्रमें कार्य (खिले के किया किया किया किया है) से के हेर्मुकानि (क्यानि) रेव देम्यीविका मानः (देम्मला भीवा देवभीविका जमा मामर जमार्भन (वर) देव धत्र दूरन (श्रीक्यः , भीया द्वा हिन् विक्रा रिकारि (इम्ट्रह्रकर दासाक्षरमारं वृत्ति । माणाः सन्। समन्। मारा (र मार्थ!) ww अविद्याल- हिल (अविद्यालन प्रथम) (अवटल्प म्हेल (मामूल) वित्यक्रम्टि (एश्मिश्टि) सँभं काल्यायात (सँभं माल से कार्य माल साम माल साम) भामी कामिकाअंत्रामी: (कामिकामरा विभा) विभान मूलक-लामु: (लाक् यामाक नेका 'कमा)लस्त्री के करी हैंया (लक्ष्रकेश भुशुक्त अक्ष्यांग द्रेश्रः । द्रितः पत्राता र : लात्म माम मा क्या ह सदी) र्यं (मिक्किं) धार्मिलें (थालिंगिंड वडी)॥३७॥ (ज्य विसार (इक् कर्यक्टमं से मार्याह । रामक-मन्माः श्री नार्वा था: मश्री व्यो कृष्णः विकि जम वा कि निकः जभा वन कार्यः

भागमधा (अडी-) म्माकी (अरामा की वादा अम) वर अमम क मा हि छा ० (अयत-कामिकार्) विशाप (क्षा) व्यक्तमिकिममा (विषमम्मित्रा) चिल्ल मूलक्षानि: (अविदामाक नानि-मका १ सभी) अधिकारिकांचं (अधिक: लात्र मण्डः अपिकाव: स्वाति दिला स्वा भन कर् भार भारता । किक) अ देश्मिक-सिंह म-राष्ट्र-राष्ट्रमर् (अद्व: अडाउर किनिएम कार्डमा भ: काकः क्रामीबिलायः (जम गाकु मर प्रमामाप्रिकारः) नाइन्द्री (विलल्डी वास्ट्र देखिल्यमः (क्रिमण्डानम्ही 2800 26 (NA:)11 28 11 (विसान (प्रकेट कर प्रवट असे तार प्रविश । स्वी वा क्र प्राप्त । (र साम ।) अक्सम् मा शिम्रा कक्रां (१ वः सराम सम् यः व्याह्मायार् क्यायमः (क्या शिव्यः सर्थः क्षे: ममासिता) समा रे कर- मर्द्या (इस्माइक्ति) रेविता (र्यमाः) ल्याम्बा (क्यान्न) असे विं व्यान्ति । श्वित्वम् वापता (अव्यव्यव्यो वापन-कात्न) न जाम् वाक मूलकान (भूलकापनमान) न वि(ताकिववर्ग (त पृथेति)।।) ७।। (अमर्टिक अवस्मित्या । क्या वार्ता भर मार्थी प -प्रसामानसुवर कपारिष् वदात्र श्रीकृष्का विभात्रार् प्रार सर्टमाममारकार । (इ) साम् । त्याका हित् (इवस्क)

CE (सप्त) अवसार आ: (लाड्रियाह्या:) काह त्यंते १०: (बल्डा:) म भीकाडि (म कीलाहि नियमहि नयम) अव मसीळार्: १ किसे) लागे बासानाः स्ट अवंश्रेषस्य माश्री . १९५: (में ४: में म: में १: व्यक्ति के विकास के स्थापा कार् व्यक्तानार उक्तालार महहः वित्तानिक्रं वित्तानिक (राज क:) त्वात्त-अर्थत वादाः (त्वात्त्र प्रमान वाक्ष्यश्रम लक्ष्यामीनार् लक्षान सम् विद्व हर्मान गत्र दे) क्रिके : (कि - नि - अने क्रिकें प्रकारिक कि कि - कि महा (हि कि हिंदा: (टक्षे अ यत्ने या कि:) व्याल्किन यामिक्येल: (विक्राय- काक विन्त हि:) या (मामूक में द्विश वा प्राय काम) वामार (त्यक्तममीयर) देक्तम नर्मा हामें हि: (हेक्ट्रमाडि: अविश्रम-वहन-दिलेडि:) कार्य ज्या (कार्ट्र) (उद्दे) वृद्धिः (भारत्यः)म आखः काम ॥ > ७॥ (अग वर्षात्रक अवडम्मार) मा (कार्मी) ज्र (मार्क इ.म. (में या) माली त (मार में में में माना) द्राप्त के वा मर (क्रथमी:) अभी: बालाह: (बार्क:) ७ वर्ष किन (बिक्टबडी रार् : श्रीकृत्य श्रीक स्वा कार्य कार्य वर्गीकार्य:1 किन) भी छ कि मजा (भी छ : श्रीक् मान् मामा) कर्न-बलवां भूटक छार) भगानि (आक्षानि) अवरिव कं छानि (श्रीप-अवस्थान्) म विषामुद्ध (म काठवरी)॥>9॥

(लग क्रीक्टिके कर अवका संग्रेस के । क्रीके तका खिला भारतार। (१) प्राप्ति । प्रतितंत्रमे (मङ्गानमा) मारिका अभय-मकंस- नर्सान (अभ्रय- मधागद्य - विलास) आर्यवम- म्यानिक्या (असि सिन डिएम अमिडमा विकृष्टिम्डमा) व्यान निवा (राहा) अस अपनि-वाहे (क्रियार) कार्ये (काया ले आनिकार्) मन-मूर्या-इपिनीः(मनीमाम्छ-(आठमाने)) विराद्ध (असादिवर्ग)॥ असी . ४०॥ (अभ जासरइकुक् रवमभूम्मारवृति। कमाहि ब्राहिनमा निक्की-यानकार दिवस अन्त्रिक्ष्मभ्यामा : बीजाबामा : नार्ल कीरवय-भावित अक्षि जामन हेमारिये वि अक्सामा दिस्तारे ह उत्तर भूर । के किव कार्यार्थ आरे से यान जी जा सी साधार विभाश मी देवार। (य मार्थ!) वारिक! अप्र क्लाव: भवि-तम डाक (यू राष्ट-(यम रेव: अम र छ ए । । किन्न) अञ्च : किन (स्टांडाला) वर सामिलः (मिर्नेडि: मिक्सिले छेरिड्र न अक रेलार्थ;) अणि: (आकी आहममूर्व करक)। वर व्याभी (लगा पासकावंपास किंग जाका क्ष्मा) ति (लन) मृद्धि: (भवीवर्) किर् (मथ्ट) अवाष-कप्रती-क्रूपार् (सर्दित प्राद्धा मभी कथना कर्या वर्षात्मारे कम्ममानम् सिछ्यः) प्रि (शृष्टि) ॥ २०॥

(७० इस अपूकर (मण्यस्यात्र मेरि। भूका सनिविकी? न्त्रीनिक्षण् नाविष्य यात्र । (स मार्थ !) व न्नव वास कू भारत (इरम्य न मान) भूगण: (ध्याकारम)। मिलिए (मारिड मार इं) कि (क्य) था उकस्या (पृत्री छ - कस्या) लास (द्यास)। (तथाया (व केंचा) कुन्द पायुक्त (लाउं) कर लार्क् कार्स (राष्ट्र। लाकः) लाक्कें (न्ह्याहरं) आर्डेंड (आर्ड्ड) ।। ३०॥ (लाम लास स्टिटेकड (यल मसे सारवाद । मार्का मार्थमुर अमार मकार । (४) अटम ! (४०) मार् के मिस (१४० अछ क्षा)म धार्म (म खनामि , जपा) किए (क्रम् जव) ज्म: (मृडि:) अम्बर् (२०१९) केर्क्साड (अङ्ग्र्रः कम्प्रधाना हराक)। निवाद (निर्वाट-प्राप्ता)। निर्दय-स्थित (में व्याप- त्येत्रा व्यत्न-तेक्त) सुव्यान्त्रम केवः (क्रभार) विक्लार्ड (क्रम्साल न विक्लिओखार्ड) ॥ २३॥ (अम विसामर्द्रकृष्ट् वियम्। सूमार्वा । विश्वस्तामाः सीमर्गणः सन् क्रिकश्य । (इ) क्रिका वर्ण विला। (उ प्रमाः भाषित्!) कताकुष-कृष्ट्रिकः (क्षुप्रम्माभे अविद्याविः) सर्विद्य- वर्दः (अक्तादिक-सार्विग्राद्यः) लयर (अठायर) मैक्सो (अख्किसो क्वर) एकार (क्रम्मान) एकं

हिनान (हिन कायर) हिन्द- नियम- (क्योमीमा कार (हिनसा इसी छत्रा बदमबद परुवद (का मीर एवजार का कार् मी छिर) इप्ट्) पुक्रवेढें (जकायानकः) विशेषः (ज्यावार्गाः) विश्वश्री (महर्ष) प्रमः (हमाः) लाल (इसामीः) व्याउ (आरमाः) लास: (चास:)। काव: अर्ड (क्या:) मार्थम्मामा: (य्रुन-यत्रामा:) १६० दिलस्य (अवाट्य: प्रेम्सिक्क) मः) कार्स (ed) 12 (& sout) 115511 (लम द्यान्य प्रकेष (कृष्ण्य । सस्ति। वस्ति क्या किस्यकार्य हिट्याक कारी देव का लिय स्था अपूर्ण की वार्वाद की के का कार 10) सार्थ :) रेपावक भीमान्त्रातं (रेपातिक भीणता व्यवत्ताः थ: विश्व : की जा जा अर्म) वित्रा जित्रा आत प्रि वं) थकाट (धनवमद भव) क्यू (क्न प्रकृता) निम्बद्धा (आवक-विषया) मुखा (आका) आमि (शेर्ष) क्रम (१८)। भिष्णुत्म (लक्ष वाट्य) व्यावसी (व्यव दकायाया) Сор; (लाकाकार) किश्चि (ककर) अयवे मैं मंचे का असे -क्रियेश्वती (अभवता अम्लूक दुरमंगाम् में त्रायं -वक्तिसा अक्ष: मित्नमे बिसी त्रकाई मा बमादि वा) खारित (स्य बामक म्ब्राम्:)115011

(अर की विद्यूक रे तेर में प्राच । नुमा त्यों में प्राची वाडाव) उद्देश (यसमा करि) शार्थत्वन मार्थ (२०१) कीए का।: (ड्डिंडी:) अस कन (काम्य) ना आर (समा व) मार्ट त्र कार्याक (के ही) विक्र वामा: (हमा व अवपाता:) अस्थाता: जम् (एमर) वात (नक्षीकिक)) कमा (कार्क) कामिमा (साम्ये) क्रायी (क्रव्ये) तक्र (त्ये क्रिया) TOX (अवा) कुरे (स्रीयाक्षा) खिला (कि कि ए कि) न अम्मिम् (य अधिष्टिका)॥ 5811 (लाम इस्टिकेन लाक्स दिलाइमिट । मीयनेसन कार्यहितास्पू : बार) विम्डम-मधालाक-मद्या (खिन्डम्म) क्री किम सद्यात्मक सद्या म्यां मकात्म) क्यां (मंत्र का बेटा थं) कार् क्या (कार्य) विषय महत्र - छात्र (व्यय वर्ग हक्ष्मव्या व्यक्त क्ष्रीयका मत्त वर राजा मीरवन्त क्ष्रीक क्ष्री मिट (म् लाइकाता: (अवरमा:) अधारता: लाख्या: (यनपरमा:) क्रामी (उदस्या) व्यय न नम- नर्ग य- ममन- व्यग्तिम (क्यम ने (कर्म अर्ड ड- मामन-क्रिया आस्मे) - वर समास:-असर : (मक्सिकामक ने) देव दर्भाक्षिक्त : (धातलाक-कार्ल:) ललाक (लाहिट्या अक्टर वहूर) 112011 (क्राइंत कामलाक्र प्रभाव) में मावड (क्रियं भाव) मत (क्ष्यन्थ-क्षड्कं) १०० (सिमुक्स्) ११८२। २४) सत्यासाकः (व्यासाक्ष्य अक पक्षायरं) ग्रामि

(लाम द्यावद्यक्षर लास द्रामम् । महिलांग द्रमें में भी: यशू स्मारीयार) वसा रेन्स्मारी आव: (अलव-काल) डेस: यूर्मक भारी-अवार्षेय-सक्त-भक्षन् (द्याम् क्राम् म्येव सकामायर लय-याम्य लवन-यात्रकांगः प्रवाहित-वक्षयो प्रवादी।वृद् क्रिय- क्रिसम्या प्रभी प्रभी वर) मंत्रिय (म्येकः) भेक सामा (भाकी मछी) विकित् धार्म धाना (धनका) काक्क - मृद्धि: (मङ्क्रीहिक- नयमा मडी) त्वाथा अह- विक्रु खन् (चामटड्रेकर लामक प्यामर) येखार (० क्राल) 11 541 (स्रामाना वरेटाउक् सार । माएका नामाना कार मार मार्क बक्तमं । (द्र) आदि । कार्याद्य विता यव कामाम (लक्षाम भाव) कसार (एडा:) (व (वन) कसा(पासन) भक्षा: (कर्मा:) मार्ड: (बाकानि धवर्डा रेडि लाम:। कुक)लाखा । कम् (त्य प्रवेस) (व (वर) वैदिना ; (स्मेमला) डावार कावा: (मकाशव-मर्ने मो:) वर्षाक्त-क्षां : (कक्षान्य-मनाया :) न्यादि (विश्वा द्यादि)॥१०॥ सी पार अ एक्टेराका - बातमर (अक्टेराइड कर कलमर) । आवा काली (। भिरं मः कम्म न मकः) मिनः ज्या मः (पीर्धानः ज्या मप् छः) क्रिवंद्या के कि विषय के (क्रिवंद्या उद्या कि का प्राप्त परियों ह तत्र ed) कुराक्ष-में बैद्ध करें (किराक्ष के क्षेत्र वाक तेरक 5 2 ed ash & Bo (Cale) 11 5911

(अम विवास- ८२ दक्ष व्याम देश मंत्र वाहि। स्थामित हर्नेका दे क्री के युक्त कार । (य) क के ति क ं (यर प्राय कि ने या-न्याम् । क्यां वा व । व) ये महत्त्र भे मा मा से स्वां ता (का -म्याद्रम्) यास्यर सा केंका । (त्रः) ककं म- पकं स्पर्माः (क्याम्सः) राष्ट्र: (ज्याक्षः) हात् (क्रार त्याः) हितः (स्मर्ग) कंक पर मिसामोडि (कर्षिमी पर) 110011 (लाम सेमाइविक् समामियार काए । मास्य कारा: मार्कक-म्भ्यामण् जी नालिका विभागण सरास्तिति । (र सार्थः) मामुख (मुर्कि) अं यः (लम्यः) साम्भादकावं (यम्पूर्) रेए (आर अ अ वि) मार्गा मूनिव (म्तिविव) गर्था : सरका (अक्षानेत्रायं) स्वित्रकाई पाक (स्थाय के सारक इक्षाः) ध्यार्मः वृत्य (यन्यम्भयः) व्यव्यक्ष्या (मान्तमभूमा लाख) करें: क्रांश्य-निश्वतः (क्रांश्याः स्क्रिय । निश्चमा : लका धन म टकाट्ड : काड :) मामाजूरी ह (माभा मेट्रमेशक) मिमादिक-आसा (य्रिक-ज्यामा १ रे त्यति। क्रिक) समः त्याल अवस्त्रास्य-त्रवृत्त (अवस्तरम्य-म् एम) स्थेष्ट् (अभिष् त्र) त्र भाषि प्रमाधिसाय १ ण खबर के) अता (धार सिक्सिमारी) 110311

(लक में: माउन कर त्या नमिता र वाल । त्या नधामी परमा) (मम (करमर्टाम) (mm) - क्लाम - व्याप में अमे उटाममा कतालयमा उड्ड कीयन कतम्बन व निष्यामा उड़ि: (योककः) द्व: (यवाद) रेचं (सम्बाकम्बर्) किल-बाउ (जलक भावः अम) क्ष्मम्लम मक्षान बस्म (केंक्सिल्म) के का (स्मिष्म) ते के था (ते के अप के) काम् वार् (क्रिन्सम)। या त्रिक् (लाक्ष कक् राठ) मृगंद कें सार (ल.व. श्राह्माद्याः) भीत प्रवस्थान्। (स्विकाग्रं अस्वक्षाय- त्रम क्षेत्र) । ला मास्व - न्या मासः (। लामस्वाः क्षित्र के प्रवा : अप्रायमित : ज्या से स्वर क क्ष्म क राग्य : आ ON मही) धारमी निक्ष (प्रमामी प्रमार क्रा अपि । क्रेमिन) D: may: (amin:) @a6 11 0 511 (लाम र्यात्वाम् बादाममाइवाक । काष्ट्र श्रष्ट्र मामन-विभान-काचि में एवी श्रमम् अप्र। (र) भेम ! मूनाभात! (एव-उराप;) राक्ष्य- वैकाम् (राज्यां सामा: माम्प) अंद: (यम्प्य) त्य लाभ मा (अम्म माय के के क्ष्म प्र (क्ष्म प्रकार) माय माय के के क्ष्म (क्ष्म प्रकार) माय माय के के क्ष्म के कि कि माय के कि कि का माय के कि का माय के कि कि का माय के कि का माय कि बामकम् आक्रिया (क्रम्कम् म्याक्ष्र) अत्मित्र में क्र (क्रम् (रदूम) भूम: भूमारे (भूमक-मुंक ् मार्जामें कुर्यः)॥ ००॥

(लाम क्षामुकाम कार्यमाय मार मेख । हमार सक टिल्मा कार ! ex) आर्थ! श्रीता मानित-प्रार्थ! (कप्रल-सप्ता!) शता! उन दिक्त्याय विकार (लिक्स) मिक्स प्रकर (स्था प्रकर) दिवार (भारतातु किक) व नेवास्त्र (द्याराकड छि:) ठेत्, (र्याष्ट्र) Cale ' कुळ) लाकी: में (मंत्रमें अपूर्) लाख मंत्रकरं (लास्कर ट्याह)। वर (क्यार) दुर्याद (समा भिन्निक थर) ((व) पिका (लालन) मीन: निर्वः (मीनवाना बकाए विषयः ' जीक मारकः) व्यास (न बादि) कंद लाहिक्द ० मर् (इन-क्राय ० मर्) सम्म: (बाहा:) 11 0811 (त्र मुक्समं ले वर्षे मेरड हा । क्रिक्स क्री के स्वरुद्ध १८४) मार्के. रमान । (लाके-भाग । याम ।) (व (वर) महिन्दिताः (क्सम-ळ्याताः) लाभू : (यंत्राताः) वत्त्वत्तवः (क्याक्षा:) क्यानः (हायर) आक्ष्यमाद (अक्षेत्रक्र कर्याहि) भाभा : (भाम-अवता :) हुवार (वव) देर्वाकार-किर्द क्षेत्रवर्म का (समाल्ड समन्) ठाउवगार्ड (अधिरायत्युर्श्यतः) कि ल्या (प्राव) (यामात्य में क्री: म (ट्यास्पक- प्राथत:) १ अववर (स्वववर) भी 3 : (जव भवीवर्) मस्वयंहि (माजानुकार् क्वर्विति। पाष: पारः) सक् (मिक्ट्रमास मिर्)सम्बन-सम्बनी (सम्बन्भ) अविकान) स्मियी सार्विक) अवप्राय: (एव क्प्राय:) व्यक्षामा (अभीवर) ताकोरमान्य (क्षावर 'क्रांत अक्षिक कार्य निक्र हार्य के व्यक्त हैं। ।। न व।।

(क्य दुम्मुक्षामं शक्तमं मात्र के छ । स्ट्राह्मा भाष्ट्रक्या म्मास्यः अकिकार) का ज भाया क (कर) पर-ANTON (TON SON WING) HOUR (TON SON SON (त्राम निर्मात्ने (orm अवारात) माडा (कार्डामका हुआ) (यहास में कार्यान, (मार्य प्रसंद में कार्यान,) रह्या-(LEWEL) Carentonic se i - och Care (Carenton sum attory exter warsay gamay) (great (anstar) 2/12 अर्थिते हुन हिल्ला अरेड म्या के क्रिया करें निया अर अत्भ विमे विवयत्म अम्मकाभव अर के व्यूपर में गुरु न्यार : र) असी मा की म तिरात्री (कर्ति है। कार्यात्र भा मा मारा मार्की सकी मारा प्रया त्या कर माना मा मार्थिय विग भी काक प्राय सवार: सन्। एता) राश्म (सिलिक) में वसी. (अकासक्षमा मठी) देखि (वर अकारंत) (छ (वर) वर्त-अंगमार (वर्त-अमारामकार्यः) अळ्ला (क्ष-विमाप-CMY (क्षा) सहा जिल (क्षा: 200 के दिन कर निष्म थ : , क्र मुक्स) र्म क डं ब्लाक्ट मड़ी) किए 110011 क्र हिए (का भीराक्ष) के हे की छम मार (जन भागमार छा बामार) हिनाः यत (एक निलामा यत) भूकीकाः (म्मिनीक-20 किका:) आडे (दश्रेड) व्या (भू भी क दश्र)-1 र

मार्डिका: (एता मार क्या:) लवासाठकम् क्या दिल (व वासाठ-कर्मा शिमा९)। विस्ति (डक्टि)। ७९॥ (जमपार नर्म । भूराम डिम्ड) भूक्वा वन वर्षा हमडी? कश्मात संबंध्य अमात्य अस्मा छ-आ उत्त का का का मात्र में की में एक त्राप्त मुक्तिसम्मात सामारे व्हार । त्य) साह्य । ला (ब्रामुक) कुर् क्यूक कि (वर) से बचुक असी त्यति: (अपनिताने:) प्राणिक प्राणिता (om रेजिन के प्रकार) ग्राक्षाद्विः (प्रकालेः) वर्त्रीः (त्या-वर्भ-अभूष्ट्) निष्ठ्यः (क्काम्मा :) विष क्ली (क्रुक्ली) आम्मणः (आमम् मामावड) भू माडि: (अक्षमाम मार्चि:) (अंग-क्रानि छ: (ट्रामायनी छ:) भ्रमानी (क्रानि ट्रानिक-रम्बर्क-721 1 201) 234 (026) nad (2121) 5134 भाका: (कार्याका) विभागिकिं: (क्रिने क्रिकें ग्रामितिः) त्रिकी-अपनि क्रिकेश (अश्रम्थी-मर्क्निया अर) कार्याकात (अकार)॥ अवि।

निरम्माणा : एम ममार्क्षण्य जाया : भावे की उन्छा : (त्थाका :) मा (क्रम्म मकर्प) देगामामा (देमा वाममारकाह हान-मगढ़) दिया एक (वकार्यक्लम हावा:) अन्य (कामम अक्सर) माडिहार्विने: विक्या: (काजमा:)॥>॥ प्रभाषिषु (प्रभी अब्हिष्ट्रेष्) निगट्यमा (कृष्णन नु हानाए पः (क्रिक्स भाउ । के) सक्रांचुकार (ग्राङ्गांचुकार) रेडिंट (मक्टर) ॥ र॥ किस संस्पारं लच माकारण बता (मिल्सिस्पारं आकारमास्य) म मृद्धाः (म याम्ट्ड) व (क्रम्) कसा (मन्नम्म :) म्थायाः (महः) छन्वार (छन्डायर) देलाह्यात (ल्लाह्या म्युन्डि)॥०॥ (उत्र धरार्डि दिल्ह क् निस्कि मुमार गाँछ । निस्कित हरी क्री गार्क भिक्क अशुकासामकामाः सभा मैगस्या अभुतं क्ल्यालकार लामी द्वारा सार । (४) साम । संग मारी (मार्कक्रम) द्रिकान सम्मार (दुरमा ना संमाद क्षामा दुरमा का की मुख्या है।) कक्छ : (इक्मार) असी (धरही) चला (लक्षा) । लाग्यामुहा (अपुकित्कका:) कमा कारम्छ: त्राच मञ्जूमा: (९७म-र्रेश्ट :) र्रे रे (राजा:) लान दिश्य हा : (राजा हे (क्रें के अगालका: विका आसी हि: (आह बहाहि:) (अंश्रामह: (wn खेड:) म: धम्म मर्मी: व्याप न मीर्ड: (न बिटाविड:) कर्ताम्बर (किं म्यूक्टरक्षेत्र दुरिलामुका महा) मान मान्या मान लके कर (क्रमार) भावता मु- (कामार क्राय ता का क्रमार क्रमा) द्विक । [84 (as 2) 11811

(लाम खिलाताता के कर सिर्धित समाय मे हि। दामा से क दिए। मी मा मा प्रमुख्य सार । (य) याम । में केंद्र (में केंद्र जाड़) सत क्यामुगान (कार्यः) कास ट्रायमा : (ट्रायमा :) म (मास्) कार्य (अद्भा) भव (यमार) अद् लामप्र्लीयमानेम् (अमही अभ-अव- लास-मूर्क मापि- विचित्रा विसम्बी भा वर्की बहुन्थ-माम-माजनी अय रत्यं: जम्मा) जर (कामा) मकाविष्र (मूर्य- मूभम् छत्) अमात्माक (अपूर्व) भक्तानमा (ल्या से प्राप्ति।) रह (त्रस्तर) साम् कुट्टि (साम् न इ भीड़े: वर प्रवं के कर रमा मार) प्रवास (अकंग्रास नाममाध्र १ वयप्त) यदं मुख्यें द्वारा-भा नमार (लाइं अस्टिक्टाल- लाहित्काम लेबाई क्रि ट्यम व्याची लामामान (अगरक भियात्म- लाभ का लयादिन) क मासी (कम मन्तार) अलीके (बरमीके)।। ७।। (लाम अस्पार्डकं पुरक्षित्रस्पर काठ । मार्कारां : ट्रमुकारो त्रकाछि त्रक्ति विकाणा विलाक जात्रमहमाना विक् भार रेक्पाकारमार्वाकालकी ए हत्यावली प्राद्धा लगा भार। (रह) मार्थ । हिं मार्यस्वद्या (माय्य मानिश्मक्य वद्यः प्रभाः भा ब्ला सदी) महीत- भार्नु साम ((मडीत: सकाम भार्नुसा स्त्री की के क्ट-किट्टा (म्पूर्यार) क: (ध्यः) हत्त्रात्र नि । म क्ष्रिम (म नित्र) ,

इस्रास्त्र वर्भ वर् वांस सक्ष्यर लाक नाम लांत:) अम्बर (देवक्षा अक्षे (प्रकृष्ट हिल्पर) म ट्या (म कामान । प्रम वर नामडी कि लयः)॥।।। (अम देकामावाष्ट्रिक्क् विभागम्मात्रवार्ष । भूवर्यामवर्ष भी बार्का वरिमाण वाक्रिक विभागाए कार्ट मीरियाय। (य) याम् । समा लए इर्ब: (अडिक्म) प्रामस्टर (अक्रकर् males) mant o (with super son will are) & after (क्रीख्डा व म् शेष मिक् में) धमा (त्रवः) वद् त द्राक्रतर (क्टाक्रं) ह न मुस्ं (न निकिष्टम्) । हिवार (वीर्यकातार अवड) ब्रास्स (ब्रेसपुर्स) लायमा व (ट्रिस्स्स्स्स्य क्राज्य) न द्वापात्म (वन) प्रार्कितः (प्रिलिकः) मन्द्रीकात्मन कर्छी-छालम (किंदिमान्ध्यमा १४०) विकंकरि (निकंकार म्बार ने॥११। (क्यारवपानेयर क्यल्यात । उग्रमेलक् : अवभावसाळ : । (४) मण : । बम्ट्म: (अर) अलून (लवादीन) धम्बित्मम् छाः (वनाद वनर् मरक्षांतिः) देशमः में बर्गः (द्राम्न-प्रतिम्यूक्) लर्थे-त्वर्ने चू खेर (अमूक्ता त्यर्गा क् केर त्यविष्र) अमू वक - करेग्र-CRUM: (ताम चाक्त में बाम में किएक शिक्ष: किएक मारिय राम वर) यके (म्यक्ष्यमाम्बर्गः) पाः (लक्ष्यमः) प्रायुक् (हक्ष्य नाम्मानुक्) द्य (दक्षार) नाम्ने कर (हम्मे सावार ग्रामर

इस्म (का) म्हल (हम्म : अम्बासिकोम्: 130:) अव (लाम द र्यार) प थियास: (यम् व व्यामीसर्य) ॥ १॥ (अवड्र-कार्मात्रिकि एक्क् विधापमूपाय्वि । कनशासु विका व्योवामा याल्यामात्र । (क्र मार्थ!) यामण् (व्यावकृतण् निर्वाह्न-प्रमान प्रिया : (ध्रम हिस् क र्र) भार विमा (भार भिने-(अभा) विकार्याप् प्रिक्ट के स्तृति ' क्रिक) मैं अहती (लाग्रेस) रम्बर्क (वरमक्षामिक) के एक लैंसः लास कार्र (लाह्यास्)क्रांतात (क्रिक कन) अपमार्क (अपमार्थड़) भन्में (हिराबंग्रे) क्रमें (लक्षामार) लाख- हाराई (अक्सान तकाल) म अप्रति (म कर्षामकार) ह (किक) मार्चित्वर (ट्यास्त्रास मकाल मिलायः) प्रमिष्ट (दिए) त्रिम द्वा : (पूर्व य वे) विद्या वि (अविकाल वि । व्यव : व्यव) किए करवास्त्र ॥ व ॥ (विभावित्यक्र विसाम् देनायका । त्यामिक हिला अभिवासी विल्ला । (१) प्रमार्थ ! (मगा) रतः (व्यक्षिमा) नर्भा निगर्छः (अव्यामायातः) क्याक् मेश्विमा (अत्रम्यालम् आस्त्रम्) (स्रवर (अक्रमं) म निभीष (म मूत्रीक्क्रमं) भूमवाद्भ मेर कि : (बदन-कम्म-कास्यः) निः अद्भेट (भग्ना भारत्या) न म्केर (क्कि क्स) क्षः भीवे (क्षः मृत्ये) धनः (माद् यभा भाउभा) कित न लाए हैं के कार्ट कार्ट (मास्तु में) देख (नवड़) ह्यां हिंगांड (काका क्राका) राम सम: (क्रि) ल.इ: (अ.इ: कंट्रप) में क दिलांगिक मार (क्याका अड़) मार्गि (विदीम् रेक)। स्था

मुरेष् (मिन वर्षमात्र भर्) मार्गिक (विद्यीकेटक)॥ २०॥ (लग लवंग वर्ड के के प्रमार में मार्ड । क्यरा प्रेक्स स्थित स्थित बिमलि) मंग राव: (अक्किम) है मून्ए (म्मीएक) वहामी (बाल)) अर्थाः (अयर्) म मित्रिंश (म पडा) या जगा (वस्त) में इ: (लाम) समृद्धाल (समृद्ध केंग्याप) श्रम्य (र्द्य) रेक (र्मि:) लाल- म लाल्का (म केका) जिंग्यमी (क्ट्रेस्स) । इति। कि: (डिक्राहर) व्याल भेटा: (arantas) किक्ट्र (अपकाला) अरह (अपना) एक (एड्रा) (स (सस) सम : सस्य- व्याप- वामक्षे (वित्रात्रक्षं मर) अमारि (अतुभार्ष)॥>>॥ (ध्य पु: भरद्वकर् किम्मुकादनि । विस्त्रमं भाग वन नामादान-लाकु तारे: कंत्र : सार्गात) लाम । सेके ल - स्मिन की निवल -क्रमम नम नम एक (भूक्षभ) स्मान् विकाम उर्भमामी कुर्यः रत बक्नाम विग्रह में मलत हिंग अममम्म: के देश वापुण-सार्हिक् (क्या वं यह व्यात्रामा हत्य) । भवाय । (वर्ष्या) ale marge (mys) one (our ing " nd) ब्बक्तार् (वामे) भर्षकर प्रकृतिविष्ट (मन्त्रमाः अव अके (क्रम म्याप) शासमार (शत म्यार कर सा के ठकका था प्रकार महक्रम सा स प्रकार (पर प्रकार अहर) प्रमा (प्रकार) कर् Marie) DNN (St) 11 25 11

(दुल्यसंस्थित प्रमार्थिक न्यान्य नियान मार्थिक बाक्त माकूना (भाक्त): प्रहारे थात: १८) मुझिनार्जन! (आराष्ट्रमालय । (४) लंक म देवन । क्ट (क्सार कें) यः (यम्) वर्षास्यामाः (वय दुवास्य कामा माम्मे ए। क्या म्छ:) रम्बु: (मॅर्याम,) स्ट्रिक) (अक्रेंग) (१ (२४) कार्र प्रमार (अम लमर) माद्याः (लामताः) १६ (समाद्वर) मः (अअप्त अि) अभीम (अस्मा दव) द्वरम्भवन् भिष्ट-स्बीअन ब्रेटिकामिकार्यार (वर मर् अस्व । मुक्र धमात्रात्रः क्ष ७२० मिनीक्षात्र जीडायः कायः (जन मडिकारा विमान क्रिका कार्य (वर वाद-(सरमाश्चिष्णवं) (मात्र (विक्त) 11 2611 (अम मामा उठके दिन मुदादवा । वमनियाएं नीकार्या मुर्केस्ट महर । (इ) लाममा । (मुक्का) मना कंद्रीएडिं (इस्रकायपः) कलम् मः (प्रचात्वः) काल- कर् क्या: वित्यकः (च्याव: शत्र) भेगड तका (मैगड मान भ्यात । व्यभार हैं) रात्त (राष्ट्र अपि) म्यात (स्मास्य। प्रार) बटल (म्याधि ट्रिकोमि ह) कक् में कुक + अने (नळ) में कु (त्या कार्य हिर्मित) लियका में (ATTAY)11 >811

(का कार्यवुटिड के एम्मेस्टार वृक्षि । स्किस्भारामारा अश्च चात्त वेद याप्टकाए गुरुक्त कारे ज्यान अर्धिको व-राक्त क्षात्मक अन्यत्र देवित्य विकास सम्यिकामिता मेरी हिंद्र के एक के के मार मेरी के का लि है के अलि अमेर्य साम्रकृ कम भारामु वि वि वि मार्गा निर्वास व्यात् । (त्र) ल्याम् । (त्र यात्रः) मैं मुस्यत्राच्या मिक्या (मैं दिय सामम् वा प मा प्राथम मिन्न विकार क्षेत्रकार) कार्य (क (वर असे का) वर्षा (मिछ) । गत्र का जा वा मा (का वा वा व् कि :) कार्यम (इस्पेम् हिंग्र) स्थम क्षेत्र (सर असी ख्र) म्मनः (त्यामः) वाम (काम हार्ष) (वाम हार्ष) विस् रियो में (10 M - OLDS EAST P. C. TISTON (TO THE) CONTY YN OLD (TOTAL (यार अपि अम्म: क्रिन्सम)॥ > ७॥ (का सामाद्वाकार मामुस्मारवार । रेसा क्षित्राम-सार । (व ति वि!) अक्षे बाक्षी (क्से प्रतिमा) क्रम्मायी (बरी) या का ला मा का में (सम साम बढ़ी में) मानी के-(साक्ष) लामसाराम (अकारक म मह) कार्यकार (अकार -मन (भक्ट) किमाल (क्रमाल) क्रवर्मित (भठी) कंगस्त (इस मादार)काल्यी-लग्न (यम्मास्त) स्माय (मिलडकर) स्पूर्य मार्ट (स्पूर्मां करें पर) प कटवास (मास्त्रमाठ द्यामें प्रक्रा प्रदेखित्।)॥१२।। (अम आर्ट्यकार मानिम्पादवि । मानिया द्रमः अवि बद्धी बीमुक्ष्य प्राचीमार्डि। तर तमारिक!) मक्ष्य क्ष्य-छाल: (ग्रक्ष पर सरकप्तर ट्यमिटिक समावन दिव्या भाष : क्ते लाव : ला में कारा : लाक न व) दुर्गे देश क्षित प्रतः (32) ही न्याहर्ट्य के कार्यम् न्याहर न्याहर न्याहर न्याहर न्याहर (किक) अव्यक्षिक अभावातः (अव्यक्ष्य चिन्याप्त में अर लग्डं म थी कि की हा हि ला क्या सह टिस्काइ (क:) अधिवर्ष: (लभाषेष्र (तु:)। श्रिष्ट कार्यः (व्यान् को क्रारंदः) क्ष्यम् में का : (मिलार माता : मी का कुमाता :) मार्ग (सम्बर्गा) अम्मूकी (अमान्य वडी) अटमे उनकामा-भय हरी (उर्व समाम कार्ड: काकाकारमा भागनी) (क्या (का) म्यार (मार केंद्रा (का):) काम्प्र त्रमित (येमित व्यामम् मित्र)।। 3911 (एम वट-टिड्कार भार्यसमायवाडि। समा: अवस्थावः न्यांका केकारितः वंजभाष्यी प्रस्थायमाति) यावादि द्व (सावं क लक् अअनं क क्या लक्षे: हिक्ट निक् क्या क्या) मेलिकिन-अक्रू म-वंभावरमः (बाल्टिकालाहः अकरामा कारका तम वंभः वभ कार्यात) कार (भीवास्ता) कार वातात (कार विकार) क्रमान (क्स) क कामित्मा कामू कामा (क्रमान) अर्ड अस्तर (अरड मार्ड के रेड़ा) खिल्ले (खिराल- १ इंग्रेट)

भागाह (कारास र विस्पार द्राप्ति क्राया) स्थानम् स् निकाला (अद्वार वर्ण) (प्रकित्रीं (द्वा-लंग) । भार्मीलण (अश लाहा) उक् डिल्मास्टर (मटमामन् उ था वर किक) ठाक (प्रचर अपर) याम् एट (मास्ट (अप्तिक काठण)। अगिष् त्यो क्य नमः (त्यो कम: लक्स-अस्की एत दम: में भी भी:) केंद्र: (क्रम) किस् प्रिकारिक असाम न अस्तरी किरी ।। अना (लाम अमलम् प्रदार के के जाममार वृत्त । सम्भाव का का क्षेत्रकालिया कार्यात के क्यार्थिक क्यार्थिक व्यक्ति व्यक्ति यहमा (प्र) क्या वन्ती (क्लाकी नी निका वन वन) Cकस कि मिल के प्रकार (टक्से कि मिल हे के में ये 6 ला दे वं प्रभा: छभा छाव: छमा) दूरा छिमा वा छ हिया: (७:) मात भरि: (यादारिमारिम:) (किसि भर्ग क्रेट् (इस्मिन्छ मीलाक्सल , ज्या) वि-हलूरेन : (बिडि भी हलूरि भी त्या) अभिने से भी अवार (क्या क्या में कार से में कार के कार Строго ищтой (में का सामी) DEM - 13 में Mins (मान्यांत प्रमाने राम मारकमा) टका मु दर (प्रवर्गन खाराध्य) अवं (टक्रवल) मिला (दिक करवारे) 112011

(क्रम में के दिन के जामसाय का । बेन्स एम श्रम्भीयात । उर लाव!) जा रूली आ- वाटं (रूली भर राममृड्ड जमवालं) (बिक्सिका: (बका भरीमिय अनि भर्की थाना हा :) अत्रमा (धारिष्ठा उल मूर्यक:)। आवित्रमानितामः (क्रिकेट्रलहः क्रम्यः (ज्याम्य) अव: अविष्म्यमः नाम्यत्वः १००००) रार्डिश-लार्डलारा-भे सेरेशेरे विष्तः (इतः है अल्पिश्रेश) मार्यमात्र क्षेत्रमा लास लसहार क्षेत्रात क्षेत्र हे हे हैं मेरे अगाल के इसार विसर वर्ण म वर्ण र माल सा: 1 कि का) असल्लिक-ललारे: । श्रीके लीलालकारुए: (असमे मूर्जिका: अष्ठा: लता दि । द्वी केरः टबारियु श्लामा : तीतालकारा काम् रेटक-दे प्रेडियाम अड: लयहारा रामारे छ: ज्य मड़:) अल्ला (अल्लिन (अल्ल) भिडिय: (CALITIST 453:) 112011 (लाम के प्रतिक के जास माम करता । जा कि : असे कर मिन्स अपर । (१) वना नात ! (भूमार्थ ! (१) विक्यार्थ ! लाउम : (कामा :) वर देशाना : हामें (मेंगायं) रामां (ल्यामु मं) मिन में में में महिता : में में (क्याय नि में) ह मम्प्रियं (मिर्म पार: (अस्म मच वर कमारे के समलान (जाएम्)। जमान- क्रम्बिनिम्य हिं

(केंवा सर्व स्थित : सार्व क्रम केंग्रिस किंवा आ मा का का का म् । (वर काकाढ़:) काम मेर्ना शह माड़ (ए डर् व्याप- महारा (वसारा ३ व: वर्ष कता महारा वर्षावय) नामार (त्यामार्यक) वर्गति (कार्यात)॥ २०॥ (अभ सर्वाम वर् मम प्रमार में कि म मही मासी मुश्री भार। टर टार्ट !) मा अल्याय- किट्यारी (ma- ककान:) € डिंग (पक्यमा) इड़- वैंड , (म्री रिक्सोर क्या कार्य-(श्राम्याम काल) मैं मसे ती (सँमयो में सार कर) तह कें (दिल्यारेथिष्ट् किकिमाल सम्मा केट् वकामिन्यः) न धरीय-मत्मो (म रेक्टेबछी) मा (रेसामीट) सर्व (मण्ड) भीषा आर्टिका देव हर्दे मर (केवर) मारे (मारे केवरही) 112211 (कार प्रमुकाल) (इक् कर् गर्यम तारं वि । मिलामा के की -यानुवस्त ना का का का का वार । (य याम !) नव: यव : (चारकः) मिनकमम्मनं (वयम) - मूल-मनं) मूक्षम् (भाविष्ठासम्) दुरमेश: (वरमामीम् समयमः) माम् त्यम्मः (लगाः Cमानी:) अडलम् (अमार्शक्तवर्त) व्यामन-जरी-मास्यानी: (ज्य म्म्राट्स पछ मृद्धिः सन्) वार्वे (ज्य वार्पाला) खिकात । अंकेस (४) क्षार्क ; (समात ;) भारतारोठ-में प्रका-(मलम्माल असकम्बा) हा मिलमू भी (असम्भागतमा) हर मंभी छ: (ब्ल में दुक्त:) सक्त वाकात के हमर (कर् है वन्र)

म क्रां (विश्वेश शही) र्मः (नम्मण) व्यक्रमण् (याहालाग् कर करे। ३०००) व्याचि न किल किलाबि (वाभीन marity) 112011 (७० सम्पर्वकर् अक्षेत्रकारित । कदाहिर अर्मित ह्यावती-(अम्मिन् के क क द्राक्षामार आख्वामार अमेर अमेर बिसार) अस्यामार (हें बाप) लाहरा : (आमाखाना में पुलेप:) लान-क: (अत:) हायावती - यमन- हाय- म्यी हि व्यस्तु (हायायता। वपत्र अत्राहि अर्थः कारियाले) स्थितं (आमस्त्रात यम्ति ६) असि (अस्मित्र प त्यात्र अस्ति देश्यः) (यम (हजावनी-वपन-हज्न-सवीनिज्दान) अपट लिन्छ-मक्टे: (विमालकृष: अक्षि:) ध्रावि क्रा निक्छ-वारी-लर्भनु कामन कृष्टीय छन : (मिल्ड नार्धेत हलावला वाम-हरमा मार्नुकानमा आनुवर्डि सममा कृतिव-हवं: क्रमुख्यम विश्वावी) कृषः ॥ 28॥ (द्रयात्रक्षाक्षकं मेन्याना । व्यक्तककं नामायाक माकप्रे नामिषा आरि। लग्नार । तर) अर छाते ! स्वास्तिमा वृथ छात्रभूग (प्राक्त मामीय-मिला) यवाहिका (टक्क मामित) आपूर्वात देलाए (आर मिं) हकावती-अवाति (अभ्भाष्या:) जाम निर्देशकारी नि (अवाद्य अवानि) क् बाहि (अरम प्रवाहिमा ट्याक कासा वृक्षात्रमा भी कर्ता

मार्द्धार द्वाति क सार्या-यात्रक-(शाक्षाकामार्ख निर्देशकाडीनि ड्याडि)॥ २०॥ (धार अने रहा कर अर्थ समार कारि। चिलक समानी-सर्मिष नामिष्याः अभी भार) कामकी नामिषा (जमानी) कमक (त्याक्षा) भावत है देव (काश्चर) क्यर (मर्थ नायर) प क्रमकंत्रक (प स्क्रीयंत्रक) अवह (बायक र धार्म क्रम गान) माला शालका: (श्वाहकाद्या लागा भान रेण्यः) ध्यातेः (शामायावः) स्विनिष्ःः कृषाः वस्यानु (By 4 in 8) 11 5 0 11 (अम मार्बा अमा मार्व कर भवति मारवाद । स्था मारा स्थान सम्मा अधी अ आल माली आह । लाइड) कि मा अन्द (रेम् १)ए (७४) लाउर (भामनर्) बानामि (किक ७०) विर्णालकं (सेरक्ति) क्षामान । तमाल समित (0156) (0 (04) + 46 (105) onigonos (021-11-6205) 21 s right (1 216 xu & esis, oun rug) 115011 (रेन्डे-माखरइड्क्ट्रशर्यक्षपात्रकाछ। क्षाबिखर व्योक्क नसकी न्द्रामि अमारी-मापाभि जीयाचा भाषाभाषा । (द) लखाई। (गामुरक!) में के ल- प्रक्रिक निर्मेश- प्रमुक्त (में के लेश) एता बाकिली: संसहत्तः त्या सार्वेत्री-अभिका सार्व्यात्रमायकार्विती) बर्भी (सेवणी) प्रमा (का विमणवप्रवा अरम वस्त्रो

लक्ष्या) म लक्ष्य । (भवति) में यह - वर्षक्रा (में यह : तेकाम: त्या मक्स-मक्सिक्सि मार्थारीय मार क्षा तथा: वारे भी) हैं रेमा (भित्रिक्सित) स्थार (सुद्ग डायः थ्रम्पुः) वरामि (थ्यमभाम)॥ २५ ॥ (दुराठवंप्रक्षिकं बर्यात्वात् । यळाप्तां अंत्रेकंप्रत लामवागाः श्रुवर अगस्य वमा कामक्स। लयर) देक-क्रुन-क्षत-ष्ठिए-मा अस्तर् किला भार किली भार की करे पत्र क्या के विष्णाम हिट् अता भन्नित तत्री वर) बकें (असे लंड) दुन्धार (दुनेवर के की) क्याना साम-न्याक: (लबत्त सम्बं सम्बं) वाच्व:(हर्वाम्के) गाक: (धरात मन्यानेत्) मित्रीका (म्थी जनगर) अमूनक-इत्या (लर् दक्षित यह)) ल्या म्याम-क्षाक मार्कः (। नाभमः। नाभमक का एक कि व र्थ भाषानिकः रामः। भिष् ट्राम् जाम्टेम: करेगक्र ट्याके: जमके-मृथि विम्थिडि: मत्र) स्वारवः (जी क कार्म) अरुसि (बाद मूल मलादरण इक्राम्) सम्प्रमार् (श्रीमसायोर) स्मित् (त्यूक्र्यु) ॥ 50 ॥ (लाम एक्सिटिट असी में मार्जा । आया त्रा में क्या-(छान्भ्यार मका: अवक्षव साम्मान हि। (र मका: !) भक्षां कि (अक्टिक) मिनारे (मिनाभाग मिल)

भेषा अपक्षाम (मालकर्म) प्राच्य (मालक्षकाव-मणाए वात्ये) माल्य मालं (मणा मुद्रारं) नीमा (भड़ी) क्षांत (क्रिकेन्द्र हार) त्यानु में सम्मु (क्रिके क्रिकेन क्रिकेन) उर्देश (१६६ मरेश सत्।) स्पाद (मक्राय) मार् (निवयमम् का दि : निवाबि ए प्रि) अर्भ (भा) अवम्मन-म्मान्याल मामल हाक्व साः (द्राहमक्रमण मश्) काम (आ) अवतस्य- १ में में कि में बार (अविकास्य प्रभ कराय-रत्मभे मिल्सिकार भाष्ट्रस्वित्रायत) व्रवरमकरूर (श्रीत संभकाष्ट्रीयर) सिम्माबावर (त्राम्बर) विषि (विश्वमूम्) निष्ठि (धार्ये मिर्छ)॥ ७०॥ (लग लमंब् (डक्ट्रे नक्षा में ए। उंचा वाड) क्यां त्या मार अम्बर् नवा (क्षम: लक्षकं में क्षिम: बाम्यवं सम्बर-अभकः अडिमार्य अम्बद्वाभित्रक्षः अमिन्) विवधि (व्याप्ट मका ह भाव) दुकास ही (कार्य । साव क्रवं क असर (मार्थे अमिना दी विश्वमा) धरमे आमी (व्याभा मानी) मायानम् का (दून भर्: तकार वि मार् वामा नाका न वानि हितालू रेकाडि ब्राट्मन अवनमनामुका) अमुद्रनी नुकार्मा (मधीम-भाषाराधि कारा भार म भाने हिरामक रोटि नुक्षा असुमा क्षिक कर किर्मे क्षेत्र किया वार्ष नायम् ना) मिली

थिल (मान्यर्थ) तम्भमं (उक्रेक्शमांत्र लाये सम्म-में ले लाज मामिकोत्) मिलाः (ध्यानाः) स्वतः (मेलानक) mis () and) immig) (arming)) soo (Ring) on so) (लाकाम) १ थिवा (भा) अम्डम (भाष्य) में केरे (मार्कः (महार्कः) विकार (क्राविकारिक)॥ 0)॥ स्वतं-स्था (९७ म- मीमार) व शक्तार (शक्तार-ट्राट (अट्टा:) अली हतंकित (स्त्रकार्वम्) ल्या ॥० (GY. A FARY) GET 11 0211 (लाम अव त्यान्त्र कि व नाम में माउवाह । जा बाद्य त्या कार्य पुर भ्वत् अवर्ष् प्रका लिक्षा की क्षम्मीनार कालन (माभी मार् म छार अपन मील सामामक) म श्री स्टामार । ल-ज्यमक्ष स्थापन भाम बालकार) हा इड ! (व्या !) धम रक्ता-विसाप-र् (टालमीय-विमाभ-वाकायाः) गाहिः (सकामार) भाव (माह) भारत्या क्रमा : (दैवामारः) लाहिस्त्र : (अ) बार्यायाः लाहिस्ता): लाओ लाल:) हरमा (मन्दर) में छे: (अम्) गर्या मदान (गर्य) मिर्कि ('ara'की कुछ) विविश्वरात वा (अस्तिकित) वा * मर्वे बावका भी (सम्बंद) अमि मृ (अप्राप्त) At 110011

(अय द्यान्त्र प्रश्व हिंद्य कर् नाम मू पात्र नि । की म्य्यः : भी गंभर् भात्र । (प्र) नार्य ! अप) ह नहीं न (भा हर् प्रिक्त न के मान्न मान्न के स्था हिंद्य मान्य के स्था हिंद्य के स्था हिंद्य के स्था हिंद्य के स्था हिंद्य हिंद्य मान्य (भवर्ष हिंद्य मान्य स्था मान्य मान्य मान्य स्था मान्य स्थ

लांस सम समार्ड (इस्ट) कार्य थाए (कार्यात)॥ ०८॥ (अभ ठेम-निधन-रिष्ठक् का अमूपाइन्डि। श्रीकृष्ण अभा (द) (x) साम्य । (अध्यम्य ।) गत (ममार क्रि) लासे (र्यामीर) हरता (वेंगा) विमिद्धः (अक्ष्यभाद्धः) सामर् प्रवंत्रो (भवाक्रमंग मायर प्रीकृष) हारिष- त्वलग : (मक्नाफ-कत्मा भा) काका ममूर्ति (सम रक्षाम) जालिल (म्हालिका , क्रमार) प्रव्सम प्रभा (वभू:) आमे (उराभ) शेषि कियु पढी (लम व्यक्षि:) हिवार (दी र्यकात्वर) ज्या (अका) मुक्साम (कूछा) ॥ ७ ५॥ (लाम जिनस्म्य रिडेक सारियाधियाद्ये । लाये बामामा-मीमने-जावनकी क्षी वाकी विकर्षा । (१) प्रकारी ! मूर्षिन-मूर्णि: (कलफ-कार्नि:) नियालकः (मिर्डमः) भाषा नाष्ट्रं वानि नमः (माम्) छ: सरसङ्मा भठलंबमा राष्ट्रमः। विश्वभ रेय विश्वस्था विभाभा मभ म:) मिनावड : (मिल्म:) क: लर्द में मा (किलावं) कुछ: (क्रमाए भागाए) त्रव्हि (त्रविशाधि) आस : (आमड:)। अप्र! (कारा!) मः (कार् मेबा) दुर्मिस् : (इवश्राहा विलमार्छ:) हर्दे त्मे: (हलति:) मृगळ्ल- ७ ऋति: (क्र क्राहे क्र ते: (एडक् भार (कार्यन मात्न) सस एड: स्थानार (एडक् मार क्ष्याभाषात) हाल-हमर (दिक्यमंगड विद्र) विमे क्रमेट (WWZATO)110911

(द्रस्य मंत्रुक स्था के विकास क्षित्र यात्रमात्रम भी वाद्या स्कित यर वाद्या सक्कार आहला है तात्रा न रं में ग्यात्मे अप्याव । यामुका ह क्षां वाक्षाव त्या म क्षां वाका लाबकत इडमाउन कूर्वा काम्या अइएसन ग्रीका अवून् आत्रीण वक्तारखन भागिण जासूवणी वष्ट्व। मा किन्नतीन-रामु - आसे प्रसाहीतर क्रार्क का क्रिया हाल (स प्रमान क्रिया-एरिय कायर मालामाय। मिल्य भ्रायक्ष मळालामाभिवना समुक भोभक्षा हिसाय हता भाषतम् अत्कात स्वाप्ति परिने । प्रमानिक ह पडकनकः अक्षः नामुनकः पूर्वी वामाम। मामुगार्क मुकारक मधडूर अविहिला उर् में अमिरक देवायमा रिक्रामन्यात् अा दे : वैस्तिमार । त्र अप्त : कर्णाष्ट्रव्यवेता त्याक मर्क वृद्या वालिका और वारि प्राविष्ट भा मरक मी करें। ममली की कुक द में ए उक्स हवा उट्टी । उड़ लाई का मजर मुक्रेकड: श्रमा भा मा धार्म जासक मावकासामक श्रीकृष्टि। सर्मिश्रम अस्तर । (र मन्या) कर्ड दुलक्ष (वर्ष : यहारिक) जर् ममिजर् मण: (जर्भाते वन) अकाहिकार (भारतिक) अर दिस्त्रें के ला ६ (महाय-मतावंश-त्मान्ति) भेक्ष के दि ६ (म्याक्षाना: मान्के विक) १ (म्यूम) (म्यूम) अविकायक्रम (महण में हा भोड़ हरं) सपुरं त्याल अधिष्टियमं (म्डालियाममं) हिस्मा (सरहा) सस्तिम (लाखामम) मँ उः (अवसम्बर) द्वाना न (द्वां मी १८ व्याख:)।। ००।।

(जिंगेज्य प्रधात्वसम्मार्वात । केंस्य भी नाय) में वेत्री (क्षार्कित) क्नी) मृत्यं (मृत्राम्का मक्ष) कल् (अर्थाः) कुमार् (मदाग्र । णव: (x) द्रा ! ह १ कळा नमुक - वाम ममम (कळणान म कु १ धीयर कामम्बद्ध मार्थाः आ टका मही) लाम देवन्यरं (क्षापं रक्ष भारत्या) हार दूरत (म क्टं दिया हिसे गर महा १८४) अदम ; (वः) अरमा एकंटमा (अरम केट-वलया प्रकी था काय। (के) मामानं! (यः) समायक-मू भूव-धना (अकायकारिक-मू भूव-शार्ति) मडी सा देख। (हे) नाम । (हे) माम (मामना (अग्रम दकाकी मछी सा भाव। (प्र) भावामं! (प्र) भावाम-क्रिका (लाए क्डिकिकमुका मडी भा भागा। (र)कमाल! (वः) त्रमार्वणमङ्ग (समापाः धनक्षवागः प्रवामा भा भाव)। ७३॥ (मिन्द्रम्यास्क्रकतारामम्मारवि । ध्रम्बाक्रमात व्यासः मुक्ति व्याणाकने ह्या: मुक्तां: (श्रुट्ट र्वेन्य व्युम्ट्ट) रेगर वासा अरेट (कमाहिर) विट्यामडी (डेलेडिया पर कुर्वा मे मिष्या) अला भे प्रमा) भूवड ! (ध्याकारम) विन्ते पेडि (विस्म लया पक्त) अन् पढ़ (क्याहिट) डार्न्स आ क्या का मू अ अ वि) वाका असार (वाका व्यं भ्रं) पृष्टि (दिन् वर्) किल किन्छि (मिक्रिवाछ) अरे (कामिए) प्रभाता छार्छ छ र्

(मंद्रास्त्र ट्रेन्ट स्वाम महा) बासमा (वनस्वमा) व्यस्त नकछ । (इंग्रंड) कर वा (अयर)कंक मास्यात-केंद्र (कंक मात्राक्षे-मार्ड) न । क्रियां (अर्थात्तव । क्रिय मिन्नी: 1 610 मृथी भाविषा-(सर हिंड: काक्मेर्यक द्याना दियः)॥ 80 11 (अम लिम सर्प हार लात्मर्मार राष्ट्र। केल क्षी भागी-म्भी (अार। (र) मि। वन नवला (वन वाममा जीयलमा) सिवा (लाएम- बाटक) प्रव: अडा (बलमभववावलाय:) स्म (लामाश्रम् दिए साव: कार्य) यसक् म वरिं (मर्मे बर्द पक्) (मास (माड्य न में में) (माइं (मम मोडमा) सम् (यास्तार (वाडा-सावर)कारा छ। स्वर्न-अम्बीर (क्षण्यक्) लारवाडक्या (अक्ष्यो) के प्रिलायना (क्षवठ-Ansir) nil (constit) one sprie (modrie) & ni (मम्दः) लाह्बार (मस्वातक) भेदः (लेपः लेपः) लाकेपर (musuras,) 41200 (\$020)118211 (अम त्योहानकत्र जूक म्याप सूमारवाछ। कृता आप) व मेरी (त्याली क्षांबाहा) यहिं (क्षांककः) स्राह्मका (मिली) हे-मार-लसर-विक्रुवा (हिमाद दिक् एक अभारत द्रार्थने विक्रवा विश्वता अनी) क्रियुकार (क्रियुर) अस खित्रमी क्रार (वित्रम्यी कामी (य) सम्बाक । प्रत (याह) स्त्रीय (यमप्रा हर) सिन कर

मंब: (ल महात्म) खिय हर (बाहर) मित्र-मिट्ट (ख्यर- शाहर) गर् (अटर) म अम्याम (किलायः) आलाक्षिकं निकाक (134. 24) 118 (196 (196) MPC2 (MINING) 118511 (अभ दिवद-(र्जु रमुनापम्पात्रवि । हेकावा व्यापात्रक) (कारत) काह वन्ताह । (प्र) मर्थ मार्क । (कारता) धार्या कार्य विष्या विनंश- व्यास्त्र (जय विनंशक्ति व्यास्त्र काल्या) दूरा (हमछडा प्रका) क्र वाल (क्रूमिहर) ज्यालानिक-क्रुना (म्मिष-क्ला प्राणी) निम् केडि (ब्रुव्या अया वर्डाक) कू का मि देन्त्र (क्ष्राण) (क्रूमिटि) व अले प्रमा: (कलप्-क्रम्मामा प्राणी) प्रभागे: (प्राष्टे:) प्रमान (प्रहान) विद्या (विलायन प्रथम) आयं नी-डामंड: (प्रभूतीताए डमंड: क्यारेतार) कर्मर् माणांड (पाट्यामांड) क्य कार्य क्रायं कारणाक) (क्राय- कक ट मेरी) दे वर्षी: (क्राय-हिंडा मर्जी) धानए (अकासर) शवांड (ज्या हम् १० म्हर् महिं।।८०॥ (लाम ललमाव्येतावव् । समें या मरं महिके दियान हारा नानिषा प्राम्नेभाषि। (प्र) कुक्षः। प्रम्न प्रभीः (श्रीकाक्षः) प्रकृषि (अर्थेया) वित्रियात्मित् : (वर विक्राठ दृष्टि :) अभ्याप-विकामिडि: (अभानार (अभर रेष मुख्यानार प्रविकामिडि: उक्तमि:) तिवि जिल्ला कुरं अताले: (तिवि जिला: अभारा: दुबेश्ना: दुक्स: समाना एनई दि:) तम् (स्थाम) गारिय-र्वार्ड - जार- त्याहन-भूरि: (मार्ड देन विद्य देन भूनिट

वादं पत्र-क्सीमिक भागः कमाव्यको त्याहम-मूखे एक छः) क्य-क्रियमाखिडिः (क्यामार् हिर्ण भरेत् हिम्माय्या ह आर्निश्यमंडि (प ते:) अस् विकार्याभिडि: (अस्ति : विकाय-वर्षः:) महार (त्रक) (म्यून) वनवः (वक् अमः) जनमार्ष्त्रीर (ध्याक का मुस्य का का मार्व हार्य में किर्ड) खिल्क मार्व (विहास्याति)॥ 88॥ (लाम क्याह से ता अवाह । क्या आ क्या मार्क का का क्या विवंशमात्र। (त्र ट्यावित । वित्विवर- मडिकार्गः :) कश्रम्पर (यात्र- यं अवस्त) जैस सन् (वैश्व कार्य हा) अत्या भराभ-यम्बार (लाज्यासम्बद्धारार क्रियम के से सामार है। प्ववना भग्नान (कार्यकतंत काश्वकाश्च अमेलम्बर्गन) याद्यास्त्राप्त कर्ष्ट्रम् में के बार्क) लक्ष्रीत (ज्ञात्मात्व)लाष्ट्रक् - वापर्वे दे - याप्त्री-(गाय-महालिम) कामारे (क्रिकेमि दगरे)। मनभक्त गेम्ड (काल्क) यस तक्ष (हम्म एम कड़) ह की मार् बं (याक विमीन्) नक्ष) (प्रमा (प्रमा () ह्या म् नामाकु ना : (ह्या वस्पात्रामञ्जावक्षाः जाम-भाक्षार्थः क्षिका भूमाना-कुवा: नवीन-धूनातानि) क्वाथार (अलं-अलं-जालन यः क्वाथः लाक: जमार) आन्य (मी भें) एक नित्त- प्रभा : (टक्न मुकामा:) **डवार्ड** ॥ ४०॥

(लाम इक्टिकें (सारमिंग उंत्रि । ज्या बाक्ष केंका क्या प्रायत-विभाष्य अलार । (१) मार्थ ! (अपर) पत्यमी म दी त्नार्थम प्रकृष्ट : (मन्द्रं मद देनीया व्यक्षेतः नीतार्वसमा मनमा भव मन् नक वर केक काषित्र केक त्रा किया (म्बिक्स) मिविष्ण (अभादार) कव-मवामिक-मार्भ-क कुकार (अर्थ-क म्राम-मण: (७०%-में में) प्रमास-क्रिक किरार इसीर) विकास मार् (क्रिम बामार) (भाडाकेर (धाउदिभातार) निवश् (प्रमुश्) यश्वी (प्रधाता माजी) रेप (पार्मन्) प्रश् इसा (कूम ना साई) प्रश् का सा (स्यास) प्रदे किंदा १ केंच (केंविय) के दूर्ट (नवर मर्सर् छन्द्र) जमा (जाभीन कारत) म थका मियर (जानकी) 118 ।।। (दुस्रविष्यितं ब्रेट्स्येष्ट् । ट्याकाः अवश्ववमार्थः। (र समाः।) विमान-भव्यः (खाम्या तन व्याकाल्य- हार्वितेः) (पनाः (भूवाक्ताः) बानिएलएमय-क्रमान् (बानिकानाः हेर्मावा धमार्क्ष्रक् क्रम कर भी तर हार्ये छ क म अर वर) के कर । सबी का) (है की) वर अर । प्रव (वर्नाविक-भीष्ट् (एक क्वानिक्य) वापिक्य (वर्माः वर्माः विविक् ध्रम्भी भ १ भीवर्) अप्रा ह आत्र-तून आताः (आरवन कारमम मून: मून्छ: । केछ: मार्या टेक्फेश्यात्राः जः ज्याद्वाः किक) चलार क्रमन-कर्नाः (जलाडि मानाडि क्र अमूमानि कूम्माने कर नार (कलवक्षनार भाभार छा: ज्याष्ट्रण: निक) विनीवाः (विभाषा क्रामिका नीवी कार्वकानः भाभाः हाः क्राभकः) प्रद्यूषः (CM3 : MOI TET:) 118911

(अम विट्याम रिक् क् ट्यारम्मा मेले । जामू अवस्पनीम् धार्मा आ भी बाक्षा कम् प्रमा लिति छात्र छि क्षेत्र में क्षेत्र कार वाह मिक्क भार। [र मरम!) जन (अल) किमन्यक्ते: (अनुवसमूरि:) कार्नाल (इस्टि) पण्डि (प्रमुद्ध कामामास्त्रेश:) में का (जामा 'क्रि) मीन-सुविक्षि मृलाव् (७९८ क्राल्य मान मीन सुवका अन्य प्रथाः सकी वा है ह्या: (प्रमात: प्रमार वामार) यभी मार (यर व्यापर) हक्रवालि: (धछलि:) अछा (वाक्रिला, किल्क) कार्नम-कालिछा (कालमा कारणीत कलिए गासा, किक) करेतातालकारे (करे-गाममा देलकाले आहुडार्भ)मारामन (मिकिस नामन)धारुर्मणू: (यल्या धर्मा) अनु मिछ- भाने मक्त (अनु मिछ: अनु भारतम छाड: साम्मे मम् : लाश्च सं मार : मा) व बाम्री (हुसम्मी) मार (स्त्रीबाद्मा) ा नवा। : प्रतिकाकाका # (स्थाप कार्यः) ॥ ११।। (अश विश्वाद- (उल् कर् भारमूदाइक्छि। श्रीकृक्त्र) भारमाल-कार्यकार्यमा व्रक- बकालसन्तीनामाभार्यसुः कामन (माटना नका दियी कू न व सी दिएन न ना सू नि प्या सूननाएं रेव वंगमान कथ् वर्भक्षत्म नाड्म वेष्ट्रम् वालन मूत्रास् वस्तुनानुनाई अनमान्सायः।(र मणः!) वर्षार्येण-मावः (मल-ब्नामान:) भावत-त्वन: (बाह्रक-त्वन: स न्त्रकिक:) व्यय-वत्र-नीवंबा हुं भ-विचिन ननात्में : (स्वक्त्र) वक्त्रेश नीवंब्रेश) प्राप्त) व्यक्तिश्राह विचित् तमा अर् हिस् ट्याप रे :) विकास कि ति : (असप परिया:) वश्ट्य: (वश्टिताः) मैंबलारं (त्या-भंगावश्येः रे: १६) लमग्र (निवावपत्) अवि (भण्डि) एवन (अक्टकन) अविनाम-रीक्ष भार्ति - प्रताहर रक्ताः (विनासन अप्रकृष्ण् यए नीक्षरे करेग्राव: (उन थार्वड: धारिड: धानाडवमा काम्मा (बागा मार्से था:) इतं के अमावुर (क्यम रेअमा मावुर तमार प्रथे वा-मिछ र्थः) भाषिषाः (धामिषाः मछः) कन्मानम (त्याद्यम (र्ष्ट्रमा) क्सम् (भवि। रेड् बर्) क्यक् (रक्णवस्तर) वा न विदास: (म्मानिष्मान नावणक्राधः)॥१२०-६०॥ (लक्ष में हिंद दक्ष में लक्ष्ये लाहा, वक विक्षित्र) लक्ष्यं मासि) से ति : (सब प्रा) कर्य व्यान : (द्रणेस नव) वन) : (वर्भनीय:) प्राक्षात (अवस्थत:) वार् (मृक्) न वि (देनव वर्भनीयः। सम्बर्भ-सम्बद्धः म-अर्थावर्भ-र्भाषं कावविताः अविकः-(अग्मी मर् ।तिक) मिक्ष (धन क्षमसु वा पिक्र थे:)॥ कर।। (बर्स्स्ट्रबंप्र । ज्युकार् मामुखारं में क्रोड । (इ) में माम । मामु दिगारे-रसः (माल्यिनेसे लर्च र्म) लर्षाः च्यक्ति स्मीयं (प्रव ० धात्रर:) भार किल कार्कि (इन अग्राक् अकाल?) न डवरक (न भकाछ) खरर द्युं (ब्रार्) नद्या (नमक्छा) किछिर लासेम्प्राम्या (माम्नाम्याम । वराद लडहं) ममाः महनाः में व: (विवयन) में आदः (व्यक्ति क्रमा) कप्रेनामं (क्र्यामक्रियम)

लकः व स्त्रिक्य भ्रम् काम्यान्ति । अस्ति क्रिक्य क्रि

(अभ धालभा १ वक्ष्म स्वक्रमा । विश्वाष्ट्र कर्णा) धार्म १ (क्ष्म क्ष्म स्वापि । विश्वाष्ट्र कर्णा) धार्म १ (क्ष्म क्ष्म स्वापि । विश्वाष्ट्र कर्णा) धार्म १ (क्ष्म क्ष्म क्ष्म कर्णा । विस्तार्थ - धार्म कर्णा (विस्तार्थ - धार्म कर्णा । विस्तार्थ - धार्म कर्णा कर्णा । विस्तार्थ कर्णा कर्णा । विस्तार्थ कर्णा विस्तार्थ विस्तार्थ कर्णा । विस्तार्थ कर्णा विस्तार्थ कर्णा विस्तार्थ कर्णा । विस्तार्थ कर्णा विस्तार्थ कर्णा विस्तार्थ कर्णा । विस्तार्थ कर्णा विस्तार्थ कर्णा । विस्तार्थ कर्णा विस्तार्थ कर्णा विस्तार्थ कर्णा । विस्तार्थ कर्णा विस्तार्थ कर्णा विस्तार्थ कर्णा । विस्तार्थ कर्णा विस्तार्थ कर्णा विस्तार्थ कर्णा । विस्तार्य कर्णा विस्तार्थ कर्णा । विस्तार्थ कर्णा विस्तार्थ कर्णा । विस्तार्य कर्णा विस्तार्थ क

(मामकु अवप् (ठळ के बाड) में मार के छ । के मह मी मानी में भी मार । प्र पान ;) cundia (da sua) के क- में में के (माक का में में कि) इराह (लका में का तर प्राह) भरमद्रा (क्या- प्रहा) निक्र भाग (मूप्राय निक्ति प्रहार) र्ष्ट प्रमार (मूप्राय निक्ति प्रहार) र्ष्ट प्रमार । (आवका) देव भवित्रीति अर्थ (नित्री निष्ठ-नम्ता अछी) भीपि म (धरममा थडर)। ७७॥ (लग लामुक सन्पर्टिक साति में मार्चा । मार्का भी का नि अम्रात टक्नेन भाम मामस्मार) रा यह रह ! (अर्था!) हमा-मी मूर: (भूत: भूत:) धानी- मानीक-वहतन (धाना: भ्रा: भ्रा: भ्रात: भ्रातः : भामीकि बद्दालन) विद्या (गाक्रेमा , किका) इस्रवंबिन्द-विभाग प्रार्थिक भागी। (इस्मारिकार विभाग भाग वार्ष-सामा इ मामा : भा में बका देवा ' किक) का हमम - हम्मा (ब मार माका श्रेष) किसाल (काक्त) ममा दे र (कामर ममाम द ममार) व्यक्टनात्र किन (क्राइकी)।। ७७।। (अम इत्युक्ष न्दिक कं बात्रिम माम्बाद् । समाम स्मिक्स सिम्प्रिका : अवाक्षामा : (क्राध्य क्ष के ब्रोश में ब्रेस व्यापि) मा कार्या गाः (मानाः मर्द्रं काम् व-मय-माम्माका दः (कामे अ मृतीका नवा अभूवता नामितिकः आवितामवहन् त्मम दिः) विमामः भक्षाहतः (अवक्रम) अम् (स्कारः)

कारमाई (राम्) एकाड़ (केस्पार वाः) स्थाः (सम्बंगाहर ट्या है अवसे) अर (सर्मार) त्या (लारे मुंड) स्थर लास मद (ममप्त) सस हिन्मशी अस इंस (ल्य) श्रिम (म्प्रिंडिक) लें : (कार :) मार वि (समायति सेख) धार् म-मिविडारे (कार्डमा बाएड)न निविडानि निकतानि धांवर्णनी यभा : मा उभा मडी) वित्रवेषि (हूरभी निव क्लीकुर्थ :)।। १९१॥ (लम लामुद्रिक प्रदेव के बारो में मारवित । रेसा टक्ष्मिमामाकर। (र पिरि!) स्मी बनाएक (यनप्रार्थि) इबिना (अक्रिकन अर) विद्यानियी (विद्यान् कूर्यकी) साथा काल्यम (ध्या) (प्रेम) क्या छिप्रिका (निम्हला मणी) ज्या (जारुक्) व्यव र (याता) गमा (त्रम अकारवन) मे द्वा (कारद्व) वे मू (भामा) माम्बुर (न्युंगसामा: साम्याणः) दलतः (साम्बदः) व्यान लामा (लाहसरमा:) त्यामी जाहसा नस (रेम हमामा: नक्रिया: वादिसा धार्तः मृतिः मानुः) महि (ब्रम्मासम्म)॥१४० (लम विचंत्र दि के अवि में मार के । विस्त्र में मा में मार्ग प्रिक्र भी लां का में में ही रेसा मी के के विकार । (र) में करंब । मूमूकी (भीवाची जब विव्दर्भ) अहः भूका (भूक्रम्म मजी) वानिसन-वट्टांडि: (मरिसनानाः आअश्वारेकः) भूशिषः (अकिक्शान) वासेण (पाम (यान)) अवार्त (त्राक्षारंत) कान न माराडि (न हिस्पेडि। एउक्ट)कितिए-फर्निन ली-किमत्र्यः

(कारक ई हेक म्ब्रियमा: वार्मियम कामा: क्रियमं वर्ष (त्रम अ:) ७ अग: (क्युवास्थां :) इस : कम (लाम के) न द लाइ (प्राक्षित: सर् किकेसकेश: 1 किक) कर्षक क्य-म्यान. अर्चिष्टि० (क्सेक्क्प्स) उराक्त लाभी मत् विता अर्जिष्टि मक्ष्मिकोत् ;) लाक्षे (संक्षक) क्या पत्र (लार्टियत लास्ति । उक्र स्त्रीयाल न कृषाप्रिकारः)॥ ७०॥ (अभ नवीन-मन्मकाला बीडामू पारंगि । अक्कः मुबनमार। (र सर्भ!) विस्माम ! (लाम कल बर्ध ; मुकार्क ;) आकार हन (श्रीकृक) कि (क्यर) महात्राम (मछ-मूर्भी) वर्डाम (छिक्रोम) लयंबद्ध (लात्यकर:) लर्फ (क्राक्रकः) कर मंतः (वावसावं) गारत (साम्मात । ००;) समार (सममा डर)रेडि (अवम्बकारं :) धरित्रः (यर्षः) हिंदिः (हाहे-याद्र:) यना लाह्येश्रीस्त्रा (साम्येसायाराध्र)मा वाद्रा रेर (धार्मन्) मारि (निक् स मार्) निक् स न्ती: (निक् स -नक्षी:) रेव ग्रेक्ट्य (निक्ट्या अधिकेपिन्त्रर्) ॥ ५०॥ (नकाम् भावार बुहास मार्वाह । स्या अ का क्रमार। (अहा भार) मात्र । (काम । सापाह ;) है । हा भार : (अलाक्षेत्र) विलाक्ति (धनाक्ति) अहे : (मिलूनी) किशानि वामि (ज्वाम) य९ (यमा९) रतः (श्रीकृष्ण१) वना९ (वन१ कृष्टा)

नव् अवन् (अम्लम्) राव् अववाद्ये (अवक्षवेष) क्रमगढ (स्थावतस्था:) द्रा (चर्)भड़ीक कि (मम्मिल्) हलानम् नर् (जिंबक्षयवहनर्) म्रीकी भाराकी भान अवाद (अवाद (अवाद स्ति स्त्रिमंस) अकिक अवंसी मक्तार) मूर् अवाक पर (अवगढ् कृष्ठ वडी)॥ ५०॥ (बेरल प्रकार ची दासरार चार । न्या का का का का का का का का का बाह य्यत्रिक (क्ष्र्यामार द्यात क्यामाकामार म्यामार (बार्क्स् अवान प्रकेषिकांगंद क्यार रेना मत्वाहि बार । ८४) बार्स ! (४९) ज्या वहमा (ध्यार्यवास्कान) न मकु ह (अक्कु हिंछा न डव) जब की ई त्मे मू ही (की हिं का त्मे मू मी लगाए अर) कमा है (नि मिन ए ड्वन १) धर्म में (भू ना की का में!) गर (ममार किं) र दं (मुरिक्स) दिस्ति (अभाष्ट्र) लाअगा (धार्वनाक्त्री) त्रीयंती- हर्षा (क्षेत्रमा लाए मागा: हर्षा अ(यक्षा) लाम (व्यम् । व्य मार्ट्यनेवरं खिकें विवाकात्म रेक् र्यः)॥७२॥ (यम लक्षामानुकार चीलाम्मारवित । शतिका माना मान्कर मार्भवसार । (र) किटर । (रेंड !) जम मिंगवारायक-क्रिक्ट (जिमामा : तालब - त्यामा : जाराम कियल चिंवड वाक्तिक्) विश: (वाश्राण:) अभव पत्रवागः (अभवत *

त्रकाआई मळ्यं वर्षायुक्तः : क्षेत्रारम नत्र कः वर) इत

लक्षात्र (वाक्ष्य मान्) विषय क्ष्यां क्ष्यां (वाक्ष्य क्ष्यां) विषय क्ष्यां क्ष्यां (वाक्ष्य क्ष्यां) विषय क्ष्यां क्ष्यां विषय क्षयं क्ष्यां विषय क्षयं विषय क्ष्यां विषय क्षयं विषय क्षयं विषय क्षयं विषय क्षयं विषय क्षयं विषय क्षयं विषयं क्षयं विषयं विषयं क्षयं विषयं व (ब्रभावम) सम्मिश्रम ब्रम्भ ह्वम (ब्रह्मविभायम) हिलं न बमरेतन (इक्ता के अमिवार) (माकाव काम किमान (न्यमुक्ट्युन्ट नक्ष मासका न्यूनक्षे मास्त्रे) पक्षार अन्मिष्टि ॥ ७७॥ (अम रेन भा क्यू निकास य विभाग्य मार्थ । प्रदान का नामी प्रकृति) अम्मा: (भी वादी का मा त्या अरादिना: आम्मेम्भाः) (आमीत्र कद्यत्र मर्य वा बाः ((अमीत्र ७: अमूरेण: कमनम्) धर्व-क्षां : मक्रम अवादार) इत । एवं : (वाक) गान) भिलीने (स्मार्ट क्या) भार्य (धार्या) पर: इय लाहकर (तमा माउया) मात्मी नि: (६०० न- १७: व्या) हेम कर्काम: (दुमक्षम् दुम्मक्षम् कामः तमा वमार्वः) लग्न असम्यक्षा-व्यालय-लवः (यक्षणम) कथा हावमा वभा व्यालमवरः (आलत किलततः) क्य तार्व द्वाः क त्र्यं त्र्यं (मक्ष्मक) भिष्म हर् (भिष्म मक्ष्याम मुह्म धानाइन राम सोरक्या) कर्यं के दिए (हक्षाम वर कमारमान-(Br) 11 8 11 (अम क्रिम् - न न मिनाम मार्च नाम मार्च । क नी म्य व्यक्तिक म् कीर् काक कमर्य हरिया नामा अग्र ।(१) जवात ! (हजात !) दृष्टि ! हुं विम्ला-डीयर्डम (पम्मडीवनाड्म: रूडम) मार्डाल हंग: (अम्बल) सा प्रत (य काम) समा क्यों ग्रासा. (क्रमाकुंड अध्यक्षेड) लाम य मार्य

महना (नद् उत्र मामिकामीकार्थ:)। प्रद् क्रमार्ट कीवेना (कर्तामांहका) काः) महनः (स्पार्टित कार्येष) ट्राट्टः (कार्याः ट्रिस्स)।। त्रात्रः (ट्रास - १० वर्षे । व्याः स्थाः (ट्रास - १० वर्षे । वर् (अय माक्रिके कानिषा प्रवाह था भूमार या । वीक्रका धर्ने-रिष्यमार) क्या (हत्तावयात) अस्मिल्यित (सेमक्य- हत्त-महमार) भव्या । महत्वमू पी (मन्त्रामका हान्यका) न क्षित (म भ्याकिका (म आकु का । कुक) मेरीमार (क्लामपाया) पुरा प्यार (त्राग्याकार्या) राष्ट्रिय अभी: (मर्मिने की) (धर्व वा अभाव) धाम म निवाक्षा (म निक्षा कि) अभ निवस्ताम् इराभाभ्यि : (निक-यात्रः गा भेटा ल लका आ प्राम लीहर कर वर संश्रकः) मरवाक्षण-स्र-मर्ट: (मन् असर डेक्रड: काम्लेड: स्रार्गः महः लायवन्यम् द्यः छः) म्यावर्षः (लायबी व भाष्कः) टकारक: (अन्यप्टिक:) न्यारम: यव वन्ता: (व त्यावनाता:) क्स: (लिस्था: क्याता:) शाल्या: (श्रीहवा द्रेक्ट्रिश)। एका। (था दी-निवासविधाम्पादनिव । दलो निवासी भागि भागि। वरात्र व्यादिक (वमा कमा कमा काल में व महा व व्याप्त प्रकार प्राप्त है) . अमरकार (प्राक्तामाय :) मबीए (भमक्षर भाग भारत्या) क्रमाल मद्राम (संग्रामम) दशक्या: (क्रेक्ट्रा:) व्याल सर्वामाक्ष्माः (क्यमप्पाट्मांतः स्त्रीवाद्यांतः) प्रवृद्धातः सर्ववा (मर्वन सम्मालन सलगरकर अल्ये मड्का क्रिका अर्थे म सार्वेग्रवती) अभीना (एकला) जत्र-वती (जतः नव वती अपूर् नम्) क्रिय क्रिया (क्रम्य क्रिय क्रिय)कामिनी-अमिन-

क्राल्यमा (मानिकी भूतिन अम्राक्रितः क्रनाएयमा क्रिनामा), आक लाक्ष्माताको का का का का) स्वया (लाम का) आकार (सक्ड) बाह्य (मक्ष्यम् विक्रायम्)।। नव।। (अर ही- एमडानिडा सर दि आध्यार र वि । नी ना काग व्यक्तकर देवा मार्कक त्माका १ (का मार्क । या (का मार्का) नाभी (क्षाविल्यमः) महत्(धानु ति ६ धानु) देव कामारं वैद्यान-बाम् (व्यापवायक) एकश कि (श्रमंत्री सह।) लाइक्षेत्रका (लाह्यातं अप्राथतका) लाज असाउप्ट: (अस्म हैं शि: क्या स्पार क्या कार के का निक का निकार गर्डः (गर्डहाप) अवसा (सास्र लाम लाका कार्या) म्यार (220000)11 9 A11 (अम डम्कानिजमसर्वितास्मार्याज । लामिकामा: काहिए मभी र अरवसी हरिय व् कराजारान अक्षा जाएक अमी अर्भित कमा अष्ठारव नार) दूर्वा (हरूरा) हन्या ने नी लेकु: (अमिन:) मं सार (लास) हिन्द (मिल्लान) राज्य- मस्मान (राज्य) र्यमा सलमान हिंस प्रमाण) लाप्यहा (केस्ट्री) म्ल्यू-निमादम (अक्कम) भूबली-वय-अयरनेम) विकार-कम्पा (मम्भूष क मा मही) प्रामा कि जाने (जिल्लान आ जाने, [म्या-श्वतीत) निनिष (निष्णिक्वडी) ॥ ७ ।।

CLASS ROUTINE

Days	1st Period	2nd Period	3rd Ferlod	4th Period	5th Period	6th Period	7ta Period
Mon							
Tues							
Wed							
Thurs	4.5						
Fri		0.0					
Sat							1 1 (1)

Manufactured by :- M. R. CHOUDHURY & SONS.

EXERCISEBOOK



Class

Kroner of - 16

PAGES

(म्यू टाल्ये न माळ्यू थाय वास्त्र मार्थ प्रमाण स्थात स्था स्थात स्यात स्थात स्यात स्थात स्यात स्थात स्यात स्थात स बेला साइ) म्ल्रेसेयो (० यासी लोकक कित्रामी) सकत-आश्राक (निरुक्त विविष्ठ)भागार् शहिलक क्रिका विकास -द्वाम लामिकाम: कम्मलक कर्माए) वित्रवेदी (विम्रसार) लायका (मुद्रेन) साम्प्रा (क्रिक्स किहा) लाल- लालस्त्रमान नामी-क्रीमका (लगमस्यम क्रीकेक्ष यो कार दंगासिक: म्लिल (अध्यम्पात भीक्टक म आम् : क्रीडि: ७५-अगरि: म्भिडा ममुख्लाडा मली) हुमी वहूव (भीतन 1200 2:)119011 (जर सर्टाक्रामिकार सिविद्या इवित । स्तिल स्टार्कर सम्बन्धिक (अक्टि-माट्ड) विशासमा (विरामा मुक्ति) । (म र्रियमा) (अस्मिला:)) आरमाकाव (मर्ममाव ट्राटल:) (मार्विक-अव्ने व अस्माउक्ष वश्यः क्लक (लाविषामा श्रीकृष्टमा मान्नेरप्रवृद्धम व्ह्रामन कोव्हरकम हे छाति व भूवि कि एका भामार वा स्वभाष्ट्र छा:) प्रति (वर्ड रहे)। प्रवास्त्र) हवान, कालिकी-प्रालिस-सिलिये: (कालिका प्रमुनागः प्रालिस-मकार्यन विकासने: भीठाले:) लक्ष मनते: (निक सक्रम्प-मालि : वामाह :) निक्या अपूर (अपूर्णाय) वार्ष : (मार्मिं मार) बामार (व्यामानी मार) त्यमर (मामाना) जाममान (मृतीक्र वर्षन्) भ गारि। (क्षांका क्षक अस केर्या) 11 8 211

(ला रेता हो। सम्यान भिष्टि में राइवेश । त्यामिक है का मायम वित्र पढ़ी देश कि विकार) विश्व (की कि का भी) भी में से खिवार (अमृठ-वित्रीमार्) भिवार् (बाहार्) (छ (अभिकाः) भाविभनाः (मंद्रका:) दुक्ताया मा विन्द्र हिंदा (सर्वे वे वेद्र मा हिंद्र) मिक्समाइवा: (भम्बल्लिस वस्रोभः:) छा: छ: क मक्षः (ताम्राकाः) (मभमाः (शरमक्सः) (व (मभमाः) क्लां: (क्रेडा-कोडकार्ति) अविष्मितिन (अवस्थापान-सन्मरं) वर बक्रं (बरमरं) में अनुष्ठ- क्रिमी (में विश्वक्र) (व्यवनम्म) न्थाः (व्यविश्वासाहा श्रांति) (व (अम्रिक) यमत (त्यम्भन्) के कि अप (अप का पर) व्याव थारिमार्व (मिम्हिल अभाभाष्ट्र) भम्र रेम् एक: (हिंडः) धार्यनर्ड (अभिक्) ॥ 92॥ (अभ विमर्भर्यूकर् विकर्ममान्यकि। उस निर्माष्ट्र भीकृक्यानि-ब्रेडी न्या वा मुलक्ता) प्रमें प्र: (प्रचारा:) त्रा (चत्र) धर्मितर: (अमना:) (लोकार् (भूकाममाक्षे) धर्म म निर्दे (म निविष्ठि) थए १०४ : कलिए- का छित्रा (कलिए : श्रीकृष : बिहा बादी (तम स वमा है व सम्)माहिसक्य न आपल (छ्यानार्थं न भुद्राचि) देविनी विवर्ग (धानिना प्रकी) इविष्ट् (न्यामवर्) नर्गमर् (नम्यामका भर्) न हविष् (म भारति

इंक् गर क्रियार) वर (क्रमार) इत्यवमात्री (मध्याद्यात्रः) अपनी (अपन्धः) थानम जाग (धार्मन) के वर् (मि विकासन) mud (40214) 110011 (लाम मर्भार्यकेकर खिक्षिताय दाह । त्या विवर्षक मीवादा क्तिमाराद्य क्रमडी आवश्वत (स्थामाराम्कार) मून्तिछ-लिमकामान: (प्रमित्वा क्रिक्क हैं हो देव मुके वा जिमकामार सम्बन्धातार् धावाल: (व्यानि टिन म:) धराने कर्मावि: (अकिकः) प्रमुक्तिः (प्रमुक्तिः प्रमुक्तिः) कार्यव-अविवृह्ः (कृ वा निशंतः मन्) भूवः (ध्याषः) विषूत् (अन्ति विस्मिनि (रे लिक्षा । अभवा) थाय कातः (भीम्भः) म (म डवि , पब्तु) भूवणिधिन् साधार्थः (स्वलाहित्य : इ अ स्यम : श्रामा का का सर्व : सण्डा ।) अट्टिम्भा यांची (सिम्स्मास्य प्राव्यकः) अप्तरं (पर-मिय:) मिर्नि (आवक्रिन) ध्यमलास (धार्मेड रेडि) MCB (ACT) 119811 (थय रेखे। नवाष्ट्र कानिष्ण हिन्ना प्रमार नि । फाउ उद्योभी विमास निक्वामक्का का किक मिलामार हिसे ते ही के का कर ज्यान । क्षेत्र त्यः मार्भः ति (वर) भाषात् । विवृत्तिः (मिन्डि भाषा) प्रमुखियम् आस (भय-मार्गाप-एगण)-विक्रम्कारक) अवा (अवना) (१८००) मिन्छि: (त्रेम्भः काठः)

राखात्य प्रमंद (विक्रिक्टि) जवर का अवर मर (भक्र पर उरि) सन् कि प्रतः १२ लाम् (धमन) वृत्ति) ह (दे कि -सर: अक्षामण् (ध्रममृडि द्वि वेषि) यए ६ (अक्रमाउद् बर्डि) देएए (भोत्र ((यम बर्डि) देम ए क प्राथम ? विष्य ? न्त्र (मुख्यार) ला स्पृ (अकामा के कि ह) यर (द्या) वर (बमार हर) त्यांभिनी (त्याममुक्त) काम (ब मित्र) किं या विट्यानिनी (विविधिनी-) धार्म (के कि) अपा: (34)119011 (द्रायंत्रप्रदेश । लेक्यायावड : ज्युवाक्त्र व्याताक, ह्यात्र ; ज्यकिक देवासा (क्यू स्थाय) खिक्ताक) येवादः (म्याक्स्म)) तार्काः (यमपत्मः) व्यव (म्ययं) प्रायम् -वायर (एमर अमर दिस्मानम्बार देना एड अपन वर ज्याष्ट्रक् मर) अम्यक् (विक्मिक) श्वामाः (निश्वामणयनाः) किल विक्रिले: (धान्नकार्रिका:) इ कुछाए (बाहिकार) , स्थानुकार मामाडि (द्रकात्मा सामकार अवनाति) (आर्याप (ब्राह्म) क्षमा इंग्लं का बस्ता बमात तम (बसमा) लगंड (में सार्थः) लाल । क्रम्बर (भारतः) जार कार लाल भारत (अवलार) भामित्रकार (भाम लक्त्रम्कर) भीड: (ANGE:)119411

(ध्य धानिसे १ हिना निका स्मादन कि । मानी मूर्यी ट्लोनंडामी? अगात) बानामा (बान लायमा) हाक्र तेयलमा (मर्द्ध हिम सामक मार् वर्षात त्येवनाचि कार्यन) वाकारणः व्यालं धर्वविध-क्लेम्पी (सार्न्य- मालका) राजा राजा (मार्के) एसील (कामुका and) umin: (eremin: The assistanin; (mall;) रेम् म्र-क्सल अड: मडाभाम् समयः (अड: अड:कवनः व्यात्र समासाम् । भिराम् सार्वा राज्य म वर व्यातिवर् सर) on en (वार्क) य्रिश्नीयु लामीय (आon) 110011 वर्षा । (इ) र का अप । रायामाः (स्रोक्स क्रिका (रेक्स) धालिना (मानिका) भा उन (पूर्न उन । यह:) लाजिनिकाः (क्लानिय-लामुखा:)धार्म विद्यु: (ब्रामार्ड ४९) हरक (इक्स्थर्भ, भरक्ष भीनान-मन्त्र) किल जारा (धार्वना)रिनः लाभ कर्निक्समामी भीगं की नमय छी (अवमा द्वार्ट) (लक्ष यश्चितार काल । स्रीयाक्ष (अपूर्यामा लेखार । कि टर दिन !) मानव: (श्रीक्षः) भाषवडाः (ज्यमान्यं केने?) राष्ट्र (मार्ट स्प्रिका) विस्ते (साम् मेड) बा क्रम्मार (मन्यमा का) सम्बद्धा (कार प्रिक्टि) कार्या वर । गाम काम (मान्या) विम्या (कार्या) वा ्ड् (किनु) मः २व धर-वार्नेनार्भः (धम वार्निकीरा डक्ट) व्यान : (कार्लियान) म (धर् भार्ममात्य म हर्वा)।।

(दुसाउदम्बद्रम । न्याकास्माः न्याक्षक्ट-अब्द्रामार न्या के प्रमार्नेत्र) अम्बल् । (त्र) भेक्षवते । भूनवाक्षाः (एवमनेवाक्षाः) उनामुक उनाप्यः (उवः लाहः लर्मेश्व द्रः रे अग व्यासमा काल) एव तर्मासिकाला-समार् (वामानामा डकान्) हेनारि (बान्द्र हि) समायानी। (लाय में मा:) रेला: क्षिक (सक्षासिक गर्क कुलि) मः) (कार्यम्बर्गाक्ष्यः (स्पर्वेत्र सामव्म)) वर प्राप्तः प राक्ष (x DINNIG) 11 00 11 (लम रै:आलावकानुवाई र्विद्रमारवि । वास्त्रीयानं विवादानं ल्म गावि र् ७० श्रीकृष्णमात्माका बन्म स्वीता प्रथितः भ सम्मक् मन्सामल वर्षे अपिकाल क्रीसक त्या वप्रवा । (шы:) छम्मिनार्माप-विर्ण- सप्का (छमा श्रीकृष्णमा प्रमानिष्म लाउपाति विवृताः भाउवा क्रम्कः भाषाम्या भाषा वास्या प्रण:) कृष्टकृष्माद्विः (स्ममण-कृष्मना कृष्टिः) विः (पिक्:) दे वर्गार्म: लाजियमात (मिक्काम) लाममं कमा लिहीकेलम् (दुनाका द्वाः) मामा क्राकाः (यात्राकाभुत्रमः) लान सामायमार (रिरम्बिमार वर असमकाका) गर्मः (मार्थः। यमस्थि ब्रिक प्तारामा है हा न्या करिक्य महित्व अकृत-कूडूम-। श्रिमिल-व आर्म भिष्मा कषा विलमाध श्रेष्ट्रकिला ब हुत्रुविकिर्गः)॥४०॥

(लम देशमानुकाने छार श्रेष्ट्रमार गृहि। किश्कासन्मा अनुकासन त्रीयाचा त्यम् भार्य अभवन रेडि भार्य भारत के का यिकाशा व्यासाइ। ८इ) भटम । याद्यामाः चक्या (स्कर्वमा वमा)मुख्या तरा (तरीया उन्ही) दिन्दा (तिकाशाधिती) त्योचनमञ्जूरी (की क्क कि ममन किला कर्म मीठार्थः , ज्या) सण् ह रेश (आश्रीत बटम) अस् हिं के में भी में सार (सि. भ्या साम में से कु कि) तिमालपर (ल्याक्ष्मुक्राज्य:) के क्ष्या कारी क्ष्य: (क्ष्याक्ष्य: क्ष्या कासानार क्या त्रम स लगार्य: 'लम्ब लगातिका प्रकः। संकडा () । मार्थ (की स्कार क्या:) लास र (इंट्य र के) किं लिलक गुर्द (याम् मुन्द) प्रद्रि (म किंस भी को मू ।।। १ 511 (णम लक्ष्मिम्परविक् मन्म्परवि । भीन्द्रकार्या य्मम्) टिस्कुर (क्रिमंडरार) वर (अक्रिकं) लामक प्रिलाक) (मेरी) लामक (बायक) साम् (स्थानाम : खिलाक)) सक्दा: छत्रः (मनीवार्त छप्तयम् रेक्ट्रिं) हेव (प्रक्राः) व्यताः (प्पाक्ष):) मुर्केट के में हैं मा : (माया दुर के द्र में द्रमा मार्था हत ! उभ मण:) मणल (समकायः) दुनमः (०ए टो म्यामूट क्षेत्रिक्षः)॥ १७॥

(द्रमार्थमाये बंद का मांगाल । न्या याका य प्राप्त । (इ. के प्यामध्ये। (र्याह । यात्र ।) नमः । क्रम (क्रिं) त्यालका-क्रमे एथी-यैश-धीरितः (ट्यालकाक्मार्क क्यू पिती मार् यूका दी किं : шार्माक: म् स्था:) वह: विस (किं) प्र: (माकू म-ग्राहिक (माव का त्यार प्रतः (ट्याइट्य क्रानुक विकालिक यह ट्यान माक्ष्य) स्ववाध्या स्वतः उत्राम : हेर्यर :), यम : किस (किः) प्र: प्रमान : जिक - विस्ताप -প্রথকর: (রম মম মনোক্লপস্য পিক্স্য কেলিস্য বিনোদ: इस्बार: लक्षाक्वं: यत्रतः) अमृत्वी हिडि: (त्रूबा- ७ वे । : यस) मृत्या: (म्यम्या:) हमी (पूम्रत्य) मिक्कि (मिला क (बार्जि) ॥ ५ व ॥ (अश अडोक् माख(र कूक र रर्म मूपार गाव । अम् कि मिल्मिमासामा-वरह न्त्रीवादामा लामम खिक्ना न पर क्या वर्गात) क्रेक्श्रीम्मः (मेट्याम्यामा: भीवासामा:) टेल्ल (मन्त्र) महात्रामारं (लक्क-क्षायाना क्या माला)क्या अभी (भी क्ष्म)) जार आक (प्रमानिसाम) न अप्रम (म समार्थ लाए , उभा) हुमा-वल्ली (गास्त्रा) व्याविष्य सम्। (व्याविष्य सम्म का मुक्त में से में विमा) धारभाष (धानिशंत) किन आके डाक (भाकि मुका) न (न माना) आभी परंपर-केंकिश (परंपरात्र केंकिश के का जा मा मठी) डेडम- विसी (डेडम सम्म अमारत) म जन्द (म अधर्म साला) हित्मार्भेटि (ए बार देलार्मेटि) अअस-गर्म (अअस आ आर की में

क्यरें :) का नाज (नाध्यक्षियों) के छ : (क्यें च व गोलाव :) विमः (विम्का) वस्व (धन्व) ॥६०॥ (अम इक्ष्यान्य स्वार्द्यकतम् १ में मेर्या विष्य । यम्मा विषयि क्रीकिक कार्यहर में देखी स्थान्त्रीर समगुमार । (र) में क्यां साम ; कारणु कार्ट कर्षक्याकार्यह (क्षेत्र प रेव: पाभावत का पासक रमत ७४) लय के (माश्रम) अयं (म्यम) विकास (म्या यही) क्रमाखा (भग्मभी अर्। १६०) विवस (सम सम्भवन क्रमा विवार छव) लहैं या सत (कुल : 1 कर (किर्ण वेपर मार्से किया)। लसमार (क्रिया (अवयात) ळंत- ळंत्र मी- कमक पात (ळंत्र प्रांची पूर्व कप व वात) लामाति (क्ष्मास मर) बेस्यवमक्रेसेस्ड्रीत (बेस्यम्स) के सम्ब्री संदिश्यो कल्ल:) व्याल्यास (प्रमार) विक्या (विद्या क्रम्साम्बास में केरामाल कारामाल कार्यात में मार्थ में मार्थ में मार्थी मार्थिक डार:)॥४७॥ (ला दृष्ट् साहि में बाइडेक सिम्दे में के से मार का । बात्रक सक्यां : - केश्यात (सम् कार्यात रा क्रायक के कि निक के कि निका कार्य) कार्या के यम् : (यम गामान् वम् अकावर्ग) आडवरेर् कर्वावि (दवयागद्यमा-आमा लामक्षेत्रं अत् एक्षात् । निक) आत्य सकात् । (सक्त्र्रात्) काम क्षर का क (का कर) व्यक्तिक (क्षर । क्षर) का कर पिल्येति (यह नेतृ) हुन , ह्या कि (हिस्मा क्या ट्या) दृष्ट्-(नरः) धार्कत् विक्त - ज्यू-ब्ह्या-प्रद्वाती नामाड-गामका

(धारमः त्वनः विकन्नः विवर्षः वन्नवहमा भागात्रहमाने भामाव् महत्त्रम तीता भर विकिश सम्बन्ध विविशा: मक्ष्मा भ एक् कात्रका शिक्का) मा वकती: (ह्याला) मा)न सर (म्याला) विता सिया सिया (काविर) न त्या (व प्राया कार्य कार्य)। ४१। (कम कुमोर बर्कर वस खिलकतार) कुमोर (१ अवर) ४ सामार लम् द स्रोति (यांग्यरंगः भवस्यं-त्यस्यक्षित वरंगः कुत्रोरं कुत्रस्य न म्यापिकार्ः) त्वन (त्यूना) मुक्तानियु (म्यान नितापियु) देशक (बर कुत्रोरं क मारक । बस्तुमोरं पांतकरां : अवस्तव में स्वता-भादकाधीक स्मार्थकाय-भार्य: अमु (वर्)॥ ४४॥ (जम्मारकार । मामकार्यार् सीवाधा-मामिर्या मकमान की क्रममकमान लामाका मैंसका बीक्षों टर केंक दूर स्थियामार सद्यों एक सि विवर्ष-हिटा लिक से मिटा नारी के किए में में के कार वास्ता में माटि आ सामर्कमार । (2) हिला! (हकता!) नम्मा केला! आस (जय समाल) नदीया (किल्मानी) न ही (अझ कोश्चि नहिए) धर्मा ९ जव डगं य हि (प्रमाश्च) धरेकाः (रिमार्गः) क्रिस स्म (सस) इतं मिश्चः (मम्मः) अर्क किन् (किनमा धकालाल) थान- मर्: म (कर्णन-सम्भा म ख्या)। त्य (अत्म!) मलाष्ट्रका ! हुं भादि ज्यमा (अभ्यः) थानिकार (मुरमा धानिक प्रकार) म गामि (म राहर्नलामि) उठ: (वस्) नारं सिल्पास (सस त्याराम त्याराम पार्स) सर्वे में] (कर्म-करमार लाम मायार लाप्यामा द्राष्ट्र खाय:)॥४०॥

(अम व्यक्तमार क्रम व व्यम्भार वात । मीक क्रमवित्रासमा विक्रिश न्ध्राक्ष्यी आक्ष्मसार (द) लक्ष्म लान्यस्य (लक्ष्मस्य !) अकुछ ! मूछ-विविक्ति महामू (मूड: भारतः विविक्ति: मुक्ता छर्गा: म सम्) भीला (प्राप्त की छिंछा) मू भावक्या (एउ करिंव कथा) मिक मर्सिं (क्या अस्तर् के प्रस्तु कर अस्तरिं) य द्वारामार (य माळ क) स्नी प्रक मेरिक मंद्र-पार- ज्या विहास है था : (मंद्र: माण दे अर एमा मेर क्या ह सिल्मल हे के अह ति बड़ के सिर्म मुख्या दे के मां है कर है कर एका: (दुक्स: क) रेक्स: (एक) आयारतः) क्यो : (यसमा:) याः (माडि दिवसः)॥ २०॥ (अग लक्सामक्ष्कमसम्मेम नार्या । मान् व्यक्ते ही मिला भीवाकाचार। ११) वाता ! (अमिएक ! पूर्) वन्नवर्णावन सम्वती-पंजाक्रत्यापिकः (बन्नव ट्योबषत्र आस्यूवजीव्यम्) स्वष्टीग् एक मिक्र-क लिस् स्वासि भवाकित मन्म भागापि ताम क्रमार वत्वम्हार्षित क्रांसमञ्जारेकार्मे व्यव विमन्त्रीत्र हार:) न्यामन विनाबिनात्रिक्रम्भेष् (नामान्या देव विनाम बर्म खादिया ह (बाल्यामं स्थरं मधे लमार मुक्कार) (एव: (एवं) शाम (गरमकः) अवावक्य (तिवर्ग)। नवः दृष्टः क्रितीर्छः (बितार्भः) कूत्रका: श्रिप: (श्रीकारात) विकृष्ण (धाक्त्र) कत्रकु- छाउछि: (कमक्-अमृरिः) अकुनमन (गारीक्स्र) निः अपुर (भाग भाउभा) देम् कार (लिंक् मिर्टी) यर (वर) कि (वर्र) म हि विम: (न बानीम: । सानीम अख्यार)॥ २)॥

(अस स्मी जाना इर्णन कानि जा ममू गा मुका दर्ग । नामा हिलात जी कुक मारी-मोशुमार क्यायाम्यर सद्य जम्ममं काउ: 1 (म) क्याया: ! पर्व (स्वांमार) वरण: (अरकान नगड:) छानाकासुत्रा, कामिन: कृष्णत्रा, रेमानि व्यक्त-ममानि (ज्रामे व्यक्ति अविकीति) अनानि (अनिकानि) अभाव (Tino assurena) 119511 (दुमार बमारे बस । त्या अ अध्यक्षात: १८४) (या की: कर्त (वर्ष: (क्युक्क कं भी) खिं के अप पं (व्यक्) त्या के विषय के विषय) राठ (मधार लांद (वप्:) (या अकायां नाम- (या जर्न तश्रुयां श्रम् जायान) सारमास्य वृत्र में कार (सालात क्या क्ष्यामिक) संग्र (उ व) क्या म व्यक् क्ष्रतादि प्रियम भूतकविता वहुयः। किक्क) जवयः (वृश्रमण (र्थार्यक्ष्यः स्वास्त्रः) प्रकृतादिन) अक्ष प्रसृद्धः (वामाः सिनासिकि निराद क्ष्यमादिः aram 701 424)11 9011 (देमारवंभादिकार । काहित सर्वेलात्यासाउन त्याची भाग अविमक्षार चल-रिती काकि वीका देशारितंत उमा: श्रीकृष्ण महिनामनूमां नामूंग-यात्र। टर) क्षाविवसर्मा प्राप्त ! वर प्रद्रा (पर्यद्रा अविकार्य वसर्य) नियमि रेजि (पराण:) देसमा (हेन्क्येनका) भा जू: (म डव)। सून्यी-ल्क- विम् कि (मूत्रतार आसी क्षः भण्डाप विम् कः म जाकः भप जामीन) अन (धर्मन-प्रमृति) उन्ही (इं°) देन का (धरा न्या) ने कार्

(अन्दर्भ ज्याजि)॥ २४॥ (अभ अने मन्यामिकामय्राम्याम् मार्वि । अति सिव-यमधाना द्वामायमान यमा : ख्रियामां : सभी काष्ट्रमात्र । (४) में त्यां द्रियुप्त (द्रमण्या) aginat piai (camat dass:) ordi: (nor dan pamanin:) रे खिं (यम प्रमार) भिक्यो (लाई को) विद (मिर्ट) कार्य (क्षेत्रामार) म मिकार (म लामीक त्याक करा) (म (मम) मेरी (बिलाका) क्यः (क्या:) काल सर्वत स्ववं (सापात्रवं मात्र योदिया) वयोत्रवा: (उरमाया:) अर्थे (उरात्वे) वेदः (ट्यका:) लाल म्यीमा (क्यान क्यान) ॥ १६॥ (अम नामर्क्षक हालममूमार्वि । मरानामार्क्षां वन विराव-तीलागृ कम्म विनारमाष्युकः अक्षि वाव्यंती निवा भार ।(र) कक्ष्य के से । (८४ केकवर्ष के की से । लक्ष्य के किस्य के की से ।) है . СШकेष- ब्हाय- ल्यास (आकेषसे - ब्हाम आखासे ' मांक (आकेष-संग- व हाथ सा बाडा में में में में (जा मुख्य में अपन इस्रेकार्स) यदं भार्ष्यमुर्न (यं अं ह दिसार्य भार्ष्यमुर्ने याल्यु में जिल् लार्स्य-स्विमार्थे द्वस- वंस्पुर्वे) प्रवं (सुन्यापं कात्मा) पु: अकैं (तका सरेडिका) कि लुं (कुलाबियार) लाएं (के के मा । लव में) लारे में खुर् (कामपांभुं) लाय में - के में सर् (लामा के में मार्ग में आर लामा ने उद्यक्षी) न यार (प वार) माण्यमुर (माल्यमुर पात्र ज्याया कार करवंप (काक्षम वाक उट्यम) या वास्क्रीम (क्या : म्मम् रंप 香香) 川のら川

(द्रमार बं मारे बेस । सहा द्यान कान्य के का स्पृत: म्या ह में पाल) कारमायाय लिंग (कारण मायय) टिक्न कार्य) क्रिमलेखें (अम्बन्ध)मिन व भान किममाना (अभिविता प्रद परि बीतार) आडीत-शतक्षां (पालरेसनुम्) जल्रे (समुख न्य) त्रित्राक्षां (दिस्ती लक्षा में दिल्ली में :) यक्षा मुह्यें (पार द राम मारक्रा) हेव: (क्य: म्यू) मिनवड़ा (ध्यानमा) भीष माणियामाए (भीज्य) (कर्मक्रम् मिस्वेश्व क्षेत्र) वैष्यम् (वर प्रमं तै में) अध्-(क्याटन) के का कछ (हक्षा) हे से हिस् कि हिस है निहिन? रमा भाउमा) दृष्टि: ।श्रेष्ट सरनात्रानी (भिएन हिन्छ। कर्मकः)श्रेन: (अर्थार्कः) यः (म्यानः) वार् (म्यानः)।। २१।। (लग सिम्डिलेक स्मिष्येता प्रवात । चीकिक में में प्राम्भी सारमानी-मशाखायवरी की नार्वा वनधानाः दिवरी मनिष्णः भगार । टर मार्थ!) केरुपा (कका) मा (इमंद यथसामा) य: (लक्षाकर) लाभ्यामुम्मे सर्द (णाभिनमा त्मिभामा मूभ जावमा भदः म्नानः) धमा (नीप्रामः) कर्णः (गमरमण्) करा (धार्ष (काभ्रीभाष काल) न का शाहि (म जानाहे, मा)रेग् वनमात्म उनेत्रकं त्याला भाषा (उने: मूमः ज्या जिना केन वर्षकरम्य ट्याम् मिला व्यक्षां भाक्ष. यस्त्राम् - अन्यक्ष्मक्त स्क्र) इर्ष: (म्युक्तिमा)) यमात्र (प्रमंद (मायाद अरक्त (मायादा) मार्क (सारमार्के) 11311

हानु: (आर्क्स कः) लगाल्य - प्राप्त क्ष्य : (आवास्मां :) सम्बर्ध स्वाप्त (ब्रायाम्यां क्ष्य क्ष्य (स्वरं) एक प्रविद्यार (ब्रियामित्र के क्षित्र क्ष्य (wie dyanano) valy ((Com e dio) grais - by sile (\$2 -रें में 6) दुलकार (दुलकार के का) समाभाक्र थां (अवदम्मापुदार) भीश (अंग केंग ने व किनियम मक्षर)क्रमम (म्मम) क्याम-साम्य- वक्षावाद्य- कर्ण (क्राम्यक्षात्य क्षेत्र प्राथन हेम्बल्य मक वर बमा) मन्मान्या- असन् मार्क मार्क (Letter of the work was on all on all contractions गुनु: सेअअअव मान वर वर व्या) कास्त्र (कानम् (निम्द्रों (निक्रिक् काः)।। भेगा (देनार्वमानुवम्। भीभाषिव श्रीवृद्यावनमालक अमान् लीवरंगि मुन्यू गरी निर्माणका भग्रामु ् श्री कृष्ट् शार्व श्राष्ट्रित यहा विश्व स्री मार । (र अक्षि!) कालि भी कम्रत पूर (कालि भा : क्य्रतायः मूरा : तो रहा थय जिम्) मुन वम् वम् । (निक् मू उवनमा) धिनित्य (धिनिक्यरी) वसरीः (अप्रकृत्यीः) वामरी- मव-भिन-मत्मात्मान्- दिक्षं वा ६ (शसरीत मान्त्रीयकार्ग नाम् व दे के में मार्ग्य तर अबिमान मरीन- (मोव छए हेर्। तर्वि वारे: अप्राव्पा अमृभए हिंकू वर् (कला भगा: अर्) व्रद्वमलं (वर क्लंडपल) निमामूम -मैकालकार् (मितामेलाय मेरिक-यनपार) इमार (स्वासार) किसलग्-कताभन्यामती (किसलग्रामण् तत्र अल्लामण् कताभः

अमूर वर राजन जम्बी माली) धर् भूतः करा (कामीन काल) (यादिया (अविहर्वियामि)॥ अध्य >001 (लम मास्ये धार बाहु। यसमार्थे व् में समया हिताना वार बाहु समी बी जार । (य याम् ।) लर्मेश्वर्मा (अभिष्म) कि वाका काश (यश) इर (लास्य) त्वीत्या ((पायक्ष मकत्त्वस्ति) इरवं: (नीक्षमा) सर्वे (वासं) देला हुला दुला दुल (दुल नामं क्रम्ब) हुक - विहंति. च्युमेलकाए: (मैं में करता: अभावाद्या: अरवेश समवेश क्षिड्या अक्षिक्षार्षिक्षानि विलाधमा कि : दी। कि र्यमा : या बमा सब् के (य मोर्क का) (म (मम) वं वं : (लाम) नम्मन् बोस तह (ममार क्रंड) मधमा (लाय नमा) मधमा भारि (महरामि) देखि (चन्) गाहकारी (यम्सी मही) निविद् (mis) 12 ZIEZO (ADISTANO) onud (DIRI) 11909 11 (दुराठकम्पिक्स । रेस्स माम्युर्मेश्व म्याप्त त्राप्त । प्रद्यात ।) प्रत्यम् (इतिनम्मा) मा (अवादा) (वर्षाः (अक्क्रम वर्षाः) इवर्षार-यद (अमरनम्बर्ध देरमार) है क- मार्वारकका (है वा नवा नवीम दुरक्का छठमकार मा सा स्थादिया) लास (लाहारमसम्बर्भ (मन्मनमा) भाष्ट्रम्करम (कालामकाल पर्यान) भाषी। हः (अन्नमम्।क्रिमीडि:) नीमाडि: हेन्तार्थेड०् (अकार्भेड०्) भूमकः (carentos) le (Lage) envia ((ON. envia)

मिल्हिन्छ (मन्त्रामा ७७००) हास्का (मम् नहा प्रक्षे) करं छ: (अक्क्रिम कवार) व्याकल (क्रिम वार्ड) विश्व हर् (क्रामिकर) लाल दं (त्नर्ं) ठक्षं म लक्षेत्रमामा (लक्ष्रममागढ म कृष्यवी)॥२०१॥. (लाम मार्था वसी प्रकात । वेला (अप्रायी कामार । टर स्त्री !) भिष्किके-अप्यामि: (विम् मूक्टे: अक्क:) प्रव्यवित्क-लावे भे बाक् - बाबा- अर्ग व्य - । भवी न्य ने ने निष्ठ में : (। प्रिट्य मा अर्कान-अयर्ग सक्ष्यं विवृक्षा अरमार्थ आला अविभ्रमाकी खरंग E कथ्य सन्या E गा सक्य क्रमाः लाग्यु संस्था हो । भुन्न मान्ना अर्थे ज्याका ए। मिमी जिजाने आर्मिकं तम भी जिलने अकं भनि मभी भः व्यक्षः सर्)भ्यात्रात्रास्य दं (स्टाक्ष्य - यम-मिमाएक) काल क्लीन यत्रा (भिरुत्ता) देक काममर (देक ? ध्या हु ् क्ले नाम ् मक्ति मेवान १) कु क्षेर्य (अभाभाष्त्र)॥ २००॥ (मभार्यस्त्रम् पार्वाउ। कामयू वी- नानिकामा: काकिए मधीर् प्राप्त । त्य मून्यार्थ !) त्यामार्थि (त्यामाना मार्थ) शक्ती (व्यीक्रिकन प्र) विरवती (विशव क्वर्वण) (वासक्ष्य-कवार्वण्यार्डः (चामक्यात: व्याधाक्याक: क्यामिका कासी भीश्रिमा: आ) गार्वकर)मिलागा: (मभा:)मामलामकर (बिकिलामकर् छन्) म्माने उर् (म्मार्यः) धात्राः (म्रक्राहन्) धार्षे (नियायमः अध्यमक्ष्म में कुछि। मक्क्स लक्ष्य (लब (पाक्रंग) 11 >0 811

(अम द्रमात्राम्- १ मपट्ये कुर्मियात् क्र मर्वा समस्यित्। 3 -रेटाउँ नातु । पात्रकारं य मंग्रक: नी के कसी वास्था । (४) व्याभुषेशिः (हस्रवमान !) हर रेपर (सीनाका) स्मृ: (मृत्री) रेकि धा बामी: (र क्रार राव: राग) केंद्र (क्रिके) वर समा: कार्या: (या ग्रह्मा:)(म्य का (वस्त्राम् हर) में महर वास ग्रह (नक्स लग) क्यम लकाक (वय सत्राज त्याक गर) रात्रा स्वर (यस प्रमा) दे मर्दिः (चम्मन्यामः) में विद्- वर मर्गः : (स् त्रीहुं के विश्वाहिं वह वसपड तारा मिसा:) या कुकार : (अ) वरक्राम्य ।। २०६॥ (लम माश्रमेतारक्ं सर्व: जनमं भक्षाना: माश्रमेतारवे । रेसा टार्न्स्सियार) एताहाद काल (एवंड लड्डाक्र लड्ड्याक्व (अभा भमा जार्मन) प्रमुख - प्रस्त (श्रीकृटक , जन्म)क्या (क्रार्थन) नक्षित्र (नक्षर ए) कार्य में प्रमात्र (कार्य कार मारकार में दें बह: बाक्क निर्मा श्री । अरका (लाह्य को) ह में द्या : (यम प्ता :) अम् (मार्) विकार (आयूबार मार) अरमास-यामा (अम्मूमी) रेग् (की नाया) मिथिय-कन तामू क- नगमा (मिथिकनन निष्य-किया लग देमात वार्टि ममत मारा भा किया) निकालानी (निक्रानि निक्तानि अंतानि धनाः आ द्या हुन मेडी) अवसे सु-अलक्षि: (अम्बर्णका) रेव वहूव (बरण) ॥ २००॥

(लाम नक्रवं के लाहि मांगा : माम मिला कार । त्या में माने क्यान (मेर्यामी-समाराक ए दे भारताकाम विकाकमी नियार) मियारी-कराविक्ष् छ: (लिभावितः लय्यक्त (मायक्षेत्रम) छवः हातः उम् चिक्क : इक क्स हिनुभा ध्या अलयाम् विम् उसमा भिवीय-मसम्बाद्य ह्ला स्थाक दिन मा भाव के भे (भियं क्या) लयामुम्म (सक्ता) जिनमा (अकिका) क्रिका (मर्मतन) ममद् (पाए मन्) ममस्न नू नी में (कार्य म लाजीताः) क्रमण् देर (कार्यन त्यावक्रम द्वावतं , क्रम म्हारम वा) भूमलर (जक्षायर) कि क्ष्या हिन्द (क्षामिक अक्षर) हिना (हि निन्द) 2 5 d (aread) 11 20 09 11 (लाम । ह मात्र वेशाला: माश्र येता प्रवाह । (मुक्स) मा प्रसाहित oc ह क्यावनी वाभार • (मे) मारिडि: प्राईख व प्रात्मक) विष्म डाए वार्यका (भाकी व केक्स्कार कर के के मार्थ के सम्बद्ध अल्पार) सामृत्य (अक्टिक) चामुकांग्रं (अं चाह) भववा मर् (मरीरामाछ) म्वभे वि (म्न क्कि वि माछ) धम (धन उत्र) नाम्यामा : साब रिला (लमायव में हा) । भ्रव (बाहर) में भेरे (एकप्र) व्य (वास्तर) नमा (म्या क्या : यभी) म्यवं-एउसारमप (६०० प एवं मायकार्य) शर्वेचा (हिंस ६) वणम् मरी (पड़िमडी क्क्) विर्व - यम्प्र- जमा (विर्व वर् काक्ष्म वर् यममलमा मभा: भा लभा ह सकी) सिर्द्धा (त्यम्मेक्स महें)। ४० १

(अभ नामनाम्पादना । कनमातुन्ना वीनामा वार)भाडि: (मर) भ: (क्येक्किक्कक्र,) मत्रीम: भूक दसक (क्रीलंडि) व्यः डार्स्य टिकाः (केल्प्रध्या त्मालमे सन् द्रव्याः) र्याः (सम्भार्म द्वार) इह! (वास!) माल्य व्ययं हामम् (सम ट्रम्बारान्त्रान्) ६ रेल्य वार्) लाउर्थन (रेक्ट्री) स्पर् भिष्माह (सत्र प्रयार शर्मिश्र)। यां (लायां सत्ते) एक इस्याम (हम्मवतमः) त्यावन्तः (क्षिकः) वाववनः (लास्माम् कं) देव क मुख (देव क मुरम् के ब या है) त्यन सामार्टिकर (सामम्क्टकर) भवमर (स्विन्) निम्मे प्र (मिर्भिष्ठ वर्) वासर् (कृवर्) विशिष् (विकालावर्) विक 必要リンの引用 (लम नमियामनाह । मान्यम्भी काम) मः (भाराभः छकः) धानी युष्टिक् वारिका- अरिकाडि: (धानी मण्म मारामण् मारिकः देमतम वर क्रियेक न्मा एटर मार्डिक वर देंगा : अरिमान्ड: टेमपूरें):) हिमार् (दमम् मिमान्) म अरणाद (म आम) भः ह क्रांमि क्रांमिको पूर्व-ब्राह्मिकारी (मृठी मार् का भेष श्वाम स्मितः सम्बर्धः (जम) हिन् (पीर्यकालन) कु (कून) कार्यन न देखानिक: (न ट्रेमार्थित) १ अभिक :) कमना- एक मुधिय केन : (कमनामा:

क्य (कार्स्स) न्यूलारं (कराम निक्र) धर्मा विशः भ्रामी छाव:

(लार् धर्य वार् बाल प्रायमार्थ) कामारि वक्ष विममद् या माम कामप्राणी-द्रमक्त हमा कृष्टि-विक्रममी (कालात्र: कालमभी) बादुः मूर्भ विनम्ही भा वसना लिखा जमा अभामित का अर अल्लोर्भ अपिकुर्कर मस ट्याला सं माळ्य (याल्यां म का ने हात : क्यो हत के की हत की कृषितात्वीते विक्वः सम् इम्मः यत्रा मः , विक्व) अक्रे भूगति छ -त्याह्या छ - अकार्य है। ५० - अश्री अत्याताः (कार्याताः कार्यः वाक्रमः गः त्याहराषः नगन-वास् हालः कट्टामाम्कारः विम सक्रायन ह् निष् मिष्य मिष् विद्यालिक सिक्ती: मछी नर कर्र ए तम मः) मकार : (त्युक्क: मनाकं) अस (में भं) लापर एक (क्रांक) ॥५॥ (द्रमात्रवभाउत्वर्ण। त्यावश्रत महे अने सिसन मवनी निवादमन भीकृष्ठ: श्रीवाचा प्रात्माका सर्भामन प्रधारे । (र मार्थ!) # थरर! (लायां) इंगरं का ट्याक्ष्यरं मिर्डिं दिवा (सामी) अभ्यम्न सम्बालान् (कपत्ताः में बसी मा सम्बास्य के व्यम् वत्रमाम-मछ० व्ययम् कित्रक्षात्रम् (क्षाक्षक्षाम् वाप्तम्) म०क्रवाम (टिक्म ही क्या) अने में मूमन-मृतिष्-म्या (क्रियेत्वः र्वत्तन कक्षातन श्रृहिछ लूकम (छोर्थ एगा मा उभा मरी) अस्तिम कार वाल वासीकर्वाह (स्टासमेट)।। ड्रा

(वस्रो बेल्यानुकार ध्याक्त्रीक्ष का वमात्रीय) महितामार (हा वस्रिः) प्रकाव: (असमाम्पापमार) अवेकार व्यहत्त्रपक: (काहतापर) वसुरा-विल्लावडाः (क्षीमाताः व्यीकृक्षत्राष्ट्रा क्रिताः विल्लावडाः) हेल्याडः (यार्नार) मालानात: (महानास (प्राचा:) चेति: ल्यानुस्तर। नमार् (माद्धामाधीयार कावपायार सामुद्रे) मामा कं (अक् वीक्षामा कार्ये कर्म देवन त्यावन्त्री)देवसके (प्तक्रिके ट्रावर) ॥ ।। (क्यानियामप्रार) त्वन (आल्यना) भरवन (क्यानिकार्याप-मृजीकासन) ह (म) जाव-कार्कः (जायमा गार्किक) महत्र अका मनामे जुर्भः) व्यक्ति-CMM: RECAS 118# 611 (बच आहत्मामप्रदेश । इडाइ ्म्क्रुं विभागां व्यक् नीमंबा कार । (४) याम । (कार) कार्यकामा : (मसेरामा :) वह- विर्वाप (जीय-वात) अपर्यत्-वित्रेष - वित्रेष नित्र करात ए (अभ धर्मत् अर्थत् अर्थन् अर्थ विन्तेन मिलवरं वित्यारमत्ताः विश्वक नंगमत्ताः ला : वा छ-लाएन भन्ना वर् प्रदेश अवि निकिस्क केलक मिल्र : किक)स्मूल-प्रत-प्रताम के (भिष्यांगः सिक्सिम्यांगा प्रवास प्रवास प्रवास के ममा ((कार्भार क्वर्य () विवेर (आकृष्ण) व्याताक (हर्षेत) मेंद्रिये वा (क्रिव प्रिमुण् क्षेत्र लिये लिये क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र नाम कार्स । इस न। (क्राप्रवं मा वे के के : प्रवन् लेक वि । य अला) भेव म हिमामी

भं सं (समाट्य)

(हक्रत्रत्महमा) अटमे कर् ब्रिनिका- ज्टे (यम्त्राजी एवं) हिल्ले हिल्ले (त्रक्षांत्र हिल्ले) ट्याहत- हा लता १ (त्रम्त्राण: हा क्लेका १९ ट्याहा:) क्रूवल मे- विभिन्न वि (त्रीत्र कसल- कात्र गार्ग) में स्ट्री (प्रजी) वता १ (त्रत्र कृष्ट्रा) सम हिल्ल- हक्ष्वीक १ (हिल्क वर्ष प्रमावर्ष) इवि (ध्याक वि) ॥ ष्रा।

(लाम सिंप्राक्ताम में साउंत्रि । क्याहित अच्यांची में की न्यांकायें वासरे वीक्के वार्क गढि । (र) ब्रायाम म्या । अही व प्रार्थि (अयम मार्की भीवाका) किसी ते (एव सहिक्ष) सम्रोत्त- भाक्यी कर (सम्रोत के कर वर्) जालीय (महाक लीका) महायलमा (मक्तापात्रीया करें) धार्ममामा (टेस्प्नेनिश्व ह मडी) मीनी (क्टीनम् वक्ष) स्मानडीए (आले)म विमाककार (म का वनकी)। वार हा (लग ख्रमात्रं लाड) अन्य-स्थारत: (अन्य स्थार स्थार वंत्रक भक्तक निक्) भक्र किल विस्तृ : विक्रका: (विक्राजा:)।।।।।। (अम नकार व्यमितिकारम्मात्रवि। कम् विवसात्रीकि लानिका लेका नावाका सार । कार (र) याभ । कार कमस्विरिका-उन्छ: (कपत्र- एक मनीपर) वित्रज्ञ (हर्जी के अपवर)क: माम् नाद: (अक:) कर्नलक्वी ए (धम कर्नामर्) थाविम ९ (मानुस् राष्ट्र) म साथ (मनमध्यास्)। रा रा। (लारा।) CAR (पासम लाइड) ला) - कैसामकी गुर्भाप क्ष्मां (कैसक्ता)-यत् - त्रिम भीगा) कार् कार्स (कार्य स्कृष्या गढ) त्रामार (कार मार) लाम्डिल (भामिका) व्याप्ति ॥ भा >०॥

(द्राह्म भारति के । जेल ही: अभी: खाल स्था मार । एक सका: !) अक्षा (मूक्षण) कुला हि-नामा अन् (कामा क्षा क्षावनानि धिष्-में कुर्मा अभिक्रमा के का का कि के हिंदा के का का कि नाम : लाक के अकामन) अ ७० वर (कर्न वर्षा आसे से सम) प्राहिए (क्राहिए) नम्मि (धलनगांछ) अम्म (भूकसमा) व्यानितः (वल्लााः क्यः लग्रू मर्वन स्थारः) सार्त्यामात- लन्स्य गर् (सामार् अवसार हमाय- अवसावार हमाय-वादमीमिक्रम्:) देलमंगि (अवगढि)। वसः (मिलाम-मालक-हिन्महेशके नहीं)। में कां-यमपुष्टि: (नवन्न विस्कारि: थमा: भूम्धः) मकुप्वीक्रमार (अक्षावं ० मार्याय) (स (सस) समात्र मा : (अ० अरखा थार : । लतः) कतु ं (लाया। सक) <u>क्षिक (लाक</u>) ज क स गरा (सस) स्पृष्ट: लाहें (लाहा । ताह: स्पर) । कुक (लास) स्पृष्ट: (सम सबन्दिन) टक्समेत्री (भीतिकाव बनामाक) भाने ॥ भी। (धार समा १ व एवं वा विद्वा समा प्रवेष । स त्वे मात्र कार् ने मूक्ट ही? अमग्रीः काहित् लाभी राष्ठ्रमण् अव्यमार । (र) प्रार्थ ! प्रार्थ गारा (मक्री मार्ड) काल-मित्रिक देळा में:) कमाम (कम कार्व) मुझल (उक्रमूबर) निमिन्छि (अप्रिक्ष पार्छ) (म (न्याग्रेर महा) अअं ((भाम) रेप (बाल) त्वार (अक्स्रार) = भवारि (यर्कानमायला) कमाहि (अकालमा म्याममा) अवं (स्त: हिस्त का) अम्म (व्याप (व्याप) । जमकार (जपका ना पत)

ममर्बः (नद्भागतिः) धानं न-मोनः (त्माध-अस्तिः) मारा वन (खुंबद्रेन्ट) मा धामाया (आमवंत्र इक् द्रेक्ट्र) में भीका (अस्म) आ काम काम (क्षियान) अपने काम प द्वारा (त निर्डाडि) अभागा। >२॥ (यम समार बर्क्साबक्तिमामाम्बक्। मण्याम् व स्रोक्षक मार्थका मिया ह के) क्य किमाल (लिसिक्ट्यार) के मर में बाद सके द (अक्रवाव (प्रव) मुक्ता धारिक-विक खारिना क्षिण प्राचि : (अप अप-(मर्वाहिष-वृद्धि: प्रषी) अष्यी (भलड-मी धनलामिव) मन्डमः (प्रत्मः) ट्यमाननः (जन ट्यमसममार्भः) धन्-विभानी (अविभानी अली) आष्ट्रायः (यर्) मूतः (निवस्यः) मार्डिक (मक्ष पकट्याप)।। 24 > 011 (जम वमाम् वाख्वा विकायम्मार्या । काहित मभी अमृत्मम्भाः अक्ति विद्यालामामा वव्यभमाधिमक विरीप्रवासून-किर्यवसन्-हैंग ब्राप्त बीहिका-मन्। अवर केसे। बामपाक वर त्वामगामाम। उठम जार प्रमा अरवाएम भ-विकाबा र विवनार ब्लाखनिष् विकरी काहितना मनी अस्मताती व्यापार । तर) व्यापी ! ((र मार्भ!) भव (भन्नाव) अन् ननः वर्ष (रेमानी एमन अकन्ना-एके.) से अर (इमंद कर या)) ला, (अर्यं) में यक माड़

(प्रकार कर्यात कार) आवाह्यं ((कार्यात) (अवत्य (लाक्षत्र) अन्त (समाय) व्यंक्षं (लपे के। मश्रमेसत्रे प्रयंश्) वश्रिष (श्रष) ज्य (जमाय मान) प्रण मून्द् निक्ति प्रापत रे लम्भा: (व म्या:) लास (म्या) धर्न (मिल) व्यापमान-बटक्रमत् भीर्न- वास्त्र (अधनमन मा क्रीकृक्तमा मूथाए हेम्मीर ? नि: मृष्ट् लास्तर् हिर्बिला सिक्त्र्यः) व्यक्तिक् (व्यक्ताक्या माला क्रिं (मून्) मुस् ् (ध्यानिक मारि)॥>8॥ (ममार वेद्य वा निहार में एर वेद्य । अयका मान्नरं लक्षान क के वेद मुक्क निमायो मायार ज्यां की मात्रां यर्थे हो में : नरि ! ह यादुर्यनद्वाइ। (इ) यात्र। त्यस् (न्नाभुमार्) मेट्स : लये लसा (लक्ष्युमा) इत्रं क्ष्मिष्टी (क्षान्ना स्थमा) के का (अष्ट्रता) लाह टमारमा: (राणाउमा:) माभुम: (व ल्याभुम: (व म्या:) क (क्य) विचालत्य (विस्मार्क)। मन्त्र (विस्वत्याक्य)मा (ख्यांष्ट्र) मानमामा (ध्रुप्त आव क्या) नाम व्यक्त-रमन-अदमा (लाककृ समन-अदमा समन समीया मना-मा कमा मही) करमाह: (अकदि:) नार्नेमान: (अमिदि:) ला सम रहतः (हिंद्रः) यामर् (म्याप्रे लाग्यामित्रम्:) सम्माडि (स्क्षं कर्याडि)॥ अना २०॥

प्यात्म वन निर्मा मार्थ (महार सरका वनता र न्या के स से हिंग पर लाखाके त- प्रसेपार) कः नाम (लासकात):)लप्पाप: (लाम कः) नाम मान द (नाम विकास ।) बहुद वर विकार (वर्गा बित : नाममें के १ जकरा (अद्भव) व पर्(न्यु जिस्ति) हासारां (जक्षानादां) ॥ क्या (लग सम्मात्र)क्त-समान-साममी- टाल्वेवर (क्राक्रमानीयार कूत-सम-(मार्ज-स्मीनादी माद्र प्रायकी प्रमाय ए जमा टम्मेयवर कूलादीतार प्रम् तथा विकासिकार्थः) प्रमुकः खरवर ॥ १० ॥ (लाम सम्भात ने क्यानिक् विमानं मान । के मानं माना : वन मन में के कि ट्रम्मि । (मक्तायम् भीता । नम्मे क्ष्मिक कर्णक वाहिता । (मक्तायम् । नम्मे कर्णक वाहिता । (क्रमूकिण: क्रमूकत्रपृत्तीकृष्ठ: धार्म: लाक्क्रम अर्थिण भमार वर वीर्ण (लम्माना वर्षाण), जाम्मण) क्रमाणे, क्रिक्र क्रमा धार्मी माउने (निर्मान-क्ष क्षा है सन् के किया के किया के किया के लिए स्पे के द्या ने क्षिण) लात्त्र के के प्रत्य में (culonan) स्थाय त्राया अभी) त्रका अस (क्यान द्वारा हास) नारन नवाई र (न का मार्ग नारन मन्त्रेट्सम्मा देवार:) छमः (रास) बमक्षमर काठकवी (नमम्म्योगन्त्री) कार्ल (अनिक्रीका) भीता (डम्ह) रेकि (अवस्था) अवमा (वमा) (वर्भवमा) (मास्माउया (धालोकिकी) मृष्डि:(दाव न) क्या : (यमना:) क् डि॰ (क्रेर) अने (क्रिक्स समाल) ने अपि (म क्रमार अलीकार्यः) ॥ अभा (अभा हिमात्रधार) वृतीने (बहुति) वधाने (वधती भाने बसुनि) सन् (एन क्य बहुआर , कमाल) द्रेर न्य त्म (माम) माम् (कारा,) स्पार अह (उक्) मः सिएतः (सम्हतः) यः स्थादः (अडिहे:)काड्यात : (इन्हे) दुकार ॥ अना > गा (अम काल्यामार बंदिवानिकायमें तार बाल । यात्र । यह वमे हर जिल्लामा यो कार्डक कार्डक (एक्ट्र कार्यन की क्ष्म वार्वक की कार्य वार्वक कार्य वार्यक वार्य मराक्षित्वा व कंदत बाह : काट्या लिस व वीक सापार वार्व रस की गम्मुसँभी न्यां बार । (र) यात्र । क्रिक् (क्रियान) मर्वान्यामी-स्मित्रंत्रतः (मर्वाव्दामाम् १०० महित्रिव्यम् । द्यार्वे बर्डः) उभवाने-भाज्युवाहिः (उभवनमः अभागः वाममः अव भाविमें दाः संग्रं भाविः वेषे को: कार्ष्ट्रकाः वातिः) रेखाः (निरिष्टन भीकृषा: धार्मिष रेष्ठार्थ:) वश्व: (धाराक) विद्या-सप्तः (मित्य क्ष्यकाः विक्क्राल-वन्नालातः) क्रेचन (खिबाल ग्रेस् । कुने) मधे । खुवास । काम ह त्रक : (सम्बर्भक्षं) म (मार्ड) माला त्वर्तः म अव (द्वेवारि किक) ज्दो (अवीरम) शाष्ट्र- यह ना (देलानिकादिनीष्ठक्षः अलंगामः) न (माहि करं) वर् विभाग म यारी (माविक्टिसिय पम्मामीकार) 115011

(लग वर्धन- खिलाबाचात्र) जर- प्याक्त- खिंगरंगः (नह नटा ही: टप्पक् त्रिम् अस्ति करारमः) वर्षामार (न्युक्स सरी थ्रियर) Bena: 21: (ecar:) 115011 (अस अमामार) अस अमाने महाका: (क्षीक्ष अमारिशाने) D: (CEAN;) 11 5511 (लग एक ग्रह गार्द द्वानमा प्रमृति । श्री मार्म विभागत अनाम । (इ) मार्भ। जिंद्वी (पत्रमांगा: जिंद्धा) कत्रा (अंकत्रमा) व्याला-ट्याल-म्स्विचिकाल (र्यालं हम् थास्विलं मार् म्स्विः रक् कर्बाबार वराक्ष्वापार) लदायार द्रेग्र विकता (सिस्ता) असे अडिड: (टम्पी) भूगिष्ट (बिलमार्ड) भा (लप-अडिड:) यस लर्ड म- यं प्रसाद (लर्जिम के वा क्रिका लाउक कु सार के रू: मा. खुन गार्रे पता कमा का का का का कर का कर के प्रमाद नुरमाद में भी प्रामार) केले पर (स्थावक र (कासाक सिक्र) ,) व (पाति (स्थिन में मेडि)। १७। (on curs alx) Exist Des ((126) (115811 (उटा वलकाविद्यान मुदादवि । क्वाहिद् (आत्मन दम्मानुसर अबि मीए जीमक ब्रा ् श्वायम् नद्यानीला काहिए नववर्ष् र्वाह्मि-मास्मात्मरेश बावलाया अम्मी क्रिका । (म) मार्थ । धारे उत्तः कृष्टिव काले (क्याले ध्याने ध्यामे अपूर्वे ले (व्यक्तम प्रकः) भ्रमेनिमाडि: (अर्थरेर्):) क्रम्पं भम्माडि (क्रम्माडि) खिडूबनम् उत्स्मृतिः (मिमिनगम निक्षंत:)कः धाल मामान्यः (मामनायकः) देर (प्य कुरम) विश्वि रे रे (इं) प्रावि (कामीरि) 112011

(लम् सिम्बरमार) मः त्यां कार्याच्यः (त्यां : अर्थियः त्य काव: क्षीर्कायवाम: (वस लयंत्र मं में के:) म लत यः वर्षे (अविक्रम) क्रिंग्यः (क्रमेट्)॥ उत्ता (लाम क्यात बेलमास क्ष्मिमेतामंति। (म पशुने मेखि। तम्मेम-अम्बान कामा महिल्याका कृतिक बमा : मुनं : द भा का की ने की के कामा मही सामा है साम का का के का कि प्रकृतियं जासबाताकी क्षांक कारा काराये अमूकपर् क्रमाकावन् व किल्लीकाड । (म) वार्ष । (केमाला) लड्ड क्रकाहः (अस्त्रातिहः) भित्रक्षेत काल क्षमस्त्रमंत्रमण् (मिलिसमां मानार्) मम (धार्या कृषार्) क जार् वावार् गायड लास्मा: (यमपटमा:) अयड (भाष्) लयमें (नीकवडी-) छात्र (जमबीस) (४४ (४४) सन: श्रिकेड (इक्नाम् छन्) देव मिलि मिलि (अवर्व) विद्यंडी ९ (स्मिमही १) अग्रममार (अ)ग्रमिन ११) अग्रम हरूरि (ALBERTS) COLANCE (OLANDLE) 11 5 6 11 (लाटमाक्समार) जन्मकार (त्य त्वया मु मक्कर राप) लाभु लक्ष (मर्बक्क्षे) मार्वेस्से दुनसा द्वित (BBY) 11 50 # 50 11

(जम दुममाना विक्यात्रक्षत्रमार्थित । लामान्यात्र व्यास्त्रीत्र व्यास्त्रीत्र कस्रोहर टाममा कै साबी सरामंद रेलेयें क्याल पट्ट बामकं मार बीका बयमार मार्याम । (म)क्लाम वि! सूम् भि ! सम्स्रि (यक्नमंड) याम्नात्रम् यो (लाम्नामयो) (या लाख: (त्या लास) (त (ता) खिद: प्रं: (लास) पटु: (लाकं प्रकः) गरं वापके को (मस्य-क्षेत्र हेता) रेक्रेक्सर (रेक्रेड्सर) प्रवर्ष (प्रक्षावंत्र) क्षिक्ष (हें य अ (प २४) में द्या: व्यान् (कर्त्र मान्) अ रंग: मैं का किंग्न किन) देनी लिस (हमडात) नमा सुर्व मार्च नी-(मवसम्बन्धार्थकी मास्त यत्रा) महिः क्रावि (वाकाक) म अर्थाः मवा (०१) रेट्याः अरुम (यमयस्य) इंगाड (लायतः) 南京川之南川 (द्रमाउन्मास्वस् । अकाविताः कन्नाम्ह व उधायामा वक्षेत्राहिं भीर्किः विस्ताना ही रेसा नार (य) मृत्या (प्रमादं।) नम: मनभम: (मनलस्य:) (अग्रम (खिंग्रम: आर्कः) देव म्बार (मारामात) रूपर मैत्यामेश्र (र्माश्यः) वसी (कास:) । अभिकायार (समंबर्धकायार) ट्यापुड (सर्वड) व्यम् (प्रमुभी कट्वा कि) प्राप्ती विभूष वात्मानाभी: (वस्त्र कार्डि:) देव वित्रवा (विल्या , त्र श्रीकृषः!) दे वि (१ वर प्रमी वहन) निलाया (क्स्या) आ (चलवामा)दुस्त्राक्षी (नावह्रिकाक्रम मन्मा) शिंप (श्रार अर्थ) निरिष्ठ-वृद्धिः (१० मिष्ठमा अर्थ) नियमार्थ (वर्धाः)॥अन

(अभ अलायभात्र) बारे र्यप्रम (भाभी (गरि: वाग्राः (रक्ष्म आलाकाल तः अव तत क्यामावि (बढीळार् : 'नवस्व :) लाग् : (जार्याः) व म्बार: अभीविष: (ट्याफ:) नव: (म्बहार:) वाल निमर्न: E अक्स ए ह रे जि हिंदी (हिनिर्यः) दरि ॥ १०० १। (क्य ग्रिमभ् लाइ) सर्थालासकत्योः (स्रिटं: पा गर्ववंत्रका कार्यः वं : वं : क्ष्यः क्ष्य इत्कारमाः व्यवनः व्यापः तः) यह अवः (र्मावम १६व: यः) सियम् १०००। अनुस्यक्षाः (अर्किक्र अने क्लारंगः अवन्) जिल्लाक्या (ज्या निमर्भया हेम् सार्वन् अहि) मनाक् (अनावन किट्रांव) त्रव : (अन्तः) प्रार ॥ ७३॥ (अमार वात्र विश्विष्य मार्यात । क्तकतागा : भवसतामा । जव वभूगनाम विद्याल भू कृषि भामाले गुन्तू निमास अध्ययन समू हिलामिल सारमां क्रिम अवीक्षा भार समा (क्षिम) वाल नामा मार (क्सी) भार वक्षेत्र (वर्मण्ड) यह मुक्रमाधनः (माम्यमनः भार) जुम्द निष (अश्वक:) किन वित्रका छार् (लाक्सीया डयपू) लसे (याला) समर्मसे : (याद-भगम लया)लसे (द्रवत । यव दे सम) मन: ऋ छ अ नि अ ् (श्रीनावपादिम आव अ छ। अना : श्री : स्मेलप्र यत्रा ७०) ७० यद् भूमंवर् (यद्ववर् श्रीकृष्टम) वव सर्वता (सर्वाला जारकत) ममी राज (आ हु मिकारि) कमा धार्म (कामी भार्म कात) हे ५० न्षर् (भिन्नभानः)न व (तेत मधीर्षं)॥ ७७॥

(द्रराजनमा देवारं। त्यार अवीक्षत्रामार् श्रेत्राश्ची वाद काष्ट्रराइ। (इ मार्ग गार्ग) लग्ने भवं : (केकाटल दवले) या (लगमा) ये मर् टमअवः (अवध-म्या डवड्) छत्यः विश्वीतः (वर्ष्टाण डवड्), या (लामा) श्रिमार् वदः (त्याको द्वे)। यान (सर अति) ष्ट्रिमी (मिट्यम् कः) मार (डबल्) मा (अमना) कक्तामाने: (अन्यामक्तामा क्ष्य । सक्ता) सः (वामुक्षः) लगढं स्मासः (मिक्क:) यत वाही सस प्याः (त्यामार्थ द्वाह)॥ वह ॥ (लाम अस्मसाठ) लख्योः (च्युकेककं कत्रमात्रीह स्त्या म क्याहर थर वर) अछ: । त्रिकः (मन स्रोहित रेक्षरः) छापः (त्रक्ष्णाप्तम वमुनिलम:) ह सक्ष्र देय) ए (भक्षप्राचित्र के विके)। 200 (मक्षर) व क्ष-मम्पाल्यमिक लग (क्षितिक वर्ग मनग-यक्ता वरेटरापुक्तार १) युवा (खाद्यक् थेरे वि) । तक। (त्र मुक्कानके क्या मक्समार) के क प्रकु मक विक लाएकाः (प्रकामकाक्तार्भार) मातः समम् (म्यामन्त्राप्)।। (जमार व्एवाबिक्षव मुपार नि । ऋभा मु (अग्मी- माताम-असमार्थं स्रीतिम कारिनं क्षीकृष्णं वनमानी भागर्ग हलहर यीअ) विमान-छाविती एकत (पव) अवस्म वर् सविवर्षमू : 1(र) त्रिममार्भ ! भूम: (अटम महमाना) रेम् गाहि: (छात:) (माली र डवि । किनु भव (भन्नाव) अभिनमू न क्री: (भक्ताद व द्वारी:) न: (लमार) द्वान (ला : कमन् - त्यंत्र म कमा गान वसात)

10

ब्युवास (१ के वेश (क्युकरंश-अं :) अति : (ज्युके के क्यू) गार्थी-चिलः (अयोक लक्ष्यं का खात्र)। अमरत्या व्यापिक प्रवंत्रमं (सला : प्रकट्लाकन प्रत्यात्मका राग्यमम् प्रमा जिल्लिय र नेमा कर्ताहर ल्ये कार सामर हैं। किसे कार्याहर (स्कृ) स्था (मम्म कमा लेमामेकला (त्मामा)हायर (न कमामीछर्मः)॥७१॥ (अम ननमानिने ए जमार) तनमानिक ए मक्ष के मार् के (अव) दुम्मावार (त्रमामार) मामार (त्रामेगार भ्रमम्बर वर्षामात् केन-निमारि अवपालका पासी छोत्। विकार वर) मिरिक लारे एक आने धाम्मा धान (ह मिं जामित) मुक् (मन् वासर) डेलि: (अक्षार) शुट्ट क्यारि (हिन्यामार्ग्य)॥००॥ (जमार व्यवनावि का यम्दार विषि । व्यक्ति विष्टि का नि त्याम क्यावी किया भी गर्दिय श्री कृष्ण दर्भ म मने में ए वर्षाय संग्रे क विष्ठ् न्त्री के मण हैं ने धाव हाया कु समयो कावन् ने कि ही रं या गुर में काव्य (प्र) साम । लर्षाक्र करं : (में स्टें प में में : प क्र तक प्राधित :)त : (खन:) विलाकार (विड्यत) क्रिर धार्न (प्राम काल वा) ना दे हे कि सम्वान मार्गे (लामक्षामग्रे)क्षार् (भवने) भग मन: मनमामण् (मन्त्राहिर) भीषास्तर (भीष्टममण्)
भग प्रमः (मन्त्राहर) भीषास्तर (भीष्टममण्) असर् (७०) काकिर सर मक्तुम् (अ-नम्मे सिन वरी क्रिक्र) कुमा भीकारि (मड्न कार्ड)॥७२॥

(लाजा लंग पुत्री अस्तामा ड) के का - में का (मा के का भी में के या में के या : प्रयानाम हिंता वं व) अक्ष मह (मत्ताल पत्र) वर दुर्गामुक द ALLS (ECAS) 118011 (क्सार ब्राचार्या समायका विमे विकासमाम कामन रक्ता-भारिते अक्क माहाकड उर्मान मानिकाक - जञ्जाम जन्मित्वन श्रीम विष्ट विकेष वर् अक्षियम । मिमामा अनिमा निवार अक्रेम् । (४) सर शतु । ने अप्रकल्ड (च्राक्षा भृष्ट लड) सम् : (मा ह :) नमः (कानः) शतः (क्षीकृष्ण वन जावर) देखन्म (धामाभा) एम (सम) लागढ ला के था है। (हिड्ड निक्य प्ता पाडि (समः) कि (क अड) विक्रवार्ड (धन वालनार्क्ट्डवार्ड)। मामर्व सीनावपी (हन्यकातु-माने त्वापिका) कुम्र पराका : (छत्र म) त्मे सूची १ थानु द्वारे (कारिश्रा-अम्मक् विमा) स्मार्चा गाए (त्यापान प्रचावर) न प्रमू ए विमा (देवाबिक्करवानि)॥ ४ >॥ ध्य (धार्मेन्) विमामार्थिक) (एठ व (विमामम् धार्थिक) (एठ व उन्नीमनवारिकारेम्व) थाहिरमामाभाः (वाडाः (वसुडमु) टमाक्त-मुक्ताः (बलम्माबीमार) बाहः आमः (आर्थित) म) अहायका वय मार (डायर) 118211 WCH (बिट:) कू द्वापिय भारे बीय ह लाकूल-एबीय 6 क्रमण: (प्राक्त) अर्थावृती सम्भूता समर्था । निगितिषा (प्राक्त)॥४७॥

(एक) इग्रं (प्राथमका के हैं। एन के सार की के लिक पर मुके ह अहिल चेकि: तका अन्तर) सामुबर (स्पुरायेत) दियासामुबर (दियासाम-विव) कोमुख्याने वर (6) माजियूला (ध्यानि-मूला)ध्यटिन: म्पूर्वा (मर्स्य म्पूर्वा) अम्म माडा (अम्म म मडा) ह (३७) विश (विकिश) कार्डमण (विभीन) आए ॥ १८॥ (वच साम्रायु मार्थ) माल्यात्मा (लम् व-त्यारा) वातः (धारिकात) १ (व: (त्रीकृषम्) प्राक्षाकार्मन-प्रसूता (भाकाकार्मनाव माल)मत्सालका निमाना (मत्सा (मलामा निमान-कृषा) देख् कंडा का अप (मिल्रा) 118611 (सक्षिताक व प्रिया व नामक व्यास्त्र का मान्या । भा व्यास्त्र । क्रेंग्रं बादि: आवाबरी घटा (स्तिरिका) 118 611 । (बार्य राडबान । यहिका केटी बारबान : मा केकार्य । (इ) लार्थे -क्ट्रमन ; (क्सल- (पाहत ;) त्यक ; (त्र विनेक्ष ; हैगा) इड (आस्रेन स्नात) कि हिव दिनानि प्रमा प्रद देमाणा (धन्दीग्डाम) नम्म (प्रमा मर विश्व । थरः) ए (जव) मणं ए जह ० म छे १ -मरर (टनक्टामि)॥ 8 ७॥ वात्रा: (मार्बावंका:)वातः लमाम्बार (निविष्ट्राकावात लमाः सकामार) प्रस्तितिका निहिन्छ (ध्यक्षम प्रभासा हवाह)। व्टिके हैं। (सहिर्धाकर दिक होड) न क्यो : (सहिर्धाकरात्रा :) द्रामण: (द्रामाप) ग्राण: व्याम द्राम: (द्वाप) ॥११॥

कार्ष्य विकेश्वे के हिला है। असन्तर्मा (लहा हिन्न कार्ष्य विकेश्वे के हिला है। असन्तर्मा हिना कार्य कार्ष्य विकेश्व के हिला है। असन्तर्मा है। अस्तर है। असन्तर्मा है। अस्तर है। असन्तर्मा है। अस्तर है। असन्तर्मा है। अस्तर है। असन्तर्भा है। असन्तर्भा है। अस्तर है। असन्तर्भा है। असन्तर है

मिर्प्र! (मां जिला । क्षेत्र क्षिण । किला विकास क्षेत्र । क्षिण विकास क्षेत्र । क्षेत्र विकास । क्षेत्र विकास विकास क्षेत्र । क्षेत्र विकास । क्षेत्र विकास विकास विकास विकास क्षेत्र विकास वितास विकास वितास विकास विकास

(क्रें साप्रज्ना । ज्याक् का महत्र (त्याक् मा प्रश्न मह भाषा ।) भर्याः व

क्रागवरताक नव- मार्ने - जाव शाबि का प्रश्न - अहिए-क्रोव क महारीके (क्राम: अकि वर्मिका थ: व्यवताकत्व: क्रिक्तिन: एन प्रिवि प्ता श्व : लाह आतं : (एत रावी रहें समात्ता त्य स्मस्ता स्मावता : त्य मिरि : (आविषे: जमा स्मेन्डिन म्या निम्कन मार्डेन टम्मेटिं : असरे हराने) अमलेगाते : (काममा नार्याः) कराते : (जाय- शनामित्विकितः) धमा (श्रीकृष्णमा) दे जिए विद्यात्रिष्ट् (विकास न मार्ग हर क्याला पे हर)न त्यक : (न ममर्था न हर :)॥ ७५॥ (बार सम्मामाक) का किए विस्तर (अक्लाश्वाप प्राचार में ने ने प्रमाना लागां भी (साम बार्ग) हाता बेका सरसारमा लाहक: (मक्ट्रि-(धर) समामार क्षाल लाभुक्ष भीनं) विद्यात (स्त्री केस्व ब्या कार्य साल लाहे) कार्यम) वासाळी ६ (वराठी साजह द विदे अव ६) लालमा (जाडी नेगर) मा (राड:) प्रयानि केव क्कार्क (देवार्क)॥६२॥ (जम्दकर्ममात्र) म-मक्तात् (यम् तत्रता-मम्।क्रतः सक्तात्) वा (लगमा) वसुग्रद (मुरुक्ष मम्।क्रम:) भढाकाक्ष मम्ग्रद (मस्मादीगर अक्टन्मा अमुक माञार) लाजा (wind हुना) मर्मा विमानि नका (मर्म् कृत-धर्म-दिन्छ)- त्याक लड्लादिक विमारका पेष ्लीत्यमा लगाहूठ: तक: (निकार नि धमा: मा) मधर्मा (क्रिके:) माज्य जमा (बाद्रेशन जावासुर्वने अत्वर्धे मन्मकाल्या)मण (मिनीण)॥००॥

(वास माइवार । कम्मान्द्रम बर्धानामाः विविष्ट वीमा क्रीक्स सात-एमि । (व व्यक्ता) अकृतिः (बद्यामितः) नामान (भिर्मान) ख्याल अर्थ (सकुगंड) बहुट यह अर्थ (क्षेत्र श्वाड) क्या (हेर्य) Ca (वर) लड़े ना (मात्रीयन्य प्राधानित्र प्रक्र न वि वर महायह अवा-म् मण्यारं) ज्याः (वर्षाः) भारत्रे थाङ्कः (प्रवर्शास्य) प्रय-अमनं: (वर अमनं: छविषाया द्वारा) गुनावि (निवाकिः)। वर धाने (कमान)मा दूरव उवड: (७व) जुना कारिनापर (मू पूर्व केनाने?) कता लक्टरं (र्स्टलक्टरं)लास डा कका हा क्राइवही-(देखान्में मही)हमाम (देन (दमाम्मेस) नामी (बर्टें)॥ ६ १॥ प्रकारु छ- बिना भार्भि- हम एका र- कर- । व्या : (प्रक्षि १ वि चहु छा : अक्कियनीकाविष्यम विमाणवशः था विनासामिनः विनामक्यंताः वाडि: ध्यरका वक्षे की नुमा: व्या:) लमा: (यसम्मा:) वादः (प्रकालाव) प्रस्तितिका विलाध: हार् (वमाहिमान) न डिमाए (न डिअप्तन अडीग्छ) रेडि (क्टा:) अक्रार् (मधर्मागर व्लो) रक्वमण् कृष्टामे अगर्यः (अक्षित्रा त्र्य प्रथमा पार्यक्) अव देमाम: (ननमानाः (क्टी दिवर) ॥ द १॥ जय मूर्स प्राष्ट् (प्रसन्त प्राण्य वालो)क का हिए (का भ्रेश किए का न व सर्यामार्थः) अमूभागं (अम) भूभागं) थान क्य हिना थः ARTEC 11 CA11

इन्ह (अनुना मा) कृष्ट : उत त्या हा (अर्ब म बाह अया युव) समा entruce (notes amo dance) Test (ou dind) मा (समन् के.) विमे स्वापाद क्कार्य (पुरस्थार) हमायदि मेमार (लयमासिंग) स्रोति (श्वात । म व साल्या स्रोत विमार्शन-भाविषाद्वीमार् प्रत्या म्यादिल्यः)॥ वन ॥ (उपमायनेस । वन्द्रधान देशाया स्माली: एक्टोडि) पालिनायनि (आर्थनमा निभिन्न त्माक्या थान्त्रनि थान्य कृष्ण) त्मावित्य (श्रीकृष्ण) अदर से हे लाता : (धाल-देवतः) तथा : आस दक्ष : (आसि सा भव) क्षि (कृषकान) अवर् (क्वनर्) जन कुछ : (प्रार्थक क नाम न इंछोत्:)। हय- हितः (यदं मानं हता है या :) समनं : यनं ह यद (यए अक्षियमणावर) वाक्षि (भाष्ट्रिक्टक) व व भाष्ट्रवाहि). निर्देश मार्थित क्रिये में किया क्रिये के स्थापन जा क्रा देश धनुकाला धमा जमा) र्या असाहि: (वण्टि: अवरामी ह बमाहि:) क्टि(म किकिए अरमार्थिक अरमार्थिक में:) 11 दिए 11 केर् (मन्त्र) के हिंद के वर्ष (मर्द्र मार्ग) वाल : मृत्र विकासन कार (म ह (अमा) (अमा (अमार किं)) मार (हार) + (महाक्रिमान) मन्तः ग्रामः लयं ग्रामः हातः इति क्षाल भ्राहि (मप्राहायः) रोडि व्यानि नगर (दिखर)।। दिशा

(अकासन वस धनमाति एम हे एक न जानक कार माधा कर महाक इक्न रेक्षायकार) मुक्तं (इम् स्वामतायम्भेरामुक: लक्षे व: राम्ब)गमा (भारत्य) द्रेकः (द्रेकेम् ३:) येगे (त्य वर मे वर्षे विष्य Cam आर) स : १ (रुके क रका) दम : (राह नवड (तका स्रह: MIG) M: (4 M. C. L.) DE: (M JALVEL NIN BE; HILL CONL त्यक्षेत्र सात: भार 'क्रक) स: (क्राह्म में भार नाम) मह: (भार ' टमा त्यामुन रेसप्त: (माड) स: (म्मावन तमा) मक्षा (माड लगा (अत्मेयः बाम: भगर दें। किक देभे दिव राजा) भा खिला ह (मित्री कि का का न्यार में नवर त्रियेय अनुवान: भार , किक इम्बर यमा) मिलालमा (अम ग्रह्मणा माउना त्यामित भ्राज्य: मार)॥५०॥ लि : (लि न ।) (से द्रायन: (स्त्रेड-साप- लेप्न- बामार्च काम-डाबाभाः) अहे अवाः व त्रभाषिमात्राः (त्यम् वन विनात्र-(छमा:) यू: (ब्रायम:)। धार्मी (यत महे) मुबिहि: (मा उति:) नामः (लाहिक) प्राचन (स्वत्र माना) भवाद्रिम् एड (नामादिन मिल्मारड)॥५०॥ मणा: (असमाना:) के एक (वर्ष अत्र) मार्मे सवाशुन: (जमा कल्रमकि (लापि ह्याड़) क्रमार (अय्याना) केक्स नाम जिम्म नाडीय: (अम हेनीया (बार्निड्माड) ॥ ७२॥

(ब्य त्यमान मार) अल्मकां नहीं (अल्म मा विमानामा कान्ति ए एको) माछ (बढ्यात) पाल जन्मेला (अर्माणाडार वन) वेवर्म-विश्वर (कार्यमान) भारता: (म्यक-मयाजा:) भन् लाववक्रमण् (जातामण् लायक वह वस्तर सः (अहम (अह) आवक्षाक्तः (त्याकः) ॥७०॥ (उम्माद्रमाडि। ट्यम-लडीक नार्का (ताक क्षेत्रमामिट्डा ही सगमाने मानी-मेश्रीर बाद वंस्वाभवत स्वाम्या लाइ। (कार् विका विका विकार) विकार न्ति (शमे द्वर् क्यानुमार्यर् सम्बाकार् न कियानी से उमा उस समीर्भ नम्भार् करवासि ,थर्)विशक्षार्(निक्ष्मक्षार्) शक्षार्के विर् (श्रमीधानार्) लम्मवंका (लम्बक्सामा) संग द्रमाह: (क्षिकाह:) हानाहाह: (कर्तः) मूदः (द्रनः प्रनः) निव्सः (निवर्गविकः) धार्ले क्लाम्प्राचार (न्त्रामक्ता :) प्र: (त्रीकृष्ण:) (म (मम) मर्ज (मार्लः) म वि (दोव) जुमार्ड (मूक्षां) वर्ष (धारा!) त्थावा (क्षेत्रमा) धालर (मिलांड:) स्त बमायं (अमिजवरी । वकः) मूम्मिनः (धम मूम्मिनिया लाक अहीक: № . त्याल्यमे खिल्लेश:) आराष्ट्रिं (सस संव) विवह मंद् (विम्या) विम्यान (विम्या)।। ७४।। (दुसाउवमायेवस्। रेन्सा कलपलार महार । (४) याम निमाम्बर-कारार्दं : (म्लावनी नाक गाकिल् वाक्षें कारम श्रीकृक म ला दे के कर गर एतं नी कि काल माम खर है वही के वर का दा दे दे धना कहा त्यः) मधाणः क्षान्वामानि छः प्रम् छतेः धन्निक् (निव्दुन्) प्राश्चार (बिनार) ग्रामिकार (ह्यावनीमास खामोकामप्र-

लतम प्रमुखना नक ने विवाहिए , की क्षा भारत भी वा कर विवाहि नी लामास्) भरे बाबा: (जा बाता :) त्याल मा : (ह न्या प्राप्त - ह ने का-क्षेत्रा:) अन्या क्षात्र (क्षिमा) त: (ख्राय क्रा:) अ वस्ति (व्राक्षात्रे (अरमामः) के अस (केमान क्रमामं भाष्य तिस्म या) मामकार (प्राम्म)) म माल (म मक:) लिए : ह मामल-£ अधाल व प्रांग: (हजारायी- भी के खिरात:) वर द्वार स्थरं (त्यत-नार्ने भारति । कः विडि (म त्यारानि का नारी छात्रः)।। ७६।। म: (त्या) त्योद-प्रक-मन्त्र थाल्य छ: (त्योद: प्रकः सन्त्र हेलि अरदापन) विश्व (जिस्वितः) क्रांत्र ॥ ५५॥ (व टक्षे द्यार) बिए कल (मार्थकाकाल कल) विलस्नादिह: (वित्रमुक्त कदा हि९ अमाभसमक उदादिहिः) अडाउहिड दुर्डी (क्टा हा हि रेडि म्यो विश्व क्या है कि मार्ड) म : (क्या) इंट्य-क्रिमकारी (इवस्त गमका व्यम क्रिमकारी कारा। न बास मा भूक्तावी महिचारने कीर्य हैं में आओडीछि (अरात्व लामक:) मः त्या त्योदः हेन्द् ॥७१॥ (जनवारवंतमा । कसमार् प्राक्तिम अविकृतका प्रमुप्तमेन प्रात्र । (इ) प्रत्य ! (इः) निकुक्त मधानि (कुक्क खनत) नष्टा त्रिया (त्रारम्कार्) प्रत त्यमंत्रीर् (बिगार् कमलार्) क्रिवि (द्यर्गाललर् वर । (र) कमत् ! (विड्राम (विड्मम) कालाकोर (कालाका) लाकपत (रेही) राम् (सरं वाक) मच बार करं (मायका मरं) सा के मा : (म के के)।

A#:

निर्दे तात (माभूप) पार्वेप वित : प्रति (पार प्रमे भीक् कासुकात्) म्बर् मात्रवर् (आविष्टात्रवर्) हिकिश्यमं (अिक्क्रमेन अर्थाय विमामपन सिनात्माकार्थः) पाक (भाषिका) अने त्यान वन अनुनम्थीः (अमय-याष्ट्र) अनगारं भर्ध : लाभी (व्याम्मीक्या) ॥ १०१॥ (कार सन्दे (एकसाम्सार) मः (एकमा) द्रव्या में क्यात्मकार (इंद्रम्मा काल असीमा ला असीक अकावार लय द्वालकार) मक्ष (रिष्ठ केष)र्थः) मः (व्यम) धर्मामः (जनिक)॥ ५०॥ (जम्मारवि । म्यावनीर्मस् अग्नः श्रीकृषः अभवधात्र) अभादि (रेमानीर्) अवर्षा वसु प्रातात्र वार् (अलेर : आवरेस : अमले विमारेम : य(गरंबार) १ जावणी विलव: (जामेबव:) (स (सस) मावत-मर्थाः मम्हिः (नावम-वानी-तामाः) वनः (विशवः) वर्णाष्ट्र (स्नाड्) वत धामामे (आहर:)। इतः! (धाताः) जभानि सम हिछ (मन:) धर्मना (वेदानीसिव) क प्रविम् हम् हमर कृ किव की खामि-किमी खिलाए (कन्दर स्नाए कामासना नाए हमए कृष्टिकवी डि: विश्राणाए-भाषिकाछि: कीरां कि हिंदि कि कि कि कि कार) वार मानी माभाव अल्लक्ष (मक्छि)॥१०॥ (प्रम मम् टिमार्समार)म: (टममा) है जाला हिमार (मूर्ति) म्मा लिन्हि कार्तः (ममा निहि क्षिष्ठ प्रका मार्ने की कि आग्रमाः) हिल्मार्म या कटवारि धालकार्ह म (म कावारि) मः मन: CAM 9010 11 0211

(व्यानारवि । माहिर भागाविक-मानी- मीक्रमान । (त नीकृता ! प्रः) मामामा (सका नामा : समा) कारमामा (मन्द्रावमामा) लात्माक प्रवा ((व्याधी) लाय भुग (लयम त्रिय समारी) लायन (अम्मी भर भाषमं । थठ:) (असवडी गर् (मन्नाक (मनाक (मना) हिला (अमाप्यः) व्यक्ति (सामाग हम् (सामार्यक दम्हि)॥ 9211 (क्षेक्स्य) त्यम्यी- विस्पान त्यम त्यम अस्मी त्यम्यीनासली-श्रीकृक विवयात् जात् मक्तियङ्कार) यत्र (यात्रीत् वार्ट) विल्लापमा (विवयमा) धमारिकेश सोर (टिवर) म: ई टिना खोट: (BOCO) 119011 (ज्यात्रव्नेयः। साम्यम व्याप्यात्मक्ष्यात्मक्षी व्यान्यक भिन भी कार्य प्राप्त । (द्र) विभमात्रे ! प्रः थित वायमावः (व्रतः थ्रतः) मार् भान-निकार मार् (भान-क्षावकार) हिमात्र (देलिनात्र , दमा) कल्माविस्कार: (श्रीकृकिविस्मा) शिवि (प्रत्यार्यः) थलाकः (हिन्न अहर) मिर्माय (इन्ना) विषय (मर) प्रिटि)। व्य ड्बर-क्ट्राव (म ह्मर्ड्स-ग्र) क्क्रक्तानुवा (निक्क्रक्त-उम्म के) लक्ष मह (म्लक्ष) लमा ही सामक्षावा (लक्ष सम्-मानिती छि हाए मूमाप्ड ् नविकाविती मेडी)गामर् (मूहे हरे) मंग्र (अराभय) मालाम् कारामि (व्यक्तियाम् मार्थि)॥ १८॥ गत्र (माभीन (प्राप्ति) नेक्रीर (महीर) मिटिकेश (प्रित्ति कः (मारें द नकार रेक्ट्रार्श:) मः (ट्यमा) हु प्रकृतः हेक्ट्रार ॥ १ ०॥

(वस्तरंबि । काहित अस्त्री निकार । (य) मुस्ति । कर्म साधीगर (कार्निकी:) नामनः (किंत्रमः) पानिक भए (त्रकासन) भागिका कि वि ० (with TIME 1825) | How : (DONN : HOUNTH: (OUTHE) मामकारि (महाराया करियाक) मि व्या । यम (या मिमायास । भिक्सम्भानी (मत्राम- कन्नवम्मः) (मार्च स्तिहः (क्या मत्याव (मगर्भ्द्रामानिक: रीनिक्ति:)क्रामिक-क्रुत:(विकाल-(क्य:) द्राव्यवस्त्रः (म्युक्कः प्रमावसास द्रवर्त्ववीर्वेश लसाकर) में भार (प्रामार)लाहिर (क्रम्स्यायक स्प्राय भुटा () मजरा (पामगिष) राज्य : (क ल राम :) य : प्रमाय हि : (अद्भारत) वा अद्मार्थित किं (अधानात दिवशां किंम्) ॥१५॥ गन (गामीन (अमान) क्रम जान (कार्म मनावन)किए। अक्क-अमाक्रिनि वस्ति विवास) विस्थि (विश्ववर (त्रार) म: (त्यमा) मन्म: (रेकि) कार्यक: (देक:)॥११॥ (जम्मार्याह । काहि स्री विष्या । (र) साम । अलिमक बरम्य गा (अञ्चलक सन ह विवादीमं हार : श्रीकृष्ण स्मामीकाला हन : उर् वादि असमा रश्क के वार्ग) तम (सम) वनमाना - उसक त (व्योक क्रमा वन -मानाण अथात) मालि: (मान्ते)न आसीर। (रेमानीर्) किर् क्रं (किं क क्रिंगो मीरिं न आप । गठ:) अवः (आय) अवार् ((म-अमूर्या) अव: श्रम र मार्थिन : (ध्रम: ह्रमून: र्म्वायव:) . में सित्र (दुरं मळाडू । मी के प्या टामकार उप के में विश्व दूरातु:) 1196

(and (A = ALE) (CARL date, despite (MAN TILE L'ALLE) (011 \$13) (यानर) हिल्लान-स्वाय: (हिळ: (त्रामा स्वामत्काअनात्म: मीनय: डेमीलक: त्रत् , किक) अपयर जावयत (आर्थीक सेर प्रत्) मनः (स्र : रेल व्यक्ति भेगत (क्याल) म। व्यम (मात्र) केपिएक (क्यान किए मिल) अपल (क्यान) मन्त्रामिन (स्मान करो दूरमा मनमा दे मर्भना विश्) १ छि: (भर्मा हर्ने हि:) म लख । ११०॥ (वर्टाइनेम् । लक्ष्त्रिक्षा भारता मार्चित्रा भाषा मार्च प्रावते विभविषार जनिविव कल-क्ष्राल्यान्य व्यान-विश्वान-नाममा छा (७मा अक्ममा) थार् में नर यह समर थां - प्रकारमी खेरा उत्र कमा कमतीया था टमाडा त्रिव धार्ष व्यमः वस्र वान विशास माममाडार मना मक्कार्जार) असम-वितास- त्नाहमानु माडार (अमरम रअमग्रमानि शह महत्व धानमा पटक विमासिन वितास उर्ट्योमर्था-त्या नुमायन हकत त्य विलाहना मूटन न्यनक्यत बाह्यार) अन्य मान्य- व्यव-वादितीयार् (अय-वावि-अवाद-वर्ग-भीनाम ् मूमानिक- (मायम् म् मीने व्यामी दिः मठवर मून् पर् (बाक्षाल मत्ता की रेलावप्यम्म माः विकास का यम्म निया निया निया का विकास मार्थित का विकास का रत्र त्रावाद्व i) वर रें के - Presicaj (रें कि के त्या - President) डिंगिंग-विट्याः (अक्कम्भ-६ अम) कि द्या द्या - भीर्ष् (त्या द्या कार्भीर्ष् मित्रार्) अन्न १ (अहर) भिवरती थान कममान (कमान अक्सर्न) लाइ: (एडड) विक्ट (लयद्वास्ट) म माजेट: (प पानिहः)। ११४ (१३४१८) मने (ममन)मटला (त्यामासी) नत्ने (म्यामासी) प्रवन्तरमा (यत्रका) न्यामा (म्यामा अत्ये) हैंग : हैंग : (र्य : र्य :) इस (लाय) शक्षा ले व कर त्या (शक्षा लाय कर त्या) कर (कार मान्युक) वस्टः (द्राम्पंतः)॥ १ रा। वस्तर्विता द्रम्बलावः मार । यद्याक दुरवंतिक्ष भागामित्रावृति हातः। वित्र धाकुत्याका कार्यकः)॥१०॥ कां अर्थं (कां म्हालं मार्क) विस्तारक (ह (प्रभात मार्क) व्यवभारते ह (अख) अ: लर्फ साथा से व : (से पार्य से बहु) क्या (क राजाक सर) कारिके: धरीय: (धर्वे) किरियं: (ब्रियर) म ४१। (जनाकं प्राक्षं वा ना प्रविद्या प्रवित । भागाः अभी क्षीक्षामा । व) भावताः वृ भनव्यक्ष: (धनव्य: निविष्ण व्यः , पाम अत् उन्कल:) आमि (हवामे किक) भानी भायभेत्रावस्थि: (भायभेक्ताकि हिकाकि एव यारवा तत्रो वार्मात्रो संहि: 'अल्स पावपोर पवप क्र आयं तत्रो प्रमुक्त व केंद्र : व मां में खि: हरती हु (कार्त : 120:)क्यमा (मार्त (उन्ड व्यानिश्रात) व्यमाः (व्यमाः) प्रवा (व्याप्त्र) क्यर न डाविजा (मूख्यास्मव द्वापिक)र्थः)॥ ५ ७॥ (अम विस्मातक मामामवसूरारवि । नामामा : मनी वक्तमाना श्रीकृकः अलाका । १) मूक्षां प्रकाल-प्रकृषि (कमनल्ला भरक र्मियकाल) वैम्यमा (एव साम) वैयमार (लया :) माक्रि (स्थायन मत्व श्राह) लग्ना: (काम्प्रांत:) मता-दिगंश्वीन (मताक्षरं श्राही।-

मावर रेकर) माप में ने बतार (काम् के) काख्र में (काम दे करा वर) लाक तूर्द प (छाष्ट्रचर्च क्वास्त्र)। कुक् कारासील्या सुन्कारा में ग-स्ट्र हटक) सिम्रिक (स्वा : बारल शक) व्यक्तक मधान : (व्यक : दर एक: एउदान करासान: कला का प्रान: यः) व्यवना (बाहतमा, अरक सपाति । त्वर (त्यक अव्य) दी : (अप:) नाम् : (अप:) माक मक्त:) र दे द (साब द्रान तत वर)द्रम् लग्नक्ते (त्यात)। १ 811 (बार न्यान् सामास्वस्तारं कृति। विभाग न्याके कत्तर । वि) में वे एसन । वर गामः (क्षान्त्राहिशातमा) पार्क (प्रक्रातम यव) अपविभावे मन कम्मर् (कर्ना स्वर्धाः) गाहि (आस्वि माह) क्वम्मा भी (देनीवव-[ताहता श्रीकारी) मृगद्धा भावण (तयत प्रात्ति - प्रवास्त्रे) सी छ -मानी (विर्थेष-एका, जमा) महत-समस्त्री-मूक (सर्था-मस्कि: (सम्मम: काम-सङ्खा नव सर्वेत्री सर्व कर्ण में हा पंछा विका (मर्श-अस्ति : वृष्टि विटर्ग गमा: आ टम मत्) क्रिस (कराहिर म्साः करवाडि) सस्ति ह (ससा ह स्वाडि)॥ १०॥ (अवनेनाती रेष्ड्यापिमक्यात्र प्रावृत्ने प्रताद्वयूक्त रवि । अक्यार लक्ष्यप्रमाद्वामार्क्षाक्षर्रहेत्रा मान्तीयमी बार । (र साम् ।)वि कामी कामी (भीव-कामिव एकरा भाक्ष कम्म कमा कमा - प्राष्ट्रिक एकरा मडी)भाक कृष्णवर्षिति (वासे नाम नीकृष्णभार्म) कृषा दिला (ब्यानात के कामस)लाभ (ब्यमानि में वर) सामे वर (में स्थित

उत्य । किन) (सर पूर्व-भाविणा क्रमण् (सिर भूवजी भूकापि स्मार अगर ने अस्य आक्रमतं अर्व प्राच्यम् वर) ि (व र) सम : । कि (स्था) विश्व मर् (म्बीट (विच पर आहर)न हार्व काल (धार्म अवस्ति मारे त्रक्र प्रमा त्यस नवारमा अविभाष्ट्रमें एवं सम : विभीयं स्थालिया । भारक डिनिकारि। कर्कि स वारे में दिन अध्यातित्व धाउर्थनत्ता द्वारि-म: (यर: मेंके सर्व ह देख (विविध:) हक: 11 म 111 (क्य में कर संदर्भ :) (क्य में कर संदर्भ र) ला ओ है अर व सर्ग : (म्रेसिर्यम् :) (सर: में वर्रा अन्मा (क्रिंट) ॥ १० ॥ (व्ये मेवयान्त्रम्) र्म्मा । लग्रं खें अभा (यह:) लावायेवायिकः (बाबाइवर काराहिराम समूरसंशातामः त्वम लार्येवः में के बनाम खारा के के क्या मिक्स मिक्ट कार मिक स्थार किया)" मासाट्य (श्रामाष्ट्र मार्ट) यक्ष्यं (मार्मेश्यं) अंग्रं वे प (श्रासा-प्रमणक वर्ष कार) मिश्र प्राच्या (मिश्र प्रमण अकार्य व्यक्षित्यार भाग्यार अवस्था) मिश्र प्राच्यार (मिश्र प्रमण अकार्य व्यक्षित्यार भाग्यार प्रमणक वर्षेत्र कार) मिश्र प्राच्यार (मिश्र प्रमण क्ष्यार प्राच्यार विकास हैं अंगर) मगुल्यर (सिन्दिक का (माल) , किय (प्रदेश) आहे। रंबमां: (म्युलिकाम्बालीक: लांड) (मेर: मेंब्यह (मेंब्यम फृत् (इकि:) में के मार (में क लगा अपु रास्ता) ॥ १ 9 ॥

(वर्तात्रव्यत्ता मत्रम्यात्र त्याच्या त्याच्या वर्षात्रम् लभाद्र)मर्वाच्या (अकृत्क्य) विद्वार (द्वार मर्भनमानास्य) लले ज्यान (ल बी क्या के है।) मा साम के (जास के प्र) ल्या के स्रोट (मालकारक) या नार्यकार्मिय (मिक्सिय) क्रक्त्र (सद्या) त्याद्य उर (सर्वाक्षित) वनीक (वा कि मा अपका निवक्षी। (क्या सर्वाहित: किन्द्रकेरा कालक्ष्मानित्रकर्तन) त्रिट्टामना (प्रव्याकी उलार्थि भाग) देव । क्रे अर् (भी अर्) बिन्न ए (प्रवल्) भावि (आरमावि) IG : (OUSI;) (ME (NE) XN) NI EMLAY win (ONDIN UPLNE) दुसमार्व र (सर्भा कर्ड) त्याल में का (स्पर्धा कर्माल सर वस्पा: ज्यमान कर् ् अकुल रेक् र:)।। ००।। (भृष्ट्रम्य विजामादावाल श्रीकृकाविष्य मामवर् अडिम्प्रम मानु वह सार । गात्र नकत ग्रुत्रा लैप गाल मनपायर ग्रुहें कि त्या प्राप्त हमावती । अभावेशना (श्रीकृत्या) थर तम । (प्राप्त क्षाविश्व मंग्री कृत्या) थर तम (जरमान क्षक एएन) मास (प्रामिष्ट्) निम् (श्रीयट्) प्रमण् (वासट्) इसर लाक्नी (लाकन्त्रमालतीम) इड (लाम्मन काका) एकर (राम्प्रं टेबर) प्रस्थाम (म्यामम्दी 'टमा) मरमभरं लास नहिंग (कराहि । मिन मों मि भार भार मान दिया विका) नहिं (क्रिक्क्षा) निक्रिवही (द्राणे वित्रभा ही पड़ी) अविभूवि-रतंत्रीर त्यात्राक त्यात क्षां क क्षां क न्या का का का कर देशत नामासु (आयं ग्राम (आयं डामोर्स कर कार)॥ १०)॥

(पर लाम वं: क: १ वन) टाल्वाबाका: (त्लावबर अक्षां इति वे. हैं. क्षमाः (म अव: सम्या भी: य व व) योति (त्या । अत् एमवं वसाम कर् त्याष्ट्राव वचाक) गृत् (व्यक्ताउत्तर (क्या :) हर्र (काम वर् (आवर का श्रेयान) कामामानिक (अवध्ययमाना १ कोश्: 1 हमामगार्वित वर् मक्त देखि म ल्या छा करेले छातः। मन व्यापि हत्र काम बे कामा काल लामे व हर क्या (प्राट ये देश त व्या) उक्साम (के. एक टक्स से. : वर करं) यर लाम (वर्ष मान साम) ट्यार (वस रंग्स) संग्रेस्ट्रेसिर (संस्कृति) इस (सिर वर) दुरा ॥ १५॥ (लाम सर्व संत्र सार) खिरं (खिम अ । वित्र) मधुमं विश्वितान हार् (यसुरा: स ग्रंड द्रायमाळु अंगरां) (सर : सर्व (वर्मा) : के व्या ।। अव।। (अ पर्मामा अम्मिन ज्या नाम : मार्थकामार) अपन् अकरे-यार्ने ? (अंग्रामक सक्दुरं स्मक्त्य स्थान्या र सार्ने १ र तत्र सः) रामान्य- ममार्चण: (ममान्यम: नामान्य-मधाकाछ: (नामन्यामा भक्षाक्रात्वे गच भ :) मञ्जात्रकाक्षं : (सञ्जा क्याम्लाक्ष्यां प्रमास्त्रका वस्त्रक्षां भक्षाक्षं वस्त्रक्षां वस्त्रक्षां भक्षाक्षं वस्त्रक्षां वस्ति भाम हे हिन्द्रा अवस्ति दर्श स्वाद रेग्ड म : भर्मभाक उर्वास मंदर्श द्या क्षेत्र जिस्तिकार वंतर वास्त्र । क्षेत्र अहरू) त्रह : सम्भायमे (हिरम्मान) सम् (कृत्र) दुव्यात ११ ग्रह ।।

(ल्स्साइबर्स । चीक्क: भवतमार । (इ.स.स.) इतः । (लाहा ।) (सहमातार (सिड्यक्त्र) मार्न्यायन (मर्वकात्रमा देवक्षाव्या) बाहता (विश्वा आव्या ने हा) आ याता अश्वी (म्बामसे ख्रिया) माहिला (म्राड:)देव टेक्छोत:(मालेज्यापित्रक्टिक्रिक्टिक्रिक्टिं!) भारा (माञा अविविद्धार्थः) थाल जाताश्रीम (अयः अर्क्के म्म वर क्या दिना एकते विक्रका (महिन स्वाक्ता । में का । वन विक्थानीमी एट सन्त हर न विकास) भव (भम्राद कमा:) नाभनि कामते (म्र न्यान अम्राह्म (अम्प्रकः) (म (भम) अवपूर्मः (क्षर्मः) क्षाम् (मर् क्ष्वं के देवेत्) मान (मक्ष मान) मान: (ब्रिम्प्वं) मान्या-यस्यो (भिर्मित्रम्मार्थका) ध्रम्भा (ध्रमिक्षाक्ष्यः) हमान्-विम् ि: (कार उपन् मर्म स्मिव जमा विमावने) उत्ति ।। ते १।। (लम सामसाइ) मः (अप्रः हेर् के का वासाम (हरकत् वासा) पक कार्यमु कार्यम्य (क्षायम्य) कार्याक्ष्म (क्रायाकार पार्य वास्ते) भावनात र्रेयः भायः रंग्ट भाषात (देशक)॥१०॥ (जम्मात्रक्रीयः। अक्रिन मह यस वित्रवंडी औवार्वा अहित्रमणान-मार्गेय लक्षिः भूषा वय मृद्यं हवलामान भवार् श्रीतिस्वावारियांग उर्व ्वत्यु न्युक्कप्रमाप्टा (य) त्याम्युवं (त्यमायक् युवं) उद प्रार्थिष्ट : (भवर रिश्चाक :) नद (म (भम) में त्या (चन्छ) अवरत्र-ङर् (बिनमम् अपूर्त) कृष्ट । धर्ममा वपनानितः (क्र नपनिश्लाम-

यद्यान वर यमसम्बद्धः वर्षमरायाम्यातः) १५० (मानाम्य नामीछार्थः। थणः) विवस (६९ अमान्या निनर्शम) रेपे (वबम्या) में सः (में स्था मुक्स) कर्षा दिल्यन । या प्रमामाम-ब्राट्मकार्यः)॥ २१॥ लार सात्र: हमाल: मार्सक: १ क्रिक दिनित सक: (सिमीक:) ॥ अम् ॥ (वित्यारा क्षात्र) साक्ष्मिणाक (लार्यक्ष्मेरकः) लास मध्यम् सर (में त्यात्र ये कि के के के कि कि कि का कि का कि का कि का का का का कि केंचाहर बालामा ० १ (शहबाल । काक्षर (काल कर दुमर) हानंतर भूष्ट्रम्यः हेमाछः (व्यास्मा भानः) म्राष्ट्र (ब्रिपर्)।। केरो।। (व्य मार्क्शकामालम् मार्वि । नी क्षः क्र ब नी प्राप्त मार्न वाथा रेखि म्मिनिका दि (हन्यायती कि केला में पूर्वि हिल्थिक समाप्रम मूर्भार असा रे मामान अकानि क मडी करें। आ ह आ वती बहरोतका असार (यत प्रमाधा शेषवामाः अस्ति अव्ययमान) लायोव्यक्ति (निगम्भलाभ) क्रोद । अंकर् (मुद्रमार) हि उने गही (काक्रकः वकासन्दीक्ष्यः । किक) वासि १ (सबस्य वर सत्यक्ष्य १) विश्वतायः विक्रं (मेर्टा-मक्रं) लाक्ष्यं सार्विग्रं लाक्ष्ये (विक्रामंगरी प्राथ-) मना अग्रम् म न न न निम विम्यम्य न न न किया न देव (विमिग् लाख-म्मात्र भि अमन्ना न एए विमाएन कार्डा-मनार लाजमायीय) म्यान (क्वन्त)॥ २००॥

(लग यामायत्यामावत्रेतारवाक । यासामिश्वापायत्व लामुक्क निक्क विद्यान वात्रवा: कल्लान्टि हिवि ० लवामात्वा वर्तमार्थ) कारि (may) aurose de (auro-ofo) mente (menjuos) 5. AL (आवर्ष:) शहर (क्षिक्के) बिलाक (म्रेस) ममाह क्राक् (समाद्यु) त्र क्रमेंचं (स्ट्रानिकः) केवा प्रचित्रात्मा (ममम्बाही व्यक्षाही) वस्त्र अक्षेत्र (वस स्माति) भरामे (अनामश्रीक्रिडमडीलार्थः)॥२० >॥ (हिनाइन्तेन्तुन्स् । हलायन्त्राः काहिए मश्री कामणात्र । (व सून्ति!) म्माकी (* मूटनाहरा हकारती) धक्र मर्भन (पुर-मडागर) आरेम्ह-अर्नेन (अविवस अलेकेन्सिन अर्भा एम (छन) अर्थिन (क्षेत्रक्ते) लिख (अयानिक) अली विक्रानिमा (विक्रामिक-मका ' अवा अर्ग मर्कमार के क्या (मृत्) म् : 10 का का अवा) देश (अमधाव) इस्मिन्धं (यम मार्थिक प्रवी) भविविश्रा ९ (ल्यालाओं हो मुक्ट ०) वर् (श्यम्बर)कारंग (इएसम) केकर्य (बाजंगाशास्त्र)॥ २०८॥ (अम माम्ब - माममार) लग्द मर्यामर : व मावन कित्र मंद्र (शाल्डिरेन अंग्रामव अवायतिय स्थां अंगर्भ य में में ति में रहे न (प्रशल्मकारिष्ट्रात्रकार्ः) (कोरित्राः (७भा) नमिविलायः (अविराम-विस्मान) ह विस्त (कान्म) नालि : (रेडि) हे मी के (क करे (ह) ।। २००॥ (बन लोहिन नानंकम्मार्वि । नामानु क्रानार श्रीकृष्णमात्मक्रमाः भागकामा सामवत्याः (शृष्ट् कि की करण्या यम्मेक) त्यस्य देव न विश्वमा (तथम : प्रवृद्ध ने (बलाम विश्वमा विवला) कार्छ (लाकी) कर्याद् लावक्र (ला असेक् में दिला बसी हरेबाब अवं अअधानिकार) मिल्के-मन्न-क्षा (मिल्कि) परेखना मारहा प्रमानक्षी अभिवार तमा या ल आ यहा) कद्राक्षितः (कद्राक्षान् क्रिकः) मुडी रेव (अश्वहीय) २ अ१ (२ अ१ ड म्सेवडी) ॥ >0 8 ॥ (दुम्पद्वनामुवस् । धल्यामाः मभी कामाल असूक्ष्याद । त्र साथ !) उर अपने मही मनात्माना (काम-महा मानी) वर्षानी (भार्ष) (H (H ठोड) मर्गरेसर्गिय ई (मर्गाय अया अर प्रत्म लार्टेसर шार्भम् थानिसंतर्) अवह (५ उन्नि) रेडि (नवर्) देक्रव उट् क्कं क्रिकी खन्मी (नकारण विवालिय-वदना मही) अलाना उठ्दान (धवक्रान कर्ष्यान हेर्मनादिना) क्यान (अक्ड-वडी)॥ २० ७॥ (दुसार व पा प्रवस् । क्लम अवी बालम अवी १ वलाह । (र प्रामी!) हिनम्मर्भम्भाग (हिन्द् भी र्यकाम् भागर मार्भम्भमम् छाविष्ट्) हहाक (मार्थामा: के हा मताया) लाक्ष्यं (लक्ट नमा भारामा विमास्त्रात्राची:) कियर (भववत्राप्त) कुर्म व विभागं नीकर (भिनाः स्मिन्का अंग्रेस्मा तमा १०) (क्षावह (स्मिक्कर)

ध्यक्ष्म (क्ष्यांक अप क्ष्यक क्ष्यां में है असी क्ष्यमं के रंग्ड (ज्याका) वीसका का का विस्तित (जी साल्य द्यात्मार्थिय व्यक्ति एका भी: त्याहा भाग (वन) प्रत्येत (शामन) कृतिन (स्टान) हिल्ल (द्वार हान्यास्त्र)॥ २०७॥ (अभ नम् नानि वस्तार वालि। इतं। किं कार्याचि कामार्याचे धन बिसा मिला बक्रून हानाडि, प्रम वर्णनमह मेरे मुखे विस् म रेग्डे मय-मन्यादि - द्रान्य व व धानर्यकारिको वाज-वर नवा ट्याला राखादा कि विम्लिको दि देख कार के कार लालिका आह । एक) व्याविता । एक (छव) था व्यवा (बिश्वा) मगमार (गर्माक्नांगर) मा स्त्री-महत्रमा (व म्वीमार कूलवंस भी मर) विटिशाकी में विषयात (विश्वस्थान) विष्य (व्यक्ता) विके (काषा आ वसना) करार्न (क्ला अकार्यने) मिशा वपष् (जमा ।मिम्राणाधर्मः म महायादिकारः मिन्नः । विक) यकः (धनमानी) गः (कवः) मुक्तवार (मूलवीकार) नीविषकार (किर्मिक्य वक्षर) अले मुक्षे (अधाक) (आद् न अस : (अद्य ! मीकी वाक्षत करमार स्थापाला में अठ कार आहिए कर तथा मामीकि भी में सामको वर्षमार स्वीस्मर (मार्गेद्रीको ;) नामेत्स (त्वनेभिन्दा)का का (उद्धानाम के भूष्यास्थि कर मार्थि हार :) अस: (अ क्य) कर : E कमार (ट्राकाः) रचार का ने ह (के मूखी अवहतार) 11 > 911

(लग अपृत्मार) सात्र : विज्ञान (जिन्नात्त्र शह अभारित्याप्त्र भार विचाम: मम्मनाविक विकार्थ:) प्रधान: (अव्यन मन्) मूर्व: " ayr: (300) Carelle 11 2011 (अम्बादकार । श्रीकृष्कत अम्रक- अमाविकांगरस्य मर कृत्युकंति संभव्य अकृति : अविश्वाम भागार मंगर लक्षी ही के असके श्र वर्गान) मम्मी (भीवार्था) मृत्विका भेमा (भीकृष्य) कु (हाला (ह (अभ्याखिलाल) अने की (क्या) वर्षेत्र । कुर्ति का मिश्र मीया (छत्र क्षेत्रिक्त हे वा स्वाम अप्य सिल बासका व वे छत्र: । हिर्वा-ग्रह्म कियाल्य या प्राय प्राय भी किक) अने के हेर्ड़ : (अने के : अमा जामा काहिल्ला जंतिमा स्पन्न हा: मीहित्त रवन) अस्त (अल्यामा व्याप्त (अलामु एवं) अस्माना चि : (अस्मान-अगरे : अव्याह :) स्मेष्ट् (व्याविष्ट्) निवस् अर अर्थे किकामिक (उदक्षितालन्यत्तन ट्यार्न्य होडी क्रा)॥ >००।। वूरि: विश्व हु: (विश्वाम वंब) अमा अने प्रमा अवे पर (कावनिमिष्ट) कार्याः। विश्वासः धाल त्रिन् त्रमण्ड रेशे विश्वा (विविधिता) निमाण्ड (वर्ने) 1155011

(जम जिनमार) छावरक: (भाकिरेक:) विन्मानिक: (विन्मानिक:) निज्ञहः स्मिन् (१७) त्याकात ॥ >>>॥ (लस्मात्रका । बाखा क्षायाय वर् काणा वर्षा के क सामाक मिता । ह आवला: रहा के ज् की अरक वर्गण) काहिए (cm)) मापा (इस्म) लक्षाम्या (लक्ष्याम्बर्धम कड्रमीयम) (लादं : (चाक्रक्रम) क कार्येश (लागु लागे) ए किट (र्राष्ट्र (र्राष्ट्र का) कार (बार्य) थर्म (मिनकाक) ए पन का मिछ (हपन विलिष्ठ) छप्या १० (छमा श्रीकृष्णमा बायु०) प्रथाव (र्वेडवर्डी)॥ भारा ।।। (हिमायनेभा देवमं । हत्त्रावकाः काहिए मधी आसीतका सुर अर्थाय। ए माम ;) अके धाम न: (मार्क :) (व (वड) बार दम : (ध्व न्म्यत्व) न्भारते विषया (अविषया । वस हर) न वि अकु ह (मर क्षाहर न कुक्)। कल २० भी (कल २० मवर्ष:) देव विभक्ष कामिनी (धार्षणा -लिंग संसम्।)लमांगः (ने मेंबरायः) स्थामाङः विषक्ताता (वि त्रिकामारिक्षक्रात्म नाक्षिष हरे)॥>>७॥ (अभ मभासार)मास्वामानाङ: (डम-विमुक:) अवभावानम् : (खिला-ति क्लाई ह इंडि लावरासनं) डिक्रमें : अक्र (रिक्ट) (Jabra) 1122811 (ब्रमादकार । विकास की गंबार अगार । (र प्रार्थ !) व्या पन्त-विटमा: (अकिक्सो) लिहककुर (कक्रमो आज्य विट्रं) अवल्य ठ

(अल्लेष्रत्)कार्यकाकार (आमिकाकार) निम्माद यन्त्रीकार (खळ्ल न का छा () कम् (भीक कम्म) नित्तित् (लिव:) ध्यममा (ल्यमकर रेखा क्यो)कर्ल किथिव (क्रिनाम) वंद्रमोर (त्मानार उत्) कार्यकर्म ॥ >> ६॥ (दुमाइवं मार्थे वेस । सकाबाता ज्युकेक सार ।(र सेके सं) सका (मकेलासा) (स (सस) लक्षेत्र (लक्षेत्र) हिना (लयाह) मुख (वयन सेलंड) [((व) वर व ह: (वाक)) मान अको (माम् के खनर) वसर नां (माव्यावान):) १ कः सर्धात्र भिक्ष द्राम्त (सस में बान्यार्थे बात दुर्धायाम वर्षे चतुर्वायः) गुनेबार्य ॥ >> न। (दिराय्यं नासुक्ष् । ह अस्काः मभी अमार्थनी कार्कियाय। (य मार्यः) मम मश्री हल्मश्री कर्मह्ममा (अकिक्स) वकः मध्य उपरिणा है। (मानारकं रावनकाक) वाकाकर-कावकर्ना (सनमक्षनमान) विग्रमा (प्रकृति) थालिक (छप्रा मनारि) कुन्न मिन्त्र भनाक्ष्य (जिलक-विलासक्) मिलाह (ब्रह्माह)॥ >> १॥ (ठेपार्वमानु व्य । श्रीक्षण (अर) उ छ: (जपमनुष्) वत्मारामम् (लक्ष्म कार आई। (काल) में है। (भाष्ट्र का भाष्त्र) क्मित् धर्वीं (हेबार । (र मक्स !) थर मिलूं (मनुः) य लाउंदि (य सत्त्राभी। लाव:) ति (वर) नच (रास्त्रं सीत्र) मन: (भर त्रज् भिष्य ड राज , जन श्रामन) भर्म (क्रभारते कृष्टा वर अस्पर्व सामाताकार:)॥ >> ॥

क्याहर (अहरे) त्यार कान्यः वानुत्रा (व्यानुर्देत) व्यानार उटलि (मात्रक् नाल्यार)। कृष्टि (१ विष्) (स्त्रार मान: हैं का (दुरवार) जार सम्में के अमेख (बादमाख) ॥ >> 11 कार पूटा (शार शत्म द्वारा प्रति)। मृत्य (प्रदेश :) लच । लह: (लामात्मिता:) सप्तमप्रताः लाप्ता : लापा । (लाम्य) र्भात्रो रे विकासिराराकाछ: (विकास त्याराव के प्रें) ले अर्थ प्रव कुला (अपर्यास्त्र देवड अपाली)॥ >20॥ ट्राचा-अटम (द्याक सम्राक्ष) (स (नक) ग्राम्भण हेमाड-मिनिष्मा (देपालम नामिएन ह) मूमलं (पूर्व पठी) मूर्ये अ - मूम्मारम (मूर्ये मान मूमभाक रेडि) हेरी विड (हिट डबंड: । हे पालम पूक्र (मेरा) र त्रिया मिन नामिलम मुक्ट् प्रभाक प्रमाभाषां क्याल रेडाय:)॥१२३॥ (बन मूर्प्रमाम्पारम् । याव: म्यानमा: म्ब्रिट्डर्म्यो क्राक्रिय । (र प्राम !) वन (वास्रेन्) अर्थाव्या (मिन् क) लामी मून: (आली मार् मभी मर भून: अअव:) वन मी- वर्मार (प्याल युनंद द्या के बड़) क आ में के द दे अह (या ह) से में या (से में-बहावा) ववाकी (स्त्रमा मा हलावती) समन्म: (कड्यंगुका सद्य) वसीम में द्राय व मार्ग (वसी सममें द्रें लाक्स समृदें) इ कर दुद्राम्ने (दुरवाया) ग्रेक्सम्भ (उध ग्रंशक्सारं न शर्व हास्कृ अमृतिकामिक लक्षाम (क्षेप्रताकार नषमू भी मधी) भून: असनिके (रम्हर ममुख्यकी)॥ ४२२॥

(द्रमाइवंश के कर्ण) के त्काम अव्यागत : (अव्यागाठ) क्वाम्बाम् उद्योन आर पूर्व (धम्मा-आलंस ववादि) वर्तक-डावांत (कि अमर्वत्र-इविजानापि- क्रामाल वर्ग प्रवाणाव)। क्रिए (मार्क) जावा (क्रामा (पाथी) केवर केषुपार (क्षार) लाउटता (केखा) खिं : (कित्या-जारक) आत्माक मही (मृदि ए मधाना प्रजी) अधिवष्ट म विकासिए (अविषय-रिक्र (अमा करक) वाकारी (अकि का मा मामादाम) जार्क निर्माणक (पूर्वर् भावाक्ष्यन प्राण्ने व्यक्ष विव्हित्) कियर निवक्षा-कत्तुन (श्रीन किमेशनार अशिवन) लया खार (सारि तिकार) कान्त्रीत्ने (कुकु प्रम) मर्ग के कार (कृष्टवर्ध) ॥ > 2 0 ॥ (लग में में भी में मार्थित । वेसा मासी में भी देखा न्यासाम्प्राक्तिक सात्र । (द्र त्यात् ;) केटल (केक्सुलामार) सर्वेत (ज्यावत्यत्र) भान-विसी (भानमा विसी विशास) भनी कृष्ड (मार्ड) आहार (मिक्टिक) छिडा (शिष्टि) मेर (मकीयर) अके हि:(मजबर) बिवाडि (प्राडि) वल्लवी (शमणी भाषिक्षा) क्रिकी कृष्किता (क्रिक् में किं अडी) क्रिक् राममा (मन्द्रम (निक्टू वस्त्रा) एर (कार्ट) श्रे वयम (वमा क्रम् (वम्मायामिक) में:)॥ x 8 11 (द्यारम्प्रविश् । क्लमक्षेत्र व्योशकार । (र याम) के मभीतार् भूतः (थायकः)। मिद्वा (शमित्रा) भीक प्रकृतमञ्जू लत्मा (भीक्सर्य) मुक्तमा हेउवीगमा मक्तर्या हेट्टिश्वरे)विक्वत्व-

म्ला (य्रिंग्वं : सक्तिय क्षाने स्था भवा : स्राभावा म्पारम्भ का मामकिहानि धन वर) अवक्षारे (निवक्ष:-असमार) लात्र के कि (प्रकाम गिर्म अपि अपि) मामार्थिका (भीवाचा) गामक देश: (त्य क्यं में क्ये क्या) त्या प्रत (ये यह) में में की (क्या कंप कमान्दी मही) द्यास्प्रकादम् मकक्रक्त (वास्प्रकामा : म् नका-विकास पर क्रक कारवंबन् मात्रा दिन केटिता: विक् प (अम-त्मायत) लचक्रीसर (धयत-क्रायत) दुवः (ल्युक्क्रम दक्षः) ** 4 (m d 0 20) 11 25 611 (लाम दासास) गव: (मसाठ) समुद्रादककाठ (सम्मेर) दुर्क कु के ति) मा बक्छ मं में मा आ सा मिया में मा मिया क्राम) न क मेले (विश्वामा) म : ल (स्प्रांतिक म :) याम : रेर्फ कीकाए (कशारक) ॥११७॥ (जम्मात्रवार्व। श्रीवाशिष् मृदार् व्यात्मक्षेत्री समिवा अम्भीरिः मर उत्तीमना सामामाना (र मक्षः !) कार्यका श्री वाक् पृथ्व-मालिकः (अ बार्कः ट्राक्रिकाशीय-सक्तारमः मूर्णः बना पालिकः किंग्री: सीलिएं: किंग्रिके किंग्रिके किंग्रिके किंग्रिके किंग्रिके किंग्रिके (लामु: मलें नव पता क्रां मांचा इव कवापा हास्मा लामिनः कामा टमबार है:) मार्ड उपम्म महत्ते: (मूर्णका सामामूरि:) मू भू हिल (बला ने के कला) अत्म : (टमा वक्ष ने अर्थक्या) जिले (जिले-अदार) उम्मी (। मेजन) आसी गार्थका अस्यमनमन्

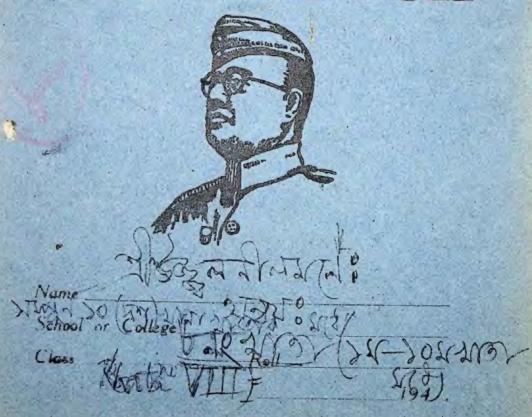
(नारकड़) लनायी (मध्ये) इन्यान्यः (भ्राय लाखाः) लासि दि (काळ्यामीक) अस्त्र (काळागर) गस लवा मुला (निहिड्ला५-लामा) रेड मालिका (क्राक्षेत सार्व) न स्मालक (धानिकता मा विकोष । न लिकिमाल मः अमनु ख्वा कि की:) ॥ ३ २ 9 ॥ (द्यारवंत्रा देश । में ख्यापदिश काष्ट्रि देशाम्या (क्याल वकारं भे के अप कराया कियो म यर निराम अर की विकास बार्ड इत्यद पुष्टि लायकार्त हर्या : हत्तर कप है सत्तिम मामुश्र लाडी ७० मिष्ट कप्रकें वाश्वात । (४) वाया हिमानक ; (अया लाख्योतराः वाः लाह्यावनद्यात् कर्मि कमार्टतं । १४) काराधुकाले भविवर्कतः (काम वर शसुकाल : प्रमुकः ज्या भवि-वर्ष्य ह नियम ह नामकवं (त) एवं । (त) हर्ष्य निमा-ममार्के ; (हास्यामुन-१ हेम् शुकु कु हत्य ;) वैह्ये जम् : प्र (यग त्या त्या वर्षात्व) (वर (म्यक्षात्मेय) में मा (मवस्त्र) प्रम) टम (मम) अस्मानात्रिकि: (प्रमण्यम काटकि सम ह (अर्यं मार देखि पव में अप्यो ता हिसाप के सिक्षिः) मिलाम-बादबहमा (विभाक्षत धमवाद्यात) वार्ष ख्यू (आंग्राया) 1125 p 11

CLASS ROUTINE

Days	let Period	208 Period	3rd Period	4th Period	5th Feriod	6th Period	7th Period
Mon	提生				No.		
fues Wed							
Thurs							<
Fri Sat							

Manufactured by :- M. R. CHOUDHURY & SONS.

NETAJI EXERCISEBOOK.



128 PAGES

Price -/8/-

(an (arejano in and and gold and) mis aim: भीनिया वर्ष्ट्या ह रेकि हिचित्र: माड: (बिनेकि:)॥ १८०॥ (७२ भीनेमा १० उमार) भीनी न्याया हव : (भीनी न्याया ह उद्योश विलासी। मी मी वर : अम्मान वर्षा ना भारत वर्ष) यामः रेट्वः भीतुरा (कृष्ट) क्याति ॥ २००॥ (जय नीनीवालकार) गुगमसुप्रवादीव : (ब्रामम धालकाम मसायम् मा अद्भेगान हीम: बहिक: मकाबि लारवमा मह समाम) रेक्सं:)वरि: (वाराधाण) माडिख्यालयान् (धनाडिख्यके:) अप मे हा बा व व पु : (मय में में) हा बसी स्थादि : का क्राये : Cu sui : मः) मीतीकामः (१०६) प्रवारं (लिखकामारं) सवः। हत्याचान-वक्तांग: नव: (भूणुवाम:) राम (गमवर) व्यव (प्राक्टि ह (लक्ष्राक)॥२७२॥ (जर्मारवं न्या । हता मीक्कार । (र) याक प्रमा । अमनिमना-भग (अम्र : मक्त मन्न : विभव : निर्मातन व्यामान : का करें ने व तसी: सा) सा कत्नावती हैंगा विविश्यमंग (विविश्य देशा) भित्ति (केळं) महाय नं नाम अनुक्ता (यन्याम) में देवी (मी केक्स प्र अहा) कमा (वारें में (वर सका (वं प्र) के ब हा ग्रंत (जाहिवछरी) ममा (यन भ्रमाद्वन) मभी छि: जाम जामी (हन्मावनी) हामें (हार नाह) जहमा (हरासीना) शह जिंका (विद्याविका)॥ >७२॥

(लग न्यामा ने मार) मः (या ।) श्रेक लो मास त्याम : (हीक दिव उमार्श (मक: भूटे का वमर् धार्म: अभ्रम् भम म: जना) जा पान (भुश्रामार) कि कि त्रामाना के (कि के क्वम के का निकान के किक) हिस्ते (कात विन स्त्रित) अव मार्था : (हेर्नाद) :) मार् (द्वार) मः भाषायामः (क्रेक्ट) देखात ॥ २००॥ (जम्मारवर्गम्।कमरानु विष्णः कमार ७५मशी क्रांहर् वार्यमार्छ। (इ) ककार्या मा वयकी (वं) न्या (व्यक्तिम् कात्म) धवलमम्माक (अनाककारवि)धाले मामू नि (वातारा) कूट्य असा (हाकिसा मरी) मिना (दिनममा) धानुन् (धर्मार् गामा दिनममा अर्था रेकार्यः) लाभ मेगाइ: लादम् म लगार (म महत्वा) नरहां (लारा!) क्षा (व्यक्ष्म)आ (वन्ने) नव आनिनी (क्रममुविका अवी) उद्भारते: (का अक्क्षति उक्कि :) विद्यान का कि (विद्यान का क कारक) काल जाई आर्थ (ज्ञाकावस्यानिमार्थकारम) में हिल (इस्नेक्स सशु) ७० (सेबाहुर) संसरत (लार्स्स) ।। २०८॥ (ला राक्ष्यामार)क्याह-याया का यह व: (क्याहियात: यकिका खालक) बाम : वाकुरा (इन्हे) यव : 112 00 511 (वर केर् में बा गरार) त: (बाम :) पृद्ध के वर (भी में) मक्स कि (मन्म(मा दव वि विमा) अमारामा विकासी (अमराममा टाक्ड मार्टेकोई भिक्षेत्रक सकामंत्रुकि कमार्टेक : अर) मिताहिक (आज्ञसार्विक्रीस्केतर्) (आल्टि ह स: क्रेसेश्वास: (क्रिक्) त्यां (काल्यः)॥>७७॥

(वर्गाडवपुर्का निष्यास्थां : कार्ट् कार्यवाक्त सभी जीक समाद। (म) केकां (सम) मा जिममणी जनभाग्न (वस मास जनभारावती) बाह्र यत बन्नाप्तता (मर्जाहिका लर्टर भिक्र) मा (क्रिंगमणी) हमाल (क्क्रमाल) मिक लाल वायक-इमा-सामार (वय गाउ-मार्कार (इत्या:) मामादासमा (इत्यासका कर्ट) का (लम्मा) या दुमंड (तम खिल्या) ज्यास्या) प्रवाद: (वात्र) कार (में) कासाक (मानुक्तामार) मार (जानमार) क्या (क्या वर्षाल्य) याका लाह तमा (मर्पालप प्रवेशा) अश: कि वलवान (धयन:) गण: (डावर) ध्यमा (कनवान) विद्याम : (दिवर शेषि) न कार्यक (न कार्क (त्यामा दिवर)॥>०१॥ स्क्रीम् हे क्रम स्वामार ने काल आकार निरम्पत्र अपादाय-क्षित्रहः (क्रम्हवानः) धाल महावावविलायम् (मर्वाम-खिलाइ है) हिंब: (क्रिज़ी) हाबड़ । इंडि (लसारकाइ) किक सम्मुत्ते (क्या प्रचारि-र्राम स्पर्धिक) वास्त्री माश्चे) लया (क्षेत्रमुखालाता) मानि: (मानका)न पूकाक (न मस्यान)॥>७४॥ (अम सम्बे के बाम सार) अमार्थ : (मक्रावि डार्व : नामार्थ समक):) थानन) प्राराणक: (या : प्रिका:) या: (ताना:) प्रदा (निव तुन्) काउम (ट्लाइम)विकार (नवनवीडवडीडार्थः) भारत्रे धार्मे धार्मे क वामः दिव । तम वाक्र-सक्वतिः (वामः सम्बेक्वारमा हमि)॥२७०॥

(वर्तार बन्म । भाष्मिका वामधक्ष्य वास्त्रे वास्त्रे वास्त्रे वास्त्रे कार् म्याम) चाहा-साह्याता: लग्डं निक सथ: (लब्धमुग:) (समाम्बद्यार्मन: (शांशवादि- अनेत्मरमन:) माक्(कार्षि) अम्मारि (अग्नादिस्वर् हे मारिक् १३ पूर् विति खार्थः) अस कृत (लाठी वद्यान नका । श्रिक) किय लाज श्रिक्ष (क्रियम विकालीम दावानित्तक्ता के)न आकत्का ए (असपाल न विष्या । किक) ति (प्रकारिक मक्काः) त्वर (प्राप्ते) विष : वर्शन (अवस्तवं वर्ष मामाम्ब् दिवाह विता) अज्ञाति सकति : (अक्षता कि निवधात ७ भक्षे ममूरि:) अभि वस् (धार्यपाविलासामव) मूर्ड (हर्भाद माड । किक्र) हमर कृष्टिक वाष्मामन्त्र (सार्वाड वार (१ सर्कावक व: दुलास लग्न : ब्रासम न व दुल व: वार्च माला गमा : वमा देवार) आहर (मम् हिर) याक्ष्म (व सम् हिंगाव) ॥ २८०॥ (द्रमारव्यात वर्ष । व्यक्षात त्या अध्यक्षामारं मुर्क्ताकातातातात माड्ड क्या मार् (अप्राधार कार जायादा कार 1 (४ त्याय) में ति (वय) पुष्यमार (लामअमाद्यमार) मेंब्याम् पु (अ के क प्रवत्ने) बाय: (लात्राक्ट:) मार्च १ वः (मार्च केटः) के में सिक्षं (वन (क्रिक्सर्स) राष्ट्र क्रांट (क्रिक्सर) क्रांच्य मिख् (क्रिक्स्य : अवस्मियार) समार (मुस्रिकंग) महः (मस्य लाम्प्रेशिव (इत्याः) क में आसाति त्यां कार्य वात् : (में आस्था वा के कर्ते मान्व हते

गः देवतावः ७ व व्यक्ति वर्ने जीता शक् नित्राः वा लायः) थान। वव हि (आमिर्यय दिल) अफायायरस (तमती मुआयरस) विद्यत-वन-प्राता-प्रमृक्वी (क्षान कामा यनमाना महाक्षिती मर्का वा मनी) मार (करवरेस । अस्टर्ड लेकि। लाप्ट्रेय तथा सत एमंगाड़ द्वड्या omy-क्षाः चिर्वाष्ट्रिकाः)॥ 285॥ पुर्वा वर्ष: भ: डाव: (ब्रह्मिश: देनाड: त्मे अर मू से बड़ तीनिका प्रेकमि:) प्र: ७ त्यामाकारनो (ठ व्यायमप्रासने) ज्या डीकामूलाको (वीकाकी) श्रीयरवं : धार्वे भारते ह राजाल (1500)112821 हेड्याडव: भ: मिनी: (धर्मात्रः लालड: मक्ष्र त्रमकार् बाक्रिक्ष रेक्साद:) दिन: (डाव:) भ: वाक्रिकादी जमा मछ-काखानार डेक्टर (कताहर) मक्ष्य मार्ग कार्य क्ष शुकाल (बित्रप्राि)॥>80॥ उपका मार् रे आर् (अरनम अकार्यने) (उत्म मर्काम् म मुक्यार् (अक्ष त्माल में त्ये) लाका नक्ष- मिलका है किए। किए (म्मक-विभक्तादिका (डमा:) भूकी (अभक्ष विभक्तादि डम-2421) Ballast: (Best:) 1128811 हावानार् हावानुवममुकार (धन) हावमम्मकार) व्यवना : (धनारः) कार्ज भा: किना: (क्का: विविधा: (नाना अकारा:) हिला: (टिला:) (मार्यकः) अक्रम (अर्थेश) किंगः (क्रेड्ये:)॥१८।। भारतः (लाम्ह्याह) थः (खनक्षे लियाः) वेद्वः

(यम अमूतालमात्र) च: गाम: मयनव: उवन् (नयनवापमात: प्रत्) सराम्हिक्ट्र यस (मक्सरा) लाम लेक्ट्र (लाखाएं हन - में बड़न-भार्क्ट) व्याल जिए (बालिस्थ पट लंगर) नव मनर (जनम्यू -र्सास्त) केमार स:(गाय:) लचंडाय: इ. अमृत्व (क कार् ॥ > 8 ता (कर्माद्वनम् । त्यावकति मानभाटि किकेड० श्रीकृक० द्वार ला(पाकन्द्री स्वास्य रेलाई में कार । (अ) शास । र्राव : (कार् मुक्कः) लक्षायेनयत्ताः (लक्षाकरं पन प्रमासम्) सर्वापरं (क्षण्) लमके (लापक्षावं) ममम : (वेस् वाद्यार व्यत । क्षि लमंद लर्ज्य : (प्रथाप:) महीत्या (क्या सर्वात्) व्यक् (१०: मार) है। हु (कताहर) कान न में हु: (समा मार्टि (बार हि)। नक्त्रा धलंगा (रसुवानाए:) अजीर्क (श्वामान धावनार) धारे में : (अंक्र) मा में ड : (श्रिव के बंद) मा (आ : (मास्त) के बार (क्षामा के सम) इतं देक (र्हा ने :) विमा: । लान: (प्यामार मे) नवः (लिममानः) व्यक्ति भाइं (वात्राम्बिकः) न मधर्मा (म भारताजीकरः)॥ > 89॥ (हिमार्वमानुव्यः । कमाहिश्रीकृककामामा अश्रूषक्रोवडी र् बीवाबा अपूर्वामा अम्मा में कारमा क्रि मागड़ परं प्रति गानिक्य अर प्रत्मलाह । (१) जारे ! (११ क्या कि!) भ : (मामकलान)कर्न विभाग (वाविभाग) र्विष् (विकिष्) गुममा छ (निव्या छ) क्कः रे छि

(केक द्रका अक्ष्म नेत्रा ग्राप्त प्रदेखा यः) निर्मंद कः (त्राष्ट्र । पात्रवा

नाइ । (इ) रेग्याका (अधान लाकेंदिक कुना लाक में (हं। इंग्रेश:) रेम् किए (प्रेम् किए अस्म प्रशिक्ष कर्म जामाजी छि जाय: । न मू मजार जमत्र म भावितितामीकाल थार) ७ वर्ण मदा (मन्द्रा) अव on (श्रीकृष्णमा) हेनामि (तक्षामि) की ए वि (विश्व वृत्ति । श्रीनाका श्राप्त) राम्य था कुर (अमस्य वरममा शामा वन अमीलि निहि दाय:। मार्चकार । (व) (माहिट ! (अविक क्या न अमर (क!) व : अर्मना (र्मायास्व) संग (वर) लस (क्स्म) इ.स. (वर) ग्रेस (का लंडा , बर मार्थ वर् न अविक्रिया विस्व वसी विकास । अभियासार) प्रछ र प्रकार (श्रमा प्रार्थि भाविका भी कि छाय: । उर कर्र न वर्ष-हितामी कामलभी कार) था नव (मक्स नार्षी धर्म तेव)विकार्त्रिक: (क्रिक्स (कार् रें अध्यम् भारत की मुक्त क्रिक विकास-साय:) काटम् (के.क : सत्त) रे अक्षेत्र (रिट्या : यम्पट्य : त्राथ्य मामिक मे वे सक्तान के कार कार महाक व्यव्हर्ष वं वर्गायात दायः)॥>४६॥ रेस (धार्मन अम्बाल) अवस्मवक्षीहार: (अस्मान वक्षाण-क्रां डाव:) स्त्रक्ट उथा (अमर्विडिं) क् (विश्वलक्ष:) अवानिनि हें कि (वीक् के मधाक्षीने धावानिनि वस्ति) अले कमारिश (कमानाराम)हेन्ड: (हरकहे:)मानमाद्य: (गक्ति-अमः) विश्वलाह्य (विन्द्रम्भागाः) अम्म (श्रीकृष्टमा) विश्वति : (किम्ब्रीकृष्टि: आशंक्र म्थ्रीमायक्ण ।) मः (ख्यमः)॥>४०॥ (मर्क्र अकामः)रेकापाः ।कियाः (अम् कावाः)मः (ख्यमः)॥>४०॥

(छन अवसा व बला हावस्मा व वह । अवसा व मार्थ काला के काला के काला : इडिटक्कृता क्रमाक्रि क्रीलाधार्व सिम्बद्धां या स्वाना-श्रमिक्टांगः क्रमेक्ट द्रामिक्समेक्ष्यमेक्ष्य यात्रामनेश वद्माक मार लागाजा केल्यका भाष्यमाग्रमण सार ।(४) लागम्य । लागम्यायक-विश्वारं (अवस्मर् विकि ं वभी कई सिकेशः) सत्ताव हर (समकं लावधि (१ कुर्) जमना : ((प्राक्षिमाव के क्रा) बार (में बराता:) इन्हें का लाल क्या मध्यक्षे प्रें में इन (दुर आर -लयमा वार प प्राप्त म्बार में किया (गव:) व्ययंग (मायाया) रामानेमारि: (अम्बानकाम: मिनहिं: लुड्याते:) जब प्रानारकी (मामका वा उसी) यह : (यभी कुड दे छार्यः। किका) व्या वार्थ-(आमार्मय-नव छोने: (श्वामार्भयकाथ: नवीरने: छाने: मुह उक्षाहः) कामाः (या व्यक्तां) १९३ व्यक्षितः (१९३ व्यक्त 213(41 AD 218 (MA:) 11 > 60 11 स्कृत्ये विश्रम् : पू (१३) त्यमले विश्रप्त : (अमले विश्राधिक प्रदेश मभी स लचाक)। स: (श्रिक्स सः) कम्मिर्य (अम्मिर्व प्रांग्नीक)॥

याभु । (यनं) त्वन्ते (वन्माश्रमें) सर्थः (धर्मे) वर्गाने दं समामा ज्याचा पात्रशामा । (य) कारमायं । (क्रिमायं । (व) (त्राप्तिमाल अपपाप्तायमा वर्षे मार्थि । कार्यमार्थि । (व)

(कामान्द्र) क्याराम : (क्या: कार्य होता:) व्यानामार (माय्यार) मुका मुबार (देव मु के भरा मार्थ धार्या) वर (त्यर्भ का मा) वर्य रे (अकें) मधामा: (हैं आमार)। कर (ममार कृत्यं संस्था दुर्फ: (दुअस्म) कल: (काराम (काला मानाम) यप (यन में अस) द्रश्चेक्ठो (भारेक) में यावाक : (म्युक्ति भी) विस्तिक निर्मायक (विस्मान मार्ग्) वसमात (काम्याममार) 1126511 (थम विक्रताह विक्रिडिम्पार्याड । मण्याप्र व क्रीकृष्ट् निका भात् द्वारा मालुमान । (य) मम्बाक्ष्यीय । (धर्ममा-भागक !) वि भर्मा मार्ग टर (अ. केक) देका क: (ये मार्क तमा सातमा) इक (नवर) में गा: (e अ पत्ना अए। ११८) अपट्ट वेश्वरेख्यु (cury) यना (तालाया) (व (वेल्रेंट) कथाल (बक्षोस्माप् अंसमर) अपियर (वाक्रारं) आहरमार (त्वावृत्वक्षा । व्याव सत्यनमार । (इ) अम्प । (मात्र में केस । विं) मात् वस (श्राम) क्या जान-अस्त (याक्ष क्षा गार्व सक्ष बारार) यव: (एता) यकः (मार्ड वन सस न कालि अमझाि विकार्शः। किन्)रा! (अरहा!) अई मा (रेमानी ? क्ष्) मिलि पिलि (प्रक्रि) विक्र बन् (भाष्मार अकामामा : प्रन्) किला (विम्मियर नीडिंडा) लाल (मा) मनी ? (क्यारिकार) १ के (क्यर अयः) कि मार्थ (भारतास) 112601

(लाम सावसार) लायाम : अम्याम (त्यातेम लायाला । व यर्विमा स्टित्यार्ग मा माना नर) व्याला व्याला (व्यालाम्यः यर) अद्र (मार् ने गा य राज्य ने विष्ट : (भा य राज्य ने गा विष्य रेडिन्स् से स बमारे व: मोर्ड 'ला स:) हात: इस्ट लाहिस् गाह (本知(中)1120811 (जर्मात्रंनेम्।क्यालि।निक्ट्य अयम्भवद्यार्येन्तामान निम्मुर्गाः द्रमील-आदिकताबायकैकरमाः ज्ञीकाक्षकताम् अवावावतार्थी-सर्सामनेसी रेमा अर्धिक्षाडा (र) लाम् पुरेक के के के काता (काम्रिक्केश) (आक्रियत्व के के में ये वे के वं अति। एक विमामभीन माडमं बाल!) कुडी (भीगकमीन भाउठ:) क्यांद-काक: (क्यांवयम्बाः। व्यक्ते) वाद्याः क्वक: म हिल लाजू ती (हिल काल का कृती नात्र) त्यापे : (त्यामाकार्ड:) आक्र लाम्मकार्यः) के विचाली (स्वीकृत्र) क्रमार (लाते: लाते:) निर्दे ए दिन के निर्दे : निः (भाषका वार्षि : दिन क्रा (क्ष्यु कि र्य वर् मा माउमा) मन्द्रम् (स्ताम्य) रेय (क्षिम्) ब्रकाउरमिरामार (ब्रक्षा का साम मासी, नाक ब्रकार कर् मानि इसीराने विनिम् बामा: जम्मानं जम्बार्ड वीनेन नक्षाएं वार्ड-

स्ताको एक अमामः क्वानि) हिमान (आप्तकः क्रिंग अप्र) हिम् किमानः वालाम् हु) अने हिमान (आप्तकः क्रिंग अप्र) हिम्न हिम्

त्रिमं नाम: कि:) वासुनक्ष्येत (अमनाक्षीत अका बाद । किमं नावडमा 20 m) 11 > 0 0 11 आत्रो (हार:)मक्र-अविधीक्षः (श्रीकृष्णः प्रामीक्षीनीतः) आली व्यक्तितः (किक) विकासिक्षिक्षि (विकासिकित्व क्रियन चाल : अर्) महा अवाका का का का का का का का किया है। वचामेव त्यं असी: (वचामं श्वीव स्थामी ग्यी सः लग्ना :) सनः अरं अस्यरं (श्रीमंद असे वहं) गरंगत (सामरंत । लाम्ते याता सदा हा वाक्षक सित मुन्ह)॥ २६१॥ व्रावः मः (अमालायः) क्रिंह कार्त्रक्रिंह हे में विश्व हे क्रिल ॥>६४॥ (जन कार मार) धन (अभिन भराखार) माडिका: (जमा आना:) डे पी छा : (श्रू:) म : (ध्राहाय:) का ए : हो ह डर्न छ (क्रम्राछ) ॥ २६ ग।। (उप्पार्य नेइः । बाम प्रामित्या विमान- ठावि ने : अवस्म वद्या १:) हेमी तर्कतर्भ-भद्भ वता (हेमीलत् अकाभधात:कतर्भामाधिव गर्गत्र द्वा भन ना भाक हमीलन कलप्रश्मामण मन्मद्वा भन मा) कम्मानि-विकारण (कम्मम् पानिकारम जास्त्राम् , भाक्र कर सप्नाटक र भीयर त्रियार ति कस्तावित : बार्मा ता वंग : वाक्षेत्र : व्यक्तामाडकः) मङ्गीन्। (स्राम्ल) मूर्यामम्मालः (अर्रेतराप्टि (वासर्यः तमाह मानारेन्। पाट्रक्रिका नामाः सा नाकः नेजरवासार्षरकामार् अस्ता मानः सवाद्या राजाः अर)

मक्ति हिन्द्राहिं। (बाक्षामाए श्वाक्त मेर हिन कानि : जूपनाविनी, अरम राक्षक दी (मणानुकार देवाराम: वर्षाम्) आत्राठ-(अक-भावे भूजा (बाजा क्र बाजा कार वाम : सह: जरूर प्राकत कर्वस्त्र मार्वेषे सर्हे वाक सार्वे वाक कारियाकन अविसेश में कि छे में इं (मक्ता) के वणा मा में (के : के मिन् उसक्तमा हेनाम् व्यामका जिल्ला का क्रम क्रम मानार भी नार वनामार हिनामः विकासः) विक्रि (पर्वामा) रेग्र (भाषीमार अनुमानिषा-मार्वि (धन्वागक्षा वधी) बास (असमजल) व मर् विष्टत (विश्वासमाम)॥ ३७०॥ करडा-इम्बिलाउन (अबीभक्र कराता क्षिपाम् (यननः) क्ल्य भेष्ठ (क्लू कालगुगान अभेरखन मडी ग्रामक्) उर्रमोर्भ (वसे मार्ड कारा में महात्व) त्यान नाडि महिना (भारत में ता) । भिम्न १ (टभम:) टभात्राका ज्ञात्य धाले (सात्राची मार् व्यक्तात्य श्रेले) प्रका (मिन सक्) आलादि - प्रका विमायन (किकि विक (की मार्का किक प्रवर्शनाक विद्यु छि:) अपने मा (अपने काल प्राणि) कल छ। (कल काल वर अभूगमायकः) द्रामा: (लयं ल्या : यी:)॥ २०१ मा २०५।।

भिक्तम्भ्यामहाम्मारक्षि। क्ष्रिकाम्यामाधाकानाः मकाम्याम् भिक्षम्भ्यामहाम्याम् हिंगेंं (स्मिश्यापार का वर क्षिक के के ह ल पत (suma का ला) म्प्रमार्प (मा अके करा म्प्रमालाइ)है। लेखे (त्रामक) मक्षेत्र वर् (निन हर मन्द्रमा अलिय अकी पू का नार वाक्रा नेत्र तमार्गाञ्चार र्षिक्ष्यां के विकाप्त) नाधादु (त्याकामाषु । क्रिक) रेगांडु: (यमप्राप्तः) क्रिनेक्षर् (क्रिक् क्षवमा विकास भाग्र ७०) वायर (मकासर) अर्थित ((काल्या) मिकामेबार (कर्त प्रके में मार इकाह-सानि नी मार् भड़े मारि भी मार्) आकी हे मुना भर् (मू र् डर) जम्हा कर् (७० धावर्धशास्त्रावर्) थाल: (बाक्षा:)॥>७०॥ (आप्रमुक्तनाक्रम् विलाजनम् पात्रवृति। का। अकेप् श्रवकावाप्रिना वस विम् त्या दका नार्यः वकत्यत्रामाधित्य अभागमाथः।(य) यकाः । (पालीमार्लमें बाय-। यम्यारवी (लमें बायसमें त्यारे प्रवी) कर्म (कंक बढ आर्म अला कंक रसकार ह) नामारी (नामाह बहु-मिछ , भाक बत्तन मार्क भाविषान कृषा) अ काकि कृ छा । अश-रामात्राम, भाभ वद्यानकि । स्वः (मम्कः भाभ ाले भवत्मण्) आण्मे भर्छी (विमार्मेन (त्थामान डमका कार्यमार्मेन, लाक समावामन क लाक्मगंडी) मार अमा: (भाववा ताल विक् म: मा : मन्मी वाका)वायात्वरा थी: (अवसा : मायी:)

त्रियमारही (स्रियमा: क्रम्ब) वाक सक्वाप्त गार को के प्रमाही) प्रमार काम् (त्याकम् लाभ नामाभाग् क्यमविलामः) आधार (ला में बर के द्वा) श्रिकाम : (जनात: "म आक, आश्रुह:) अकार कं (सकारा, सक हासाम ला देंड सर: "नाम सकी लिक्स ता हा हर यह) man (and) visio (game) (gay og logic (gas on) न्त्रिक्र क्षेत्री व्यार न्या के में में भाक त्रेक्र पाक्रो क्कृत्या: प्राक्राक्षितारा गर्) यात्र । श्रिष्ट अर्थ (श्र देश से अर्थ. व्याक्षि) के की (कुल में) 112 4811 (क्नुक्रनेष्ट्रमुद्राक्षिण । त्लोनी सामी नामीयू भीकार) नारम (नामनी नामण्) नव व्याप्त सी (नव्य कानीना व्याप्त साव वार्ति:) विवि व्यानिक भा (ब्र बाचि ह्या) थाने जात्रां (त्यानी मण् ब्रह्मीत्य) निर्मिया (निर्मिय-मत त्र विध्यम् अर्ड म (विध्यमं क्ल्यें म द्वान । मत स्थान क्रियार) विश्वाम क्रियाम) लग्नम (लाखा मुह) म् (आर्प्सकावास (म्राभर्प्सक्सावस्य वन) भत्राक्त्राक्ता (यहारु मु: युकार्य: अवयक्ष्यान अक्षेत्र: असरास्त्र इतिक्रा स्व अवसृषा)कातकता (कात्रमण्यामि) थर्र ! (थर्र !) निर्मिष-लयकत्तर (निर्मिय(तमप्रमृणी १)रेव प्रमार् नडि ॥ > ७६॥ (उरमोरभारभागिकाकुमा भिन्नम्मात्रवि । वास अक्रिक् क्ये के सामिक्ती, जिसल दिया (माल), लाउ: 1 (४) जिस । (बतं)

(तर) राठ संवात- दिन्। में का (संवाद्ध सक्तात्व हन्ना में कर रह माल्मार) कक्रामि (काव्राविष) अर्थ दे ह्या: (लमाक् क्र्य-मुनम्पितामा भीडा मादि। हम्मुका: मा):) आते: (मान्मान) मस्मात्र (शर्मास: वर) (क्रम (म्मम् कर्म) क्रोहेबी र (क्रम् केर्) लहार्य (मार्च चयाम रेडि) ७९ (हर्मा मुक्र १) क्लामिडि: (म्या-लाशा नापि वाल) किए विर (किए) म वाया (म भीषासम्बर्गि रेडि विहित्र)) उत्रमाम्भार् (उत्रात्तव आम् मामार् जागार्) न: (अमाकः) भी: (मार्च:) धमार्च (ग्राक्ता डवर्ष्ट) ॥ > > ७ ७।। (आराय) डातराने मर्कानियान्ने मुमार्चि । देक र पार्ट श्राष्ट्र थार अर्थ प्रमं असाव मान्विभक्ष शिविमञ्चर भाषेत्रामिक भाषेत्रक्ष ने भी लंबा काका (मान्य खिरबाइ वा: वर भार्ति हिंवा लान प्रमानी निर्मास्त्र न भूतः भाने छाय्यां । (र प्रार्थः) प्रवादी (प्रधार्थकात) सूत्रं : (टमास्य:) राज्य लाश्चिलात (सम्मला) मानुद्धा: सिल्ला:) नित्र रेव नाम काल (नाम ह क्लाक न विदार्ति) क्या रे मार्थ अनु केलं वक्त किंग : (अनु माले ने निव कु व मालेन क्ला अम्बा भी देखि माडि हा:) का: (पाकी:) अर (शार) लाल्यम् (त्यरं)लयः (भवत्यकः व्या)र्मः (रम्हिलाकः) म धारिकम् (म हिस्प्रभाम् विकार्थः)॥ > ७१॥

(क्रम्भार विकास विकास के विकास । (क्रम !) र्यायम टामकंत रेकायम टामक्स रेकायम-टामिन (रेकायम-मिक्न) (अक्रवामन (खिनवामन)समा म्य (मर वाह:)वा: छा: (अभिका: देरमवन्छ:)अभा: (वक्रम:)अभाक्तवर (क्रम्म काय छित मही ने सामक्रम) मावा: (मालवा:) समा हुया: (चित्रहिण:) ल: (ऋषा:) भूत: जात्रार् (त्माजीतार् त्रधीरिष) क्सूम्मा: (क्लूकानकी भीविन मिठी प्रधानाः)व ५ वः (कालाः)॥ इर (म्म् क्षेत्र) क्षित्रामा रहार) नार असार केसाम-ভावकारिडा (क्रीकृकम अविकायकावका) (आउम (अतहाब-उगा भ्रोका)। मा (अक्षिमिक्सिकाविका) भ्रम्प (अयह:) सरिताल दिए विश्व कुर (त्रा मारक्ष) क्वमारित (व्या मारका) ।। १० १। (अभाकिक दशाह) अय (अभीन अशाखाद) कारा (कड): (क्रमशाहाय प्रशास देखा) ध्रम आयहा कार् वार् (कार्न्साछाः) विलेखेडाः अथाशः (आशः) अत्रायाः (मार्जुका:) मृला उ प्र: (धत्राहाव:) ध्राक्षिकाः (देवि) निमारा (क्या (क) 11 > 9011 (जम्मारक्रीय । जित्रमा कारिकात्वम विजिक्षीत्रम्म पर भूषे: जित्रमाधार। (र) । निय ! त्नाका छी छ १ (ते क्रेमे महरू ज्या) व्यवा क्र व्यक्ति भर् व्यक्त (अभाउत्कारि गणक) विकानिकः (कानम्मम् कि) भर मूमन् म्: यर ह रेडि (व लबह:) एक देख (मूर्म् : १४) राहि आ

(7 site (man 3) sige (non sunan) date (18 hair) de paro (शामकार) यळ्ट : (त्राक्र) वर लाज (एमाल) वर के दृष्ट गढ (मॅमरं मवाक्षरां) वाक्षका कालाति में मरें मामुक्ष कवाता : (गातुकांगः त्यम दुमात्मे दुका पात्मे (म में में में मार्म के ० मंद्रवर्गः ० मँगार्गः) विस्माः (ध्यार्गः) लास लास्यवेचार (अकार् अप्राम् अप्रामि) व यव वित्यर (देव आएए) 1129211 अरमो काह्य हः तम्प्रमः सम्प्रमः ह (३७०) हिसा देखा । 1>9211 (व्य त्यात्रमात्र) मय (माश्रम् व्यक्ष अतः) हिताः (श्रीनामाक्षराः) प्राष्ट्रिक बी का प्रोक्षेत्र (प्राष्ट्रिका प्राण्डिका (जम्मारवंतीय । नव वृत्ता अविश्वाकृष्टियाः हिवानील मण्यत्यत्ये । व्यक्त कत्रकणे नामक् (कत्रकणे: क्लाकिन: जनामम् वाक्रकत्मा धर्युना-कृति गः अव्रक्तः छ)धा जन्न (प्रभागव विद्याव्यन) मृत्या विवा (समः: मूरमाधाविषम अरमा : , आर प्राष्ट्रिक कार एकः । छमा मम्बङ्गा) दे ब्ला सिंह : (विमात्रिहः) ह् भिरका व्य न प्रकृतः (ह् भिका देम्ब : हे हे ब द : अह बा : कह बी : म्ला कर राज म :) (अमा भू-प्रकारते:(धिपननकाल: मुकायति:) अनिण्यान् (यनिण:) हेम्याक्ष सरक छार् (हेम्मल्य म्यान भ- अर्थ म् छः) व्यवहनः (वितः) धान विश्वति: (वीबार् नाक्रिकार बाह्य: ज्याने: , नाक्र बिवारिय:)

हेर्यम् वातं (हेरके: कम्प्रयुक्तः) वाभाभाभवायाः हे नाम कल्रामः (हे नाम वर कत्रक्यः ७एगः लव्यायमा लिक्समक माक्ठ-पंत्रमार क्ये कं :) हिवार (हिंद का नीते विवा था १ (ति थ मेर १) 11 > 4811 थन (थार्श्वेर (सापत विषाधान प्रांत) प्रकास्त्र (मासाहि: प्रविष्मा) र्दं : (अक्रिक्रम) विकाल- डवकाविषा (विकालार्क माहतकण उभ) त्थामाक मन्त्र विभाउ - कासाजिलाग्जाम्यः (तथामेव हेकः वर्ग ससर द मामावा: अथ्रिया मा: भारा: हत्वात्र मीर मे: लास्मारिष्ठ नामुका अंबरसार कम् : लग्रायन : श्री :)॥ > व छ।। म: (दमादन :) श्रीभार (मरा अव:) इतादिनी आह : प्रवितात्र: (मवसरेखिक स: एससा)। सर्: (मर्बे वंसर्गित क्रिंग क्रिंग प्रवास यवं (उत्राम की वार्याप्य वार्ड द्वाम प्राप्वी छम : भग ९ प्र :) व्यापी टमादन: मार्थ कामारा वन (निहाड) मर्काड: (अन्त्रम मर्कामान)न डू (tra 1500) 1139011 (ब्द सकास्त्रा शकः (कालकाविष्यम् रक्षि । कूक्रक्ष्यभायांभर् वुअटन्दी छि: अर की कृष्णमा । भिनन वृद्यात्रमा हम् रका का किमाग क्राष्ट व्योक्तिनादियु अगलवीकर्मना दिनार्सनी यू अअवरेग्र उष्टात्यव उत्र वहार्म अत्र जदानीतमय नीक् कार लीतात्यन नीक कार्य तमानान डार्यरमिएन श्रीकृकम् कार्यमितीमाक त्याडाणि भग् मुकेवरी काहिए श्रीकाकी का: अभी काना उत् अमभी आर। (र मार्थ!) करना

इत। (पारा!) माया: ह्रिव (क्राक्षाय) क्रायापत्रिव (शीक्षत्रप्राप्त) वाशिका हु छ - न भी - (आप्राधितिः (वाशिकेव अष् छ न भी छमा। त्याने - अरवासर्गः जातिः) प्रश्वराण (करक प्राति) ७ प्रा-मन्त्रकी (७ प्रा मलंतम्यी अ प्रवस्ती निवि लाव: , भारत कमारा: श्रीकृष्णमार भी-विष्णियमा मवावर्ष वाती)सहकवादिश (समुत्रसा) थलू ९ (बाडा), लाक्का (प्रमानि न लिक कालिनी मानी की कृष्णांदेवी) गंका (बिलाकान , के नाम देका क ह) मुस्मा (मुक्रमें) मणा (मल्या दिन)नर्मात (नती) अध्यम् (वित्मन) ल हैं। मक्ष नर्सादा अवित्र मिल् वामकामे मना मने काम विमा विस्त अस्म मर मार्थन मार्थ काल) मही में द्वार (अडामार्थ) महीवा) थाने कराने जीक्षम्वा (क्षेत्रा: म्राज थमा: भ भक्षेर अक्षकमा कमा श्रीकारी) ह वर्गिक छि (विवर्गाः) (उत्म (अरव) 1159911 (लग क्षां समार्वा रेना क्षां मित्र में देव कि । मीम में में न लार) वाधा म्याम् वि: (भीवाथागा धाम्वामकण: अम्ड:) नश्बी० (विरायजवंश्रमातार) प्रमार्थी (विश्वाविकार् कृषा) लाइ कार (लाइमका मार) इंगा कि म लाय (रवम) त्रमा के मार) मिष्यार (भाष्युर्ध क्या)यमार (यामुद्धार) खिलां में हिलां (जिने या चार्या का अध्यामार) अल्ली (त्या) (युक्तावातः

(स्रोकामार)क्षक्रकार केंग्र मान्युक्त (क्षक्र क्या निक्क्या हिन द्रांमा म्यान म अग्रवंत्रा गानितीर भाषानीकागर) त्राजार (माजाराधार) ह सार्वेगार (महत्वार) तक्षांमा- शावकमश्र (मर्वेदवस्मा राजवा-नाभ- लीक्षा ही सन तरह वीए) ह आवती ह । क्रिलन् (नियमान्) राबुढ (क्या केस्ट) लाक्ट (लाचिताम राष्ट्र) लामा ॥>१४॥ लग्रं सार्यः (व्यास्था वायः) हाब्रिसम्भागारं (क्राकेक-ख्डर समागार) त्यारम: (बर्मे किं :) हत्तत । मार्थम (त्यारम-डारम)माद्रिका: (जाकाम द्वारम:) मृत्वीष्टा: वन (मृत्वीष्टाक्रम नव डवाहि)॥२१२॥ (लें साप्र के पूर्ण। रेकार सम्बार अव दिस्य : असु र हा दि न्या के कर अप । (४ स(मां) द्रमोर्द्यमम्बार्भामम्भम (द्रमेश बद्धाम-प्रात्तर (क्ल्य्या कल्ल्य काल्या न माना न नियान- महा)करो-म्ना स् किला मून (करे म्मम) नन (मन्मम) व्यत् नहा दि न्येन अस्वक्ताता क्लिन लामनं गमा: भा भर्महवर्षिकार:) बाद्यः (नग्नविः) (लाक्नप्रवन् (विव क् विष्) नपीभाव्रक् (मनी माइक (दम मिव भाविष्) विद वेदी (क्वर की) करो लिएन (बामाकिटिय) आत्में ककेकिक्य दिस क्रेक्टि (उद्भामान-याद्राय त्यासक कुक् वकामां कुक्र) वासा अर्मप्रयाम वाक्षिति : (जब भनवाभवाकि: निविषान-

मामसम्दर: नाक मिनिक्निक महि:) वाल (मार्जिन्डा) 1912 (\$12) LE 36 ((MARSYLE) 11 MO 11 (अम् (अम्बानम्) अम् (अम्बानम्) अम (अम्बान) विद्वितः काउरा निर्दे (का उर्राह: धार्मिनिए) अनि (माबिल (निर्देश) मेक्या (सक्।) लयक में अभुकाराई लास (अमस्य भूगरे अम्भू-कर्गाता) वर्ममकासवा (अकिन्ध्रमम मान्या) नेमार-(काहकाविष्ठ (क्या क्या क्या क्या) विक्रमा (व्यापी मा) काल ट्यामन मुक्क अहिन्यवार (म्ट्यानभीक्य नार) काल महीतः (मत्रामसिकः अक्षराहिः) विश्वभृष्टिका (माककः मकं मामिल) किलानायाम्य: अला व्यन व्यन वादा : व्यक्तिः (त्याक्तः)॥ ४० - ४० २॥ कार (एएरपडाय:) स्था: (त्या स्टाक्ट्र) र याप्त स्वकृत (क्षाकाकारास्त्र) दुर्काक (क्षाक्ष्रकृत्य) गर्भ (स्थान क्ष्म्र) कार्या अन्यानि-दमारक: (मकावित्र कालकावित्र तम दमार : दमार) महाक विनक्ष ने (विनक्षि द्वार) 1170-111 (क्य कासा मिल्कु माल राम में का कार्य में मामवाह । सम्बाह धामला अविका काहिए उत्म मिन जारि-मनीमडाए अविना कला नमात्र) बच्च करा पाळा विव्या मार्ड : वेज-काकिडि: द्विष्ट वाकिड: धर्मातः भर्तात्र त्मय श्रियं) शक्कांगाः साम्बद काक्षिमा अवस मालास्थि (अवस अवसम में का चार (या ता का का कि दिए हैं है ते चिता में के का मा मा का की माना में कि माना मा कि

ल्यामुख्य (ल्या में क्या (ल्या में क्या) लाम संवाद्धः (स्थिक्या) मर्भनुगम्या-ति कुन् : जामित्) ना भारकती का भाषिता में पान मूर्छ। (नार्थाणाः म स्क्रीक्षः कीजाकिष्णः (क्रमीताः विमात्रात्राः शविव्यक्षः (योद लाडिलां: अर्कामकामुका सक्री) विकर् भागाव (वंकर्)। १०-८॥ (लमरोमं:भन्नीकावार वर्त्रमणकामायामें एवं वर्षा प्रमां कामारे रामारें वैद्वात भने कर सामान द्वारा क्या मार्थाह के कर में से वह मार्था वार) मूक्टम (मार्थे (निवर) आर छ (बार ज मार्ट) यर जाल (यभान) न: (त्याकार्याममाकः) वनवर (धर्य) (धर्या (मूभः) मार (७तर , जमाने) थि जमा (ध्यानमान श्रीकृषमा) लामा लाज अव : (ग्राम :) दुर्गनिक (खानिक विमा) कथा लाज्य (काम्माल कारल म:) भा भाव (पात्र नम्मक व । किक) यव पाने (यहान डाम्रेन) ममनाप (यमनाडः) आर्मन (त्यारके) व्यमारिक (अमामा प्राक) म: (अमाक)हिला (मयना) अमर्थ: (निन्द-भीड़ा) खरम् (Gamor) (छ९ (राप) ७ त्रा (अर्यू क्या) क्राम (हिट व्य समाद) (भी भी के यह (amagano 1011) व्य (मक्षेत्रातास्त्र सः) यात्रक कार्य (१६५० विकेट)॥ ४० व॥ (अभाउरआड काविष्ट मामाद्वा । द व्यार्थां श्री वार्षाप्र टिशामिक छर् भागे भवा तमारम छा व तमा दिश व ह्व छर्दिन

मर्क माक् वा माक व त्याका मार क्या व त्या परिकेश म प्रवेद में माक म्पूर्म) ए । मा । हा न (संस्व) हिन्द (यह छ० राभा भारतभा) वसान (या कि स्मार्त्र का यरमा प्रमाप्त प्रकीकार्थः) नावर (नम प्रधार्थ) हरू ((पाक: प्रायाक द्रीत्) है क्याम (द्राष्ट्र: मैं के के के प्रांग)। म्प्रमें केंपर (काम्र सह वाला अमें व अमें आयाय) गाक्यर (न) मरं) अखनर । मुन्नामकार्मार (दिनामार) मृन्य (असर (असर) डियार) त्रेक्नेडाब: (नभी अङ्डला त्रेक्ने मामिना:) सर् के लाक देस मा हत (मार्किक पक): 100 का) देमर पका उर् (अक्षाक्) भूमिनाम केथिया (। रेखा) धर्म गर्दः (त्रेक्नेपि) व्यविः (व्यव्यक् हर्ज्याल हर्मा हरम्) ह व्यक्ति (भी दिख्न अक्षेत्र) वात्रीए (कड्डू)॥१४०।। (द्वरायनं भाष्ट्रकारं। टक्षामिक कर्ष्या स्थाना स्थाना स्थान कार्य (य) मार्भ । एम (मम) मूर्कत्मन हेन्सा (क्यरंग) अर्वरहामार (गण्यामन-गाल: प्रकाभाषाल) करें: (अक्रः) इतिवृश्वः (अक्षिविवृश-माठ:) त्योद: (अव्य:) जाभ: (भेलाविलाम:) क्या करण (क्त अकारम्म) प्रकृष्ण ज्य न नात (ध्यु न नातामि) थत्र (काम्म) रिमक्टि। (रिममा दिन किन्न) त्राम (हर (ग्रि)

अस्मेर प्रक्रामा (श्रुमका) द्याव (क्या) क्यामंग (बार्डिश्रमे वर्महाणित वा) कुल्र स्लामार् कृतः (मम्द्रः) प्राले काक्ष्मीकि (कार्विकी-स्वार्व) 11>6911 (विकास यास द्यार म पारवित । मान्ती मुकी मुकायमार शामकः नद्रा भीनं क्र ए हिं हे वर त्या न सम्मी श्रामायमंग्रे । त्र पार्थ !) मर्विलो (बीक्टक) दाववनी मुब्द थाल (माल मान , धर्माद कमा मंद्रस्य प्रमेष्यक्षियम् अष्ठ) ट्याठककृत्र (हुठकक्षात्रक्ता । क्रुक्त) उन्यम मर्यामण (वमा यम् भीण मुन्ति मर्यामम् खरी पर त्या क्रिंग) वाक्र का श्राम्मी कि के में यक प्राम्मी-जिर्माडिन : क्रूम् मा बक्कु न तछार वातीव नाविकार्) वाल मा (धवनमा) उद्यास नम् नम नम आय्यव् (उक्षि: अयते वारेका: नम्यान निक्षा अवक्षाल्य भन्ति । भन्ति । भन्ति । भन्ति । भन्ति । देखः म्या म्य छ अम्ब छ) देमनी छ (द्यापन भारता भी छ विश्व देव देवी कुछ रेकार्यः) एपन (देमनीएन ट्यूना) अहलन नाविष्टः (मकन-मर्मा आरापिछि:) थान अस हरेन: (किल् सून र्रम-क्रम् क्रमाति कि कार) है दक्र (हिरका में कर नार मारकार) हैर-कामक (९९० : के सम्ह के करा)॥ ४००॥ (मृश्किकांगर अल् लिमाल करमां क्या मूदारमित । श्री कार्या मालिडा अठार । दर मार्थ ! शिन की क्टिंग ना भारत्यां निम्ह भे !

क्या कारुकतकुष चाक्रामाम कार्य कर के क्या (सम अज्ञायर) अक्षेत्र क्या क्षेत्ररं प्राक्रमाम कार्य कर य काक्ष्माक अव : क्षियमा (मामरं) न व (मक्ति) हित- सुत्रमा : (वधावस्ता : अम्मन्मिमी भक्त राज्य के वाप्त) मार्टित (ममकात माम्याएन) म्रेट्ट (क्सामक) प्रमास (माद्रमास)। इस । (लाया ;) बय (वर्षमान) व्या (लडर) शहावं (विद्यालावं) । अवसा स्थि लहा ववं (वक्रीस्पर्-केंबर) मार (साम्ताप्त मत) अमः (व्यावसक् अपर)क्रायामी (क्या माम्बार्स 'क्या) त्याहिः (वर्षा न सकः (वरा:) वर्षा न मर्केत (कमे सम्पूर्ण ' एका) ट्यास (त्यमं व्यक्षा,) वशुमाअं प्रवाशीन (अ) अत्यान गाढ लाकाम क्या) हवा (वर्षावाहिका लेख्यी) विभागविश्व (विसे स्पन् क्या) मिथा: (विसे विसे प्रापः) उल्यम् राम (जमा मानात खरक)॥ २५ २॥ (अभ मित्यामामभार)मामान (आनेमानगर) भार्वः (ममार्)हेल-ग्रमः (ब्राक्तमा) म्यामामामा नवमा (ब्रायमा) ज्ञाहा (क्रायर अकाममाना)का थाल (काहिए) त्ये क्विन (विकित्य काय:) मिलार-माम: रेफि को कीए (क्या () ।। २००।। हेन्स् मन-हिस्कान्तामाः (हेन्स् मन ह हिस्स विहिता कान्न विषया:) रूप : विष्टिता: (विष्ठा मिलामाद्या (दिना:) म्बाः (विमिकाः)॥१०१।।

(ब्लाम्यूनामात्र) विनक्षने (विकित्र) माना लेयमा कि केल (लाट्यक्षकारं प्रविकार हिस्सा वियमका (एक्षिक लार्वन) द्वासी प्रमाद (व्याद)1129511 (स्थित्र) वास-सक्कार्गका (वासकसक्कार्य लाष्ट्रिक्ष) केष्ट्र केष्ट्र(काण्ड्र) (ब्रियामंत्रम् । द्रस्य : मेर्क्ड्रिकाउँ र म्यूक्षण र । (य सका ;) सा क (कम्मिन इस्पार नामार विषत् (वहमेरि), कृषि (क्रावि) क्रक्मिक (क्रायमणार्क), क्राहिश (क्रामिश) था हिमान ममुम वर्षी (लाड्र भावाकु विवातिका सद्य) माक्प् (तमाव) स्थाप (लामकाव) लासे माठ (स्थाव । नवड) आदा (१ (१) द्विता मैस समाम्बर (विवंत्रकासिक केम्प्रिम केम्प्रिक माहिल यह) कार् का प्रभार् म दिए (मायममुख)॥>०॥ सामुक-साम्द्र (ट्याल्य माटुत्क) बेब्रागालि केट्य मजेब्रम्अवं पट्स (चाटि याट) शहाता; दृत्तं दुल्ला पूर का तुं (अस्टूं) अनुका (म्मिला)॥१०४॥ (अभ हिनकल्यार) त्यक्रेम (नीकृष्टम) मूर्मालाए (स्कानमार्मात मार्ड) भूट्रवामा छम्। स्टिशम-अमाभिषः) द्विस्यम् । (विविध्यायमुकः) विद्यालकारिकः (भित्र हेन्किकेन हेन्किम भव काहिम काइ दवा अर्थन म:) र्: सर् : (लावन् दायर भः) जर्द हिन्य म : (विमार्का पिटिशासापः) अम् द्वः भिन्ना द्विष्टः विवाद्वा का स्त्र प्रवादाः (विक्तूः टिका तु: प्रश्वत्म भ) ध्यवत्व: था हिका द्वेष्ट् ध्यावत्व: प्रावित्व: ह म्बद्धः ह के के प्रमाणं : (मणाना का क्षेत्रः) क्षिष्ठ : (त्याकः)।।०००ममन- भीका भी: वह: (हिन्न मं:) मना (श्रीयहणत्र मन्म-॥ ७ १८। (: क म्लाक्क) : वर्ष नुक्षम (मिक कर (गम) लाम- लग्ड हिनाम में : लयड मालाय त्या हिमी हमदक कि-मूर्हनः (अमर्भाष्टः अमनुभाष्टः हान दोहिनीताः विहित्र हान-सम्मान हस दक्षितः छ वृहः स्मूष्टनः प्रकानः वतामेक् य अकार में कार्यः) हर काल (क्याल) समाक (क्रिक्टि) اا عود دا عادمه (वस सम्मेमार) कर्मेरत्त्रोसम्मेम (क्यंग ह अस्। १ सरः प्रका १ वर्गकार) लक्ष्र वं प्रसेत्र (लक्षा १८४४) छित्या (म्याक्तेतः लिक्नु अप्याममावः (लिक्नु अप इपका क्ये हममावः वर्तरः) मः व (वव) अवन्नः (रेक्ष) भिकार (क्यार)॥२००॥ (वर्षाठ्यंत्रः । ज्याममें यह सम्बंद वामावह मात्रामा वर्ष के वामानाक-गेष्ठी व्याच समय क्रिया समयं क्षेत्र भागमात्त्र मक्षात्य सामर ट्र के दिवार में टका मिला सक्षेत्राम अप्रकी में बेम्मी नित्ता नात्त्र उमर्थी व पत्ती मम् कु हमना : श्रीवार्थ अवसू छ । ति) विकय-विका! (किन्यमा मृद्या वाका। त्र) भर्षे मां (त्रमवं विदं) मभन्मः (अगमाः निकृक्ष व्यममा देखार्थः) कृष्टित्र निकमाना-कुट्टूम-अम्मिटिः (कृष्टाक्षणः विम्निकामा विम्निकामा भागामः वस सम्र देश्यः तः केर्याः सः सम्पर्कत्रम् त्या दिः

क्राक्टः में अत्यासिटः) मः (लासाकः) लाष्ट्रीं (१ वपः)

सा स्था (सम्मक्षित्र व्यामार्व क्षेत्र केके)। महीमादः (यर्गार भारविल्याक्षा भेर भारतः मः मक्तान्) जनमानित्री तार (जामर भारती तार अधिरेत्रीएई) रासाई (कर्षेत्रह) दर्व (मारसार्वे। वर व यहा समारत्व देवातः)। मना रेवः वेठ अर्देतः (अध्येतम् वर्षः म्ब्रिकियो विमा मामि (क्षा माना) विष्माः (रिष्मुन सर्व , भन् की भए वर् क्वमा क्रिमिला मा काकी कारवन कामि लें : जखर्मा जिस : जमा बिरु मुने दिया दिविष्ठालें)॥ २००॥ क्षण (भाग देवाहित्यान) (अभ अवित्रा मिलमाय) अएका : (अक्षिक्या) मिलम्बा-मार्गे- हामना मुल्यादमार (मिल्यान-अल्यादमार) मार्यहक्ष्मा आहे: (क्या प्रक्रम्थ) स्वार्क (विक्य): यः) समयतः (क्ष्यकाः) (क्ष्यकाः) (क्यान प्रमा म केंद्र केंद्र महिं कीवा क्यां की कार्य क्या) प्रकार प्रकृष (अक कार प्राय) या (श्री या) समाविती (प्रायatte metales winder (वर्तार क्षर) क्यारक (वर्ष्या: मः) संसम्मः द्रव (द्यार तमा से सम्मः सम्मुः सकेट लक्ष्मेत्रारं व्यक्ति का का के क्या) लसाम सकेट (चक्रकास्त्र) मार (मार्गे) टमार्ग्य भी (टमार अम्यार) लम्ब में यह अमें में ये ये थे: (व्यम) वळाल (अम्बोक नाम)। अभा कर में (त्वन क्रमानन) व्यवार-अमर (क्सा मिल्मा हर्नकममर) अविहर्नि (स्वर्ष)

वर्त्ते इंगिमीकारः)। काल यह (कारा ! प्रानमा)वि (तृतः) डेडम: ट्यामन त्रिः (डेडम: ट्याम केल ब्या: प्रानमान प्रान्ध-प्राच्यानि टेकः) अल्हालाः (कायमे हिला प्रान्धी- व्ल् लिक्क्क्नीवि प्रान्ति)॥२०१॥

रात: 1150 का। (भर कट्टारक्षम् कासमर्थ सः) क्ष्रिक्काः विश्व सं (५७) विरोधार त्यस्तिका त्यात्रीत्त (म्यात्तिका क्ष्रिकार्य क्ष्रिकार क्ष्र

क्त्रुगिक इस्टेम्स (विधामानि)॥ २०४॥ (लूम देक्य मियर) अक्स महिलार (भक्त : महिल : किस्मेली त्रमा : लग) असी गं डातं : के देख ला गायं (क पढ़ ला भी व्या) सार्थतः (लर्धनंत्रा सद्कृतः) लिसा क्रिस : (क्रियो लग्निस : व्रियम्भरः) E क्षानं: (मा अपनः) दिल्ला में : (मृह) भेटमे (क्रिय) 1150 811 (बर्मार्यम्मः) पिषि (याम्) बृषि (द्यान) द्यागार् (द्यालन) ह का: । ख्रेंप: (अह) था: (। क्रेंप:) कल दे के हिव का म क्र- विल् स्त्र) ्क्रमित क्हित्न प्रतार्वित शामन क्वा विक्रमा विभागन त्या क्या) वर (वस अकिक्स) में बाला: (रेस्टा:) साः (कर्यमः)। हिट्ट: (अर्ज अभी:) त्रा ध्वेष्वल: (अप्याम: CATO) SALLE (CHARO 22) ATIO DI (MILLEO पीत्रातार्का वा (६०) यं:)। का लि ह (किका) देखमः एतार्कमनः (डेडम: एक्सक रेंग्ड नाम: कार्टियातः) कूमने मार्भ मह (तीमनन-मक्रमा हिन मुक्ति नव मार्थक:। अक्टक ह ह मुक्र मा हाकार मद्रमण (रेम्मण) लग्जम्बर्धिया (डिवंक्यव्हित्र) व्या (अकिक्या) ल के वस्वारीकुः (ल के वस्वार्ष-वस्तर) दूरि: प्रक्तः (२००) नर्भव: 1120 911 विभवन छात्रभावन धान्नित्र व

(क्रेंग्रवंभूभ । प्र सम् । वर) । अवंत्र (भ्यमकेशक केवर) भारत (सस क्वंप्र) विसंख (लोबा) में के स्थि (सकामार) करका (के प्रकाम वार के की (काला) हा ह कार्द : (जिल्लाह-बेटमकं (म :) प्याद्य : (विक्रमाह:) लायमन्त्रिय: (लायम्-अकारः । ली कि वया :) ए (क्रार) अत्र तामि (वय सर्मि भीमार्पक्षर् मामात्रीकार्थः)। अकृष्टालाः (म विकाल कृति देलकृति टिला प्रमात्रः अक्वति देवार्थः। मः) देस (आभीत्) अकृष्ड (अमा बमा कृष्ड वन्य (माद्यार्थः) सिश्की लड़ाम छा ना त्नाका : (अविकाक - नूत्र- अवि - अवाताकाः टमार्भ : अमामिछार्थ:) राम्स (पार्वछाक्त या र 100) लाभीम (बाज्यम क्रीक क्रिक) निरं में मक्षानं (यमावें त्यामां थानि ए तेव किछिए जय मक्सममिष्ठ) 1120 111 (धम अवन मुभार) भन (भामिन डामारे) दिले (भीकृतक) काविना-कामिष्ठ-दंशेर्डराष्ट्र (काविनाक कामिष्ठक दंशेर्डराक (solvestin Lerite : Desso) solvestin Costerno (bute (अक्टें (अक्टेंग्रे सर) हिला (हिल्में) देन देखा (गुपुता) मः ध्यमनः (२७) मणः (भविकामः) मणः॥ २० छ।। (वर्षे ताडचन्त्रं। ८४ त्यत्रं।) गः (म्युवास व मक्ताः जैक्क्यम्) अमुक्रु रिक्री (मुक्किया) कार्य या। भी विमिन्टि : । शाला नार्षारा भी वाममान न रही गर्भः) भूममें (कार्य देव छक्षः मन्) वली व्यन

(अमन्यालाः वालिमः) विकासि (विकासमः । किन्छ) क्रीकिछः (क्रीयमीष्ट्रण: प्र:) काद्रयानार् (कारमन प्रधानकार्)। द्विपर् (ज्येमाहर में ने ज्य प्रमार) प्रक्षार (पात्रा-क्ष्रियात उमक्रमार्) अकृष (कृष्यान्। क्रिक अखारान भूमक्रमाने सममक्षः) आद्भवर (काकवर) माने (लुकालवावर्) धार्म (द्रिश्मिष्म) प्राप्त यमिष् (वानवासण् जप्यावाधवाव-स्ति)कारमक्र मेर (रिलम यम स्) = वर (क्य वस्ति) आमिज-मिशः (धामिजमा क्रक्वनमा कमा मिशः अनेरिमः) अतः (अएगननः नामीकार्यः। । अवः) उट्क्रमर्थः (अमारिः क्य कमार्गः काल्यमध्ये व्य वर्गः यामा) मैस्रामः (मिर्ड्ड्रम मक)ए । थाडिक्टे अम एम जलिंदि अवर्थिय इत्यं न प्र इक्क वहमा हाक्वाविक द्विक्षकार्थः)॥२>०॥ (कम कार्टसमिकमार) मच (मास्य बास्त) ममासार (मास्नेन) लाम- ट्यामपार (ट्यामपकांचकत्रार) क्योर (बट्याक्येर) क्यो (अक्किक) जात्मिहिनी (जामतामान) मानूमायर (अनुभर्मन अन्वालिन मह) ट्याका (ग्रेज) जर वास्त्राञ्चल दिवर ॥ २>>॥ (क्रमात्रंभमः। (त समनः) यम न्राविष्यी नाकम भी प्य-विक्रो-अक्षपन-विक्छ-चन्वर्माः (यम) अत्रविक् अविक्रन-टिकिल्सिव मीला टेमव करिमीयूमें असप्रास्त्रेने कालिमू अपन

जमानि । दिक्षहें सिन्तु: जमानि मक्तपन् । किव्हिपामापनः (छमानि विद्वा विलासने अल्ला इन्हर्मा : औष्ट्रमानि अवस्वत्मी अ-कुला दिसी (एसार (ह कम्पून:, प्रकार) वितरें : (वितरें -व्रापा:) मीना: वसव: विश्वा: (वाक्रेन:) नवाप (जिल्क्रनेनव) मुम्रं (रेंस्टरं) र्यक्षितः (स्प्रियात्करं) द्रम्भा (असा) देश (बुमाबत) डिक्रम्पा हरोडि (मार्क्सानकरे-डिक्स-मार्वे-भारित्र असिक्ति)॥ २>२॥ (अम आम समार)यम (भमीन लामाने) निर्वाचनार (त्यमार) क्या (मीरक्या) क्षिणार (त्काहिनार) amends (भीलाकार ?) १ (कमा) हम्मे (अमं प्राप्टिकान) लियोर्थ मरवें १ (लयेक्ट्रिश-म्भपामक) की छिड् म: धामक धानतः : देपी विछ: (हेक:) 112>७॥ (बरेशायनम् । व्य)द्रवास्य । (व्य सिमक ।) केन केस्य न्यः (केस्क अर्थ यहाः 'अत्भ. मीर्थ स्थाः) लाखाः शर्मि देख उपर कुलिक कुछ (कार्य मा क्विमर भीवर) रेव यथ् (जमा) विकासाम् छ (क्रिवहनमान) अछः (अक्ष) देव ज्या हाया: (जाण में यो स्थर अक्ष :) व्यक्ष (अत्मक्षावर्) । उन्नाम्म जी च-मावक्षः (उत्राम्भ-स्मिलं : वित्र : सावक्ष के कामकील गमा वासमा मा।) २०९ (छमा छर ह का अधिए) प्रमुख: (प्राणीय रेका रे!। क्यान) अम्माका (अम्मा वाका) हर्ना (क्याना

त्रिय मूलका द्वितिकार्यः)॥ 238॥-(कर साश्चार) गत्र (गश्चम हामा) में श्रेशिकार से हार्य (में श्रोधः द्वालावः धाकाशिवंत्र भिर्मेत्रीलात्म स्मेन व्यार्टिति) क्षात्र (क्षीक्टक) आहा: (मन्नः) म कर्रा (म त्याना) रेक (नर्वाकार) मुजसमापत्तर (मुजमा) समापत्रत्र) धानुकार १ (अस्ममंड)दुक्ट (त्यत) स: मारु म महः (व्यव)॥ 5> ६॥ (वर्षाप्रत्या (द) खित्रका (स्विकिंग्य) स्मि विं) जैयः आमाः (प्रम्वाक् भवा कि जिर्ला अमाम् छ ते) त मन भवा कि ल्यम्मेख्र प्र: लच ल्याक्र: 1 हें) त्यम्या (यरेक्रुमेक्रिक्या किं त्यास्वः (यद सकाक्षं त्यान्वः। व्यत् 🕿) लणः। (य त्यर-लाभय । वें) कि (सस) साम शुर्म : (काम के गुर्म :) कास (एकाम । एए:) किल् धनकार्य (धनक नेव्यम कामग्रम ७९) वर्ग (रिप्र रे) लाम समर्था नाव समन्त्रामाव वसे र समा म्कारिक । (इ) त्यामां (हैं) कर् (त्त्य स्थात्य) लामाय द्र (मजेंग्यगात्) मैं की अमे से लाज्युर (मैं की कर में से सिजेंगु-लाया तथा बर्मान्स्) यताम (कामान्याम)का: (प्रका-मुला) वर्ष: महत् (मर्वाते) माकः (एत मर्) देशमि (वक्रात्र) आसि (क्षीवर्मटवक्रास्त्रमा वर्षा । यमा मः सिर्के म बहाद द्या अकृतिय नेवान् हैं के के वेसनेवान क्य क्रममान (तर्विकारी)॥२१७॥

(लग राध्याम) मा (माभ्राम् कामान) लास्त्रवाद (अवन्याद) मलासी भेर (लाहीए न सर) मर्टन मर् (देलान मर) मर-मामाई (मामाय मड्) (सारक्षे १ (द्रेक्ष्मां मड्र) इ डि: अकु: (क्यु केक्य प्रक्रतक : का और एक्ट्र) स : में का खें : निमम्ह (क्यार)।। २>१।। (वरेसाउनमा । क स्कां) लाक्ष्यं (ख्रिंग्यः) लक्ष्मा यहमाग्रे (यमकारे,) लाहि काल यह (कुट कुर) । मः विविध्यात् (विवृश्यः क्षीतम् ग्राम एवतः विभा) यक्त प्पाणानं व सारात (र्यामीलाल सराम कार्यान किएं) र म: मुक्कि कि का कि की ना कि का मिन के आ भामा के ने किन्तु नी केल (सिक्स स्थान) यः (क्षाक्ष) कम्पर मीए (द्रक्षाम् किर्) १ कसा (काभी में वाप्त) में (याम सः) वास्त्रमाम (लक्क शिरामारम मिस्ति के) है यह (स्था गर्ड लामारकः) . मेसि (मक्षिक)कम्मोर (म्यामकोर्)॥ 520 ॥ (स्म माम्यामा र लाह कर का वसा के के का ला क्या का हा हा सि कार व्यापि-मरा डावा का मार हावामा मून्त(ध प्रांव डे न्याप्रभीत:) भवाप (त्यारमार्ग्न) वयः (इडस) अमर् (अक्सर :) यारमः (७४-प्रश्रुक : भारत)। इनमिनी प्राच

(लग मार्यमाइ) उपाहित्रीयावं : (उपाहिका: सावमरेलः (कार्यः) प्रके चारवाद्मात्मात्री (विकादि-धश्राद्या हामः द्वाया माम्प्राप्त मका मामाना प्राप्त करा) लाक रास्य : (व्रक्रात । म ह) संबार (स्मार्मान) अव: (ठिला द्यकि)। य: (अपन्य: प्रमे) प्रमा (निव्ह्नर्) श्रीकार्याभाष् अव (क्राहित्ह : क्राहित् विटि:) बाबाद (सकामाक भागासकार्यः)।। २००1। (बर्गार्यम् । टर्लाम्यामी मामीम् भीमार) व्यास्टरे : (म्नि: अन्ती अभाक्षी ह जाए जाना हिनामा देश मानिकारी) लक्षानुक् (क्रममधावयावाइक्) अपनिवृद्यान सामन् (इसनंक्ष्रा विर्माण; हत्त्वास्त्रान; मामन् वित्वविष्ट्) . सूर् एक (अंडि) थान विकार्ते (कोरिक्ष) हेक्र हर (प्रधानर) निन्निकित्रि (धम्म की छिना भिना) मार्थिक्स (क्य क्यर) मास्यमं (हमंद) स्वरंतर दे विशेष्य दे) सारात (सर्वास सास लाम वास्त्राल वाक न व व मी मार विक्रम (मूर्) जनामः (विद्वान्गतः) १७-मनमवल मस्ममः (कातिकाम्कनार् मस्मदर् धान्महर्) प्राप्तकार (सक्ताना-स्टापकः (मामन अर् कक्षार (राषाः धमन-अम्।के- हुमुना निकंत्रापि-मर्वमूथ-अविक्रमात्र हा कक्षाक (श्रावा:, वार्क मर्कामनाश्मानक-शाक (राजा:) अप्रिक् (अहिनीयः मिक् असमिन्त्रेर:) वादा-प्रमूक-

विकार्यता: (अविश्वाचा-क्रकात्मः) अम् ७० (विहिन्दे) द्याव न्द (हार २४ हम: क्) त्मीमि (स्ट्रीमि) ॥ २ २०॥ लच (लास्य सारत क्ष्ण) अस्मांग : लाताता (ए व्यान्त्रामार भेक्सम धर्मा विकास कार्य के कार्य कार्य कार्य (कार्यका-ध्यक्त कमा)सतारकारम कार्स (म्बेबाक में दिलास मकाल) वर्गभ्रमाजाशिवस्वारं : (वमा अकिकमस्तिमभा रि भक्षायर विकासायर कराक्षायम कर्षायसमार्थि श्वारंग: अम्बंसामात्रा द्यातु)॥ 55>॥ (क्य लातात्में हाल अक्सिमारवंति। भ्रांक्स त्यावस्त पानगर्भनः अक्षित्र) वनभानाः वीक्षानां जाः शह त्मकः भाटियात । (ह) वसतात । हा (हरं) लसाय विभाक्ति। क्याम सन्: भाटियात । (हरं) वसतात । हा (हरं) लसाय विभाक्ति। कामाम् (माम मर्मेष्ठ) देम् म्यू: (मक्दमा वी बर्) भविश्व का (क्लानेंगेरे) सरावि (मिलाने) समार (क्या यक्षेत्र प्रक्रिमा) विष्णाम (विकासमा किल्मि मा पुर्) विकासि: (विश्वकामिनाडि:) ब्रम्यमिने स्म्याडि: (ब्रम् एक्स कार्टि: धमारिलामिति :) प्राक्षं (प्रश्) किमिति (क्यर्) माभाव (म्मर्केट) ७० (मामकार) विदियर वृष्ट्रभात्र (क्रवंगर्य)॥१८२॥

(मदाक्ताला भि जर्मभयायामा व सुवि सूदाय वि । मृक्षेद्वी ! का कुट मामुभी वर्ष हैं के का बाका लार । प्रा.) मामुनी: (अववाक्ष्याः) - वव) भूत्राः (स्त्र कामाः , वम्म अस्ति अवस्थाः। ग्र : दा:) वसन्त्रभावक्षः (वश व्रेनम्कूमभागि मस्यम सम्बद्ध कल्लीड्र मात्रार् छ : ७२ मछ):)मार्स्डा-क्ष्यमाख्टिय (राम्बामः अविकाम्मामा सम्बीमाप्तः) व्रकाविक (वनविशाव जीक्कमन्यमना वृति नियान) दुक्यानं अटाइ बाय अविक तिय (राम्क्यतिकास क्या क्षेक् क्या भरा है से का ता के के कर ता दिन की में के इस्मिन) व्यानम-क्रिक (व्यानाम् म्रिक क्रिक ह) मिक्सडा: (विल्लमण् कूवर्माना: प्रछ):) जमारिए (कम्मनीछाए) जर: (अस्टिवड):)1122011 (द्रमारवंत्रा किंक्स । ज्ञाक्स चाल्वास्तर । (प्र) व्याच । (प्रार्थ !) इह! (अट्या!) त्यामना (मूक्मादी) अमना (विक्रका) रेप्ट धामडी मूबा (अवर्ममामि) कडब्ए (किल्मिमिक्) भूक्ष वर् (काठा बंद) दल : (दलकार) व्यक्तां (व्यक्तां विवर्ता । ममा क्षमः अखायार) या (देशानी श्रामहीक्षा प्रही केंग्र) टमाके अडिन मर्ना भेष (अर्क सम्भर् मार्मिर्ट) जमान (क्स्म : कर) दुनम्पर (क्युम्म) ॥ 578 ॥

(मार्म (माम्हाम) वन वन: कः वाम (व्यक्तिवीयः :) विचितः प्राप्तः डत्यर (विश्वनास वू तिष्ठार्थः)। यप्तिनामाः (यम् यात्मम्) विचामक्ताः) मर्था (लम्लाक्रमंः) विकासीला: (विका: अविभने द्या भीता व्यानमान हुम्मनपा):) विनाभा ह विनामा ।। १२०॥ विनाभामा विनाभामा । विनाभामा ।। १२०॥ विनाभामा ।। १२०॥ विनाभामा । विनाभामा (द्राक्तमा डिट्र)। एवम (क्ट्रमा) आसी (माममम भड़ि:) मनिमा (खब् एव अ अक्किम वा) थान धम् (वर्षा छर्) निर्मकः (निर्मावार्यकः) अका (cum) म टावर 1122411 (रेमानी श्रामे का वस्त्रम्य स्वमत्त्रमाती दे कराम तेकाहिक इक्राइ) अहिर (कराहर) ग्राम: लाएन (क्रमव द्वेंग)लय-दामका आमा वर स्मा: (सर) भन्दा मचन् मामकर क्रमण्डि १ क्रमणिक (आरमिष्ट)॥ 55411 шक वर अय (अभित्) आसि वारिकामिय श्रूविशास्त्रा लाम सकद्र (लाड्स हैक्ट) सामस्थान स्थारिक 1155011 उत्रामि (त्माभी भा: भवा: (ढेडमा:) डावाडिया: (छायटलमा:) ह मार्केट भूगे हि (अकामा ह) छा: (छात-(टिया:) क्वारमाध्यवम् (ट्याविक वक्त्र) महस्रा विग्र) रेप (लाम नाटि) मलक (ममने) म करिन : 1122011

याद्वावकार्ड रेका लव वैसान्त्रकार (विस्मान्त्रकार द्वादाः) म्ला: (मिन्ह्ला:) गडि-ट्यामा: व (ग्राले ट्यम्पेन ह क्यान माम्यम्प रेट: जिसस्मारं दिश सम्बी ग्रां सम्मारं के " वर् (अभि) ज्वीन : (डावा: , कि) (स्ट्रापि अक्षेत्र (ट्रह-मात-अम्म- डामार्रेडा(मर्डे) थुड़ा: (द्या:) क्रिके कला सुर्द्ध क्या अति हाति दिलीक्षाः (डायाः क्रिक) त्मारमादिक (टारिक) म्रोरेष्ठाः (डावा डवार्ड)॥ २७०॥ इंगर् (सहावन्याम्कामक कथां) सामुक्त क्षिका (रैमान्वहासुमामेरात म: क्यः त्याकः स व अस्त्रेन इंबार्: । आरोम पत द्या दिवादि प व साक्ष्यिकार मंद चिनेस देखि दाव:) प्रक्रि फिल्मका सक्र मेरी मार् (फल्म-कास-भाषाभीमार) (अमेमिमार्टिया : (त्यक्रेम् स्मितिय क्षितिया) क लाल (क्याल) नवार (हारानार) विलर्ग : (ते लरीक-मान)मार (दिरा)।। 20>11 (हेकामार डावामामामायमावसम्बर् मिकितानि) जन (त्वम् डारवर्) लामा (अम्बर्मी) वेडि: टक्साइसर (टक्स कार्र डेरें) श्रीमार (टिया) ममन्त्रमा (विष्टः) लर्च रामा थार (लर्च बागलार कर सामार 'टमा) सममू (इकि:) वव डायाडियर (छावणर्मडार मीमर)धलन्त (मार्माड)।। नर्मायभ्यामार् (क्याकिमानीमर्)मिष्टः अनुसामा हमर् (अन-माम अप्रें हार) हिडिं (निकोर) महाडि (आर प्राणि। किंह) टक्यू (मर्भवम्त्मार्यू) वर भूवतापीताः (विष्ठः) छावाद्वाः वर (डाकमर्पत्रहासिय। भेटिए माग्रावि)।120011

(३७) विक्लितः (लाक्यः)॥ र॥ भावकः (महिममारे मैकिकावकः) मः (लावः) विक्रमहः भावकः (महिममारे लाभुक्ष्यक्तिवाः) मार्गिकाल्याः भावाः (मार्क-भानुकातः)। मुकः (भवस्रवः) लाकु लामाव्याः भावाः (मार्क-भानुकातः)। मुकः (भवस्रवः) लाकु लामाव्याः भावकः (लाम्यानुकाः)। मुकः (भवस्रवः) लाकु लामाव्याः (मिन्यल्याः) मार्गिकः (भावस्यवः) भाविक्रमहः । (मिन्यल्याः) मिन्यल्याः । ।

मर्) विवक्ष (७ (र्क) विकाय स्मार कि छा ।।।।। भूग्री वा भ : जमा भाग : क्षिम कि छा १ रेडि जी भ अगम : ह रेडि हर्ष्ट्रार्स के : विकास : क्षित छ :।।।।।।

(ध्यातः) मः व्यवस्थाः (इक्ष्) द्रिष्ट ॥ द॥ (ध्यात) व्यवहः एस्प-स्वन्। एस्प्रस्तिम्। क्षित्रस्तिम्। क्षित्रस्ति। (ध्यातः) व्यवहः एस्प्र-स्वन्। प्रमाहिष्टाः । व्याः (ध्याः व्यवस्थानम्। व्यापः (स्वत्रस्ति। व्यापः) (ब्ब म्ल्यमार) यामार (ब्बक)। हात्व ह स्थाएत ह क्रमा

(छच माभाष्म् नम्मार्वि। विकि: विगमम्मर्थः मर न्यागर क्रमड ् श्रीकृष्ण् वन ही- लान- क्रमार लमा ही- श्री वासा विमाश्रर् आत्र। (र मार्भ :) रेन्दीय द्यापवं-अरशपनं-त्यम् व-न्तीः (रेन्दीयव्या भीमभामा यव दे प्रवंश का किया कर मर्भी स्मिन क्रिका भी: कार्डिपेम म:) म्बर्कतक्ष्मितिष्ट् (विभम्रद्र्यत-बाम्सम्भर् भीषामिकात्रः) बात्रः (वसतर्) मधातः (क्षावंगनं) आमूक एमे किक-मतायन शान वका : (आमूकानि मार्चानि स्मोकिकानि मुकारकानि एकार्मरामाराम हार्वा सभाम ममा मः)लगई कः ममा (वक्षाः) समार (विश्वास्त द्वारः) लयम्मगर (कासमगर) क (काल 11911 (हित्यं पर्णतम्पार्वि। श्रीवादी श्रीकृक्षम् प्रिमात्र। १ म्या का) एक (विस्तायक) किल्माक (कर्म) में के म्ट्रिंग (यम्प्रम्मर्) निर्मालयमं (निर्मा क्रिंग हेरि (नर्) अविभन निवार (अविभनानार् वाकानार्) विश्वासार् विश्वाभार् प्रग) विनामकता किए: (विनामकल मशी डिविना सन कृष्ड हिम्बरि आं केटा सिमिकः) हैं अमिकः (रेकः)। स्ति। स्ति (लारा।) लाक्याम्नः (मन्त्रम्मः) वग्र विविष्-व एवा वाक्रे व्यामा-कमाभ विकामिन (निविष्क्र काए बातवार)

कारा करा भर किया प्रमुक्तिय प्रकालन (मिथिड: अभाए: इड्याचकि: राष्ट्रायम देव लामाक्मायर । लामात्रम् स्ट्र किम्मर्ग ह स्यापंगाह मः य व्याहित्) द्वार क्यार (क्र मकाद्वे) जातीय: (अवनकाम:)॥ ५॥ (श्राम मर्भनम्मार निका । हत्रायती अमामार । (र) मर हिंगे ।(मंग) म्राम (नि मार्ग) कामरी-आगम नीवा (कामरी प्रमित्री जन्द न्मामर क्क्येन श्रीयर समर्थमा: मा ज्या हुन काहिए) यानेर (मनी , किक्क) जमा: (प्रमिष्टः) जी ए का निष्म में आ एक मन वह जमवक्ष्यका) भक्षी-क् क्रुलामा (भक्षी महास्र्र के अदिवसक) रिक्स (११०) क्यार (भ्रम्यी के अभ्यानार) कालिन ज्या : (कालिम ् लीख वर्म ् क् ज्या ए प्रशा कर :) कार : (यास्व:) अवीवी (विस्वत्याम्) श्वास्वान्तः (छिप्रिय पूर्तक्षा पृथे:)। मः (क्वास्तानः) हक्षाकार्यः (म्म टक्सीम , अटम म्माराम् मासी) मार पाम मार्ड (यात्रिष्) रेष्ट्रम् (अन्तिसम्) अखोरपी (अव-केटार कामूर इंटि) हिन्दर (लान्टम्म)॥१॥ (ध्य अवनेवार) गर्न-पूछी-प्रशी-वक्षार (गर्मन: क्रिक-मावका: ते छे: समाम तिकार ब्रह्मार समार रेमा) भावातः . 🛎 ६ (मभीकामाम) अनिः (अवने) दिवर् ॥ २०॥

(क्रें ग्रेस्ट्रिंग्र अवन्यियार कात्र । एक्रिम्मां स्थी लामार हि) मार्भ ! न्यूपते! अन (अभीम्) वानिवर्ण (मुडिमारेकवरम्) मामक्षाहा प्रथमात्री (जीकिटक सामक्षेत्रा धना मस्यो म: मिल्यां अवाश्याः कृतः वर्षिमाग्रीः) विक्रायानु (मक अमे संगी : बाम में हिंगा की की हिंदि किया के ते हिंग के ने कि ति (वन) छत् : (अवीवर्)क्यर (त्कन ख्लूना) भूनककू लन (त्वामाक्षता क्रिया) क्रिया वित्रक्षता (विष्टिया) धामीर (MRES 418 Cd) 12 (BAN) 1122 11 (म्बीबक्रार अवर्ममारवि। इन्ता अवक्रमात्र। (त) मूक्म ! क्रमण वर अमलं (अम्राप) धारिमु (व (धन-कार्वि सकी प्रक्रिया का विषयी (क्रामा कर किंग्सी (भाभी) पूनाकिषा मं का (द्वास्माकित एरम वा विमा) महाभी (धरहरहाई: मही) कम्म है: (अग्रेम्स मुक्त) कार्स अम्म नम्म कं के के विशेष अम्म सक्ती अन्म द्वाराय कृतः कला धनाः मा जमा मही) वर कमाविष्मक् मकें (मिल्ममार्गेष्ट्) म लक्ष्मव (म सम्मुन्ह्र)॥ १२॥ (मगीयकार अयर्भ प्रायविष्ठ । विभागा श्रीकृष्टमात्र । (त) क्ष ! हे सम- ह (काम (वाहना (देसल ह त्यान न न न मन) प्रश्री (स्थाना) मायर समाम्भर (सम ममार) उस कमार (हिन्छ-

याकार) दुकामी (मान्वर)) खायर (व्यावहा) प्रियर दियर (अबिफिन्) भारतमा (अन्दकातीना नहीं)रेव जानवर् (* meis) and (note) 11 > 011 (अभ भीखार अयर मामायवि । मामार्था अम्मीसम् । (य) मार्थ ! किली मिल्: (इस्ट्रिमन माधक क्रा काट्डा सम लिल्:) प्रकामि (मडागाः) अवीत-भी: (निमूत्रमिष्ठः) (वितिकः (मित्रामकः) मार्नि: (श्री नायम:) छम् अ: (हेम्नणाक्ष: मन्) मनः (अग्री वर)सस नगरन (त्याहमण्यरं) द्रम्मनी (द्रम्भवाक्तर्त्) मम्ममं (केंक्ष्यं) कं द अवीम्मा (क्या श्वेत्रं भुम्मा PMMINIE) 11>811 इंग्निमानि (द्र्ष्ट्रशाली) (यावन : (कान्नी हुता:) त्य लाह त्यासासाः संबा (अवतः) दुकाः 'लात (काश्चरं) मर्ख्यात्म काल भीतं: (मिमार्टः) (क (काहत्मामा):) Namers (TALARTS) CRIVI: (CELEBL:) 11 > 011 लाम मान्य वामयो (अकिक में व्यामको) मात्रा (मात्रा-माण्डि) मसुवि (मसायमार गाड) थानि थार्ति (अमन :) र्मेमाभी मार् (वर का सामार) चाप (मंस्वाप) टकारक. (बिनेट मार) हाक्डा (मताशक्ति) कार्का मार (कार्यक्तन ख्राप्त)॥>७॥

लच (लाभुष्र जंक्त्वात्म) कार्षः असे. लर्था ज्ञमः क्रमः (क्राहि:) निवरित्ते १ मूका के नामि (निवर्तः क्रमः छे९ मूक)ः (मेमक) हिसा समा नावा स्पर् (आमन्त्र) सिका विश्वाम: अल्बा देनाए: त्यात्र मृत्या पर्णः (त्यात्रण सृति: सरंप्रक क्यारंत:) सक्षात्र्य; (क्या कावा:) र स्रोदा: (त्याका द्रव्यत्:)। सः (लेक्क्वामः)वै त्यादः समक्षित्रः प्राश्चित : ह रेडि मिथा (विविध: प्राप्)॥ > १ - १०॥ (व्य त्योगमार) समर्यविक्षः (समर्यविश्वकाः भूवर्यामः) ड् (वर) त्योह: रेडि काडिसीगड (कथाए) । क्या देश (त्योद्) नाममापिः सब्भासा (प्रवंभन्याता) प्रभा ख्यू । (यम्त्राभ त्रा प्रमा) छाद मक्षाविद्यावानार् (एकार् एकार् मकार्य भार हामायार) देवकदेवार (कार्ट क्ये देवार) अतम्बा (अरमक अकारा डाम्ड्मर्गि) क जमानि माकते : (माठीम-व्यमामुकारेविविविष्टिः) ममामणः (प्रशामणः) अमा (त्योदम्) मन धावम् : त्याका : (थण :) जम्मार्यम (अक्त यह नाम द्वार्य न अमा हिन्य) जामार् (मणा वस्तारार) 1102-6011 DE (120-2011 क्रम (त्म्रेट में क्रांट्स) व या प्रात्मा हिस का स्मा: (मायम: मालया हत्यमः मामार्ग मामन् १० ह) वात्रवः (कृणवा)

844 (दिग्रेडि)॥ २०॥ भारि: हेन्सार: त्याद: मुळ :(केल) मन मना: (लम्रे) पंक्षंत्राम्यो त्यांत्रात (द्वेकद्वात) मथ्यः एचाः लाम ट्यां (दुरकदाः हार्याः)॥ ५५॥ (क्य नामसमात्र) का ही कु निक्सरमाः अवस्मव साहीक्यां) भाटे में हैं वा (प्रायुव कक्रोर) भाषसं मक : । लाम (भाष्य) क्रमानद्रमें द्रवाष्ट्र)॥२०॥ सक्षात्रकावा क्रमानद्रमें ह्रामका क्रमा स्मामानमः : (स्मा ह स्माममह (वर्टमारचन्यां । नास्ता क्रीयादासार १८४)। हिल्लाखं । लाखा वर लभान् कक्षेत्रस्या (लभान्कः लात्रमात्कः कक्षेतः क्षे-करमड़): आरम ध्या मा जम मा मिने भिर्मिन भारती (धरिकाकाम-भाकी) अखर वाबान कारि। छ (मच्चर) देमवामिकार (ग्राय) व्यभीयानि (युवामा भीयापार्) निक्षायकी (निक्रमा गण्डी) भूमः (ह छछः) आयि मही (देनवात्रि छः अछ। वर्डभारा) आयात् विम् छ विम् छ (मूयर्ग्य सुद्धा) कि (क्यर) नी लाव (के (क्रिसे काम पर माट) में टिल्ला: हरें (यंत्र-में लयंड) दर आ: (वध्वावात्) किमामि (व्यव्याप्ति) ॥ २८॥ (दिमारनंभा क्रियमं। विभागा सीक्षमार । (र बीक्ष!) मा लम्बलं (लम्बनल्याल) मृत्य द्वाल व्यामर्थग्रम् (वर रामः नकाभी मे करतं रिल) काहिर (मन्तरः) देख (माइ

मिन् : मङ्भक्तः ज्वर् मेस्त दिन धमा: आ मिल मा) भिर्दिकारी (मक्तारम अविश्व) (मानाप (हेकाएत अप) विकवि (धेराह: लक्ष कूर्वि मडी) मूथ: (भूत: भूत:) (यमभूर (कस्तर्) शिष्ठ (अयममुक्त)। था: (रेजि सर्वित्र में व्यम कोने असर । क्या : ससे (य) लाये (ला बड़) वा किं कम्मीमं (इक: अवर किस्मिक्ट यक्त मार्क , यर) ए बार (अक्सार) अपिए (मित) ववास्तिधिव (ववस्तिभी ए एक (माछ) के (प्रवासिक्ड वर्मास्म) लाक्षक (आमिनिनेक्ट्र) देन्म्कमिछः (देल्म्किछा मडी-मा) भक्र-मिने (विद्यांतर नामम्मान) देवाडि कामने । (य यात । भी में के बिरा हान अक्षेत्रामन मा कर में का लड़ में क्रीन धाकार्ण श्राञ्चिम्मानिनंतमी जिल्लार्थ)॥२०।। (हाक्ष्मर्थ) (धाराह्यमार)मनमः कम्मः हेर्डमः (रोज्य मणः)। उत्र (३८६०) नि:श्वाम-हालात (नि:श्वामक हालनक) इह: (अट्यः) हिडाळ-व्यूर-त्यमाम्मः (हिस ह लक्ष ह त्यूम्र वर्ग विकृष्टिम्ह त्यापम जरायमः) हे दी विका : (प्रक्राविता हावा Bor:)112011 (बर्मारवंपूर्ण। त्याव कत्रीत्र क्रिया अ स्रात्मेर माद्र्यात्र म्युवेशकार रक्छि। तर) वसक त्मीतः (वसक्वन् त्मेत्रवर्षः (र) यार्थः। अम् हिहामहिं (हिहा अवाद:) विः (क्यः) (छ (उन) श्वाह्म) (ममम:) र्वाष्ट्र (टेक्फी) कृष्ठि (छिनाडि ह्रीक्लाबीकार्यः),

लाहुर्यमास् सारं (मास्मित्रारं) क्षेत्रः (दुत्यकः)।कुरं (कर्णः) वा बासर (बासम्भर) असंबर (बसर)। मकाव (बाम्स काहि) ; कमा: गर्भः दिस्पार् (यभाव: । भू वंबार्) वना व कम्मे वा नमान (लाममगढ़।लय) कमार् (मकार) मार्ड (यम। तकः) मार्थकाप (मक्षारते) प्रलंगमान्त्रीकृष्टः (हर्मण्डामार्ममुन्भव-मम्मर्) प्रमंता (अ छ (र कु:) म (म छ (वर)।। २१।। (लाम खायम्सम्) मिराक्षमः व व्यासम् (गृत मता । १११) श्रद्धाक्ष असात्रक्ष (श्रद्ध स्मातः मात्रामान् भयः भीड़ा ह जमामिनानिका डिस्टर) 112511 (बरेमाठवन्म । इद इस सक्यायः वीत लय म्रिकेट कर् लायनामि कल का साम मूर्यम्मणा वाने किर मंगमी कि हिस् विक्री दिना अरे की ये हा कार । (य सार्थ) । मुसा (मिसक्ता) मभी काक्ष (माळ्य न लिए (काळ्य न ए किए न मन् धमा छ?) कक्षम (कवाले) नगापण (नगामम् मेर् मुक्स) अप्ते (अपमायर मार) अन्यम्रे (मम्मान्ता) सार लाख्या (हवाटनका :) विमेरो (ज्ञा) क्रमिण (भणा । भूम:)म ध्यावर्डा (म प्रान्था मार्था । वर विभाग कार। (य) प्राम ! दें हिंदाई त्याका (ब्रेस)वमा: (मिटागं :) महारम् (प (महामसम्बद्धारं) माह्दं समकरं (म्रामितमार् क् कं। ४७:) जाः (मिनार्) मिना अनः (अवनः कारिने) सनः आश्रिक- जकत्वा भत्रवर्त (वास्त्रिक प्रा वश्र हव्या

8 bm) क्ष्मं मेरे वर एक हिन्द्र मेरे हुल दर्भ लायनं () लक: (सम्मू:) म (म डायर)॥ = २०॥ (अम वामयमात्र) आत्म कृष्ण वामवं (त्याक्ष्मं। वक्ष) त्तीकी भा- यस नापिक् (त्तीकी आक यसनेक उपापिकनक् डावर) 110011 (वर्षाप्रवंत्रां। युक्सामामाः सम्। व्यास्त्रां (४) माम्। विकासि। प्रकृत (नक्वाव्यात्रक्) मून्ती-क्रम् (पून्ता: क्रमध्यितिः) निममु (अमा) वर वर : (अधीर) व्यामिक हर्ने स्था आक्रमा के आवर (क्क्नक-म्वूननी दियः म्यक्यावर क्नावार्) थरार्य (पवा । तवः) अयन्त्रकत्नं (कर्नेमार्मेव- यमने समेदि हुए (म्रामिक माछ) अवस दिक्का- हूसने ग्रांग (अवसर् ४९ विकलाक्षर इस्टिंगः कक्षिमारिक्षेत्रोकाक्षर रेसप्र क्षेत्रम्भार वसी समाम मृबीकन्माम) निरिष्ण (रस्मिन वरका अव नममानिष्यम कार्यका) के मिका वाम : (क वी पक मन्द्र:) कार्य अक्षूमा (भी भूरमव) म्यानि (मुला कवि। धर्मा ! व लाय र मुभावन् बारामिडि डार :)॥७२॥ किन्दिए व (माछिएं:) जामब-म्हात निमाम: भवि भेगाए (बिमालमा बार्यः क्रियाक)॥ 0211 (वर्षार्वनेम्। भीवाचा वित्रमि । त्र) मणः! अच (आमित्) नवनी अ दू क्र उटि (नवीन-कपम् एक् मूल) रिते : (भी क्ष :)

वित्रान् (क्रीडार्) कूर्यन आत्रीर (थाउकेर) # । अन (थार्मन)

हअर्डमा- त्याचीत्र (हअर्छ: मूर्या: उक्का प्रमूता उमा: (म्यामे उति)।मित्रमहिक: (म्यामात: प्रम:)जास्वर (म्यार) हिं (इंडवार)। धर्द ग्रामा (हेरकार्यका मही) लाडिकास्टि (प्रवार्जिशक्षितं वर्षेत्रक्षाप्त वा) भित्रीमं १ रेखा (कार्वाधानमं कृष्टा धरार्द्र मडी) अन् (अने कासर् छर) भणा ही (निर्वीक्रमन लायम । लादा ।) हिंद कर्तामि (द्रामु , त्रमा म्मारं किंद् म्मामि)। मकाविकिता (मूर्टियम अर्थूमा)मारवाभवि (मावाममप्रि) किस (निमाछिन)धार्म (धर्मा छम न ममासी मदास् Wह: मसाभमन्दवादी कि अवरिश्व मिन्मामी कि लाव:)॥ ००॥ (अम बाल्यामधाम) भन (अमन,) रेखानिका भनि कानः (रेम् मम रेमें रेम निर्दे एम वर्क भ- जाना छाव:) अरम् (मआगिषक्टलम् । निकामायहतम्) अनुख्यः (देख्या छायः, किक) मन्त्र-अवभाडायः (मन्त्र-अवन्त्रिम्टमः अडायम् मार) म: जाडिमा (३१६) थाडिकीया (क्याड)। अय (अर्भन काडिमान) अकार्ड (अनवसर्ग) अल १ द्वान-स्कारम- इसाम्पः (१६ विकार अस्य अस्य असम्ब उपापन : मकावि (म दाबा दबाउ)॥७४॥ (जम्मारवर्गः। भाना : मश्री जामार । तर) भक्किस्यम्। भी ! (अभमार्भ : (प्र) नामि ! (वर्) अकार्ष (अ हरवप्राय वन)

8 00 > क दक्षान्ड (४६ काष्ट्र क्षाम् न्याम (क्राम्म) क्रिम्मी-क्रामार् (विभमप्रवीम्मामानि) व्यामाष्ट्र म भूर्वासि। मृतिः (छक्रा) देव सूरः (भूतः भूतः) तिः न्यात्राधि ह (तिः न्याप्रकः क्यारे करकार्य)। उठ: (क्सार थर्र) मास (माता थर) त्मेरकनामधूनी (त्मेरी त्यूममार्भेरी था कमा त्येपकी वसर्भी वसर्) कि (वन) अवि- ध्वकार्गः (अवभ्यं आर्गः मायमायरमा:) यामभुकतार (त्याक्षायवर) मरम् (यामा)॥००॥ (अम द्यम्मामात्र)कावमासीम् विकालमत्रका (कावमामासीम् अवनम्मर्भेल (वन त्या विस्माह: बम्रामिक्कि) त्येनमार् (देखि) दुरोत । लच (पुरस्तर)कामुरक्य-।मुक्ति- एमप्रमेंगरंगः (धार्वतक: विवक्तारिक्ष निविषः (अम: ध्यम् ह जमाम् : मक्राविभ:) प्रहा: ॥७७॥ (वर्षाश्चभ्यः) प्रहा: (क्रमीन: क्रिक्सिका) अव्यः ने विस्ततं : (विस्ततिः) भनः स्वीप्रदी (अवभववि) अपने (अनेकासमि) शक्रित, विष्ठात (यन निकृत्क वर्मन: भाव मिक् मिक्टिक) बाला (अवितकवि) असी (अवार्षा) वतः (वसार चार्ककार)समः खवारमधी (खवायहत्री-

मकी वर) सिम्नतमे मिरमिष् (क्षेत्रमिक मिक । उद् ।

(कार्या!) टमाभी क्रमतम् (क्रममात्र) भन्न (क्रीकृक्तर)

क्षित्रममं (अका अत्याल अम्डान क ?) प्रम् दक्षेत्र (सथकिदक्रातिका शक्ति) अव ((वासाः) मार्गी (राह) दृग्ड मका (मेरा) अमगार (अमगमः) क्या (म्योक्या) प्रमाहर (गरिन्मत्र विमान निमिक्तार्शः) व्यक्तार्थः (रेक्टि)।१०१॥ (अर गाविसार) असीकामाहक: (असीकेम अमाहक: अमारिक (क्रिया:) भावित्या वा अम्म ने: (भावित्या तिक्रमा भाकि दियानक भम्न र तथा भः)काष्ट्रः (इवि ववः)। व्य (ग्राह्म) अविस्त्रा- स्रायः विः व्यायववनाम् ः (भीजम् हा भीककामिष्ट् धारः निःश्वामः भवमक वराम्यः अक्षावि(ने सहाः)॥ ००॥ (वर्षाप्रवन्तः। द्यानाः अभी अधिकताय। १८४) सेवरवं। (अक्म!) उत्रा प्रमानवधानिन (सम्मानामन प्रमुखा पडी) वार प्रयम्भ मारा (माया माया माया का विष्य) विभाषा (अवा बार)क्रांत (क्रमरं)मर्व (क्ष्यकी । अयस एक)बिर्धानक-प्रमूक्त्रणा विष्क्षा (विद्यानिष्णां म्वर्ण्याणां म्वायस्त्रम्भा विमका विका क्या विलामा का मकी) उम्रम्यी रेय MBS (MBS 41) ON 26 (MBS6) 11 00) 11 प्रकामका (अभ हमादमार) प्रकामका प्र (अवराम दमानू) मक्ये अलर्ष भाराम्) मा (अवश्येन काल) उत्सनक्षणा

(काह्यावकलगा) अलाभात् (अवम्यस्ति) वर (त्रेम् वर् यस) राह माहि: (मम नव) है साम: रेडि मिक्ट की का (क्यार)। अम (क्याए) रेके क्य-नि:श्वाम-निसम्बिक्शाम् : (रेट वसुनि विक्यः, निःग्वात्रः, निमिधविन्दः निमिध-न्त्रीका कराममः अक्रामित्म लकाः)।। १०।। (उद्मारनंत्रम्। विभागमा दार्लेड हिन्न भीन भीनेड : देवमनम् काव्ये अका वा: अकार । (र मका: !) व्या (अवीत्येय) मन्कछ-कृतिग १ (मन्कछ का ही नाए) कृ हियु छा १ (मर्ना प्रवार) विक्याय: (बिल्लिस्य विश्वायंत्र) कि रेक-म्यास- म्यास (मिन्नि रेलसमं ने लहाः) भव ने वा अदार (हिम अदार) निकाह: (बार्स्ड:) अड्व (आत्रीव)। टन्स्वयमा) किमाले (आनिकिनी प्रथा मा अमा) रमडा (रामः क्रवंडा) क्र कि द्वा (क्विमात्रः कृषा) हेन्या पिडमाणः (हेना दिना देनाडी कुढा बार्टि प्राम्हमा:) अस (ममुत्य) व्यत्र (व्यक्ता) ज्याने (हकः) गक्रः बृष्डः (विवृश्चिमार् मार्यमणक्षार ध्यम रेम माड रेडार्थ:)। अर्र (आरा!) मन् (किंड) विकः भागी (बृद्धः। विक्र भीकांगा अम्मादार मानी मामाग लिक्षेत्र मिन ित्यार्थम थाडिलये ने गृश्वाद हो वहिल्ह के वे माउ रेज्यः)॥ ४ >॥

(अम ट्यारमार) बिहिडका (बिमडिहडा) ट्यार: ट्याड: 1 (मः) टेनक्ना-लक्नामिक्ष (तेक्नमण् तरमा निक्रमण मलतक जमारिअम्बा डिस्ट)॥ १२॥ (क्रमायन्त्रम्। मक्षर्यका व्यक्तिका हमात अने पारं अवंत्रिक्ष क्यानु न्युक्क विकार क्या का क्या का त्या ने का का विकास म्मामा: (मम वस्ताः जीकाकामाः) नामा कथर ज्याम लवाकामी-(न्यामत्रीना लाखा किक) मुखी (नमनवपर) विकिरिए (विहासिए एवड:)। हा हिए! (थारा!) अस कर्य कृषािकान क्षम् (ट्यार रे। त्यर (कः) क्रमामाक्ष्मर (व्यक्षत्यामार्यः कारामाक्ष्याक्ताक्ता) क्रिया । क्रेडि (श्वाक क्षा कारिया-वाकार) कृटका विम्हार ("कृक किमान" रेडि अम्म- कृत्कि कि वस्त्राप्त सम्माः) क्राताः (क्र्यहिन्मा) मान्मवं (वादिः) लार्वा शह (बाल्य वाट अटि) प्रशी (अवादा) करमान (हम् उत मा एरक व्यक्ति) प्रार (श्रीकृक प्रत) जम (जामेर कम्मिक्टरं हेमाम विश्वरं) ट्राइं (कावंतः) स्वि वि (म्हिड्यकी)॥१७॥ (अम मृक्षाम) कृषे: (ममाद्वामिक (विकितः) केः केः (दूबीर अवने अराज्य जीडा कालना पिकाले:) वडीकारें: (थाम) भी (बीक् क्या) मसामम: (आह:) न आए (जा) उच (जिम्रेन कात्म) कम्म बाने कपनार (कामवाने कुछ भी एतार)

860 मुकु रह के। मर्दिन मा (म्र्रिक्मकमः) मार (व्यव) ॥ ४४ ॥ क्य (बास्रुयं संवापारीस) असिनवस्तार (स्राम सिन्नार्थायाः) यमभाम (समाम) समान् ं (क्यान (यम्मानकार धन्ति , ज्या) इक्षं सनामित लाए सा कर मात्र हवा म थं : (इजापीना सन्द्वामस्या ज्वाड)॥१४॥। (वर्माडवंप्तां। श्वाहीरं व्याप्तात्रीरं रेप्ता क्षी काहा मा रेडमार्वरंगात । त्र कार्य!) दाका वाकात्र (मन्नाग: वर्ष) वानिकार मूक्तिनीर (मूर्नम् कार्) भक्तीम छार् (मानिकाम छार्) व्यामिना (वार्भमा) त्र प्रविश्व मिन्न मान्न मान्न कर्ष है निर्देश क्रावत भाषाम्त्रमानिः। प्रिक्रमान मुम्देशः क्रा मूर्न क्राम र्यमिन म दंगलानुचा लार् में मनं इक्षमें न्यात्मको मः 'क्षि) मम साम्रे में (द्वसकाद्यक्ष) द्यां मंग्र (श्वक्षात्वर)शवद्यान्वा-राश्व ममली (त्र नानार ! दृ प्रथमानक शामिम का के द्वारित मूर्क -सन् उमानिकं ही हिंग् भी दार्व अगाजभारकार) मर् ले : (दमले!) भीवार (छाक्किणर्) कममारेवीर (कमम्बदर्) श्राविका सूर्वार् धाल्रवडी- (धारतम्माना) र्वः (मीक्क्या) नाम गारवंडा

(देक्सर्ग्छा) विगमगीर्ज्य मक्षेत्रका (मक्षी विका

1960)118 411

हित्रवं ते दुवस् । श्रेक्क कारिका सामक कार्निम्यू ए तर वियमि भी बाका के स्कुर हिमा मर मास्राह । (र साम !) किकः ग्रम सामू (सार माह) लकाक क : (मिल्यां एतर 'करा) कर द्रमर कर्म (क्या ट्रांट्रमा) उर व्याम: (व्याचार्य: भाष्ट्रमा डायर। न ज्याम काकुम् दास देवार: । वाक: खेड) सेहा (रेम) सा दवारी: (त्वामन न के के)। अवह (किए) (स (सस) ने मार दूरन के कि (मड्याक्रांट) केंद्र (मस्यामन अवर (१६६) इर्र वर्ष : (सस विमाण आर्थ । ज्यानमा (अक्कमर् मर्भ त्रा जमानक्ष्य) क्राका विनिष्ठिष्टुआयत्नीः (विनिष्टिण विमास डूनायत्नी द्रमात गमा: मा लम मही) गमा (त्मम मका (वन) में साव प्र हिन्ट लात्रक्या (लक्षा) विकी (क्या) देमा दे दे के कि (all the) 34 (AHLEN) 118 311 (अश्र सम्यू समात्र) समयू सर्वियक्षः (समयू मा विदिव सक्षर्भमा मः) थर (व्यम्गमः) ममनू मः दिवर (ममक्रमा वृद्धित्व म्रांभार भूमिक्षा विकासामिकिः मस्मिक्ष मस्भूमाभाः सूर्य वाटमा व्यः क्रापिक्यः)॥ १ ।। (अय (मममू मा-अ-स्मिवाल)अडियाय-हिडा-म्हि-छन-प्रश्निक्ता दिया दिया है कि है महिन्द विकास हे दिनमा (छ , उथा) प्रविताला : (बितालिय प्रहिछा :) हे गाप-वाः क्रमभः (क्ट्यन क्रुड्यम् का क्रिक क्रुड्य ह व्या)म्छिः (म्कूः)ह

(बचा दिया यमार) विभन्न अपानि अपा (विभन्न अप मिन्या) ग्रमामः (कामः) व्यक्तिमः मार्। (मह) सम्बनाहिक ब्रान्डि-राम अकी नामिक्र (अत्रा मछनर धनक्ष्म के धारिक कारकी - न्यामक कमा का मानकिक के निक्र मानिक किया है। कामरका खर्वर)॥ क्रा (बर्ममार न्यार कार्ष्ट कार्य समी सको हासार जिक्छ । (य) हिट्ह । यास्। यद्यां (विडं) मर इस (लास्य) यद्या-समार लामान (मेक्स्तं त्म सभासक्ष्रिकः शरम् दिनक्षित्रासुकं गामुक्रिका) लिक : लभावार (म्यार) एवकी साम्बाम (एवकी साम्बन्) उभाम (मकाम) यह (लाक्साः) सहस (लयक्षेत्र प्रमुद्द ह वहतास (श्याम) वर (क्यार) करी कर लड : (यस्य :) प्रदे वस् (एक (एक) के देर अमि (अका मिलम दूर)॥ ० >॥ (लाम हिसासार) महीकाया श्री मार्गायार (महिसास्वसार छ: हेमाग्त्रमूयमा) भानए हिंहा (क्षेडि) अभी छेला। (ता ह) न्या-विवृष्डि-वि:श्राम-विर्मा ट्यमनादिक्ष (न्यायाः विवृत्तिः वार्ष्ववादिवर्षत् ह निः व्यायम् विर्मक ट्राक्रमे व् त्रक्रास्त्रा मृश्चिल्ड छमादेशमिका द्वार)॥६२॥ (करेरायंत्रण । काष्ट्र त्राहरामुत्री अकार्मणुं त्रकार, । (क) कमनकात ! कृष्ति ! ए (जर) निः नामः अधिमाः (विम्र्यन-ब्रामाकीम्मानर) # माममेखि (मान्कत्वाखि, जन्मा)कालेन-

भासका (के अवासका) संदर्भाकुः (स्वयाद्या) १ अमार्गाद क्षित (अनुवक्त)लामा: (मनमामा:) देखें (मेंगण) P हिन् (मिन्स्लामं भागर) आधार (कालाममुक् मानिमर्) आह: (अक्षत्र) किन्छ (मूळाडे)। त्या काचीन (आकामित्न छित्रप्रि) केमभमानि त्यों (विवास कामार्य) रेम् विकिमा (विकारं) म ट्रम्म डिड (म प्रक्राक्टि)। ८७॥ (लग स्विमाय)लयहिक जिनासुमार (लमेह बामार सिने सहिमार) धर्मार (बस्तार) हिन्दार स्मृति: (ब्रिट)। धरा (स्रिको) कम्तां रेप वन्ना - वाया-निः श्वामिषाद्रभः (कन्त्रमा अर्थानार् दिवभार् विवश्वा ह बाक्ष-मह निःमानिष्क जमाम् : मक्नाबिर् हराडि)।। एव।। (बर्मारवंपूर्ण। मक्न कामार्गः सन्त्री कामार । (र) मात्राणितः (सत्याण्क-गानीन । वन) ममनक्षत्र क्षा क्षा (त्रवक्षणक्षत्रम्मार्गत्) अभार (स्तामार्) मूर्वर (अवार्यम) आडिए: (अवर्षः) भूषर् (अवि-ग्रेस के के विकास मार्थ (असे से से न के वाक में प्रमं) काम ई विदिक्ता (वियमकार्म कि विवादिम । नविद विवादिम में भर (बार्ज्य सेपायहरं) १ स्नावस् (मिल्य एक् व्यव) १ वर (छमार) जब धार्मन मनसुडाल (हिछक् ल-म्यानाव) थहः (अछाउत्) कुक्ष-विद्रमिछ : (अक्किक्म कम नमावाम :) विद्रवि (कीडांडे रेडि मारा)॥ हर।।

(अम छ ने की क्षेत्रसार) को या फारि-छ ने ज्ञा आ (को मा फारी प्राष्ट् उ समार मण्यमर) उर्न मिर्टन (केडि) देनात । व्यम (अमिर्डत) ट्यमर्न- त्यामाळ - क्याम स्पिकारनः (त्यलरं कत्ये क ट्याम द्यामा क्रम क्रेक महमादिका महमद्दरदः उदादगः प्रक्राविता प्रवाः)॥ वका (क्रमाडवन्त्रां । स्थाक्ष्या सिक्याना विकार । (४) मर्नेगातः । म्यवनः (नर्ष (वर स्वस्थियार्वमे) विकार (लाह्यातः) लाभ गाडाः (आसूरहा: मणः) स्नार बनाह (म्नित्र एकमः मर्नेनाः नात किर्वक कामिछि डाव:), उसम् अग्र् धार्व भानि (क्रमम्म-मर्नि) आहमा (भीष्ट्रा मर्भनारी- मिनी (अहुकार्यः) त्यामक्षर (द्रामाकः) अत्रावि (मामावि), त्ववार् वय सम्ममम्मूनाः (क्षत्रक्षित्रमानार् प्रकृतार्) मकर् पूर्व विन्त्र (आव्यत्वर) मम हिल्लू नं: (मानम- प्रममः) शृहिर् (देर्फर्) न दि (देव) दिमार्ड (विस्नाम् भे मावनमूख रेक्सः)॥ ८९॥ मसं व्यक्ति (क्यारिक) वास्त्र (मैंक्युवारिक) दुर्हि सामे में मरे देगाला: (देखा:)। किनु धान (समन्ति भ्यानाता) ग्लः (धमा: ममक्षमाभा ग्लः) मामक्रमार (दिलः) जः (म्मा:) रामिटिवर (रममिष्ठ) रे. : (द्यामा:)।। उमा (लाम सम्मान्त्र र लेक्स्वाममाइ) साहाय पुरक्षित्रातः (साह्म व प्राह्म-समाय: ज्यात्माम:) भारतायेप: द्राष्ट्र. अग्रेक: (दृष्ट:)। ज्या (वास्त्रयं मकी हराहम-विमालकुणा रेक्ये!) वरे दमा व ट्याकाः।

छा: (ख्रे स्मा:) ह त्यासमा: (लयंदेश्यु द्वता:)।। ६३॥ (क्याल्यायमात्राम्स (ब्याल्यासर्थेरायवंति । केकास्तिः अर्थक्षात्याको वर्धस्यासमा वर्षासमात) प्रा (कार्या) भूक्ष्व (ताहन: क्रमन न्यान: श्री क्रमम्म :) लाकि: धाक्राविषि: (भारिकाणादि विविधिव सुरिव्देन:) क्रांकि म्नूनर (।हिल व्यानम् अमग्रिकार:) भाषार् भूषार जाक (क्ताहिन्नि)म वालाहि (नामान मण्डि , वा:) ववा: (अक्षम्प्रेमार्स) वर् (क्रामः) अमास्यामान् (मित्रस्याणकार् जमा) निवस्ताहर (कामाधिकार जिल्डाहिन्) सीवर (सीनाजियायर) अर्द क्रविष् (माल्किष्टिन भवित्रीक्राना है। ५०॥ विके जभा (अख्यासरम्य) हिंडामी नार् धनाम्मर् (अक्रम्भानार्) हमाक्षाः (दिमाक्ष्यं रे) स्रितं : (विष्यक्षः) डेक्या व्यापायाक्षाः اردم ار مبدالا लम किया विक्राण के किया (क्या) वन मार्थिक वर्ष (मक्रवादिशस्त्र नामाणः मधील) नामत्य-अमादिकः (कामालमा अर्क ह वराति) स्त्रीरंगव (स्वाद्वर खर। om) भाषा (जिने ग्रें) १ (बने क्या मिक्स म अग्रिस) धमा (क्षेक्कमा म्मीएम जर वहीरमंड)।।७२।।

(जन कामतम्भमार) भः (लन्नः) अत्यम्भनान् । (अमा त्यमः क्रावर:) त्राप (कत्वर) म: त्या : नामत्यम: (न्राप रे। मह) मैं बक्स (मामुकमा) में पु (मैं बिक अमित है कार) मैं या (मैं बिक्स) है ग्रह्मार (धानुकार्य) अवस्त्रकार्य (क्ष्माक) ॥ १ ०॥ कामान्य: निवंशकः माभव: ह (शेष्ठ) विधा डायर ॥ ५८॥ (क्य निवक्षक्यात्र) अवस्थलम्बस्यः (लाज्वस्थम् :) हक्षाक्रामि-मश्राद्ध डाक् (अक्रिक्यामात्राक्रिक मक्षाहरू यकः) वर्ग-विमामबारिष: (थक्षवम्मायकारीय:) नव: (कामालय:) निक्रकः आप् (डिब्द)।।७६॥ (उद्यारवंतमः। विभाभा-मभा मङ् कामत्मभर् श्रीका इति कृष्ट्रा अक्कि: भगाहत् भूवनमार । एव मर्भ!) इह! (यर्भ!) किमलय-। भिश्रत् (मल्वारम) विभागिकायाः मश्रवाभिश्रानिश्रिष्ठः (यमामलात्ममाहिकः) अगई लाम हत्तः (लाम हत्ताकृति । हरूरे) मममाक्षरम् जावर (मममन अक्रिकाम) बार्न जावर) मरेर (शाव्यंत) रेप (कास्तर) सम कार (हिए) कमर (क्रम मकार्वन) र्गेर विरम्म (अविषेः)॥७७॥ (लम सामवसार)मच (गर्भन कामानाम) भर हाद्वा (अरह-निया) वाभाय की (मामूक दाना मारी कार्का) किले: गाममंग्री (गाम वाकि दामामंग्री कात्रा वसंग्री) । सुम्तः (त्यभा माप) नवः माक्ष्यः (कामाना द्वर)।1691)

(अप्ताह में म्याह ॥ ५०॥ विकास मात्र में मात्र में म्याह में म्याह में मिल्या मिल

(प्रिविक्वामं। प्रम्नोकेकं से) दृष्ट (अप्लिक्कं लार्)

स्वेद्र (क्रामिलिक) लिकेकं से अप (स्थाप्त क्रिकं के लार्)

स्वेद्र (क्रामिलिक) लिकेकं से से माध्यक्ते में मिले के से सिक्वा कर सिक्व कर सिक्वा कर सिक्व कर सिक्वा कर सिक्व कर सिक्वा कर सिक्व कर सिक्वा कर सिक्वा कर सिक्वा कर सिक्वा कर सिक्वा कर सिक्वा कर सिक्व कर सिक्वा कर सिक्वा कर सिक्व कर सिक्व कर सिक्व कर सिक्व कर

CLASS ROUTINE

Days	1st Period	2nd Period	3rd Period	4th Period	5th Period	5th Period	7th Period
Mon							
(ves							
Wed		- Indian					
Thurs	A STATE OF THE STA						
Fri							10840
Sat	SQUE SE	17 - 12 A					7

Manufactured by :- M. R. CHOUDHURY & SONS.

No. 8

EXERCISEBOOK



271-2026312)

भित्राम्बर (ग्रहर) न्याक्ष्मेर (क्ष्या) अख्याक्ष्मेन अविश्वेद्रविमाः ele & (क्सम्मन्यामः अम्बक्षां,)लाइहाः (मायावनित्,)लाइकः (अवर्डः) (माठ्रिको संधित्मा रितान्त्री रिविः) यहः। सर्गात्र (1240)मित्र)आर्ड (प्राय प्राया) 119011 (रक्टिश् च माल्काः) नग्न श्रीिः (रामाम्बामः) उठः (भवर्) हिसामणं: (हिसामाकः) यम (यमहार्) मकुत्तः निमाएकः: जरूषा (कृणा) विश्वपविविधः (बिश्वपाद्यामानियाः) जवामामः (मळावनमः) देमामः मृष्य भृष्टिः (भृष्टः) इ. १० ३० : एक उद्र संवरका : (का सावसी:) से : (Q(4 5-: - 518 000 MCa) 11 6>11 नदं अस्य १ (लयन द्रीका) इरवः (चार्कक्षेत्र) म्यून. लेक्ष्यातः लाध् दिक्तः (त्यात्यः)। वस (अभुष् स्विक्क विष्वारम) प्रम्यान (शिक्षिक्षाक्ष्र) जिक् द्रियाक्ष्य दे द्रियाक्ष्य । १८० । १४ ।। (म्रोबाकार केला लाइ। (इ) सामा किक: किए स्पानी- है में कित-हमाहिड भवतः (जब मक्लमा कामा इन कड: अष्ठः हलन् हिल्का अवता भन्ना म लक्षः मन्) वश्मीकत-अविद्याला नाम-व्यमार (वश्मीकत्र आ वश्मीनितादमा भः भविष्रतः क्य जत्रा हेन्यासम हे सिक्न व्याप्तर्यः ख्यार) क्या के दिना वर्मी (विवादा र हैं ड) क्या कर (क्या मिट)

(मिनिर्धः रूर्तेः णान्त्र वह नाश्त्रकितः)

निर्मित्र स्मान्त्र वह नाश्चित्र हे विस्त्र नाश्या स्मान्त्र स्मान्य स्मान्त्र स्मान्त्य स्मान्त्र स्मान्त्र स्मान्त्र स्मान्त्र स्मान्त्र स्मान्त्र स्म

नक्य (कास्रव स्तात) सत्वा: (क्यामराम:) व्यान-(ल्यामिकाकर अंगर्क व्रिकारंग ने वा) लायं करता : एक्षा (गांक मातृकता :) माडीका त्मवीका मित्ना (माडीके पालाय-रीक मार्टक मिर्गाक्षं भीत्र भाग उभाइषः) हायः (त्वामिक्सिम नव रू विस्थापि अम्बन्यार) यातः (रेडि) ठेकार ॥ १८॥ अञ (यात) प्रहामना : (हामान प्रार्था:) निक्रि अङ्गामधाः (अस्वित्म नाक्षा ह असम्पर (इ) अस्तिर्मे त्रा इंडिजा: ह (अक्ट लक्षेत्र ह लबाह्यर लाकान ३। हिन्ह) मानि: एडरहरे: णान थमी (१ए) मक्जाविनः (मक्जावि-हाया: माः)॥ १०॥ सम्भः तत लया धायमो दुक्सरं जर्छ (ल्प्रक्रमः) यात। म: थर (माम:)मर्छ- मिर्छ एड एम (मर्छ का निर्द्र कुन रेजि (डिएम) दिविष: अड: (मिरीड:)॥१७॥ (वन मरव्यात) भेर्या (१व) रिष्टु : (मरव्यक्यानमा कार पासकार्यः)। त्यमंत्रा (काटक्रें) विलक्षातः (वानिकार्यक्रकाः उरमभीनार्ग) रो भिटकी (डेपकर्म) कृत्व (प्रावि) छाने: (अम्मास्य:) अम्मयमाः (अम्मयम्य: सर्) म्यामानवर (उद्यासमामकार) आक्रा (भारत्याहि)।। ११।। लाम्, नायर) विमा करें प्र थार (4 डावठ । क्रिक) अस्पर (भारकांग लसरमक्डं) १ समृत्दं स्था (म्मार)। क्यार (कार्यः) गांद

Byra क्यार (त्यर अमृतका क्यार) हिंदा : (पानक - आमृत्या :) नारे माम प्रकाव: (अपन वन) त्यम अकाभक: (त्यम : थाकि पूर जावमा DENLAL CEGO) 11 dp 11 विद्याद्यं रेम्) यम् नम्मः (अवकः) (प्रकार (पर्टाः) कार दावी (प्रकार कविवार (क्कीर) रेप वार तावी? सक्ष्मा (क्ष्रिकार क्ष्मिकार क्ष्मिकार क्ष्मिकार क्ष्मिकार) जार् सिंधीर (भक्ष्मिकार) क्षेत्रकार क्ष्म , अब्बस्य के (भक्ष्मिकार) जार् सिंधीर (भक्षिकार) क्ष्मिकार क्ष्मिकार क्ष्मिकार (भक्ष्मिकार) जार् (महायम्म) रेम टीडलीठ: (काइलिट: मन) व्यक्तिमारि: (मन्द्रमः) विरम् (ज्य ख्यमः श्राविकः)॥१०॥। क्रमाधेवत्रश्रद्धाः श्रामे डालान मर्विडा अडिमानवडी ति वी (प्रछ)तामा) के दी (भीका ही भी के कार आविकार -क्रमण् माछवडी दंगाक्षा)) नव अस्मावनार (अस्मामा amb) yet (alal) (angenia;) उत्र (गार्थकात्र्) अर्थि 5 भन्ना: हार्द (इम्टम्) सूस्रकाादि विवाभाक (विषक), विभक्ष त्वे भित्के (विभक्ष द्वाया: विलिक् त्यम्या कृष्ण याक) उत्रा अर्थक्या न वन ATTE 11 6711 था : (धार्माक्टा:) प्रकार (प्रकासमार) विमा धार्मामार (अक्कानीनः) मम्भारः (अक्वारः (अक्वारम्बारः) नाविमालमा दात (शक्षिम श्रीकाशिटेन नाविमालमा अमात) क्रांच अल (जामार) भान: मे अख्यर (म कार)।।।।।

कर्षामकोर (अभमातः क्रमम केवर व्यामकोर) क्रवर लयामुक् (लर्मात्र माक्र) रिक्ट र (गृह) जिसा मक् (जिनिक्षे निर्मालम्)॥ ४०॥

(क्य अवम् लक्ष्र) जिन्मभी-किक्सुमार् (क्रिमभी ह क्रक्र

क्रमादी गाए) मून्यर क ज्याने हित्त । ४ ।। ज्या मार्थियर के स्मान क्रिया क्रिया क्रिया । (द्र) मार्जामार्थ । (क्रमादी गाए) मून्यर के ज्याने हिता क्रिया विकास । (द्र) मार्जामार्थ । ट्या (किं) क्वांत्रमाय मार्थ (क्वांत्र क्वांग हवांग : मणा मेर्गर) र्षेचा अर्थे (शिक्ता वर्षक)क्ति स्मान्ति रांगु (वरं विकात) विश्वहु (विश्वाष्ट्) रूआ (निवर्शक प्रव) भिनेत्रेन पा कृशा : (अर्ब (अर्ब कुक । त्र) पावि! प्रतायस । (वर) अप्रीप (अममा डव) प्रतः क्रारिः (हिङ भ्रानिः) भविष्यं (ज्ञा (धर्म्य) वत (वनवर्षा) विक्री र्यप्ति (मानाश्रमा विदी र्याख)।। (द्रमारं वपास्वतः। आर्याव में स्थाप के साथ के स्थाप के क्षा में भार्व मका हामा आर । (र) मर्वा ! (अर्म!) अन का रेग्ण् मरमा (मृ: भना) वार्डा तम (मम) अन्तो (अयार्न) पाढिला (लामवा । १३५% अवास्त्रार) खिएकर (लाम स्वावड तठ) डाकाड (भित्रामाकिका: मार् कम्मार्येवर्) अनुकर् (मिम्रा) किष (वपत्रि, ७७:) क्पूर्यतार् (यक्षार विद्युताविष्यः) विव्रकः (लिन्छिम) मन्मारी (मर्यकाल धार्मान)मात भीयां धार्म

(वर्षमात माण्य) कृषी (एककामणायक:) क्रमान्य:(भीष्य:) ल्या (कार्याप) छेडक-के में में (आर्याद के कर) के द: (क्यः) विखिवमिषि (क्रियामिष्)। ४७।। (लाम अक्षेत्रार जनप्त्यासार बेप्त । याप्रिमु ६ न्यामचार म्यानिकः महादै अविक्यार । व्य) न्यायत्य । यानेकक्यत्रा (यानेवः व्यतः कलत्र : यभा : मा उभाइका)कृ व (हका : (क्लेविह डा) (छ (डब) काहिए अभी ब्यास (वक्ट)। यथा (अभा) अमेर (वृत्रः) रेप (अम) वम : (वमभाड:) कीय: (उक्र भाभी) भगिवड: (बार्सार्ट क्रम्मान्दर भावर माष्ट्र) वास । (लक्सर) ध्य (धार्मन)कार्य (विवर्गक) विक्य-नामाछ (भाक्रिकात) मुक् (त्रमाक्) विश्वस्थाता (विश्वायः क्विंडी) प्रानावास (यात्रम लाबास स्प्रात) क्रम्य (याद्व) म केका (लाइड) कालवं: (बाक्रा भी दिख:) आर्च (द्वारि । एख: प्रार् अवि) अभीम (असला दव)॥७१॥ (шम धनामिष्यार) त्यामाझ-त्यानम्यानम-याप्रेः (टिंगाड्व: मस्तिमिटिक्ट ह त्याच्यात्रक् मामविभर्णः ह अव्यक्त के:) विचा (विचिचा) ध्यामितिः (ध्यूम्मप्रमाप्)।। प्रा (वस ट्या आके सार) प्रिकासी (चाड्रिया सार्वकार्य :) विने स्र (क्रिक्स) ह नाट्य (खामाड्कै: (त्लामाहिक्रे) मृमाला । ४०।।

(मक्तान वर) क्वी (विहमनः) अमाजनः (अक्षः) उटेन (कार्य) में कर के से कार (आर्य कार में कर (कार) विविद्यारि (माम्नि)।। ५७॥ इ (श्य दिमक्रमात्य कामाक्षेत्रम्यमेग्रवंडि । माडकांगः दमान्याः केन्स्रसानावरं स्विकरं अमा माअलरं मायस्लार ।(प) कानि भी करिश्व ! (वर) हारे हि: (हारे वार्ष:) अतर् (अरमे अर गारीकारी:)। भेनाभी (भावो विश्वसाख्य नामवंभर। भारत भीडिंख आक्रेरी ताल प्रभाः मा) हक्षायली नि प्राष्ट्र (निकार मह्ह) अभ्यार (भूताभ्रमध्यार) अने (भीभाषा) अवमन (मूरी खर)। रुक्ता (अमा: न्यान्तः) क्रिका (अभी) मुर्द्य वार्श्व (वहत्व)। अर्द्रम (क्रामी) किकिम्बिष्ठिशक् वामकवी-हिटाने (मिकिए असर निर्मिष्टः आविषि। मिक् भाव भाव ले। देक. मनः। भिनापि विष्णः श्रीकृष्णसम् हेम् सम् छं । भीत् विश्वत् हिन्द् भक्षी हिन्द् म्मारेक्साइन (उनारे काल ने कमल्पन हित्र महिन) एक (क्रम) मन्ति। (अवर्ध-विका) कामका (माराम्या) हाकूरी (१६००) देन भारिका (कार्या के कार्या ।।। कार मामिछा- समादेशमाक्त (मामिछाना समाध्कालन क्ष्माक्त हिल्लाकि) ए (७३) प्रकी हाड़ ही-

(हें ह्वा) दुर्मापुर (क्रकाम्बर)॥ १०॥

(लम ख्रिमास क्यान्द्रम्भन्यम्। प्रवित भी में मा लर्यम् द अर्ककः वर्षक्यार्यमाराष्ट्रम विभवीवयम् भ्रासार। (र) (पव ! मूक्तकार्ते। मिथर (अक्रीनी में बहिएर प्रभा माउभा) यदीगंभरश् (यस सास्) दिखीअस्म भ्या (अख्यापंत श्रीक्रमान्या भभाष:) ए (७व) (नाहत (नग्नव्यः) निवादिः (क्रम् ट्यम्ह: (क्रिक्यं अवाद्ः) त्यापुर्कित (वक्षुकित क्रिक) भीते: (भी होत:) काममबायुद्धिः (वमबारेषः) विद्वार्थात् (वव विमुख्ता धर्मा) न्नं ह (अख्या) विमिष्ठः (कृष्ठ देवि धात्) लात (मर्व ते वादर् धान खनामे किर् भू नमुद्द किछा अन-अगारमत खरवाड छाव: । थछ: छः)म्यकाह् छाअ (भिनियन । मतः) एरे बडलेंग (ए विस सिहित इल्ले बाक्रिक्तं) अन्त प्रम मुक्षा प्र क्रिक कार्या क म् श्रा में (कर क कार्य र त्मा समा देवार हेवार)॥ भेगा (ज्य त्माच सम्मन मात्र) विलक्ष सर्क्या (अविलक्ष नामकामाः मास्य) थारमानः (वर लायम्यनमस्त्रात । वर) लाय-सम्मारं के लासारं (माम्कायां सम्माम,) अस्मात्रमान कं कार (अमारायना (रर्ष: कमा) धर्मार वार्ष (वादेकः) मै: भर्ड (म्: मम्हेल्यर) ॥ १ ।।

(अथ लाजक्रामंद्रमात्रामिनिष्ठारमंति। श्रीकृष्क स्थायतमाक्षि-मळेडी। अर्के कड़) अहारमारममामुबार (म्यामाना स्मारमार सरमायंत सामुकार क केन्द्र द्यमाएक मः) देवाकन ह आवती है नमल : (ज्यमीममामल : मन् त्र) वार्ष ! रेप (अय) त्यार (कुलाय ए किए) रेडि छे हिवान (ह आवती १ भूको वा निल्यां) हत्या वती क्या (श्रीकृष्ण पा वर) बहन र शक्ता ला कर्म। (क्य) (अमर (मम्मर ।क्रिमिक) व्याप (हरू करी। क्या जीकेक लाज । लागुं।) युर्वेशक्यातं। (विवेट हित्तः) वंग क्षः (लच) के (केंच) रेक्ः। (ल्स एमावती चार। (इ मार्कक ; देता. लय) श्राद्य है (केंच रेक्टा) गृह (हमावना ववश्वात्कात) वितालिक: (थण वव) वज्यार: स्मान: (मरामयप्रतः) शनः (जीकृषः) वः (प्रभातः) ME (434 0) 11 9 011 (द्रमायवं प्रवंगः। हत्तावन्ताः सहागाः रेबामीव्यागे त्राया-में निया प्राप्त अक्ष् म्या था करी दूष वार्ष रेडि भारत कक्षावनी श्रामिष्ड श्राम प्रामक्षार । ११ किना! (र्ष !) अरह ! (अरहा!) विसमकु छि: छन्नावनी (सम मनी, अटभ इम्राक्यिते:) अटम (उव भूवड:) वित्रमार्छ (विवासार । QQ:) डेता लच (लाभुम्) था त्वाक्ष्म वाचा (चाना) क रू (कून) कार्ना (दृशी है। (१) जिमिन्सारिमान !

(डिमिन्वर यामिन: कृष्क wr का एक थना छर्मा पुर्वम । (प शिमुरंबत के का के (क i) कि म लक्ष्मस्था, (लक्ष् o CANCMY लक्ष्रम् म् र स छ यर सभी के यर मार्थाः मा वाल लक्ष र के वर्षः महल् देनम्कात्माक्षाविकिः भक्ताः मा)यम अप्रवी-(हलावनी) भाष्य प्रमुश्विष्ट्र (मामा: क्लार्समा प्रिटिं , भार्स प्रमुक्तार कार्डि अखार)म विम्किति (म गर्ड अकामां नि वाक्ट हैं । कु यर (मर्बेंड) देख (लख्यं) ॥ १८॥ (अभ सम्मार) राव: (श्रीकृष्ण्या) विम्मक्या (श्रीकृष्ण-विष्मकमा भर्षभनेनारिः)थान सम्मार्ड (सम्डामः) न्यः (रेडि) मडः ॥ २०॥ (जय दितः समाम्बर्मा रबाव । कृता कृत्वनी प्रात्र । (इ याम् । त्य) वात्त । के कि क्षाल (मनम के ब्राम मर) हैं मम क्रमा थार्स (सर्वता वाकास , ज्या) प्रः (मम) विटि: (गाकारणा लाम् वमा) दें (ला) लाम (लाम वमा) दें (सस) जिल्कु- (अम्बार लास 'एमा) वैर (ताम) वृत्र (लाम्य) उत्रत (अप्रे क्या) द्वः निर्वित्त (अविक्शनत सम प्रवीत्भ लाम) मिलि (वाट्यो)अला पर्वविताः (अक्किका) रेडि (अवर्कालर) अलूर (डामिडर) निममम ही-(श्रेडी प्रडी) क्याक्या क कर क्याव्यः वास (यागामः) मनावाक्यमी (अयाय्ष्टिक में भी तम या कमार्टिश अयात्री भावेत्:) कर्टि (ATOT) 11 2511

(लक सम्बक्त बक्षार्न्डम्मारवेडि। द्या अकिक्यान समग्रीमात्र। (त्र)मार्भ! (त्र)भार्भाचे! काम कामान्ति (त्रीकाम्पर) हरेलारेरवे: (हार्टरकोमाते:) अभगमारी (हमावती) ध्यवाक्र-(गर्का) के (लाहिमाबार्) बाहिका विवेत (मर्बार्टेका क्य) श्रिमिति क्षामार्थ (क्य प्रिमार्थ) व्यः (वास) सर्व-यम्नार रोडि (अवर)अभ्रमार (यम् नाखार) निवर (वाक) ?) निम्मा (अप्रा) विदूववपना (महख्यूभी) ह्यायनी व्यत्नि (कार्याकीष्टा दक्कीड) मका ॥ २१॥ (अम मन्यमाद्या । भाग ना क्षायनमगढमा र । (इ) अप्रिम । (हे व्यवं वि) सिका सा वर (प कार) वै कम्पतं (प्पावस्थर मिनि गर्य (वं) नकाकिती ए धर में भी (हिन्ता वसी रं) हिक्स (आख्कारा) विश्व समित्र (लाह से बंगा) किसाल- क्रिकार (इयर) सम्मानमं (सकामनमं) मिक्राप्तः (ग्रह्मख लामाः)। मुकार (मुक्ड:) कि कि मा किएन (कि कि मार्थित) व्यमालायन (अ वसमायाः कि मान्य नाकारः नाद्यम) प्रावद्य गा (पर्यमन्त्रा) करा (सस समा) काम (वामहार) प्रस्मा (भिविक भवार विविधिक) भूमित (प्रमुवा उरि) वाधायमः (गन्य साइव: हर) हेद: लाख (प्रद्याक्षवः)।। १०।।

(दमाउनम्परेकतं । कलात्रम् भायतार मेंबार ल्याप्यक्ते शु सक्रमेश आर समकार नामां नामां दुर्मा मात्रा । (य) सक्र श्रे ! (याम ;) समा कार आव : (महात) उस मान् के मेरे (मामहा) ब्रमानि प्रकारे (अक्किमान) देवकरेगा था (उन्हाननी) कार्या (मार्न क्षालका) व्यासी (कर्ष) इते। (कर्मा!)मा उन्हारती (अक्षामाना) मालकामा : क्रि (कक्षि) वर्ष (वर) क्स्मी (श्रिज मार्कि) प्रम-दी। छि: (प्रमण व्याप्तिव् दी। छि: प्रभा : प्रा क्या प्रजी) (स (सस) ऋष (हिंडर्) प्रवि (HELDISJE) OLOW II DO 11 (लम प्रद्वे मामसाम) महान्त्र लकान्मेर (रवे द वितिव) जभा कावमा डामड: (रशा डामड:) व्या: (मारू-मान्कत्तः) उद (बाग्रेम (बकामानामः) मेक्नः लाउँ मनेय: यर विरिष्यामाए (विरिष्य-मामकाणवर) \$ COL (DU DE NA) 11 >0011 वृषा: (वत्रामात्रविष: भारता:)आपे ्मान् (भेर्नामानामा) मानर) अभेग्या भवीभामर छछ: (वसकि) विशेषर (कायभाषाय-कान राजामडक् मामः) भूनः धमा (धर्ममा) व विनामस्य-टेक्डवर् (विमात्राणिमम किडवत्रक्रमर् मछ:)। वूर्व: अस: (मि(र्जूक: मान:) वन अभेगमामामा): (अभेगमान महत्वक:) अकीरिक: (ठक:)॥४०>॥

(क्य मिट्रिट्यादेव कामामार्ग माध्यमत्मे मार्वाड) (कर्म : माहः आहर (मलमा भाजितिक) माछात-कृतिमा (भाषाता व राज्या) त्यत । लव: (लसारकाममार) (प्राचा: लाइका: १ (कानमार लकारंभाक) मिताः (मांक-मांत्रित्मः) सात्रः द्रमक्षि (BENDE) 1120511 अस (मिर्द्र तक मान) अविश्वाप्तं : (अवविश्वा आकार -अदि: करामन:) दि गिल्हानि : (क्या का वा :) बिल्हिंग : (30164)1:)1120611 (उन निक्कम) निर्देख् मान मूमार पछ। काहिए ब्रह्म मंगी अमशी-हाना अविकः प्रदेशकर किया करवायमामार्ग वास्त्र विकर् आमण उर् कृषमानमानका सामवा शास्त्र शास्त्र गारित । (र) उत्पत् ! मूरः (परम भार मही नार्यः) अराजाभी न र्मिट (म ग्रक र विरु पत्र जमाद्वार दृष्टिर) धर्मा (विश्विम) (म (मप्र) अञ्च : थान मतु: (धमकार्यः) न (गान्छ । थडः) मड्डः वक्षममारेवार (भिट्रकार्षेष्ट्रथप् भाषेत्र कोमनर जनवनम्नाद्य) (भार्त्री-निमार्कः (तमप्त्रावणा निकास निभाग वर्षः अर्कालाः) मिल (भकर)। बक: (बरमप्रें के मेरा के मामके विष्ट : (अन्यति : देल माभिक्या मका) क्वर (मप्त्र) भाग (भार्म) पूर्व अत्रिए (मिष्ठ)क्षित्र (र्वाप) माना (विकिन्) वारामिनी (WARING 5 OF

लाहचार (न्मिलिक) लाकाश्रकी (लक्सामेरिका) धान्ता (अविद्या)कानिका (प्रणवालिः) हा अर चिम्नु (हअमक्ष्यर्) र् अक्स (आक्रामिकवरी। उठमह जर अविक्रमर् अविका) क्कवमनादिकर् र्षा ध्यालमात विमाला माण्येति का ममामयास द्राष्ट हाय:)॥२०४॥ हिताद्वं भारत्यम्। जीवाधिका प्रकार जीवाबिवाप्रवृत्र अगूर् लामनी न्याममार्गा में रं मिन्ति। १८) यात्र । में स्थार में यो (क्सूम-म्मन वान्ध्रमा) विलाधिष्ये (धासम्मान क्षित्रमार) भार् धारमाक) (मृद्या) देन्यमाः (देन्यिश्व हिन्छः) कर्याविः (अक्षः प्रातन) नाम्वितन भनी (ध्यमामिवयप्रहः प्रन्) तिक्ति वृक्षीर् । रिष: (स्रोतिका वारिष: । वष:) अगा धारु क्षित (दियंत) विवादी निमार्ग (दिमा नाम-नाम) असूनाम्यानी (स्थान्यानी)। भित्य (धार्मान प्राव)ध्यीक-विकारिया किया किया कि वर विद्वा : (किंड के क्रिक :) आभे छम् (श्रीकृष्णमा) मिछ् (सम्बर्मः) धार्मि खून (CALBERY) 1120611 (अम क्री के क्रियांगा निर्देष्ट प्रामम् पारवं । वमार लाकेमांग द

वीक्कमात्मका नामना वीवाधार् धकानने प्रातिनीयाद । (द)

मार्थ ! मालाएक थे : (माडा हेएक थे। प्रमा प्रः) दिन : (नीकृष्णः)

त्माकोकंत- कृति (त्माकोकांत-कृत्मी) विकेत् वय एक्ती-(बारुआगार (श्वेबाय आवृश्वेष दिए) में द: (अप: प्र:) त्माह माइ १ (मृद्धि वा ३१)। निश्व (मि। क्रेमिन । थण : (क्र) मिका-यात्माश्राविकवानिष्णं(वृत्था-मात्माम् श्राप्तः !) रह! (अत्या ! केरे) किए (क्यर) भवाक्राविडाकी (भवाकर छाने पडावि: प्रनी) आहर (हिंड) अमनाम (याम्ड बामनाम)। याद्र: (याद्र एक मह बाला) あれれれから(母をおら)ありれた(在水をま)11つのり1 (दिनायन भास्त्रम् । आक्षिमा इंकामा: अविकामा निर्दालिक स्थानीय हिलाभवः अकृष्मा नार्याष्मानवरीमानकात्र।(१) हाछ। (टकामत।) ध्यत्र द्वर्भिया (डव वारकात) नव देत (असेव) अमृत् (क्रूमः) विहितामि (आस्वामि । ७९) क्रभः (क्नि दिल्मा) अकारि (अनवसर्य २व) वाहरूपमा (रभोनाय-ना हिनी) व्यक्ष (क्यक्षी छ) क्रमं (क्य है। अन् : हिना भेक्या हिक्स बन कन मन सर्वक्षा । (र) विभन्न में ! वार्ष ए ! विमिड् (धनीरकार भर मात्र : मम् रवेग्यरम्भनार्थ रेडि संग काक्स्। लकः) देलाक्षेत्र (क्साहेत) लचडं (अर्गावत श्तासी-अर्थः। वद) क्रम क्रम्सिन (आवर् (वन क्रम्मनर्) १६०८ ॥ (व्यामी (व्यामी ह सार) नामिन (कार्यमा) ११०० वा

(श्रांद्व मेगलर आक् श्रुद्वयायमेसामवात । के द्व त्मयात्वाद्वव वाताः भीग्रेशक्षकार्गात्र्रायक्षमामकार्त्रेगीः लाखामंत्री रेक्स काय । क्यंत्रिकक्ष्मा (य) में सार्व ; दिं हिवार (भीजवासमाव छ) क्ट्य मडामवा: (अवमडमञ्च: मन्) किः (कथः) हुकीर धार्म (धोराम । जिकीमे। (र) गार्ष! इं धाले हिंद्रा (क्यर) विमूशी (अवाधुत्री प्रती) (धोत-मुजा ((धोन हिक्र) जिसाव (विष्ठावंगित्र । अर्थ विष्णात्र) कावर कावर (मगा अय ७ यर विमिन् भर)। श्रीक विमा मिल (। अख्या विद्वास्त होट्फी) रार् (भूवामाः) का अल-(लामुख्यास्त) त्यासा (लाह्यमः) लाम् । मगा (१म०-मिमी मुक्तामामा, प्रवर्षेत्रमा) यथाड (अबाय) मीदा-गाल (कमाडवार्न के बस्ति) वर्ताः वव (मेंवर्गः) डलं: (बिन्डि:)म (मार्ड)॥ २० 1-11 (र) प्रार्भ ! जर्बान का जीटनं (यम्ता जरे) क्यू वार्ने (निक्यू वारं) भिष्यिताः (दुनायुक्ताः) क्य लाभागः (अवस्मवं) लामभाटितः (लामुक्कामपटांगः) तम् (लाबटांगः) विदंगः नव यमा निक्षितः (म्या र्भा त्मा भागनिक्षः जमात) द्वारिताः (श्रिमिंगः मिताः) लम (लमक्ष्यं) धमा क्षाम् (अदिन्छ)

ति सन् (वर्ष माकृषि) माडिमीयन अहि (मभीकृष) रेटस मास (स्मान्त माह) दे हिस स्मिकार (दे हिंसर सका महर ।श्रिष्ट श्रामः वार) गर्यार लावित्रमन (प्राम साम संस् विकर । मिक्ट् क्लामिकि कर निमाला कम देवि है अमामा कूर्मन मन्) क्रूनाओं (क्रूनानि द्वाधाकिकानि व्यक्तानि प्य वर् प्रभा 1100011 (क्यान के मह (क्यान के क्यान) 1120011 मिरं मार-। भुवाया ह: (मरं मार : गरंक्या द्रालका व्यान्श्रंय-हुमुनादि नामिकाक । ऋढर्। ऋषाभनाक्रिकक वाजादिकक क्षात् : सामा नाम कमार्ट :) प्रत्येक : (स्पत :) स्रार (24) आरमार (मिन्डिः भाष्ट्र। म उत्र हिनीतिन्त्री:)॥>>०॥ (जममार नप्त । क्षेत्रकः अग्रिकार १ (४) वाहित । मिर जय लमुकः द्यातः लर्दे (बावः 'कमा) वजा लामे (द्यव । मंत्रम उय) अरमी भड़: (क्यामदाम:) क्यर (क्य त्रव्या) क्षेत्रीं (लयः म्मिलक्षिम ख्रिम अभूती द्वार्व) रेण्य (अवस्थित) अममी मा (अक्षित मविशासन) प्रमा भिष्टे क्रिक्ट प्रमाहत । प्रिमाहत (प्रमाहत (स्माम्बर लाभकार । भुक्र डा(या नगा: वार) हिरार (अर्वावार्) अभाष्यमस्तरं (अर्यसम्परः) अहम्र (ह्राश्ववनाम्)॥>>>॥

(MYM) N: CEG: (A:) & NAICHLUBG (RANNOS) यक्षितः (कर्षः) साम-रिक्त क्रिंग-ताय-प्रक्रितका-व्या देवं: (याम ह टक्टिम्म ह मानक गढिन अलिका ह इमाउनक (कः) अमर गाहि (माउर वाटकारि)॥>>> 11 वाकाटमाअ-। त्रिकाममः (वाकाटमाकाः वाकाटमाकः अविक विमाममः) भारमानममम् (भारमादिः) अकाः (हिन्नानि छ(बर्भः)॥>>७॥ गर व सिम्याम्भ वहनः (अविभवनवाक) वहना) वर मास (इंडि) भीरदि ॥ >> 8 ॥ (वर्षारवंग्म । मीकृष: मीवाद्यार प्राप्तिवी व्याप्तार ।(य) मेम्स हं। याद्य । (स (सस) अँभेग (तड्वा) कार्याद्य माण् (रेपि) ज्या ्नव (महासय दवि), विन्न धन (लासुर लामचास्त्राध.) वैधीनः (बिटमस्भी) श्रीवास्रकः (याजिक:) स्त्र वती (अवतः) (सरः (वर) सम न्ये पर (लाक्षरण- कर्तर) गृह (नवस्तार) इरवः (मीन्धा) ।मन् (बाहर) आवम् (अक्षा) क्रिका) भा नखन्नी (प्रणी) वाक्षासमार (अक्षानानार) क्रान्म (अयार्य) अमरंभए मब- वंश- मलंस भारते (अमरंभाष्मव वंश्वेत्र कलक्षा कम प्रभानकात्रम अभन भी मकालो) इहिरे (स्म्म्मनर) द्वाभी कम्मीर (क्ष्मेडी)॥>>०॥

(अभ क्तिमार) छन्ता (प्रावीम्मर् भूवातर् का वा व खलखि गर्मे यो।) यरं समाया होरे सका भरं (स्था साया होरे स्था हिला हिला माया धाराम त्यामन कि: छ ए अकामन क्रा) मकापिछ: कुआमस्कारंगमः १ (गार्रकार साक छिक्कावंतरम कार्तामक) मेड हिम (हिन्दि:) टल्म: कित्रमा कीडाट ॥>>४॥ क्रिम क्रमा समाराज्यक्रममम्मारपंडि। क्रक्षिम सामित्रीए क्रीग्राकार् वर्ममान्छ। (इ) प्राविति ! (इ१) हक्षत्रीविताहका (हक्टडो हमरहो बीतो त्याकी सर्टमो रेच विताहत नग्त भना : मा जन्द्वा) अमि (द्वाम् किन)कवाले -क्षे स्ती (क्षवाद कल्यार देलक्षी क्रोल सती पना: लग्रे कड्यः देख्यारमव्याः (अज्ञार् मविश्वात् मः म न्त्री मू प्रव्ह: , भर्भ मक्षेरकाद्यादकात्र बता)। = जर्भ भका: (विस्वतिकाः (विस्व भक्तिमाः) रामितकानः (बासन: वाक विवास बक्षान में किए हराह । किक) हैंगा-ममक्टा (ममनाद्या) ग्रामा: (मक्ट्रग्रम: पामनाम: ग्राम: की बलाद वार्णा वासक , भाभ मूनार्था वसक :) विविधाः (अग्राकुण: , किन) था) (क्या) श्री भवा (श्री भारता वकः वर्षायः नेत्र ज्ञिण (माहण मत्रवा विविद्वा) बद्गा (शासा किक) प्रमात्र (हिट्ड) कार्नुका (कमुद्रवार्वेटा, माअ रक्षि माने मारे साम के वर्ग माने के वर्ष) वर्षि के वर्ष (अक्टा । एवं प्रत्मेव सम अवहावा : व्याभिना देवि वर भारियाः क्य विभागा विकि गाएगा क्यितः। राष्ट्रवस् धर्मप्राध्यवः अभारिकिनोले बन्धः ब्राट् त्याला क्रिये अभारमाधी के अप हा मार् न प्रयोश माल मक् छ भी कु ला में सु वन)॥ > ३१॥

लम्या खिलांकुद्रार (ख्रमंत्रध्य सलतार) द्रमंद (जिल्लाकर गकीं) आधिरासंदर् (यामे दुसंस्वर्) दिवर । नामक्या अवस्मा (निक्रवास्थ्रत) क्ली धर क्लिमारी टका: नेर्पाउ (क्या)॥ >> ॥ (मारिती विकासार जीकृष्ण : मार। एर) मुम्री में १ वर पहिण: (प्रसंखाडात्वन) भिट्या (त्रश्रामानित्ते) थान मार्ग (मर्भित) गर इस्मा (स्प्रस्था) बहास (लास) क्य (लास्य विवाद) ए (डव) म्यर् (त्यायः) म हि (त्याके) किन जर किन प्रम अत्मे हिन्ना कर्ण (अत्मान क्रमें कावर) यह नर् (फ्लायक् भर ख्यां)। त्यन (त्यन विक्ता मणा) हन मार (रमाधाः) ठाल- रमार लामाडी: (श्रक्तामः) अवक्ता: (यम् वर्ष:) कामान (कामान के) क्याहर (व्यम्भी दिन्र) उसरमेय छ १ (वन्य विव्यक्त) हरमका (अन्नी कुछ) करम ् पूर् (वर) (अकारम (ध्यान्न मि)॥ >> N " (मआपिडि: हेनानस् अर्गमस्मारवि । ब्रानिनी एडमाए गान्हर अक्षि अभागाः व्यम्भे वर्तः। (द) मेमानः। सरक्षा लहर ज्ञान-जम्बी यह बाह (लहर क्यान जमकार वसर रेषर यकः एतर लास्त्र) वास्त्र महण हत समान (अक्टक ब्रा) हर लक्षा कहा न डिहिंग (न त्यामा द्रात) द्राव (वर्ष अकात का की मार्गा में मुक्

ब्रिय) मूर्राडिमा (अक्टक्म क्या) व्यानी है: (प्रश्री डि: अप्पन) क्यीडि:) रेडि (भूविविक्य हम हावा) क्या धार्मा करें (जमा कार्क रमा भाउमा) त्याने वा (कार्टर व्यालवा)मा दिमाननी (दमा) अन्नमा (नम्न नमा) विन्त्रा नामात्म वर्षाकिक छिए (यनमा हर कृषेमा स्मोकिकमा भूका-असमा । निर्दे (मानार)क्षित (हें वर्ज) ॥ १२०॥ (थम नानमार) मालन (कमाल द्यान) दूधनानीमा अनाम मान् देका ए ॥ १२२॥ (बर्माउव्पृत् । जीकिकः अमायाड । ८४ असी।) अस: माम (काम रेजिनामक:) प्रम (कान्हिए) मूरुए (वक्ष:) आहि। (जन (क्रमा) आर्थि: (अमड:) अगृह शनं: (जव) हेनामे (वक्रमि) प्राचित्रवः (मम्प्राप्तवः)यात्याज् (न एषाम्)। कवः (रहर) देत्रमा (देलाना) प्रविश्वि (श्रीकृष्क) रेलि (वर्क्षण्) वपि (मार्च) भामविनिमश्रेष् (मानमा निम्नार धारिस्मार क्ष्ममार्ट्या) द्राष्ट्रियानाम्यका (द्राष्ट्रियं कृष्यक मा अर निविष्ट्। अविष्य श्रामार प्रमा : मा) लगा अनी मेना एक (क्षेक्टक्र)हिस्टें (बिस्तिर्भामार जमा) हाम्रेखा ॥>22॥

(अभ केन्स महिमार) त्मनमः त्मेगः (मेनवार्) धानम् (श्रक्क) मार्याव: (आर्गा: माव: मवर्) माव: (१७) म्ब (मिनीका)॥१२७॥ व्यक्ति! (बर्माउन्ना र्मा केलवच्याया) वाक्याय- स्थामकारि (बाडिकाउटिशमः कम्बन्द्रविष्ठ कार मारायं) मूक्ष व्याबार (अमीटम) ।क्रिकिन्विति छ । मिश्राकी प्रदार्थी एक (।क्रिकी द्रामी माठ्ठ माठ्ठ । भगता भीड़ : ममंब में हिंदा राश्मरं दर्दा भार्म । केंडर) सम्मर् ब्रिम्ड (क्रिक्ट शह) बंदवर (दुन्मा) भी गामा) मणमनममान्द्रा (तमकलान्द्रार् (मणान्द्रार्) माक्ष वृद्धिः (माक्षामक विकास (वाक्षामक निः) वृक्षिती-(मर्थ) रेत्र (अन) याम भीया मामार (भामक भन्ना भीयाकान भा गाभर् धममझर्) माभर्म (मृहिडवडी)॥ २२४॥ (लाम द्रायामात्र) सामार्य (सामस्टिक) द्रवार्त) वर्ष-भीति (अक्षकार्याखाः माख देक्षाः यर) अवसीव नं (अवका या) हित्यका यार (हित्यरका महत्त्वा क दिवर)। कोन्दि (भाकिते:) वृष्टी मुख्या (त्मीत्र)। भीवे: 3(dam (312) 22)(01125611 (ज्यूमात्रयंत्रेम्। कृता विभागामाः प्रभीवात्र। (त)प्रभाः! रम्हः (विगवमः) १४: (त्रीकृकः) रम्न भएः (भाषपान्या) र्रे : (वेट्या त्यात)' क्य लाम (लांड) युवास्त्रा: (युवर्वा उश्र) वन कार (कर्र) अवम्हनी विकाभेना (क्रिक कर्र -त्य-भावेष्यकाविया) कालमे विद्याबिए। (विवाबिए) द्वार) त्वर (यक्रा) अय (आसीन यन ए) मम्बर्षि रेपर यूत्रः (मर्की) झक्रा (मानत्रकृत्मा निः स्त्ररकायः) (अमार्स (अलाम) । (म तित्र)। मम्मेव (मैंगर त्याक्रें व पर) निक्रेन्मना: (क्लानिहाड: मः) मृत्य थावि (मणावि।व्यवः) लच (लास्तरं) का र्राष्ट्र: (दुलातं:) दुष्टिवा (द्यास्ता उत्पर)1122011 (अक्ष: मूबनभार । अमागा:) मात मूक् र्ना छिटः (प्रः प्रः मर्केक आनुमादिः) लास लाह रैस्वारं (भ्यावान्दः लमाक माछ)लडर व्यमा (भीयर)बाहर्यम्बङ् (स्मेनर्) अमरीबर् (म्रीज्यान्)। उठ: (ज्यन उनर् जमाटकार्का) अभा गाम्म (त्रिक्क) विकिवंडी (अक्रवस्तर क्वर्क मारी) अस मम मृत्मा: (सम्मूर्णात) (भोकार वातः (क्रूमर्वतः) भाविषर् शेव विषमाप (3073) 1122911 (हरमभागा नक्षनातु वसात्र) अत्रापन विधि (अत्रापत अमामसमात यः अधार्मा विषिः हेनामः छ) सङ्गा (छङ्गा) धनार्ममृहकः (धर्माहन-एगावकः) गाकाः मृगाभी भार (मून्द्रीनं) अमामन (वन) मूर्तिः केर्लका रेलि माला (AST) 1122011

(वर्मारवंत्रमः । अविकः हत्तावतीयात । ८०) मेनावं । वर शस्ति (कममाला हिंछा) नवसायनी (सम) मार्ने हिंछा (हाडा, उभा) प्रता (वास) अस्यार (कर्म । भूखा) मनी (मार्स्च) ह (सम आर्निस्था) व (किन कर) मार्कार (कार्न) कडवर (क्रियाम) सुभार जामा (विसमा विष्या विषया) (आम: 1 वत: वर) आर्थ (क्वें (त्यान्य त्वाव काव कार्ड) मारमार (क्यात्रापुं केत्याता) अह (नवं) भाषिय (रासय) अक्निक्ने अप्राण्टि (अप्राण्डाल) देलादिल (अक्टिन जमा: मार्किन कर मदील शिक मि) माखान एसूनका (मडाया: ज्याविद्यम् वासाक्त) हन्यावनी है- द्रविता (अव्यक्त) विद्रम् (विल्याण रात्रः कृषा) हार्युन ॥११०॥ (लम वंसास्वमार)लाकाम्रक-ड्यामीयाः अम्बुड : (अम्राव नव) व्यास्वर सार (दावर)। दर (व्यास्वर) भाषामिकर विक्तिल्वर्व शेष्ठि विद्या (दिविष्टिया) हेछाउ ॥ २००॥ (बच मार्किमार) गरे (वसायकं) लक्सार द्राम्ब र (मादर हातर) वर गर्षिक देश दिश ॥ > ० >॥ (बरेटाउन्ना । क्यांग : समी : अवस्यवसार : । (र वभाः ।) मा र्याक्ष (म्नयंत्रा केट्या) कर्ण साम्प्रमृहः एकाहः (मडाहः) लान दुनार्गः सामस्याः (लामहिकः) भवः (भवर) लाज

म अखाडभी (म अविक्षवकीकार्यः) मा खमा मननमन्त्रादेः (मयत्मणमानी:) डीमिला (हम् मालिला प्रती) अस इंस (लय) डावुर (योकेकः) लास (अभयाय) सर्ग्यार । (अग्रिव ग्रीका) अविद्युष्ट (WITA 1% खबडी कि) अमा 11 > 0211 (द्रमाप्रवंशा विका मित्र में वसमार । (क) मिलां वह । (व्यारां) मामापिने देनारमंस कार्यामानि (विकास मठ्म रेडार्य:, क्या) मभीनार हाक्फा (को अनमस्तर) ह अमा: (क्षेव) मिन्न कार् (मक्तां कार) अवश्व (कार्मेश्व श्व) दुक-तर्याः (लाइक्। प्रवः) दिभाभागः (कालक्षवं रचन्यते -अविनिधि (क्याभव्यम्त्रा क्रा इस्ति धमन्यत मन् केवि-भनिष् (क्रमार् कानर्) धार्मार (क्रवात्)॥ २००॥ (अम ब्रिल्विमार) माडन (विग्रासन) अञ्चलमार्थमा (मम्बिस-वृद्धिना) मारहन (। सिग्वसम) व (४९) कृष्ठ (कार , वर) माजियार (रेडि क्याए) 1120811 (जममात्रक्रीमः । कुम्मा (मोर्नामिमात्रीमात्र । ट्राप्ति ! (धर्ष) नाभी (इट्ड) नक्नम् अम (नक्रम् अभिन्ति) दुर्क कृतिभा (कमहिर पूर्वे वीटिन) त्वाभार (कार्यार) एके: (व्यात्रक:) व्याभी रेषि गामाए (१वं इसर कृषा) उममाने (भीकृतक)

क्रिक्ताहर (क्रिक अक्रुहिए त्नाहत भय वम् भागावना) वक् (म्र्र) गाड्न (क्रिनीक्न) मिल (मिल) मार् :-च्याकां क्रव- (वामर्डि: (त्याकां भवा के का व्यमरेडि: तंग मा) मामर्किका (भीवाधा) आकृता (ग्राम मडी) अमरू ९ (क्रम:) किं रेडर (क्रिकाकर किं सम्बर) मेरि बमेरी-(डामधाना) अमूना (भीकृष्कत)। भावनभाना भार (भावन र से यं हे का मी कर ला मी कर में में ते ते वर् ने मा सी सी हिया) मित्रिवा ॥ ३७०॥ (दिमात्रवंभा उवम् । मानी, त्या मात्रीक्षात्र । (य के त्या व !) न्त्री वाक्ता केलाममा (केलामवात्त्र) डाव्पा (अविक्त्र) में : (तामक:) भे में ६ (ताम माम का माम के त्या क्ष्र) मात (मामार्) मृद्धी किएडन (इन्स्निकिएडन) एन (मामा) काह्य : (प्रेमर काह्माउं माह:) कनि (कन्देनमार्ग:) मः (शवः) दःशी (जनाभाष्म बाद्यवाग्रभः)देव ङ्गाननः (बक्रीकृष्टयप्तरः) दूनि (द्रामी) मीनम् अव (निल्पम् अव) निस्मित्रात् (। रूडः) , ज्छः (जममसुग् जमारिकार्का) यथे: (वठअप पत्र) ग्रेसमं (ग्राक्रमं) क्रमं (क्रक्रमं) मान्छार (इस्मालन) द्वक्यानः (द्वमानः मः) सिवम्भः (मरामवपनः प्रन्) अमाः (श्री वाक्षणः)।विक्षित्रके (मिम्ब्रार् अकेर्) भरकी (भीवबात्)॥ > ७ ७॥

हमार् विना थाने एम-काम-ब्राम (एमम कामम ह प्रकार्वे) वह (ज्या) सून्नी अवर्ति (व्लीमाराक्रम्यन) ह नुक्रम्भवार् (णालीनार्) थामे मान: नीग्र (धलमाखा हम्बि)॥> ७१॥

(मिक्टिसेट्टी)॥२०२॥ मिक्टिसेट्टी ।॥२०२॥ स्टिक्ट (ट्रेक्ट में सार्टिट ने आ यो ये आ) में में दि (मिक्ट) लामे में सार्टित में सार्टित में में सार्टित के सार्टित के

(ज्य कासवलान मानसम्मूदार्गि । कृषा अक्षिप्र । दि श्रीकृष्ट!) लग्नि (अव्यक्ताल) मर्चु मूर्णि: (अत्मार्ग् कृष्टि:) प्रकृष्ट! (हन्न:) कार्निक्टिनान्न: (दी। क्षिणिटान्ट:) व्यक्ता-वीव्यमार (प्रमूनान्देविक्रिनीः यमक्षिर्) म्रामानि (अन्निक्षिण्ड भीक्रिनीक्षां वीव्यक्षिर्) मिलि (ग्रास्ते) हेनि (यक्ष्मार्) हानिकाणः गारुण्टि (हेनिहः) विभामगा (क्क्र) गेब्र वय । शुवक्षिति : (डामोस्टाह:) क्यारं (अमम्बार्) वामामीर (विष्ठाविकम्बी)॥>००॥। (मेंडेयु अप्याप यात्र मार्थित का हर । स्थाप्त का कर मश्री आत्र । (म) कार्य ! (म १) भी द्याय (वीक् क १ मार्ड स्माभर) न कि मुकामि (तेव छातामि, उपा) म मुक (म डाम) ध्य (आभीर विश्वति) सप्त निक्षणः (धायशाविकारः) न (गाडि), भूपकृ विर्विष्मातः (भूषकृषा भूषकार्यन विर्वेतः पूर्वीकृषा माता (यन मः) इतः (श्रीकृक्षणः) मः (अप्रिक्तः) (वर्नः (म्बनी) विकरी हर्ष (ज्य मानपूरीक्यान जिल्ला हर्व के कि ।। १८०।। (दिमात्रवं भारत्या । अवाका भार्मिकार मामस्यार । ८०)मानमा देशाकीराने । (वारान्त्रभारानि । तर) यात्र । अतीर (भर अल-अममा खय), थपर मिक: (मिक्रिंगड:) (बर्न: (अक् क्रम्नेन) वत (बुन्तवत) देखारेन यन १ (याना व मार्ने यन १) अग्रिड (देव्हावया , छछ:) (म (मम) अन्दिव द्वर (क्रम्यार) के श्र (है लाकारतं " लगेम वक्राप् माक साम वंशित : म आद्रामीकार्यः)॥>४०॥ प्राका: (मामकायन्त्रा) निक्कमार वाववताव: (देवकान-क्रम्छ:) प्राममा कु लायका १ त्राप (व्याप)। थर १

(लक्षात वांब्रक्तार (प्राचा:) लामा:) अमे: मुक्र: १ मारिके: (धरान्) ह रोड विधा (विचित्रः) न्नाए ॥ > 8 2 ॥ · मन्द्रातः श्रमार्भः (श्राम धानापात्रम प्रार्थः पृत्रीकर्षः टमामी:) स्थय: यमें: स्थार (लायर) रतिसामी: (गर्तिय लागारमन अक्षे: साम:)है सक्षम: (भार) ' त्यांमा (परवा) लाम द्राम्य र स्थान् (र्वेश्वक्षाता):) तारं (या:) याह्ये: (आर)॥ > १ ।।। क्टक (क्रीकृष्णः अि) गामः पूनीतालाभवः (पूर्व विविवासार् मियामान:) किल्यम: (क्रियं :) स्टार्बिह: कार्वा : विवलक्षः (विर्म्बलः) थाडिपूर्वाचिः लाभीकृषणः (पालीकामूक:) व व डिक्डक: (मी-क्षितं:) प्णालकाम्यर्भ-विकिश्ती (भाषपार्वती-विख्युक: (भाषपार्वती गर् भीड़ाक्बः) कामू क्याः जिमि अरेशः (। जिमिन्-वार्भः) भामाना (मानमक्षाः) धम्ब छक्ष ः (वस्रामी) CHISMY apray suf ous marker : (CHISMY OC)-भः अवने वारे: वनमार्भः जत्रा भारेक्टवः त्वेवः देलाहरः) अमार (बमबमनी नार) त्वा साक्यं : (कार्य राष्ट्रकानि **डा**मिछानि श:)॥>८८ ->८।।

(अम त्यम विहित्रप्रमाद) मिन्त्रप्र (मान्त्रप्र) प्राप्तिक व्यक्ति (मानित्रि प्रकि) व्यापारकम्प्रहावडः (त्यापारकमः वानुनामः क्या महायादि) वित्यमिश्या (विवय वृक्ता) था व्यादिः (भाल हायर) वर क्राम खाह्या हिला (क मात) 11>8911 (वरेराडचे न्तां रेक्स व्या न्यासीयार। (व त्यानां) वैनः (कामक:) लाबारवस्त्र कि कि के कि के कि कि वा वसास याट) लास इड । (लाह्य ।) श्रे बार्य कार्या जना विषयार कार्य-भाषमा)वित्रभक्षवमधाना (विवर्ममाणमञ्जा) वियमधी: (गाक्नवार्ड: ज्या) अठा ह ् हेर् भान वाह (दिम मा प्राह्म मार काला के स्तु का अस्ति। कार (जियान की कृष्ण) मार्ग (केन्स) मारते : (मरह:) दुर्भ भ अक्षाक्षें वा (दुत्र क्षित के वा सदी किया (र) यात्र ; (य (यडाई) अप ह ई (जिंतवर्ष) में भूग द्राष्ट (बाकोई) वमा (व्यर्ग क्षेरवन्) ग्राहक (दुक्ष वद्य) तदः (मसार) क्कः काल विश्वितः कर्टि (विधारे बाहः)॥ 98२॥ (दुमारवंशासिक्स । सम्बात्रियावन्त्रीके मा मी नाव्य मर्दे-मूपता मा रेखि मर्मा त्वाका हे हुउ सम विहिड्डा भूमः महमाने श्री क्ष्यप्रभाती माभकु , त्रविषाद । विन भाव) मवाद (मारामनाद) विक्रमाग् (जीजाताः) भवाद् (मा-मम्रमा) आठवयः (काउवकानः) ममनाने (मन्तानः) किए १

मा (अभवा) मार्थ निवकुण् (अनिवार्थण किकिय) त्वेत्रक्ष (ए. म :) अम्भू वर् (दिवय रे मुंड) लाइ बढे । कुम (धावरं कुम) । य (लाम्या) ल द्यक्ता (मार्केलग्र) कंगाहढ (लामकंग्र का हता) निहित्र (तथा मोत्रामा) ड्राष्ट्र: (ल्पान्यायर) यो याष्ट्र किं (विद्वा किएं) । यह (त्रसार अवप्रें) वमक्षिक्रम् : (क्रमनम्पन: श्रीकृष:) अदमा देव (आर्थिन) वान अर क्रामी (जिल्यान , जिल्ला मक्यानिन्थी:)॥ > १ थ।। अमूजाम: जू कूचिहि (काम्रीशम्हिर त्यात्व) कर् थान (धारीक्षीक्रि) विनामः बननं (अल्डः मनं) भारतं प्रउः (वर्डभानः) लास ट्यक्ट (धाउं) उपदं (स्मिक्सिक) उगार्वे वर (लामरवं पर अग्रक्) केंकाक (लामकाम्य सम्भ्रात्वित्) ॥>७०॥ वामप्यम (श्रीयप्यामप्याभाभमा भेना) मुकायान (उपाभ) - नीमहाभवण्यामान) भरेपारे भी भी जार्य नमः ("कून नि! विस्मात्र द्वर्"रेक्ताम्म पर् भीकारियी कर भीक-विमात्रः) प्रमे (मम)क) हिमादवा (दिमादवर्गाञ्चन व्यन्त-प्रा मडा) अवर (यूर्वाङ वस्) मारे को में वर् الدعد الركامية

कार केंग्रेस कार्यात् स्वास मिला : व म 8 (लग ववासमाम) जैक्यु अंकातां : (जैक्ट मिण्यितां :) र्रे (था : (यानक्-यात्रिक्राः)एमआस्यापृतः (एमासक्-मामासक्-यमास्व-स्वासवादिः) भए व अवसामः (अमार्निकः खाक) म: आरके: (विद्वाहि:) खवाम: रेकि अंकित (क्रमांक)।। लम्ह वलायः (जगप्रध्यः) करंद विजयमः (विरामः) अवास स्वा सवास म्हल्या) क भाष । अवास (विमाभ) विश्वमास) रर्म-लर्ग-मन-वीडा: (रर्मक नर्मक प्रमक क्रिक) वस्त्रामुद्धा मुक्तावट्यामा: (मुक्ताववत्याहिता:) मत्तर काल गाल्याचिन: (क्यामालाया:) अभीविंग: (देका:)। म: (अया म:) त्रि व्यर्व: उत्था अय ध्यक्ति व्यर्व : (रेवि) विका (विकिर्द:) प्रार (ज्यर)॥ ==== >0811 (छन ब्रिश्वर्था) मार्भानुत्वासिन पूर्व (मम भम: (भमनामव) मू कि भू वर्षक : (उमा आ : अया म :) मार । यहक्षीने नामिक् (अमा दक्षानाः की कू एभामना दिक्षान) क्रिस्से श्राप्ट श्रिवस् ।। सा उठका > 0011 लगंड (वीष्येवय्: कारायः) लाल निष्टिर्मातं में दिवं ह ममगर दिश (दिविध: } मार)॥ का > का। > का। (क्याम) समायवि । भा : मावं ने ह ६ व्यो क्या ६ बाहि में वी भागमार्के प्रवर्गित । टर अस्कि ।) रामा लये

मंबेद्य-। सक्येत्र क्षाणां (भवाद लासमममास्) में एक्ट (मने न-ममर विमा) के एक वि वर्गमाना अस (के एक वि वर्ग में में में कित्रकार) व प्रविद्याला वात्र) वसकार (विश्वार क्रम) म्ब्रिनि-नियानिष्या (वर्भीक्वरनः) एक्सम् (अवर्ते) कामे (क्ष्ट्रें हिमा) एव मेट्स (सेममंत्र) १९६० प्रमार (इस्)लड: (एपर) यमेख (सममात)॥> वर्ग। (लग हिनामाह) मः ह (महन-असम्दिकः स्वाममः) डावी (डिमिश्न)) डवन (वर्डभान:) ह दुंड: (areles) ह (क्रेडि) विविधः कीकाल ॥ अवनी २०४॥ (बच डावि अवासम् पारवं छ । काहिर बुकापवी अम्भी र महम्लाक-(अध्याद । (द) नेश: अस्त (वैदेशवंशाय:) येश्यवं अति: (क्षीत्रम सक्ताराक्ष्य)) कारकार (क्षामाना) बाव : (क्षामामिनि माधि) यम् महां (सर्मे गढ़ पक्) लास्त (मार्केष (ब्राम्बर) (क्राम्मक कार्याक (क्राम्मवामुक्कार्याक)। टम (मम) प्राक्रिनं १ लेअनं १ (मम्बर) ह क्यार (मस्यर) (अवस कार्य) रेकुर (ए। स्रेसिक तमा माउमा) हैं तः (अत: अत:) भूगांड (अमार्क)। एवर (र्यूमा अस) हिंदू तर् (हलन्)शास् (धन:) क्रुकेड (विती किए)। इड! (कारा!) जानार् (डामिमार मुखर्) म नाम (नामभण्यामि)॥२००॥

(धम डवह १ अगमम् नारमंडि। नाममा विस्न वि) जाता: (र्यम्भा) विटिस (प्रकान) दुरम असेतः (दुरम अवस्वसा सार्य-एमार) वे खिल्ह (सस्यह) कार्म्स (साकत्माहन साहनं वार् प्राप्त भाव) लाभ्य भारत्यं : (लक्षं :) मे एव : (छन्द : मन्) भागत (वार्य) धाना मानी १ (धानिक संभन्न भावेर्) ममूछ (दुक्काइंग्रेष्ट । (इ) इस्ते । भवेत्रिः (भवेत्रामः) (म्मानु के मुं (टिंक्सरं) अममे : (विधावंत हे :) लामा (वाद वसवादकाः) (भारेकाः (धन्ताः) भावत दवडः (उव) (कारेका: (विमायका:) म त्रा: (म डायम:) अपर (कवः व्यक्तम्य) व्रेन्ट (प्रवच् वर प्रमासय) करि (百分石) 医日)112011 (का हे वर सवायमेराप्रवाद्ध। ज्यांका विभागामाइ। (र) मरावें! क्रम ते वी (चीक् थः) थए काप्र (रेक्टा नुक्र अर) पूर्व वदीवर्डि (विवाक्षा,) देपर त्याक्षडवर (आन्तोकिकर) विलम् मूर्मिनर् (विलम्कलर् मूर्मिनर्) था के भर्न मूरमाडि (अडाम पांड) व (। किन्) ब्रानित्वारी (ब्रानिश्वकः) भ : पामार कीर्म : (पामार क्या : कीन : माड्ड :) कार (प्रमार्थ) र्ष: प्र: व्याः (क्रामा कीन:) मि विष्यक्वा वा किली यः (अभाद वर रामन वर भी मां प्रम्) (म (मम) भीडा र जानि (विश्वरंगिष्ट)॥ १५१॥

क्रिमा ।। २० २॥ भद्रस्य क्ष्रास्त्र (अस्त्र) (अस्तर ((अव्यर्)) भिक्ष्य (अस्त्र) अस्त्र (अस्त्र) अस्त्र

(वर्षेमारवंपूर्म। यमंबार्मः ज्युक्ति दृष्यवत्यां क्षियोगंदिया मुन्यति। (प्र) खिमसाम् । त्याव । (काता । ति (हिमा) वचार (प्रथम) क्षेत्रमी (ग्रम्मर) भिलामेचा (म्मामेचा) कल्यानि (कालकरक्रम) अत्वालाभः (श्रेव: अवन: देखाला भन्ना वर अविभीड़ा-अपारिकार्थः) इज मनामेलापाय-विकारिकक् (रज्यनिष्ठाम पूर्व समाअभी केलाम निर्मार्थ पर विकारिक क्षिक्रमम् दे छर) स्माद्वार (अखवाम । अयर) हित्ये : वव (हा छार विशिव्या) एतः ह८ सम्मिष्टिय स्मेमालस्यामारं (त्र सम्मिष्टि (अम्बर् (विस्ते कि कि) नामी सा (सामी माह)॥>००॥ (देमात्रवंशास्यम्। दावकात्रिका त्यो भियात्री क्रायती-प्रत्मात्रादिन: अक्किमा अम्बादः वर्गाति। (र बीक्का) कानिकाः (धम्नागः) लालिनः (त्रेकल अतमः) अताम-प्रकंड: (माय् म्रीवर्गः)वमाः (प्रताप्रवाः) ननाक्षाः-भाव: (ह अकिवं ना अ ध्याकः) अ डालः (व्याविवं र-कानि छाए भीछाए) न इन स नाम (म मूनी क्वर्य मु , भन्तु)

कसार (कालाः) प्रः चिल्यार (कार्यः सक्रावः) क्रेक्षि (धयना ह) उपत्यास्कार (त्यामायर) द्राष्ट्र (वित्यम्य संबद) यामुकुर (साम्मार) यर का मृक: (सक्षक का मृव: काक मृत्र :) थहः लूदः (। रेष्ट्रमा) इतः (भीकृषमा) अमृषाः (निर्माहाः) व्यमी त्यो छा ना मार्थी हिंद : (व्यमी मार् श्री का श्रमी मार् (मो माना दिन् त्या त्या नर्याः थाडिमानः वर्षि भावकाः) नि: शात्रा: मणाडे (प्राक्षिरकार्यन वहरड)॥ ५७४॥ (लग लर्गाष्ट्रीस्कृ नगमधार) म: (मयाप्र:) व आवेशस्था-ह्यः (भान्ष्या १ भवाधीन छा १ देम् त्या अमा भना भः जन्म एयि) म: धार् कि अयर्क : (रेपि) स्थाक : (कार्य : र्रे 169) भा ना के मु हिमादिकारिकानिक (दिना हि अदिना ह उपापिटिक वामुकरं मते) कर्णक्या (कर्णक क्यां कं उनार्ड) 1174 व। (वर्षाडबंन्म । येमवांग वक्रवात्र व्यक्ति क्रिक प्राप्त किए देवार उदेवागाड महमहूट मामिश्तामनात्मव मोगरी विषा अवस्व गांव श कृष् में किता सावि मामवाशाह-क्व अवर्त म मलाभव कू कुए निक्कमा क्रीकृत्या विमलाछ। त्य)में साव । (मार्वाद्व ।) यापायमात्र वापायमार महरं (वर सेक्स ग्राम कार्यः (वर)यां प्रकृतिः

(मायद्याकुनामा दे) नायम क्रियमा वास्या (मायम क्रियमा मिन्रोतः मम्डिरेनविक् र्) मूर्यः न्यादेशीमङ्गः (न्यायके-यरमार्)वामील (क्रालन)वामी (द्यामे)। इहं!(वादा!) क्या मा (विमान कर्मना (विमानी?) मा : (वत) अद्मिर्दे के अप का किए तिय (अड्मिर्टिंग) के अदिय भी प्रिय मारका नव देनम व्यविद्यालय एपन (वन) विद्यार्थना (अविकाकी पूछन) दियम (विकिना) वर् कथर (कम ररक्ता)रेछ: (मनारेबीमङ्गार) मुबीकुडा ॥ >७७॥ लच (चयात्य) हिसा जामत्याद्वित्यो (जामनम देख्यम) जामनः (कृभण) याचिमाञं का (भामभाभेमा?) असाम: गार्थः देनापः (अप्रः स्त्रः (रेडि) प्राप्त (प्राविधाः) प्रणाः (CCAT:) 1120011 (अय । हिहासूमार्वाछ । त्माराल वात्रक आत्र) त्मालीक्रम्सम्मनः (पालीनार रूपमानकवद्भन:) प्रकृषः थमा (भन्निन् काता) माम्माः वमनंद (लक्षेत्र) लम् कस्म (वरमह्याम्द्राम्यम्) मन्त्रमार (क्रीमन्द्र क्रिमार्) भर्म मूबीः (भ्रम् काः) या : (भणः) जमा (जार्सन कारन) मित्रशिनी वर्षा धनम् निरमामिहरेगः (भना निविडा भा भूभेर आवका: व्राक्ष स्थालविड-टमाउटमाजा दुर्मिश्व क्योगः अखिष्ट्रां:) लमाशुर्माठं

(यह्नेयांतर) अस्त्रयंत्रयांत्र (यह्मसंत्र्य भूक्षेत्रक्षण् अमेरिय खनामु ममार वमार) हिस्माम्बर् (हिट्डन महिर मही जमार) धमाक्रीर (ममी बहुब)॥>७४॥ (लाम सामने से प्रकाष्ट्र। ज्यांसा क्षिल्या । (क्र) थात्र । मः टमाइवः (असप):) श्रास चिग्रं (भाष्ठः) भन्माहि छाः क् (Comaa:) क्या: (क्यलंगक् क दिन में :) । व (क्रिक्ट) के एक भाव (अह) लक्षाक भाम काम व्यक्ति। अक-11 (10 × 10 × (11 × 10 × 10 × (लाम द्राह्म सम्प्रवाह । आनंत्र मान्यासाय । (व) वसीत्रां दा कर्षे (थारा !) तम (मम) मन : व्यनि (क्रम् भ्रम् भारा इत ! (आदा!) अद्र किं कवती (किं कि किम्मामि)। अत्र (यग्रमहालक्षमा) वयद् (प्रमुक्त) भावर (धमवदीयं०) म कमगामि (म लक्ष्णामि ज्या) प्रवास् (वज्डीस् ६) म (य कथाना है। कसार) इरें (या लाइ है। है) मन (मनमा मुक्ता (मजाकत) गला (अनमाम) मलिय (इमाम्याम) टिम (मक्ष) वह द्रम्मारं क्रम (द्रमाद्रम) note (ganine) my sin (my zungen) any रिष्टिक्षिकरार (पुर्योगावमान) कवासीकार (लाइ द स्थि डमिन्या अमिन्या

(अथ जातवसूनारमंजि। हेड्यः म्बेन्सीमंशि विभागाम्यातः त्या अर्थित का के किया । (र) नर्य का क्षेत्र विकृषिः (देमका आविष्यती वकुासिक्सम् मूर्यभामा विकार्वः सामका भागः खेर्वभुक्त बन्नाः मा) थातः कन्नार्वा (अड: भड़ाउर क्रमूखिंग भाईना, मार विधान के गामिड: मु: शिका) मना (मर्मना) आराज्यका मार्थक- काहरकाका (आश्वांकाखन म्रेननारिष्डा क ना छात्वन भानि भानि । आमित्ने कुम्काले अमल्लाने त्वाकी म्कामियून् भव भा नाम एक एक माड्य मार्भाकी कृतात्व कारकी धना: मा) वार्षा छव विवद्षाभाष अमूमिनः (अकिमिनः) विश्वमाही (बिल्लायने के के बाद महादी प्रकी) निमाध (अकारन) कून्। (भूमा क्विम-मान्र)रेय कालम-अविभाकर (केम लागा: अधि बाक्ट जे म् एड) समगाव (सकाम ते न-11 56 511 (: 126 (र) अमर्ग ! (अक्क!) विमामा वव विवयविषडिम्नाविषा (बिक्र-विभव्य प्राणिका प्रभाविः आविषा मधी) हिमविमक्-विभीना साल-जूनानमा ! (हिमानित्र वन निर्मेष प्रम् रिम , विभी में त्रा अरह नवा कु जान कर्मी आत्रवा : मूर्याला थत्राः मा ज्या) अवसक्षणवक्षणम्बक्र भी त्वा अति भी

(मत्तेन कमार्वेन क्षका वार्तेमा लामवंग्रेक वित्न शिंह क्रिक AND CONTRACTOR OF SAME SAME OF THE PARTY OF THE PROPERTY OF THE PARTY OF THE PROPERTY OF THE P त्र भी भी के प्रतिकाति का कार्य ह निमा सार्थिनोर्ट गर्न में आर्टित उत्के त्रभा : मा 'क्रम) अवस्ति ला अविमी वर्षा अन-(अव्यानीत्यम व्यर्कन मूट्यीम जानिए रेकीवाय नीय-लाभ देव काम्ने सिन्त्रमुणम् प्रभाः मा वमाद्वा) षात्री९ (माठा) ॥ २१२॥ (अम समामम्माद्वि। त्यामिक दक्षा भी गर्म विमलि। (र) अभि ! नम् कूल छ अथा : (नम् कूल त्रा छ अथा : छ अपन Б अविमार्साम्बनन: मः) क्र (क्रूच वर्डा विश्व) मिर्ज-र माधामके वि: (मर्न में के के वित्र न न वित्र न वित्र मल्लाब्या विकः प्रतिवः म्यूनीव्या प्रभा मः)क (क्य वंदा , द्या) मूर्य मीन गृष्टि: (रेस्मीन गार्ड ; प्रः) कृत् (क्न विष्ड, जम) ग्रमम्म जासवी (ग्रम् - बरमन मृछाभीन: म:) क (क्य वर्डरक, जमा) सम कीव-इटभोगिष: (बीयम न्याभिषाविष्यक्षः) निर्मः (निर्म-क्षः भः)क (क्य वहात , वम) वर प्रवसः (भ्रम्-गर्भः भः) कु (कूत्र वेठए)। का (क्राम्स) दा दे ! (आया!) विभिन् (तियर) भिक् (अम्)॥>90॥

(जर गाक्सरा दवाड के। दिवाडु भी जीवंद् भा भाप का मार । (इ मार्भ !) त्याकूमणाण : (अ कृष्टम) वि (अयमना (विव्यव्यविष्ः) लर्ड वत्र (सवयः) खवः (सप्रायः) मेनु भाकतः (सेनु माक-एकंग्वः)लाध दुवास (दुवासक्वः किक) मवयमासार (विश्वामः) अल क्षाडनः (क्षाडमननः विक्र) प्रासातः (बबार)काल मृःसरः (किश) हमाभ्रणनार (इम्प्यावर्ष-मागार) त्यान त्यां (त्यान्यामा) के : (ली हा कर दे अत्र :) किक) छो दिमू हिका-निहम्ह: (छो द्रा अयमा पा विमू हिका ट्यामि लियः छ प्रमूत्रा १) थान हेलेः (थान्माप्त) वीवः (मन्) थका सम समीति (क्रम्णियम् म्यानि)। हिनाउ (बिमान्याडि)॥>98॥ (अटभानाम्ब्राम्यार्वाछ। हेक्यः भीकृष्ममात्र। त्र) ब्रवादम ! वार्था विषमविवय (अद्याद्मानि विवास हिला (विश्रमः अक्रमीयः विवर त्यार है। भिवि विकासया के यर काम्मर विज्ञातुः विश्विष्ट हिङ्धयाः या व्या अडी) निर्मिष्टिः (अकावने) इमरी (शयर क्यरी पडी) दवममार्ड (ग्रमार्क) ममार्ड (द्या) एडमा एडिमा (मर्स्य) हम वार्डा (इडर्) यमगढ़ (भामगढ़ 'टमा) शक्षवाश्र (क्लिक्टरा मन्) इति (एछान) मुर्वेडि ह (भाविवेडिए ह)॥ >9 व।।

धर्मामुखाक (त्यनवना का मेरे) 2 2 8 (द्रारंक्त्र के के जा वा का का का किकर (लकाटक लाम्बार के हम् माण् पाकालिकः) अदेशममिन् (अदेशमममूरः) निर्माछ (कर्नाछ ,किक) इस हमप्कृष्ठिलवा (मणी) त्यापकर्थः (हरकार्म द्राधान साम्बर) आकामाक् (लकावन) हीरकावर केंकत । (१९७) मम्बल्याम् त्यास् (माम्बल्यम् निक्रं) महर्मिष्ट (व्यशिष्टिक्र)काक्रमर (यममर) किन विख्यादि (बिष्ठावंगि । किक मा) भी बार (मैं महार) स्पर्व विकारणा-विष्या (क्षेत्रक विवय स्वतार) आना देव अपूष (AIGI) 11>9U11 (लक साद्रमेरा दंग्रे । तर्जा में की के के काल आधुरा में वा निभाषि । (द्र) क्शारन ! (श्रीकृष्ण!) रेमानी (धर्मना) एव विव्र-मूर्वा- अश्वनी (जय विवय मनिया था भूष्टा सिव अश्वनी अभी) केवनमंत्र्यः (में प्याष्ट्रमात्राः स्थात्रात्राः) द्रम्ह स्माष्ट्रवारं (माराया)। विश्वति (कत्वानि । जभावि मा) केमार्कि (लेग्रमण्यम्भ) निकास (निवान गणि) अकिता-मानि छम् (अमारिका निष्ण भनि छ वर भानि १) इमारि (कारमाद) दुसाय (दुसलका) मार्म (क्यानमाव। विमूक्ति (विमालगार्छ। छमा) वाक्र सहवी १ (मगना अ -भावार) बनार (वानन) म्राया (वात्र त्मार्क) ॥ १९१॥

(ला मेळिसे मारबाद । पालवा समेबामें की केम दरमहाता दुमामल्) लानं सामक्या शामक । इह । (लाया) वस (में मूर्) त्रम (विगा) सस मम्मर (म्यामामार) मवमवा (मिछा म्लम) भरमा (मछीवा) वर्गमर्थ (त्वमववारः) बद्धाः (धावणाविषा) मः वृ १ ६९ (धिर देनानीः) मुआलकः व्यात्र (द्या कार्यकार्त क्काम । वता)रेमार् (मम मत्रीर) हिरु (अस । मार्टरें धाया विकार व त्यान हार । नम् किसमा सदल्यभानकर्र १ छत्रात्र)यर (प्रमार) वज्याः (मम मळा:) नाममनिश्विष् (नामाभार निश्विः मानिष्)रेन् जून मक्रा (जून-४७ ९ अमा: मारी मारि म रवाडि भरी-क्रमार्ट मात्राम् रेक्ट के विषक-मव्याक्ष्यः) क्र (धर्मनानि) हला हि (नि: आम वाग्ना प्रक्रमा । थड: लयंग द्राप्ता मार्थाः अत्याः हिम्द्रास्य वक्षापि द्रि Jus 12 13 11 30 11 आर्मन अवासि विमास रावः (चीक्यामा) अभि जाः et: (अंक्साकाः) एआः (हावतः)। लच द्रुवस्मार (द्वायक्ष प्रता वास्त्रात) नकः द्वारवप् अक्टार (30/10)1129311

(पण्यात्माम्बानं दुणप्रसिवत्रो : मर्बेद्रनं क्यां मर्केकालां केक्सरण मिर्राड । व्यानीए !) शस्त्रकी भिटि: (श्रास्कारी भा : भीक्कः) क्रीडावेल्र एत (व्रष्ट्रमण-विश्व विद्यार्थे विद्यारिक-मगं : (अमावती मार्का व (मूक्ष एक म मार्ग का व कि का मिक्रामात) क्षेत्र (अग्राताः) नात्राः वेतः (वार्यान्त्रीयन्)त्राल-क्षेत्र क्षेत्र वेत्र वेत्रियान्) क्षेत्र में वेत्र क्षेत्र न देला (ना बिनमि) किनु नमानि द्यानी विभाद:-निमामकी एका लाव (ब्रह्मालियः (लावक्रम्म) द्यामी विमाउः पत्रवस्य । निमासय निम्द्रम देणाविलात) गा दका-यिक्चार (यात्रकार्य ता पाट्टक्या हार) सें ठः (त्रिकष्टें ।। बन ८ ॥ (हम्में) हालाई (क्रा श्रेष्ठ) भागत क्षाका मार् (व्यक्ष्म आ मार्) व्यक्ष तक निर्वेश्वार (अतक-अकावषाकिता:)मना:(स्वायम्) व्यक्ति विविधाः (अतक-अकाबा:) कु: (ड्यम:) इमकीणा (बार्माडरम्त्र)रोड नवा: किन्ति (विविधा ममा:) देश (अय) न भीडिंका: (ट्याख्न:)॥४०॥ न्छा: (अस्त्रक्रमा:) हू म्ला: त्रमशामाः (वन) त्यम-(ह) अर्खायकर्गा (अर्खायक्रा (अर्थायक्र (अन्) आस्त्र क्रमे आगंभाः काल आवावभाः सम्वान (सावावन स्वत्र वानंदि)॥ 20- 211

(अस्त्र) म अदितः (म स्वाकः)।। १०८।।
(अस्त्र) स्वामित्र (क्ष्मे प्रतः) ।

अवामित्र विलितः (क्ष्मे प्रतः (क्ष्मे प्रतः) भूकः
(अस्ति विलितः) अप्ति (क्ष्मे प्रतः) भूकः
(अस्ति विलितः) अप्ति (क्ष्मे प्रतः) भूकः
(अस्ति विलितः) म अदितः (म स्वाकः)।। १०८।।

काम नेश्राच्याता मक्षेत्र @80-मन यर्ताम- विदंगमार्थितः। न्याना (वार् (क्या)) इरवं: (अक्रिक्स) अवद्या (वार्षि हिंद्या) मुलाबुलक्ष्य लर्ग्यकः (लर्ग्यावम्) पानुश्रमक्रवार (अम्मनीनाः) आसी (मुल्माका) विवश्वमा वानेन (BB7) 11>1011 वामानिविधामे : (वामानिविज्ञामि:) प्रमा (निवृष्टवर) व्यावाली विश्वा (विशवः क्रिका) श्विमा (भीकाका) मर) बल (पवी माए करि हिए (क्पाले) विवर: म धार्य ।। ४० ७॥ (बन माम यह मंद अधा मंत्रा) मच (गश्रम र मानंदिर) कर्त्रश (अक्षः) (मा-एमाय-एमावकामारं (भवादीनप्रक् मलं) की छार्ज (मिछ) विश्वति)॥>७१॥

यात्करताः) लाय के चार (लाम्मे कु लाबात) एक्ष्याप्तश्रमासुमार (लग सरमायमार) में याः (अवस्ति विकास विकास मिलाने । पिट्यमं (प्रिकार त्यक्ता लाक्ष्यत्य) हे सायर लात्वार्य (मामूबर्) डाव: मासाम: (रेडि) भेकेख (क्याख)॥>४४॥ मतीचि : (विश्वार्ड:) थर (त्रामाः) मूकाः (मोर्र: 6 रे दिना (दिनिष:) हिम्ल: (हेक:)॥१००॥ (बच में ग्रेमार) ब्रामित्र में ग्रें अधियाः में में : (इ) ह क्याक)। मः (मग्रायामाः) ह्वासिशः (मार्)॥२००। भूमवागठ: (भूमवागठ:) आना १ अवामक्रम्ठ: (किकिप्र-व-भममक्रमार् कू मून्वभममक्रमाक अवामार्)वाजाम् जम् (मटम्हालाम्) कमाप् (यथाक्रमण्) मर्थिष- प्रकृति - मम्स्य प्रिक्ति -ब्रष्टः (प्रश्विष्ठण प्रक्षीनण बाम्बन्नण क्रीकियान् ह रेजि) बिर्: (बामाडि)॥२०२॥ (कान सर्वाक अधार) नाम (ग्राभुरं अस्थिति) नेवास्त्र-(कान्का-मार्थको अम्बम-ब्रीखिलामिछिः (अम्बमः छरः क्रीडिछः मका क्रामिडिः) भराकिषान् (श्रुतान्) हे जहारान् (उन्न अविवारे) विकायक (महाभागानि वस्ति) मिरमाना (देण कुन्ताक) मः (मामा :) भराक्रिष्ठः राठ भारेषः (देकः)॥१९४१॥

अडाक्रक-(बच मारेक के वर मासाममार वार । मान्त्रीमेश स्वांक्र सेशा-मार) भीना हिन्निक लिन: (भीनग थाहिन्निक: ठेला लिक: त्मेन: cmनक्राता (भन म:) वाधिका सुनम्मार्भ अभमममामध-मार्मवम- (वटवार्ज्ज : (अअम्ममाग्रम आक्षमा ९ डग्रा ९ टबरवार्ज्ज : कामिछः) इर्षः (श्रीकृष्णमा) र प्तः वः (भ्रमानः)क 1300 11>0011 (मार्काक्षर्माक्षेत्राहाममूप्तरवार) वाका नवमल्य (जीक्टकन मर नवीन-प्रयालाम) हुट्यु (हुमुनवालाए) मरेन्डम्भी (बन्नाब्डवसमा) अहु (जावा। किक) जरा (उरकात) आभिन्नत (श्री कृक कर्ष कामिनन माभार) क्रिक्रम्म अर्था (यक्षी के दिए) ना स्थार (रहे वा) ने मार्थ । क्रिक्र में कि क्रिक्र के क्रिक्र उसर्वाम : (क्या : क्या म) (माद्र (क्रीडिट) विपर्ट ह (अशक्तर काम गात - विश्ववाद्य में द्राप्ट (इर्दर) विम् (ईक्वडी) 11>3811 (लाम सक्षीम मात्र) भव (गश्रम प्रदक्षात्त) देलका मः ग्रीक-श्रानंभादे छि: (आक्रम् सृज्यादिछ:) त्रङ्गीर्य सा : क्रिश्मिन्या-(अर्मेश्रोधायाः) थें: (ब्रात्रः) शिक्विद्धके त्राममः (मिकिछालुक्र विन (मननः मानः) मः (मामः) मङ्गीर्भः

(रेवि क्या । वक्र रेक् वर्ष वाम् एक्क कर्त यथा

क्रिके कार्र कार्य कर्म व लग हर है का लगान कार्य न सर्गाति क्म ग्रांमा भर् परिवाय हर देवार्:)॥ २०६॥ (ल्टेस्डब्नूम्। क्रमाहित व्यम्सम्म संगत्मव अवस्था करण). अडिमार्य) श्रीकृष्णम मद मलम्या प्राञ्च जावत्क्रम किमि । मभा ही जमा निका भेरिक मामा (म) वार्षक्या पत्र कर्पाहिये! (मुरेक्सा) सार्यन्था मुट्येमान (लर्यनंग पर तर बास्टर रिमव सूची अमुक् (अम् जानि) सम्रम्मार्ग (मर्माय्र मर वर्डभामानि) मारमाल वास वस नीम मृति लिलानि (सामम देल-व्यम निव्छा वसनीयः द्रानीलंखः कटाक्रणाला त्यस् वानि) मान ममन्म् भानि (हेर्क् के मार्गिक किए कामि) धाननं -विक्रीडिणनि (कन्म विमात्रिणनि) समाहि (मिक्रकामण् हेएक (केरे विवास्क्री) 1130 छ।। (देमारवं भारतम् । माली मानी पूत्रीः वसमात्राप्ति वार । (र) मार्थ! वाकामाः विकित्याकिष्ट् (शेषप्रवनामिष्ट्)वकुर् (मूअर्) माडिसमारमार्थ (माडिसमारमा अमडिसममाण हेर्ने) विन्नू (अकामां । जमा) इम्र हो। (यम आहा) मृति: न्तरेण: (मन्द्रमम्) अर्थाव (निष्ण्य पर दिन् (अर्थाणा प्रमानम् अवलासकरीर लासमीर)कामि (मृहये । एथा) धिविभम (धित्रत्रत्रा) गक् (गर्नी)धार्थ- धत्र्यक्रतार्

(अर्मात्यार) महले । मामाहर (मामावसामर) क्वली (प्रकामने क्षीक्रम: 'क्या:) लाकेशि: क्रमाल के के हिस्याल (ogrippe) 1120011 (ला सम्मन्नमाइ) कार्ड (फंरक) खनामार मञ्चल (मठमम्बरे मिनिट मार्क) टलाम: ममा म: (भेरे) ग्रेपिक: (टकाक:)। म : अर्रम : आमार्छ : धार्म् काव : ह रेडि कि वी (विविवे :) मार्गा 115 के (क्यामिक मार) भोकिक रायशास्त्र (माकामिका हब्ते र) बाममन् पामि : कार ॥ > > १।। (कर्णां विमार । वमार द्याम्याना है न्यू कि के स्थान ही-विभाभा अभिम्याम । (त्र) मृ पूटन ! (स्म्याम ! प्र) उक्लमर ममाकः (मन्नारं) मा के के। ट्रायम्मारं (अवास्तिवेदेवे) स्वयुर (मुकामने शक्षावकार) न हि (लामक)। इस । (लाखा ।) थार्थनर दिवमर (ममन् दिनर् काका) विद्यासकः (कानु विन्त्रार्) क्राह्म थात्र । उक्रावामिक्: (अक्रामानाकि:)शरी (रायणान् मसारदा वा)भाना छः (जमतः) नी ए भकः (नी एः अ भाग्र १ ग्री जा भागा भाग देश में पर भाग मः) वस्ती-अशः मूक्षः ।मना (मक्तरकः)॥२०० ॥

रामः (मिष्टकः)

(ला मार् कावमात्र) एकममण्यम् विश्वनाताः (एकममण्यास न क्र छावविकत्मन विश्वनानाः काष्मानः) त्वाकानाः ((क्रमेश्रार) प्यं : (लमह :) ध्रे : (क्रम लक्रमार (म्रामासुन्य धालममण् वितिय) अप धार्मिक म: वार्यक्षतः (गृह) दुधित ॥५००॥ (जरूपार्य नेम्। गमविष्यसामसुवर् क्षेक्क वार्डावर जीलुक लार । (र गमन !) भी लासूयमन : (भीजनमनभागी) अश्वी (वसमानी) आक्रानामा अन्यस्यः (कन्नज्ञानि अल-(भारत:)माग्यानम्भारक्षाः (भशमनद्रतः) क्रिक्टिलोविः (थीक् कः) जात्राः (विवस् काडवातंत्रः टामिनाः भूवडः) आमित्र (आमिर्डेड:)॥ 20211 (देमारकंगा देशमें। त्यामिक हर्का त्रीवादा पाम्यार वाले बायर म (मान्या हमूका आपूर्वा (वार्य वमार) वार्म शार्भ ! मन्न : मूद्र विवस् (मूद्र अव लिखेलू) अस्थ (अला का जर) न्त्। मत्मानिधविक्ष (यनमः व्यातिकातनः)रेष्ट (माभार मरम्राम) रेगेप (दूरामरा९) थास्त्रा (विकासरी ना) मा दू: (ष्ट्र व डव)। ४९ (ममाप) (छव) वयमाः (ममा भाक्ष:) (मार्यक्रम विभिन्न (मार्यक्रमाव) (आप्राम) (मामा) प्रक्रमार (क्षेष्ट्रमार) प्रकार (धनवत्राम) हुम: (अष्ट्र) श्रामक्रम मालिखी

(भारकनार कामाकनिविवास भारिका त्रेम्कं) धाउटमाव (विकुष्यान्)॥२०७॥ मांत्राकामवातः (मांत्रकार द्यात द्रेशमः) जार् विव्यवाधिक: (विव्यवस्त्रम् भी) प्राह्मण: विक्रामभ भूगर्भाः (महम्मान स्वायाम्) अवसाबाव : (अवर कान्ना) देवाल (मगल) गर० 811 अय (आर्मन तेश्रमाहित प्रसाल) त्वर्नामाल (त्वर्गमान काल) कूनारे (क्षीकृष्टकु छी प्रणार्) विवर्गार्ड: (विवर-भीड़ा) विश्वना स्नाप। (भवन क्या) भाद्रकाव (मि) प्रकाडीके म् लाप्यवः (प्रक्षिण् थडीके: मूलाएमव:) उरा ॥२००॥ (लग मध्यिष्ठ मार)भावक देगार (जन्मीमद्वार) विग्रकरंगः (यमम्बिट्ना: , वाकाम) दैस्ता प्राक्तां (देस्क्रेस्न्यांताः) म् ताः (मामक मामिक एकः) भः देन का ना विषकः (देन-(दाममा कित्याका वादनाः) मः मदाद्विभागः (देवि) कैकार (क्याल) ॥२०७॥ (जम्मात्रव्राभः। मावकात्र-नवव्यायान विश्वकर्ण निर्मिणः रेक्तीनमान मणीः बीक्कमृष्टिमय माभार भाषः अक्कः

मनामाना भीना भारतमहम्बन्द्र नवव्यापार । (त्र)

इन्बर्स । (हन्समाम । माम ।) मा उद्घ (लाया) सना मत्रा (अकिस्मा) कारायाकामां (यम्यायामां) द्रम् स्थारं (स्था-भागर)यमः (एरर) त्वायमा (वायम्या प्राम मा दिलाहित (क्रमावियावान) अहै: (विल्मा) हेग्र भीडा कि मृति: (भीलांग लाखरीम्; लाख्यातंत्र चार्यहात द्रामः) त्यारा (मार्क् कम अम्बन)कामिकीम व्लीक के प्रक्रिकाहि-प्राव उठी (कानिकींगा धम्नाप्रयाक्षिती वरी वरेषात्म: उस क्रीव क्राएं क्यू हवमधार्ण भीड़ार्यः थाडिमानं नव उक ्यमा मः)मः (अक्क समः) अथ् की विवक भः (बीयन वाक्षय:) हु भ: (भूत:) प्रमाप्रापिछ: (मभा आकः) ॥ २०१॥ (देपार्नेन तुन्थ्। प्रकार्भन अमस्य प्रमार भीनार्थार हिन-अवात्राटतु त्राकाव व्यवस्ताका क्षीकृषः त्रातमत्रमादिश्यमद्भवमार्थ। (प्र जिंग्लि !) क्लाह ए प्रमी क्ष्रिक्ष हिंग (हिंप कर्ते क्षि वास्त्री में 6) क्रमाई क्रमार्ड (द्वमप्या) हक्षण (मर्म्या) स्तम भागा (भवत) भूगः (अप्रहार्ग) भाविषां कनकवृष्टिः (प्रवर्ग-क्ष्म) नामारात (मार्का वाकात वमा) समा नाम (मार्था) वव किममि (किकिन) निक्र (हिस्ट्) आईम् गाजा (धार्विकाजा प्रवा) निभिन्न ताकनश्री: (धार्भन हुवन (मा छात्रक्षा) का इम्द हैं (१४) साम्राव (व्यक्षर) दूसराएका काम् (मालाम) ॥२०४॥

रिमान्दि (विश्वति:) इत्रव्यमाला एएएन (इत्रम्ह स्रमानक रेवि ट्डान) अवार् (महामानार्) हिक्साल (हिविधेन) रेकी (आस्माम्बा) आम अय (अभ्रम् यान् मा विक्षणणा) न दि (दिय) टबाक्स (म काश्रवा)। मव: (मस्राव मा) क अज्ञाम-करी न (धर्मार अष्टरमेय व्यमा न अकाम करणि हिंदामण 1 (TENEN) 11 20011 (अथ (मान्याय) अस्य अमा रदं : (अक्कमा) आहि विलय: लोन: रेचि अर्थाख (क्याए)। अस मामाम्बिक्षवाखन (प्रामात्राक्त विस्मार्थाणकि एक्ति) दिया (दिविषेष्यत) यथः नीडिंछ: (हेक:)॥ २४०॥ भूकर का हा विमें (वितासिक का सकी) मः (मनः) का में छ: म : छू (वर) मामाना : (ज्याका : वर्ष) । मामकानिर्मित्य : (कामकारण गार्श वित्याया यम् जर्व) मरादु : (थार्व-विहिन:) अन् विष्मव: (ज्या-भ्र: श्राष्ट्रा डिक्ट)॥२>>॥ कारमेशकरोद्रमण : (कारमाश्वकरो वर्षात:) अमः (अम्मे)रि

वर) हर्षा (प्रश्निष्ठ-प्रद्वीर्भ-मम्बन्न क्रियंश-क्रिय

टिंदी: ह्यूर्विश:) व्रव: 1127211

(क्य खाम मराके समुद्रायकालि। ध्रुक्तानवनी भीवाका विभाभाषाइ। टर) शिम्माम ! , बबार साम त्यानी मर्ने विमान विलेश मी विस्के : (मबारकार-त्य्रमाः न्वनमन्बद्यानामा प्रदेविष्मन् भर्मे न् विलेशनिव भार्ष ह बाह त: बारे के मानुक्व : (आला नुआरंग पार म:) विमक्षातार (वामिकातार)हुडाभी: (व्यक्षे:)क: अभि वती भन मबभूवा (मम खाल अम्पिनर् (अन्तर्)) लम् नि- जनभाषीम् विषत (अम्ताकि भूकानति) विश्वाव क्योन: (प्रन्) मुभर (प्रम करनर) हम्बि ॥२३७॥ (अम सद्य मही नम् दार्वि। काहिर मुक्ता सम्भीमार। (क) मसीश । साम । (विद्याद कार) में मा ल हैं (न हर) प्य (सम) मम : (लखं:) लास त्यात्व: (लसमात्व:) म (गारि । तव:) अडर् जार माना निका नार (भान विक् । भागा) अम्मर्ग (अर्थाण) कात्न) नः धम्मम् (म निवाविषवणी। मिन्)एए (उव ममा) दृष्टः म: (क्रीक्फ:) बाल मार्ग (मर मार्छ) जमा (वहर) वसर् विर (वसवधनः) गारिष (कृषवान,) धषः (धनाः वसक्टिः (त्राणः) विश्वीना (विकृषा) आर्थ देग्रं (भागा प्रिकामा) अग्र (17) हेन्सम् (मिन्छिः) धरात्री (भाषा) ॥ २>४॥ (अश्र अस्त सम्मन्नमूमा र वृष्टि । सी वृष्टी सामि । (त्र प्रार्थ !) किन हुलामी: (विक्रेन ट्यमें:)वारों (मिन्कः) यदि भर्

ELL (DEL) ana: (Ma: OLL) MOLUS (NOWE SLAS) मेगार्क (मध्ये) समान्त्रम्: (संबे;) क्रिय सस मातु: (मर्थन् ट्रिंद । लवन) मवः (ममाद मः) अवकाषि (अवक्रार) रेट (MA) = र्यायम हारि (र्यायम (अपन) ourse: (ome: मन्) यनाए (वनर रूषा) भार्वसमाछ कः वा (सनः) देपर (क जनमाम्बर्ट) (आपूर् (अन्तर) वाडनिव (आक्राक्)॥ २>६॥ (अय यदम सम्क्रिम समूपारम् छ । तयक्तावत्रा भीवाधा भन्नात्रह्णः चीक कथन्य प्रवर्षाता (कि ने कि । तर) यात्र । लेश हिवार (मुन्तु-कात्राद अवर) विविधि प्रजाद सम अएम हे अगाल (आएड प्रिं) टमार्सः प्रत्राताः लाश्यक्त है वर् (प्रयोगस्याम्बोन्) सरमार (याक:) । इड! (यादा!) लाम (यम दुम्) जामीन वामी (मटमे र लि) भक्तः (केंबः) सः वाश्य मेमः (लर्केनः) वे खिल् (मुनें) वं मर इस्मीहा कि (लामां) मर्थ कमर (क्ष्य अकारवं र) अल्यामन : (मदीयः आरक्षारहित)॥ ११७॥ ्रिकाप्रकेश्वरमा: मस्ट (क्रिकाम अपृथिकश्वरमामः लानक्षम अल्म्बन्म क्षेत्र के क्षेत्र (मानक्राण्काणः) हिटारे : लाज वैचात्र से म : चव टबारोप् (लामुक्सर)लाउ अय: क्रिडि (के अहरे) लवाक्रिक: (मक्र नव सारे)॥ 5> व॥

we वर वि विकास (विक्रास्त) अवसाद ए विश्व लाल जालान महत्रमधीन (ह्मनाधीन) जामान (बाजदन-# Inic) and 2 2 mile 1152411 वृत्मात्र्छि विमृद्धिः (वृत्माठ्य विनामक्षः) भः अत्रः (यः) क्रमार् (विश्व छिन्न आरक्ष्य); ववार् अक्रवाम् वक्रमार् ममार्थमाष्ट्रीः हरूथीं अवमार्) आले गलील (काटक्मा) छार् ट्यममग्रे लक्ष्मीर अयम् र प्रश्निकागर् (मन्तिकागर्) हारे विगाने (बीर्क क्रिंग्मी मार्म मुक्त)न मस्वि वर (टेमरवाममार्ड)॥२१२॥ रोड (मुक्साका १ रहाता:) राव जायमां (भीकृ क (भ्रम:) कः आमि (आमिक हतीय:) (मामा: (म्बिक्टः) विनाम: हिन्मपुर (हिन व लाह कर मार्थ) रेम लाक में (विमान मने) के कर लयर (अकासर) ममंत्रगिष्ठ (यालगिष्ट)॥ २२०॥ मा (लाम दें) गिलमें (मर्क्स मिन् मित्र) (म लमा: या धार्यायम्भा १ क्रिके (मारे) माम्बारे (महार जमा-इंगः) त्रालममाः (म्मानार्गः) ह्या विलामाः (मासाम-विस्था:) विक्लाउ (निर्द्धिणाउ)॥ २८०॥ ए (मामानिवाः) ह मन्नित् वतः मानितः वर्धाताकाः (मार्भ नि खार्च:) बाम- व्यावनकी छा- भन्न मा प्रमु एक मा:

(गयक रंभारत काता ह गर्मभाएं। लग्नीका १ विष्युं। ट्य- त्या (त्रोका-क्रीका) मीलण कोर्फ (यण्मादि द्यं रेट्) भरें: (माम देगांव कावि एक कार्र) क्रूपादि मीन छ। (क्रूपादिक् थियोत । स्थि :) मर्गायर वर्ष्ट्यक्षि : (बत्त्री (बत्त्री स्वत्त्रक्षर) कलिम् छल (कलिमा) युष्मीडा भोत्राई: (वमाकर्मन्) ह्या त्या वी (ह्यु में (ध्या के में के के विश्व (त्या भी सुमा दिन् नथावितामः) विद्याधिव म्र शामान् प्रमु (गमान्यः (प्रभेनान्यमः) मजः (निनीजः)॥ १११-१२८॥ (छा प्रमान मूरा द्वि । भी ग्रेश कुम न जामा र । (र) हमार्थ ! (इलन-नम्तः) भाव९ इनमक्ष्कुलक्षिक्षेत्र मानिष्म ना साम्बर् (हम हा १९ म व वा कृ जि - कृष्ठ मा छा १ भू विए प्रका भए पूर् गहरू त या वर)रेम् बक्तम् मः (अक्क म्रक्मनः) व्यवस्थाक (विष्ठाक्रा) म दिला (न वास्त्रा) जारर (जावतु ् काम ् भाषा) अक्ताकण : (अक्कमार) (म (मम) ला : (असर) हते के बाह (द्वारात में किक) शवत के पार्ह्याह बन् (कूनमर्भाषा बन्) ह (भभ) भनाम हेन्सी निह (A DIMES) 11 22 211 (जम बस्मार) अवस्मवर् आकी (मर्नाअ: , जमा) विकामा डि: क (मिट्याकि:) ह मन्नः (रेहि) क्या ए ।। १८८०।।

(वय अवसंबद (आ क्रीमिसरबेदि। सामार् मिककेश अविक्र उमात्र) जून सी भेट् कर्यान (क्षेत्र निर्माद्वारम्यार्थः) ज्ञालंगः (किट्य- गाम :) कर्र अस : (समात्रा तिवर)। गर (त्रकार) गम : (इमलंभ:) न न: (क्रम दी:) ममतः (मर्छ:) ममन् (म्लानः क्रक्तरं)टमा द्वरं (धमंत्रः) म धारमा वि (म प्रारमा वि । वामार् भक् : प्रकालाए बाबजन म् छाए के कि कार के दिकाए , पूर्विष्ममाप भा म विका एक छिष । । वाक दुक लंभ : मर्जना लारा वि नक्त . मली दि व दिविला : जमा दी अर् किया क्रिश् अम : न अप देल थी:। यद भमार मणते : अवा: मकूमधी: मणम् म लाडमधारशावि जाहिनालि बालिम्भातन अभे: आर्रातिनि Gाव:)॥१२१॥ (अम मुक्टिमार डूकां आसा छ । अर्थित मार्थ के का : माडि-त्माम के वर का कि के के का निवास । (प) वास । का का हिन वा व-बानमानेका (अटमोट्न अमूर्नन दिनमालन हत्यन वानव भी छ० धानिक लनारे धाराः मा, भरम धारको : विकनः भः विकग्रवः म्मः वहर बेळा (ला क्या मंद्र कार्य कर नमारे प्रभा : मा) व्याकान (एटर) क्हार (काडीयार) मगार (हगार) विद् विर (डमा) नक्का (आक्षा । अक्षाः नकारं नहीताः क्षारं महीताः विद्वार् ममा छिए ल द्वा) कृष्ण वर्षा वि सम मृ वि : (कृष्ण वर्ष ना धार्म ना विसमकी हार्कः वृषीयत्यः यभाः मा, लाकः कृतकत भारत्य

वर्षमा तथाना विस्वारको दूखी नगत यमा : मा) विनामका (मिलाराम काहित्सराम काक्रिया नाम विलाभण समका व्यक्ति मुक्ति) त्रताक्रतमा (बानम्-नप्तेकत्ममा) दिवा (कातमा)कम्बर्तमा (काममा) विपम्ना (पार्व) विपम्नी-(क्रेक्ट्र) 'भाभ, त्यत्राक्षत्रका लामाम्या, खिना शासी कल्ल्या. विम्ला क्रिका क्रिक्ट विम्ली कु विमर्थी) व ् भिय-मृति: (मञ्जून मृति: भाभ मन्त्र मृतिण्ड) धार्म (द्यामे) दे नि (अछ २व) हे वसि (अवभाम) (धानीन्यर (वाम किया , अरभः त्याम्यारं स्वात्याम् अवारं द्रमारं (अक्षेरं) भारं लाभी करे (2244) 1122611 (अभ विक (आकि सूरारवि। पानभी सु: चीकृके: जीवार्या अक्षी: क्षमम्बार) इड ! (वाद्या !) समा व्यक्षमं वाद्ये (त्यावक्षमां अत्ये) दाबादि (दावयसारिकर) बिछर शवर संबर् क्षा क्षा) कार श्रीबंतभा : (म्रालाहना व्यर्गः) क्रेनिमीक्षाएं (दिनमुव्यूक्) म दि आदिन: (म आमिन : , बर्ग अव गाहिन देन्जरी:) काकृष्टिक् का निवन्तराः (काकृष्टि मानिवर् वदवर् भामार जाः) मीना : (काल्वा :) था : (ब्रिन नम्ना :) त्थो द्वनीप्रशी हि : (त्योगाढि: यनीक भाडि: मडाक भाडि: प्रश्रीटि:) पृ वार हूर् (भी भूर) भयपात्तर (भयानार अभावन) अनुकम्ति व (अम्यूरीजाः)॥१८०॥

(लग स्मानमिरायंति। कार्रि चमां रेशिकारी लाक्कर्रेही द अम्हर् मव (मानताव मार । (म) कल हिनि ! वृ दूलना विभम् (मामुकववंत्रा)) अमा (त्रीकृषमा) हुल दुल (मान (प्रमेष्ट्रतान जिलान इतिन) म्लाल : (मालाप) हे तहः (या रे) मृत्रिका लास । (लक:) नाममार्न मूकं (न खनादर म्यू ति खिलार्न न क् क । थण:) एण (छव) छन् : (अवीवर्) धनु अम कद्मा (धारिक्या-मका कमा) स्त्रपर (मक्त्री वार्ष) अल्पा मंत्री (अकामांत्री मही)भविषः (मल्य) त्वाभाक्षण कार्ष (रेकि) भागा॥ २७०॥ (लग अल्याम्मम् प्रवादि। म्रेश्म्यामार् म् म्राक्ष्णिकामान: जार धावकक्षात वव व्यक्तिः भी वाकामात्र । टर वार्ष !) मुलं ने (मिलायन विक सरायन) अधिकर (ब्राह्म विक विक साम साहित) क्रिक्ट मिनानामनकहर (क्रिकेवाडि: भिनाडि: असरो : भामना कें कारित्या वर भाक, केंद्र वर्षाया । स्यायार क्षास्या केंद्र द क्क गार्डियेश कर) वन एत्यर (क्क्ट्र त्यसा वृश्विलमः, निम मिल्लिस: वर्ग में के) देकां (क्षेत्रक) काम (मर्पा कर महा वर्ग कर कर मार्ग अन् (क्ट्य अन्य)-क्रिम्य किया का नाम : मान का निक्की का की स वर्भावाष्ठिक नाम त्यामान् (वर्भामार् त्वर् कुमा रेर् कार्विवस्ते त्यातान सम्बी त्या हमाता त्येश्वना निषम्हाता थमा उर् वार्थ बर्भमा ध्वमा त्यालम नमही तमभना करिशा

में सामुका मा कर) लाम (ममाम मिक) दे हैं में (६ ने छं) लम र दर्शन स्वरं (आवस्य अवस्तरं आक न्या के के) लख्य को (६ मड्मी) विता कर् (८७ म सकार्य) देव: (लसार स्थात) क्वान-महिकः (तत्त्रामः) शुक्तवनी (विदेशानः) परे ० (ald;) 2011 (colmit "43; (42 20) 0 70) 1150>11 (अय ग्रमम्माद्रगि । विभामहास्ति काहिए एवी कास्राह्र। (इ द्यात !) वात्राव्यव नवधनाकृषि: (तृष्टनकलपकारि:) क्रि (मिक्कः) आसी द्वं: (मिक्कः) नकः आस माद्वर्धितरे मरी छ : (वर्ष प्रभामार्था) जिम् प्र विलयम हून : (जम वर्ष प्रभाष धर्त्र क्रकाराता वित्रप्रहो द्वारे भन्ना म द्या मन्) निक् (विक्रिय थया माउमा) व्यवि। विष्मु स्थाना (विष्मु सिय देक्यमा) वर्षः ह अविश्वविद्याः भग्ना : (श्विष्ण भा मार्का) अभीर्ष -कवा बुका (प्रथा मे्ड्अवासकरमें श्रीकृष प्रकेष भानि।रिष्य क नामुकार् मार्क ने श्यामा : मा एका मही) बरेडि (न्छानि) 0120211 (अम इन्तायमकी हामूपारमे छ । नीक्क; की गर्कार् वर्मणे । दर गरि।) म्मकमनर धनीमार (बमग्रामार)भी छे: ए (७व) भरर (इन्नेर) ट्यो (वन्तर)पाल्यमा कुन्त्वाकी (कुन्त्यूम्य स्मरी) वमणि (वय मह मराकि) यमा (अने मारि , ट्रिने वि मा)।

विद्यमामा (विद्युष्यत्यती) अधिवर् (छय छक्षेत्रुमर्) अक्रूब्यू आत् छक्षेत्री अपूर्व (अप्याप्ता) नम्र ए । रेगर् द्यादेवी (इकादमर) छव वन्ना (अभीता प्रकी) विन्न प्रांत (रेपि) नम्भा । १७७॥

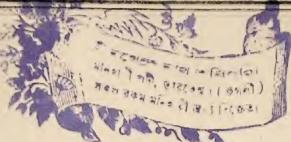
(स्थ धनु नालन कालेमू दार विमा आ अक्किमार।(र) वीव ! गालुकी शार्ष (भवस्वव्यात सक्यात) वार्षण धनवटम : (प्राम्द्रः) अर्थाअग्रमानमा (भाविश्विक्षातमा) (छ (छव) प्रामार् (भयाम्बा भाषा) छलं (भवाषां धर्मा विष्यु हिं। अवाभ (क्राक्षमं) वितक: (नमाहीपि। भूवर् वित्रक हिरूर्)। क्रेस ल्मेमोबार माबर (में क्षमहर) ट्युसेक: (यनत्ममें को मु डारभा भी:) अविभा श्लाम (अविविध्व वारासम) बट्टिन्म (र्येम्बर्स) समार (मामहार) मने पुर (लामिंगर) नद्भः (वाष्ठः)। जर (जमाप जूर्) हाकिष्ठः (युष्ठः) भा हूः (क्ष्मपूर्णः) । (म जन। युष्ठः) थामो (मम मभी) विमुक्त हिकू बर् (म्मानिष्ठाकर्णः (दिराइवेश उवस् । अन्यक्ति (य भीक्रिक)॥१७४॥ भागामा अन्यक्ति श्रीक्षिक भीक्षिमाणी में क्रिक्ट क्रिक्टिक भी उन्ने स्टिक्टिक भीक्षिक भीक्षिक भीक्षिक भीकिक भी कमात्र) समकालिक म्लक्ष्य म्ल प्रः। भारिक वार्षका वदनः (बन करना उन्माह्य हलनाह्य क्वर काह्य मुक् भूत: बिरिष् आक्टापिष् वार्षिकामा बदम् मूम् एमन मः) त्मकपृताः (इक्रवाक्रमानमा) विभिन्न प्रश्येत क्लेष्ट्रकी (ब्रम्स स्थ्याता बार्विच्यार विश्वित्र विश्वातः जनाकामत्त्र अक्षित्रव्यात्रा डेनापाए प्रथ्येत्रमाधियतर वाद्यार् कोव्यभीतः) रूपः ममद पायल (वक्का)11 20011 (लाम त्मिमामूमार्वाछ। जीवाका जीक्कमार। (र) मार्वव ! लिकं मूत्री (धम्ना) जन्ने निवस्त (जन्ने ममूर्यन) मूला (इच्छा। प्रम) त्मे: (त्मेका) ह नगा (तृषमा सूर्ण देखारी:) इति (नवहंसमर्) वय यह: (बाकार्) व्यार (सवार्) नव (खबार । भयतः) मम देम् अव धार्मायर (धार्कार्थर) अक्षानियान (मक्ष्मां (४६:) राठ १ कथा: (१ लममा :) वि उंद (लमार मार्वि) मार्विकः धार्ति (तोका-हामस्य हवात्रि)॥२७७॥ (अम भीनाकिमान) वर्मी-वम् न्यू कारिशाविका (वर्मी ह वक्षक व्याक कर्मिनार् इवर्गर्) भी नार्षिण द दिवर ॥ २७१॥ (Egneston)

CLASS ROUTINE

Days	let Period	20d Perion	3rd Period	4th Period	5th Period	6th Period	7th Period
Mon				32			
[ues							
Wed							
Thurs			7 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7				
Fri						201-11	
Sat							

Manufactured by :- M. R. CHOUDHURY & SGNS.

No. 2



ROCKET

EXERCISE BOOK

3/3377279
Subject Swoon Subject
Name Name Now ()
School/College Talgro (Complete)
Class Roll No. Sec.

अवस्थास्त्राम्। है। दर मणः । क्षेत्रक्त)लम (लय देवं क्षीमाना) हन्तरंगः (मर्ममत्रमा) महिक्समाद (मिरीक्का विमासार (प्राचाः) रूप्तं (रूप्तकं पर)मूल्डी (नीव वर् कूवर्ण) कनक बन्धानि (स्वन्यममस्यर)हेका हेका केमाएड (मज्रूममस्ति) दुराश्मरी (कुर्वे शिम्बरी) लाक्ष्यः (मार्केश्यन्यन्यन्य) चेस् (मू फिछ डाक् मिसीनन मिछार्थ:) हाक्छ हाक्छ (धार्छ समुद्रामन ब्राट्नियः) अभाव (मर्मा) थाताक्यंती (मर्थ) भिद्या भिद्या (मान्द्र मन्द्र मिया) मार्ववमा (की कृषामा) अक्षु छ : (काडार) म्ब्री इवि ॥ १७४॥ (अम वम्हानेर्प्रमूपादन् वि । वश्वितरं न्वाल वस्मप्रपान अक्कः धम्बाह्मत्रम् वर (भाषा: क्रिक्ट डीवप्याने धार:) न:(धमाकः मर्प) कारिए नका (कूमानी) इमानिन्द्र (अअमन्त्रान्छ-(मरा) नव (मरी) मलाद (रेदा नी स्मव) उक् अविका त्यान-कार्याञ्चलः (निक्रेन कर्या जनग्री रेक्ट्रीः का किए) अविीः (ब्हा:)रेर (यम) व्याप्य । बाह: (बन्द्रीह:) ज्याः द्रमान् (क्राट्य क्टि:)द्रमात्र मान्त्राविका लिय टिन लाहे करं: - (देमाद्राक काकार में में किता के कामार के मार्थिकामार अद्यु रेसर उम्र (हनमारे कर : वम्राममात्री) अन्द छनानीये : अक्की जन् कार (माक्षे:) वालाका जार (कार्यात कार्या मुकालने जल !-

क्रविमामिम अक एका विश्वीपवास्)॥ २७०॥ (चय न्यालेर्जिम्मात्वि । अकाकिनी विवादाम् नात मुख्यमविद्वि । लामका सिन्नी में: न्येक मार । हा) श्रीम्पाक । एम् वं त्यावर काक्र (मना का) अधिएकर मह)वैरं यह वाक्ष्य काक्ष्य (all det) Ja: (ardus gullus) An dayre (darys) मन्द्रि विश् इविति । दिका (कालान) हिवार (दीर्धकानार वर्ष) प्रा इस (क्राच) हैं अर्थ परिवा (समा रेवा लास) काव : (कासार (ध्याक्रमेर केम्बर (स्वीति) उत्रावानार (क्याकृति) व्याहित् (ध्याक्रमेर केम्बर) प्रावेश (स्वीति) उत्रावानार (क्याकृति) व्याहित् माई)॥ २९०॥ (अम महेमूनार्वि। नाम भी भः अकृत्या नामिलाना आप) रउ! र्तितं तर (त्रमार) म्हेम्स् अस् (स्त्रम्द्रेग्र्याव्युरं) स्वत्रक (ध्यक्तारं) मान् (छक् १)धानिष्प्रमाना: (माष्ट्रमनिष्ट्र छ) : अछ :) महेग्रिकामर (माममहेग्रिकाट्ड) अववा (अवार्ष) विवाद वर लाएकेस (कंक्स) वर (वस्तर लड्ड) माना (भाड़ मर) लच मुलिय (म्लिम्) विकास (माना प्राव्य) भिष् : जाते थ (विद्याम रेंग्ड) म्माल्याम (विद्याम , वाम । विकास -व्यानिकार विकास क्रिक्स हमा वं तिमा भी विकिश्म (201805m)1158211

(अय क्षेत्राहितीयलास्मारम्जि। तितीयान् भीमधीयात्रीयात् भीकृषः : भवासमात) लागे या नाममें भी (हक्तकात्मा स्मिक्त) भिष्टि की हार्य -बस्मक मा (अतिहः समारः तः भीलाये व अ: कीलाये व व व त्याकरमा) मस्निवास्य (लाम्बासिखा मडी) के वस्त्र तमार्थन : (कामाक-रूअमा) कृत्यू नीना (कृष्णप्राणामना प्रकी-) वदी बार्ड-(वलरक देकार: 'दाक) आरक्ष (लड्ड माना)। (याहि (लयमा) नव: (WM कछड़:) छनाड्न प्रश्रंम विना डा वाप (G आ: भारत्र ? विता) लकापि (लस्तातं) कम् (क्य प्रत्या) मैक्यासार-निमार्जिणात्र भरेती स्थापन (भूष्मात्मादम भूष्मात्मोप्डर) । विमार्जिणातः भूष्मे व्यानम् व्यानम् विमार्जिणातः भूष्ये व्यानम् व्यानम् विमार्जिणातः भूष्ये व्यानम् विमार्जिणातः भूष्ये व्यानम् व्यानम् विमार्जिणातः भूष्ये व्यानम् विमार्जिणातः विमार्जिलालाः विमार्जिणातः विमार्जिणातः विमार्जिणातः विमार्जिणातः विमार्जिणातः विमार्जिणातः विमार्जिलालाः विमार्जिलाः विमार्जिलालाः विमार्जिलालाः विमार्जिलालाः विमार्जिलालाः विमार्जिलालाः विमार्जिलालाः ष्ठ्रवत्रा छक्तरमाज्ञरीः) भाजी हायप (हामन् व्यय)॥१८१॥ (अप मर्वभात्रम् पारविष्ठ । कृषा (भी नामीमात्र) आत्री (भी वार्षा)
प्रमुक्तिक (धर्मभात्र भारत) भर्मा विषे (भी कृष्णमा) भर्म वर् (माना-ड्यर) मेशा कुर्व (में प्रकल्ड) सही कर (से) में आ (लाय स CHIX-युक्त मरी) एव (श्रेक्ट्रिय) मूथ: (श्रम: श्रम:) ध्रायेष (कामार्थ) अगर्या) थान कर किसी प्रमाण के कर (पर्द-स्मरम) म्मर (म्बिर्गमर) यह with (मिक्सिनडी) オルボ (スペ) オ は (chr いないの)11 28.011

(यम वर्द रबन्धि विमारवाल । सामिता भी गर्यमा प्र विभाभाग धार । श्रीमंत्रांगा वहतम् । (त्र) प्रवृत्तः । (त्राक्षः । विमास्यः !) नामा (केक्यमा) इति का में बि (लच विवाधि । विभाग कार । इति) (मामकना (दबि । मा माया थार) कियर : भाषा (दक्त अएंग सत्त व्यामण । मिला आ आर) व्यामे (देग्ट्) जन मा १ (मार्गिष्ट्) क मंगरे (बार्केश । मतः इतः वव) वन्त्रा (सरव्ये) निर्मेख (विश्वाया कार्युका। थक:) मूल: (निवड्न) धमू ? (अठाए) प्यामिन्नं (प्रामि) रेडि (बिमान्सम अवर्वात्कात) ज्या कुर्सि (uniने नर् विषये) ना नी रवनर् भर् (मीकृष्ट?) वितिष्ठा (काक्षा)भारती गद्मा तत्र (गश्चर) द्विनंद (पक्षार) garay. (21.81) 11 588 11 (अम केमरे मुख्या मुद्दार ने जिल्ला ना नम नमा मर रहक विया माम-भीतासापर भीतासक काविके (काल क्यान वंसाने र (वंसाने प्रत (अप्रतित: हे हि कार्यकर) उमर्व भीता- विल्या मार्थकर (उमर्व प्रति नीता कुछ्। मि (भाषा मिछ् भवस्मव जा मिछ्) त्या हू की जा निमीता मून: (अल्पा भीनमा विधीन(छो मूलो नम्त धना जमा) डमकः (अक्षित्र) (शक्षाक्षिक्षीत्रात-सूम्न अत्रान-सन-अिष् (स्थाकः (शाकसम्मम् त र निक्षामानः मर्विन्माने जर्म थल माउल अमानि गरिमेण्ड मनाभिष्ट मृत्राप्त थन छः)

ट्यामारहमिन्निन अम्मन्थन् एवा प्राप्त सर् (ट्यामारहरून त्यम हेरुत्तर त्रवृता निवर्गता निवायव्भाः अम्मवाः अमन्भेनीयाः लक रच स्वोक्स किसारमस क्यांस्क्री सच हुई) सिम्मास्रावर (कलद्रेशहर्) दुनामात (कर् भागाति व्यामात)॥ ८४०॥ (लम में क्युलामें मारवात । रेंसा के सम्बासार । (र साम ।) लगरान (अर्थिक) में कमन् (में कि मक्तिमम् का म : वन लामी इक्स अर्ट्य वार्षकात्र्येक्ष्य विया (क्यार मुलागर) बल्यार (CAME) MAS (MUNE) 12 MAS (MO)) MAN SING E LA. राडि (गमक मन देखि प्लेड दिन्तीय नामक मार्टिम महता हार) क्ष्मि थान मार हिन्द्र निका निका निका मार प्रकार मार कार मार निकार क्र रेखिन सेले मक्रम वाकी (य) में स्त्र । (व (वर) तमा लाल्य (लाहन : उम्मस) ग्रीट (नवम्का) अत्र म (अकामन GAIL:) प्राप्त (पडि) १ एर्ड (सिंट) १० : (वसार) प्रदे हार (टकालाठ) देन या (जीवाका) हमाविकता (वालयकारीआपत) सिंग्ड का के प्रकार (ह्या के क्योरिक दियु गारात्र) 11 58 ला।

(अथ मरेनक्षिम्पारकि। माम्बदः मकामाव मीनेमारुष्य मर्नू-मणंत्रत लिक हिण्क र सुवन् वीक्षः ज्यूष्यव्हमार। (त मर्भ!) हुना : य: (अक्ष्मिक्यान्य :) स्पु: (नत्र) लाग्ड (क्ष्त्र)। लानुवंत्र-आडण्टल (निविषाक्रकानवानि पूर्ण) निकृत्स मार्थ डेमापन (देशक् छिन मान)। श्रिष्टा श्रिष्टा (मन्द्रा प्राण्टिनागे क्षा)क्ट-भारत (केंद्रामं वायवंत्र महं) केंद्र वाति (व्याकत्त्र १६ केंद्रित से) कर्मा (ज्याक्त्र) मार्ट (त्रम माराम) में टार्क्स : (में स्वास-क्षेत्रा लार्चेश लार्चेशक्त्रा थः क्यार्कः) लास् मः (स्पृनः) प्रम्भाक्ष्यमी (असम्भा आकृष्मा हिक्रमः विविष् दिन कु न्ध्यः त्रमा बमार्डः सर् । क्विन्यर्ग्डिं (क्विन्मप्राड) विकीयम् (दार्भन्म) क्षाए द्रम्यामाम (लाक्निण हकाय)॥ (ज्य हमुम्पारवि । क्षममुत्री अम्भीमात्र । त्र सार्थः) 28911 एक्ष्यीक: (अक्षत्र:)धानित काकि (गणूता कम्प्रणु) कमन् देव (प्रभा कमना हम्बा विषया ।) प्रवासिय: (श्रीकृष्टः) कलरे हरे। निष्क्रवः (कलरित हरे। निष्ठ हलात कालो यमा १ वमा १) लसेशाक्ष्या: (असमर्गमां : क्यां कार्य :) बेलमार (कयल् प्रमार) ममकार (मर्काड) विर्मे गमायः (कल्यसायः) समामियः (में मिल्यें) लाह से (हा स्ट्राम्) 11580 11

(ला लाडिनमें एवं के। जी में कुर मा व्युगेष्ट) मबबा उर्व्या में (प्वमक्षेत्रवभूगा) ज्या (स्थापक्रा) द्यात्म (द्रकाक्ष्य मात्र राक्ष्र) देलल्ए: (लाल्यांड:) म्ह्यूर म्यू छि: (मय-बनमका है:) श्रेन : (वीक्षः) त्रिन गेय त्री भाविती लागे- जमान-यशंनानि (त्रिक्तेन नाम अन्य नडण्ण लिबी जिन्न अविकालानि धलंताने धना जमा जमनमा भलंगानि पल्ला में देश मा (क्षात् । एखार् ली वकार त्या हार विश्वप्रयामात्मकार्यः)॥१४०॥ (लग नगम कम मारवाह । महासमा भी मंपीए वर्ग मी अविद्रमान । (म) मार्थ ! रेटमो (जब यक्षार्थ मृन्नामातो कृष्टिय अन्नाति व्याने a (के) कू एमे (म स्ति) म (म स्ववः । भव्न) भाविष्ठा (भवा कर बत्ता कि महाबुद कर्मा नामूर प्रमाश मान मान मान कर मान कि कार किंग मथ् क: (प्रधार) समग्र (द्यादकार्त्व) के मिर्ग : मैं यर् (र्येत्रायाः) क्यरं (लाक्यं त्यत । वकः) मामस्य : (यता-मायः ' नाम भाग्नेमस्यः) लच (लाभुषं) लाम्बाह्मे मवावन् क्रिलेक्स (सम्बद्धिम प्रावेष अतिक क्रिक्सि) कम्प्रियो लके असामाय मामायकात्) राठ अव क कार्यात (व पढ क्यार) जर अम्मर (म देकि समय डर्वर)1120011

(कर दिसेत्रमेदाणायष्ट्रमाडका । यार् मार्का रेश वा मार्कार-De Juice 18 was a stand (co your!) सार (द) करात्रकां म्याक्षित्र म्याक्ष् (ह अविद्याराले मालार ने मिले में ' वर) में मर अंबार कर (क्या का मामार वर) न दि (तेन) क्र । एकं वराकंति! (त्र मुन्ति!) नीमन्ती-चयवः (क्षम् काममङ्गः चीकृष्ण देण्यः) जय व्यवस्थाने (लक्षेत्र व कार्य देशप्र प्रकृष्ट प्र) विषक 11 5 6 3 11 (क्रम सम्मित्रमारकार । क्षेत्र के का वाद्या कर-पक्त में की रेगा कार) कालाम प्रमाळां (वयम कामडी -र कमा) भी दे कार से न्या मार्ग (भी देशा में ने व्यास मान बिलास न र्मु कार्भे संभ मार कार) यामु (रें क स्वामित) लासाय के की त्रिया (कास्याद: के के स्रो लाय: का यह साय त्या राग बन्त) बाड्डकन्। भार्यः (सर) सक् (अप्ति) त्यात्र अपलेखाः मेर्डाहरे: (कार्यक्रम प्रत्यक्रम के अवं सम देश (कार्य उत्तर राष्ट्र महातर नीकृत मादानिकंत हेक्र्या हेक्र शु: राक्त्या क्या) शिक्षात (muna mind) लक्षाति वापु भित्र : (धर्म्भामात् मर्गाः)म्मालाव्यका देवमा रावः (भीव्या) निर्वयम्भी अविधिः (भूके भीना-Drava:) \$200 11 7 8511

विम का तर (कार्यकार) मियः (१कमवर) ती ता विकासन र्या (यहरे) सर्ट (क्यां) असित्यात्म एका (व्यव सेगरे) म साम् (म अस्य) स्थिका: यह विष् : (क्रमार्ड) ॥ २००॥ (वर्माउंबन्यं। बाचवंस्मकामुहिवाक्यः यकाः हर्तिस्मानुसामः लक्सन् आयाम् कि) रासन भनिवहति (आनियं स) नयाने आहिः (LALCA:) PCHATE (answar an) Egil & Thistern (इमारेकांधेत) लक्षं मत्य (लक्षंत्राप) है अर्गाय (इस्ट्रात्र) वकानिए (यक्षतर् ज्या) मुकूलममात (ब्रञ्जाकर्मत) क्रूवलएम (गुम्पलाम) डाटु (कडाबंट) केंक्यान्ता वाकृता डिंड: (म्येक्स)) वंतात (क्समत) लाक लाह्य में यह लामाद्व (sor) 115 0811 (द्रमारक्ष्मार) देशमान्त्रीक्षित्यः (मारक्षार मात्रः) नर्माद्रायकता (मिन्द्रामकी आस्त्रीम त्र) ज्या (जब्द) पामास्कारा: (ज्याकारात:) में प्रकथ श्रेरकारी (स्टान: अस्ताः अभूकः) क्वाः (क्रमणनम्) विश्वमः (विनामः कः किक्से) मर्कायमे (दिन्तीरंग) (त्रक्स्प (लाक्स्प) क्ष्मिक (१ असका किं हैं की कामार) कामाठेबापप त्यान क्षित्रकृद (त्यानक) क्ष्यान्यम (क्ष्यान्यम मंदर) व्यानक (क्ष्यानक क्षयानक क्ष्यानक क्ष्यानक क्ष्यानक क्ष्यानक क्ष्यानक क्ष्यानक क्षयानक क्ष्यानक क्ष्यानक क्षयानक क मूमर मिल्ल (विद्वान्ममाम)॥२००॥

(वामिकमश्रम् डवा अमरें भीनम्पाय भएगरेन अन् मूलम् निर्म : क्याविष्य त्रमकर मिलेक्) अभूम (सेंबक्षेत्रि) भुष्के-(यादन (आग्रिक्ट्) जिलकार्के दंत्र (द्याराक्यार्म क्रिम) on) 1 माने के विष्या कि (मुह्मा कार्मे कर्मा मार क निरम्पि (निरम्प्य (निरम्प्य (निरम्प्य व नक्षा (व म) लक्षंत्रकाकात कमा नसाह: (वार्डक्राम प्रितः) समात्रकार-रिष (अंडेक मुक्सेर) कामन्याडुमास्य (में भायेद्या) में हार : (चि.मे.) कर्रिं (श्रेष्ट) क्रिक्स : (म्युक्स - सक्यांगः) स्मिन्न हेटें : असे यः येवेश वहः 'जिन होर्डिक: (ञीष्टित्रकः) यहुव ॥ २७ ७ ॥ किनेश (जिनेशिक क्राक्क) व उपस्थाय कार् (मार्गामक ! त्यार्का (प्याक्त के महत्त्र :) व्यापम ! अ अन्तरंगक्य । नामवानार् जिलास्त्रीं क्लास्त्रविद्या । ट्याक्रमें बड़ा हा स्टाइ कं द्रिकारी : अपूर्मकरं : (अपूर-वाकार्याचे उत्पर्भ:)॥ २०१५ २०१। लिया कार्यादे कार्यादेश (१) में कुमार्था (मैस्ये कार) कास : आसी मर्दा: क्याकि: (क्यामिकः) समा भन् (एवसर्) म्बे: (न व वम्राउ: वाल देकार:) मर्था

ROUTINE

	Figs.	1st Hour	2nd Hour	3rd Hour	4th Honr	5th Honr	6th Hour	7th Hour
-	1							
1	Monday		No.	Y	100		37	
1	Tuesday		-60	A. Carrier				
-	Wednes day			3				
-	Thurs day							
-	Friday					÷ .		
	Satur day							

VARIETY STORES TYPE FOUNDRY

96, Baitakkhana Road, Calcutta.

Type, Lead, Coutition, CaseGally, Stand, and Varieties Press Materials. Sold here at Cheap rate and Moffasal Order Suppliers.